

प्रतियोगिता दर्पण

अगस्त 2013 मूल्य ₹ 85.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

http://exammagazine.pdfgroup.in



—नथमल डिबेल

सिविल सेवा परीक्षा, 2012
(35वाँ स्थान)



—रजनी सिंह

सिविल सेवा परीक्षा, 2012
(50वाँ स्थान)



—काना राम

सिविल सेवा परीक्षा, 2012
(54वाँ स्थान)

राजस्थान के राजपूताना शैली के 6 किले अब यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी-2013 : भारत विजेता

क्रॉसीरी ओपन टेनिस 2013

2028 के बाद भारत सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होगा : यूएन रिपोर्ट

भेमलता अग्रवाल : सांती महाद्वीपी के सर्वोच्च पर्वत शिखरों पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला

53वीं राष्ट्रीय अन्तर्राज्यीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप

‘रोशनी’ परियोजना

• 2013-14 की खरीफ उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य

• प्रति व्यक्ति मासिक व्यय व बेरोजगारी की स्थिति पर एनएसएसओ के 68वें दौर के सर्वेक्षण की रिपोर्ट

• मांदिक एवं साख नीति (2013-14) की पहली मध्य त्रैमासिक समीक्षा

हल प्रश्न-पत्र

• सिविल सेवा (मुख्य), 12

• उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.), 13

• सी. सयुक्त स्नातकस्तरीय, 13

• जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ., 12



वार्षिकांक
विश्व घटनाचक्र
वार्षिकी





Rau's IAS Study Circle



आश्चर्यजनक सफलता:

हमारे वर्ष 2012 के परिणाम : पहले 20 में 9 और पहले 100 में 28 छात्रों के साथ हमारे कुल 294 छात्रों का चयन हुआ है। हमारी पिछली उपलब्धियों पर गौरव भरी जगह तो 1953 के यूपीएससी की सिविल सेवाओं में हुए कुल चयन में से लगभग एक चिह्नक चयन हमारे जट्टी कॉलेज से हुए हैं।

यह एक गंभीर दुर्घटना है कि आईएएस और पीसीएस की कोचिंग में RAU'S केश मठ में सबसे बड़े योगदान और चर्चित नाम है।

सिविल सेवा परीक्षा में सफलता के लिए आवश्यक हमारे कुशल मार्गदर्शन की आवश्यकता है।

टिप्पणियाँ :

भारत में जयपुर को छोड़कर हमारी कोचिंग शायद या सहायक नहीं है।

"You can be the change, everyone wants to see in country's governance. Join Civil Service."

कार्यक्रम विशेषताएँ:

विश्वविद्यालय परीक्षा, 2014

प्रारंभिक परीक्षा (जो पाठ्यक्रम के अनुसार हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम में)

- ▶ **प्रारंभिक-सह-मुख्य कार्यक्रम**
Prelim (Paper I - General Studies & Paper II - CSAT) and Main Examination - General Studies (All four papers) & Essay
- ▶ **मुख्य परीक्षा के लिए वैकल्पिक विषय-**
Public Administration, Geography, History, Sociology, Political Science & Economics
- ▶ **जट्टी मेडिकल केंद्र प्रारंभिक परीक्षा (पेपर I & II) के लिए हिन्दी व अंग्रेजी में उपलब्ध**
- ▶ **हॉस्टल सुविधा उपलब्ध**

JAIPUR CENTRE : IAS EXAM - 2014

New batches for IAS Exam - 2014 will start from **7th June, 2013**

Admission Open, Apply Now.

New batch will begin from 7th June, 2013
Admission Open, Apply Now.

Rau's IAS Study Circle®

मुख्य परिसर: 309, चंपलजंगल बिल्डिंग, 18, बाराबंका रोड, कॉर्पोरेट प्लेस, नई दिल्ली-110001 फोन: 011-23317293, 23318135 - 36, 23738906 - 07, 32448880 - 81

जयपुर केंद्र: 701, एंफेक्स मॉल, लाल कोठी, टॉक रोड, जयपुर-302015 फोन: 0141-6450676, 3226167, 9351528027



www.rauias.com

contact@rauias.com

www.facebook.com/rauias

www.twitter.com/rauias1953

60 years of Success & Trust



अमृतवचन

- ★ समस्त उन्नति का आधार आत्मनिर्भरता है। — सी. हर्नेकज
★ दृष्टान्तविशेष के अभाव से आत्मनिर्भरता का अभाव हो जाता है। — एगर्सन
★ आत्मसंरक्षण (Self-defence) प्रकृति का प्रथम नियम है। — सेन्गुएल बटलर
★ आत्मविश्वास (Self-trust) सफलता का मुख्य रहस्य है। — एगर्सन
★ जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है। — अज्ञात
★ हमें सबसे पहले आत्मसम्मान की रक्षा करनी चाहिए। — प्रेमचन्द
★ आत्मसम्मान के लिए मर मिटना ही दिव्य जीवन है। — जयशंकर प्रसाद : वन्दयुक्त
★ आत्मा एक घंटेन ठाव है जो एक देह से दूसरे देह में आता है। — सैट
★ आत्मा को रथ में बैठा हुआ खेदता जान, शरीर को रथ जान, बुद्धि को सारथी और मन को लगान जान। — कटोपनिषद् (कठो)
★ जिसकी आत्मा पवित्र हो, वही लौका है। — प्रेमचन्द
★ महान् आदर्श महान् मस्तिष्क का निर्माण करते हैं। — इग्नस
★ आनन्द सुख से गिन्न वस्तु है, वह बाहरी चीज़ों पर आधारित नहीं है। — महात्मा गांधी

स्मरण प्रतियोगिता (Memory Retention Contest)

आकर्षक पुरस्कार जीतिएं

क्या आप राज्य ऑलिम्पिक, खेल, बैंकिंग सेवा परीक्षा, भारतीय जीवन बीमा निगम-प्रशासनिक अधिकारी परीक्षा, वन सेवा परीक्षा, उपनिरीक्षक पुलिस, एम. बी. ए., सी पी. एम. टी., सी बी. एस. ई., बी. एड. प्रवेश परीक्षा आदि परीक्षाओं में सम्मिलित हो रहे हैं? यदि हाँ, तो आप एक आकर्षक पुरस्कार प्राप्त कर सकते हैं।

आपको करना सिर्फ इतना है कि वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्रों में पुछे गए प्रश्न आप अपनी स्मृति के आधार पर बहुविकल्पिक प्रश्नों सहित हल लिखकर भिजवा दें। हम सभी प्रतियोगियों को प्रतियोगिता में शामिल करेंगे और सर्वाधिक सही प्रश्न भेजने वाले को पुरस्कृत करेंगे।

पुरस्कार

- सर्वाधिक सही प्रश्न भेजने पर प्रथम तीन को क्रमशः ₹ 500, 300 व 200 पुरस्कारस्वरूप दिए जाएंगे।
- 75% प्रश्न से कम पर कोई पुरस्कार देय नहीं होगा।

स्मरण प्रतियोगिता

प्रतियोगिता दर्पण 2/11 ए, सदरेशी बीमा नगर, अगस्त-2

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय-प्राकृतिक आपदा और सरकारी तंत्र : कितने सक्षम, कितने ऊबड़ ?

अन्तिम तिथि-28 अगस्त, 2013

शब्द संख्या-लगभग 2000 शब्द

(1) निबन्ध कागज के एक ओर ही टिकित अच्छा स्व-हस्तालिखित होना चाहिए।

(2) निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजे। प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 800, 500 व 400 व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे, अन्य 10 अनुसूचित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपहार प्रकाशन की ₹ 200 मूल्य तक की वॉशित पुरस्कृत पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी।

चन्दे की दरें

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति	मूल्य 70-00	70.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण ढाक से	635-00	630-00
रजिस्टर्ड ढाक से	855-00	850-00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण ढाक से	1180-00	1175-00
रजिस्टर्ड ढाक से	1620-00	1615-00

सामान्य ज्ञान दर्पण

	मूल्य	
एक प्रति	45-00	
वार्षिक मूल्य :		
साधारण ढाक से	405-00	
रजिस्टर्ड ढाक से	620-00	
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण ढाक से	755-00	
रजिस्टर्ड ढाक से	1185-00	

- कृपया अपनी सदस्यता-सूचक मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्रॉफ्ट द्वारा ही भेजित करें, बैंक खातेधार नहीं होने।
- अपने संपत्ति पते के साथ यह भी सुक्ति करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए चाहक बन रहे हैं।
- पुलने शाहक कृपया अपनी शाहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें।
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्रॉफ्ट 'प्रतियोगिता दर्पण' के नाम से ही खातेधार किए जाएंगे।

ऑर्डर फार्म

मैं प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी/अंग्रेजी मासिक)/सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी मासिक) का वार्षिक/द्विवार्षिक नियमित शाहक बनना चाहता हूँ/चाहती हूँ। कृपया मेरी प्रति नूत्रे निम्नांकित पते पर भेजित करने की कृपा करें।

नाम _____
पता _____

पिन □□□□□□
मैं ₹ मनीऑर्डर/बैंक ड्रॉफ्ट द्वारा भेजित कर रहा हूँ/रही हूँ।
दिनांक _____ प्रेषक के हस्ताक्षर _____

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए, सदरेशी बीमा नगर, अगस्त-2013

Website : www.sscgroup.in
E-mail : careerss@ssgroup.in

बेजान बाल अब आउट ऑफ़ फ़ोकस Deep Moisturising Therapy के कारण

मेरे बालों को हर दिन तरह-तरह का स्ट्रेस और पॉल्यूशन सहना पड़ता है। सिर्फ़ केरोकार्पिन की Olive oil और Vitamin E युक्त 'Deep Moisturising Therapy' बालों को जड़ से दे पोषण। तभी तो मेरे बाल रहते हैं healthy और smooth हमेशा।

Olive Oil +
Vit. E युक्त

NEW



MANGALAYATAN

UNIVERSITY

UGC Recognized

Learn Today to Lead Tomorrow



मङ्गलायतन
विश्वविद्यालय

॥ विश्वं ज्ञाने प्रतिष्ठितम् ॥

Our Commitment to Excellence

Faculty from IITs.

Placements at over

200 companies in the last 2 years.

Dedicated training for competitive exams (GATE, GPAT, MAST, etc.).

Continuous Career Guidance from Industry-experienced Professionals.



**What Dream
will you Fulfill
at Mangalayatan?**

- ✦ An Engineer trained by faculty from IIT and US Universities?
- ✦ A Hospitality Professional learning his craft at Taj Hotels?
- ✦ A Journalist winning student awards for an inspirational documentary?
- ✦ An artiste perfecting her education by performing at the Agra Taj Festival?
- ✦ A Bio Professional attempting projects that may revolutionize Indian villages?



Admissions Open

B.Tech/M.Tech || Biotech || BBA/MBA
BJMC || MJMC || B.Ed (Innovative)
BTHM || B.Pharma || M.Pharma
BA LLB || BCA/MCA || and many others

MANGALAYATAN UNIVERSITY

High Quality Education

Extra-curricular Activities

Exposure And Personality Building

Great Placement Opportunities

Approvals And Affiliations

Student Skill Development

Top Recruiters at MU



Attractive Scholarships for Meritorious Students

- MU **ALGARH** City Office: C-1, Sector 1, Phase 1 of The City, Mangalagiri, Andhra Pradesh, Ph: 0821808480
- MU **MAHARAJA** City Office: 20/5 E, Main Building, 1st Floor, Opp. Police Chauri, Bagh Bahadur, Near SBI Main Branch, Mathura, Ph: 0255002529
- MU **NR** City Office: F-5, Sector 7, Phase 1, Opp. SBI Main Branch, Mathura, Ph: 05199555555
- MU **INDIA** City Office: Shivdutt Palace, Railway Road, Kalyan, Maharashtra, Ph: 0755000000
- MU **LUCKNOW** City Office: 1/1, Main, Near Kalyan Road, In Front of D.D. Bank, Lucknow, Ph: 0522022222, 0522022222
- MU **INDIA** City Office: F-11, 2nd Floor, SBI, Post, Bagh Bahadur, Mathura-1 Ph: 07550033333, 0522022222
- MU **CHANDIGARH** City Office: 33, Laxmi Bhai Colony, Panchkula, Haryana, Ph: 01724455555

Toll free # 18002744000
 SMS MU to 53030

CAMPUS
 Extended NCR 3rd Milestone, Mathura-Aligarh Highway,
 Aligarh (U.P.)-202145

www.mangalayatan.edu.in



प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

के पाठकों से

प्रिय पाठकों !

आपकी सर्वांगीण एवं सोमसम्यक् चर्चा 'प्रतियोगिता दर्पण' का अगल अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है। पत्रिका में प्रस्तुत अंक को आपकी आलोचनाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का भरसक प्रयास किया गया है। प्रकाशन से सम्बन्धित सभी के समुचित प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षार्थी के बन पाया है।

विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सहायक एवं विश्लेषणात्मक निबन्ध दिए गए हैं। इनमें से कुछ निबन्ध इस प्रकार हैं— भारत-ब्रिटेन के 'ख़ास' रिश्ते, अलकनन्दा : कारण एवं निदान, पूर्वी अफ़्रीका तथा भारत और भारत-भूटान सम्बन्धी की ऐतिहासिक विचार।

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रदान-पर, आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं। इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

वसुन्धिष्ठ सामान्य ज्ञान—(i) सिविल सेवा (ग्रुप) परीक्षा, 2012 : प्रथम प्रश्न-पत्र

(ii) एस.एस.सी. संयुक्त स्नातकस्तरीय परीक्षा, 2013

(iii) उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्र.) परीक्षा, 2013 : प्रथम प्रश्न-पत्र

(iv) उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्र.) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र

ऐच्छिक विषय—(i) संवैत—पू.बी.सी.-नेट/बे.आर.एफ. परीक्षा, 2012

(ii) गृह विज्ञान—पू.बी.सी.-नेट/बे.आर.एफ. परीक्षा, 2012

(iii) युचना एवं प्रशासन विज्ञान—पू.बी.सी.-नेट/बे.आर.एफ. परीक्षा, 2012

(iv) छात्राधिक शिक्षा—पू.बी.सी.-नेट/बे.आर.एफ. परीक्षा, 2012

इसके अतिरिक्त उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सम्बन्ध तथा संख्यात्मक अभियोग्यता-आगामी प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष हल प्रदान।

हम आपको समस्त दिलाना चाहते हैं कि 'कठिन परिश्रम एवं उच्च और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है।' प्रतियोगिता दर्पण आपको सही एवं समायोजक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है। अग प्रयास करें, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है।

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए, यह आपको अचूक सफलता दिलाने एवं आपके उत्कृष्टतम भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है।

आपकी पसंदीदा सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

बंशु जी
(सम्पादक)

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2013

14 जुलाई—बी.एस.एस.एस. में देशव्यापी दैनिककाल ऑनसर्ट (टीवी) की भी परीक्षा

14 जुलाई या/एवं 21 जुलाई—वनतल एम्प्लॉयमेंट कमिटी लि. सहायकों की भी परीक्षा

20, 21, 27 एवं 28 जुलाई—धरतीप रिजर्व बैंक में सहायकों की भी परीक्षा

21 जुलाई—म.प्र. स्टाफ नर्स भी चयन परीक्षा-2013

21 जुलाई—एस.एस.सी. प्रसार भारती इन्फोमेटिक्स ऑनसर्ट एवं तकनीकियन भी परीक्षा

जुलाई—बहुसैनिक भी परीक्षा [गुज X (लकनौ) ट्रेड]

28 जुलाई—केन्द्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परीक्षा (CTET) जुलाई 2013

11 अगस्त—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (II)-2013

17, 24 एवं 25 अगस्त—आर.बी.आई. ऑफिसर्स ट्रेड 'बी' परीक्षा

(अभिलेखन अन्तिम तिथि—11 जुलाई, 2013)

18 अगस्त—एन्यू बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2013

22 अगस्त-2 सित.—राजस्थान राज्य पब परिवहन निगम में वातावरण निरीक्षक, सहायक वातावरण निरीक्षक, बजटिड अभियंता 'अ' तथा 'ब', कनिष्ठ विधि अधिकारी, भाषा कल्याण निरीक्षक, कनिष्ठ लेखाकार, कनिष्ठ शैक्षणिक अधिकारी परीक्षा

(अभिलेखन अन्तिम तिथि—24 जुलाई, 2013)

25 अगस्त—सी.आर.जी.ओ. में सीनियर वैकान्सी ऑनसर्ट 'B' परीक्षा

25 अगस्त—दिल्ली पुलिस व केन्द्रीय पुलिस संगठन में जूनियरशिफ्टी, सी.आई.एस.एफ. में सहायक सब-इंस्पेक्टर एवं एस.सी.बी. में इंटेलेक्चुअल अधिकारियों की भी परीक्षा-2013 (द्वितीय प्रश्न-पत्र)

25 अगस्त एवं 1 सितम्बर—उत्तर प्रदेश प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक भी परीक्षा

30 अगस्त—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातकस्तरीय परीक्षा-2013 (द्वितीय चरण : द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1 सितम्बर—एस.एस.सी. संयुक्त स्नातकस्तरीय परीक्षा-2013 (द्वितीय चरण : प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र)

8 सितम्बर—उत्तर प्रदेश पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षक भी परीक्षा

8 सितम्बर—संघ लोक सेवा आयोग सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (II)-2013

15 सितम्बर—छत्तीसगढ़ सहायक जिला अभियोजन अधिकारी परीक्षा

29 सितम्बर—छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. प्रेषण भी परीक्षा

सितम्बर—राजस्थान कृषि एवंवैद्यक भी परीक्षा

सितम्बर—अकटूबर—दिमाक प्रदेश राज्य पञ्चायत परीक्षा (SET), 2013

1-25 अक्टूबर—मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग राज्य सेवा मुख्य परीक्षा, 2012

20 अक्टूबर—केन्द्रीय सहायक पुलिस क्ल (सहायक कमाण्डेंट) परीक्षा, 2013

(अन्तिम तिथि—5 अगस्त, 2013)

CHANAKYA IAS ACADEMY

under the direction and guidance of

Success Guru AK Mishra



UPGRADED FOUNDATION COURSE-2014

A Complete Solution for Prelims, Mains & Interview

Batches: 10th July, 10th August & 10th September 2013

Subjects Offered: CSAT, General Studies, History, Geography, Sociology, Public Administration, Political Science, Psychology, Law, Zoology, Botany & Maths.

Special Attractions:

WEEKEND BATCHES ALSO AVAILABLE

- Special 1yr/2yrs/3yrs courses for students doing graduation
- Special batches for college students and working people
- Successguru AK Mishra's Art of Success Seminars for development of administrative traits and right aptitude for Civil Services
- Special classes by successful candidates
- Fully air-conditioned class rooms & library
- Lodging & boarding facilities separately for boys & girls
- Separate classes for English & Hindi medium

SUNDAY OPEN



**CHANAKYA
IAS ACADEMY**

Nurturing Leaders of Tomorrow

20 years of excellence, over 2500 selections in IAS, IFS, IPS....

HD/South Delhi: T24, Satya Niketan, Opp. Venkateshwara College, Near Dhaura Kuan, New Delhi-21 Ph.: 011-64504615, Mob.: +91 997198 9980/81

North Delhi: 1596, Outram Line, Kingsway Camp, Delhi-9 Ph.: 011-27607721, +91 981167 1844/45

Chandigarh (Panchkula): S.C.D. 8, Level II, Sector 5, Panchkula, Pin - 134109, Mob.: 09216446031

Hazaribagh: IIIrd Floor, Koushalya Plaza, Near Old Bus Stand, Hazaribagh, Ph.: 09771869233, 9771463546, 06546-263793

Ranchi: Opp. Arya Hotel, Lalpur, Ph.: 9204950999, 9771463546, 0651-6522979

Ahmedabad: 301, Sachet 3, Mirambik a School Road, Naranpura, Ph.: 079-27437067, 09562027245

Jaipur: Flora Mansion, Mansinghpura, Tonk Road, Ph.: 0141-2709960, 09680423137, **Pune:** Sunder Plaza, 1st Floor, 19 MG Road, Pune Ph.: 020-26050271,

Patna: 304, IIIrd Floor, above Reliance Trends, Navyug Karm Business Park, East Boring Canal Road, Patna 13, Mob.: 9925190260, 08800394501

Guwahati: Bld. No. 12, H.R. Path 6th Byane (W), Zoo Road, Near Decorz Marriage Hall, Guwahati, Assam, Mob.: 09650299662

Site: chanakyaaiasacademy.org www.akmishra.com **E-mail:** enquiry@chanakyaaiasacademy.com

Central Enquiry: +91 11 65428647, +91 981167 1844/45, +91 997198 9980/81



पिछले डेढ़ दशक से लगातार हिंदी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ परिणाम



किरण कौशल

3rd
Rank

हिन्दी माध्यम में
अब तक का सर्वश्रेष्ठ रैंक



5th Rank
अनशु मिश्रा



10th Rank
लोकेश कुमार सिंह



13th Rank
अंशु रंजन सिंह

IAS 2012-2013 में हमारे कुछ सफल अभ्यर्थी



द्वितीय साहित्य

डॉ. विकास विष्णुकीर्ति

इतिहास

डॉ. श्री अश्विनी कुंठि

डॉ. विकास विष्णुकीर्ति 28 जुलाई, प्रातः 10:00 बजे

डॉ. श्री अश्विनी कुंठि 28 जुलाई, प्रातः 10:00 बजे

641, प्रथम फ्लोर, डॉ. सुकनी फार्म, गिरगाँव-110009, पंजाब 011-47832896, 27604126, (+91)9780823859, 86, 87, 88, 89

निबंध

(250 अंक)

डॉ. विकास विष्णुकीर्ति व अन्य

एक पाठ्यक्रम में विबंध को महत्ता पहले से काफी अधिक बढ़ गई है। इसे ध्यान में रखते हुए 'दृष्टि' निबंध के लिए 30 दिनों का एक विशिष्ट कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

निःशुल्क परिचर्चा के साथ सब आरंभ

15 जुलाई, प्रातः 11:00 बजे

सामान्य अध्ययन

फाउंडेशन कोर्स

निःशुल्क कार्यशाला व सत्र आरंभ

24 जुलाई, सांय 7 बजे

सामान्य अध्ययन

मुख्य परीक्षा-2013 विशेष सत्र

5 जुलाई - 15 फरवरी, 2013

4 महीने, 120 दिन, 240 कक्षाएँ

इस वर्ष यू.पी.एस.सी. की 1 दिसंबर से प्रारंभ हो रही मुख्य परीक्षा के लिए एक सटीक कक्षा कार्यक्रम

निःशुल्क कार्यशाला व सत्र आरंभ

5 जुलाई, 1:30 बजे

पाठ्यक्रम के नए खंडों पर विशेष सत्र

5 जुलाई - 15 फरवरी, 2013

4 महीने, 120 दिन, 100-120 कक्षाएँ

संपूर्ण प्रारण-4 (Ethics, Integrity & Aptitude)

डॉ. विकास विष्णुकीर्ति द्वारा

सत्र चोड़े नए नए खंड विषय से संबंधित विलेखों द्वारा

निःशुल्क कार्यशाला व सत्र आरंभ

5 जुलाई, सांय 4:00 बजे



सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक

वर्ष 36

प्रथम अंक

अगस्त 2013

स अंक में...

- | | |
|---|---|
| 12 सम्पादकीय | 105 सार संग्रह |
| 14 राष्ट्रीय पटनाक्रम | 108 वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान—(i) सिविल सेवा (मुख्य) परीक्षा, 2012 : प्रथम प्रश्न-पत्र |
| 26 अन्तर्राष्ट्रीय फटनाक्रम | 115 (ii) एस.एस.सी. संयुक्त स्नातकस्तरीय परीक्षा, 2013 |
| 31 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य | 118 (iii) उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2013 : प्रथम प्रश्न-पत्र |
| 38 नवीनतम सामान्य ज्ञान | 128 (iv) उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा, 2013 : द्वितीय प्रश्न-पत्र |
| 44 खेलकूद | 137 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग संचेतना |
| 49 रोजगार समाचार | 139 ऐच्छिक विषय—(i) गृह विज्ञान—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012 |
| 51 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी | 144 (ii) संगीत—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012 |
| 54 युवा प्रतिभाएं | 147 (iii) सूचना एवं संचालन विज्ञान—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012 |
| 64 स्मरणीय तथ्य | 153 (iv) शारीरिक शिक्षा—यू.जी.सी.-नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा, 2012 |
| 67 संघ व राज्य लोक सेवा आयोग की प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षाओं हेतु—ऐतिहासिक स्थल | 161 वार्षिक रिपोर्ट 2011-12—सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य, भूमिका और कार्यकोष गतिविधियाँ—नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ते कदम |
| 70 विश्व परिदृश्य | 163 संख्यात्मक अभिव्यक्तता—आणामी प्रतियोगिता परीक्षाओं हेतु विशेष रूप प्रश्न |
| 76 समासायनिक लेख—(i) भारत-ब्रिटेन के 'खास' रिश्ते | 168 क्या आप जानते हैं ? |
| 81 (ii) आतंकवाद : कारण एवं निदान | 169 अपना ज्ञान बढ़ाएं |
| 84 राजनीतिक लेख—पूर्वी एशिया तथा भारत | 170 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक—157 |
| 86 वाणिज्यिक लेख—उत्पादकता प्रोत्तन में जलबंदी की भूमिका | 173 प्रथम पुरस्कृत किंवदन्त—भारत में 'सभी के लिए शिक्षा' अभियान : शिक्षक वास्तविकता |
| 87 कैरियर लेख—WAT (शब्द संगति परीक्षा) | 175 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—409 का परिणाम |
| 91 समासायनिक लेख—वैयर्थकरण के दौर में उपभोक्ता अधिकार व संरक्षण व्यवस्था | 176 चार्जिकी |
| 94 अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति लेख—भारत-भूटान सम्बन्धों की ऐतिहासिक विरासत | |
| 97 वितीय आलेख—प्रतिगामी बंधक का अर्थ, महत्व एवं उपयोगिता | |
| 99 शिक्षा सम्बन्धी लेख—शिक्षा में नई सदी की चुनौती: अन्तलाइन शिक्षा | |
| 101 कैरियर लेख—राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी नए पैटर्न के साथ | |

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति लेना आवश्यक नहीं है। —सम्पादक

E-mail : publinfo@pdronline.in • Website : www.pdronline.in





पर्यावरण की पूजा जीवन को आनन्द देती है



हम पृथ्वी पर इसलिए जीवित हैं, क्योंकि हम धरती पर जीवनदायी पर्यावरण उपलब्ध है। विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ पशु-पक्षी एवं मीसमय समूचा जीवन एक चक्र की भाँति पूजा करता है। इसी प्रक्रिया को जीवन-चक्र कहते हैं। हम अपने आस-पास के परिवेश को जितना सहेज कर रखेंगे उसका पूजा करेंगे, जीवन उनका ही उत्कृष्ट, आनन्दमय एवं सुखमय होगा।

हमारे परिवारों को बुढ़ाएँ तुलसी के पीछे की पूजा दिलचस्प करती हैं, उसमें निर्यात रूप से खल देती हैं, उसकी आरती करती हैं.....आदि। अनेकानेक सीमावर्ती नदियाँ अपने वैवाहिक जीवन को सुखी बनाने के लिए वृक्ष-वृक्ष का पूजन करती हुई देखी जा सकती हैं। हजारों नर-नारी दुध-दही चढ़ाकर गंगा-यमुना आदि नदियों का पूजन करते हुए देखे जाते हैं। करोड़ों व्यक्ति उन्हें महा काहल समर्पित करते हैं। पीपल वृक्ष को द्वार पर लगाना शुभ माना जाता है, क्योंकि वह प्रेतात्माओं के कुप्रभावों का विचारक करता है, आदि।

उस प्रकार के आधारों को कुछ लोग अज्ञान मूलक एवं अज्ञान प्रभु कह सकते हैं, परन्तु उनका तो पुनः विचार है कि इनके द्वारा प्रकृति के साथ हमारे खलजीवन को अथवा सुखरूप प्रकृति है। हम प्रकृति के साथ पूरी सम्बन्धता एवं सहयोग भावना के साथ जीने का प्रयत्न करते हैं।

पौधों को, वृक्षों को, नदियों को अक्षरपूर्वक सम्बोधन करने की प्रवृत्ति को धर्मना करना बहुत कुछ उपलक्ष्यमान माना जाता है, उनके मतानुसार यह सर्वथा अवैज्ञानिक है। बहु पदार्थों के प्रति आत्मीयता किसी और क्योंकर ?

हमारा निवेदन है कि यदि हम अलबर्ट आइन्स्टीन के सापेक्षतावाद के सिद्धान्त के परिवेश में विचार करें, तो प्रत्येक पदार्थ ऊर्जा का संघात है तथा उसमें जीवितता का अंश अविभाज्य है। परमाणु के विघटन से वह विद्युत् कर दिया है कि परमाणु में चेतना होती है और वह बाष्प संवेदन के प्रति प्रतिक्रिया भी उत्पन्न करता है। तब यह स्वीकार करना होगा कि अन्तर्गत जड़ पदार्थों के प्रति आत्मीयभाव की अधिलक्षित सर्वथा वैज्ञानिक है और प्रकृति के साथ हमारे अंतर्द्वेष सम्बन्धों का सुदृढ़ आधार है। वैदिक धर्म को सर्वश्रेष्ठ धर्म माना जाता है। वैदिक धर्म को कि वह विश्व के कण-कण को विश्वस्वरूप का अंश, चेतनामय स्थिति के रूप में स्वीकार करता है। प्रकृति के साथ सद्भावपूर्ण जीवन व्यतीत

हमारे जीवन का अधिना भाग है—प्रकृति

के साथ मानव जीवन का लगा-जगा छिद्ररहित एवं सर्वथा अखण्ड है। पर्यावरण के प्रति जगत्प्रकृति कुछ लोगों के लिए यह सर्वथा एक नई बात है, परन्तु हम भारतवर्षी अर्थात्काल से प्रकृति की पूजा करते आए हैं। वृक्षों के नीचे, नदियों के तट पर एवं अन्य धार्मिक औपचारिकता के नाम पर जो लोग दीपदान करते हैं, धूप, अगरबत्ती, कपूर, गुलाल आदि जलाकर बलाघरण को सुगंधित एवं सुख बनाने हैं—भले ही केवल औपचारिकताओं के नाम पर—ये क्या पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाने का अथवा प्रदूषण मुक्त करने का प्रयास नहीं करते हैं? इस प्रकार के पुण्यकार्य द्वारा पर्यावरण के प्रति जो कार्यवाही का चलन हो होता है, साथ ही ऐसा करते हुए किसी प्रकार के अहंकार का अंकुर भी उत्पन्न नहीं होता है। पर्यावरण के प्रति कार्यवाही का न द्रिष्टि हो जाता है और न मोहिमा द्वारा विचलित किया जाता है। यैदों की श्रद्धाओं में प्रकृति को महान् शक्तियों एवं जीवनप्रदायिनी उनकी विशेषता का गुणवान् मुक्तकण्ड से किया गया है। घर के आँगन तुलसी का फल (चौरा), द्वार पर पीपल, नीम आदि के वृक्ष आदि हमारे सांस्कृतिक जीवन के अलंकार मानते जाते हैं। प्रकृति हमारी चिर सहाची रही है। हम उसी के झोंड़ में लोट-पेट कर बड़े होते आए हैं।

हमारे ज़िम्मेवारी में अनेक ऐसे मंत्रों की रचना करके प्राकृतिक पर्यावरण के प्रति हमारी कार्यवाही-भावना को धर्म के साथ ऐसा जोड़ दिया कि हम चाहते हुए भी पर्यावरण को उपेक्षा नहीं कर सकते हैं। कुछ तत्त्वगुरुम का औपचारिक मूल एवं मूल्य होता है—वे विद्वत्सम हैं हमारे सहस्रक होते हैं। ऐसे अनेक पादवी—औषध, तुलसी, नीम आदि का पूजन एवं संरक्षण हमारी परम्पराओं में रच-पच गया है। हम उनके वैज्ञानिक महत्व को जानते और इदरंगम करने का अभ्यास करें। अनुभव एवं समुच्चिक ज्ञान द्वारा हमारे पूर्वजों ने इन महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी प्राप्ता की होगी। ज्ञातव्य होने के साथ मनुष्य के मनोविज्ञान में भी उनकी गहरी पैठ थी। वे जानते थे कि यदि पर्यावरण की रक्षा-सम्बन्धी उपदेशमूलक कथन किए जाएँगे, तो कोई भी इस ओर ध्यान नहीं देगा। हम प्रत्यक्ष देखते हैं कि व्याधयान, भाषण, लेख तथा प्रचार-संचार के साधनों द्वारा किए गए प्रवास प्रायः निष्फल हुए हैं तथा पर्यावरण की समस्या कम होने की अपेक्षा दिन-प्रतिदिन बढ़ती जाती है। यह निवेदन करना अप्रासंगिक

नहीं होगा कि धार्मिक औपचारिकताओं के नाम पर हम भारतवर्षी पर्यावरण में गंदगी नहीं होने देते हैं, उसको स्वच्छ एवं पवित्र बनाए रखते हैं, परन्तु अब प्रत्येक स्थिति एवं स्थान पर धार्मिक तथा एवं सुख-सुविधा की दृष्टि से विचार किया जाने लगा है, परिणाम सामने है। हमारी समस्त नदियों के पानी को कारखानों की गंदगी ने प्रदूषित कर दिया है और तो और गंगोत्री को सैलानी-स्नान (Picnic-spot) बनाने के नाम पर गंगा को प्रदूषण का प्रमुख केन्द्र बना दिया गया है। यानी वहाँ पर जलाए जाने वाले ईंधन एवं प्रयोग के जह फेंके जाने वाले प्लास्टिक के कैंते आदि कचरा गंगा को झेल पर ही प्रदूषित कर देते हैं। यदि वदमान समय में भी पूर्ववर्त धर्म-भावना हमारे इन के साथ अनुस्यूत होती, तो सम्भवतः हम वृक्षों एवं जल-स्रोतों को मात्र अपने धर्म की वस्तुओं मानकर पर्यावरण के साथ मनमानी न करते और जीवन-शैली को धर्म-धर्म पर प्रदूषित करने का दुस्साहस न करते। हमारा दुर्भाग्य यह है कि राजनीति प्रबल चिन्तन-पद्धति में धर्म की परिभाषा हो बदल दी है। धर्म का अर्थ मानवता के निर्माणकारी तत्व न रहकर मर्यादा, घर आदि के कटघरे बन गए हैं। यदि हमें कोई वह समझा सके कि पर्यावरण की रक्षा मानव-धर्म का अधिन अंग है, तो सम्भवतः हम प्रकृति के प्रति अधिक आत्मीय एवं उदार बन जाएँ, धर्म का अर्थ वह शक्ति होता है, जो कार्यवाही-प्राप्त की दिशा दृष्टिगत करता है और मानव को कार्यवाही-पथ से विचलित नहीं होने देता है। हम अपनी मन-सम्पदा की रक्षा करते थे, क्योंकि किसी नेल ने इस दिग्ग में अधिमान पालू किया था, अर्थात् हम ऐसा मात्र इस कारण करते थे, क्योंकि हम इस प्रकार का जीवन जीने के लिए संस्कारित थे।

हम तत्त्व-गुरुम और मन-सम्पदा के अतिरिक्त पशुपक्षियों के प्रति भी सम्बन्ध एवं उदार रहने के लिए विवश थे। इस सम्बन्ध में इतना दृष्टिगत करना पर्याप्त है कि हिन्दुओं के अधिक अस्त्रात् पशु रूप में स्वीकार किए गए हैं। उन अवतारों से वे किसी-न-किसी रूप में सम्बन्धित हैं—हंस, गरुड, सर्प, कुबज, गाय आदि की पूजनस्थिति हिन्दू समाज में प्रायः सर्वनीकृत है। आजकल पशु-पक्षी जगत् की रक्षा को लेकर अनेक प्रकार के प्रचार किए जाते हैं।

पर्यावरण का अपमान भूकम्प, सुनमी, अतिवृष्टि जैसे अभिशातों का दण्ड दे चुका है। हर बार हमें दण्ड के साथ अवसर भी दिया जाता है कि हम अपने पर्यावरण की वैज्ञानिकता एवं उपलब्धता को समझें और उसका सम्मान करें। हमें स्मरण रखना चाहिए कि सभी के सहयोग से पृथ्वी वह अस्तित्व है।





ध्येय IAS®

an institute dedicated to General Studies & CSAT

small steps a little help

BATCHES SCHEDULE FOR ALL CENTRES

NORTH DELHI	सामान्य अध्ययन ADVANCE (एक पेपर 2015)	Time : 12:30 P.M. & 5:30 P.M.
	सामान्य अध्ययन FOUNDATION-TO-ADVANCE (FOR BEGINNERS)	Time : 9:00 A.M.
	CSAT (Ind Paper)	Time : 1:00 P.M.
	राजनीति विज्ञान (एच.कुमर एवं सत्येन्द्र सिंह)	22nd July Time : 5:00 P.M.
EAST DELHI	सामान्य अध्ययन FOUNDATION-TO-ADVANCE (FOR BEGINNERS)	
	<div>REGULAR (WEEKDAYS) BATCH Time : 8:30 A.M.</div> <div>WEEKEND BATCH Time : 10:00 A.M.</div>	
ALLAHABAD	सामान्य अध्ययन FOUNDATION-TO-ADVANCE (FOR BEGINNERS)	Time : 1:30 P.M.
	CSAT (Ind Paper)	Time : 11:30 A.M. & 2:30 P.M.
LUCKNOW	सामान्य अध्ययन FOUNDATION-TO-ADVANCE (FOR BEGINNERS)	Time : 8:00 A.M. & 5:30 P.M.
	CSAT (Ind Paper)	Time : 11:30 A.M.
	इतिहास (वैकल्पिक विषय)	Time : 2:00 P.M.

DHYEYA EDUCATIONAL SERVICES PVT. LTD.
AN ISO 9001:2008 COMPANY

OUR CENTRES:

NORTH DELHI	EAST DELHI	ALLAHABAD	LUCKNOW	VARANASI
A-12, 13, Ansal Building, 201, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi - 110009 Ph.: 011-47354635, 27505121, 08540863043	D-101A, Opposite: Lotus Nagar Metro Station, Gali No. 1, Above Building Showroom, Wazirpur Nagar, Delhi - 110002 Ph: 011-43012556, 0110960222	TATA, Stoley Road, Civil Lines, Near Rishabh Bhawan, Allahabad Ph.: 0522-2401485, 80153447048	1st Floor, Art Chamber IV, Purania Chauraha, Aligarh, Lucknow Ph.: 9522-4815025, 05963256769	N-171, Near Nagwa Chauraha, Lucknow, Varanasi Ph.: 07499435001, 09544435001

OPEN SEMINAR AT VARANASI CENTRE ON 22nd JULY AT 3:00 P.M.

FOR DETAILS VISIT US ON WWW.DHYEYAIAS.COM OR SEND 'DHY' AT 52424





केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् में पुनः फेरबदल : दो मंत्रियों के त्यागपत्र लेकर 8 नए मंत्री मंत्रिपरिषद् में शामिल किए गए

- केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् में पुनः फेरबदल : दो मंत्रियों के त्यागपत्र लेकर 8 नए मंत्री मंत्रिपरिषद् में शामिल किए गए
- जनता दल (यू.) ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का साथ छोड़ा
- भाजपा से नाता तोड़ने के पश्चात् बिहार में नीतीश सरकार ने बहुमत सिद्ध किया
- नक्सली हिंसा से ग्रसित जिलों में युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी कौशल विकास हेतु 'रोशनी' परियोजना का शुभारम्भ
- यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा-2012 के उम्मीदवारों के प्रारंभिक सार्वजनिक किए
- राजस्थान के राजपूताना सैली के 6 ऐतिहासिक किले अब यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल : विश्व विरासत सूची में भारतीय परिसम्पत्तियों की संख्या अब 30 हुई
- केन्द्रीय सूचना आयोग के अनुसार देश के छह बड़े राजनीतिक दल आर.टी.आई. एक्ट के दायरे में
- उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एकल परीक्षा के लिए 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' के लिए कार्यदल गठित
- 2012 में देश में आत्महत्या करने वालों की संख्या 1-3.5 लाख : सर्वाधिक मामले तमिलनाडु में दर्ज किए गए, महाराष्ट्र का दूसरा स्थान
- उत्तराखण्ड में महाझूँ पर प्रलय : हजारों व्यक्तियों के मरने की आशंका
- लोक सभा की 4 वीं राज्य विधान सभाओं की 5 सीटों के लिए उप-चुनाव : कांग्रेस को करारा झटका
- राज्यों का विरोध बरकरार रहने से एन.सी.टी.सी. के गठन का विचार टण्डे बसो में
- संविधान

मंत्रिपरिषद् में शामिल किए गए नए कैबिनेट मंत्री श्रीसराम ओला, ऑस्कर फर्नांडीज, डॉ. गिरिजा व्यास व डॉ. कायल सन्नासिवा राव हैं। इनमें श्रीसराम ओला को अग एव रोजगार, ऑस्कर फर्नांडीज को सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, डॉ. गिरिजा व्यास को आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन तथा डॉ. कायल सन्नासिवा राव को वस्त्र मंत्रालय का प्रभार सौंपा गया है। अग एव रोजगार मंत्रालय का कार्यभार पहले श्री मल्लिकार्जुन खड़गे के पास था, जिन्हें अब रेल मंत्री बनाया गया है।

मंत्रिपरिषद् में शामिल किए गए नए राज्य मंत्रियों में मलिक राव गावित, श्रीमती संतोष चौधरी, ईएमएस. नविय्यन व जेसुदास सीलम शामिल हैं। इनमें मलिक राव को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, श्रीमती संतोष चौधरी को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, डॉ. नविय्यन को वाणिज्य एवं उद्योग तथा जेसुदास सीलम को विश्व मंत्रालय से सम्बद्ध किया गया है। इस फेरबदल के पश्चात् केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् में

केन्द्रीय मंत्रिमंडल

नये चेहरे

17 जून 2013

कैबिनेट मंत्री			
			
श्रीसराम ओला अग एव रोजगार	ऑस्कर फर्नांडीज सड़क परिवहन एवं राजमार्ग	गिरिजा व्यास आवास, शहरी विकास और तटीय उन्मूलन	के एस राव रेल

राज्य मंत्री			
			
मलिक राव गावित समाजिक न्याय एवं अधिकारिता	संतोष चौधरी स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	ई एम एस लम्विराणन वाणिज्य एवं उद्योग	जे डी सीलम विश्व

पीटीआई ब्राफिक

मल्लिकार्जुन खड़गे
अग रोजगार से देशीय मंत्रालय

के त्यागपत्र उन्होंने ले लिए थे जिन्हें 17 जून को ही राष्ट्रपति ने स्वीकार कर लिया।

मंत्रियों की कुल संख्या अब 77 हो गई है। मंत्रिपरिषद् के सभी सदस्यों के नाम व उनके विभाग अलग से बॉक्स में प्रदर्शित हैं—



ABES INSTITUTE OF TECHNOLOGY

COLLEGE CODE 290

B.Tech. (4 Years)

CIVIL ENGG.	120 Seats
COMPUTER SCIENCE ENGG.	120 Seats
ELECTRONICS & COMMUNICATION ENGG.	120 Seats
ELECTRICAL & ELECTRONICS ENGG.	60 Seats
INFORMATION TECHNOLOGY	60 Seats
MECHANICAL ENGG.	120 Seats
MANUFACTURING TECHNOLOGY	60 Seats

Lateral Entry to B.Tech. 2nd Year

(candidate must have passed 3 yrs diploma or 3 yrs B.Sc Degree with Mathematics as subject)

MTM* (MASTER OF TECHNOLOGY MANAGEMENT)

(5½ Years Integrated Course equivalent to B.Tech & MBA)
Course can be opted by 60 Students in 2nd year B.Tech, which will be completed in 5½ years.

MBA (2 YEARS) 60 Seats

MCA(3 YEARS) 60 Seats

Lateral Entry to MCA 2nd year*

(candidate must have passed 3 yrs BCA or B.Sc.(ITACS))

MAM (5 YEARS) 60 Seats

MASTER OF APPLIED MANAGEMENT

(5 Years Dual degree Course after 10+2; equivalent to MBA)

Ph.D. Program

(Approved Ph.D. Research Centre of MTU)

* - Subject to approval of University

ABES INSTITUTE OF BUSINESS MANAGEMENT

COLLEGE CODE 610

MBA

120 Seats

MAM

60 Seats

ABESIT GROUP OF INSTITUTIONS

Campus-2, 19th km. Stone, NH-24, Ghaziabad- 201009, (U.P.) , India.

Phone: +91-120-6517673,74 , 9711060930, 8447748205, 9711060901,9711060928

Fax No. 0120-6720600.

For further details visit www.abesit.in email: admissions@abesit.in



केन्द्रीय मंत्रिपरिषद्

(जून 2013 के अन्त की स्थिति)

राष्ट्रपति—डॉ. प्रफुल्ल मुखर्जी	उपराष्ट्रपति—मोहम्मद हामिद अंसारी	श्रीकांत जेन्ना	सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के राज्यमंत्री
कैबिनेट मंत्री			
श्री. मनमोहन सिंह राज्यपाल खुशींद पी. विदम्बरम् ए. के. एंटीनी सरद पर्वार कमिल सिब्बल	प्रधानमंत्री विदेश बिना रक्षा कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग दूरसंचार एवं सूचना तकनीक, विधि एवं न्याय (अतिरिक्त प्रभार)	मनीष तिवारी के. फिरोजी ज्योतिराजिदा सिन्धिया के. एच. मुनिषम्मा भरत सिंह खैतकी सविन वायलट जितेन्द्र सिंह	सूचना प्रसारण पर्यटन ऊर्जा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम पेट्रोल एवं स्वच्छता कारपोरेट मामले खेड एवं ग्रामा मामले, रक्षा
आनंद शर्मा कमलनाथ व्यासहर रावि एम. वीरन्दा मोदती सुरीज कुमार शिन्दे एस. जयपाल रेड्डी गुलशन नबी आलाम डी. फारूख अहमदुल्ला मल्लिकार्जुन खड्गे कुमारी दीक्षा जी. के. बल्लन बी. किशोर चन्द्रदेव श्री प्रकाश जयलाल अजित सिंह प्रफुल्ल पटेल केपी प्रसाद वर्मा जयराम रमेश के. रहमान खान निरंश जे. पटेल अजय माकन एम. एम. गल्लम राजू हरीश रावत चन्देश कुमार कटोव श्रीहराम ओला ऑस्कर फर्नांडीज मिरिंदा व्यास के. एस. राव	अधिष्ठापक एवं उद्योग तथा कपड़ा संसदीय कार्य एवं शहरी विकास प्रवासी भारतीय मामले पेट्रोलेियम एवं प्राकृतिक गैस गृह विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं धूम्रपान विज्ञान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण नव एवं अल्प ऊर्जा रेलवे समाजिक न्याय एवं अधिकारिता शिपिंग आदिवासी मामले और पहाड़ी राज कोयला नागरिक उड्डयन भारी उद्योग व सार्वजनिक उद्यम इस्पात ग्रामीण विकास अल्पसंख्यक कार्य खान आवास एवं शहरी गरीबी उन्मूलन मानव संसाधन विकास जल संसाधन संस्कृति श्रम एवं रोजगार सड़क एवं राजमार्ग आवास, शहरी विकास कपड़ा	के. सी. वेणुगोपाल ई. अहमद बी. नारायणस्वामी एम. रामचन्द्रन डी. पुरंदरस्वरी लक्ष्मणा लक्ष्मी नमो नादाय्य मोहा जितिन प्रसाद वरनीत कोर प्रतीक प्रकाश मण्डल आर. पी. एन. सिंह प्रदीप जैन सत्य दास मंडल शिथिल मुरली देवड़ा राजीव गुजरा शक्ति मशरु के. सुरेश तारिक अन्वर के. जे. सूर्य प्रकाश रेड्डी रानी नाहाड अधीर रंजन चौधरी ए.एस. खान चौधरी सर्व सत्यनारायण निनांग एरिय दीप दाम्भुसी पी. बलराम नायक कुमारानी किन्तो लालकंद कटारिया मणिकन्द रावित संतोष चौधरी जे. डी. सीतल ई. एस. एस. नक्षिययन	नगर विमानन विदेश मामले कॉमिक एवं लोक शिकार तथा पेनन और प्रधानमंत्री कार्यालय गृह वाणिज्य एवं उद्योग कपड़ा बिना मानव संसाधन विकास विदेश कोयला गृह क्षेत्रीय विकास कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संसदीय कार्य एवं योजना मानव संसाधन विकास श्रम एवं रोजगार कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग रेलवे आदिवासी कार्य रेलवे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सड़क परिवहन एवं राजमार्ग अल्पसंख्यक मामले शहरी विकास सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता संचार और सूचना प्रौद्योगिकी रक्षा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण बिना वाणिज्य एवं उद्योग
जयंती नटराजन गवन सिंह घटीकार प्रो. के.बी. श्रीमस कृष्णा तीरथ	पर्यटन और वन पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं नगरिक आपूर्ति महिला एवं बाल विकास		

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

जनता दल (यु) ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का साथ छोड़ा

लोक सभा के आगामी चुनावों के लिए आ के चुनाव अभियान की कमान नरेन्द्र

मिठा दर्पण/अगस्त/2013/16

मोदी को सौंपे जाने से न केवल भाजपा की आन्तरिक राजनीति में फूट पड़ी है, बल्कि इससे जनता दल (यु) भाजपा का 17 वर्ष पुराना गठबंधन भी टूट गया। भाजपा के जून 2013 के इस फैसले से असंतुष्ट जनता दल (यु) ने भाजपा से नाक टोड़ते हुए एनडीए से अलग होने की घोषणा 16

जून को ही कर दी तथा बिहार में जनता दल (यु) के नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकार से नाकाल कोटे के सभी 11 मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया गया। उपमुख्यमंत्री सुरेश कुमार मोदी सहित भाजपा कोटे के सभी 11 मंत्रियों को मंत्रिपरिषद् से बर्खास्त करने की संसृति मुख्यमंत्री नीतीश कुमार



ने 16 जून को राज्यपाल डॉ. डी. बाई पाटिल से की जिसने उन्होंने उसी दिन स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही जनता दल (यु) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरद यादव ने एनडीए के संघर्षक का पद भी छोड़ दिया है। जनता दल के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) से हटने के पश्चात् लोक सभा में इस गठबंधन से जुड़े सदस्यों की संख्या 134 रह गई है, जिसमें 117 सदस्य भाजपा के, 11 शिवसेना के, 4 अकाली दल के तथा 1-1 सदस्य नगालेण्ड पीपुल्स फ्रंट व हरियाणा जनहिता कांसेस के हैं, लोक सभा में जनता दल (यु) के सदस्यों की संख्या 20 है।

भाजपा से नाता तोड़ने के पश्चात् बिहार में नीतीश सरकार ने बहुमत सिद्ध किया

एनडीए से सम्बन्ध तोड़कर भाजपा कोटे के मंत्रियों को मंत्रिपरिषद् से हटाने के बाद बिहार में जनता दल (यु) के नीतीश कुमार ने अपनी सरकार का बहुमत विधान सभा में 19 जून 2013 को साबित कर दिया है। 243 सदस्यीय विधान सभा में जनता दल (यु) के सदस्यों की संख्या 118 है तथा भाजपा के 91 विधायकों के समर्थक के बल पर साक्षात् सरकार को दो-तिहाई बहुमत सदन में प्राप्त था। भाजपा के साथ-साथ एक विधायक वाले लोक जनसक्ति पार्टी ने विश्वास मत पर मतदान का बहिष्कार 19

जून को किया, जबकि 22 विधायकों वाले राष्ट्रीय जनता दल ने विश्वास मत के विरोध में मत दिया तथापि कांग्रेस के 4, माकपा के 1 तथा 4 निर्दलीय विधायकों के मत प्राप्त कर जनता दल (यु) ने 126 मत विश्वासमत के पक्ष में जुटा लिए थे, जबकि स्पष्ट बहुमत साबित करने के लिए 125 मतों की ही आवश्यकता थी। जनता दल (यु) के 118 सदस्यों में से 117 सदस्यों के मत ही प्रस्ताव के पक्ष में पड़े, (पार्टी के एक विधायक ने एपीक वद पर होने के कारण मतदान नहीं किया था।)

नक्सली हिंसा से ग्रसित जिलों में युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी कौशल विकास हेतु 'रोशनी' परियोजना का शुभारम्भ

नक्सली हिंसा से ग्रसित जिलों में युवाओं को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से एक रोजगारोन्मुखी कौशल विकास योजना रोशनी (Roshni) की शुरुआत ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जून 2013 में की गई है। ग्रामीण विकास मंत्री जयशम रमेश ने इसका शुभारम्भ 8 जून, 2013 को नई दिल्ली में किया। नक्सल प्रभावित 24 जिलों में तीन वर्ष के लिए लागू की गई इस योजना के तहत 50 हजार युवाओं को कौशल दक्षता प्रदान कर रोजगार उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। योजना के कार्यान्वयन हेतु चुने गए 24

जिलों में से 6-6 जिले झारखण्ड व ओडिशा के, 5 छत्तीसगढ़ के, 2 बिहार के हैं, जबकि आन्ध्र प्रदेश, प. बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र



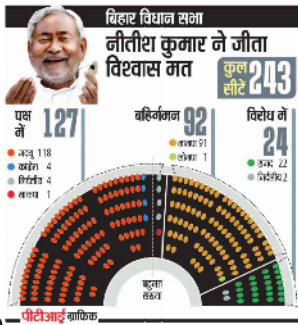
'रोशनी' का शुभारम्भ करते हुए केन्द्रीय सभाी विभाग मंत्री जयशम रमेश

व मध्य प्रदेश का एक-एक जिला इसके लिए चुना गया है। योजना पर होने वाले कुल व्यय का बहन केन्द्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों 75:25 के अनुपात में किया जाएगा। योजना के लाभार्थियों में कम-से-कम 50 प्रतिशत महिलाएं होंगी तथा जनजातीय जनसंख्या को प्राथमिकता इसके तहत दी जाएगी। इस योजना के तहत 18-35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे नक्सली गतिविधियों से दूरी बनाकर स्वरोजगार की ओर वह अग्रसर हो सकें।

यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा-2012 के उम्मीदवारों के प्राप्तांक सार्वजनिक किए

वर्ष 2012 की सिविल सेवा परीक्षा में शामिल सभी उम्मीदवारों के प्रारम्भिक व मुख्य परीक्षा में प्राप्तांक संच लोक सेवा आयोग (UPSC) ने सार्वजनिक कर दिए हैं। यह पहला अवसर है जब परीक्षा में शामिल सभी उम्मीदवारों के प्राप्तांकों का खुल्ला यूपीएससी ने अपनी वेबसाइट पर किया है। इससे पूर्व उम्मीदवारों को ही सीधे डाक या अन्य माध्यम द्वारा उनके प्राप्तांकों की जानकारी दी जाती थी। परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए केन्द्रीय सूचना आयोग (Central Information Commission - CIC) के निर्देश पर उम्मीदवारों के प्राप्तांकों का खुल्ला यूपीएससी ने किया है।

वर्ष 2012 की सिविल सेवा परीक्षा के आधार पर कुल 1004 उम्मीदवार सफल घोषित किए गए हैं। इनमें सर्वोच्च स्थान पर रही कराल की हरित वी. कुमार ने 2250 में से 1193 अंक प्राप्त किए हैं, इस प्रकार सीधे स्थान पर रही उम्मीदवार ने कुल 53 प्रतिशत अंक परीक्षा में प्राप्त किए हैं, जबकि दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे उम्मीदवारों के प्राप्तांक क्रमशः 1149 व 1148 रहे हैं।



CHANAKYA IAS ACADEMY



under the direction of **Success Guru AK Mishra**

Launches its **PATNA BRANCH**

304, IIIrd Floor, above Reliance Trends, Navyug Kamla Business Park,
East Boring Canal Road, Patna-13

First Batch Starts from **15th July 2013**

For details call : **9905190260/8102455678/8252248158**

Success Guru **AK Mishra's**
ART of SUCCESS™

SEMINAR

*for Civil Services Examinations
Also meet successful candidates*

Venue: Shri Krishna Memorial Hall, Patna

Date: 3rd August 2013 **Time:** 9:30am to 1:30 pm

ENTRY FREE. LIMITED SEATS

To reserve you seat. call: 09650299662/3/4

For online registration please visit our website www.chanakyaiasacademy.org

organised by

CHANAKYA IAS ACADEMY

20 Years of excellence, over 2500 selections in IAS, IFS, IPS....

HQ/South Delhi Centre: 124, Satya Niketan, Opp. Venkateshwara College, Near Dhaura Kuan
New Delhi-21, Ph.: 011-64504615, **Mob.:** 08800394500/01/03/04

Website: www.chanakyaiasacademy.org



राजस्थान के राजपूताना शैली के 6 ऐतिहासिक किले अब यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल : विश्व विरासत सूची में भारतीय परिसम्पत्तियों की संख्या अब 30 हुई

राजपूताना शैली पर आधारित राजस्थान के 6 पर्यटन किलों को यूनेस्को (UNESCO) ने अब विश्व विरासत सूची में शामिल कर लिया है. 8वीं से 19वीं शताब्दी के दौरान निर्मित इन किलों में चित्तौड़गढ़ का किला (चित्तौड़गढ़), कुम्भलगढ़ का किला (जिला राजसमंद), रथस्थम्भौर का किला (जिला सवाई माधोपुर), मणरोन (झालावाड़), जमेर (जयपुर) व जैसलमेर का किला शामिल हैं. इन किलों का विश्व विरासत सूची में शामिल करने का फैसला यूनेस्को की विश्व विरासत समिति की सम्मेलनिय की राजधानी पॉम पेन (Pompeii Park) में 16-27 जून, 2013 को सम्पन्न 37वीं बैठक में किया गया. भारत विगत दो वर्षों से इन्हें विश्व विरासत सूची में शामिल करने के लिए प्रयासरत था. पिछले वर्ष 5 किलों को इस सूची में शामिल करने के लिए संसुति भारत की ओर से की गई थी, किन्तु पिछले वर्ष यूनेस्को की विरासत सूची में ये किले स्थान नहीं पा सके थे. इस वर्ष जैसलमेर के किले को मिलाते हुए 6 किलों के लिए संसुति भारत की ओर से की गई थी. इन किलों को एक ही शीर्षक के तहत सांस्कृतिक परिसम्पत्तियों की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है तथा सांस्कृतिक परिसम्पत्तियों की सूची में राजस्थान की यह पहली एंटी है.

उल्लेखनीय है कि विश्व विरासत सूची में प्राकृतिक परिसम्पत्तियों को तहत शामिल करने के लिए हिमाचल प्रदेश के शंकर हिमालय नेशनल पार्क (कुल्लू घाटी) को संसुति में भारत द्वारा इस वर्ष की गई थी, किन्तु तकनीकी कारणों से इसे विश्व विरासत सूची में शामिल नहीं किया गया है. राजस्थान के उपसुति किलों के अतिरिक्त विश्व के अन्य विभिन्न सारों की 18 अन्य परिसम्पत्तियों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने का फैसला यूनेस्को की 16-27 जून, 2013 की विश्व विरासत समिति की नौम पेन बैठक में किया गया. इससे 160 देशों की कुल मिलाकर 981 परिसम्पत्तियाँ अब यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल हैं. इनमें 759 सांस्कृतिक परिसम्पत्तियाँ, 193 प्राकृतिक परिसम्पत्तियाँ व 29 मिश्रित परिसम्पत्तियाँ हैं. सूची में शामिल भारतीय परिसम्पत्तियों की कुल संख्या अब 30 हो गई है. इनमें 24 स्थावर/परिसम्पत्तियाँ, सांस्कृतिक परिसम्पत्तियाँ (Cultural Properties) की श्रेणी में तथा 6 परिसम्पत्तियाँ प्राकृतिक परिसम्पत्तियाँ (Natural Properties) की श्रेणी में हैं. इन सभी 30 स्थलों की परिसम्पत्तियों के नाम सूची में दर्शाए गए हैं—

विश्व विरासत सूची में भारत की परिसम्पत्तियाँ/स्थल

क्र.	स्थल/परिसम्पत्ति	विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने का वर्ष	क्र.	स्थल/परिसम्पत्ति	विश्व विरासत सूची में शामिल किए जाने का वर्ष
	सांस्कृतिक परिसम्पत्तियाँ				
1.	आगरा किला, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1983	16.	कुतुबमीनार व सम्यद स्मारक, दिल्ली	1993
2.	ताजमहल, आगरा (उत्तर प्रदेश)	1983	17.	मउदोन देवरी (वाजीरान हिमालयन देवरी)	1999
3.	अजंता की गुफाएँ (महाराष्ट्र)	1983	18.	बोधगया स्थित महाबोधि मन्दिर (बिहार)	2002
4.	एलोरा की गुफाएँ (महाराष्ट्र)	1983	19.	भीम बेटिका की गुफाएँ, (मध्य प्रदेश)	2003
5.	सूर्य मन्दिर, कोयंबा, गुरी (आंध्रप्रदेश)	1984	20.	छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुम्बई (महाराष्ट्र)	2004
6.	महाबलपुर स्थित स्मारक समूह (तमिलनाडु)	1984	21.	छापरनैर एगवड आर्किटेक्चरल पार्क (गुजरात)	2004
7.	गोदा के बाँध एवं कॉन्वेंट, (गोवा)	1985	22.	दिल्ली का ताज किला (दिल्ली)	2007
8.	छत्रपति शिवाजी स्मारक समूह (मध्य प्रदेश)	1985	23.	जतर मंजर जयपुर (राजस्थान)	2010
9.	शंरी स्थित स्मारक समूह, कैलाशी (कर्नाटक)	1985	24.	राजस्थान के राजपूताना शैली के 6 किले	2013
10.	कतेशपुर शैली, अजंता (उत्तर प्रदेश)	1985		प्राकृतिक स्थल	
11.	एलीफंटा की गुफाएँ (महाराष्ट्र)	1987	1.	काजीरंगा राष्ट्रीय पार्क (असम)	1985
12.	हुवेंदरम मन्दिर, बालापुर (तमिलनाडु)	1987	2.	नागस कवजीव अमपरम (असम)	1985
13.	पट्टाकल स्थित स्मारक समूह, (कर्नाटक)	1987	3.	कैलाशदेव राष्ट्रीय पार्क, मरगुपुर (राजस्थान)	1985
14.	शंरी स्थित बौद्ध स्मारक (मध्य प्रदेश)	1989	4.	सुन्दरवन राष्ट्रीय पार्क (ब. बंगला)	1987
15.	हुमायूँ का मकबरा, दिल्ली	1993	5.	नंदा देवी राष्ट्रीय पार्क, यमोरी (उत्तराखण्ड)	1988
			6.	परिष्मि पाट (सह्याद्री पर्वत) (गुजरात, केरल में)	2012

1. इसके विस्तार के नाम में शंकरा मन्दिर को 2014 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.

2. इसके विस्तार के नाम में गौरीपुर जलविद्युत देवरी को 2015 में व जलजल-सिन्धु देवरी को 2016 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.

3. इसके विस्तार के नाम में शंरी और एलीफंटा राष्ट्रीय पार्क को 2015 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया.

केन्द्रीय सूचना आयोग के अनुसार देश के छह बड़े राजनीतिक दल आर.टी.आई. एक्ट के दायरे में

राजनीतिक दलों के लेखों में पारदर्शिता लाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त करते हुए केन्द्रीय सूचना आयोग (Central Information Commission-CIC) ने एक सूचि फैसला 3 जून, 2013 को सुनाया

है जिसके तहत देश के छह बड़े राजनीतिक दलों को आरटीआई एक्ट की धारा 2 (एच) के तहत सार्वजनिक संस्था मानते हुए इन्हें सूचना के अधिकार के दायरे में बताया है. इन दलों में कांग्रेस, भाजपा, बसपा, माकपा, माकपा व राकपा शामिल हैं. आयोग ने 6 सप्ताह के भीतर मुख्य जन सूचना अधिकारी की नियुक्ति करने तथा पार्टी मुख्यालय में अपीलार्थ प्रतिक्रिया स्थापित करने को इन दलों को कहा है तथा साथ ही पार्टी-चंदों के सम्बन्ध

में आरटीआई एक्ट के तहत आप आवेदनों में मौगी गई जानकारी के उत्तर धार सप्ताह में देने के निर्देश भी 3 जून, 2013 के अपने फैसले में दिए हैं. केन्द्रीय सूचना आयोग के दूरगामी महत्व के इस फैसले से राजनीतिक दलों का चंदा प्राप्ति का गणित गड़बड़ा सकता है. क्योंकि इन दलों का चंदा के लेन-देन का खीरा अब सार्वजनिक करना होगा. केन्द्रीय सूचना आयोग की पूर्ण पीठ विश्वास में मुख्य सूचना अणुत सत्यमेव जित्ते के अतिरिक्त सूचना



DISCOVERY®

...Discover your mettle

इस वर्ष सामान्य अध्ययन में सर्वाधिक अंक 'डिस्कवरी' के छात्रों ने प्राप्त किया है।
जो हमारी गुणवत्ता का परिचायक है।

हिन्दी माध्यम में सर्वोच्च स्थान के साथ हमारे सभी टॉपर नियमित कक्षा कार्यक्रम के छात्र हैं।



Priyanka Niranjan
Rank 20



Somesh Mishra
Rank 53



Sangaris Tatarwal
Rank 60



Jafar Malik
Rank 97

कुल चयन
49.....।

सामान्य अध्ययन एवं CSAT

-सी.बी.पी. श्रीवास्तव के साथ सर्वाधिक विश्वसनीय शिक्षकों की नई टीम
अनिल केशरी, दिवाकर गुप्ता, प्रवीण झा एवं आशीष वशिष्ठ द्वारा।

फाउन्डेशन बैच (Foundation Batch)

सायंकालीन
बैच प्रारंभ

- 8

जुलाई

सायं 6:30 बजे

मुख्य परीक्षा विशेष-2013

8 जुलाई - सायं 6:45 बजे

मुख्य परीक्षा विशेष 'टेस्ट सीरीज'

प्रारंभिक परीक्षा परिणाम के तत्काल बाद

**पाठ्यक्रम में जोड़े गए नए
खंडों पर विशेष कक्षा प्रारंभ**

जुलाई प्रथम सप्ताह - सायं 6:30 बजे

नए खंडों का- भारतीय विरासत और संस्कृति, आधुनिक भारत के कुछ दार्शनिक, विश्व का इतिहास तथा यूनेस्को, सामाजिक न्याय, ज्ञान प्रचाली, अर्थव्यवस्था के नए दार्शनिक, वैश्व विविधता, पर्यावरण सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध के कुछ दार्शनिक, आपदा प्रबंधन, आंतरिक सुरक्षा तथा मसामासिक मुद्दों पर अद्वितीय अध्ययन सामग्री के साथ विषय विशेषज्ञों द्वारा मिलित कक्षा।

संपूर्ण प्रश्नपत्र - IV सी.बी.पी. श्रीवास्तव द्वारा

इलाहाबाद केन्द्र: बैच समय- प्रातः कालीन 8:30 एवं सायंकालीन 5:30 बजे

वैकल्पिक विषयों की कक्षा प्रारंभ- समय 12:30 pm

भूगोल

अनिल केशरी

लोक प्रशासन

दिवाकर गुप्ता

इतिहास

प्रवीण कुमार झा

Programme Coordinator: Neeraj Bhushan

B14(Basement), Comm. Complex. Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9

TOWER' 10B/1 Tashkand Marg, (Patrika Chauraha) Civil Lines, Allahabad, 9721172333, 9721174333

9313058532, 9999044179

01132906050, 01147076055



आयुक्त अल्पपुष्पा दीर्घिका व सूचना आयुक्त एस. एल. मिश्र शामिल थे, ने उपर्युक्त फैसला आरटीआई कार्यकर्ता सुभाष शन्द अग्रवाल व अनिल बैरवाल द्वारा एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिजॉनर्स की ओर से दायर बाह्यिका पर सुनवाई के पश्चात् सुनाया है. इन कार्यकर्ताओं ने उपर्युक्त राजनीतिक दलों से उनके चंदे व वित्तीय लेन-देन सम्बन्धी जानकारी आरटीआई के तहत मीली थी, किन्तु दलों ने यह कहते हुए बाधित सुनवाई देने से हंकार कर दिया था कि वे आरटीआई एक्ट के दायरे में नहीं आते. दलों के इस भ्रष्टाचार का विरोध करते हुए सुचना आयोग के समक्ष बाह्यिका कार्यकर्ता ने दलौती दी थी कि अप्रत्यक्ष तौर पर केन्द्र सरकार की ओर से वित्तीय सहायता दिए जाने की जाती है, जो जनता के प्रति कर्तव्य के विरुद्ध जाती है. पीठ ने कहा कि इन दलों को अत्यन्त में छूट भी इन्हें प्राप्त होती है तथा आकाशवाणी व दूरदर्शन की ओर से छी एयरटाइम भी इन्हें सुनावों के दौरान दिया जाता है. इस प्रकार सरकार की ओर से अप्रत्यक्ष योगदान इन्हें मिलता है. ऐसे में आरटीआई एक्ट की धारा 2 (एच) के तहत न्यूनतम सांख्यिकी प्राधिकरण है तथा आरटीआई एक्ट के दायरे में है.

राजनीतिक दलों की गतिविधियों को सुचना के अधिकार के दायरे में लाने के सीआईसी के उपमुख्य फेसले के विरुद्ध कड़ी प्रतिक्रिया इन दलों ने व्यक्त की है. निर्णय से आक्रोशित हुए इन राजनीतिक दलों ने सीआईसी के फैसले को न केवल अव्यावहारिक बताया है, बल्कि इसे मानने से साफ हंकार किया है. सीआईसी के इस फैसले के विरुद्ध उच्च न्यायालय में अपील किए जाने की सम्भावना है.

उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु एकल परीक्षा के लिए 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' के लिए कार्यदेयता नोटिस

उच्च शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली अलग-अलग प्रवेश परीक्षाओं के स्थान पर एक ही परीक्षा के आयोजन के विचार के तत्वेन एन टेस्टिंग एजेंसी (National Testing Agency-NTA) के गठन हेतु कमेडो तैयार करने के लिए तात्कालिक कार्यदेयता के गठन का निर्णय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा किया गया है. आईआईटी के पूर्व निदेशक सत्यजित दास की अध्यक्षता में गठित किए जाने वाले इस दल में सीबीएसई, यूजीसी, एनसीआईआरटी व एआईआईटीआई के प्रतिनिधियों के प्रतिनिधि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि इसमें शामिल हो जाएंगे.

2012 में देश में आत्महत्या करने वालों की संख्या 1-35 लाख : सर्वोच्च न्यायालय ने तमिलनाडु में दर्ज किए गए, महाराष्ट्र का दूसरा स्थान

अत्यन्त उग्ररूप अँकड़ों के अनुसार देश में प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक लोग आत्महत्या कर अपना जीवन समाप्त कर लेते हैं. इस सम्बन्ध में विस्तृत अँकड़ों नेशनल काइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (NCRB) के पास उपलब्ध हैं. मृतों के इन अँकड़ों के अनुसार मीठुवा तटी में आत्महत्या के सर्वाधिक मामले (1,35,585) 2011 में दर्ज किए गए थे, जबकि बिछले वर्ष 2012 में आत्महत्या के मामलों की कुल संख्या 1,35,445 रही. इस प्रकार प्रति एक लाख जनसंख्या पर आत्महत्या के 11-2 मामले 2012 में दर्ज किए गए. इन अँकड़ों के अनुसार प्रतिदिन औसतान 371 व्यक्तियों ने तथा प्रति घण्टे में औसतान 15 लोगों ने आत्महत्या 2012 के दौरान की. दैनिक आधार पर आत्महत्या के औसतान 371 मामलों में 242 मामलों पुरुषों के तथा 129 मामलों महिलाओं के रहे.

नेशनल काइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो के इन अँकड़ों के अनुसार 2012 में आत्महत्या के सर्वाधिक 16,927 मामले तमिलनाडु में दर्ज किए गए. 16,112 आत्महत्याओं के साथ महाराष्ट्र का इस मामले में दूसरा, 14,957 आत्महत्याओं के साथ प. बंगाल का तीसरा तथा 14,328 आत्महत्याओं के साथ आन्ध्र प्रदेश का इस मामले में चौथा स्थान 2012 में रहा. केन्द्रशासित राज्यों में कुल मिला कर 3,778 आत्महत्या के मामले 2012 में दर्ज किए गए. इनमें सर्वाधिक संख्या (1899) दिल्ली में रही. लक्षद्वीप में आत्महत्या का केवल एक मामला 2012 में दर्ज किया गया. आत्महत्या की दर के मामले में देश में पहला स्थान पुदुचेरी का रहा, जहाँ प्रति एक लाख जनसंख्या पर 36-8 आत्महत्याएँ हुईं. प्रति एक लाख जनसंख्या पर 29-1 आत्महत्याओं के साथ पश्चिम का दूसरा स्थान इस मामले में रहा. तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः तमिलनाडु (24-9) व केरल (24-3) का इस मामले में रहा. ब्यूरो के इन अँकड़ों के अनुसार 2012 के दौरान आत्महत्या करने वालों में से 37 प्रतिशत ने फाँसी का फाँस लगाकर यह कदम उठाया, जबकि 29-3 प्रतिशत ने जहर खाकर, 8-4 प्रतिशत ने स्वयं को जलाकर यह कदम उठाया.

उत्तराखण्ड में पहाड़ों पर प्रलय : हजारों व्यक्तियों के मरने की आशंका

समय पूर्व आए मानसून ने उत्तराखण्ड के पहाड़ी क्षेत्रों में प्रलय जैसी तबाही जून 2013 में मचाई है. गरीबी वर्षों के परिणाम-स्वरूप बाढ़ की स्थिति उत्तराखण्ड के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश, हरियाणा व उत्तर प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में भी घाघि बनी तथापि उत्तराखण्ड के पहाड़ी इलाकों में तो गरीबी प्रलय जैसी स्थिति बनी. लगातार तीन दिन हुई वर्षा व भूस्खलन ने केदारनाथ, उत्तरा काशी, बनौली, पिथौरागढ़ व रुद्रप्रयाग आदि क्षेत्रों का सम्पर्क शेष देश से काट दिया जिससे चार घाम पर लग 70 हजार से अधिक श्रद्धालु विभिन्न भागों में फँस गए. इस बीच केदारनाथ में 18 जून को बाढल फटने के पश्चात् हुए भीषण भूस्खलन में सैकड़ों लोगों का जिंदा ही पानी में बहा दिया. इस प्राकृतिक आपदा में प्राण गँवाने वालों की संख्या का अभी तक ठीक-ठीक आकलन नहीं किया जा सका है, तथापि निडरिया रिपोर्टों में यह संख्या हजारों में होने की आशंका व्यक्त की गई है.

केदारनाथ मंदिर में भी पानी भरने से मंदिर का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया तथा पानी के तेज बहाव ने आसपास का सब कुछ अपनी जगह में ले लिया. आपदा में जीवित बचे प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सैकड़ों घरों, निधियों से भरे बाढ़ों, अतिथिघरों व इमारतों को पानी के तेज बहाव ने अपनी

जगह में ले लिया. वस्तुतः केदारनाथ का तो पुरा बुनियादी ढाँचा ही तबाह हो गया है. इसके चलते अगले तीन वर्षों में केदारनाथ यात्रा की सम्भावना नहीं बची है. प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने तुरंत अध्यक्ष सोनिया गाँधी के साथ उत्तराखण्ड के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का हवाई दौरा 23 जून को किया. आपदा को बेहद तत्कालीनदेह बताते हुए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने आपदा राहत के रूप में ₹ 1000 करोड़ प्रधानमंत्री राश्ट्रीय राहत कोष से प्रदान करने की घोषणा की. इसमें से ₹ 145 करोड़ तत्काल जारी किए गए हैं.

लोक सभा की 4 व राज्य विधान सभाओं की 5 सीटों के लिए उपचुनाव : कांग्रेस का करारा प्रतका

लोक सभा की चार तथा दो राज्य विधान सभाओं की कुल गिलाकर 5 रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव 2 जून, 2013 को सम्पन्न हुए. इन चुनवों में कांग्रेस पार्टी को करारा प्रतका लगा है. उपचुनाव वाली 4 लोक सभाई सीटों में से 2 सीटें गुजरात से तथा एक-एक सीट प. बंगाल व बिहार से थी. प. बंगाल की हावड़ा सीट पर तुषमूल कांग्रेस का कब्जा जहाँ बरकरार रहा है. वहीं बिहार की महाराजगंज सीट जनाद दल (यू.) से राश्ट्रीय जनता दल ने हाथिया ली है. जबकि गुजरात की दोनों रिक्त सीटें (पोरबंदर व बनासकंठ) भाजपा ने कांग्रेस से हाथिया ली है. गुजरात विधान सभा की

4 रिहा सीटों के लिए भी गुनाह 2 जून को सम्पन्न हुए यह चारों सीटों भी पहले कांग्रेस के पास थी, जो अब भाजपा के खाते में गई है, जबकि उत्तर प्रदेश में इंडिया निर्वाचन क्षेत्र की सीट सगुजवादी पार्टी के पास ही बरकरार रही है। इस प्रकार कांग्रेस को बड़ा झटका गुजरात में लगा है जहाँ उपद्रुनाच वाली उसकी सभी छह सीटें अब भाजपा के खाते में चली गई है।



राज्यों का विरोध बरकरार रहने से एन.सी.टी.सी. के गठन का विचार ठण्डे बरते में

आतंकवादी गतिविधियों पर अंकुश के लिए केन्द्र सरकार के प्रस्तावित राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी केन्द्र (National Counter-Terrorism Centre-NCTC) के गठन की योजना अब ठण्डे बरते में चली गई है। आंतरिक सुरक्षा पर मुख्यमंत्रियों के नई दिल्ली में 5 जून, 2013 को सम्पन्न सम्मेलन में इस मामले में राज्यों का विरोध बरकरार बने रहने पर इसके गठन के लिए विधेयक लाने का इरादा सरकार ने फिलहाल त्याग दिया है तथा राज्यों की सहमति से ही इस दिशा में कोई कदम उठाने की घोषणा गृह मंत्री ने की है।

इस मामले में राज्यों की मुख्य आपत्तियाँ इस केन्द्र को आईसी (इंफॉर्मेशन ब्यूरो) के अधीन गठित करने तथा राज्यों में गिरफ्तारियों का अधिकार इसे प्रदान करने को लेकर थीं। (गिरफ्तारियों का अधिकार फिलहाल राज्य पुलिस बलों के अतिरिक्त केवल सीबीआई के पास है) एनसीटीसी को गिरफ्तारी का अधिकार प्रदान करने का अधिकांश राज्यों ने विरोधित गैर कांग्रेस शासित राज्यों ने राज्यों के अधिकारों का अतिक्रमण मानते हुए इसका विरोध किया। राज्यों के विचार जानने के पश्चात्

एनसीटीसी का जो संशोधित प्रारूप केन्द्र ने राज्यों को प्रेषित किया था उसमें उपर्युक्त दोनो प्रावधान हटा दिए गए थे तथा एनसीटीसी को सीधे ही गृह मंत्रालय के अधीन रखने का प्रावधान किया गया था। इसके बाद भी राज्यों का समर्थन इसके लिए प्राप्त न हो सका। विरोध करने वाले राज्यों ने अब दूसरे मुद्दे उठा लिए हैं तथा इसके गठन के उद्देश्य पर ही प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। आन्तरिक सुरक्षा पर 5 जून, 2013 को नई दिल्ली में आहत मुख्यमंत्रियों के सम्मेलन में एनसीटीसी का विरोध करने वाले मुख्यमंत्रियों में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी, बिहार के नीतीश कुमार, तमिलनाडु की जे. जयललिता, गुजरात के नरेन्द्र मोदी, छत्तीसगढ़ के रमण सिंह, मध्य प्रदेश के शिवराज सिंह चौहान और पंजाब के उप-मुख्यमंत्री सुखवीर सिंह बादल को शामिल थे। यहाँ तक कि कांग्रेस शासित कुछ राज्यों के मुख्यमंत्रियों, महाराष्ट्र के पुच्छीराज घडकरी, कर्नाटक के सिद्धार्थमाया और असम के तरुण गोमाई ने भी एनसीटीसी के संशोधित प्रस्ताव पर आपत्ति व्यक्त की है।

उत्तर प्रदेश ने हालांकि एनसीटीसी का विरोध नहीं किया है, लेकिन समर्थन भी नहीं किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बैठक में कहा कि आतंकवाद से मुकाबले के लिए प्रदेश में एटीएस बनाया गया है जिस और मजबूत किए जाने के प्रयत्न हो रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि वह भी केन्द्रीय एजेंसी नहीं चाहता।

संक्षिप्तकी

गुलबर्गा व धारवाड़ में कर्नाटक उच्च न्यायालय की पीठ

धारवाड़ व गुलबर्गा में कर्नाटक उच्च न्यायालय की सांकेतिक पीठें अब स्थायी पीठों का रूप लेंगी। इसके लिए लागू गए प्रस्ताव को राष्ट्रपति प्रथम मुखर्जी ने 4 जून, 2014 को मंजूरी प्रदान की है।

ज्ञातव्य है कि कर्नाटक उच्च न्यायालय देश के प्राचीनतम उच्च न्यायालयों में से एक है। 1884 ई. में स्थापित इस उच्च न्यायालय का नाम नैसुर उच्च न्यायालय पहले था जिसे बदलकर 1973 में कर्नाटक उच्च न्यायालय किया गया था। ●●●



उ प का र

नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी

प्रारम्भिक परीक्षा

(सामान्य एवं विशेष भर्ती)

प्रमुख आकर्षण

- गत वर्ष का हल प्रश्न-पत्र
- भारत का इतिहास
- भारत एवं विश्व का भूगोल
- भारतीय राजन्यायस्था
- भारतीय अर्थन्यायस्था
- भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
- जनसंख्या, पर्यावरण और शहरीकरण के संदर्भ में
- राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
- खेलकूद
- सामान्य विज्ञान
- उत्तर प्रदेश : वस्तुनिष्ठ प्रश्न
- सामान्य मानसिक योग्यता
- सामान्य हिन्दी

कोड नं. 2017



उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग

समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी

प्रारम्भिक परीक्षा

(सामान्य एवं विशेष भर्ती)

मूल्य : ₹ 375/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

E-mail : care@upkar.in
 Website : www.upkar.in

प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी

मात्र 5 महीने की तैयारी में

हर साल हजारों की संख्या में SSC, PCL, LIC एवं विभिन्न Banks विनियमों की घोषणा करते हैं। कुछ अंश के बावजूद सभी परोक्षा एक ही Pattern पर आधारित होते हैं। मात्र 5 महीने की तैयारी के बाद, साल में 10 से अधिक Exams में एवं प्रतिष्ठित सरकारी नौकरी पाये।

- एकमात्र संस्थान जहाँ Innovative Ideas, Conceptual Tricks एवं Technique से Maths एवं Reasoning को आसान एवं सरल बना दिया जाता है।
- एकमात्र संस्थान जहाँ 'कम से कम लिखना और ज्यादा से ज्यादा सीखना' तकनीक पर जोर देते हुए संपूर्ण पाठ्यक्रम Printed Form में उपलब्ध कराई जाती है।
- संपूर्ण General Studies का Conceptual अध्यापन।
- Examination Pattern पर Weekly Test Series.
- OMR Sheet की Computerised जाँच एवं Rankwise Result की घोषणा

नोट: अगर आप कहीं पहुँचके हो या पहुँच रहे हो तो भी किसी भी दो दिन आकर Demo Class लें। आप सीखने पर मजबूर हो जायेंगे कि आपने उल्ट तक क्या कहा है।

Coaching Available for:-

- SSC (GL10+2 Level), CPF(AC), CDS
- Bank (PO/Clerk), LIC (ADO/AAO), Railways
- Delhi Police & Other States Police exams.
- DSSSB, TGT, PGT, B.Ed, JBT, DIET
- IAS — Pre. (Paper-II)
- Comp. English

Weekend Batch For Working People

Interview कक्षा विशेषज्ञों के समूह द्वारा

5
MOCK
ALL IN ONE

HOSTEL FACILITY AVAILABLE

Best Coaching Institute of the NCR (Delhi) Award से सम्मानित संस्थान

PARAMOUNT
Coaching Centre Pvt. Ltd.

An ISO 9001 : 2008 Certified Company

Centres at: Mukherjee Nagar - 704, 1st Floor, Above Big Apple, Near Batra

Cinema, Dr. Mukherjee Nagar Delhi - 110 009

• Uttam Nagar • Dilshad Garden • Munirka • Rohini • Badarpur Border • Jaipur

CENTRAL ENQUIRY :- 011-27607854, 8860333333,

8860833333, 8860822222

Website:- www.paramountcoachingcentre.com

PARAMOUNT ही क्यों?

आप एक कोर्स के लिए ताखिला लेते हैं और आप पाते हैं

पाँच महीने के Coaching के अलावा
Free

- Test Series (For any Exam.)
- Exclusive English Batches
- Exclusive Maths Batches
- Exclusive Batches for Trigonometry, Geometry & Algebra
- Printed Books (फोटो कॉपी नहीं) English/Hindi दोनों माध्यम में
- Beginner's Batch for Maths & English अगर आपका Basic कमजोर है तो आप Beginner's Batch में Free of Cost पढ़ सकते हैं। अपने Regular Batch में Targeted एवं Exam Oriented तैयारी करें और Beginner's Batch में Maths एवं English के Basic Concepts Clear करें।

Inaugural Book of Paramount Reader Publication



99% Questions of Grammar & Vocabularies including idioms & phrases & one word substitution of SSC(CGL)-2013 are from this book.

Grab your Copy & Check yourself

RECORD BREAKING NEWS

Selection in SSC(CGL)-2012 crossing 500!!!

Creating History Year after Year

for results visit www.paramountcoachingcentre.com

विभिन्न विषयों के शिक्षक पत्र के लिए योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित
सम्पर्क करें :- 088608-55555





आस्ट्रेलिया जा बसने वाले प्रवासियों में भारतीयों की संख्या सर्वाधिक

- आस्ट्रेलिया जा बसने वाले प्रवासियों में भारतीयों की संख्या सर्वाधिक
- नेपाल में संविधान सभा के चुनाव नवम्बर 2013 में
- पाकिस्तान में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता का हस्तान्तरण : नवाज शरीफ रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री बने
- उदात्तादी नेता हसन रुहानी ईरान में नए राष्ट्रपति निर्वाचित
- 'नाटो' बलों ने अफगानिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह अफगान सेना को सौंपी
- अमरीकी विदेश मंत्री जॉन केरी की भारत यात्रा
- बिकीलीकस के संस्थापक जूलियन असांजे का ईक्याडोर दूतावास में शरण का एक वर्ष पूर्ण
- भारत व चीन के बीच सीमा वाता का 16वां दौर सम्पन्न
- पाकिस्तान में मोहम्मद अली जिन्ना का आवास उधवादिशों के बम विस्फोटों से गम्भीर रूप से क्षतिग्रस्त
- विश्व का सबसे ऊँचा भवन केवल 90 दिन में बनाने की चीनी कम्पनी की योजना
- अफगानिस्तान को अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का एसोसिएट सदस्य बनाया गया
- आईसीसी ने टी-20 विश्व कप (2016), टेस्ट चैम्पियनशिप (2021) व एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप (2023) की मेजबानी भारत को सौंपी
- रशियापति

प्राप्त्य है कि राजशाही के पतन के पश्चात् नेपाल में पिछली संविधान सभा के चुनाव मई 2008 में कराए गए थे. संविधान निर्माण के लिए समय सीमा में कई बार की गई बुद्धियों के बावजूद यह सभा सर्वसम्मत संविधान की रचना करने में असफल रही तथा अन्ततः 27 मई, 2012 को यह भंग कर दी गई थी तथा नए चुनाव नवम्बर 2012 में सम्पन्न कराने की घोषणा उस समय की गई थी. यह चुनाव कराने के लिए राष्ट्रीय सरकार के गठन पर राजनीतिक दलों में सहमति न हो पाने के कारण यह चुनाव निर्वाचन आयोग द्वारा स्वर्णित कर दिए गए थे. बाद में मुख्य न्यायाधीश खिलराज रेग्मी के नेतृत्व में सर्वसम्मत अन्तरिम सरकार का गठन वहाँ 14 मार्च, 2013 को हुआ तथा नई संविधान सभा के चुनाव 21 जून, 2013 तक कराने को सहमति राजनीतिक दलों में हुई. प्रमुख राजनीतिक दलों-नेपाली कांग्रेस, युनाइटेड कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी), कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (युनाइटेड मार्क्सिस्ट लेनिनिस्ट) व युनाइटेड डेमोक्रेटिक मजदुरी फ्रंट के शीर्ष नेताओं के साथ सम्पन्न सरकार के 13 मार्च, 2013 के समझौते के तहत चुनाव 21 जून, 2013 तक कराने को सहमति हुई थी. विशेष परिस्थितियों में चुनाव की तिथि नवम्बर 2013 तक बढ़ाने को सहमति भी उस समझौते में हुई थी.

पाकिस्तान में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से सत्ता का हस्तान्तरण : नवाज शरीफ रिकॉर्ड तीसरी बार प्रधानमंत्री बने

पाकिस्तान में 11 मई, 2013 के संसदीय चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के नेता नवाज शरीफ को राष्ट्रपति अशिरफ अली ख़वदारी ने देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ 5 जून, 2013 को ग्रहण कराई, जिसके साथ ही वहाँ कार्यरत कार्यवाहक सरकार भंग हो गई. सपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व भारतीय उच्चायुक्त करत समरकांत ने किया. पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार सत्ता का हस्तान्तरण लोकतांत्रिक सरकार से दूसरी लोकतांत्रिक सरकार को हुआ है. नवाज शरीफ रिकॉर्ड तीसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने हैं. इससे पूर्व 1990-93 व 1997-99 के दौरान यह पाकिस्तान के प्रधानमंत्री रहे थे. पहले कार्यकाल में झट्टाघर के आरोप लगने पर उन्हें 1993 में यह पद जहाँ छोड़ना पड़ा था, वहीं दूसरी बार तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल परवेझ मुशर्रफ के नेतृत्व में हुए सैन्य

नेपाल में संविधान सभा के चुनाव नवम्बर 2013 में

नेपाल में संविधान सभा की 491 सीटों के लिए लम्बे समय से प्रतीक्षित चुनाव नवम्बर 2013 में होने. देश की नई अन्तरिम काम प्रज्ञा संसद ने यह चुनाव 19 नवम्बर को कराने की घोषणा 13 जून, 2013 को की है. चुनावी विधियों की घोषणा करते हुए अन्तरिम सरकार ने आशा व्यक्त की है कि चुनावोपरान्त बनने वाली नई संविधान सभा देश के लिए नया संविधान तैयार करने के साथ-साथ राजनीतिक अस्थिरता समाप्त करने में भी सफल होगी. नई संविधान सभा देश की संसद के रूप में भी कार्य करेगी.

तकला पलट के कारण वह अपना कार्य-काल पूरा नहीं कर सके थे, उनकी सरकार का तकला पलटने वाले परवेज मुशर्रफ 2001-08 के दौरान राष्ट्रपति रहे थे, नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के दो दिन पश्चात् उनकी मंत्रिपरिषद् के 25 सदस्यों को 7 जून को शपथ दिलाई गई, इनमें 16 फेडरल मंत्री व 9 राज्यमंत्री हैं, दो महिलाओं को राज्यमंत्री के रूप में मंत्रिपरिषद् में उन्होंने शामिल किया है, विदेश मंत्रालय का महत्वपूर्ण प्रभार नवाज शरीफ ने स्वयं अपने पास रखा है,



नवाज शरीफ के बजेटे आजम (प्रधानमंत्री) पर की शपथ दिलाती राष्ट्रपति अशिरफ अली जल्लरी

पाकिस्तान में नई सरकार के गठन के लिए नवगठित 14वीं नेशनल असेम्बली का पहला सत्र 1 जून, 2013 से आरंभ किया गया था तथा नवनिर्वाचित संसदों को शपथ उस दिन दिलाई गई थी सदन के स्पीकर व डिप्टी स्पीकर का चुनाव वही 2-3 जून को कराया गया तथा प्रधानमंत्री पद के लिए नामांकन 4 जून को प्रस्तुत किए थे, इस निर्वाचन के लिए 342 सदस्यीय नेशनल असेम्बली में 172 मतां की ही आवश्यकता थी, नवाज शरीफ ने इस चुनाव

के लिए आवश्यक बहुमत पहले ही जुटा लिया था, 5 जून को नेशनल असेम्बली में सम्पन्न मतदान में 244 मत उन्हें प्राप्त हुए, जबकि राष्ट्रपति अशिरफ अली जल्लरी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के उम्मीदवार मखदूम अमीन फहीम को 42 तथा पूर्व क्रिकेटर इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इन्साफ (PTI) पार्टी के उम्मीदवार मखदूम जावेद हाशमी को 31 मत इस चुनाव में प्राप्त हुए थे,

नेशनल असेम्बली के चुनावों के साथ ही पाकिस्तान के पाचों प्रांतों-पंजाब, सिंध, खैबर पख्तूनवा व बलूचिस्तान की असेम्बलियों के लिए भी चुनाव 11 मई को सम्पन्न हुए थे, इनमें पंजाब में नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) ने जहाँ भारी बहुमत प्राप्त किया था, वहीं सिंध में बिलावल बुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की बादशाहत बरकरार रही है, खैबर पख्तूनवा में इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इन्साफ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है, इससे पंजाब में पीएमएल (एन) के साहबाज शरीफ (नवाज शरीफ) के भाई मुख्तारजी पद पर बरकरार रहे हैं (तौसीर वार पंजाब के मुख्यमंत्री बने हैं), जबकि सिंध में पीपीपी के कायम अलीशहा मुख्तारजी बनाए गए हैं, खैबर पख्तूनवा में इमरान खान की पीटीआई के परवेज खटाक के नेतृत्व में सरकार बनी है, बलूचिस्तान में पीएमएल (एन) तथा पख्तूनवा मिली अरामी पार्टी (पीएमएपी) को 9-9 और नेशनल पार्टी को 6 सीटें मिली थी, वही नेशनल पार्टी के अब्दुल गशिक बलूच को गठबंधन सरकार में मुख्यमंत्री बनाया गया है,

उदारवादी नेता हसन रुहानी ईरान में नए राष्ट्रपति निर्वाचित

ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए 14 जून, 2013 को सम्पन्न चुनाव में उदारवादी नेता मौलवी हसन रुहानी (Hassan Rouhani) निर्वाचित हुए हैं, इससे इस सीध पद पर कट्टरपंथियों का आठ वर्ष से चल रहा कब्जा समाप्त हो गया है, मूलतः 8 उम्मीदवारों को यह चुनाव लड़ने की स्वीकृति 'गार्जियन काउंसिल' से प्राप्त हुई थी, इनमें से दो उम्मीदवारों के रुहानी के पक्ष में चुनाव मैदान से हट जाने के पश्चात् उनका प्रभाव भारी हो गया था, 2005-13 के दौरान लगातार दो कार्यकालों के लिए



हसन रुहानी

राष्ट्रपति रहे महमूद अहमदीनेजाद इस संवैधानिक रोक के कारण इस चुनावी दौड़ में शामिल नहीं थे, 14 जून को पहले दौर के मतदान में ही 50-71 प्रतिशत मत प्राप्त

CLASSIC IAS ACADEMY HAS BEEN AWARDED "MARGDARSHAN AWARD 2013 FOR INNOVATION & EXCELLENCE IN IAS COACHING CATEGORY"



Classic IAS
ACADEMY

SHAPING TALENT

UG-33 & 34, Ansal Chamber-I, Bhikaji Cama Place, New Delhi - 110066

Ph : 32323293, 32323294 Mob. : 9310034050, 93110034060

Web : www.classiciasacademy.com Mail : enquiry@classiciasacademy.com

20%
फ्री
डिस्काउंट
ऑन
फर्स्ट
कोर्स

10%
फ्री
डिस्काउंट
ऑन
सेकंड
कोर्स

15%
फ्री
डिस्काउंट
ऑन
थर्ड
कोर्स

कर हसन रहानी ने दूसरे दौर के मतदान की आवश्यकता को समाप्त कर दिया था, दूसरे स्थान पर रहे तहरान के मेयर मोहम्मद बाबर घलीबाक को 16-56 प्रतिशत मत ही इस चुनाव में प्राप्त हो सके, देख के 5-05 करोड़ मतदाताओं में से 3-67 करोड़ (72-7 प्रतिशत) ने अपने मतधिकार का प्रयोग इस चुनाव में किया था।

नवाभिषिक्त राष्ट्रपति हसन रहानी 2003 में तत्कालीन सुधारवादी राष्ट्रपति मोहम्मद खातमी की सरकार में परमाणु वार्ताकार रहे थे राष्ट्रपति के रूप में उन्हें एक ऐसी अर्थव्यवस्था की कमान सौंपा गयी है, जो अपने परमाणु कार्यक्रम के चलते अमरीका व यूरोपीय संघ के प्रतिबन्धी शं पूरी तरह प्रभावित है। इन प्रतिबन्धों को हटाने का वायदा रहानी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान किया था।

उल्लेखनीय है कि ईरान में राष्ट्रपति का पद वहापि सर्वाधिक निर्वाचित पद है। तथापि बड़ी राष्ट्रपति की शक्तियाँ अन्य राष्ट्रों की तरह नहीं है। शक्तियों के मामले में सर्वाधिक धार्मिक नेता अयतुल्लाह खोमेनी के परमात् दूसरा स्थान ही बर्ही राष्ट्रपति का है। सैन्य बल, स्टेट टेलीविजन व उच्च न्यायिक व्यवस्था आदि बड़ी सर्वाधिक धार्मिक नेता के हाथ में ही है।

'नाटो' बलों ने अफगानिस्तान में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह अफगान सेना को सौंपी

अफगानिस्तान में मार्च 2011 में सुरु हुई सैन्य हस्तान्तरण प्रक्रिया का एक और चरण (चौथवाँ चरण) 18 जून, 2013 को उस समय पूरा हुआ जब 'नाटो' बलों ने क्षेत्र बचे 95 जिलों की सुरक्षा व्यवस्था अफगान बलों को सौंप दी। इससे पूरे देश की सुरक्षा व्यवस्था अब स्वायत्ती बलों के हाथ में आ गई है। 2001 में तालिबान के निष्कासन के बाद से ही बड़ी सुरक्षा व्यवस्था नाटो के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल सिक्योरिटी अशिरिस्ट फोर्स (ISAF) में सौंपाई हुई थी। इस बल के लगभग 97 हजार सैनिक अफगानिस्तान में तैनात हैं। इनमें 50 देशों के सैनिक शामिल हैं जिनमें सर्वाधिक लगभग 68 हजार सैनिक अमरीका के हैं। इन सारी सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी अगले वर्ष 2014 तक होगी है।

सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह अफगान बलों को सौंपने के लिए काबुल में 18 जून को अमेरिकित समारोह में नाटो के प्रमुख एंडर्स फोंग रासमुसेन ने कहा कि सुरक्षा का दायित्व स्थानीय बलों को सौंपने के परंपरागत बल अब समर्थक की भा में रहेंगे। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति

हमिद करजाई ने इस अवसर पर कहा कि लोग जब यह देखेंगे कि सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह अफगान सुरक्षा कर्मीयों को सौंप दी गई है तो वह सैन्य व पुलिस का पहले से अधिक सम्बन्ध करेंगे।

अमरीकी विदेश मंत्री जॉन केरी की भारत यात्रा

अमरीकी विदेश मंत्री जॉन केरी (John Kerry) ने तीन दिन की भारत की यात्रा जून 2013 में की। अमरीकी विदेश मंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के चौथे माह के परभावार् ही उन्होंने यह यात्रा भारत व अमरीका के विदेश मंत्रियों के बीच चौथे दौर की रणनीतिक वार्ता के लिए सम्पन्न की। 23 जून को नई दिल्ली पहुँचने पर भारतीय विदेश मंत्री सलमान खुरीद के साथ वार्ता में द्विपक्षीय आर्थिक रिश्तों व रक्षा साझेदारी के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन जैसे अन्तराष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर भी आपसी सहयोग पर महत्त्वपूर्ण विदेश मंत्री ने बल दिया। इससे पूर्व भारत-अमरीका रणनीतिक साझेदारी पर अपने एक व्याख्यान में अमरीकी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत व अमरीका के बीच मौजूदा सम्बन्ध एक और एक को ग्यारह बनाने वाला रिश्ता है।



नई दिल्ली में भारतीय विदेश मंत्री सलमान खुरीद के साथ अमरीकी विदेश मंत्री जॉन केरी

24 जून को भारतीय विदेश मंत्री के साथ रणनीतिक वार्ता में भारतीय विचारधर्मों को अमरीकी नीला के मार्ग में आने वाली कठिनाइयों, इंटरनेट की निगरानी व डेजिटल कंट्रोल के भारत प्रत्यर्पण आदि के मुद्दों पर भी चर्चा दोनों पक्षों में हुई। गामिनीय क्षेत्र में सहयोग के लिए दोनों देशों के बीच 2008 में सम्पन्न समझौते के तहत की ठाकवाटी पर भी चर्चा वार्ता में की गई तथा इन कठिनाइयों को दूर करने में सहमति दोनों पक्षों में हुई। रणनीतिक भागीदारी को नए पायदान पर ले जाने के लिए ऊर्जा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी व सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता दोनों पक्षों ने व्यक्त की। अफगानिस्तान मुद्दा में वार्ता के मुद्दों में शामिल था। अफगानिस्तान में शान्ति बहाली के लिए

अमरीकी विदेश मंत्री ने कहा कि इसके लिए यह जरूरी है कि तालिबान अलकायदा से रिश्ता तोड़ें तथा अफगानिस्तान के संविधान को स्वीकार करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि अफगानिस्तान को किसी भी दशा में अन्तराष्ट्रीय आतंकियों का पनाहगर नहीं बनने दिया जा सकता।

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की जो शुरुआत 2009 में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की वार्ता के बाद हुई थी, उस दिशा में आगे कदम उठाते हुए शिक्षा क्षेत्र में सहयोग के चार समझौतों पर हस्ताक्षर नई दिल्ली में किए गए। सूचना प्रौद्योगिकी, मुक्त शिक्षा, सम्प्रदायिक कोलों की स्थापना व शिक्षा-प्रशिक्षण से जुड़े समझौते इनमें शामिल हैं। यह हस्ताक्षर मानव संसाधन विकास मंत्री पल्लव राजू व अमरीकी विदेश मंत्री की उपस्थिति में हुए। नई दिल्ली प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से भी अमरीकी विदेश मंत्री मिले।

विकीलीक्स के संस्थापक जूतियन अरसेज का ईक्वाडोर दूतावास में सरण का एक वर्ष पूर्ण

विकीलीक्स व वेबसाइट के संस्थापक जूतियन अरसेज, जिनके विरुद्ध स्वीडन की एक अदालत ने जुर्मन के एक मामले में गिरफ्तारी करार फिर्त जर्जी किए थे, तथा इस गिरफ्तारी से बचने के लिए जू 19 जून, 2012 से लंदन स्थित ईक्वाडोर दूतावास में रह रहे हैं, का इस दूतावास में प्रवेश का एक वर्ष जून 2013 में पूरा हो गया। स्वीडिश वाट के आधार पर उन्हें गिरफ्तार करने के लिए ब्रिटेन की पुलिस लंदन में ईक्वाडोर दूतावास के बाहर तैनात है जिसके फलतः एक वर्ष से वह दूतावास से बाहर नहीं निकले हैं। उनके अनुसार वह ईक्वाडोर सरकार ने उन्हें राजनीतिक शरण प्रदान की हुई है जिसके फलतः ब्रिटेन व स्वीडन के ईक्वाडोर के साथ सम्बन्धों में भी खलल पड़ेंगे है। अरसेज को अराकू है कि ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर बर्दि स्वीडन को सौंपा तो वहाँ से उन्हें अमरीका प्रवासीय कर दिया जाएगा जहाँ अमरीकी सुप्रीम कोर्ट का सुलाता करने के आरोप पर उनके विरुद्ध मुकदमा चल रहा होगा।

भारत व चीन के बीच सीमा वार्ता का 16वाँ दौर सम्पन्न

भारत व चीन के बीच राजनीतिक स्तर पर सीमा वार्ता का 16वाँ दौर 28-29 जून,

2013 को बीजिंग में सम्पन्न हुआ. मार्च 2013 में नए राष्ट्रपति शी जिन फिंग के नेतृत्व में नई सरकार के गठन के पश्चात् दोनों देशों के बीच राजनीतिक स्तर पर यह पहली आधिकारिक सीमा बार्ता थी. मई 2013 में लेह में घुसपैठ जैसी हुई घटनाओं को रोकने के लिए प्रस्तावित बॉर्डर डिफेंस कोऑपरेशन एग्रीमेंट पर चर्चा इस बार्ता में हुई तथा सीमा विवाद के निष्पक्ष व चर्कसंगत समाधान पर सहमत हुए दोनों पक्षों ने व्यक्त की. इस बार्ता में भारतीय प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिव शंकर मेनन ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व वहाँ के नवनियुक्त आधिकारिक बार्ताकार यांग जीये (Yang Jiechi) ने किया.

ज्ञातव्य है कि चीन सरकार ने मार्च 2013 में नेतृत्व परिवर्तन के पश्चात् पूर्व वर्षों में विदेश मंत्री रहे जीयी को भारत-चीन सीमा बार्ता के लिए चीन की ओर से अधिकृत बार्ताकार नियुक्त किया गया था. इससे पूर्व हू जियाओ के राष्ट्रपति के रूप में कार्यकाल के दौरान दाई बिंगो चीन के आधिकारिक बार्ताकार थे. लगभग एक दशक तक चीन की ओर से अधिकृत सीमा बार्ताकार रहे दाई बिंगो मार्च 2013 में ही इस पद से नुनत हुए थे.

पाकिस्तान में मोहम्मद अली जिन्ना का आवारा उग्रवादियों के बम विस्फोटों से गम्भीर रूप से क्षतिग्रस्त

उग्रवादियों ने 15 जून, 2013 को पाकिस्तान के दक्षिण पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में राजधानी क्वेटा से लगभग 120 किमी दूरी पर स्थित जियावत में उस भवन को बम विस्फोटों से गम्भीर रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया जिसमें देश के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना कभी रहा करते थे. बम विस्फोटों के परिणामस्वरूप भवन में लगी आग से भवन के कुछ हिस्सों के साथ-साथ जिन्ना के स्मृति चिह्न भी नष्ट हो गए. जियावत में अग्नि शमन सेवा उपलब्ध न होने के कारण आग पर काबू पाने में काफी समय लगा. इसके लिए क्वेटा से दमकल गाड़ियाँ मंगवाई गई.

उग्रवादी विस्फोटों के शिकार हुए उपर्युक्त भवन कायदे आजम रेजीडेंसी का निर्माण 1892 ई. में किया गया था और शुरू में यह ब्रिटिश गवर्नर जनरल के एजेंट का औपचारिक निवास था. जिन्ना जब टीबी से पीड़ित थे, तो उन्होंने अपने जीवन के अंतिम दिन इस इमारत में बिताए थे. इसके बाद इस इमारत को राष्ट्रीय स्मारक घोषित किया गया था.

वर्तमान में विश्व के सर्वाधिक ऊँचाई वाले भवनों की सूची निम्नलिखित है विश्व के सबसे ऊँचे भवन

क्रमांक	भवन	स्थान	ऊँचाई (मीटर)	मंजिलें	निर्माण वर्ष
1	बुर्ज खलीफा	दुबई (संयुक्त अरब अमीरात)	828	163	2010
2	मक्का रॉयल क्लॉक टॉवर होटल	मक्का (सऊदी अरब)	601	120	2012
3	वन वॉल्ड ट्रेड सेंटर	न्यूयॉर्क सिटी (अमरीका)	541.3	104	2013
4	राष्ट्री-101	राष्ट्री (राष्ट्रवान)	509	101	2004
5	शंघाई वॉल्ड फाइनेशियल सेंटर	शंघाई (चीन)	492	101	2008
6	इंटरनेशनल कॉमर्स सेंटर	हांगकांग (हांगकांग)	484	118	2010
7	पैट्रोनस टॉवर-I	कुआलालम्पुर (मलेशिया)	452	88	1998
7	पैट्रोनस टॉवर-II	कुआलालम्पुर (मलेशिया)	452	88	1998
9	जिंकेंग टॉवर	नानजिंग (चीन)	450	89	2010
10	बिसिस टॉवर (पूर्व नाम सिगल टॉवर)	शिकागो (अमरीका)	442	108	1973
---	---	---	---	---	---
---	---	---	---	---	---
219	द इम्पीरियल-I	मुम्बई (भारत)	254	60	2009
219	द इम्पीरियल-II	मुम्बई (भारत)	254	60	2009

KSG

An Institute for IAS Exam...

Ranked Best for
IAS Preparation
IT PAYS TO STUDY WITH SPECIALISTS

GENERAL STUDIES

with DR. KHAN
(Formerly Lecturer in University of Delhi)

- Foundation Course
- Weekend Course
- Distance Learning Programme
- General Studies with College Studies

Next Batch:

October - November

दिल्ली एवं अंग्रेजी माध्यम में पृथक बैच

DELHI:

2521, Hudson Line, Delhi - 9
(M) 09717 380832

52, Old Rajender Ngr. Market,
Delhi - 60. (M) 09560 862 483

JAIPUR:

403-404, Apex Tower, Lai
Kethi, (M) 08290 800 441

BHOPAL:

Plot No. 43, B. R. Arcade, 2nd
Floor, Zone II, M. P. Nagar
(M) 07509 975 361

CHANDIGARH:

SCO 216, Sector - 36 D
(M) 07508 027 213

*Please Note: We do not know any shortcut to success.

drkhan@ksgindia.com
www.ksgindia.com

विश्व का सबसे ऊँचा भवन केवल 90 दिन में बनाने की चीनी कम्पनी की योजना

विश्व में सबसे ऊँचा भवन वर्तमान में दुबई में है। 828 मीटर ऊँचा यह भवन 'शिंते' 'बुर्ज खलीफा' नाम से जाना जाता है, सन् 2010 में तैयार हुआ था। अब चीन की एक कम्पनी ब्रिज स्ट्रक्चरल इंजिनियरिंग (BSB) ने 838 मीटर ऊँचा एक भवन बनाने के इरादे की घोषणा पिछले ही वर्ष की थी। 'स्कई पिटी' नाम के इस टॉवर को केवल 90 दिन में तैयार करने की घोषणा कीएछी ने की थी। कम्पनी का इरादा प्रस्तावित भवन के निर्माण सिस्ते 4 महीने में अगस्त तैयार कर 90 दिन के भीतर इसे असेम्बल करने का था। इस परियोजना को चीन सरकार ने 4 जून, 2013 में मंजूरी प्रदान कर दी है। प्रस्तावित भवन का निर्माण चीन के दक्षिण मध्य में स्थित चंगशा (Changsha) शहर में किया जाएगा।

अफगानिस्तान को अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् का एसोसिएट सदस्य बनाया गया

अफगानिस्तान जो वर्ष 2001 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) का एसोसिएट सदस्य है, को अब इस परिषद् का एसोसिएट सदस्य जून 2013 में बना लिया गया है। एसोसिएट सदस्यता के उसके आवेदन को आईसीसी की लंदन में जून 2013 के अंतिम सप्ताह में सम्पन्न बैठक में मंजूरी दी गई। आईसीसी की एसोसिएट सदस्यता प्राप्त करने वाला यह एशिया का आठवाँ व विश्व का 37वाँ देश है। आईसीसी के एशियाई एसोसिएट सदस्यों में अफगानिस्तान के अतिरिक्त 7 अन्य देश हांगकांग (1969) में एसोसिएट सदस्य बना), कुवैत (2005), मलेशिया (1967), नेपाल (1996), सिंगापुर (1974), थाइलैण्ड (2005) व संयुक्त अरब अमीरात (1990) हैं। अन्य एसोसिएट सदस्यों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, बरमूडा, बोत्सवाना, कनाडा, फ्रांस, फिजी, कायमन आइलैंड्स, हेमाक, जर्मनी, जिम्बाब्वे, आयरलैण्ड, इंग्लैंड, इटली, जर्सी, कीनिया, नमीबिया, नीदरलैंड्स नार्थजीरिया, स्कॉटलैंड, संजानिया, अमरीका, वानुवु व जाम्बिया आदि शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि आईसीसी की सदस्यता तीन श्रेणियों में दी जाती है। उसके पूर्व सदस्य 10 देश हैं। टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए अधिकृत हैं। इनमें आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, वेस्टइंडीज व जिम्बाब्वे शामिल हैं।

जिन देशों में क्रिकेट परियोजनाध्वर्या में वह इसका प्रथम सुव्यवस्थित है, किन्तु

जिन्हें पूर्ण सदस्यता प्राप्त नहीं है, को एसोसिएट सदस्यता आईसीसी द्वारा प्रदान की जाती है।

जिन अन्य देशों में क्रिकेट आईसीसी के द्वारा मान्य नियमों के अनुरूप खेले जाती है, को एसोसिएट सदस्य के रूप में आईसीसी द्वारा मान्यता दी जाती है। एसोसिएट सदस्यों की संख्या 60 है तथा उन्हें आईसीसी की बैठकों में मताधिकार प्राप्त नहीं होता।

आईसीसी ने टी-20 विश्व कप (2016), टेस्ट चैम्पियनशिप (2021) व एकदिवसीय क्रिकेट के विश्व कप (2023) की मेजबानी भारत को सौंपी

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) ने 2015-2023 के दौरान के अपने क्रिकेट कार्यक्रम को अंतिम रूप 25-29 जून, 2013 को खतम में सम्पन्न अपनी वार्षिक बैठक में दिया। तब किए गए कार्यक्रम के अनुसार कुल क्रिकेट 18 टूर्नामेंटों का आयोजन 2015-23 के दौरान आईसीसी द्वारा किया जाएगा, इनमें दो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, दो ओडीआई वर्ल्ड कप, दो टी-20 विश्व कप व तीन महिला विश्व कप, दो महिला टी-20 विश्व कप, 3 अकर-19 विश्व कप व 4 क्वालिफाइंग टूर्नामेंट शामिल हैं। इनमें टेस्ट चैम्पियनशिप को पहली बार ही आईसीसी के कार्यक्रम में शामिल किया गया है। पहली टेस्ट चैम्पियनशिप का आयोजन जून-जुलाई 2017 में होगा तथा इसकी मेजबानी इंग्लैंड को सौंपी गई है। 2021 में दूसरी टेस्ट चैम्पियनशिप भारत की मेजबानी में होगी।

टी-20 क्रिकेट के आयोजन बांग्लादेश में होगा है, उसके पश्चात् 2016 में होने वाले छठे टी-20 विश्व कप के आयोजन की मेजबानी भारत को सौंपी गई है, 2020 में इस टूर्नामेंट का आयोजन अस्ट्रेलिया में होगा, (इससे पूर्व 2014 में चौथे टी-20 विश्व कप का आयोजन बांग्लादेश में होना है)।

एकदिवसीय क्रिकेट के 11वें विश्व कप का आयोजन 2015 में अस्ट्रेलिया व न्यूजीलैंड की संयुक्त मेजबानी में तथा 12वें विश्व कप का आयोजन 2019 में इंग्लैंड व वेल्स में होगा है। इसके बाद के 2023 का (13वाँ) विश्व कप टूर्नामेंट भारत में करने का फैसला आईसीसी को जून 2013 की लेवल बैठक में किया गया है।

संक्षिप्तकी

पाकिस्तान में पंजाब प्रान्त की असेम्बली में पहले सिख सदस्य

पाकिस्तान में सतलुज पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एम) ने सिख समुदाय के सदस्य वेशारचन्द

रोयल गैलरी ऑफ स्टॉकहोम में 8 जून, 2013 को आयोजित इस विशाल समारोह में राजधानी के सदस्यों के अतिरिक्त स्वीडिश व्यापार जगत के दिग्गजों व अन्य प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। स्वीडिश रिपोर्टों के अनुसार इस विवाह के बाद श्री वैकर औनेल को राजधानी में शामिल नहीं किया गया है तथा वह सामान्य नागरिक बने रहने।

●●●

उपकार राजस्थान 195 रिकित्याँ

राज्य पथ परिवहन निगम
कनिष्ठ लिपिक
भर्ती परीक्षा

अभ्यर्थक क्रम: प्रतियोगिता दर्पण Code No. 2252 मूल्य : ₹ 345/-

प्रमुख आकर्षण

- राजस्थान सामान्य ज्ञान • सामान्य ज्ञान • समाचारपत्रिकी
- सामान्य प्राथमिक अभियोग्यता • तार्किक एवं चित्रलेखन क्षमता
- English • हिन्दी • राज्य तथा जिला प्रश्नपत्र
- स्थानीय सरकार • पणित • कम्प्यूटर



उपकार प्रकाशन, आगरा - 2 • E-mail : karni@upkar.com • Website : www.upkar.com



आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- कोशल विकास हेतु अब नई एकीकृत 'राष्ट्रीय कोशल विकास एजेंसी' गठित
- 2012-13 में केन्द्र सरकार की प्राथमिकी एवं व्यवय सम्बन्धी वास्तविक अंतिम आँकड़े वित्त मंत्रालय ने जारी किए : राजकोषीय घाटा 4.9 प्रतिशत
- रीवाल एरटेट क्षेत्र हेतु नियामक के गठन का सरकार का इरादा : वांछित विधेयक के मसौदे को मंत्रिमण्डल की मंजूरी
- 2028 के पश्चात् भारत सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होगा
- मौद्रिक एवं साख्य नीति 2013-14 की पहली मध्य त्रैमासिक समीक्षा में सभी बैंकिंग दरें पूर्ववत् बरकरार
- सरकारी योजनाओं में अनाज के भण्डारण के लिए जगह बनाने को पिछले बजटअंतिम अनाज में से 1-05 करोड़ टन अनाज की खुले बाजार में बिक्री
- एयर एशिया इण्डिया के जरिए टाटा समूह की उड़्डयन क्षेत्र में वापसी
- निष्कर्ष के उपलक्षण पर निजी क्षेत्र के तीन बैंकों पर ₹ 10-5 करोड़ जुर्माना
- 160 वर्ष पुरानी तार सेवा बन्द
- 2013-14 की खरीक उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य
- पीर पंजाल पर्वत में देश की सबसे लम्बी रेल सुरंग के उद्घाटन से जम्मू का कश्मीर घाटी से रेल सम्पर्क स्थापित
- प्रति व्यक्ति उपयोग व्यव तथा बेरोजगारी की स्थिति के सम्बन्ध में एनएसएसओ के 68वें चक्र के सर्वेक्षण की रिपोर्ट
- देश में पहला 'हाइड्रोबैल' एटीएम टाटा समूह की कंपनी ने महाराष्ट्र में स्थापित किया
- अन्य महत्वपूर्ण तथ्य


कोशल विकास हेतु अब नई एकीकृत 'राष्ट्रीय कोशल विकास एजेंसी' गठित

युवाओं में कोशल विकास के लिए अब एक सिंगल एजेंसी के जरिए ही भ्रमण केन्द्रित करने के उद्देश्य से एक नई राष्ट्रीय कोशल विकास एजेंसी (National Skill Development Agency-NSDA) का गठन सरकार ने जून 2013 में किया है. कोशल विकास के लिए पहले से कार्यरत प्रधानमंत्री की कोशल विकास परिषद् (Prime Minister's National Council on Skill Development - PMNCSD), राष्ट्रीय कोशल विकास समन्वय बोर्ड (National Skill Development Coordination Board - NSDCB) तथा कोशल विकास पर प्रधान-मंत्री के सलाहकार का कार्यालय (Office of the Advisor to the PM on Skill Development) की सभी जिम्मेदारियाँ अब

इस नवगठित एजेंसी में समाहित कर दी गई हैं. जबकि राष्ट्रीय कोशल विकास निगम (National Skill Development Corporation - NSDC) अपनी योजनाओं को संचालित करता रहेगा. राष्ट्रीय कोशल विकास एजेंसी एक स्वायत्त एजेंसी के रूप में वित्त मंत्रालय में कार्य करेगी तथा इसका प्रमुख केन्द्रीय मंत्री स्तर का कोई व्यक्ति होगा. इसके प्रचालन हेतु महाप्रदेशक की भी नियुक्ति की जाएगी. इस एजेंसी के गठन का निर्णय केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 9 मई, 2013 की बैठक में किया गया था तथा एजेंसी के गठन की अधिसूचना वित्त मंत्रालय द्वारा बाद में 7 जून, 2013 को जारी की गई.

2012-13 में केन्द्र सरकार की प्राथमिकी एवं व्यवय सम्बन्धी वास्तविक अंतिम आँकड़े वित्त मंत्रालय ने जारी किए : राज- कोषीय घाटा 4.9 प्रतिशत रहा

बीत चुकी वर्ष 2012-13 केन्द्र सरकार का कुल व्यय ₹ 14,90,925 करोड़ रहने का अनुमान समर्थित वर्ष के बजट में लगाया गया था. बाद में 2013-14 के लिए बजट प्रस्तुति के समय यह व्यय ₹ 14,30,825



संधान

भूगोल

संजीव श्रीवास्तव (दृष्टि ३)

प्रथम बैच प्रारंभ

11 JULY 7.00 PM

द्वितीय बैच प्रारंभ

25 JULY 9.00 AM

- 120 दिनों में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को पढ़ेंगे
- गहन सत्रित ज्ञान सत्र
- निरंतर शिबिर, क्विज एवं क्विज शिबिर
- स्वदेशी आयोजित शिबिर द्वारा ज्ञान का परीक्षण

Mt. 325, Sanjay House, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110008
Ph. : 9999990615, 9990367794

ENGLISH

DHARMENDRA KUMAR

SSC (GL) DP-SI CPO

PO CSAT UPSC (Compulsory)

JUDICIARY CPF

& ALL COMPETITIVE EXAMS



An ISO 9001:2008 Certified Co.

पढ़ाया नहीं सिखाया जाता है

Batch Timing		
8:30 am	10:30 am	12:00 pm
4:00 pm	5:30 pm	7:00 pm

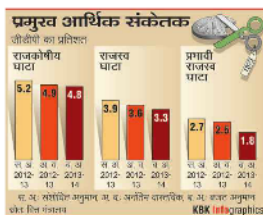
IAS-2012 जून Candidates को DSL में प्रवेश कर रहे हैं अगर आप हैं कि वह बच रहे हैं, बर्तनी की आप, पर Result में English (DSL) में पढ़ने से पहले

IAS, PCS, SSC में जो भी पढ़ने शुरू करते हैं, वे हमारे Class Notes पर Test Series के साथ परीक्षा में होंगे हैं. पहले अपने मूल्य सम्बन्धन का Result पर Students हैं।



102-A, Ansal Building, Near Chugh Dairy, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110008
9560319896, 9990936964





करोड़ रहने का सरकार का संशोधित अनुमान था, 2012-13 में सरकार की वार्षिक प्राप्ति एवं व्यय के सम्बन्ध में अंतिम वार्षिक आँकड़े वित्त मंत्रालय के लेखा निम्नंक द्वारा 1 जून, 2013 को जारी किए गए, इन आँकड़ों के अनुसार 2012-13 में सरकार का कुल व्यय ₹ 14,09,422 करोड़

ही रहा है, इसमें ₹ 12,42,263 करोड़ राजस्व व्यय तथा शेष ₹ 1,67,159 करोड़ पूँजीगत व्यय है, ₹ 14,09,422 करोड़ के कुल व्यय में योजना गिन व्यय व योजना व्यय क्रमशः ₹ 9,95,139 करोड़ व ₹ 4,14,283 करोड़ रहे हैं, इसके विपरीत ₹ 14,09,422 करोड़ की कुल प्राप्ति में राजस्व प्राप्ति ₹ 8,78,804

करोड़ व पूँजीगत प्राप्ति ₹ 5,30,618 करोड़ रही है, इससे 2012-13 में सरकार का राजस्व घाटा ₹ 3,63,459 करोड़ (राजस्व घाटे का 3-6 प्रतिशत) व प्रभावी राजस्व घाटा ₹ 2,47,755 करोड़ (जीडीपी का 2-5 प्रतिशत) रहा है, 2012-13 में राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) जीडीपी का 3-9 प्रतिशत रहने का अनुमान समर्पित वर्ष के कजट में था, जबकि 2013-14 के कजट प्रस्तुति के समय यह घाटा जीडीपी का 5-2 प्रतिशत रहने का संशोधित अनुमान था, ताजा अंतिम आँकड़ों के अनुसार 2012-13 में सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4-9 प्रतिशत रहा है, इसी प्रकार 2012-13 में प्राथमिक घाटा भी अब जीडीपी के 1-9 प्रतिशत के स्थान पर 1-8 प्रतिशत आकलित किया गया है, सरकार की प्राप्ति एवं व्यय के ये आँकड़े बॉक्स में प्रदर्शित हैं,

रीयल एस्टेट क्षेत्र हेतु नियामक के गठन का सरकार का इरादा : वांछित विधेयक के मसौदे को मंत्रिमण्डल की मंजूरी

रीयल एस्टेट क्षेत्र के विस्फोट एवं बेवकूफों के कमावारी पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से इस क्षेत्र के लिए एक नियामक (Regulator) गठित करने का सरकार का इरादा है, इसके लिए एक विधेयक संसद में लाया जाएगा, रीयल एस्टेट (नियामक एवं विकास) विधेयक [Real Estate (Regulation and Development) Bill] नाम के इस विधेयक के मसौदे को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 4 जून, 2013 को मंजूरी प्रदान की है, इससे रीयल एस्टेट क्षेत्र के उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा की जा सकेगी, परि-योजनाओं के बारे में आमक विज्ञापन जारी करने पर डेवलपर को जेल भेजने तक का प्राधान्य विधेयक के मसौदे में किया गया है,

2012-13 के दौरान केन्द्र सरकार की कुल प्राप्ति एवं व्यय : वित्त मंत्रालय के लेखा-निम्नंक द्वारा जारी अंतिम आँकड़े			
क्र.		2012-13	
		संशोधित आकलन* (Revised Estimates)	अंतिम वार्षिक आकलन (Current Estimates)
1.	राजस्व प्राप्ति (Revenue Receipts)	8,71,828	8,78,804
	कर राजस्व (गिबल) (Tax Revenue)	7,42,115	7,41,062
	कर गिन राजस्व (Non Tax Revenue)	1,29,713	1,37,742
2.	पूँजीगत प्राप्ति (Capital Receipts)	5,38,998	5,30,618
	ऋणों की वसूली (Recovery of Loans)	14,073	14,838
	अन्य प्राप्ति (Other Receipts)	24,000	25,890
	उधार एवं अन्य देयताएँ (Borrowings & Other Liabilities)	5,20,925	4,89,890
3.	कुल प्राप्ति (Total Receipts) (1 + 2)	14,30,825	14,09,422
4.	अयोजना गिन व्यय (Non Plan Expenditure)	10,01,638	9,95,139
5.	योजना व्यय (Plan Expenditure)	4,29,187	4,14,283
6.	कुल व्यय (Total Expenditure) (4 + 5)	14,30,825	14,09,422
	राजस्व व्यय (Revenue Expenditure)	12,63,072	12,42,263
	पूँजीगत व्यय (Capital Expenditure)	1,67,753	1,67,159
7.	राजस्व घाटा (Revenue Deficit)	3,91,245	3,63,459
	(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	(3-9)	(3-6)
8.	प्रभावी राजस्व घाटा (जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	2,66,970	2,47,755
	(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	(2-7)	(2-5)
9.	राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit)	5,20,925	4,89,890
	(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	(5-2)	(4-9)
10.	प्राथमिक घाटा (Primary Deficit)	2,04,251	1,77,894
	(जीडीपी के प्रतिशत के रूप में)	(1-9)	(1-8)

* 2013-14 के बजट में जारी आँकड़े

आवास क्षेत्र के लिए एकसमान नियामकीय माहौल उपलब्ध कराने का प्रयास इसमें किया गया है। विधेयक में डेवलपर्स के लिए यह अनिवार्यता है कि वे सम्बन्धित प्राधिकरणों से सभी सांविधिक मंजूरीयों लेने के बाद ही परियोजना शुरू कर सकेंगे। साथ ही इसमें यह भी प्रावधान है कि सीयल स्टैम्प परियोजनाओं के लिए सभी सम्बन्धित मंजूरीयों का प्रस्ताव नियामक को सौंपना होगा और साथ ही इसे निर्माण शुरू करने से पहले अपनी वेबसाइट पर डालना होगा। परियोजना के सम्बन्ध में धामक विज्ञापन जारी करने से बिल्डरों को रोकने के लिए कड़े प्रावधान विधेयक के मसौदे में किए गए हैं। पहली बार गलती करने वाले बिल्डर पर परियोजना लागत का 10 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है, जबकि बार-बार गलती करने पर उसे जेल जाना पड़ सकता है। इस विधेयक के मसौदे को पहले 2 अप्रैल, 2013 को मंत्रिमण्डल के समक्ष पेश किया गया था, लेकिन मतभेदों के चलते इस समय इसे मंजूर नहीं हो जा सकी थी।

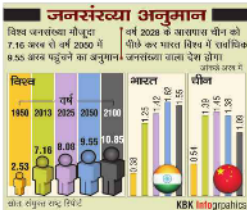
2028 के पश्चात् भारत सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश होगा

जनसंख्या के मामले में भारत का वर्तमान में चीन के पश्चात् विश्व में दूसरा स्थान है, किन्तु जनसंख्या वृद्धि की मौजूदा प्रवृत्तियों के चलते वर्ष 2028 में दोनों देशों की जनसंख्या 1-45 अरब होगी जिसके पश्चात् भारत की जनसंख्या में वृद्धि का सिलसिला जारी रहेगा, जबकि चीन की जनसंख्या लगभग स्थिर बनी रहगी इस प्रकार 2028 के पश्चात् भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो जाएगा।

खतरा नाइजीरिया में जिस गति से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, उससे यह आगेकी देश 2050 तक अमेरिका को पीछे छोड़ तीसरी बड़ी जनसंख्या वाला देश हो जाएगा। यह ताज़ा आकलन संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग के जनसंख्या प्रकोष्ठ (Population Division, Department of Economic and Social Affairs, UNO) का है। संगठन की वर्ष

सम्भावना संयुक्त राष्ट्र के जनसंख्या प्रकोष्ठ में व्यक्त की थी।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी की इस रिपोर्ट के अनुसार चीन की जनसंख्या 2030 के पश्चात् घटने लगनी, जबकि भारत की जनसंख्या 1-6 अरब के उम्पटान स्तर पर पहुँचने के पश्चात् घटने की दिशा में अग्रसर होगी। वर्ष 2100 ई. में भारत की कुल जनसंख्या 1-5 अरब होने की सम्भावना रिपोर्ट में व्यक्त की गई है।



पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स (2013) शीर्षक से जून 2013 में जारी यह रिपोर्ट विभिन्न देशों के वर्ष 2010 के जनानिकीय आँकड़ों की समग्र समीक्षा पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार विश्व की कुल जनसंख्या वर्तमान में 7-2 अरब है, जो 2025 तक 8-1 अरब, 2050 ई. तक 9-6 अरब तथा 2100 ई. तक 10-9 अरब हो जाने की सम्भावना है। दो वर्ष पूर्व 2011 की अपनी ऐसी रिपोर्ट में 2050 में विश्व जनसंख्या 9-3 अरब तथा 2100 में यह 10-1 अरब हो जाने की

वैश्विक प्रजननता की मौजूदा प्रवृत्ति व प्रौद्योगिकीय विकास ने आज माध्यमिक के भय को नकार दिया है। दो से वर्ष पूर्व माध्यमिक ने जनसंख्या सम्बन्धी अपने लेख में कहा था कि जनसंख्या में वृद्धि जहाँ ज्यामितीय दर से होती है तथा प्रति 25 वर्षों में जनसंख्या दोगुनी हो जाती है वहीं साधारण उत्पादन में वृद्धि अंकगणितीय दर से ही हो पाती है। वर्य पॉपुलेशन प्रॉस्पेक्ट्स-2013 जारी करते समय संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसंख्या प्रकोष्ठ के निदेशक जॉन विलमोथ (John Wilmoth) ने



COUNCIL

H.O. Delhi: A-19, BRIYANKA TOWER
M. Nagar
Delhi: 011-47043780, 9899457549

Allahabad Patna
9415217610 9835876750

GS for FRESHERS क्या, कैसे और कितना ?

हरेक 16 दिवसीय कार्यक्रम सफलता के अंतिम चरण तक पहुँचने के लिए इन लोगों के लिए भी मिल जा पथर साबित होगा जो किसी सरकारी या कॉर्पोरेट बजट में रुझान नहीं हो सके।

DELHI (4 pm)	ALLAHABAD (4 pm)
15 th Introduction	18 th Introduction
16 th -17 th Geography & Environment	19 th Geography & Environment
18 th -19 th Indian & Int. Economy	20 th -21 st Indian & Int. Economy
20 th -21 st Ethics...	22 nd -23 rd Essay
22 nd -23 rd Polity & Governance	24 th -25 th Gen. Science & Tech.
24 th -25 th I.R.	26 th -27 th History & World History
26 th -27 th History & World History	29 th -30 th Polity, Governance & I.R.
28 th Current & Essay	
29 th -30 th General Science & Tech.	

PATNA
15 July, 9 am

CSAT
English+Maths+Reasoning

इन गांधीजी में नरे कुछ अनाज को खुले बाजार में बेचने का सरकार का इरादा है। खुले बाजार में बिजली की योजना (OPSS) के तहत इन गांधीजी से 1-05 करोड़ टन अनाज की बिजली के प्रस्ताव को अंतिम मामलों पर मंत्रिमण्डलीय समिति (CCEA) ने मंजूरी 21 जून, 2013 को प्रदान की है। इसमें एक करोड़ टन गेहूँ व 5 लाख टन चावल होगा। ओएमएसएस के तहत बिजली मुख्य खेती मुख्य से भी कम होने के कारण उपयुक्त बिजली पर सन्निहरी सरकार को बहन करनी होगी, ताजा बिजली प्रस्ताव पर यह सन्निहरी र 5491 करोड़ अनुमानित है।

एयर एशिया इंडिया के जरिए टाटा समूह की उड़दहन क्षेत्र में वापसी

60 वर्ष के अनंतर के परकाट टाटा समूह ने एक बार पुनः वापसी उड़दहन क्षेत्र में प्रवेश कर दिया है। मध्यमता की एयर एशिया की नवप्रवेश अनुपरी भारतीय इकाई एयर एशिया इंडिया में डिसेम्बरी के सफ टाटा समूह ने उड़दहन क्षेत्र में वापसी की है। एयर एशिया इंडिया की विमान सेवाओं का परिचालन वर्ष 2013 के अंत तक शुरू होने की सम्भवता है। किसी विदेशी विमान सेवा कम्पनी की भारत में यह पहली अनुपरी कम्पनी है। इसकी इतिवृत्ति में 49 प्रतिशत डिसेम्बरी एयर एशिया की, 29 प्रतिशत लक्की मिलत के जम्मा अलग मध्यमता की तथा शेष 30 प्रतिशत डिसेम्बरी टाटा समूह की है। टीसीएस के पूर्व सीईओ एन. रामादुर को एयर एशिया एशिया का वेबरन जून 2013 में नियुक्त किया गया है, जबकि लक्की टाटा को इसमें निदेशक मण्डल वर मुख्य सलाहकार बनाया गया है।

मलेशिया की एयर एशिया कम्पनी सल्ले किराए-मार्ग के लिए जानी जाती है। इसकी भारतीय इकाई की सेवाएं शुरू होने से देश में विमान सेवा क्षेत्र में एक बार पुनः कड़ी प्रतिस्पर्धा शुरू होने की सम्भवता है।

निचो के उल्लंघन पर निजी क्षेत्र के तीन बैंकों पर 10-5 करोड़ जुर्माना

केवाईसी मानकों के उल्लंघन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने निजी क्षेत्र के तीन बड़े बैंकों पर कुल गिलाकर ₹ 10-5 करोड़ का जुर्माना जून 2013 में आरोपित किया है। इसमें सचिविक ₹ 5 करोड़ का जुर्माना एसिस बैंक पर, ₹ 4-5 करोड़ एचडीएफसी बैंक पर तथा ₹ 1 करोड़ का जुर्माना आईसीआईसीआई बैंक पर आरोपित किया गया है। बैंकों पर यह जुर्माना ऑनलाइन पोर्टल कोबरापोस्ट के इन आरोपों के परकाट की गई जीव के आधार पर किया गया है, जिसमें कहा गया था कि यह बैंक केवाईसी (New Your Customer) निचो की का

उल्लंघन कर रहे हैं, जबकि ये नियम मनी लाउन्ड्रिंग रोकने के उपायों का हिस्सा है। रिटग ऑरेशन के आधार पर कोबरापोस्ट द्वारा किए गए उपयुक्त खुलासे के परकाट रिजर्व बैंक इन तीनों बैंकों के कॉर्पोरेट कार्यालयों व कुछ शाखाओं में बड़ी शराब व प्रक्रियाओं की जीव के परकाट इस निचो पर पहुँचा था कि कोबरापोस्ट के कुछ आरोपों में दम था, जिसके चलते इन बैंकों पर उपयुक्त जुर्माना आरोपित किया गया है। इस मामले में रिजर्व बैंक ने यह भी यथचित कहा है कि जीव में बैसे तो प्रथम दुष्टि में मनी लाउन्ड्रिंग का साक्ष्य नहीं मिला है तथा इस मामले में कर और प्रवलन एजेंसियों की विस्तृत जीव के बाद ही कोई पक्का निचो निकाल जा सकता है तथापि जीव में पाया गया है कि तीनों बैंकों ने कुछ उल्लंघन तो किए ही हैं। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा है कि इसी तरह की जीव 36 अन्य बैंकों के कॉर्पोरेट कार्यालयों में भी की जा रही है और जीव पुरी होने के बाद इन बैंकों के सन्ध में उपयुक्त प्रक्रियाओं का पालन किया जाएगा।

160 वर्ष पुरानी तार सेवा बन्द

ई मेल व मोबाइल फोन के ज़ात एसाएमएस आदि के आम प्रचलन में आने पर बीएसएनएल ने तार (Telexgram) सेवा बन्द करने की घोषणा जून 2013 में की है। यह सेवा 15 जुलाई, 2013 में बन्द करने की अधिसूचना बीएसएनएल की टेलीग्राफिक सेवाओं के सॉफ्टवेयर ज़रूरत मैनेजर द्वारा 12 जून को जारी की गई।

देश में टेलीग्राफ सेवा के लिए सट्टायापी नेटवर्क की स्थापना ब्रिटिश काल में 1853 ई. में की गई थी तथा आज जलत के लिए इस सेवा की शुल्कात 1855 ई. में की गई थी। मोबाइल फोन के एसाएमएस के प्रचलन से पूर्व जन्म, मृत्यु व अन्य महत्वपूर्ण अवसरों के त्वरित संदेश तार के जरिए ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजे जाते थे।

2013-14 की खरीफ उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य

2013-14 की खरीफ उपजों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की घोषणा केन्द्र सरकार ने 28 जून, 2013 को की, इनमें धान (Paddy) की सामान्य किसल के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 1310 प्रति सिन्टल तथा ए ग्रेड धान के मामले में यह ₹ 1345 प्रति सिन्टल निर्धारित किया गया है। पिछले वर्ष 2012-13 में धान की इन किस्मों के लिए क्रमशः ₹ 1250 व ₹ 1280 प्रति सिन्टल न्यूनतम समर्थन मूल्य केन्द्र सरकार ने घोषित किए थे। इस प्रकार धान के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ₹ 60 व ₹ 65 प्रति

सिन्टल की वृद्धि सरकार ने इस वर्ष की है।

खरीफ की अन्य उपजों में सर्वाधिक ₹ 450 प्रति सिन्टल की वृद्धि गुर (गरहर) के न्यूनतम समर्थन के मामले में सरकार ने की है तथा इस वर्ष यह ₹ 4300 प्रति सिन्टल निर्धारित किया गया है। पिछले वर्ष 2012-13 में यह मूल्य ₹ 3850 प्रति सिन्टल था। गुमफासी, सोयाबीन (कली) व शिल (Sesamum) के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में ₹ 300-300 प्रति सिन्टल की वृद्धि की सरकार ने इस वर्ष की है तथा यह मूल्य क्रमशः ₹ 4000, ₹ 2500 व ₹ 4500 सिन्टल निर्धारित किए गए हैं। सोयाबीन (पीली) का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 320 प्रति सिन्टल बढ़ाकर ₹ 2560 प्रति सिन्टल इस वर्ष किया गया है। मोटे अनाजों में ज्वार हाइब्रिड, ज्वार मलबाई व रागी के न्यूनतम समर्थन मूल्यों में कोई वृद्धि सरकार ने इस वर्ष नहीं की है तथा यह मूल्य पिछले वर्ष के स्तर पर (क्रमशः ₹ 1500, ₹ 1520 व ₹ 1500) बरकरार रखे गए हैं। जबकि बाजरा का न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 1175 से बढ़ाकर ₹ 1250 प्रति सिन्टल तथा मक्का के मामले में यह ₹ 1175 से बढ़ाकर ₹ 1310 प्रति सिन्टल किया गया है। दालों श्रेणियों की कपास (मीडियम स्टेपल व लीन स्टेपल) के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ₹ 100-

ENGLISH

Descriptive,
Objective,
Vocabulary
Spoken

By Mrs. Annie

DICTION[®]
ENGLISH INSTITUTE
(A unit of Ascent Study Circle Pvt. Ltd.)

202, 3rd Floor, A-40/41, Ansal
Building (near UCO Bank)
Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-9
Phone:- 011 65883933

100 प्रति विंगटल की वृद्धि कर यह क्रमशः ₹ 3700 व ₹ 4000 प्रति विंगटल निर्धारित किए गए हैं. खरीफ उपजों के यह समर्थन मूल्य एक दृष्टि में तात्कालिक में दर्शाए गए हैं-

खरीफ उपजों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (₹ प्रति विंगटल)

उपज	2012-13	2013-14	वृद्धि
धान सामान्य क्षेत्री	1250	1310	60
धान ए क्षेत्री	1280	1345	65
ज्वार हाइब्रिड	1500	1500	—
ज्वार मल्लगंडी	1520	1520	—
रागी	1500	1500	—
बाजरा	1175	1250	75
मक्का	1175	1310	135
अमर	3050	4300	450
गुह	4400	4500	100
उदद	4500	4300	—
मूंगफली (बिजक सहित)	3700	4000	300
सूरजमुखी	3700	3700	—
सोयाबीन (पीसी)	2200	2560	320
सोयाबीन (काडी)	2200	2500	300
सिल (Sesamum)	4200	4500	300
रमरिड (Nigerseed)	3500	3500	—
काजल (नीडियम स्टैपल)	3000	3700	100
काजल (ऑय स्टैपल)	3000	4000	100

पीर पंजाल पर्वत में देश की सबसे लम्बी रेल सुरंग के उद्घाटन से जम्मू का कश्मीर घाटी से रेल सम्पर्क स्थापित

पर्वतों से घिरी कश्मीर घाटी अब रेल मार्ग द्वारा जम्मू से जुड़ गई है. जम्मू के बनिहाल कस्बे व कश्मीर के दक्षिणी अंग-नाग बिल के काजीगुंड (Qazigund) कस्बे



बनिहाल में बनिहाल-काजीगुंड रेल लिंक के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, ग्रामीण अख्यक्ष सोनिया गांधी, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री जम्मू अजय, राज्यपाल एनएल खोशरा, रेल मंत्री मल्लिकार्जुन खड़गे और राज्यघट्ट मंत्री सुभाष नीति अजय

के बीच रेल सेवा का परिचालन जून 2013 में शुरू हुआ है. इसका उद्घाटन ग्रामीण अख्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के साथ प्रधान-मंत्री मनमोहन सिंह ने 26 जून, 2013 को किया. बनिहाल व काजीगुंड के बीच रेल सेवा के लिए दोनों कस्बों के बीच पीर पंजाल पर्वत के आर-पार रेल सुरंग बनाई गई. करोंड रूपरेखा की अनुमानित लागत से

बनी 11 किमी लम्बी यह सुरंग देश में सबसे लम्बी व एशिया में दूसरी सबसे लम्बी रेल सुरंग है. इस सुरंग के लोकार्पण के परभाव 18 किमी लम्बे बनिहाल-काजीगुंड रेल मार्ग पर रेलगाड़ी का परिचालन शुरू हो गया है. इस सुरंग दोनों कस्बों के बीच यात्रा की दूरी जहाँ 35 किमी से घटकर 18 किमी रह गई है वहीं दोनों कस्बों के बीच बारहगाली

बातायात सुविधा उपलब्ध हो गई है. इस परिचोजना के पूर्ण होने के परभाव प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने उधमपुर-कटरा-बनिहाल रेल खण्ड को शीघ्र-विशेष धृष्ट करने पर बल दिया है. यह रेल खण्ड 2017 तक पूर्ण होने की सम्भावना है. इसके शुरू होने के परभाव कश्मीर घाटी का पूरे देश के साथ रेल सम्पर्क स्थापित हो जाएगा.

प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय तथा बेरोजगारी की स्थिति के सम्बन्ध में एनएसएसजी के 68 वें चक्र के सर्वेक्षण की रिपोर्ट

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन (NSSO) के 68वें चक्र के सर्वेक्षण के सम्बन्ध में दो महत्वपूर्ण रिपोर्टें केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (Ministry of Statistics and Programme Implementation) द्वारा 20 जून, 2012 को जारी की गईं. इनमें एक रिपोर्ट जहाँ देश में प्रति व्यक्ति मासिक व्यय (Per Capita Monthly Expenditure-PCME) के सम्बन्ध में है वहीं दूसरी रिपोर्ट रोजगार व बेरोजगारी की स्थिति से सम्बन्धित है. एनएसएसजी का 68वें चक्र का यह सर्वेक्षण जुलाई 2011 से जून 2012 के दौरान सम्पन्न किया गया था तथा इसके लिए अधिकतम 7,499 गाँवों के 59,700 परिवारों से तथा 5,26,8 कस्बों प्रखण्डों (Block) के 42,024 परिवारों से जुड़कर गए थे. इन रिपोर्टों में प्रस्तुत प्रमुख तथ्य निम्नलिखित हैं (रोजगार के सम्बन्ध में यह प्रस्तुत अधिकतम रोजगार के अनुपात से दृष्टि से है.)-

उपभोग व्यय सम्बन्धी रिपोर्ट

- 2011-12 में देश में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय ₹ 1430 व शहरी क्षेत्रों में यह ₹ 2630 था. इस प्रकार शहरी क्षेत्रों में औसत व्यय ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में लगभग 84 प्रतिशत अधिक था. अलग-अलग क्षेत्रों व प्रदेशों में औसत व्यय का यह अंतर समान नहीं है. इससे पूर्व 2009-10 के 65वें दौर के सर्वेक्षण में ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय क्रमशः ₹ 1053 व ₹ 1904 था.
- ग्रामीण क्षेत्रों में निम्नलिखित 5 प्रक्रियात जनसंख्या का प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय ₹ 521-44 की दरों किया गया, जबकि विभागीय 10 प्रक्रियात जनसंख्या के समूहों में यह ₹ 665-84 पाया गया है. शहरी क्षेत्रों में निम्नलिखित 5 प्रक्रियात जनसंख्या का औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय जहाँ ₹ 700-50 दर्ज किया गया वहीं विभागीय 10 प्रक्रियात जनसंख्या के समूहों में यह ₹ 908-92 पाया गया है. इसके विपरीत सबसे बड़े भारतीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में ₹ 4481-18 व शहरी क्षेत्रों में ₹ 10281-84 इत संचालन में पाया गया.
- 2011-12 में ग्रामीण क्षेत्रों में ₹ 1430 के औसत मासिक व्यय में ₹ 756 खाद्य वस्तुओं पर व शेष ₹ 673 पर खाद्य नहीं पर व्यय किए गए. इस प्रकार कुल मासिक व्यय में 52-9 प्रतिशत व्यय खाद्य में पर व्यय किया गया. इसके विपरीत शहरी क्षेत्रों में ₹ 2630 के औसत मासिक व्यय में ₹ 1121 खाद्य में पर व्यय किया गया व ₹ 1509 पर खाद्य में पर व्यय (Non Food Items) पर व्यय किए गए. इस प्रकार शहरी क्षेत्रों में खाद्य में पर व्यय कुल मासिक व्यय का 42-6 प्रतिशत दर्ज किया गया.

रोजगार व बेरोजगारी की स्थिति पर रिपोर्ट

- 1 जनवरी, 2010 की अनुसूचित स्टैटल की दृष्टि से देश में कुल वर्कफोर्स 459-0 मिलियन (ग्रामीण क्षेत्रों में 231-9 मिलियन व महिलाओं में 104-5 मिलियन) तथा शहरी क्षेत्रों में 99-8 मिलियन व महिलाओं में 22-8 मिलियन) थी जो 68वें चक्र की सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी, 2012 को 472-9 मिलियन (ग्रामीण क्षेत्रों में 234-6 मिलियन व महिलाओं में 103-8 मिलियन तथा शहरी क्षेत्रों में 109-2 मिलियन तथा महिलाओं में 27-3 मिलियन) हो गई थी. इस प्रकार वर्कफोर्स में 13-9 मिलियन की वृद्धि जो जहाँ की इस अवधि में दर्ज की गई.
- 68वें चक्र की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल वर्कफोर्स में 52 प्रतिशत स्त्रीरोग्यता में है, जबकि 18 प्रतिशत नियमित संचालन रोजगारों में व शेष 30 प्रतिशत केंद्रित रोजगारों में कार्यरत है. ग्रामीण क्षेत्रों में यह तीन अनुपात जहाँ क्रमशः 56, 9 व 35 प्रतिशत है वहीं शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 42, 43 व 15 प्रतिशत दर्ज किए गए हैं.
- रिपोर्ट के अनुसार देश में लेबर फोर्स पार्टिडिपेशन रेट (LFPR-कुल जनसंख्या में अम शक्ति का अनुपात) 40 प्रतिशत है. ग्रामीण क्षेत्रों में 41 प्रतिशत व शहरी क्षेत्रों में यह 37 प्रतिशत पाया गया. ग्रुपों में यह अनुपात जहाँ 56 प्रतिशत पाया गया वहीं महिला जनसंख्या में यह 23 प्रतिशत दर्ज किया गया.
- वर्कर पार्टिडिपेशन रेट (WPR-कुल जनसंख्या में कार्यशील जनसंख्या का अनुपात/Ratio of Workforce to Population) अधिकतम शहरी स्तर पर 39 प्रतिशत पाया गया. ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में अलग-अलग यह क्रमशः 40 प्रतिशत व 36 प्रतिशत दर्ज किया गया. ग्रुपों व महिलाओं में यह दर क्रमशः 54 प्रतिशत व 25 प्रतिशत रही.
- बेरोजगारी की दर अधिकतम शहरी स्तर पर 2 प्रतिशत दर्ज गई, जबकि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में यह क्रमशः 2 प्रतिशत व 3 प्रतिशत दर्ज की गई.

देश में पहला 'हाइड्रोलैब' एटीएम टाटा समूह की कम्पनी ने महाराष्ट्र में स्थापित किया

देश में किसी भी बैंक कम्पनी द्वारा पहला एटीएम (हाइड्रोलैब एटीएम) महाराष्ट्र के जर्ने जिले में 27 जून, 2013 से खोला गया है। टाटा कन्सुमेर फ़ैसिलिटीज सोल्यूशन्स लिमिटेड (TCSPL) जो टाटा कन्सुमेर फ़ैसिलिटीज की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई है, द्वारा यह एटीएम स्थापित किया गया है। हाइड्रोलैब एटीएम (Automated Teller Machine) देश में पहला हाइड्रोलैब एटीएम है। देश के अन्य भागों में भी ऐसे एटीएम स्थापित करने की टैक्नीक/संरचना की योजना है।

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अपनी श्रेणी में विश्व का दूसरा सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा

नई दिल्ली स्थित गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा अपनी श्रेणी (2-50-40 करोड़ यात्री वर्ष) में विश्व का दूसरा सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा है। अंतर्राष्ट्रीय विमानगहन परिकल्पना इस वर्ष में दूसरा सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा जून 2013 में घोषित किया है। व. कोरिया के फ़िनोले इंडियन हवाई अड्डों को इस वर्ष में सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डा परिकल्पना में घोषित किया है।

वर्ष 2013-14 के लिए दिल्ली की वार्षिक योजना

वर्ष 2013-14 के लिए दिल्ली की वार्षिक योजना ₹ 16000 करोड़ की निर्धारित की गई है। यह 2012-13 की वार्षिक योजना (₹ 13229 करोड़) की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। योजना आयोग के उपप्रधान मंत्री सह आलू-बजटिया के साथ मुख्यमंत्री शोभा दीक्षित की 1 जून, 2013 को नई दिल्ली में सम्पन्न बैठक में 2013-14 की योजना को अंतिम रूप दिया गया। परिष्कृत जीवन वाली पीथ उपजों के पैदाशी परीक्षा की अनुपति

देश में परिष्कृत जीवन वाली (Genetically Modified-GM) फसलों के उत्पादन की दिशा में एक कदम और आगे जून 2013 में उस समय बढ़ गया जब पीथ जीएम उपजों के पैदाशी परीक्षाओं के लिए अनुमति जेनेटिक इंजीनियरिंग एजुकेशन कमेटी (GEAC) ने प्रदान कर दी। इन उपजों में केस्टर (Custer), बाजरा, मक्का, गेहूँ व कपास शामिल हैं। तीन वर्ष के अनुसंधान के पश्चात् इन फसलों की जीएम उपजों के लिए परीक्षा की अनुमति जीईएस की विभिन्न कम्पनियों को प्रदान की है। परिष्कृत जीवन वाली पीथ में उपजों के जींस में कुछ ऐसे परिवर्तन

किए जाते हैं जिससे उनमें कीड़े नहीं लगते जिससे उत्पादन की मात्रा में वृद्धि होती है।

नैर कुशित उपराष्ट्रों के बायदा कारोबार पर 0-01 प्रतिशत की दर से सीटीटी लागू

नैर कुशित वस्तुओं के बायदा कारोबार पर 'कमोडिटी ट्राइब्यूनल टेक्स' (CTT) के आरोपण की घोषणा केन्द्रीय वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम् ने 2013-14 के लिए बजट प्रस्तुत करने समय की थी, यह कर 1 जुलाई, 2013 से लागू किया गया है। 0-01 प्रतिशत की दर से यह कर जिन वस्तुओं के बायदा कारोबार पर लागू किया गया है उनमें खेना, खैरी, चीनी व खाद्य तेल आदि शामिल हैं। गेहूँ, चना, जौ, कपास व आलू सहित 23 कुशित उत्पाद इस कर के दायरे से बाहर रखे गए हैं।

विभिन्न योजनाओं के आपसी विलय के चलते 12वीं पंचवर्षीय योजना में केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की संख्या में कमी

प्रभावी कार्य-व्ययन एवं वित्तानी के लिए केन्द्र प्रायोजित योजनाओं (Centrally Sponsored Schemes-CSS) का आपस में विलय कर उनकी संख्या घटाने का योजना आयोग का प्रस्ताव है। इसी परिप्रेक्ष्य में 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए 140 से अधिक केन्द्र प्रायोजित योजनाओं में से कई का आपस में विलय कर उनकी संख्या 66 करने के योजना आयोग के प्रस्ताव को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 20 जून, 2013 को मंजूरी प्रदान की है।

जम्मू-कश्मीर में 850 मेगावाट की जल-विद्युत् परियोजना का प्रधानमंत्री द्वारा शिलान्यास

जम्मू-कश्मीर के किरतगढ़ जिले में एक नई जल विद्युत् परियोजना स्थापित की जा रही है। बिनाब नदी पर 850 मेगावाट शक्ति की इस रेटल (Ratle) विद्युत् परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने वृष्टी-अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के साथ 25 जून, 2013 को किया। प्रदेश के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी इस अवसर पर उपस्थित थे। इस विद्युत् परियोजना के निर्माण का कार्य निजी क्षेत्र की कम्पनी जीबीके पावर को सौंपा गया है।

भारत में बैंकों की 11 प्रतिशत शाखाएँ छह बड़े शहरों में सीमित : क्रिसिल रिपोर्ट

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी क्रिसिल (CRISIL) की एक अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार देश में बैंकों की 11 प्रतिशत शाखाएँ 6 प्रमुख शहरों में स्थित हैं। 26 जून, 2013 को मुम्बई में देश का पहला वित्तीय समावेशन वृष्टकांक इन्फ्लुएन्स जरी करते हुए क्रिसिल ने बताया कि देश के 640 जिलों में से 4 ऐसे हैं जहाँ केवल एक-एक बैंक शाखा है।

UPKAR'S New Release

PRACTICE WORK BOOK

UGC NET/IRF/SET

EDUCATION

(Paper-II & III)

Code No. 1963

Price ₹ 235/-

By Prof. K.D. Jha

Upkar Prakashan, AGRA-2

E-Mail: care@upkarjha.com Website: www.upkarjha.com

आदर्श IAS

UPSC में नए उत्कृष्टता के द्वारा पराजित करने की पूर्ण सेवा पूर्ण प्रशिक्षण के साथ करने वाले उत्कृष्ट कर्मचारी

★ सामान्य अध्ययन

★ CSAT

(बी. उत्कृष्टता किए एंड टैब के साथ)

उपलब्ध कैडेटिक विषय

★ लोक प्रशासन

★ भूगोल

★ समाजशास्त्र

स्कॉलरशिप उपलब्ध

G-31, 1st Floor, Dr. Moolchandpur Nagar, Main Road, Delhi-69

Ph: 011-65299485, 9310818485

नवीनतम सामान्य ज्ञान



शब्द संक्षेप

(Abbreviation)

बीआरएआई—बायोटेक्नोलॉजी रेगुलेटरी ऑथॉरिटी ऑफ इण्डिया.

BRAI—Biotechnology Regulatory Authority of India.

ब्राह्म—परिष्कृत जीन काली उपजों के मामले में सिंगल बिंदो क्लीअरेंस के लिए इस नए प्राधिकरण के गठन का सरकार का इरादा है. इसके लिए आवश्यक विधेयक संसद में लाया जाएगा.

नियुक्तियों

(Appointments)

सी. विरचनाथ—भारतीय प्रकाशक सेवा के सी. विरचनाथ को भारतीय खाद्य निगम (Food Corporation of India—FCI) का चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक (CMD) जून 2013 में नियुक्त किया गया है. इस नियुक्ति से पूर्व वह सुमना एवं प्रसारण मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे.

अविनाश चंदर डीआरडीओ के नए प्रमुख

जाने-मने मिलाइल वैज्ञानिक अविनाश चंदर को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defence Research and Development Organisation—DRDO) का प्रमुख नियुक्त किया गया है. इस पद पर बी. के. सारस्वत, जो 31 मई को स्वामंत्रित हुए हैं, का स्थान 1 जून से भी अविनाश चंदर ने लिया है. इसके साथ ही रक्षा मंत्री का वैज्ञानिक सलाहकार व रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग का सचिव भी उन्हें नियुक्त किया गया है. पदमंती से सम्मानित अविनाश चंदर ने अपनी दूरी तक गौर करने वाली मिलाइल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.



अविनाश चंदर

भारतीय मूल के देवानंद शर्मा इजराइल में आस्ट्रेलिया के नए राजदूत—भारतीय मूल के देवानंद शर्मा को आस्ट्रेलिया ने इजराइल में अपना नया राजदूत मई 2013 में नियुक्त किया है. 37 वर्षीय देव आस्ट्रेलिया में बसे नया राजदूत है.

पंजाब नेशनल बैंक के के. आर. कामथ लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए भारतीय बैंक संघ के अध्यक्ष—पंजाब नेशनल बैंक के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक के आर. कामथ सत्र 2013-14 के लिए भारतीय बैंक संघ (Indian Banks Association—IBA) के अध्यक्ष जून 2013 में चुने गए हैं. लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए उनका यह चुनाव आईबीए की 6 जून, 2013 को मुम्बई में सम्पन्न 66वीं बैठक में हुआ. इस बैठक में इन्डियन बैंक के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक टी. एन. मसीन, सूको बैंक के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक अरुण कौल व एचडीएफसी बैंक के प्रबन्ध निदेशक व शीर्ष आदित्य पुरी को एसोसिएशन का डिप्टी चेयरमैन तथा भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन प्रवीण चौधरी को एसोसिएशन का मानद सचिव 2013-14 के लिए चुना गया.



के. आर. कामथ

टॉमस ब्रुनेन मार्ट—स्वीडन के स्टाम्पेन मीडिया ग्रुप के टॉमस ब्रुनेनमार्ट (Tomas Bruneberg) का, "वान इन्फो" वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ न्यूजपब्लिशर्स एण्ड न्यूज पब्लिशर्स (World Association of Newspapers and News Publishers—WAN-IFRA) का नया अध्यक्ष जून 2013 में संगठन की बैठक में सम्पन्न बैठक में चुना गया है. इस पद पर उनका कार्यकाल दो वर्ष होगा. इस पद पर भारत के जैकब मैथ्यू का स्थान उन्होंने लिया है. मलयलम-मंगोरसा ग्रुप के जैकब मैथ्यू विगत दो वर्षों से वान-इन्फो के अध्यक्ष थे.

एल्बगदोल्फ़ स्लाक्षिया—मंगोलिया में राष्ट्रपति पद के लिए 26 जून, 2013 को सम्पन्न चुनाव में निवर्तमान राष्ट्रपति

एल्बगदोल्फ़ स्लाक्षिया की 50-22 प्रतिशत मत प्राप्ति कर पुनर्निर्वाचित हुए हैं.

जॉन डब्ल्यू. आर्से संयुक्त राष्ट्र महासभा के 68वें सत्र के लिए अध्यक्ष निर्वाचित

संयुक्त राष्ट्र संघ में (एंग्लो) व कुरुआ के स्वामी प्रसिद्धि जॉन विलियम आर्से



जॉन डब्ल्यू. आर्से

(John William Arsec) इस संगठन की महासभा के 68वें सत्र के लिए अध्यक्ष जून 2013 में चुने गए हैं. महासभा का 68वाँ सत्र सितम्बर 2013 में शुरू होगा. इस पद पर सर्बिया के वुको जेरमिक (Vuk Jeremic) का स्थान यह सत्र, जिन्होंने 57वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में कामगार सितम्बर 2012 में लैम्बा का महासभा के अध्यक्ष पद के लिए इस वर्ष नेटिडन अमरीकी व कैरिबियाई देशों की कार्य की तथा आर्से इन देशों की सर्वप्रथम पदार्थ थे.

जल्दबारी है कि प्रतिनिधि सितम्बर में शुरू होने वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के अध्यक्ष पद हेतु चुनाव आमतौर पर जून माह में होता है. इसके लिए पाँच अलग-अलग क्षेत्रों—अफ्रीका, एशिया, पूर्वी यूरोप, नेटिडन व कैरिबिया तथा पश्चिम यूरोप व अन्य देशों से बारी-बारी से चुनाव किया जाता है. संयुक्त राष्ट्र महासभा के मौजूदा 67वें सत्र के अध्यक्ष वुको जेरमिक जहाँ पूर्वी यूरोप क्षेत्र से हैं, वहीं इस वर्ष इस चुनाव के लिए नेटिडन अमरीकी व कैरिबिया क्षेत्र की बारी थी. विश्व के अधिक सभ्यताओं में जाने जाते देशों—अमरीका, रूस, जपान, फ्रांस, ब्रिटेन व चीन आदि से अभी तक कोई भी प्रतिनिधि महासभा की अध्यक्षता हेतु नहीं चुना गया है. सुरक्षा परिषद के किसी स्थायी सदस्य देश से महासभाध्यक्ष व चुनने की एल्गारा रही है. संयुक्त राष्ट्र संघ के 193 सदस्य राष्ट्रों में जर्बेनमारी की एल्गारा देश देश है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्षता का अवसर दो बार प्राप्त हुआ है. भारत की महासभा की अध्यक्षता का अवसर 1953 में मिला था, जब भारत की श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनी थी.

केविन रड—2007-10 के दौरान आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री रहे केविन रड

(Kevin Rudd) ने अपनी पार्टी (लेबर पार्टी) के नेतृत्व के लिए 26 जून, 2013 को सम्पन्न चुनाव में प्रधानमंत्री जुलिया गिलार्ड को 57-45 के मतान्तर से पराजित कर दिया जिसके पश्चात् गिलार्ड ने प्रधानमंत्री पद से



केविन रड

शानदार उपहार के साथ



3

3

3 साल
के सशिक्षण के
साथ 2,250 रु. का
असकल सिंडिकेट होस्टल
वित्तगत मुफ्त



राजनैति से व्यवसाय तक, शिक्षा से मनोरंजन तक, धर्म से समाज तक हर महात्त्वपूर्ण मुद्दे की तह तक जाती है इंडिया टुडे। राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय घटनाओं की तेज-तर्रार कवरेज और विश्लेषण से संपूर्ण, इंडिया टुडे आपको दुनिया की सच्ची तस्वीर दिखाती है।

आज ही सब्सक्राइब करें!

इंडिया टुडे

ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ ਦੇਸ਼ ਦੀ ਆਜ਼ਾਦੀ

जी. डी. लॉरियास जीने एक साधारण बालक साधारण ही



अपनी पार्श्व से ऑफिस पर निजामन लगाना और
बालूही पीरों भर कर WEGARE, INCAN TODAY, ८-६१,
सीकट-५४, सीकट-२०१२०१ (नगर प्रदेस) भारत पर





वेबक/लीडी से अभ्यासजन


से विविधा जलविद्युत उद्योग विमिलित के पक्ष में श्रेय रहा है।

बैंक/बीपी नं. _____ दिल्ली से बाहर के बैंक के लिए 50/- ₹ अतिरिक्त है। 08 पार बैंक के लिए लागू नहीं।

☐
☐
☐
 मास्ट्रो कार्ड नं.



[illegible]

कठौआरक के टिकियाह: _____ जमा मिति: _____ दिना _____ महीना _____ वर्ष _____

姓名: _____ 学号: _____

_____ 8 (p) _____ 2 (m) _____ 1 (d) _____

किस नाम, [निर्वाचित] _____, मातापिता नाम _____, पृष्ठ संख्या _____

समस्त कर्मों
के अन्तर्गत विचारण

टोल फ्री कॉल करें:
1800180100 या 0120 3479990

 ई-मेल
wecare@indiaary.com

लॉग ऑन करें
www.indianhistory.in/subscribe

[illegible]

लगायत्र दे दिया। इसके साथ ही 55 वर्षीय केविन रद ने तीन वर्ष के अंतराल के परयाप्त प्रधानमंत्री पद पर वापसी की है। नर्वनर जनरल क्युटिन ब्रायन ने 27 जून,

2013 को केनबरा में गवर्नमेंट हाउस में उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ दिलाई। 51 वर्षीय जूलिया गिलार्ड आस्ट्रेलिया की पहली महिला प्रधानमंत्री 2010 में बनी थीं।

न्यायमूर्ति पी. सदाशिवम होंगे भारत के नए मुख्य न्यायाधीश

देश के सर्वोच्च न्यायाधीश न्यायमूर्ति अल्लन कबीर का इस पद पर कार्यकाल 18 जुलाई, 2013 तक है। उनकी सेवानिवृत्ति के तुरन्त सर्वोच्च न्यायालय में वरिष्ठतम न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी. सदाशिवम (P. Sadasivam) मुख्य न्यायाधीश (Chief Justice of India) होंगे। इस पद पर उनकी नियुक्ति राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी द्वारा की गई है। वह देश के 40वें मुख्य न्यायाधीश होंगे तथा इस पद पर उनका कार्यकाल 26 अप्रैल, 2014 तक होगा। सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में अगस्त 2007 में उन्होंने कार्यभार संभाला था। न्यायमूर्ति सदाशिवम कभी भी किसी उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश नहीं रहे हैं। अगस्त 2007 में सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति से पूर्व वह पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे। स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत के सभी मुख्य न्यायाधीशों की सूची निम्नलिखित है—



पी. सदाशिवम

भारत के मुख्य न्यायाधीश

1. हरिलाल जे. कानिया 26 जनवरी, 1950 से 6 नवम्बर, 1951
2. पतंजलि साहनी 7 नवम्बर, 1951 से 3 जनवरी, 1954
3. मेहरबान खान 4 जनवरी, 1954 से 22 दिसम्बर, 1954
4. बी. के. मुखर्जी 23 दिसम्बर, 1954 से 31 जनवरी, 1956
5. एस. आर. दास 1 फरवरी, 1956 से 30 सितम्बर, 1959
6. मुन्नेश्वर प्रसाद सिन्हा 1 अक्टूबर, 1959 से 31 जनवरी, 1964
7. पी. बी. राय 1 फरवरी, 1964 से 15 मार्च, 1966
8. ए. के. करवेल 16 मार्च, 1966 से 29 जून, 1966
9. के. गुप्ता 30 जून, 1966 से 11 अप्रैल, 1967
10. के. एन. खन्ना 12 अप्रैल, 1967 से 24 फरवरी, 1968
11. एम. टैलर 25 फरवरी, 1968 से 16 दिसम्बर, 1970
12. आई. सी. राह 17 दिसम्बर, 1970 से 21 जनवरी, 1971
13. एस. एम. सीकरी 22 जनवरी, 1971 से 25 अप्रैल, 1973
14. ए. एन. रे 26 अप्रैल, 1973 से 28 जनवरी, 1977
15. एम. जय रंग 29 जनवरी, 1977 से 21 फरवरी, 1978
16. बाई. बी. कन्दचुड 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985
17. प्रफुल्लचंद्र मदनराज नयारी 12 जुलाई, 1985 से 20 दिसम्बर, 1986
18. रघुनन्दन स्वयं पादक 21 दिसम्बर, 1986 से 18 जून, 1989
19. ई. एस. बेन्टन 19 जून, 1989 से 17 दिसम्बर, 1989
20. सनारावी मुखर्जी 18 दिसम्बर, 1989 से 25 सितम्बर, 1990
21. रणजित मिश्र 26 सितम्बर, 1990 से 24 नवम्बर, 1991
22. के. एन. सिंह 25 नवम्बर, 1991 से 12 दिसम्बर, 1991
23. एम. एस. कानिया 13 दिसम्बर, 1991 से 17 नवम्बर, 1992
24. एस. एम. शर्मा 18 नवम्बर, 1992 से 11 फरवरी, 1993
25. एम. एन. वेङ्कटरेड्डी 12 फरवरी, 1993 से 24 अक्टूबर, 1994
26. ए. एस. अग्रमदी 25 अक्टूबर, 1994 से 24 मार्च, 1997
27. ए. एस. कर्मा 25 मार्च, 1997 से 17 जनवरी, 1998
28. एम. एस. पुष्पी 18 जनवरी, 1998 से 9 अक्टूबर, 1998
29. आदित्य सन आनन्द 10 अक्टूबर, 1998 से 31 अक्टूबर, 2001
30. एस. पी. मुखर्जी 1 नवम्बर, 2001 से 5 मई, 2002
31. सी. एन. किन्नात 6 मई, 2002 से 7 नवम्बर, 2002
32. गंगाधर बल्लभ पटनायक 8 नवम्बर, 2002 से 18 दिसम्बर, 2002
33. बी. एन. खरे 19 दिसम्बर, 2002 से 1 मई, 2004
34. एस. रायचन्द बाबु 2 मई, 2004 से 31 मई, 2004
35. रमेश चन्द्र सहाय 1 जून, 2004 से 31 अक्टूबर, 2005
36. योगेश कुमार सक्सेना 1 नवम्बर, 2005 से 14 जनवरी, 2007
37. के. जी. बालकृष्णन 14 जनवरी, 2007 से 11 मई, 2010
38. एस. एस. काबिरे 12 मई, 2010 से 28 सितम्बर, 2012
39. अल्लन कबीर 29 सितम्बर, 2012 से 18 जुलाई, 2013
40. पी. सदाशिवम 19 जुलाई, 2013 से अब तक

जी. टी. सी. ए. राघवन पाकिस्तान में भारत के नए उच्चायुक्त-विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं। टी. सी. ए. राघवन को पाकिस्तान में भारत का नया उच्चायुक्त जून 2013 में नियुक्त किया गया है। इस पद पर शरत समरवाल, जो 30 जून, 2013 को सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान वह सीधे ही लेंगे। टी. राघवन 2003-07 के दौरान पाकिस्तान में उप-उच्चायुक्त रह चुके हैं।

कृष्ण चौधरी-भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी कृष्ण चौधरी राष्ट्रीय आपदा कार्यवाही बल (National Disaster Response Force—NDRF) के महानिदेशक जून 2013 में नियुक्त किए गए हैं।

पुरस्कार/सम्मान (Awards/Honours)

भारत के एनबीओ 'सेवा' को खाद्य एवं कृषि संगठन का पहला जेक्स डिगुड पुरस्कार (2012)-अवधिक निर्धन महिलाओं को भुख से छुटकारा दिलाने में सराहनीय योगदान के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने वर्ष 2012 का अपना पहला ही जेक्स डिगुड पुरस्कार (Jacques Diouf Award) भारत के नैर-सरकारी संगठन (NGO) 'सेवा एम्प्लॉयड सेमिन एसीसिएशन' (SEWA) व यूरोपीय आयोग को संयुक्त रूप से प्रदान किया है।

रोम में 15 जून, 2013 को एक समारोह में एफएओ के महानिदेशक जोस डेविडानी डा. शिल्वा ने यह पुरस्कार प्रदान किया। संयुक्त राष्ट्र संघ के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा इस पुरस्कार की स्थापना अपने पूर्व महानिदेशक जेक्स डिगुड, जो जनवरी 1994 से दिसम्बर 2011 तक इसके महानिदेशक रहे थे, के नाम पर की गई है तथा यह पहला ही पुरस्कार 15 जून, 2013 को रोम में दिया गया है।

'सार्क' फिल्म महोत्सव में भारत को तीन पुरस्कार-कालम्बा में 26-31 मई, 2013 को सम्पन्न तीसरे दक्षेस फिल्मोत्सव में भारत को तीन पुरस्कार प्राप्त हुए। इनमें सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म (पान शिंह तोंगर), सर्वश्रेष्ठ निर्देशक (सिंगमान्स भुविग, पान सिंह तोंगर के निर्देशक) व वृत्तचित्र श्रेणी में विशेष ज्युरी पुरस्कार (कोसल आझा का वृत्तचित्र व आपत्तर रत्नजिततसवू के लिए) शामिल हैं। भारत के अतिरिक्त पाकिस्तान, बांग्लादेश, नृटान, नेपाल, मालदीव व श्रीलंका की फिल्में इस महोत्सव में प्रतियोगिता खण्ड में शामिल थीं। पाकिस्तान का दो पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार व सर्वश्रेष्ठ फिल्म का रजत पदक) इस महोत्सव में प्राप्त हुए।

इन्दु शर्मा कथा सम्मान (2013)— साहित्य के क्षेत्र का कथा युके का वर्ष 2013 का इन्दु शर्मा कथा सम्मान मध्य प्रदेश के पंकज सुबी को उनके कहानी संग्रह 'महुआ पटावरीन और अन्य कहानियाँ' के लिए दिया जाएगा. 38 वर्षीय पंकज सुबी को यह पुरस्कार अक्टूबर 2013 में लंदन में हावस ऑफ़ कॉमन्स में एक समारोह में प्रदान किया जाएगा.

कथा युके के दूसरे पदमानक साहित्य सम्मान के लिए बर्मिंघम के डॉ. कुपथ कन्नेका को चुना गया है.

अक्षिया बाई होल्कर पुरस्कार पुनर्प्रारम्भ—खैलदल, सीयं व साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 2003 में शुरू किए गए अक्षिया बाई होल्कर पुरस्कार, को जिससे मायावती सरकार ने बन्द कर दिया था, को पुनर्प्रारम्भ करने की घोषणा मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने 30 मई, 2013 को की है. इस पुरस्कार के तहत दी जाने वाली पुरस्कार राशि भी ₹ 1 लाख से बढ़ाकर ₹ 5 लाख करने की घोषणा उन्होंने की है.

त्यागपत्र/पदच्युति

(Resignation/Dismissal)

वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त समिति के प्रमुख पद से सुशील मोदी का त्यागपत्र—जनाता दल (यू) व भाजपा का गठबंधन टूटने के पश्चात् विचार प्रतिक्रियापत्र से हटाए गए वित्त मंत्री सुशील मोदी ने भारतीय वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Service Tax-GST) पर वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया है. विचार के वित्त मंत्री रहते हुए ही वह वित्त मंत्रियों की अधिकार प्राप्त समिति के अध्यक्ष बनाए गए थे. मंत्रिपरिषद् से हटने के पश्चात् उपर्युक्त समिति के अध्यक्ष पद से अपना त्यागपत्र उन्होंने केन्द्रीय वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम् को 17 जून को प्रेषित कर दिया है.

निधन

(Death)

विद्याचरण शुक्ल—वरिष्ठ कांग्रेसी नेता व पूर्व केन्द्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल का 11 जून, 2013 को गुडगाँव के एक अस्पताल में 84 वर्ष की आयु में निधन हो गया. छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में 25 मई, 2013 को हुए नक्सली हमले में वह गम्भीर रूप से घायल हो गए थे.



विद्याचरण शुक्ल

के पश्चात् उन्हें गुडगाँव के मेदांता-मेडि

सिटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था. सघन उपचार के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका. उनके निधन पर तीन दिन का शोक छत्तीसगढ़ शासन में ध्वजित किया.

विद्या खान—बॉलीवुड की नवोदित अभिनेत्री विद्या खान, जिन्होंने अखिलेश



बाबन अभिनीत हिन्दी फिल्म 'मिथाइ' से अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत की थी, ने 3 जून, 2013 को मुम्बई स्थित अपने घर पर आत्महत्या कर ली. न्यूयॉर्क में जन्मी तथा लंदन में पढ़ी-बढ़ी, विद्या ने आभिर खान के साथ 'गजनी' फिल्म में भी भूमिका निभाई थी. 2010 में प्रदर्शित 'हाउसफुल' उनकी अखिर फिल्म थी. 25 वर्षीय विद्या खान ने द्रुपट्टे से पांदा बनाकर पंचे से लटककर आत्महत्या की. आत्महत्या से पूर्व उनके द्वारा लिखे गए पत्र से यह पता लगा है कि अपने व्यापक सूरज पंचोली (आदित्य पंचोली के पुत्र) के साथ प्यार में दिल टूटने पर उन्हें आत्महत्या का रास्ता अपना पड़ा. इस

अभिनेत्री विद्या खान की आत्महत्या बॉलीवुड में अत्यंत दुःखद व रहस्यमयी मौत का फल माना नहीं है. इससे पूर्व सुकवत, विद्या भारती, सिलक सिता, परवीन बाबी, नन्मोहन देसाई आदि के निधन भी रहस्यमयी परिस्थितियों में हुए थे. अपने छोटे से कैरियर की ही बॉलीवुड में विशिष्ट पहचान बनाने वाली युवा अभिनेत्री विद्या भारती की मृत्यु केवल 19 वर्ष की आयु में एक बहुत ही ख़ास मंजिल से नही हो सके. निरकर 1993 में हुई थी, जबकि अपने समय की 'स्टेमस' अभिनेत्री परवीन बाबी वर्ष 2005 में मुम्बई स्थित अपने फ्लैट में मृत पाई गई थीं. उनकी मृत्यु का सारा निधन के तीन दिन बाद ही उस समय रहा था, जब उनकी अवांछित खोपड़ी के संविष द्वारा वह सुनसुनी पुलिस की दी गई कि उन्होंने तीन दिनों से अपने दरवाजे से अक्षरशः व दूर नहीं उतरा है. उनकी मृत्यु के सम्बन्ध में भी यह सन्देह नहीं हो सका कि कि उन्होंने आत्महत्या की थी या उनकी स्वाभाविक मृत्यु हुई थी. अगर अवसर एसी, कुली व परवरिश जैसी अति लोकप्रिय फिल्में बनाते वाले फिल्मकार नन्मोहन देसाई का निधन 1994 में अपनी हज़ारों से मिलकर हुआ था. उनकी मौत का अस्सी साल का उम्र भी रहस्य है. बीते वर्षों के जलने-मरने फिल्मकार सुकवत की 1964 में नई दिल्ली की कोयली व शराब के अत्यधिक सेवन के बाद मृत पाए गए थे. 17 वर्षों तक 450 से अधिक फिल्में में अभिनय कर अपनी दास जमाने वाली दक्षिण भारत की प्रसिद्ध अभिनेत्री सिलक सिता, जिनका अंतर्गत 1 मई विजयलक्ष्मी की थी. 1996 में जेलर शाकर आलमदा की भी.

मानले में पुलिस ने सूरज पंचोली को बाद में गिरफ्तार किया है.

बाहुकुम्भी रमन—सुरक्षा सम्बन्धी मामलों के विशेषज्ञ पूर्व प्रशासनिक अधिकारी बाहुकुम्भी रमन का 77 वर्ष की आयु में 16 जून, 2013 को चेन्नई में निधन हो गया. मंत्रिमण्डलीय सचिवालय में अतिरिक्त सचिव रह रमन की 'री' (RAW) की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका रही थी.

समिति/आयोग

(Committee/Commission)

एफडीआई व एफआईआई मामले में गठित अरविंद मायाराम समिति ने रिपोर्ट सौंपी—विदेशी प्रायश्च निवेश (FDI) व विदेशी संस्कारात निवेश (FII) के अन्तर के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण देने तथा इस मामले में भ्रम के निवारण के लिए वित्त मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम् को जून 2013 में सौंप दी है. इस विशेषज्ञ समिति के गठन के द्वाारा की घोषणा वित्त मंत्री ने 2013-14 का बजट प्रस्तुत करते समय अपने बजट भाषण में की थी तथा वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अरविन्द मायाराम की अध्यक्षता में

RAJU SINGH'S

GS (Pre + Mains) - 30000/- (1 Year)

GS (Mains) - 25000/- (4 Months)

CSAT - 12000/- (4 Months)

ECO Module - 5000/- (1 Month)

12.36% Service Tax Extra.

1 वर्षीय फाउंडेशन कक्षा प्रारंभ

16 July

हिन्दी मा. - प्रश्न: 9 बजे सायं 6:30 बजे

Eng. Med. - 11:30am & 6:30pm

सामान्य अध्ययन

(पुनः परीक्षा - प्रश्न पर 1, 2, 3 व 4)

17 July से प्रारंभ

हिन्दी मा.-सायं 4:00 बजे

Eng. Med. - 6:30pm

Weekend Batch

Starts From 20 July

Batch Strength Only 50 &

Admission Open for All Batches

SRISHTI IAS

302, 2nd Floor, Main Road, Nimbhargoa Nagar, Delhi-69

Ph. 9686677510, 9015588370

www.srishtias.com

इसका गठन बाद में मार्च 2013 में किया गया था। रिपोर्ट को अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

ऑपरेशन/अभियान (Operation/Expedition)

उत्तर प्रदेश के 15 वर्षीय राघव जुनेजा सबसे कम उम्र में एवरेस्ट आरोहण करने वाले भारतीय पर्वतारोही : मणिपुर के नामीराक्पम चिंगखेइंगबा का रिकॉर्ड तीन दिन में ही भंग



राघव जुनेजा

उत्तर प्रदेश के मुनगावात जिले के राघव जुनेजा सबसे कम उम्र में एवरेस्ट आरोहण करने वाले भारतीय हैं। 15 वर्ष 7 माह की उम्र में यह उपलब्धि उन्होंने हासिल की है। शिमाफेल प्रदेस में सनघर स्थित लॉरेस स्कूल में अध्ययनरत राघव जुनेजा अपने स्कूल के जल 6 किंशोर पर्वतारोहियों के दल में शामिल थे, जो 21 मई, 2013 को एवरेस्ट शिखर पर पहुँचने में सफल रहा। सबसे कम उम्र में एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने वाले भारतीय होने का रिकॉर्ड इससे पूर्व मणिपुर के नामीराक्पम चिंगखेइंगबा (Nameirakpam Chingkhengnaba) के नाम था, जो 16 वर्ष 7 माह व 11 दिन की आयु में 18 मई, 2013 को राघव जुनेजा को समझाते से केवल तीन दिन पूर्व एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने में सफल रहे थे।

प्रेमलता अग्रवाल : सातों महाद्वीपों के सर्वोच्च शिखरों पर चढ़ने वाली पहली भारतीय महिला

झारखण्ड में जमशेदपुर की सातवीं पर्वतारोही प्रेमलता अग्रवाल भारत की ऐसी पहली व एकमात्र महिला हैं, जिन्होंने विश्व के सातों महाद्वीपों के सर्वोच्च पर्वत शिखरों का सफल आरोहण किया है। दो वर्षों की भी 50 वर्षीय प्रेमलता ने 23 मई, 2013 को उत्तरी अमरीका के अलास्का स्थित सर्वोच्च पर्वत शिखर माउंट मैककिनली (6194 मी), का सफल आरोहण कर सातों महाद्वीपों की सबसे ऊँची शिखरों पर पहुँचने का अद्भुत रिकॉर्ड बनाया। प्रेमलता ने जून 2008 में अफ्रीका के किंजिमलारों, 20 मई, 2011 को एशिया में माउंट एवरेस्ट (8848 मी), 10 फरवरी, 2012 को दक्षिण अमरीका में एकोनकागुजा (5962 मी), 12 अगस्त, 2012 को यूरोप के एल्ब्रस (5,642 मी), 22 अक्टूबर, 2012 को ऑस्ट्रेलिया के कोरॉन्स गिरलॉन्ड (4884 मी), 5 जनवरी, 2013 को अंटार्कटिका के विन्सन मैथुन तथा 23 मई, 2013 को उत्तर अमरीका के मैककिनली (6194 मी) का सफल आरोहण किया। एवरेस्ट शिखर पर चढ़ने वाली सबसे अधिक उम्र की भारतीय महिला होने का रिकॉर्ड भी प्रेमलता के नाम है। इस वर्ष (2013 में) उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।



प्रेमलता अग्रवाल

सम्मेलन

(Conferences)

भारतीय सहकारी महासम्मेलन—सहकारिता के क्षेत्र का 16वीं भारतीय



भारतीय सहकारी महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी व अन्य विधिपट्टवन

सहकारी महासम्मेलन (Indian Cooperative Congress) 25-26 जून, 2013 को नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। कन्द्रीय कृषि मंत्री शरद पवार व दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षिता भी इस अवसर पर उपस्थित

सम्मेलन में वर्धा के मुख्य मद्रुदी में शामिल थे। सीरिया, जहाँ चल रहे गृहयुद्ध में लगभग 93 हजार लोग अब तक मारे जा चुके हैं, में सामाजिक स्थिति की बहाली के लिए राष्ट्रपति बाहर अल अरब पर सत्ता त्यागने पर बल जहाँ अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने दिया वहीं, रूसी राष्ट्रपति म्हादिमीर पुतिन इस मामले में अमरीकी रवैए से असहमत जताई।

जी-8 के सदस्य देशों में अमरीका, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, इटली, जापान व रूस शामिल हैं।

दुर्घटना

(Accident)

भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 व एक अन्य मिग-29 विमान दुर्घटनाग्रस्त—भारतीय वायु सेना का एक मिग-21 विमान

राजस्थान के वाडनर जिले में सांझापुर गाँव के निकट 7 जून, 2013 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान का बालक दुर्घटना से पूर्व ही विमान से कूदकर अपनी जान बचाने में सफल रहा।

इस दुर्घटना के दो सप्ताह परवाह वायु सेना का एक अन्य मिग-29 विमान गुजरात के जामनगर जिले में सांझा पर्वत में 24 जून, 2013 को दुर्घटनाग्रस्त हुआ। इस दुर्घटना से पूर्व विमान बालक पेशुमट के जरिए कूद कर अपनी जान बचाने में सफल रहे।

प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त केदार घाटी में राहत कार्य में जुटा वायु सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त—प्राकृतिक आपदा से ग्रस्त केदार घाटी में राहत कार्य में जमा वायु सेना का एक एमआई-17 हेलीकॉप्टर घाटी के जंगल घेटीटी क्षेत्र में खराब मौसम में 25 जून, 2013 को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। वायु सेना के एक विंग कमांडर, दो फ्लाइट लेफ्टिनेंट, एक जूनियर वारण्ट ऑफिसर, एक सार्जेंट व आईटीबीटी के 6 तथा एनडीआरएफ के 9 जवानों सहित कुल 20 लोग इस हेलीकॉप्टर पर सवार थे, जो सभी इस दुर्घटना में मारे गए।

अन्तरिक्ष

(Space)

चीन का पौषवाँ मानव युक्त अन्तरिक्ष अभियान—चीन ने अपना पौषवाँ मानव युक्त अन्तरिक्ष अभियान 11-26 जून, 2013 को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। इस मिशन के तहत तीन चीनी अन्तरिक्ष यात्रियों के साथ उसके शेनझों-10 (Shenzhou-10) यान ने पश्चिमोत्तर प्रान्त गन्सु (Gansu) में स्थित जिबुकुआन सैटेलाइट लांच सेंटर (Jiuquan



सेलैलाइट लांच सेंटर-10 टांग अन्तरिक्ष फ्लाई के लिए स्थान छोड़े चीनी अन्तरिक्ष यात्री बंध खरिंग, मिशन कमान्डर भी हांगवेन व हंग जियुआन

Satellite Launch Centre) से लौंग मार्च-2 एक कैरियर रॉकेट के जरिए उड़ान 11 जून को भरी। इन तीन अन्तरिक्ष यात्रियों में एक महिला वांग यरिंग (Wang Yaping) भी शामिल थी। 33 वर्षीय वांग यापिंग चीन की दूसरी महिला अन्तरिक्ष यात्री है। पिछले वर्ष, जून 2012 में शेनझों-9 की उड़ान

द्वारा उसकी पहली महिला अन्तरिक्ष यात्री लियु यांग (Liu Yang) 13 दिन तक अन्तरिक्ष में रही थी।

दो दिन की लम्बी यात्रा के परामर्श चीनी स्पेस ब्रान्ड शेनझो-10 अन्तरिक्ष में तैनात चीनी प्रयोगशाला तिआंगोंग-1 (Tiangong-1) से 13 जून, 2013 को जा जुड़ा, जहाँ 12 दिन के प्रवास के दौरान विभिन्न परीक्षण चीनी अन्तरिक्ष यात्रियों ने किए। इन अन्तरिक्ष यात्रियों को वापस लेकर शेनझो-10 26 जून, 2013 को गंगोशिया में सफुल्ल वापस उतरा। चीन का यहाँ पाँचवाँ मानव युक्त अन्तरिक्ष अभियान उसका अब तक का सबसे अधिक अवधि का अभियान था।

‘नासा’ के 8 नए अन्तरिक्ष यात्रियों में 4 महिलाएँ—अपने नवी अन्तरिक्ष अभियानों के लिए 8 नए अन्तरिक्ष यात्रियों का चयन अमरीकी अन्तरिक्ष एजेंसी ‘नासा’ (NASA) ने जून 2013 में किया है। इनमें 4 पुरुष व 4 महिलाएँ हैं। चार वर्षों के अन्तराल के परामर्श नए अन्तरिक्ष यात्रियों का चयन ‘नासा’ ने किया है। पुने गए इन लोगों को पृथ्वी की निपजी कहा, एक शुद्ध गृह व मंगल अभियान के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इस चयन के लिए कुल मिलकर 6100 आवेदन नासा को प्राप्त हुए थे।

वर्ष/दिन/सप्ताह
(Year/Days/Week)

जून 2013

5 जून—विश्व पर्यावरण दिवस

(मानव पर्यावरण पर 1972 के संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन की संसुति पर प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस का थीम था—Think Eat. Save. Reduce our Food print)

9 जून—अमर शहीद बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

10 जून—विश्व भूगर्भ जल दिवस

12 जून—बालभ्रम निषेध दिवस

14 जून—विश्व रक्तदाता दिवस

16 जून (जून का तीसरा शनिवार)—फाउस डे

17 जून—मरुस्थलीकरण एवं अनाबुधि की रोकथाम हेतु अन्तर्राष्ट्रीय दिवस (International Day to Combat Desertification and Drought)

18 जून—गोवा आगति दिवस

20 जून—विश्व शतमासी दिवस

21 जून—विश्व संगीत दिवस

21 जून—विश्व हाइड्रोजन दिवस

26 जून—नाटक दुब्यों के दुरुपयोग एवं इनके अवैध व्यापार के विरुद्ध अन्तर्राष्ट्रीय दिवस

29 जून—राष्ट्रीय शोधिकी दिवस (स्व. प्रो. पी. सी. महालनोबिस का जन्म दिवस)

30 जून—संखल हल दिवस (1857 के स्वतन्त्रता संग्राम से भी पहले ब्राह्मण्ड के संघात परगना क्षेत्र में 1855-56 के दौरान शहीद हुए व्यक्तियों की स्मृति में मनाया जाने वाला दिवस)

पुस्तकें
(Books)

इन्फर्नो (Inferno) —डान ब्रुटन
डियर लाइफ (Dear Life) —एलिस मुनरो
न्यू डिजिटल एज (The New Digital Age)

—एरिक रिम्ट व जारेन कोहेन
लाइफ आफ्टर लाइफ (Life After Life)

—केट एटकिंसन
द चाइल्डहुड ऑफ जेसस (The Childhood of Jesus)

—जे. एन. कोएटजी
इन्डियास ट्राइस्ट विद डेस्टिनी (India's Tryst With Destiny)

—जगदीश मगवती व अरविंद पनगारिया
सॉफ लाइक ए फेमिनिस्ट (Seeing Like a Feminist)

—निर्वादिता मेनन

विविध
(Miscellaneous)

कश्मीरी शायर पर स्मारक डाक टिकट—प्रसिद्ध कश्मीरी शायर पोरजादा मुल्लम अहमद मजहूर पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट डाक विभाग ने जारी किया है।



श्रीमन्त्र में कश्मीरी शायर की स्मृति में डाक टिकट जारी करते हुए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और श्रीए अध्यक्ष सोनिया गांधी

सुपीए अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी की उपस्थिति में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 25 जून को श्रीमन्त्र में 5 रूपए मूल्य का यह डाक टिकट जारी किया। डाक टिकट जारी करते हुए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि इस महान् कवि को सम्मानित करने में देरी हुई है, परन्तु उन्हें प्रसन्नता है कि वह ऐसी जिम्मेदारी पूरी करने जा रहे हैं, जिस पहले पूरा किया जाना चाहिए था।

उल्लेखनीय है कि वह दूसरा अवसर है जब कश्मीर पर कोई डाक टिकट जारी

किया गया है, इससे पहले 2006 में तत्कालीन राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम ने जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की 150वीं वर्षगांठ पर एक डाक टिकट जारी किया था।

अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्व-विद्यालय का किलायास—पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना मध्य प्रदेश शासन द्वारा भोपाल में की जा रही है। उसका



भोपाल में अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय के शिलान्यास के दौरान सभा को सम्बोधित करते राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी

शिलान्यास राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 6 जून 2013 को किया। प्रदेश के राज्यपाल रामनरेश यादव व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अतिरिक्त डाक सभा में विपक्ष की नेता श्रीमती सुप्रभा स्वराज सहित अनेक विपक्ष नेता एवं अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

●●●

www.kbcexamsonline.org
KBC Academy Pvt. Ltd.
Institute of All Competitive Exams

For All Exams Enroll for
Bank PO, Clerk, MBA, SSC, LIC, AAO, CPF (AC), CDS, Railways, Delhi Police (SI), DSSSB etc...

Interview classes for SBI & IBPS
Separate Batches for:

SBI/ RBI Clerk SSC

IBPS—PO & Clerk

Delhi UP Police Costable, C-TET

कक्षा 5-10 विज्ञान के साथ साथ (ASST, Asst. Lect. Fitter) Test में 10% ने अतिरिक्त अंकों को हासिल।
Online Mock Tests for IBPS, Bank PO

Central Enquiry

011-27605248
011-65883845
9999398128
9958606849

For Enquiry
Mukherjee Nagar 9999398128
Gandhi Nagar 9911318710
Kashyap Puram 9903822558
Badli 9928027333
Meerut (UP) 9304538936



एथलेटिक्स

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक चैम्पियनशिप-वेन्यू में 4-7 जून, 2013 को सम्पन्न 53वीं राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग का टीम खिताब तमिलनाडु ने व महिलाओं का केरल ने जीता। 172-5 अंकों के साथ ओवरऑल चैम्पियनशिप केरल ने जीती, जबकि तमिलनाडु (147-5 अंक) का इस मामले में दूसरा स्थान रहा। नए ग्रीट रिकॉर्ड के साथ तिहरी कूद में स्वर्ण पदक जीतने वाले

तमिलनाडु के रंजीत माहेश्वरी को पुरुषों में तथा 300 मीटर स्टीपल गेज में नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने वाली उत्तर प्रदेश की ओलम्पियन सुधा सिंह को महिलाओं में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया। इन दोनों ही एथलीट्स ने मौकों में अगस्त 2013 में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिए भी क्वालीफाई कर लिया। 4 दिन के इस आयोजन में एक नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ तीन नए ग्रीट रिकॉर्ड भी बने। इस आयोजन की विभिन्न स्पट्टाओं में स्वर्ण पदक जीतने वाले एथलीट्स के नाम दिए गए बीकस में प्रदर्शित हैं-

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय एथलेटिक चैम्पियनशिप (4-7 जून, 2013 वेन्यू) विभिन्न स्पट्टाओं के विजेता

स्पट्टाएं	पुरुष वर्ग	महिला वर्ग
100 मीटर	अनिच्छद गुजर (महाराष्ट्र), 10-61	आशा रॉय (प. बंगाल), 11-86
200 मीटर	प्रवीण निनावे (महाराष्ट्र), 26-65	आशा रॉय (प. बंगाल), 23-59
400 मीटर	कुन्नु मोहनन्द (केरल), 46-71	एम. आर. पुष्पा (कर्नाटक), 52-85
800 मीटर	सर्जोस जोसेफ (केरल), 1:49-4	टिट्टु सुका (केरल), 2:04-14
1500 मीटर	सर्दप (हरियाणा), 3:57-50	ओ. पी. जैसा (पंजाब), 4:16-78
5000 मीटर	जी. लक्ष्मण (तमिलनाडु), 14:15-39	ओ. पी. जैसा (पंजाब), 17:27-24
10000 मीटर	रोहा राम (राजस्थान), 29:39-06	प्रीता श्रीधर (केरल), 34:38-28
100 मीटर बाधा	—	जी. गायत्री (तमिलनाडु), 13-97
110 मीटर बाधा	मिठो मैथ्यू (केरल), 14-56	—
400 मीटर बाधा	सचिंदर सिंह (पंजाब), 51-55	एलावरसी (तमिलनाडु), 1:00-70
4 x 100 मीटर	केरल 40-49*	केरल 46-77
4 x 400 मीटर	झरखण्ड 3:11-03	केरल 3:40-74
3000 मीटर स्टीपल गेज	जयवीर (हरियाणा), 8:54-42	सुधा सिंह (उत्तर प्रदेश), 9:45-60**
20 किमी पैदल चल	बाबू नाई चणुका (गुजरात), 1:28:07-20	दीप माता देवी (झारखण्ड), 1:44:20-00
जैमी कूद	रिलिन सी थॉमस (केरल), 2-17 मी	सहज कुमारी (कर्नाटक), 1-88 मी
लम्बी कूद	के. वेंक कुमार (तमिलनाडु), 8 मी*	मयूका जॉनी (केरल), 6-49 मी
तिहरी कूद	रंजीत माहेश्वरी (तमिलनाडु), 16-98 मी*	मयूका जॉनी (केरल), 13-58
डिस्कस थ्रो	अर्जुन (दिल्ली), 53-99	कृष्णा प्रणिवा (राजस्थान), 56-73 मी
हैमर थ्रो	चंद्रोदय (उत्तर प्रदेश), 67-54	मंजु बाता (राजस्थान), 56-84 मी
जैविक थ्रो	कृष्णन कुमार (उत्तर प्रदेश), 74-80 मी	सुमन देवी (उत्तर प्रदेश), 51-96 मी
शॉट पुट	इंदरजीत सिंह (हरियाणा), 18-92 मी	पी. उदयलक्ष्मी (आन्ध्र प्रदेश), 13-68 मी
पोल वॉल्ट	पत्नीन कुमार (हरियाणा), 4-90 मी	श्रवति कन्निरा (कर्नाटक), 4-80 मी*
हेप्टाथलन	—	सुमिता सिंह (प. बंगाल), 51-64 अंक

*नया ग्रीट रिकॉर्ड **नया राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय रिकॉर्ड

शतरंज

वी. विष्णु प्रसन्ना भारत के नए ग्रांड मास्टर-वी. विष्णु प्रसन्ना ने शतरंज के ग्रांड मास्टर का खिताब जून 2013 में हासिल कर लिया है। इस खिताब के लिए



वी. विष्णु प्रसन्ना

आवश्यक 2500 अंकों की रेटिंग उन्होंने बुलागिरिया में अल्बेना (Albena) में ग्रांड यूरोप अल्बेना शतरंज टूर्नामेंट में 5 जून, 2013 का प्राप्त कर ली। खिताब के लिए आवश्यक तीन ग्रांड मास्टर रॉम बह पहले ही क्रमशः 2010, 2012 व 2013 में प्राप्त कर चुके थे। वेन्यू के विष्णु प्रसन्ना भारत के 32वें ग्रांड मास्टर हैं। उनसे पूर्व मार्च, 2013 में पुणे के अक्षराज को भारत के 31वें ग्रांड मास्टर बने थे।

बैडमिन्टन

बाइलेण्ड ओपन ग्राण्ड प्रिक्स में के. श्रीकांत ने जीता अपना पहला खिताब-भारत के चतुर्थतम बैडमिन्टन खिलाड़ी के. श्रीकांत ने जून 2013 में बैंगलूर में बाइलेण्ड के ही



के. श्रीकांत

बूनसाक पोन्सना (Boonsak Ponsana) को फाइनल में हराकर बाइलेण्ड ओपन ग्राण्ड प्रिक्स गोल्ड टूर्नामेंट का एकल खिताब अपने नाम किया। जूटूर (आन्ध्र प्रदेश) के श्रीकांत के केरियर का यह पहला ही खिताब है। विश्व के 61वें नम्बर के खिलाड़ी श्रीकांत को 13वीं वरीयता इस टूर्नामेंट में प्राप्त थी, जबकि फाइनल में पराजित हुए पोन्सना की वैश्विक रैंक 8 थी तथा उन्हें शीर्ष वरीयता इस टूर्नामेंट में प्राप्त थी।

मालदीव अन्तर्राष्ट्रीय बैडमिन्टन में भारतीय खिलाड़ियों का मिश्रित युगल खिताब-भारत के क. नरगोपाल व के.

मनीषा की जोड़ी ने 9 जून, 2013 को मलदीव अन्तर्राष्ट्रीय बैडमिंटन वॉलेज टूर्नामेंट में मिश्रित युगल खिलाड़ों कोरियाई खिलाड़ियों की जोड़ी को फाइनल में हराकर जीता।

इंडोनेशियाई ओपन-जकार्ता में 10-16 जून को सम्पन्न इंडोनेशियाई ओपन बैडमिंटन में पौम में से तीन खिलाड़ों महिलाओं के एकल व युगल तथा मिश्रित युगल योनी खिलाड़ियों ने जीते, जबकि पुरुषों का एकल खिलाड़ों मलेशिया के तथा युगल इंडोनेशिया के खाले में गया। पुरुषों के एकल खिलाड़ों के लिए विश्व के नम्बर एक खिलाड़ी ली चांग वेई ने फाइनल में जर्मनी के मार्क ज्येबलर को 21-15, 21-15 से पराजित किया, जबकि महिलाओं का एकल योनी की ली जुईरुई ने फाइनल में जर्मनी की ली जुलियन शोक को 21-16, 18-21, 21-17 से हराकर जीता। इस सुपरसीरिज टूर्नामेंट के सभी खिलाड़ों के विजेताओं व उपविजेताओं के नाम बॉक्स में दिए गए हैं।

क्रिकेट

एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व की नम्बर एक टीम की आईसीसी टोपी भारत को मिली— टैश्ट क्रिकेट व एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय (ODI) क्रिकेट में नम्बर एक पर रहने वाली टीमों को नकद पुरस्कार के साथ टोपी अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा प्रतिवर्ष प्रदान की जाती



महेन्द्र सिंह धोनी को टोपी प्रदान करते हुए आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष डेविड मॉर्गन

स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	ली चांग वेई (मलेशिया)	मार्क ज्येबलर (जर्मनी)
महिला एकल	ली जुईरुई (चीन)	जुलियन शोक (जर्मनी)
पुरुष युगल	मुहम्मद अहसान व हेद सेतियावान (इंडोनेशिया)	को ह्युन चुन व ली चांग द्यई (द. कोरिया)
महिला युगल	यंग लू व चाओ यिचिन (चीन)	यू खांग व जंग किया अंली (चीन)
मिश्रित युगल	झाव नान व झाओ चुन ली (चीन)	किशोर नीलसन व सै पंडरसन (डेनमार्क)

शिंघापुर ओपन-शिंघापुर में 18-23 जून, 2013 को सम्पन्न शिंघापुर ओपन सुपरसीरिज बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिलाओं के एकल व युगल खिलाड़ों योनी खिलाड़ियों ने जीते, जबकि पुरुष योनी खिलाड़ों पुरुषों के एकल व युगल तथा मिश्रित युगल पर इंडोनेशियाई खिलाड़ियों ने कब्जा किया। पुरुषों के एकल खिलाड़ों के लिए इंडोनेशिया के प्रमुख टोपी सुप्रियावर्त्त ने पता विजेता थाइलैण्ड के बुनसाक पोन्साना को फाइनल में पराजित किया, जबकि महिलाओं का एकल अपने ही देश की ओलंपिक रणर्ष विजेता ली जुईरुई को फाइनल में हराकर योनी की चांग बिहान ने जीता। सभी पौर्षों विजेताओं के विजेताओं व उपविजेताओं के नाम बॉक्स में प्रदर्शित हैं—

स्पर्द्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	टोमी सुप्रियावर्त्त (इंडोनेशिया)	बुनसाक पोन्साना (थाइलैण्ड)
महिला एकल	चांग बिहान (चीन)	ली जुईरुई (चीन)
पुरुष युगल	मुहम्मद अहसान व हेद सेतियावान (इंडोनेशिया)	को सुन ह्युन व ली चांग द्यई (द. कोरिया)
महिला युगल	तियान किंग व झाओ चुनलै (चीन)	मिसाकी मसुतोमी व अयाका तवहासो (जापान)
मिश्रित युगल	लंली यो अहमद व तियाणा नास्तर (इंडोनेशिया)	मिशोर्न सिञ्चोन वू व हाई योन ओम (द. कोरिया)

है। इसके लिए कट ऑफ डेट 1 अप्रैल निर्धारित है। इस वर्ष 1 अप्रैल, 2013 को एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व की नम्बर वन टीम भारतीय टीम थी। इसके लिए 1-75 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि के साथ चीनी की टोपी भारतीय टीम के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को 3 जून, 2013 को प्रदान की गई। इंग्लैण्ड में आईसीसी सेमिपंस टोपी टूर्नामेंट के दौरान कॉपिटिक में आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष डेविड मॉर्गन ने यह टोपी महेन्द्र सिंह धोनी को प्रदान की। 2002 से, जब से टोपी की रैकिंग की गई व्यवस्था शुरू की गई है, यह पहलू अवसर है जब 1 अप्रैल की कट ऑफ डेट को भारतीय टीम पहले स्थान पर रही है, इस तिथि से पहले के पुरे एक वर्ष (1 अप्रैल,

BANK PO Clerk

• MBA-SSC-INTERVIEW

CSAT

Alliance Club/Test Series

मूकेश सर एना ताल सर रॉय सर

Reasoning Guru Maths Guru Sp. in English



And many more...

CAREER PLANNER

9334863035, 9525544976

BHARTI HILL, OPP. BICOMI APP, BICOMI ROAD, PATNA

SAFARI TO OWN Corporate Building
C. P. HOUSE, SHIVPUR-
SHIV MANDIR, OFF BORING
ROAD, PATNA
www.cpalianceclub.com



आईसीसी का अंतिम चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट भारत ने जीता

इंग्लैंड व वेल्स में 6-23 जून, 2013 को सम्पन्न एकदिवसीय क्रिकेट का सातवाँ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट इंग्लैंड को फाइनल में हराकर भारत ने जीता। इसके साथ ही भारतीय टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी विश्व के ऐसे पहले कप्तान हो गए हैं जिनके नेतृत्व में किसी टीम ने आईसीसी के ट्वेंटी-20 विश्व कप, ओडीआई विश्व कप व चैंपियंस ट्रॉफी तीनों टूर्नामेंट जीते हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के वर्चस्व में 25 जून को वर्षों से बाधित 50-50 और के फाइनल मैच को 20-20 और का ही करना पड़ा, जिसमें पहले खेलते हुए महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने 7 विकेट जीतकर 129 रन जहाँ बनाए वहाँ इंग्लैंड की टीम 8 विकेट छोड़कर 124 रन ही निश्चित 20 ओवरों में बना सकी। इस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी का यह अंतिम भारतीय भारत ने 5 वर्षों से जीतकर दो बार खिताब जीतने के आस्ट्रेलियाई रिकॉर्ड को बराबरी कर ली। भारत इससे पूर्व 2002 में श्रीलंका के साथ इस ट्रॉफी का संयुक्त विजेता रहा था, जबकि आस्ट्रेलिया ने 2006 व 2011 में यह खिताब जीता था।



इस टूर्नामेंट में शामिल 8 टीमों को प्रारंभिक मुकामों के लिए निम्नलिखित दो वर्षों में बाँटा गया था—
ग्रुप 'ए'—आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड व श्रीलंका
ग्रुप 'बी'—भारत, पाकिस्तान, द. अफ्रीका व वेस्ट-इंडीज

18 दिन तक चले इस टूर्नामेंट में कुल शिताकर 15 मैच कार्डिफ (वेल्स), लंदन व बर्मिंघम में खेले गए। सेमीफाइनल में पहुँचने वाली टीमों ग्रुप 'ए' से इंग्लैंड व श्रीलंका थी, जबकि ग्रुप 'बी' से भारत व द. अफ्रीका ने यह उपलब्धि प्राप्त की। 23 जून को खेले गए फाइनल मैच में अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाकर भारतीय टीम को विश्व के कप्तान तक पहुँचाने वाले रवीन्द्र जडेजा को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। टूर्नामेंट में सर्वाधिक 12 विकेट लेने के लिए योहान बल्लुमुस्कर भी उर्ध्व मिला। भारत के प्रारंभिक तीन मैचों में से दो में शतकण्ट पारी खेलने वाले सिखर धवन को 'मैन ऑफ द सीरीज' का पुरस्कार मिला। टूर्नामेंट में सर्वाधिक 363 रन बनाने के लिए योहान बैट सिखर धवन को ही दिया गया। खिताब जीतने वाली भारतीय क्रिकेट टीम के प्रत्येक सदस्य को पुरस्कारस्वरूप 1-1 करोड़ रुपये की शर्ति प्रदान करने की घोषणा बीसीसीआई ने की है।

उपग्रुप टूर्नामेंट की शुभआरंभ 1996 में आईसीसी ग्लोबल टूर्नामेंट के रूप में हुई थी तथा 2002 में इसे चैंपियंस ट्रॉफी नाम दिया गया था तथा इसका आयोजन 2-2 वर्ष के अंतराल पर किया जाता था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का जून 2013 का उपग्रुप आयोजन इस टूर्नामेंट का अंतिम आयोजन था। इस टूर्नामेंट को अग्रे आयोजित न करने का फैसला अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा पहले ही किया जा चुका है। इसके स्थान पर आईसीसी विश्व ट्वेंटी चैंपियनशिप का आयोजन 2017 से किया जाएगा। यह आयोजन 4-4 वर्ष के अंतराल पर किया जाएगा। इससे क्रिकेट के तीनों प्रारंभों के लिए विश्व चैंपियनशिप के प्रावधान हो जाएंगे।

चैंपियंस ट्रॉफी (2013) में शीर्ष पाँच बल्लेबाज

खिलाड़ी	देश	मैच	रन	उपचयम	शतक	अर्धशतक
सिखर धवन	भारत	5	363	114	2	1
जोनाथन ट्रोट	इंग्लैंड	5	229	82*	0	2
कुमार संगकर्षा	श्रीलंका	4	222	134*	1	1
रहित शर्मा	भारत	5	177	65	0	2
विशाल कोहली	भारत	5	176	58*	0	1

शीर्ष पाँच गेंदबाज

खिलाड़ी	देश	मैच	विकेट	सर्वश्रेष्ठ
रवींद्र जडेजा	भारत	5	12	5/36
मैकगलेनाथन	न्यूजीलैंड	3	11	4/43
जेम्स एडरसन	इंग्लैंड	5	11	3/30
इशांत शर्मा	भारत	5	10	3/33
रेयान मैकलारेन	दक्षिण अफ्रीका	4	8	4/19

इस टूर्नामेंट में विभिन्न खिलाड़ियों के प्रदर्शनों के आधार पर आईसीसी की चैंपियंस ट्रॉफी टीम के लिए जिन खिलाड़ियों को चुना गया है, उनमें पूर्व भारतीय हैं: टीम का कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को बल्लू मंगा है। टीम में शामिल किए गए सभी खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं—

सिखर धवन, जोनाथन ट्रोट, कुमार संगकर्षा, विशाल कोहली, शिवांग उल-हक, महेंद्र सिंह धोनी (कप्तान), रवीन्द्र जडेजा, रेयान मैकलारेन, मुनेश्वर कुमार, जेम्स एडरसन, योहान बैट सिखर धवन और दो रन।

2012 से 1 अप्रैल, 2013) के दौरान भारतीय टीम ने कुल 13 एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेले जिनमें से 8 में वह विजयी रही, जबकि 5 मैचों में वह पराजित हुई।

आईसीसी ओपन ट्वेंटीसीय रेकिंग 4 जून 2013			
रैंक	मैन	स्कोर	रेकिंग
1	भारत	38	4,514
2	ऑस्ट्रेलिया	27	4,285
3	दक्षिण अफ्रीका	27	3,065
4	इंग्लैंड	35	3,916
5	बांग्लादेश	41	4,448
6	पाकिस्तान	38	4,005
7	न्यूजीलैंड	28	2,435
8	केलोनिया	35	2,823
9	वेस्टइंडीज	25	1,949
10	जिम्बावे	19	908
11	अफगानिस्तान	8	312
12	नारदरलैंड	5	89
13	केन्या	4	45

KIK SportsGraphics

उल्लेखनीय है कि आईसीसी विश्व रेकिंग में भारतीय टीम का नम्बर एक स्थान अभी भी बना हुआ है। जून 2013 में आईसीसी वैम्पियस ट्रॉफी के प्रारम्भ होने से पूर्व की विश्व रेकिंग (4 जून, 2013 की स्थिति) ताज़िका में दर्जार्ड गई है, जिसमें भारत के खीर्ष स्थान के परभाव दूसरा व तीसरा स्थान क्रमशः आस्ट्रेलिया व द. अफ्रीका का दर्शाया गया है। भारतीय उपमहाद्वीप की अन्य टीमों में श्रीलंका का चौथवाँ, पाकिस्तान का छठा तथा बांग्लादेश का दसम नौवाँ स्थान है।

बीसीसीआई अध्यक्ष एन. श्रीनिवासन ने स्वागपत्र दिए बिना अपना कामकाज अंतरिम तौर पर पूर्व अध्यक्ष जगमोहन खालगिया को सौंपा—आईसीएल—V1 के दौरान मैचों में स्पोर्ट फिक्शिंग व स्पोर्ट्सबी के मामलों के खुलासा तथा स्पोर्ट फिक्शिंग के तार अंडर-वर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम व उनकी डी कंपनी से जुड़े होने के सुझाव मिलने के बाद क्रिकेट जगत में उठे बवाल में बीसीसीआई अध्यक्ष एन श्रीनिवासन के स्वागपत्र की मौग प्रवृत्त हो गई थी। श्रीनिवासन ने बीसीसीआई के अध्यक्ष पद से स्वागपत्र सहाय नहीं दिया है, तथापि मामले की पूरी जाँच तक अध्यक्ष के रूप में कार्य करना 2 जून, 2013 से छोड़ दिया है। अध्यक्ष के सभी काम बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष जगमोहन खालगिया को सौंपने सौंप दिए हैं। जो खालगिया को कोई पदनाम न देते हुए उन्हें कामकाज सौंपने का प्रस्ताव स्वयं एन. श्रीनिवासन का ही था, जो उन्होंने स्वयं ही बीसीसीआई बोर्ड की 2 जून, 2013 को वेनार्ड में सम्पन्न बैठक में किया था।

टेनिस

फ्रांसीसी ओपन टेनिस—2013—मई-जून 2013 में फ्रांस में पेरिस में सम्पन्न



फ्रांसीसी ओपन टेनिस में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिलाड़ क्रमशः राफेल नडाल व सेरेना विलियम्स ने जीते

दोनों ही खिलाड़ियों ने यह किताब जीतकर नए कीर्तिमान स्थापित किए।

पुरुषों की एकल स्पर्धा की मस्केटियर्स ट्रॉफी (Musketeers' Trophy) के लिए राफेल नडाल (स्पेन) ने फाइनल मुकाबले में

दो विम्बलडन (2008 व 2010) खिताब हासिल है।



ट्रॉफी के साथ राफेल नडाल

विभिन्न वर्षों में क्रेष ओपन वैम्पियस

वर्ष	पुरुष एकल	महिला एकल
1992	ब्रिज कुविरर (अमरीका)	मोनिका सेलेस (यूगोस्लाविया)
1993	सर्बई बुगुएरा (स्पेन)	स्टेफी ग्राफ (जर्मनी)
1994	सर्बई बुगुएरा (स्पेन)	अरांका साबेज विकारियो (स्पेन)
1995	टॉमिज मूरर (ऑस्ट्रेलिया)	स्टेफी ग्राफ (जर्मनी)
1996	वैक्कीनी काफेलनिकोव (रूस)	स्टेफी ग्राफ (जर्मनी)
1997	मुस्तासो कुएर्टेन (बाजील)	इवा मग्योली (क्रोएशिया)
1998	कावर्लॉ सभा (स्पेन)	अरांका साबेज विकारियो (स्पेन)
1999	आंद्रे अगसि (अमरीका)	स्टेफी ग्राफ (जर्मनी)
2000	मुस्तासो कुएर्टेन (बाजील)	मैरी पियर्स (फ्रांस)
2001	मुस्तासो कुएर्टेन (बाजील)	जैमिनी कैसिदाती (अमरीका)
2002	अल्बर्ट कोस्टा (स्पेन)	सेरेना विलियम्स (अमरीका)
2003	हुआन कार्लोस फेरेरा (स्पेन)	जस्टिन हेनिन (बेल्जियम)
2004	मैस्टन गॉडिगो (अर्जेंटीना)	अनास्तासिया मिस्किना (रूस)
2005	राफेल नडाल (स्पेन)	जस्टिन हेनिन (बेल्जियम)
2006	राफेल नडाल (स्पेन)	जस्टिन हेनिन (बेल्जियम)
2007	राफेल नडाल (स्पेन)	जस्टिन हेनिन (बेल्जियम)
2008	राफेल नडाल (स्पेन)	एना इवानोविच (सर्बिया)
2009	रोजर फेडरर (स्विट्जरलैंड)	स्वेतलाना कुज़नेत्सोव (रूस)
2010	राफेल नडाल (स्पेन)	क्रिस्टिना गिबार्बोन (इटली)
2011	राफेल नडाल (स्पेन)	ली ना (चीन)
2012	राफेल नडाल (स्पेन)	मरिया शारापोवा (रूस)
2013	राफेल नडाल (स्पेन)	सेरेना विलियम्स (अमरीका)

अपने ही देश के डेविड फेरेर को हराकर रिकॉर्ड आठवाँ बार यह टूर्नामेंट जीतने में सफलता प्राप्त की, 'लाल बजरी के बादशाह' (King of Clay Court) कहे जाने वाले राफेल नडाल ने 2005 से 2008 के दौरान लगातार चार वर्ष तक जीतने के परभाव, 2010 से 2013 तक भी लगातार चार वर्ष तक यह टूर्नामेंट जीता है। इनके द्वारा जीते गए 12 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों में 8 फ्रांसीसी ओपन खिताबों के अतिरिक्त एक आस्ट्रेलियाई ओपन (2009), एक अमरीकी ओपन (2010) व

Diploma in Banking & Finance

A desirable qualification for Bank POs & Clerk recruitment (as per IBBA).

Benefits: Better chances of selection

• 3 objective-type questions papers

• No negative marking.

• Exam conducted half-yearly by IBBA.

• Eligibility is 10+2 pass. No age bar.

For Study Kits or E-Learning class.

Banking & Management Academy

3CD No.34, Sector 29-D, Chandigarh 160020

Phone 01722655621, 09814331661

www.bankingindiaupdates.com

महिलाओं के एकल खिलाड़ के लिए विश्व की नम्बर एक खिलाड़ी सेनेना विलियम्स (अमरीकी) ने रोला गैरों में फाइनल में गत विजेता मारिया शरामोवा (रूस) को हराया और सुजेन लेंगिन ट्रॉफी (Suzanne Lenglen Trophy) पर कब्जा किया. 31 वर्षीय सेनेना का फ्रांसीसी ओपन में यह दूसरा खिताब था. इससे पूर्व 2002 में उन्होंने फ्रांसीसी ओपन खिताब जीता था. इस खिताब को मिलाकर सेनेना के ग्रांड स्लेम टेनिस में खिताबों की कुल संख्या अब 16 हो गई है. इनमें 2



ट्रॉफी के साथ सेरेना विलियम्स

फ्रांसीसी ओपन खिताबों के अतिरिक्त 5 आस्ट्रेलियाई ओपन (2003, 2005, 2007, 2009 व 2010), 5 विम्बल्डन (2002, 2003, 2009, 2010 व 2012) व 4 अमरीकी ओपन (1999, 2002, 2008 व 2012) शामिल हैं. सेरेना विलियम्स 2000, 2008 व 2012 में ओलंपिक खेल में भी एकल स्पर्धा में स्वर्ण पदक विजेता रही हैं. 2012 में महिला युगल में भी स्वर्ण चमकाने जीता था.

फ्रांसीसी ओपन टेनिस का पुरुषों का युगल खिताब अमरीका के ब्रायन बंधुओं (बॉब एवं माइक ब्रायन) ने जीतकर एक बार पुनः इतिहास रचा. फाइनल मुकाबले में माइकल लोन्डा व निकोलस माहूत की जोड़ी को हराकर फ्रांसीसी ओपन में 2003 के बाद दूसरा युगल खिताब उन्होंने जीता. इससे ग्रांड स्लेम टेनिस में उनके युगल खिताबों की कुल संख्या अब रिकॉर्ड 14 हो गई है.

फ्रांसीसी ओपन टेनिस-2013 में महिलाओं की युगल स्पर्धा एका टेरिना मकारोवा व एलेना बेसनीना की रूसी जोड़ी ने फाइनल में सारा इरानी व रीबर्टा विन्सी की इटली की जोड़ी को हराकर जीती. मकारोवा-बेसनीना की रूसी जोड़ी का यह पहला ही ग्रांड स्लेम युगल खिताब है वहीं उनकी जोड़ी (सारा इरानी व रीबर्टा

विन्सी) वर्ष 2012 में फ्रांसीसी ओपन व अमरीकी ओपन जीतने के पश्चात् इस वर्ष जनवरी 2013 में आस्ट्रेलियाई ओपन भी जीत चुकी थी. टूर्नामेंट की मिश्रित युगल स्पर्धा में लूसी हरादिका (Lucia Hradecka) व उनके सह-खिलाड़ी फ्रांटिसेक सेरमैक (Frantisek Cermak) की चेकगणराज्य की जोड़ी मिश्रित युगल स्पर्धा में विजेता रही. फाइनल मुकाबले में फ्रांस की क्रिस्टीना निकिटिचोविक व कनाडा के डेनियल नेस्टर की जोड़ी को एक जोड़ी ने पराजित किया. इस टूर्नामेंट के सभी प्रमुख खिताबों के विजेताओं के नाम बॉक्स में प्रदर्शित हैं.

फ्रांसीसी ओपन टेनिस - 2013

(मई-जून 2013, पेरिस)

विजेताओं के नाम एक दृष्टि में

स्पर्धा	विजेता	उपविजेता
पुरुष एकल	राफेल नडाल (स्पेन)	डेविड फेरर (स्पेन)
महिला एकल	सेरेना विलियम्स (अमरीका)	मारिया शरामोवा (रूस)
पुरुष युगल	बॉब ब्रायन व माइक ब्रायन (अमरीका)	माइकल लोन्डा व निकोलस माहूत (फ्रांस)
महिला युगल	एकटेरिना मकारोवा व एलेना बेसनीना (दोनों रूस)	सारा इरानी व रीबर्टा विन्सी (दोनों इटली)
मिश्रित युगल	लूसी हरादिका व फ्रांटिसेक सेरमैक (दोनों चेक गणराज्य)	क्रिस्टीना निकिटिचोविक (फ्रांस) व डेनियल नेस्टर (कनाडा)

वर्षीय कलन टेनिस-17 जून, 2013 को लंदन में क्वींस क्लब टेनिस का खिताब विटेंन के एंडी मुरे ने फाइनल में गत विजेता मारिन सिलिक (क्रोएशिया) को हराकर जीता.

हॉकी

हॉकी इंडिया की पुरुषों की तीसरी सोनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप-हॉकी इंडिया के ताबबधान में जून 2013 में पुणे में सम्पन्न पुरुषों की तीसरी सोनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप एयर इंडिया ने जीती. पुणे के मेजर थारुनंद स्टेशियम पर 10 जून, 2013 को फाइनल मुकाबले में गत विजेता पंजाब को 6-2 से हराकर एयर इंडिया ने यह खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की.

हॉकी इंडिया की पुरुषों की जूनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप-हॉकी इंडिया के ताबबधान में जून 2013 में आयोजित पुरुषों की तीसरी जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप का खिताब ओडिशा को फाइनल में हराकर गत विजेता पंजाब ने जीता. सोनीपत में 13 जून, 2013 को खेले गए फाइनल में ओडिशा को 2-1 से हराकर पंजाब ने खिताब पर कब्जा थाकतार रखा.

बिज्ञानेबाजी

विश्व कप बिज्ञानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली राही सरनोबत को एक करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार—अप्रैल 2013 में दक्षिण कोरिया में बोगबोन में सम्पन्न आईएसएसएफ विश्व कप बिज्ञानेबाजी में स्वर्ण पदक जीतने वाली महाराष्ट्र की निशानेबाज राही सरनोबत को एक करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि महाराष्ट्र सरकार ने जून 2013 में प्रदान की है. 22 वर्षीय सरनोबत विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की पहली महिला पिस्चल निशानेबाज है.

गोल्फ

यू. एस. ओपन—अमरीका में आर्डमोर (Ardmore) में सम्पन्न यूएस ओपन गोल्फ टूर्नामेंट का खिताब विटेंन के जस्टिन रोज (Justine Rose) ने 281 अंकों के साथ जीता. 1970 में टोनी जैकसॉन के बाद यू. एस. ओपन जीतने वाले वह पहले ब्रिटिश गोल्फर हैं. 283 अंकों के साथ आस्ट्रेलिया के जेसन डे का उस टूर्नामेंट में दूसरा स्थान रहा.

फॉर्मूला-1 रेस

कनाडाई व ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स—रेडबुल टीम के सेबेस्टियन वेट्टेल 9 जून, 2013 को मोर्टिबेल में कनाडाई ग्रांड प्रिक्स फॉर्मूला-1 रेस में विजेता रहे. इस रेस में दूसरा स्थान फरारी के फर्नांडो अलॉंसो का रहा. बाद में 30 जून, 2013 को शिलवरस्टोन ट्रेक पर ब्रिटिश ग्रांड प्रिक्स मशींजिंग टीम के निको हंस बर्ग ने जीती तथा रेंड ब्रुल के मार्क वेबर का इसने दूसरा स्थान रहा.





समस्त सीमा बल में तकनीकी काइर के लिए भर्ती (उपनिरीक्षक (पायनियर) व प्रधान कॉन्टेबल (कार्यशाखा) के रिक्त पद]

समस्त सीमा बल में उपनिरीक्षक (पायनियर) के 53 तथा प्रधान कॉन्टेबल (कार्यशाखा) के 186 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से निर्धारित प्रारूप पर आवेदन-पत्र 20 जुलाई, 2013 तक आमंत्रित किए गए हैं। प्रधान कॉन्टेबल (कार्यशाखा) के पद हेतु केवल पुरुष उम्मीदवार ही आवेदन के पात्र हैं, जबकि एसआई (पायनियर) पद हेतु महिलाएं भी आवेदन कर सकती हैं।

विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए निम्नानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या पर-बंद सकता है।

श्रीशैलिक योग्यता— उपनिरीक्षक (पायनियर) हेतु— सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री या डिप्लोमा।

प्रधान कॉन्टेबल (कार्यशाखा) हेतु— (i) मैट्रिक या समकक्ष, (ii) आईटीआई से बांछित ट्रेड में दो वर्षीय पाठ्यक्रम तथा (iii) भर्ती बालन हेतु वैध ट्रेडिंग लाइसेंस।

आयु सीमा— (20 जुलाई, 2013 को) उपनिरीक्षक हेतु—अधिकतम 30 वर्ष, प्रधान कॉन्टेबल हेतु—18-25 वर्ष, विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में निम्नानुसार छूट उपलब्ध है।

यों ही पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य अंग्रेजी/हिन्दी (25 अंक), सामान्य ज्ञान (25 अंक) व सिविल इंजीनियरिंग (50 अंक) के बहुविकल्पीय प्रश्न 100 अंकों के प्रश्न-पत्र में होंगे।

इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु 15-21 जून, 2013 का रोजगार समाचार देखें।

जीवन बीमा निगम में डायरेक्ट सेल्स एक्जीक्यूटिव की अनुबंध के आधार पर भर्ती

भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) में सेंट्रल जॉइन्ट ऑफिस के अधीन विभिन्न कार्यालयों में डायरेक्ट सेल्स एक्जीक्यूटिव (DSE) के पदों अनुबंध के आधार पर तीन वर्ष के लिए नियुक्ति

हेतु पात्र उम्मीदवारों से आमंत्रित आवेदन 7 जुलाई, 2013 तक आयोजित किए गए हैं। आवेदन हेतु परीक्षा शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 6 जुलाई, 2013 है। इस भर्ती के तहत उपलब्ध रिक्त पदों की कुल संख्या 786 है। विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए निम्नानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या पर-बंद सकता है।

श्रीशैलिक योग्यता—सहायक

आयु सीमा (1 जून, 2013 को)—21-35 वर्ष, विभिन्न वर्गों के लिए आयु सीमा में निम्नानुसार छूट उपलब्ध है।

इस भर्ती के लिए आवश्यकतानुसार लिखित प्रतिप्रतिष्ठित परीक्षा का आयोजन निम्न द्वारा किया जा सकता है। लिखित परीक्षा होने पर संबंधित, संस्थात्मक अभिरूपता, सामान्य ज्ञान आदि के प्रश्न (बहुविकल्पीय) परीक्षा में शामिल होंगे।

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु निम्न की वेबसाइट www.lifecareers.in/careers.htm देखें। आवेदन के दायित्व अन्तर्गत इस वेबसाइट पर ही अनुरोध आवेदन कर सकते हैं।

उपलब्ध परीक्षा के लिए एकका प्रकाशन द्वारा प्रकाशित **एन.आई.सी. सेल्स एक्जीक्यूटिव्स बयन परीक्षा** का अध्ययन करें।

राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा—2013

राजस्थान राज्य सेवा के तहत राजस्थान प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, लेख सेवा, सहायक सेवा आदि के कुल मिलाकर 233 तथा अधीनस्थ सेवा के तहत तहसीलदार सेवा, आबकारी अधीनस्थ सेवा, बालिका कर अधीनस्थ सेवा के कुल मिलाकर 490 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली मुख्य प्रतिप्रतिष्ठित परीक्षा के लिए पात्र अभ्यर्थियों के चयन के लिए राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त (प्राथमिक) परीक्षा का आयोजन राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा। रिक्तियों की यह संख्या पर-बंद सकता है। इनमें कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए निम्नानुसार आरक्षित हैं।

श्रीशैलिक योग्यता—सहायक अभ्यर्थक

आयु सीमा— 1 जनवरी, 2014 को 21-35 वर्ष, विभिन्न वर्गों में आयु सीमा में निम्नानुसार छूट उपलब्ध है।

परीक्षा योजना—प्राथमिक परीक्षा में केवल एक प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान व सामान्य विज्ञान का बहुविकल्पीय विषय का होगा। प्राथमिक परीक्षा में सफल भविष्य अभ्यर्थी दो उपलब्ध पदों के लिए आवेदित की जाने वाली मुख्य प्रतिप्रतिष्ठित परीक्षा में शामिल होने के पात्र होंगे। मुख्य परीक्षा कर्षणात्मक विषय की होगी जिसमें चार प्रश्न-पत्र क्रमशः सामान्य अर्थव्यवस्था, सामान्य अर्थव्यवस्था द्वितीय तथा सामान्य अर्थव्यवस्था तृतीय (प्रत्येक 20/60-20/60 अंक) के होंगे, 20/60 अंकों का ही चौथा प्रश्न-पत्र सामान्य हिन्दी व सामान्य अंग्रेजी का होगा। मुख्य परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत परीक्षा/मौखिक परीक्षा के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जो 100 अंकों की होगी।

प्राथमिक परीक्षा में शामिल होने के लिए अनुरोध आवेदन-पत्र 31 जुलाई, 2013 तक भर सकते हैं। परीक्षा सम्बन्धी विस्तृत जानकारी तथा आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी आयोग की वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।



KALP
FACULTY OF EDUCATION
Reserve Institute for Teacher's Eligibility & Recruitment Exams

शिक्षक/प्रवक्ता चयन संस्थान

प्रवक्ता योग्यता परीक्षा

UGC-NET/JRF

शिक्षक चयन परीक्षा

DSSSB / KVS

TGT / PGT / PRT

शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET)

CTET / STET

• Weekend Batches Available
• Correspondence Course Also Available
For details or registration contact :
Corp. Office & Learning Centre :
E2/252, Shastri Nagar, New Delhi-110052
URL : www.kalpeducation.com
Tel. : 011-23643867
Mob: 81306 73333, 81309 13333

राजस्थान राज्य पक्ष परिवहन निगम में विभिन्न पदों हेतु परीक्षा

राजस्थान राज्य पक्ष परिवहन निगम में यातायात निरीक्षक की 16, सहायक यातायात निरीक्षक की 40, कनिष्ठ अधीक्षक 'अ' की 27 कनिष्ठ अधीक्षक की 56, कनिष्ठ सहायक की 130 व कनिष्ठ लिपिक की 195 पदों सहित कुल मिलाकर 550 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन निगम द्वारा 24 जुलाई, 2013 तक आमंत्रित किए गए हैं। विभिन्न वर्गों की उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आशुष का प्रथम दिन इस वर्षी के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या पर-बढ़ सकती है।

शैक्षणिक योग्यता—उत्तम पदों में से अधिकतम पदों के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता वर्धित प्रत्यक्ष है तथापि अलग-अलग पदों की आवश्यकताओं से अनुरूप है। इनकी जानकारी हेतु निगम की वेबसाइट पर विस्तृत विवरण देखें।

आय सीमा (1 जनवरी, 2013 को) — 18-35 वर्ष। विभिन्न वर्गों के लिए आय सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है।

इन शर्तियों के लिए विज्ञापन की शर्तों के अनुसार पात्र पात्र गए अभ्यर्थियों को ऑनलाइन लिंक्ड परीक्षा 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के अग्र पर 100 अंकों की होगी। जिसमें 50-50 प्रतिशत अंकों के आधार पर दो भागों में प्रश्न-पत्र होगा। लिखित के अनुसार भाग ए में सामान्य ज्ञान तथा भाग बी में विषय से सम्बंधित प्रश्न होंगे। कनिष्ठ लिपिक पर हेतु प्रश्न-पत्र केवल एक ही भाग का 100 अंकों का होगा। सभी पदों पर परीक्षा हेतु परीक्षा अर्हता पर-बढ़ सकती है।

इन शर्तियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु राजस्थान राज्य पक्ष परिवहन निगम की वेबसाइट www.rstc.nagathan.gov.in देखें। आवेदन के शुल्क अर्हता इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

उत्पुलक परीक्षा के लिए उत्कलक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक राजस्थान राज्य पक्ष परिवहन निगम यातायात निरीक्षक/सहायक यातायात निरीक्षक तथा कनिष्ठ लिपिक के लिए प्रकाशित पुस्तक का अणकल लक्ष्यकारी होगा।

इन्तु में बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा—2013

सिंदर गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) की क्षेत्रीय केंद्री पर संघालित बीएड पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा का आयोजन 18 अप्रैल, 2013 को होगा। वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली प्रवेश परीक्षा में 100 अंकों के एक प्रश्न-पत्र के छपट ए में जनरल इंग्लिश परीक्षण (10 अंक), लैटिनकल एण्ड

एनेटिकल रीजनिंग (20 अंक), एण्टीकेशनल एण्ड जनरल अवेयरनेस (25 अंक) व टीपिंग सनिंग एण्ड ट स्कूल (25 अंक) के कुल मिलाकर 80 प्रश्न होंगे, वर्यकी छपट बी में 20 अंकों के 20 विषय सम्बन्धी प्रश्न होंगे।

इस प्रवेश परीक्षा में शामिल होने के लिए पूर्ण रूप से परे हुए आवेदन-पत्र सम्बंधित क्षेत्रीय केंद्री पर 15 जुलाई, 2013 तक स्वीकृत किए जायेंगे। आवेदन-पत्र की प्रार्थित व पाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी हेतु 'इन्तु' की वेबसाइट देखें।

उत्पुलक परीक्षा के लिए उत्कलक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित पुस्तक इन्तु बी.एड. प्रवेश परीक्षा का अध्ययन करें। पुस्तक का ऑनलाइन संस्करण भी उपलब्ध है।

राजस्थान में कृषि पर्यवेक्षक के रिक्त पद

राजस्थान कृषि अधीनस्थ सेवा के अधीन कृषि पर्यवेक्षक के कुल 2224 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र 15 जुलाई, 2013 तक आमंत्रित किए गए हैं। विभिन्न वर्गों की उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार अणकल का प्रथम दिन इस वर्षी के तहत उपलब्ध है। रिक्तियों की संख्या पर-बढ़ सकती है।

शैक्षणिक योग्यता—ईकॉपी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.एस.-सी. (कृषि) वा बी. एस.-सी. (कृषि-उद्यान) अर्थात् अथवा किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 योग्य के अधीन कृषि के साथ सीपिन सम्बंधित वा पुरानी योजना के अधीन कृषि के साथ उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण।

आय सीमा (1 जनवरी, 2014 को) — 18-35 वर्ष। विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है।

इस वर्षी के लिए अवेरिबल की जाने वाली 200 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म की लिखित प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य हिन्दी की 15 प्रश्न (60 अंक), एजस्थान का सामान्य ज्ञान, इतिहास एवं संस्कृति की 25 प्रश्न (100 अंक) तथा सामान्य विज्ञान उद्योगिकी व पशुपालन के 60 प्रश्न (240 अंक) होंगे। दो चरणों की अर्हता की यह परीक्षा सितम्बर 2013 में अवेरिबल होने की सम्भवता है। अर्हता के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु महाराष्ट्र प्रदाण कृषि एवं प्रीयोगिकी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.mpaat.ac.in देखें।

इस वेबसाइट पर उपलब्ध लिंक www.ncandaipur.com के जरिए ही ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं।

उत्पुलक परीक्षा के लिए उत्कलक प्रकाशन द्वारा प्रकाशित राजस्थान कृषि निदेशालय कृषि पर्यवेक्षक भर्ती परीक्षा पुस्तक का अध्ययन करें।

सरास सीमा बल में कौटरेविलों (ड्राइवर्स) की भर्ती

सरास सीमा बल (SSB) में कौटरेविलों (ड्राइवर्स) के कुल 6459 पदों की भर्ती के लिए पात्र पुरुष अभ्यर्थियों से निवर्धित प्रारूप पर 1 अप्रैल, 2013 तक आवेदन-पत्र आमंत्रित किए गए हैं। उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों की अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। रिक्तियों की संख्या पर-बढ़ सकती है।

शैक्षणिक योग्यता—मैट्रिक या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण तथा सच में हैबी चिकल ड्राइविंग साहस्य।

आय सीमा—(1 अप्रैल, 2013 को)—18-28 वर्ष। विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है।

इस भर्ती के तहत अभ्यर्थियों का चयन शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित परीक्षा, ड्राइविंग व चिकित्सकीय परीक्षा आदि के आधार पर किया जाएगा। कुल 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म की लिखित परीक्षा में सामान्य ज्ञान/हिन्दी तथा सामान्य ज्ञान की 50-50 अंकों की परीक्षा होगी। इस भर्ती के सम्बन्ध में आवेदन-पत्र के प्रारूप व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए सरास सीमा बल की वेबसाइट www.sshrectt.gov.in व रोयलर समाचार देखें।

उपकार

नवीन प्रस्तुति

प्रेक्टिस वर्क बुक

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

(कक्षा X)

एच.पी.ई.एन.सी. पेटर्न पर आधारित

तेजस्वर

की. लीकल कुपार झा एवं लालेश्वर मुल्ल

Code No. 2246

Price ₹ 250

उपकार प्रकाशन, आगरा - 2
E-mail: upkarprakash@gmail.com Website: www.upkar.in

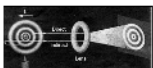




विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

परमाणु के भीतर की पहली तस्वीर खींची गई

नैदरलैंड्स के वैज्ञानिकों ने परमाणु के भीतर की तस्वीर खींचने में सफलता प्राप्त की है। इस प्रयोग के लिए वैज्ञानिकों ने लेसर किरणों एवं माइक्रोस्कोप की सहायता ली है। वैज्ञानिकों की इस उपलब्धि से इलेक्ट्रॉनिकस का मार्ग प्रशस्त हो सकता है और विकास का नया रास्ता खुल सकता है। ब्रह्माण्ड के उद्भव एवं विकास के मूलमूल रहस्य भी खुल सकते हैं।



परमाणु के भीतर की तस्वीर लेने की प्रक्रिया

ऐसी तस्वीर पहले कभी नहीं ली गई थी, क्योंकि जिस कण की तस्वीर लेने की कोशिश की जाती थी, वह कण ही नष्ट हो जाता था। यह प्रयोग एक्सटर्नल की अमोनियम की अनुसंधानशाला में किया गया जो फाउंडेशन फॉर फाउन्टेशन रिसर्च ऑन मैटर के लिए विख्यात है।

इस प्रयोग के लिए हाइड्रोजन परमाणु को चुना गया, क्योंकि इसकी संरचना सबसे सरल होती है। अब वैज्ञानिक होलियम पर यही प्रयोग कर रहे हैं। वैज्ञानिक मानते हैं कि जटिल परमाणुओं की तस्वीर लेना काफी कठिन है। वैज्ञानिकों ने परमाणु के भीतर झींकने के लिए विशेष लेंस की मदद ली, जिससे तस्वीर को 20 हजार गुना बड़ा किया जा सकता है। इस लेंस से क्वांटम माइक्रोस्कोप तैयार किया गया। प्रयोग के लिए टीम ने हाइड्रोजन परमाणु पर दो लेसर डाले जिससे उसकी रचना बड़ गई और इलेक्ट्रॉन ने परमाणु को छोड़ दिया। इसके बाद इस दैम्बर में, तब इलेक्ट्रॉन फील्ड की मदद से, इलेक्ट्रॉन को पूर्व-निर्धारित दिशा में एक लेंस से गुजारा गया, तब उसकी तस्वीर एक रिकुर्बेन्ट पर्द पर ली गई। इसमें इलेक्ट्रॉन लाइट और डार्क के साथ में दिखाई दिया। इसे एक

हाई रिजोल्यूशन डिजिटल कैमरे से देखा गया। कई तरह के लेसर खले गए, जिससे परमाणु के भीतर के कणों की अलग-अलग तस्वीर आई।

इस सफलता से क्वांटम फिजिक्स की सीमाएं बड़ जाएंगी तथा भविष्य में अल्ट्राफास्ट इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम तैयार किया जा सकेगा जो अभी तक सम्भव नहीं था। विश्व के घांटी के भौतिकशास्त्रियों ने इसे असाधारण प्रयोग बताया, क्योंकि हमारे ब्रह्माण्ड का तीन-चौथाई भाग हाइड्रोजन से मिलकर बना है।

नई तकनीक से सात मृतकों को जीवित किया गया

मनुष्य जिस बात से सबसे अधिक डरता है, वह है मृत्यु। विज्ञान मनुष्य को अजर-अमर बनाने के लिए कुछसंकल्प है।

अभी हाल में कुछ ऐसी वैज्ञानिक घटनाएं घटित हुईं जिन्होंने इस विश्वास को पक्का कर दिया कि आज नहीं तो कल, मृत्यु पर विजय पा ली जाएगी।

मृतक व्यक्ति को जीवित करने के लिए अभी हाल में कुछ नई तकनीकों का विकास हुआ है। मृतक व्यक्तियों पर इन तकनीकों का प्रयोग सफल रहा है। आस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित अल्फ्रेड अस्पताल में क्लिनिकली डेड व्यक्ति को इस तकनीक के प्रयोग से जिन्दा कर लिया गया।

बिक्टोरिया के रहने वाले 30 वर्षीय कॉलिन फ्रीडलर अल्फ्रेड अस्पताल में दिल की बीमारी से पीड़ित थे और वही उनकी मृत्यु हो गई। अस्पताल में ही एक घण्टा तक मृत पड़े रहे, पर नई तकनीक ने उन्हें जिन्दा कर दिया, वह अकेले नहीं है, छः और भी मृतक हैं, जिन पर इस तकनीक का जादू चल गया और उन्हें मृत के मुँह से छीन लाया गया और अब वे प्रसन्नचित्त जीवन जी रहे हैं।

फिलिप्स जिन दो नई मशीनों की सहायता से इलाज कर रहे हैं, वे हैं कार्डियोपल्मोनरी रिसससीटेशन (सी पी आर) तकनीक एवं दूसरी है पोर्टल हार्टलंग मशीन (एक्स्ट्राकोर्पोरल मेनरेन आवसीजेशन तकनीक), सी पी आर, जहाँ लगातार

उपकार

मेडिसिन टर्क बुक

यू.जी.सी. नेट/जे.आर.एफ./सेट
शिक्षण एवं शोध अभियोग्यता
(अनिवार्य प्रश्न-पत्र)



लेखक :

डॉ. के. कांटिल्य

Code No. 2225

Price : ₹ 170/-

English Edition

Code No. 1781

Price : ₹ 155/-

उपकार प्रकाशन, आगरा - 2

E-mail : care@upkar.in
Website : www.upkar.in

छाती को दबाने का काम करती है, वहीं हॉर्टलिंग मशीन रानी के जल्दरी अंगों, जैसेकि ब्रून आदि तक, ऑक्सीजन एवं रक्त का प्रवाह बनाए रखती है।

इस तकनीक के द्वारा हृदय रोग के कारण मृत सात लोगों को जीवित किया जा चुका है। दिल का दौरा पड़ने के शीघ्र कारण को समझने में भी चिकित्सकों को इस तकनीक से मदद मिलेगी। इससे इम्ब्याडिड लिविंगता का खतरा जाता रहेगा।

'स्मार्टबर्ड' - उड़ने वाला रोबोट

प्रकृति से प्रेरित होकर इंजीनियरों ने एक ऐसा रोबोट विकसित किया है, जो पक्षी की तरह स्वयं उड़ता है। इसका नाम 'स्मार्टबर्ड' रखा गया है। स्मार्टबर्ड बनाने वाले विकास एवं शोध दल के प्रमुख प्रोफेसर हाइनरिख प्रोसेंस ने बताया कि दशकों बाद यह पहला अवसर है जब विज्ञान में एक लम्बी छलांग लगाई है। उन्होंने बताया कि हमने यह ज्ञान जान लिया है कि पक्षी कैसे उड़ते हैं? इंजीनियर पहले से ही बायोनिक्स के क्षेत्र में प्रकृति पर काम कर रहे हैं। हम प्रकृति से सीखने की कोशिश कर रहे हैं।



स्मार्टबर्ड

हम यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि मछलियाँ कैसे तैरती हैं, पक्षी कैसे उड़ते हैं? शुरूआत मछलियों और पैंगविन से हुई। हमने समुद्री पिडिया ली और उसके चढ़ने के तरीके को रोबोट में अपनाया। पहली उड़ान से पहले स्मार्टबर्ड को कई परीक्षणों से होकर गुजरना पड़ा। तीन वर्ष की कड़ी मेहनत के बाद एक ऐसा उपकरण बनाया गया जिससे 300 ग्राम का पक्षी आराम से उड़ सकता है बिनाकुल असली पिडिया की तरह।

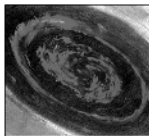
स्मार्टबर्ड में हर पुर्जों का एक विशेष काम है। एक इलेक्ट्रिक मोटर पक्षी को चलाती है। एक जटिल प्रोग्राम के द्वारा असली पक्षी की तरह उड़ने लहराया जाता है। रोबोट की मदद से स्मार्टबर्ड अपना रास्ता स्वयं तय करती है। इस प्रयोग के परिणामों का भविष्य में और क्षेत्रों में भी उपयोग किया जा सकता है।

बायोनिक सेन्टर में काम कर रहे प्रोफेसर हॉर्टलिंग मशीन पक्षियों के पंखों पर काम कर रहे हैं। वह यह जानने का प्रयास रहे हैं कि बदलती हवा किस तरह

पिडिया की प्रतिक्रिया पर प्रभाव डालती है? इस तकनीक से भविष्य में हवाई जहाजों को और सुरक्षित बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यदि आप पक्षियों की उड़ान की ज़िन्दा करेंगे, तो स्पष्ट है कि अगर उड़ान के बारे में और उड़ान की कुशलता के बारे में भी पता कर लेंगे, इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी मिलने से आप ऐसे विमान बनाएंगे जो अपेक्षाकृत अधिक तेज उड़ेंगे तथा यात्रायात के लिए सामान्य हवाई जहाजों से अधिक सुरक्षित रहेंगे। प्रकृति के पक्षियों के स्तर तक पहुँचने में हमें अभी काफी समय लगेगा।

तूफान में कैसा शनि ग्रह

शनि ग्रह इस समय भयंकर तूफान की चपेट में कैसा हुआ है। यह तूफान लगभग 10 मील व्यास का है। यह इतना बड़ा है कि इसमें सम्पूर्ण भारतीय उपमहाद्वीप समा सकता है। इस तूफान की तस्वीरें भेजी हैं कैसिनी अंतरिक्ष यान ने, जो 2004 में वहाँ मौजूद है। तस्वीरें लाल रंगधरित के रंग की हैं। तूफान की गति 330 किमी प्रति घण्टा है। यह अभी पता नहीं चला है कि तूफान कितने दिनों से चल रहा है?



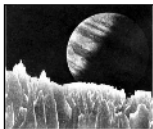
शनि पर तूफान की तस्वीर नसा ने खरी की

कैसिनी जब पहली बार शनि के निकट पहुँचा, तो वहाँ अंधेरा था। उस समय शनि पर सतही का मौसम चल रहा था। यह पहला अवसर है जब दिन के उजाले में शनि के उत्तरी ध्रुव की तस्वीरें भेजी गई हैं। यह बहुत कुछ बदली पर आने वाले तूफान जैसा है, यद्यपि यह शनि ग्रह पर है और इसका दायरा बहुत बड़ा है। इस तूफान को शनि के कक्षावर्ण में मौजूद हब्बलोजन से थोड़ा-थोड़ा पानी भी मिल रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि तूफान ध्रुव तक सीमित रहेगा, क्योंकि हब्बल ने इसे उत्तर की ओर धकेल दिया है।

यह तूफान धरती पर आने वाले तूफानों से लगभग 20 गुना बड़ा है। तूफान की ऊपरी सतह पर घनकीले बादल दिखाई पड़ रहे हैं, जो 150 मीटर प्रति सेकण्ड की गति से उड़ रहे हैं। पृथ्वी की तरह, शनि के तूफान में भी बादल काफी नीचे हैं।

यूरोपा के डरावने 'आइस ब्लेड'

बृहस्पति के 70 से अधिक चन्द्रमाओं के विवरण मिल चुके हैं, उनमें पर सबसे प्रमुख चन्द्रमा है- जो, कैलिस्टो, गैनीमेड एवं यूरोपा। 'जो' प्कालामुखियों, उबलते लावा तथा जहरीले सल्फर के गुबार से भरा हुआ है। कैलिस्टो बर्फीले चट्टानों से ढका है, गैनीमेड एवं यूरोपा पर बर्फ है, जिसके नीचे पानी का समुद्र है। कई शोध इस बात का संकेत दे रहे हैं कि यूरोपा पर तरल जल है तथा हाइड्रोजन परऑक्साइड भी हो सकती है। अतः यह माना जा रहा है कि यहाँ मानव-जीवन सम्भव है।



यूरोप पर बर्फ की नुकीली चाँदियाँ

यूरोपा के सतह में एक बड़ी कठिनाई है। यहाँ तलवार की सतह में बर्फ की लगभग 19 मीटर लम्बी-लम्बी नुकीली चाँदियाँ वैज्ञानिकों को डरा रही हैं। वैज्ञानिकों ने इसे 'पैनिटेट्स' का नाम दिया है। वैज्ञानिक प्रयास कर रहे हैं कि वहाँ बर्फ की परतों के बीच जमने लगे पानी में विद्यमान धरातल के कुछ टुकड़ों के नमूने लाए जाएँ। वैज्ञानिक यूरोपा की सतह पर रोबोट भेजकर मानव-जीवन के लिए ज़रूरी परिस्थितियों की छानबीन करना चाहते हैं। इससे वैज्ञानिक यह पता लगा सकेंगे कि कई किलोमीटर नीचे दबे समुद्र का पानी कैसा है? लगभग ये ही परिस्थितियाँ धरती पर कभी ज़िंदाई पर स्थित क्षेत्र 'एडिज' पर भी मौजूद हैं।

'पैनिटेट्स' तब बना शुरू होता है जब बर्फ की सतह सूर्य की गर्मी के कारण तपने लगती है। धीरे-धीरे बर्फ के बीच में खोपे बनने शुरू हो जाते हैं। फिर ये ही खोपे सूरज की किरणों के लिए जल बन जाते हैं जैसे-जैसे खोपे गहरे होते जाते हैं, बर्फ की लम्बी-लम्बी नुकीली चाँदियाँ बनती चली जाती हैं।

कोनेरेटो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डिनियल होबल के अनुसार पैनिटेट्स तभी बनते हैं, जब सूर्य बिलकुल शिर के ऊपर खड़ा होता है। यूरोपा, बृहस्पति के 20 मजबूत चुम्बकीय क्षेत्रों से बँधा हुआ है तथा बृहस्पति, सूर्य के मजबूत चुम्बकीय क्षेत्रों से बँधा हुआ है। इसलिए, सूर्य बृहस्पति पर एकदम सीधा ऊपर स्थित होता है।



यूरोप पर ऑक्सीजन कम है. यह भी एक समस्या है.

लौटेनी रोशनी मात्र एक इंजेक्शन से

आँख की रेटिना में नसा का अवच्छेद हो जाना आम बीमारी है. इससे आँख की रोशनी घटती जाती है. अक्सर यह कारण नस सूख जाती है, जिससे दिखना बन्द हो जाता है. इसके मिदान के लिए वैज्ञानिकों ने एक इंजेक्शन विकसित किया है, जिससे इस रोग का मिदान हो जाता है, आँख स्वस्थ हो जाती है तथा दृष्टिहीन भी पुनः देखने लगता है. इस इंजेक्शन से सरलता से किसी की खोई हुई दृष्टि लौटाई जा सकती है तथा अन्य को नेत्रहीन होने से बचाया जा सकता है.

ब्रिटेन के एडिनबर्ग विश्व प्रिंसेस अलगेजेन्डा आई हॉस्पिटल के प्रोफेसर पीटर कॉकट इस इंजेक्शन को विकसित करने वाले शोध दल के प्रमुख हैं. इन्होंने बताया कि यह इंजेक्शन सीधे आँख में लगाया जाता है. इस तरह केवल सात मिनट की एक प्रक्रिया में आँख में दवा पहुँचाई जाती है.



सीधे आँख में लगाया इंजेक्शन

रेटिना की एक नस में खून जम जाता है. खून का यह जमावा किसी पाइपलाइन में रुकावट की तरह काम करता है. जमाव के पीछे दबाव बनता है तथा रेटिना में ताजा एष

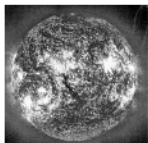
ऑक्सीजनयुक्त रक्त की आपूर्ति घट जाती है. ऐसी स्थिति में ऑक्सीजन की जरूरत को पूरा करने के लिए रेटिना की कोशिकाओं से एक पदार्थ निकलता है जिसे वेन्कुलर एंजोथेलियल ग्रोथ फैक्टर कहते हैं. यह पदार्थ नई रक्त वाहिकाओं के पनपने में मदद करता है. लेकिन इसकी जगह से रेटिना में तरल पदार्थ भरने लगता है, जिससे अंततः वेन्कुला में सूजन होने लगती है. जिसका अक्षर दृष्टि पर पड़ता है.

यदि सूजन लम्बे समय तक कायम रहती है, तो यह रेटिना की कोशिकाओं को बाँध पहुँचाती है जिससे आँखों की रोशनी घटती जाती है. नई इंजेक्शन वेन्कुलर, एंजोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के दुष्प्रभावों को रोकती है. यह रक्त-वाहिकाओं में सूजन नहीं होने देती है.

सूर्य की चमक का कारण चुम्बकीय सौलर हाटबीट

विभिन्न ग्रहों के अध्ययन के लिए उनकी सतहों पर अत्यधिक यान और रोबर उठाए जाते हैं, जो लम्बे समय तक ग्रह की संरचना, उसकी जलवायु स्थिति, वायुमण्डल एवं उससे सम्बन्धित विभिन्न तथ्यों का व्यापक अध्ययन करते हैं. इस विधि से सूर्य का अध्ययन सम्भव नहीं है, क्योंकि सूर्य एक गैसीय गोला है और उसकी सतह का ताप भी काफी ऊँचा है. सूर्य के आन्तरिक भाग के अध्ययन में भी ये कठिनाइयाँ हैं. अतः वैज्ञानिकों ने वैकल्पिक विधि से सूर्य का अध्ययन किया और पाया कि सूर्य के आन्तरिक भाग में एक चुम्बकीय हाटबीट सौलर उत्पन्न करता है और इसी से सूर्य में चमक आती है.

यह नया अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ मांट्रियल के प्रोफेसर पीला थोरबोन्सू के नेतृत्व में किया गया. उन्होंने बताया कि सूर्य के आन्तरिक भाग का अध्ययन दशकों से कठिन समस्या रही है. इस तरह का पहला प्रयास 1980 में किया गया था, लेकिन उस समय सूर्य के ऊपर की हलचल के बारे में पूर्ण जानकारी नहीं मिल सकी थी. बड़े और छोटे दोनों तारों पर हलचलें होती हैं. जब हलचल से उत्पन्न ऊर्जा उत्सर्जित होती है, तो यह छोटे नंबर के रूप में आगे बढ़ती है.



हाटबीट की स्थिति में सूर्य

प्रोफेसर थोरबोन्सू ने बताया कि उत्सर्जन की प्रक्रिया के दौरान सूर्य अक्सर काले धब्बे उत्पन्न करता है, जो कुछ हद तक सूर्य को धुँधला कर देता है. यह छोटी चुम्बकीय संरचनाओं का भी निर्माण करता है, जो इसकी सतह को चमकीला बनाती है.

●●●

AS PANINI CLASSES

Hindi Litt. में 90% छोटा Syllabus

संस्कृत साहित्य

14 July, 9 AM & 6 PM

पूरे भारतवर्ष में हिन्दी माध्यम का दोनो टॉर्न्स संस्कृत सल्लिय से CSE-2012-13

AIR 8
VANDANA

प्रथम प्रयास
में ही टैमपार में
हिन्दी माध्यम में
प्रथम स्थान

330

AIR 20
PRIYANKA MIRANJAN
(New Graduate)

मेरी प्रथम रीज प्रथम में रजिस्ट्रार एवं
सचिवता में पदवी से बहुत बड़ी
सफलता मिली है। केवल हिन्दी माध्यम में
विशेष रूप से मेरी सफलता का कारण है।
मेरी प्रथम रीज प्रथम में ही टैमपार एवं
संस्कृत में प्रथम प्रथम में 20वीं रैंक
पद सहायक प्रिन्सिपल सचिव
2012-2013, पद नं. 1772

AIR 50
RAJAN SINGH
(SC/ST)

राजेश चव्हाण की पुस्तक परी
जाने का कारण है। यह प्रथम
अध्ययन को अध्ययन के कारण
परी और संस्कृत में सफलता
मिले, प्रथम। मा. के अतिरिक्त में
50 रीज प्राप्त की।

राजेश सिंह (SC-2013)

42 Mall Road, Hudson Lane, Kingsway Camp, Delhi-110009 | 011-27606274, 09958122675, 09312100162

धैर्य व आत्मबल के साथ निरन्तर मेहनत, मेरी सफलता का मूलमन्त्र है.

—काना राम

सिविल सेवा परीक्षा, 2012 में हिन्दी माध्यम से 54वें स्थान पर चयनित

संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित आई.ए.एस. परीक्षा में 54वें स्थान पर चयनित होकर काना राम ने एक सम्मानजनक उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण पत्रिका के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटकाता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत हैं.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में हानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

काना राम—धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट हैं और उच्च सफलता के प्रति आशावान हैं ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

काना राम—जी हाँ. इस समाचार पर मेरी पहली प्रतिक्रिया रही, "परिणाम परिश्रम के अनुरूप ही होता है" और इसके बाद मैंने अपने परिवार एवं मित्रों के साथ खुशियाँ मनाई.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

काना राम—आई.ए.एस., आई.पी.एस., आई.आर.एस. एवं आई.एफ.एस. इसका कारण कर्मा क्षेत्र की व्यापकता एवं प्राणीय पृष्ठभूमि रहा.

प्र. द.—वैकल्पिक विषयों का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

काना राम—वैकल्पिक विषयों के चयन के समय स्वयं की रुचि, मार्गदर्शन एवं पाठ्य-सामग्री की उपलब्धता तथा सिविल सेवा परीक्षा में वैकल्पिक विषयों के प्रदर्शन को ध्यान रखना आवश्यक है.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

काना राम—वैकल्पिक विषय—

(1) भूगोल, (2) इतिहास.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषयों के चुनाव का आधार क्या रहा ?

काना राम—उत्कृष्ट विद्वत् जी मेरे वैकल्पिक विषयों के चुनाव का आधार रहे. मेरे दोनों प्रयासों में दोनों ही वैकल्पिक विषय रहे.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

काना राम—द्वितीय.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को प्रकाश दे सकते हैं ?



..... प्रतियोगिता दर्पण में समस्तनैतिक पटनाऊन के साथ विशेषज्ञानक लेख के कारण वह पत्रिका दुष्ट मानकों के बहुत करीब है.

काना राम—मुझे लगता है कि पिछले प्रयास में कुछ कमी रही नहीं थी, उसी को दूर कर इस बार सफलता सुनिश्चित की.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ?

काना राम—वही कि सफल उम्मीदवार कुछ अलग नहीं करते, बल्कि चनाका कार्य करने का तरीका अलग होता है. मैं बलवन्त सिंह जी (I.A.S.) और पद्मजी मिश्रा (I.R.S.) से प्रभावित हुआ.

प्र. द.—क्या प्रारम्भिक परीक्षा में आए बदलावों के कारण ही आप इस परीक्षा की ओर आकर्षित हुए या पहले से ही तैयारी कर रहे थे ?

काना राम—मैं पहले से ही तैयारी कर रहा था और पिछले प्रयास में प्रारम्भिक परीक्षा का सामना कर चुका था.

प्र. द.—नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

काना राम—अब प्रारम्भिक परीक्षा में वैकल्पिक विषय नहीं रहा. अतः सामान्य अध्ययन के व्यापक व विस्तृत अध्ययन के साथ CSAT प्रश्न-पत्र में अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने हेतु पूर्वगम्यता आवश्यक है.

प्र. द.—आपकी प्रश्न-पत्र 1 (सामान्य अध्ययन) और 2 (अभिवृत्ति परीक्षा) की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

काना राम—प्रश्न-पत्र 1 में परम्परागत विषयों के अध्ययन के साथ-साथ सामान्य-विक घटनाओं से सहसम्बन्धित होने का प्रयास किया. प्रश्न-पत्र 2 में अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रयास किया.

प्र. द.—त्रिभाषिक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

काना राम—नेगेटिव मार्किंग से ज्यादा खरने की जरूरत नहीं है. सकलरत्नक सांघ के साथ प्रश्नों को यथासम्भव हल करने का प्रयास करना चाहिए. यदि दो विकल्पों में से एक का चयन करना हो, तो ऐसे प्रश्नों को छोड़ना नहीं चाहिए.

व्यक्ति परिचय

नाम—काना राम

पिता का नाम—श्री गेय राम

माता का नाम—श्रीमती सुषमा देवी

संशिक्ष योग्यता—

10th—2002, RBSE, Ajmer, 67%

12th—2004, RBSE, Ajmer, 71%

B.A/B.Sc.—2007, JNU, Jaipur, 76%

M.A/M.Sc.—2010, MD5U, Ajmer, 63%

पूर्व बचन—राम सेवक एवं पदम सचिव,

पंचायती राज, राजस्थान वरिष्ठ अध्यापक

(विज्ञान), माध्यमिक शिक्षा विभाग, राजस्थान

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पठला कदम सबसे कठिन होता है. शुरु में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहां से मिली ?

काना राम—मुझे सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी सम्बन्धी सही सलाह श्री दिलीप जी मेहता से प्राप्त हुई. स्निग्धार्थ अकादमी, जयपुर से मुझे इस परीक्षा की तैयारी हेतु सही मार्गदर्शन प्राप्त हुआ.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

काना राम—मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए मैंने विषय-वस्तु के संक्षिप्त नोट्स तैयार करने के साथ लेखन-शैली पर विशेष जोर दिया. इस हेतु मैंने टैटल शीट्स भी ज्वाइन की थी.



Code No : 679

मूल्य : ₹ 220/-



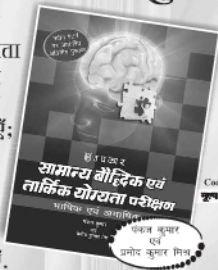
Code No : 1145

मूल्य : ₹ 320/-

Just Released बौद्धिक एवं तार्किक क्षमता

प्रश्न और उनके विस्तृत उत्तरों सहित
उपकार की पुस्तकें

ये पुस्तकें
प्रतियोगिता
परीक्षाओं
में आपके
काम आएँ;
आपका
बौद्धिक
एवं
तार्किक
स्तर बढ़ाएँ.



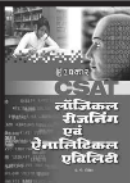
Code No : 1141

मूल्य : ₹ 410/-



Code No : 135

मूल्य : ₹ 160/-



Code No : 2056

मूल्य : ₹ 140/-



Code No : 1024

मूल्य : ₹ 340/-



Code No : 125

मूल्य : ₹ 70/-

उपकार प्रकाशन

E-mail : upkar@upkar.in
Website : www.upkar.in

2/11 ए. ए. ए. रोड, नया रास्ता, आगरा - 202 002 फोन : 4053333, 2531101, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
ईमेल : upkar@upkar.in
• 1-8-118, 8/8, बौद्धिक योग्यता परीक्षा के लिए, भगवाण एन.ए. रोड के पास (ब), बंगलौर-560 002 फोन : (080) 66753330
• दिल्ली-110 003, कानपुर-208 003 फोन : (0512) 2675340

प्र. द.-आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

कान्ना राम-मैंने निबन्ध के लिए कोई कोविंग नहीं ली; कोविंग संस्थान में होने वाली डिबेट तथा दोस्तों के साथ चर्चा उपयोगी सिद्ध हुई।

इस प्रयास में मैंने पीपीवी विषय पर निबन्ध लिखा। इस विषय को चुनने का आधार इसकी प्रासंगिकता व इसके बारे में मेरे पास विचारों की स्थित समृद्ध रही।

प्र. द.-समय प्रबन्धन को लें तो इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई ?

कान्ना राम-मेरी लेखन गति थोड़ी धीमी है ऐसे में मैंने लव्ड-सीमा, भीतर ही उत्तर लिखने का प्रयास किया और समय का ध्यान रख सभी प्रश्नों को हल करने का प्रयास किया।

प्र. द.-साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

कान्ना राम-साक्षात्कार हेतु मैंने अपने किताब एवं मित्रों के साथ चर्चा कर प्रमुख विषयों पर अपने ध्येय तैयार किए।

प्र. द.-आपका साक्षात्कार किसे बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ?

कान्ना राम-मेरा साक्षात्कार डॉ. गुरु-शोचन अग्रवाल के बोर्ड में हुआ। मेरा अनुभव बहुत अच्छा रहा और मैं अपने साक्षात्कार से सन्तुष्ट रहा।

प्र. द.-आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

कान्ना राम-मेरे साक्षात्कार में पूछे गए प्रश्नों में अधिकांश स्वाच्छाब्दों को कवर किया गया। इसमें मुख्यतः मेरे दोनों वैकल्पिक विषयों भूगोल एवं इतिहास, गुरु रामचंद्र व गुरु जिला, मेरे वर्तमान कार्य ग्राम सेवाक आदि पर प्रश्न रहे।

कुछ प्रश्न समतासमिकी से भी रहे जैसे सोशल मीडिया, ग्लोबल वार्मिंग तथा कुछ प्रश्न मेरी रुचियों के बारे में भी रहे।

प्र. द.-सिविल सेवा-केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

कान्ना राम-सिविल सेवा ही मेरा एकमात्र लक्ष्य था। कैरियर विकल्प की मुझे कोई चिन्ता नहीं थी, क्योंकि मैं पहले से ही राजगारतृ था।

प्र. द.-आप के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बदौती प्रतिस्पर्धा की भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे।

आखिर किस पीछे ने आपको जोस बरकरार रखा ?

कान्ना राम-सिविल सेवाओं की प्रतिष्ठा व व्यापक कार्यक्षेत्र ने मेरा जोस बरकरार रखा।

प्र. द.-किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ?

कान्ना राम-सिविल सेवा परीक्षा में बैठने के लिए स्नातक के अंतिम वर्ष में तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। लगभग डेढ़ से दो वर्ष का समय इस तैयारी के लिए देना चाहिए।

प्र. द.-आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएँ ज्यादा हैं ?

कान्ना राम-ऐसा कुछ नहीं है। किसी भी विषय में अच्छे अंक विषयवस्तु पर अपनी पकड़ से सम्भव होते हैं।

प्र. द.-आपके अनुसार, इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

कान्ना राम-हाल ही के वर्षों में हिन्दी माध्यम वाले भी उत्तम रैंक प्राप्त कर रहे हैं। फिर भी अग्रणी माध्यम वाले तुलनात्मक रूप से जगप्रद स्थिति में होते हैं।

प्र. द.-आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

कान्ना राम-मुझे सिविल सेवाओं की समग्र स्नातक शिक्षा के दौरान विकसित होनी शुरू हो गयी थी, परन्तु वास्तविक महत्व बाद में अनुभव हुआ।

प्र. द.-वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला किया ?

कान्ना राम-मैंने स्नातक डिग्री पूर्ण होते ही इस परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी थी।

प्र. द.-क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी लक्ष्य बनाई थी ?

कान्ना राम-मैंने आईएएस में चयन हो आने लिए लक्ष्य रखा था कोई समय-सीमा में नहीं बना।

प्र. द.-इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का ?

कान्ना राम-सिविल सेवाओं की ओर आकर्षण और इसमें बैठने का मेरा व्यक्तिगत निर्णय था।

प्र. द.-क्या अर्थव्यवस्था के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय हानियों का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

कान्ना राम-यदि इरादे मजबूत हैं, तो किसी स्थिति विशेष का कोई प्रभाव नहीं पड़ता।

प्र. द.-आपकी सफलता का मूलमन्त्र क्या है ?

कान्ना राम-मेरी सफलता का मूलमन्त्र धैर्य व आत्मबल के साथ निरन्तर मेहनत है।

व्यक्तिगत विशेषताएँ
पसंदीदा व्यक्तित्व-महान्ता गान्धी
कविताएँ-सूर्य्य एवम् और लोक गीत गाना

प्र. द.-अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

कान्ना राम-मैं अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवारियों, शैक्षिक गुरु दिलीप सिंह जी महोदय व मित्रों रविन्द्र, नथमल किटेल, जयपाल, हरिशोम को देता हूँ।

प्र. द.-इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

कान्ना राम-एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में विषय की तथ्यवार जानकारीयों के साथ लक्ष्य कालि का विश्लेषण होना आवश्यक है।

प्र. द.-भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्शन को इन मानकों के कितना कटीब पाया ?

कान्ना राम-प्रतियोगिता दर्शन में सामान्यिक घटनाक्रम के साथ प्रिस्तुपण युक्त लेख के कारण यह पत्रिका गुप्त मानकों के बहुत कटीब है।

प्र. द.-क्या आपने सिविल सेवा परीक्षा से सम्बद्ध अतुल कपूर द्वारा लिखे लेख पढ़े और इन्हें तैयारी के सन्दर्भ में उपयोगी पाया ?

कान्ना राम-यह लेख मैंने पढ़े हैं और तैयारी में उपयोगी सिद्ध हुए।

प्र. द.-क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तताओं की सीरीज का उपयोग किया जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

कान्ना राम-मैंने प्रतियोगिता दर्शन के अर्थव्यवस्था के अतिरिक्तताओं का अध्ययन किया।

प्र. द.-कोई सुझाव या सन्देह अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

कान्ना राम-सिविल सेवा परीक्षा की परिवर्तित प्रकृति के अनुसार, स्वयं अनुकूलित कर धैर्य के साथ निरन्तर परिश्रम करें।

प्र. द.-आपके उज्ज्वल भविष्य के हार्दिक शुभकामनाएँ।

कान्ना राम-धन्यवाद।



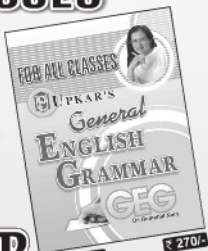
JUST RELEASED

FOR ALL CLASSES

UPKAR'S

General

ENGLISH GRAMMAR



Code 1768

₹ 270/-

Dr. Ramphal Nain

The Main Features of the Book

- The teaching of grammar must be interesting and exciting. Author has made an attempt in this direction.
- This book explains basic concepts of English grammar in a pleasing way.
- It has been written in simple and idiomatic language.
- The style of the book is almost accessible to the students of all I.Q.'s.
- There is an extensive treatment of each topic with a variety of questions covering all units of grammar including sentences, tenses, articles, adjectives, adverbs, verbs, question tags, syntax, interjections, nouns, pronouns, prepositions, conjunctions, determiners, narrations, voices, punctuation, word confusion, synonyms, antonyms, clauses, synthesis of sentences and daily use sentences with proverbs.
- Hindi equivalents of grammatical terms have been given to facilitate the study of English grammar by comparison and contrast. The new terms and concepts have been explained to acquaint the reader with the emerging trends in the study of grammar.
- It gives proper and in-depth understanding of correct and good English.
- Each rule is followed by examples depicting its usage.
- This book explains troublesome grammatical aspects and how to avoid typical mistakes with a certain usage.
- The exercises for practice are adequate, simple, varied, well selected and carefully graded to evaluate learning progress.
- An ideal book for all classes and competitive examinations.

UPKAR PRAKASHAN

(An ISO 9001:2001 Company)

2/11 A, Swadeshi Bima Nagar, AGRA-202 002 Ph. : 4053333, 2530906, 2531101 Fax : (0562) 4053330

● E-mail: ramos@upkar.in

● Website: www.upkar.in

Branch Offices: ● New Delhi Ph. : 011-3325164/65 ● Hyderabad Ph. : 040-06753330 ● Patna Ph. : 0612-2673340



सफलता का कोई मूलमंत्र नहीं होता और न ही शॉर्ट-कट

—रजनी सिंह

सिविल सेवा परीक्षा, 2012 में हिन्दी माध्यम से 50वें स्थान पर चयनित

संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठित आईएएस परीक्षा में 50वें स्थान पर चयनित होकर रजनी सिंह ने एक सम्मानजनक उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हंगरी हादिक बधाई की पात्र है, प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

सुखी रजनी—धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्काम्यन से सन्तुष्ट थीं और उच्च सफलता के प्रति आशावान थीं? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही?

सुखी रजनी—यह मेरा अन्तिम प्रयास था. अपनी तैयारी का देखते हुए मुख्य परीक्षा व साक्षात्कार के बाद सफलता की काफी आशा थी. मुझे सफलता का समाचार सुनकर बहुत प्रसन्नता हुई.

प्र. द.—हम सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है?

सुखी रजनी—आईएएस, आईएएस, आईएएस. आईएएस आदि. प्रासासिक सेवाओं के व्यापक कार्यक्षेत्र व जनसेवा के अवसर को देखते हुए इसे प्राथमिकता दी.

प्र. द.—वैकल्पिक विषयों का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

सुखी रजनी—वैकल्पिक विषयों का चुनाव करते समय अपनी पृष्ठभूमि, विषय की समझ तथा अपनी रुचि का ध्यान में रखना चाहिए. केवल विषय की लोकप्रियता के आधार पर चयन नहीं करना चाहिए.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषयों के चुनाव का आधार क्या रहा?

सुखी रजनी—वैकल्पिक विषय चुनाव में भूगोल हेतु मेरा आधार इसकी विषय-वस्तु की समझ रही. संस्कृत के लिए सरस्वती स्कूल की शिक्षा के कारण मेरी रुचि उत्पन्न हुई.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे?

सुखी रजनी—(1) भूगोल और (2) संस्कृत.

प्र. द.—आपने सभी प्रयासों में वैकल्पिक विषय यही रखे या कोई परिवर्तन किया?

सुखी रजनी—सभी प्रयासों में मैंने यही वैकल्पिक विषय रखे.



... इस परीक्षा की तैयारी हेतु तथ्यात्मक सप्तसप्ताहिकों के साथ विभिन्न मुद्रों पर विश्लेषणात्मक समीक्षा, अन्तर्भूत सम्बन्धों, विज्ञान एवं तकनीकी आदि सम्बन्धी ज्ञान-कारियों का संकलन प्रतियोगिता दर्पण की विशेषता है.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था?

सुखी रजनी—चौथा एवं अन्तिम प्रयास.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखती हैं?

सुखी रजनी—इससे पहले मैं तीन प्रयास कर चुकी थी और तीनों बार साक्षात्कार तक पहुँची. परन्तु अन्तिम सफलता नहीं मिल पाई. प्रथम प्रयास में तैयारी उच्च स्तर की नहीं हो पाई थी, परन्तु दूसरे और तीसरे प्रयास में चयन की आशा रही थी.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचती थीं?

सुखी रजनी—मुझे लगता था कि टॉपर्स कुछ विशिष्ट प्रतिभा के धनी होते हैं. अपने कोशित संस्धान में अध्ययन के दौरान मुझे कई टॉपर्स से मिलने का अवसर प्राप्त हुआ और उनका मार्गदर्शन भी मिला. सानु, साहू, प्रतिभा पाल, भानु मोस्वामी, विपुल उन्नावल, सदानन्द आदि कई टॉपर्स से प्रेरणा मिली.

प्र. द.—क्या प्रारम्भिक परीक्षा में आप बदलावों के कारण ही आप परीक्षा की ओर आकर्षित हुईं या पहले से ही तैयारी कर रही थीं?

सुखी रजनी—मैं पहले से ही तैयारी कर रही थी. बदलावों के पूर्व मैं दो बार परीक्षा

दे चुकी थी और प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण की थी.

प्र. द.—नए कलेबर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही?

सुखी रजनी—मुख्यतः समय प्रबन्धन पर विशेष ध्यान रहा. गणित एवं रीजनिंग के अधिकरण प्रश्नों को हल करने का महत्व दिया. साथ-साथ अधिक-से-अधिक अन्वेष किया और इसके लिए टेस्ट सीरिज दिए.

व्यक्ति परिचय

नाम—रजनी सिंह
पिता का नाम—श्री सुजयिमान सिंह
माता का नाम—श्रीमती दुर्गा सिंह
शैक्षिक योग्यता—

हाईस्कूल—एम. टी. बोर्ड नौपल, सरस्वती हारर सेकण्डरी (सन्तान) 2001

इन्टरमीडिएट—एम. टी. बोर्ड, नौपल सरस्वती हारर सेकण्डरी (सन्तान) 2003

बी.ई.—आरपीटीसी (नौपल) नवम्बर 2007
इंजीनियरिंग कॉलेज, जबलपुर (म. प्र.) 72%, 2007

पूर्व चयन—
एमपीपीएसए अतिरिक्त हायरसेक्टर, ऑडिट

प्र. द.—आपकी प्रश्न-पत्र—1 (सामान्य अध्ययन) और 2 (अभिवृत्ति परीक्षा) की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही?

सुखी रजनी—सामान्य अध्ययन के लिए अधिक-से-अधिक तथ्यात्मक स्मरण एवं विभिन्न विषयों का विश्लेषणात्मक अध्ययन. प्रश्न-पत्र-2 के लिए अधिक-से-अधिक प्रश्न-पत्रों पर अभ्यास किया.

प्र. द.—ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती?

सुखी रजनी—ऐसे प्रश्न जिनके उत्तर पूर्णतः या अंशतः ज्ञात थे, उन्हें हल किया तथा 50 प्रतिशत से अधिक संशय वाले प्रश्नों का छोड़ दिया. क्योंकि प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु 55 प्रतिशत अंक पर्याप्त होते हैं. इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए जवदा जोखिम नहीं लिया.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है, शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहीं से मिले?

सुश्री राजनी—शुरू में तैयारी के लिए मुझे सही सलाह अपने परिचितों से मिली, जो इस क्षेत्र में तैयारी कर रहे थे। इसके बाद कोचिंग संस्थान में पाठ्यक्रम व लेखन शैली सम्बन्धी मार्गदर्शन मिला। मैं भाष्यशास्त्री रही कि बिना भटके मैं सही कोचिंग संस्थान और कमल देव सर से मिली और उनके सटीक मार्गदर्शन में मैंने अपने चारी प्रयासों में इंटरव्यू तक पहुँचने में सफलता पाई।

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया?

सुश्री राजनी—मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए विभिन्न विषयों के लिए समय निर्धारित किया, वैकल्पिक विषयों के साथ-साथ सामान्य अध्ययन पर विशेष ध्यान दिया। इसके लिए इंटरनेट से भी जानकारी जुटाने का प्रयास किया। लेखन पैटर्न अध्ययन फोकस करते हुए मैंने और दीपा (रेक-52) ने उत्तर-लेखन का अभ्यास किया, परिणाम यह हुआ कि सामान्य अध्ययन में इस बार सर्वाधिक अंकों में मेरा 271 अंक और दीपा का 279 शामिल रहा।

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की?

सुश्री राजनी—निबन्ध के सम्बन्ध में कोई विशेष तैयारी नहीं की। निबन्ध संरचना तथा शैली के सम्बन्ध में कोचिंग संस्थान में निबन्ध सम्बन्धी कक्षा की तथा एक-दो निबन्ध लिखकर अभ्यास किया।

निबन्ध लिखने के लिए 'गंभीजी', 'स्वाधीनता, स्वतन्त्रता व स्वराज' सम्बन्धी विषय चुना।

पुस्तकों की सूची

मुख्य परीक्षा

सामान्य अध्ययन-इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध, संविधान, टेक्नोलॉजी-निर्माण, आईएस के नोट्स, योजना, कुलक्षेत्र व दैनिक ज्ञापन समग्र-पत्र.

ऐकिक प्रथम-सुगोल

भौतिक भूगोल-सविन्द सिंह, पी. दयाल जलवायु विज्ञान-डी. एस. लाल भारतीय भूगोल-शिकारी

मानव भूगोल, भौगोलिक विज्ञान-सविन्द सिंह

NCERT-10th & 12th

अलोक रंजन सर व आशीष मिश्रा सर के नोट्स

ऐकिक द्वितीय-संस्कृत

केलाक विहारी सर (फमिनी) व रंजीत मिश्रा सर के नोट्स

लघु विज्ञान कौमुदी, संस्कृत साहित्य का इतिहास, उपासकर कर्मा कवि, रबानुवाद कौमुदी व संस्कृत NCERT, अविज्ञान राजकुलम्, मेघदूत, रघुवंश, नीतिरत्नक, स्वयंसाधनता आदि.

प्र. द.—समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई?

सुश्री राजनी—समय प्रबंधन को लेकर ज्यादा कठिनाई नहीं हुई। विषयों के अनुसार अपने समय का विभाजन कर अध्ययन किया। परीक्षा में भी उत्तर लिखते समय प्रबंधन का ध्यान रखा। इसके लिए संस्थान में दिए टेस्ट उपयोगी रहे।

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की?

सुश्री राजनी—साक्षात्कार हेतु अपने बायो-डाटा सम्बन्धी पूर्ण जानकारी एकत्रित की। समसामयिकी मुद्दों का गहन अध्ययन किया तथा समूह बनाकर चर्चा की। प्रस्तुतीकरण को सुचारुने के लिए मॉडल इंटरव्यू दिए और ग्रुप डिस्कशन आदि में भाग लिया।

प्र. द.—आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा?

सुश्री राजनी—मेरा अनुभव अच्छा रहा। साक्षात्कार अलका सिलोही मैदान के बोर्ड में रहा। बोर्ड का देखा सहयोगालक रहा।

प्र. द.—आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए?

सुश्री राजनी—साक्षात्कार में तथ्यात्मक और विश्लेषणात्मक दोनों प्रकार के प्रश्न किए गए, जो मेरी वर्तमान सेवा, गृह जिले, इलेक्ट्रॉनिक्स (ग्रुपेशन प्रोड्यूसि), भूगोल, संस्कृत, समसामयिकी मुद्दों से सम्बन्धित थे।

प्र. द.—सिविल सेवा-केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और केरियर विकल्प के लिए साक्ष-साक्ष तैयारी कर रही थी?

साक्षात्कार में पूछे गए प्रश्न

RTE के लिए वर्ष 2013 क्या महत्वपूर्ण है? वर्तमान में सबसे तेज गति कम्प्यूटर कौनसा है? MIS क्या है? सतना की विशेषताएँ, पीके सीटेलगुट पीजे, इलेक्ट्रॉनिक्स इलेक्ट्रॉन, सेमीकंडक्टर स्टैटिस्टिक LED, कारिदास के समय में 'अब करियर गाइड' का महत्व, मेघदूत में किसका वर्णन किया गया है? स्थानीय स्वशासन क्या है? भारत में इसकी अब हालत हुई, Rule water harvesting क्या है? गृह जिले में सेवा करते हुए क्या समस्याएँ हैं? बताइए कौन हैं? उन्हें कैसे सेवा करती है?



निर्माण IAS

हिन्दी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ संस्थान

-कमल देव (K.D.)

सफलता का पथ

नए पाठ्यक्रम पर आधारित सम्पूर्ण नोट्स एवं विशेषज्ञों के साथ कक्षा उपलब्ध

सामान्य अध्ययन

(Registration Open)

तृतीय बैच ▶ 13 July 6 PM कार्यशाला ▶ Regular Batch Time: 9 AM

TEST SERIES start from 7 JULY QIP After PT Results CSAT/HISTORY

624, 11th Floor, Mukherjee Nagar (Near Agarwal Sweets) Delhi-9 # 011-47088219, 9691327521
12 Mall Road Hudson Lane, Kingsway Camp, Delhi-09 # 9990765484 (पत्राचार उपलब्ध)
BANGALORE BRANCH: 2/3, Adiz Complex, New Khandasara colony, Phoenix Bagh Road, Infront of G.D.A Office Ph:- 9753002277 - 86

सुश्री रजनी—सिविल सेवा ही एकमात्र लक्ष्य था, विकल्प के रूप में मेरे पास वर्तमान सेवा थी, जिसने ध्यान 2010 में मध्य प्रदेश लोक सेवा परीक्षा द्वारा हुआ है.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लूनावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी से लगी रही. अधिकतर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा?

सुश्री रजनी—निजी क्षेत्र व सिविल सेवाओं की कोई तुलना नहीं की जा सकती है. दोनों क्षेत्र अच्छे हैं. यह अपनी रुचि का विषय है कि इन किस क्षेत्र में काम करना चाहते हैं. सिविल सेवा में कार्य का व्यापक क्षेत्र, जनसेवा का अवसर, सामाजिक प्रतिक्रिया आदि प्रेरित करते हैं.

प्र. द.—जिस तैयारी स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए?

सुश्री रजनी—स्नातक स्तर से ही तैयारी के बारे में विचार करना चाहिए. इसकी तैयारी में लगभग एक से दोहरे वर्ष का समय लगता है. लेकिन सिविल सेवा परीक्षा की प्रकृति और बदलते पैटर्न को देखते हुए कोई समय सीमा तब नहीं की जा सकती.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा

व्यक्तिगत — डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम.

सबत पस — होर्वा, मिसरीत परिस्थितियों में

भी ज्यादा तनाव न होना.

दुर्बल पक्ष — मन शीघ्र विचलित होना.

रुचियाँ — हिन्दी फिल्मों के गाने सुनना,

इंटरनेट सैफ़रिंग.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं?

सुश्री रजनी—विज्ञान विषयों में मानविकी विषयों की अपेक्षा अधिक अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं हैं, ऐसा नहीं कहा जा सकता. दोनों में ही अच्छी तैयारी व लेखन क्षमता द्वारा अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार है?

सुश्री रजनी—इस परीक्षा में सफलता का माध्यम से सीधा सम्बन्ध नहीं है. सभी स्तरों में हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों को अवसर प्राप्त है. समग्र अध्ययन तथा

विषयों की अच्छी समझ हो, तो किसी भी माध्यम के साथ सफलता प्राप्त की जा सकती है.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ?

सुश्री रजनी—विद्यालय में शिक्षा के समय से ही आईएएस, आईपीएस व अन्य सिविल सेवाओं के कार्यों को देखने का अवसर मिला, जिससे सिविल सेवाओं की गरिमा व महत्व का अनुभव हुआ तथा इन सेवाओं में कैरियर बनाने के लिए तैयारी कर इन सेवाओं में शामिल होने का विचार दृढ़ हुआ.

प्र. द.—वह क्षण कब आया, जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तल्लाने का फैसला किया?

सुश्री रजनी—मेने इंजीनियरिंग करने के बाद ही सिविल सेवाओं में कैरियर बनाने का निर्णय लिया था.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी?

सुश्री रजनी—कोई समय सीमा तब नहीं की थी, परन्तु प्रथम प्रयास से ही पूर्ण प्रयत्न किया, परीक्षा में सफल होने का तथापि सफलता चाहे प्रयास में निजी.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का?

सुश्री रजनी—यह निर्णय मेरा अपना था और मेरे इस निर्णय में मेरे माता-पिता, भाई-बहन, मित्रों आदि ने समर्थन दिया व पूर्ण सहयोग प्रदान किया.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है? यदि हाँ, तो कैसे?

सुश्री रजनी—निश्चित रूप से व्यक्ति की पृष्ठभूमि व परिस्थिति का प्रभाव पड़ता है, क्योंकि इस परीक्षा में शैक्षिक व बौद्धिक स्तर अति महत्वपूर्ण है. साथ ही अधिक साधनों की भी आवश्यकता पड़ती है, परन्तु यदि नियम दृढ़ है, तो यह परिस्थितियों को बाधक नहीं बन सकती.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है?

सुश्री रजनी—तनाव रहित होकर अपनी पूरी लगत व मेहनत से तैयारी करनी चाहिए. मेरे विचार से सफलता का कोई मंत्र नहीं होता और न ही कोई शॉर्ट-कट.

विभिन्न विषयों पर अपने व्यक्तिगत नोट्स बनाना सिनाप्सिस बनाना सफलता हेतु उपयोगी होता है.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे?

सुश्री रजनी—मेरी सफलता का श्रेय सर्वप्रथम ईश्वर को, मेरे माता-पिता, बड़े भाई रवि प्रताप, बहन रश्मि, मेरे धर्मपति विजय दीपावती व जिनके, जिन्होंने मेरा संवेल बनाए रखा तथा निर्माण IAS के कमल देव सर, विज्ञानों प्रारम्भिक परीक्षा से लेकर सम्भाकार तक हर स्तर पर हर विषय में मार्गदर्शन दिया. साथ ही केलास बिहारी सर (पाणिनी क्लासेस), आशीष सर (मृगोल) का भी सहयोग मिला. दिल्ली में मेरे साथी भारतीय, प्रीति, सपना, रंजिता, अल्पना आदि का भी हर सम्भव सहयोग मिला.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मूलक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष समग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखती है?

सुश्री रजनी—इस परीक्षा की तैयारी हेतु तथ्यात्मक समसामयिकों के साथ विभिन्न मूर्तों पर विश्लेषणात्मक सामग्री, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों, विज्ञान एवं तकनीकी आदि सम्बन्धी जानकारी का संकलन प्रतियोगिता दर्शन की विशेषता है.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे?

सुश्री रजनी—ईमानदारी प्रयास सभी असफल नहीं होता है. इसलिए परीक्षा की आवश्यकताओं को देखते हुए लगन से प्रयास करें तथा परीक्षा में रहे परिकल्पना के प्रति सकरात्मक विचार रखें.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं.

सुश्री रजनी—धन्यवाद.

●●●

UPKAR'S New Edition

Essentials of

Banking & Finance

(For Banks & Other Competitive Exams.)

By : Gautam Majumdar

Code No. 1776 Price : ₹ 75/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

● E-mail : info@upkar.in ● Website : www.upkar.in

—नथमल डिलेल

सिविल सेवा परीक्षा, 2012 में हिन्दी माध्यम से
35वें स्थान पर चयनित

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में ज्ञानदार सफलता पर प्रतिष्ठापिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

श्री टिप्पण-बहुत-बहुत, धन्यवाद

प्र. द.—क्या आप इस प्रवास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री डिडेल—जी हाँ, मैं अपने प्रयास से सन्तुष्ट था और सफलता के इस समाधार से मैं और मेरे मित्र काम लेंगे।

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री टिठेल—आईएस, आईपीएस, आईआरएस, आईएफएस, ग्रामीण पृष्ठभूमि के कारण देश में रह कर ही कार्य करने का सोचा।

प्र. द.—वैकल्पिक विषयों का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री डिंडेल-अपनी रुचि, अध्ययन सामग्री की उपलब्धता एवं पिछले वर्षों का प्रदर्शन आदि कारकों को ध्यान में रखते हुए अपने वैकल्पिक विषयों का चुनाव करना चाहिए।

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री डिडेस-1. भूगोल, 2. हिन्दी भाषा का साहित्य.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषयों के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री टिडेल—अपनी विज्ञान की पुष्टभूमि,
एवं दोनों विश्वों में अध्ययन सामग्री

शिविता दर्पण/अगस्त/2013/61



..... विविध सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए प्रतियोगिता दर्शन अत्यन्त उपयोगी पत्रिका है। मेरा इससे भावनात्मक सम्बन्ध रहा है और मेरी सफलता में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

की उपलब्धता के आधार बना मैंने अपने विषयों का चुनाव किया.

प्र. ८.—यह आपका कौनसा प्रवास था ?

श्री लिङ्गेय-प्रथम

प्र. द.-अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के खारे में क्या सोचते थे ?

श्री डिजेल-टॉपर्स के बारे में यह ही सोचा था कि वह भी मुझ जैसे इन्सान ही होते हैं। अतः आईएस बना जा सकता है। मैं पदम जी मिर्धा से प्रभावित था।

प्र. द.—क्या प्रारम्भिक परीक्षा में आए बदलावों के कारण ही आप इस परीक्षा की ओर आकर्षित हुए या पहले से ही तैयारी कर रहे थे ?

श्री डिडेल—मैं इस परीक्षा की पहले से ही तैयारी करने का निर्णय ले चुका था।

प्र. द.—नए कलेवर वाली प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

VAJIRAO
INSTITUTE

Top Potential Training Institute for IAS/PCS

वाजीराव संस्थान से
लगातार १ वीं बार 1st Rank पर फल



1 RANK	1 RANK	1 RANK
--------	--------	--------



1 RANK 1 RANK 1 RANK



GENERAL STUDIES

CSAT
By A Team of 8 Experts

HISTORY Dr. S.S. Chaushary	PUB. ADM. Prof. V.N. Roddy/ Dr. S.S. Chaushary
SOCIOLOGY Shankar Sir	GEOGRAPHY K. Rajesh

New Exclusive Batch Start by a Team of
9 Eminent Experts exclusively for each section

8, 29 July, 10 August

DELHI : 2507, Hudson Lane,
Kingsway Camp Ph. 011-42474428

ALLAHABAD : 196, Colonelganj
Opp. Anand Bhawan Ph. 0532-3244924

AGRA : Oil, New Agr. Pr. 0583-2575-54



श्री डिटेसल-प्राथमिक परीक्षा की तैयारी के लिए कांफिग न करके स्वयं ही प्रयत्न किया।

प्र. द.-आपकी प्रश्न-पत्र-1 (सामान्य अध्ययन) और प्रश्न-पत्र-2 (अनिष्टित परीक्षा) की तैयारी कुछ क्या रणनीति रही ?

श्री डिटेसल-प्राथमिक परीक्षा की तैयारी हेतु प्रश्न-पत्र-1 के लिए परम्परागत विषयों एवं समाचार-पत्रों का गहन अध्ययन किया। प्रश्न-पत्र-2 में ज्यादातः ज्यादातः प्रश्नों का अभ्यास करने की कोशिश की।

प्र. द.-क्या प्रमाणिक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री डिटेसल-ऐसे प्रश्नों को हल किया, जो सही प्रकार से आते थे। नेगेटिव मार्किंग का ध्यान न रखते हुए अनुमान आधारित उत्तर नहीं दिए।

व्यक्ति परिचय

नाम-नमन डिटेसल
पिता का नाम-श्री नीलराम डिटेसल
(अध्यापक)
माता का नाम-श्रीमती नरपत्नी देवी (गृहिणी)
शैक्षिक योग्यता-

High School-1st (80%) RBSE,
Ajmer, Hind Public, Nagaur (2003).

Intermediate-1st (84%) RBSE,
Ajmer, Sharda Bal, Nagaur (2005).

BA/B.Sc.-JNU, Jodhpur, JNUV
(78%) (2008)

MA/M.Sc.-JNU, New Delhi, JNU
(80%) (A Grade) (2011)

प्र. द.-इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है, शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहीं से मिली ?

श्री डिटेसल-शुरू में अपने दोस्त रविन्द चौधरी एवं गुरु दिलीप सिंह जी से सलाह से मुझे अल्पतः महत्वपूर्ण सलाह मिली। जयपुर की सिंगलवॉर्ड संस्था से मैंने अपना ज्ञान बनाया, यहाँ से मैंने सामान्य अध्ययन एवं गुरुत्व पढ़ा, जो अत्यन्त उपयोगी रहा। किन्ती साहित्य की तैयारी के लिए मैंने दिल्ली में दृष्टि संस्थान से सहायता प्राप्त की, जो बेहतर रिश्ता रहा।

प्र. द.-मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री डिटेसल-परम्परागत विषयों का विस्तृत एवं गहन अध्ययन किया। समाचार-पत्रों, पत्रिकाओं के भी नोट्स तैयार किए। अपनी लेखन शैली की सुधारा एवं अपनी लेखन प्लन की भी बहाली। उत्तर-लेखन का प्रयास किया व टेस्ट-सीरीज भी ज्यादा की।

प्र. द.-आपने निम्न के लिए किस प्रकार तैयारी की ?

श्री डिटेसल-निम्न प्रश्न-पत्र हेतु अलग से कोई तैयारी नहीं की। मैंने विरलेषणालय एवं सकारात्मक संघ को विकसित किया।

मैंने पीपीसी पर निम्न लिखा। विषय की प्रासंगिकता एवं इसके बारे में महत्त्व के उत्तरव्य विचारों के कारण मैंने इसे चुना।

प्र. द.-समय प्रबन्धन को तै, तो इस परीक्षा की तैयारी में कोई कठिनाई हुई।

श्री डिटेसल-हाँ, शुरू में ज्यादा समय लगा, जो अन्य में मैंने कम समय सीमा में उत्तर दिए और अधिकतम प्रश्नों को छूने का प्रयास किया।

प्र. द.-साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री डिटेसल-साक्षात्कार की तैयारी के लिए मैंने मुख्य सनसामयिक मुद्दों के बारे में पढ़ा। मौक इण्टरव्यू दिए एवं दोस्तों से चर्चा की।

प्र. द.-आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ?

श्री डिटेसल-मेरा साक्षात्कार विजय सिंह जी के बोर्ड में था। मेरा अनुभव खानदार रहा और मैं अपने प्रयास से सन्तुष्ट था।

प्र. द.-आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री डिटेसल-मुख्यतः विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे गए जैसे-

गुगल से सम्बन्धी-GIS, Industrial location, Fossil's age determination.

कृषि से सम्बन्धित-उपन्यास पढ़ा, कोनसा पढ़ा ?

अल्पसंख्यकों के बारे में, यातायात से प्रदूषण और इसके नियन्त्रण के उपाय।

नागौर जिले और पंचायती राज के बारे में भी प्रश्न रहे।

प्र. द.-केवल यही एकमात्र तथ्य था या किसी और कैरियर विकल्प के लिए साक्षात्कार तैयारी कर रहे थे ?

श्री डिटेसल-UGC एवं CSIR NET JRF होने के कारण मेरे पास एक कैरियर विकल्प था, परन्तु सिविल सेवाओं में कैरियर बनाना तो एक चुनौति था।

प्र. द.-आज के बदलते हुए आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के बुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बदौर् प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे, क्योंकि किस चीज में आपका जोश बरकरार रहा ?

श्री डिटेसल-समाज के लिए बहुत कुछ करने की भावना ने मेरा जोश बरकरार रखा।

प्र. द.-किस सैद्धांतिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ?

श्री डिटेसल-सातक के अंतिम वर्ष में प्रवेश के साथ ही सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर देनी चाहिए, एक अच्छी तैयारी करने में लगभग एक से डेढ़ वर्ष का समय पर्याप्त है।

व्यक्तिगत विशेषताएं

परिचय व्यक्तिगत - महत्त्व वाली एवं कठिन खोज	
सबसे पसंद - टैली, कड़ी मेहनत	
दुर्बल पक्ष - भ्रष्टाचार	
आपकी रुचियाँ - उपन्यास पढ़ना, फिलिम देखना, बैटमैन देखना	

प्र. द.-आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं ?

श्री डिटेसल-यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है और विषय वह सिखा जाना चाहिए जिसमें अच्छी बेहतर निष्पत्ति कर सके।

प्र. द.-आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम लेकर तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार है ?

श्री डिटेसल-परीक्षा में लिखने का माध्यम चुनने में अच्छी की सतर्कता आवश्यक है। आजकल हिन्दी माध्यम से भी शीर्ष स्थान प्राप्त किए जा रहे हैं, तो इस बारे में संशय उचित नहीं।

प्र. द.-आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री डिटेसल-जब मैं बी.एस.सी. के अंतिम वर्ष में था, तब मेरे मित्र रविन्द चौधरी ने मुझे इस बारे में बताया।

प्र. द.-वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कैरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

श्री डिटेसल-मई 2008 में बी.एस.सी. के बाद सिविल सेवाओं में कैरियर बनाने का फैसला किया।

प्र. द.-क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी शोध बनाई थी ?

श्री डिटेसल-मैंने अपने लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की थी। केवल चयन होने पर ही रुकता।

पठित पुस्तक/पत्रिकाएं

सामान्य अध्ययन

भारतीय राजव्यवस्था—लक्ष्मीकांत, डीसी

नवु

भूगोल—NCERT

Science & Tech.—NCERT

Economy—PD Extra Issue

History—Bijay Chandra, Spectrum

Art & Culture—Spectrum

Newspapers

वैकल्पिक—प्रथम

भूगोल—नौष्टिक भूगोल—सविन्द्र सिंह

NCERT Old & New

Models in Geography—Majid Hussain.

Economic Geography—Kashfi Nark Singh.

वैकल्पिक—द्वितीय

हिन्दी साहित्य पठित संस्थान (विकास विभागीय सर) के नोट्स

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का।

श्री डिडेल्स—यह मेरा व्यक्तिगत निर्णय था।

प्र. द.—क्या अन्धधोई के शैक्षिक, आर्थिक और जनजातीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री डिडेल्स—त्रिस्तरीय परीक्षा होने के कारण अन्धधोई के इन सभी पहलुओं का गजबूल होना चाहिए, लेकिन अन्धधोई अगर मेहनती है, तो विशेष परिस्थितियों के बावजूद सकारात्मक परिणाम प्राप्त कर सकता है।

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री डिडेल्स—वेर्य के साथ लगातार सही दिशा में कड़ी मेहनत ही मेरी सफलता का मूलमंत्र है।

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किसको देना चाहेंगे ?

श्री डिडेल्स—अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों एवं मित्रों का देना चाहूंगा।

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतिष्ठापिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री डिडेल्स—एक मानक पत्रिका में पुरे महीने की न्यूज अपडेट, विभिन्न विषयों पर विश्लेषणात्मक निबन्ध एवं लेख होने चाहिए।

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतिष्ठापिता पत्रिका प्रतिष्ठापिता दर्शन को इन मामलों के कितना करीब पाया ?

श्री डिडेल्स—सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए प्रतिष्ठापिता दर्शन अत्यन्त उपयोगी है। मेरा इससे भावनात्मक लगाव रहा है और मेरी सफलता में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

प्र. द.—क्या आपने सिविल सेवा परीक्षा से सम्बद्ध अनुसूच कपूर द्वारा लिखे लेख पढ़े और इन्हें तैयारी के सन्दर्भ में उपयोगी पाया ?

श्री डिडेल्स—जी हाँ, यह लेख अत्यन्त गहन, सटीक एवं परीक्षार्थी के लिए सहायक हैं।

प्र. द.—क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसन्द की जा रही है ?

श्री डिडेल्स—जी हाँ, विशेषकर अर्थ-व्यवस्था पर विवेचनात्मक अत्यन्त उपयोगी रहा।

प्र. द.—क्या आपने प्रतिष्ठापिता दर्शन—समसामयिकी वार्त्सकी का उपयोग किया ?

श्री डिडेल्स—एक उत्कृष्ट कॉपी की पत्रिका है।

प्र. द.—कॉर्ड सुझाव या सन्दर्भ अन्धधोई को देना चाहेंगे ?

श्री डिडेल्स—वेर्य एवं आत्मविश्वास के साथ कड़ी मेहनत (सही दिशा में) से कुछ भी सम्भव बनाया जा सकता है।

आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

उपकार

उत्तर प्रदेश लेखपाल

मर्ती परीक्षा

प्रमुख आकर्षण ♦ सामान्य ज्ञान ♦ गणित ♦ सामान्य हिन्दी ♦ प्राचीन अर्थिक एवं सामाजिक समस्याएँ



लेखक: डॉ. तात एवं जैन



लेखक: जैन एवं किशोर

उपकार प्रकाशन, आगरा-2 E-mail: care@upkar.in Website: www.upkar.in

उपकार

उत्तर प्रदेश पुलिस/पी.एस.सी. कांस्टेबल

मर्ती परीक्षा



समावेश: सामान्य ज्ञान दर्शन कोड नं. 162 ₹ 230/-



लेखक: डॉ. तात एवं जैन कोड नं. 1444 ₹ 340/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail: care@upkar.in Website: www.upkar.in



राष्ट्रीय

1. किस वैज्ञानिक को भारत के रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन का डायरेक्टर जनरल जून 2013 में नियुक्त किया गया है ?

— अविनाश चन्दर

■ मिश्राल वैज्ञानिक अविनाश चन्दर ने भारत के रक्षा अनुसन्धान एवं विकास संगठन (Defence Research and Development Organisation—DRDO) के प्रमुख के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है। इसके साथ ही वह रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार का कार्य भी करेंगे।

2. किसे सत्र 2013-14 के लिए भारतीय बैंक संघ का अध्यक्ष चुन निर्वाचित किया गया है ?

— के. आर. कामध

■ पंजाब नेशनल बैंक के चेयरमैन सह-प्रबन्ध निदेशक के. आर. कामध को भारतीय बैंक संघ का जून 2013 में मुम्बई में सम्पन्न बैठक में लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए इसका (IBA) अध्यक्ष चुन लिया गया।

3. भारत के किस शतरंज खिलाड़ी ने जून 2013 में शतरंज के ग्राण्ड मास्टर का खिताब हासिल किया है ?

— वी. विष्णु प्रसन्ना

■ वी. विष्णु प्रसन्ना ने बुलारिया में अलबेना में जून 2013 में सम्पन्न ग्राण्ड यूरोप अलबेना शतरंज टूर्नामेंट में ग्राण्ड मास्टर खिताब के लिए आवश्यक रेटिंग प्राप्त कर ली। इसके लिए आवश्यक तीन ग्राण्ड मास्टर नॉर्म क्रमशः 2010, 2012 व 2013 में प्राप्त कर लिए गए थे।

4. केन्द्रीय सूचना आयोग द्वारा भारत के किन छः राजनीतिक दलों को सूचना के अधिकार के अन्तर्गत जाने का निर्णय जून 2013 में लिया है ?

— कांग्रेस, भाजपा, बसपा, भाकपा, माकपा, राकापा

■ केन्द्रीय सूचना आयोग (CIC) ने 3 जून, 2013 को एक निर्णय देते हुए भारत के छः प्रमुख राजनीतिक दलों भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, बुद्धज समाजवादी पार्टी, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को आर. टी. आई. (R. T. I.) एक्ट की धारा 2 (एच) के तहत सूचना के अधिकार के अन्तर्गत माना है। इन दलों को अपने मुख्य जनसूचना अधिकारी नियुक्त करने तथा आर. टी. आई. एक्ट के तहत गैरगैर सूचनाओं को आवेदकों को भेजने के लिए कहा गया है।

5. भारत के मूलतः 20 जिलों में रतौड़ गैस सस्तीकी प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण योजना कब से प्रारम्भ की गई है ?

— 1 जून, 2013

■ रतौड़ गैस पर टी जाने वाली सस्तीकी को उपयोग के सीधे खाते में जमा करने के लिए रतौड़ गैस प्रत्यक्ष लाभ अन्तरण योजना 1 जून, 2013 से आन्ध्र प्रदेश, दमन एवं दीव, गोवा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, पण्डिचेरी, पंजाब एवं मध्य प्रदेश के चुनीया जिलों को मिलाकर कुल 20 जिलों में प्रारम्भ की गई है। इसके लिए आधार कार्ड के नम्बर का उपयोग किया जा रहा है।

6. किस देश की क्रिकेट टीम को एकदिवसीय अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट में 1 अप्रैल, 2013 को नम्बर वन टीम रहने पर आई. सी. सी. ट्रोफी जून 2013 में प्रदान की गई ?

— भारत

■ 1 अप्रैल, 2013 को एकदिवसीय अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व की नम्बर वन टीम रहने के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को अन्तराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) द्वारा 1-75 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि तथा चैंपी की ट्रॉफी जून 2013 में प्रदान की गई।

7. केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा नक्सली हिंसा से प्रभावित 24 जिलों में कौनसी कौशल विकास योजना जून 2013 में प्रारम्भ की गई है ?

— रोशनी

■ ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा जून 2013 में झारखण्ड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, आन्ध्र प्रदेश, प. बंगाल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश के नक्सली प्रभावित 24 जिलों में युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए तीन वर्षीय योजना 'रोशनी' जून 2013 में प्रारम्भ की है।

8. भारत के किस उभरते बैडमिंटन खिलाड़ी ने जून 2013 में थाइलैण्ड ओपन ग्राण्ड प्रिक्स गोल्ड टूर्नामेंट में एकल खिताब जीता ?

— के. श्रीकान्त

■ आण्ड प्रदेश में गुंटूर के के. श्रीकान्त ने थाइलैण्ड के ही खिलाड़ी वुत्तक पोनसाना को फाइनल में हराकर थाइलैण्ड ओपन ग्राण्ड प्रिक्स बैडमिंटन टूर्नामेंट का एकल खिताब जून 2013 में जीत लिया।

9. वेनार्ड में जून 2013 में सम्पन्न सीनियर राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में किसने ओवरऑल चैम्पियनशिप जीती ?

— केरल

■ वेनार्ड में सम्पन्न राष्ट्रीय अन्तराष्ट्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में प्रथम स्थान पर रहे केरल ने ओवरऑल चैम्पियनशिप प्राप्त की। दूसरा स्थान तमिलनाडु का रहा। पुरुष वर्ग की टीम चैम्पियनशिप का खिताब तमिलनाडु ने तथा महिला टीम का खिताब केरल ने जीता। तमिलनाडु के रवीश महादेवरी की पुरुषों में तथा उत्तर प्रदेश की सुधा शिंदे का महिला वर्ग में सर्वश्रेष्ठ एथलीट घोषित किया गया।

10. भारत सरकार ने कौशल विकास के लिए जून 2013 में किस एकीकृत एजेंसी का गठन किया है ?

— राष्ट्रीय कौशल विकास एजेंसी (National Skill Development Agency)



● भारत सरकार ने कोशल विकास हेतु एक एकीकृत एजेंसी (NSDA) का गठन जून 2013 में किया है। इसके अन्तर्गत पहले से कार्यरत प्रधानमंत्री की कोशल विकास परिषद्, राष्ट्रीय कोशल विकास समन्वय बोर्ड तथा कोशल विकास पर प्रधानमंत्री के सलाहकार कमेटी को कर दिया गया है।

11. भारत के किस राज्य के छ. प्राचीन किलों को यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स में जून 2013 में सम्मिलित करने की घोषणा की है ?

— राजस्थान

● राजस्थान के कुम्भलगढ़, जैसलमेर, रमसम्भोर, गागरोन तथा आम्बर फोर्ट को वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (WHC) की कम्बोडिया में नॉमिनेट में जून 2013 में अवधिगत 37वीं बैठक में वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स के रूप में मान्यता दी।

12. भारत के किस राज्य में ग्रेट इन्डियन बस्टर्ड के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 'प्रोजेक्ट ग्रेट इन्डियन बस्टर्ड' प्रारम्भ किया है ?

— राजस्थान

● राजस्थान सरकार ने राजस्थान के राज्य पक्षी गोंडबस्त (The Great Indian Bustard), जो विपुष्टि के कगार पर है, के संरक्षण के लिए जून 2013 में प्रोजेक्ट ग्रेट इन्डियन बस्टर्ड प्रारम्भ किया है।

13. भारत की सर्वाधिक प्राचीन किस संचार सेवा को 15 जुलाई, 2013 से बन्द करने की घोषणा जून 2013 में की गई है ?

— टेलीग्राम (Telegram) सेवा

● भारत संचार निगम लि. अपनी सर्वाधिक प्राचीन सूचना सेवा टेलीग्राम (Telegram) को 15 जुलाई 2013 से बन्द करने का रहा है। भारत में पहली टेलीग्राम 5 नवम्बर, 1850 को टाकालीन कलकत्ता (कोलकता) से दायमंड हार्बर जिसकी दूरी 50 किमी. है, भेजा गया था, जन्म के लिए यह सेवा फरवरी 1855 से प्रारम्भ की गई थी।

14. पश्चिम बंगाल के वन विभाग द्वारा जून 2013 में जारी एक सूचना के अनुसार रॉयल बंगाल टाइगर्स की संख्या कितनी है ? — 103

● पश्चिम बंगाल के सुन्दरबन में पाए जाने वाले रॉयल बंगाल टाइगर्स की संख्या वन विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार 103 है।

अन्तर्राष्ट्रीय

1. भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में जून 2013 में कौन व्यक्ति तीसरी बार प्रधानमंत्री बना है ? — नवाज शरीफ

● पाकिस्तान में मई 2013 में सम्पन्न संसदीय चुनावों में सर्वाधिक सीट जीतने वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता नवाज शरीफ प्रधानमंत्री चुने गए हैं. 5 जून, 2013 को नवाज शरीफ ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पद संभाला।

2. भारत के किस पड़ोसी देश में नया संविधान बनाने के लिए नवम्बर 2013 में दोबारा संविधान सभा के गठन के लिए निर्वाचन कराए जाएंगे ? — नेपाल

● नेपाल में क्रांति द्वारा राजशाही समाप्त होने के बाद लोकतांत्रिक संविधान बनाने के लिए एक संविधान सभा के गठन के लिए चुनाव मई 2008 में हुए थे, लेकिन वह संविधान निर्माण में असफल रही अतः इसे मई 2012 में नंग कर दिया गया। पुनः इसके चुनाव नवम्बर 2013 में करने के लिए जून 2013 में घोषणा की गई है।

3. किस देश में प्राचीन माया सभ्यता के समय के एक शहर के अवशेष जून 2013 में प्राप्त हुए हैं ? — मेक्सिको

● पुरातत्ववेत्ताओं ने पूर्वी मेक्सिको के बरत्तली जंगलों में माया सभ्यता के एक प्राचीन शहर के अवशेष जून 2013 में खोज निकाले हैं, जोखी टल ने इस शहर का नाम चैस्टन (Chacton) रखा है जिसका अर्थ है 'लाल चट्टान' या 'बढ़ी चट्टान'। इस शहर की अनुमानित जनसंख्या लगभग 30000 से 40000 रही होगी। यह शहर 600 से 900 ए.डी. के बीच अखाद रहा होगा ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।

4. यूनेस्को (UNESCO) की वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी (WHC) की 37वीं बैठक जून 2013 में कहां सम्पन्न हुई ? — नॉम पेन्ड (कम्बोडिया)

प्रवक्ता भर्ती परीक्षा

● उपकार प्रवक्ता कृषि	17 190/-	● उपकार प्रवक्ता वाणिज्य	1231 290/-
● उपकार प्रवक्ता Mathematics	1543 395/-	● उपकार प्रवक्ता मनोविज्ञान	2172 165/-
● उपकार प्रवक्ता हिन्दी (बौ. वित्तीय सम्बन्ध)	1033 175/-	● उपकार प्रवक्ता वनस्पति विज्ञान	90 225/-
● उपकार प्रवक्ता हिन्दी (जीवाणु तथा वर्ण)	2128 240/-	● उपकार प्रवक्ता Physics	1602 285/-
● उपकार PGT English (Dr. B. B. Jain)	889 205/-	● उपकार प्रवक्ता जन्तु विज्ञान	165 310/-
● उपकार English (Dr. Dr. Sanyal Pal Yadav)	973 175/-	● उपकार प्रवक्ता नागरिकशास्त्र/सामाजिक विज्ञान	631 145/-
● उपकार प्रवक्ता संस्कृत	1068 140/-	● उपकार प्रवक्ता संगीत	1300 75/-
● उपकार प्रवक्ता समाजशास्त्र (एच.के. चौधरी)	635 370/-	● उपकार प्रवक्ता कला (चित्रलेखा सिंह)	595 115/-
● उपकार प्रवक्ता समाजशास्त्र (संजय गुप्ता)	2038 190/-	● उपकार प्रवक्ता कला (एच. वसीम)	14 115/-
● उपकार प्रवक्ता इतिहास	168 335/-	● उपकार प्रवक्ता शारीरिक शिक्षा	708 150/-
● उपकार प्रवक्ता इतिहास (आर.के. सिंह)	2037 150/-	● उपकार प्रवक्ता गृह विज्ञान (नायकी तिवारी)	83 115/-
● उपकार प्रवक्ता भूगोल	633 255/-	● उपकार प्रवक्ता गृह विज्ञान (डी.एन. श्रीवास्तव)	2229 130/-
● उपकार प्रवक्ता अर्थशास्त्र	632 230/-	● उपकार प्रवक्ता शिक्षाशास्त्र	2173 85/-

उपकार प्रवक्ता सहायक कागस 2466978, 2530966, 4053333 ● E-mail : care@upkar.in ● Website : www.upkar.in

● युनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, साइंटिफिक एण्ड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (UNESCO) की कॉमनेल्स में वर्ल्ड हेरिटेज कमिटी में बैठक में वर्ल्ड हेरिटेज साइट्स की नई सूची जारी की गई जिसमें इटली को माउंट एटना (Etna), जापान का माउंट फुजी (Fuj), नाइजर का शहर अगादेज (Agadez), मैक्सिको का बायो रिजर्व (El Pinacate and Gran Desierto de Altar Biosphere Reserve), ताजिकिस्तान का नेशनल पार्क, चीन के प्राचीन चावल के खेत (Terraced Rice Fields of Honghe Hani), चीन के झी जिंजिआंग त्रिआंशान (Xin Jiang Tianshan) तथा तजखस्तान के छ. कोर्ट आदि मौजूदगी को शामिल किया गया है।

5. किस भारतीय अमेरिकन ने अमेरिका के दूसरे उच्च अपीलीय न्यायालय में न्यायाधीश का पद जून 2013 में संभाला है ?

— श्रीकांत श्रीनिवासन

● वकीलज में जन्मे श्रीकांत श्रीनिवासन अमेरिका में वहाँ के उच्च अपीलीय न्यायालय (U.S. Court of Appeals for the Circuit) में जून 2013 में न्यायाधीश नियुक्त हुए हैं। श्रीनिवासन इस महत्वपूर्ण न्यायालय में न्यायाधीश बनने वाले पहले भारतीय अमेरिकन हैं।

6. चीन द्वारा बनाया गया विश्व का सर्वाधिक तेज सुपर कम्प्यूटर कौनसा है ?

— तियानहे-2 (Tianhe-2)

● चीन की नेशनल युनिवर्सिटी ऑफ विंकेस टेंगगोलींजी द्वारा बनाए गए सुपर कम्प्यूटर तियानहे-2 (Tianhe-2) द्वारा प्रोसेसिंग स्पीड 3.3-86 पेटाफ्लॉप्स (Petaflops), प्रति सेकण्ड अर्थात् 1000 ट्रिलियन कैल्कुलेशन्स, प्राप्त की, जो विश्व में सभी सुपर कम्प्यूटर से अधिक है।

7. ईरान में जून 2013 में सम्पन्न चुनावों में किजब के बाद वहाँ कौन राष्ट्रपति चुना गया ?

— हसन रुहानी

● ईरान में सुन्नारबादी एवं उदारवादी नेता हसन रुहानी (Hassan Rouhani) राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं।

8. किस देश ने अपना स्पेसक्राफ्ट शेंनझाऊ-10 जून 2013 में अपने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भेजा है ?

— चीन

● चीन ने 11 जून, 2013 को अपना चौथवाँ मानव युक्त स्पेसक्राफ्ट शेंनझाऊ-10 Shenzhou-10 सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है। यह चीन के अंतरिक्ष स्टेशन तिआंगोंग स्पेस लेबोरेटरी माड्यूल (Tiangong Space Laboratory Module) से जुड़ गया है। इसमें एक महिला सशित तीन अंतरिक्ष यात्री हैं, जो वहाँ प्रयोग करेंगे।

9. यह देश जिसकी क्रिकेट टीम ने जून 2013 में इंग्लैण्ड में आयोजित वेम्बल्टन ट्राफी जीत ली।

— भारत

● एच. एस. धोनी के नेतृत्व में भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैण्ड की टीम को काइनल में हराकर प्रतिष्ठित वेम्बल्टन ट्राफी जीत ली। मैच ऑफ द सीरीज, भारत के खिलाफ बचने चुने गए। काइनल मैच में मैच ऑफ द मैच नाम के रवीन्द्र जडेजा थे। धोनी इस ट्राफी के साथ-साथ 2007 का वर्ल्ड टी-20 तथा 2011 का वर्ल्ड कप जीत चुके हैं।

10. स्पेन के किस टेनिस खिलाड़ी ने जून 2013 में फ्रेंच ओपन टेनिस एकल प्रतियोगिता जीतकर रिकॉर्ड बनाया ?

— राफेल नडाल

● राफेल नडाल ने डेविड फेरर को हराकर 2013 का फ्रेंच ओपन टेनिस का सिंगल खिलाड़ जीत लिया। नडाल इस खिलाड़ को आठ बार जीतने वाले प्रथम खिलाड़ी हैं।

11. किन दो टेनिस खिलाड़ी भाइयों ने 14 मेजर लॉन टेनिस के डबल्स खिलाड़ जीतकर रिकॉर्ड बनाया ?

— ब्रायन ब्रदर्स (बॉब तथा माइक ब्रायन)

● जून 2013 में बॉब तथा माइक ब्रायन ब्रदर्स ने फ्रेंच ओपन टेनिस का युगल खिलाड़ जीतकर अपने मेजर डबल्स की संख्या 14 कर ली, जोकि एक रिकॉर्ड है। आस्ट्रेलिया के जॉन न्यूकम्बे तथा टॉनी रीस के नाम 13 मेजर डबल्स जीतने का रिकॉर्ड था।

12. इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एण्ड पीस (IEP) द्वारा जून 2013 में जारी ग्लोबल पीस इंडेक्स (GPI) में सर्वाधिक शांत देश कौनसा है ?

— आइसलैण्ड (Iceland)

● इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एण्ड पीस द्वारा 22 गुणालक एवं संरचनात्मक मापदण्डों के आधार पर 162 देशों का ग्लोबल पीस इंडेक्स जून 2013 में जारी किया है। प्रथम बीस शांत देशों में शिखर पर आइसलैण्ड है तथा 13 यूरोपियन देश सम्मिलित हैं। भारत की रैंक इस इंडेक्स सूची में 141वीं है।

13. अमेरिका की किस टेनिस खिलाड़ी ने जून 2013 में फ्रेंच ओपन का महिला एकल खिलाड़ जीता ?

— सेरेना विलियम्स

● सेरेना विलियम्स ने सल की मारिया सारापोवा का काइनल मुकबले में परास्त कर फ्रांसीसी ओपन का एकल महिला खिलाड़ जीत लिया। सेरेना के ग्रांड स्लैम खिलाड़ों की संख्या इसको मिलाकर 16 हो गई।

14. भारत के किस समाजसेवी को फ्रांस के लीजेण्ड ऑफ प्लेनेट अवार्ड जून 2013 में पेरिस में प्रदान किया गया ?

— बिदेस्वर पाठक

● सुलभ इंटरनेशनल के संस्थापक बिदेस्वर पाठक को फ्रांस का लीजेण्ड ऑफ प्लेनेट अवार्ड उनके समाज के लिए दिए गए योगदान हेतु प्रदान किया गया। बिदेस्वर पाठक ने सुलभ इंटरनेशनल के माध्यम से भारत में सुलभ शौचालयों की स्थापना की है।

15. किस देश में जून 2013 में 65वीं वर्ल्ड न्यूजपेपर कांग्रेस, 20वीं वर्ल्ड एडीटर्स फोरम और 23वीं वर्ल्ड एडवर्टाइजिंग फोरम का आयोजन किया गया ?

— थायलैण्ड (बैंकॉक)

● बैंकॉक में 2-5 जून, 2013 को 65वीं वर्ल्ड न्यूजपेपर कांग्रेस, 20वीं वर्ल्ड एडीटर्स फोरम तथा 23वीं वर्ल्ड एडवर्टाइजिंग फोरम का आयोजन किया गया। स्वीडन के स्टाम्पेन नीतिहा ग्रुप के टॉमस ब्रुनगार्ड (Tomas Bruenigard) वर्ल्ड एडोर्साइशन ऑफ न्यूजपेपर्स एण्ड न्यूज एडिटरस (WAN-IFRA) के वार्षिक सम्मेलन में इसके दो वर्ष के लिए नए प्रेसीडेंट चुने गए।



ऐतिहासिक स्थल

डा. जलेश कुमार सिंह

1. जूनागढ़

जूनागढ़ गुजरात राज्य का एक जिला है। यह नगर गिरिनार पहाड़ियों के निचले हिस्से पर बसा है। गुजराती भाषा में जूनागढ़ का अर्थ होता है-प्राचीन किला। यहाँ पूर्व-हड़प्पा काल के स्थलों की खूबसूरत खोजें हैं। नौर्य शासक अशोक (260-238 ई. पू.) के अभिलेखों पर ही एक शासक रुद्रदामन (150 ई.) और गुप्तशासक स्कन्दगुप्त (455-467 ई.) के कार्यकाल में खुदकाए लेखों का देखा जा सकता है। इस अभिलेख की एक विशेषता यह भी है कि रुद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख को ही संस्कृत भाषा का प्रथम शिलालेख माना जाता है। जूनागढ़ अभिलेख से ही पता चलता है कि स्कन्दगुप्त नौर्य के गवर्नर पुष्प गुप्त वैश्य द्वारा सोराष्ट्र में सुवर्णन झील का निर्माण करवाया गया था, जिसकी नमस्कार अशोक, रुद्रदामन तथा स्कन्दगुप्त ने भी करवाई थी। जूनागढ़ अभिलेख से ही पता चलता है कि सम्राट स्कन्दगुप्त ने राज्यपालों एवं सामन्तों के अधिकारों में अत्यधिक वृद्धि कर दी थी जिसके कारण कालान्तर में केन्द्रीय सत्ता का अंकुश ढीला पड़ने लगा और सामन्तों तथा राज्यपालों ने स्वतन्त्र सत्ता की घोषणा कर दी। यह गुप्त साम्राज्य के पतन के कारणों में मुख्य कारण था।

2. बनवासी

बनवासी कर्नाटक राज्य का प्राचीनतम रामायणकालीन नगर था। यह कर्नाटक

राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले में एक मन्दिर कला कला है, जिसका उत्तरेख नासिक अभिलेख में मिलता है। रामायण काल में यह दण्डकारण्य का मुख्य नगर था। यहाँ पर ही राजा दशरथ एक युद्ध में घायल हो गए थे जिनकी सहायता केकेयी ने की थी। प्राच-रत्ना के उपलब्ध में राजा दशरथ ने केकेयी को दो वरदान दिए थे, जो उन्होंने बाद में माँग लिए थे। बनवासी को कदम्ब शासकों ने अपनी राजधानी बनाया था। मातुल्य शासक पुलकेशिन द्वितीय ने इस पर अपना अधिकार किया था।

3. सरायनाहर राय

मध्य पाषाणकालीन स्थल सरायनाहर राय उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित है। यहाँ के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों के आधार पर इस स्थानीय सभ्यता की तिथि लगभग 8000 ई. पू. मानी गई है। मानव के अस्थिपंजर (शारीरिक प्रारूपों) का सबसे पहला अवशेष 'सरायनाहर राय' नामक स्थान से प्राप्त हुआ है।

4. शाकल

वर्तमान में पाकिस्तान का स्वातकोट ही शाकल है। बौद्ध ग्रंथों में इसे सांगल और बुनानी लेखों में इसे सांगल बताया गया है। टोलमी ने इसे सूचेडेमिया कहा है। कुछ विद्वानों के अनुसार शकों के निवास के कारण यह स्थान शाकल कहलाया। यह स्वातकोट एक विहार था। यहाँ महायान सम्प्रदाय के विभू निवास करते थे। यहाँ की कठ जाति ने सिकन्दर से युद्ध किया था। शाकल 326 ई. पू. में सिकन्दर महान् के आधिपत्य में चला गया था। उसने उसे निकटस्थ झेलम तथा चिनाब के मध्यवर्ती क्षेत्र को सत्र के अधीन कर दिया था। मिश्रिन्दपन्थों में भारत के इण्डोग्रीक नरेश मिनांडर की राजधानी शाकल थी। उसके समय में शाकल जिहा का एक प्रसिद्ध केन्द्र था तथा वैभव एवं ऐश्वर्य में पाटलिपुत्र के समान था। यहाँ पर ही अशोक ने 200 कुट ऊँचा एक स्तूप निर्मित किया था। ह्वनसांग ने अपने यात्रा वृत्त में इस नगर का वर्णन किया है।



UPKAR PRAKASHAN
PRATYOGITA DARPAN
प्रयोगिता दर्पण

**BETTER PLACED
TO SERVE YOU THAN
EVER BEFORE**

**Buy all our books &
magazines from our
Patna Branch**



Branch Address

Pirmohani Chowk, Kadamkuan,
Patna-800003
Ph. : (0612) 2673340

Hyderabad Branch



Branch Address

1-8-1/B, R.R. Complex,
(Near Sundarajah Park,
Adjacent to Manasa Enclave Gate)
Bagh Lingampally,
Hyderabad-500 044 (A.P.)
Ph. : (040) 66753330

Delhi Branch



Branch Address

4845, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi-110002
Ph. : (011) 23251844/66

5. शृंगेरामपुर

यह छोटासा नगर उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले में गंगा नदी के दक्षिणी किनारे पर बसा है। यहाँ पर एक प्राचीन शृंगेरि का मन्दिर है। कहा जाता है कि श्रुति में अपने सिर पर खगे सीतों को हटाने के लिए यहाँ तपस्या की थी। ये सींग उनके सिर पर इसलिए निकल आए थे, क्योंकि उन्होंने गलती से राजा परसित को शाप दिया था। तपस्या से सींग गिर गए। यहाँ पर प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा और दूसरे दशहरे पर मेला लगता है।

6. रायचूर

कर्नाटक राज्य में रायचूर कुष्ठा और तुंगभद्रा नदियों के बीच स्थित है, जो चंपावत भूमि के लिए प्रसिद्ध रहा है। प्रारम्भ में यहाँ हिन्दू तथा जैन राजवंशों का राज्य था। कारंगल राज्य के मंत्री योगवत्सलदेवी वारु ने यहाँ 294 ई. में एक दुर्ग का निर्माण किया था। यह चौथे बहमनी एवं किजयनगर साम्राज्य के बीच सामरिक महत्व के कारण संघर्ष का कारण बना रहा। हालांकि अधिकांश समय तक बहमनी सुल्तानों का इस पर अधिकार रहा। लेकिन 1520 ई. में विजयनगर के कुम्भादेव राय ने बहमनी सुल्तान आदिलशाह को पराजित कर इस पर अधिकार कर लिया। अन्ततः मुगल शासक औरंगजेब ने इस पर अधिकार कर लिया।

7. सिकन्दरा

उत्तर प्रदेश में आगरा के समीप स्थित सिकन्दरा मुगल बादशाह अकबर के मकबरे के लिए प्रसिद्ध है। अकबर ने अपने मकबरे की योजना स्वयं ही बनाई और उसके लिए सिकन्दरा में यमुना नदी के तट का स्थान पसन्द किया। उस समय इसका नाम बिक्रिश्ताबाद (शक्ति आवास) था। अकबर ने अपने जीवनकाल में ही इसका निर्माण प्रारम्भ कर दिया था। परन्तु अकबर की मृत्यु के बाद 1612 ई. में इसे जहाँगीर के काल में पूर्ण किया जा सका। इस मकबरे में बीड़ा, इस्लाम, हिन्दू, ईसाई तथा जैन स्थापत्य शैली का प्रभाव दृष्टिगत होता है। मकबरे के चारों कोनों पर तीन मंजिला मीनारें हैं। ये मीनारें लाल पत्थर की बनी हैं जिन पर संगमरमर का सुन्दर काम किया गया है। मकबरे के चारों ओर खूबसूरत बगीचा है जिसके बीच में बगई महल है जिसका निर्माण सिकन्दर लोदी ने करवाया था।

8. अटक

अटक या हाटक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित एक छोटासा नगर है, जो गंगा नदी के तट पर स्थित है। सिकन्दर ने

अटक से 16 किमी दूर अहिन्द से सिन्धु नदी को पार किया था। अहिन्द के निकट ही महमूद गजनवी ने आनन्दपाल की सेना को परास्त किया था। यहाँ पर ऊँची पहाड़ी पर स्थित सुदृढ़ किले का निर्माण अकबर ने करवाया था। अकबर ने अटक के पार युसुफजाइयों से लड़ने के लिए बीरबल, टोडरमल एवं मानसिंह को भेजा था।

9. जन्तर-मन्तर, जयपुर

जयपुर के पुराने राजमहल 'बन्दगहल' से जुड़ी एक आश्चर्यजनक मध्यकालीन उपलब्धि जन्तर-मन्तर है। प्राचीन खगोलीय यन्त्रों और जटिल गणितीय संरचनाओं के माध्यम से ज्योतिषीय और खगोलीय घटनाओं का विश्लेषण और सटीक भविष्यवाणी करने के लिए विश्व प्रसिद्ध इस वेधशाला का निर्माण जयपुर नगर के संस्थापक सवाई जयसिंह द्वितीय ने 1728 ई. में करवाया था। सवाई जयसिंह एक बहादुर योद्धा और मुगल सेनापति ही नहीं बरन् उच्च शक्ति के खगोल वैज्ञानिक भी थे, जिनके योगदान और व्यक्तित्व की प्रशंसा पं. जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पुस्तक डिस्कवरी ऑफ इण्डिया में की है। राजौल की राजधानी

ब्रासीलिया में वर्ल्ड हेरिटेज कमेटी के 34वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इस वेधशाला को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में 1 अगस्त, 2010 को शामिल किया गया। जयसिंह ने ऐसी वेधशालाओं का निर्माण जयपुर के अलावा दिल्ली, मथुरा, उज्जैन, वाराणसी में भी करवाया था।

10. विजय स्तम्भ

विजय स्तम्भ राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में स्थित है। इसे मंत्राङ्क नरेश राजा कुम्भा ने महमूद खिलजी के नेतृत्व वाली मालवा और गुजरात की सेनाओं पर विजय के स्मारक के रूप में सन् 1440 ई. में बनवाया था। 122 फीट ऊँचा, 9 मंजिला विजय स्तम्भ भारतीय स्थापत्य कला की बारीक एवं सुन्दर कारीगरी का नमूना मनु है। जो नीचे से चौड़ा, बीच में संकरा एवं ऊपर से पुनः चौड़ा बनस के आकार का है। इसमें ऊपर जाने के लिए 157 सीढ़ियाँ बनी हैं। इस स्तम्भ के आन्तरिक तथा बाह्य भागों पर भारतीय देवी-देवताओं की सैकड़ों मूर्तियाँ उत्कीर्ण हैं।

●●●

नवीन पाठ्यक्रमानुसार अति विशिष्ट अध्ययन सामग्री

उपकार उत्तर प्रदेश सब-इंस्पेक्टर पुलिस मुख्य परीक्षा

प्रमुख आकर्षण

- सामान्य हिन्दी
- हिन्दी निबन्ध
- मूल विधि एवं संविधान
- संस्थात्मक योग्यता
- मानसिक अभिरुधि परीक्षा
- मानसिक एवं तार्किक परीक्षा

लेखक :
डॉ. नात,
जैन एवं विश्व

कोड नं. 207
₹ 475/-

नवीन संस्करण



उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : upkar@upkar.in
Website : www.upkar.in

Just Released

झारखण्ड

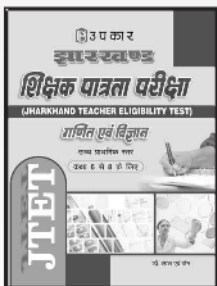
शिक्षक पात्रता परीक्षा

(JHARKHAND TEACHER ELIGIBILITY TEST)

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

उच्च प्राथमिक स्तर

समाज अध्ययन
(कक्षा 6-8 के लिए)



Code 2215 • ₹ 399/-

Code 2216 • ₹ 330/-

उच्च प्राथमिक स्तर
गणित एवं विज्ञान
(कक्षा 6-8 के लिए)

प्राथमिक स्तर
(कक्षा 1-5 के लिए)

Code 2217 • ₹ 310/-



उपकार
की पुस्तकें

सर्वश्रेष्ठता का
विकल्प नहीं



उपकार प्रकाशन

• E-mail : care@upkar.in
• Website : www.upkar.in

20/1 ए. स्वदेशी बंगला नगर, आगरा-202002 फोन : 4053333, 2531101, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
ग्राम ऑफिस : • 4845, अंशुबि रोड, वरिधनगर, नई दिल्ली-2, फोन : 011-23251844/66
• 1-8-1/3B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स (सुन्दरिया पार्क के पास), बान लिंगमपल्ली, हैदराबाद-44, फोन : (040)-66753330
• गैररॉडिने पौडा, कदमाजुली, पल्लम-800003, फोन : 0612-2673340





६० डॉ. अरुणोदय साखपेदी

हिमत्क्षेत्र व भारत

हिमत्क्षेत्र (Indian Ocean Rim Association for Regional Cooperation - IORARC) ऐसे देशों का संगठन है, जो हिन्द महासागर के तटीय क्षेत्र में स्थित हैं।

उल्लेखनीय है कि वैश्वीकरण के वर्तमान युग में राष्ट्रों द्वारा आपसी हितों की पूर्ति की दृष्टि से क्षेत्रीय एकीकरण व सहयोग की प्रक्रिया को अपनाना महत्व दिया जा रहा है। इसके लिए विभिन्न क्षेत्रों में कई क्षेत्रीय संगठनों की स्थापना की गई है, जिनमें से एक है कि विश्व का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहाँ क्षेत्रीय सहयोग के लिए संगठनात्मक प्रयास नहीं किए गए। उदाहरण के लिए दक्षिण पूर्व एशिया में एसियान, दक्षिण एशिया में सार्क, अफ्रीका में अफ्रीकी संघ, यूरोप में यूरोपियन यूनियन, मध्य एशिया में संघीय सहयोग संगठन तथा उत्तरी अमेरिका में नार्थ आदि की स्थापना सम्बन्धित क्षेत्र में देशों के मध्य आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक आदि मामलों में सहयोग की दृष्टि से की गई है। इस तरह के क्षेत्रीय संगठनों का प्रमुख लाभ यह है कि क्षेत्रीय स्तर पर स्थित विभिन्न राष्ट्र ऐतिहासिक, भौगोलिक तथा सांस्कृतिक निकटताओं का लाभ उठाकर सहयोग की प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। क्षेत्रीय सहयोग की प्रक्रिया बहुपक्षीय लाभ की प्रक्रिया है। हिमत्क्षेत्र भी इसी प्रकार का एक क्षेत्रीय सहयोग संगठन है।

हिमत्क्षेत्र की स्थापना मार्च 1997 में मॉरिशस में की गई थी। इसकी स्थापना में भारत तथा मॉरिशस की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों के मध्य आर्थिक और तकनीकी सहयोग को आगे बढ़ाना था। इस संगठन के सदस्य बड़ी देश हो सकते हैं, जिनकी तटीय सेना हिन्द महासागर से लगती हो। यद्यपि हिमत्क्षेत्र की स्थापना के 15 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन अभी तक इसमें शिखर सम्मेलन की व्यवस्था नहीं हो सकी है। वर्तमान में हिमत्क्षेत्र की सर्वोच्च निर्णय-निर्माण संस्था इसके सदस्य के विदेश मंत्रियों का सम्मेलन है।

हिमत्क्षेत्र की 12वीं बैठक

हिमत्क्षेत्र देशों के विदेश मंत्रियों की 12वीं बैठक 2 नवम्बर, 2012 को दिल्ली के निकट स्थित भारतीय शहर गुडगाँव में सम्पन्न हुई थी। इस बैठक में सभी 20 देशों के विदेश मंत्रियों ने भाग लिया था। इस सम्मेलन के अन्त में 21 बिन्दुओं पर एक घोषणा-पत्र जारी किया गया, जिसमें आपसी सहयोग के विभिन्न बिन्दुओं पर प्रकाश डाला गया। इस घोषणा-पत्र का नाम गुडगाँव घोषणा-पत्र रखा गया है। इसके मुख्य बिन्दु निम्नलिखित हैं—

(1) उल्लेखनीय है कि विदेश मंत्रियों की उक्त बैठक के पहले हिमत्क्षेत्र की औद्योगिक संस्थाओं के द्वारा भी तैयारी बैठकों का आयोजन भी किया गया था। इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए गठित समूहों की बैठक भी सम्पन्न हुई। इस अवसर पर हिमत्क्षेत्र देशों के बरिष्ठ अधिकारियों की समिति की बैठक भी सम्पन्न हुई। इसके साथ ही हिमत्क्षेत्र के बौद्धिक समूह की 18वीं बैठक व्यापार तथा निवेश पर गठित कार्यदल की 12वीं बैठक तथा हिमत्क्षेत्र व्यापार मंच की बैठक भी सम्पन्न हुई। इस सभी बैठकों में सम्बन्धित विषयों पर सहयोग के कार्यक्रमों पर विचार किया गया। गुडगाँव घोषणा-पत्र में इन समूहों की बैठकों के परिणामों पर संतोष व्यक्त किया गया।

(2) घोषणा-पत्र में इस बात को रेखांकित किया गया कि हिन्द महासागर क्षेत्र में स्थित राष्ट्रों के लिए हिमत्क्षेत्र एक बहुपक्षीय शीर्ष मंच है। इसका मुख्य उद्देश्य इस क्षेत्र में तथा सदस्य राष्ट्रों में जीवन्य विकास तथा संतुलित विकास को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही यह मंच क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक सशक्त आधार भी प्रदान करता है। अपने 15 साल के जीवनकाल में इस मंच द्वारा शांति व सम्पन्नता के लिए क्षेत्रीय सहयोग को सुविधाजनक बनाने का प्रयास किया गया है।

(3) घोषणा-पत्र में हिमत्क्षेत्र की विभिन्न संस्थाओं को मजबूत बनाने पर विशेष बल

दिया गया है। सभी हिमत्क्षेत्र हिन्द महासागर क्षेत्र के शीर्ष संगठन के रूप में अपनी प्रभावशील भूमिका का निर्वाह कर सकते हैं।

(4) घोषणा-पत्र में पिछली बैठक में विहित किए गए छह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में हिमत्क्षेत्र की गतिविधियों के प्रति संतोष व्यक्त किया गया। हिमत्क्षेत्र की 11वीं बैठक नवम्बर 2011 में बंगलुरु में सम्पन्न हुई थी। इस बैठक में क्षेत्रीय सहयोग के छह प्राथमिकता वाले छह क्षेत्रों को विहित किया गया था, वे हैं— समुद्री सुरक्षा तथा समुद्री शकंती, आपदा के खतरे में कमी, व्यापार तथा निवेश को बढ़ावा, मछली उत्पादन का प्रबंधन, सैद्धांतिक एवं विज्ञान तकनीकी में सहयोग तथा पर्यटन तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में हिमत्क्षेत्र उक्त छह क्षेत्रों में सहयोग की गतिविधियों को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहा है, जिनमें भारत की भूमिका प्रमुख है।

(5) गुडगाँव घोषणा-पत्र में हिन्द महासागर में भूसागरिक महत्व को रेखांकित किया गया तथा माना गया कि क्षेत्रीय विकास तथा वैश्विक सम्पन्नता के लिए हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति व स्थिरता को होना आवश्यक है। इस दृष्टि से घोषणा-पत्र में हिमत्क्षेत्र व अन्य क्षेत्रीय संगठनों, जैसे—अरबी संघ के मध्य घनिष्ठ सहयोग पर बल दिया गया। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि व्यापार और सुरक्षा दोनों ही दृष्टि से हिन्द महासागर का भारत के लिए ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए सामरिक महत्व है। अतः इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने से हिन्द महासागर में शांति व स्थिरता को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

(6) सदस्य देशों ने इस बैठक में यह निर्णय लिया कि हिन्द महासागर में संचार व व्यापार की सुरक्षा के लिए समुद्री शकंती को सुनिश्चित करने के लिए आपसी सहयोग की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि हिन्द महासागर में मतलकाले की खाड़ी तथा अदन की खाड़ी के पास समुद्री शकंती की घटनाएँ हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ी हैं। समुद्री शकंती के कारण इस क्षेत्र में व्यापारिक वस्तुओं का आवागमन भी प्रभावित हुआ है।

(7) घोषणा-पत्र में इस बात पर बल दिया गया कि सदस्य राष्ट्र प्राकृतिक आपदाओं के प्रबंधन में सहयोग को आगे बढ़ाएँ। इस दृष्टि से सूचनाओं के आदान-प्रदान के साथ-साथ रोकथाम की कार्यवाही पर भी बल दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हिन्द महासागर क्षेत्र प्राकृतिक आपदाओं के लिए विशेष संवेदनशील क्षेत्र है।

(8) सदस्य देशों ने व्यापार के क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। घोषणा-पत्र के अनुसार सभी सदस्यों ने

हिन्द महासागर क्षेत्र में मुक्त व्यापार की घोषणा का समर्थन किया। हिमत्क्षेत्र का यह भी प्रवास होगा कि उसके जो सदस्य देश तेजी से विकास कर रहे हैं, उनकी समताओं तथा विकास का लाभ अन्य सदस्य देशों को भी प्राप्त हो सके।

(9) घोषणा-पत्र में हिमत्क्षेत्र के सदस्य देशों में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सम्बन्धों के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा यह निर्णय लिया गया कि सदस्य देशों में सम्पर्कता को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे, सम्पर्कता के विस्तार के साथ ही हिन्द महासागर क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग व अर्थिक एकीकरण की प्रक्रिया को बल मिलेगा। घोषणा-पत्र के अनुसार सम्पर्कता बढ़ाने के लिए बन्दरगाहों तथा टटीय मौलिक ढाँचे के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

(10) गुडगोबिन्द घोषणा-पत्र ने वैश्विक तथा विज्ञान तथा तकनीक के क्षेत्र में सहयोग को उच्च प्राथमिकता प्रदान की गई। घोषणा-पत्र में कहा गया कि हिमत्क्षेत्र क्षेत्रीय समूह द्वारा इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे तथा योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, साथ ही सदस्य देशों के मध्य शिक्षाविदों तथा तकनीकी विशेषज्ञों के आदान-प्रदान पर विशेष बल दिया जाएगा।

(11) हिमत्क्षेत्र द्वारा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एक विशेष कोष की स्थापना की गई है। घोषणा में कहा गया कि इस विशेष कोष की धनराशि को सहयोग कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में प्रभावी ढंग से प्रयुक्त किया जाए।

(12) सदस्य देशों ने निर्णय लिया कि केमरून का हिमत्क्षेत्र के 20वें सदस्य के रूप में सदस्यता प्रदान की जाए, इसी तरह अमेरीका का हिमत्क्षेत्र के छठवें वार्ताकार देश के रूप में शामिल किया जाए, यह भी तय किया गया कि हिमत्क्षेत्र के विदेश मंत्रियों की अगली बैठक 2013 में आस्ट्रेलिया में सम्पन्न होगी।

हिमत्क्षेत्र का बढ़ता हुआ महत्व और भारत

उल्लेखनीय है कि हिन्द महासागर टटीय क्षेत्र में स्थित देशों की जनसंख्या दो बिलियन है, जोकि विश्व की कुल जनसंख्या का एक-चौथाई भाग है। हिन्द महासागर का आर्थिक और सामरिक महत्व केवल इसके टटीय राष्टों के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए है। हिन्द महासागर का महत्व निम्नलिखित बिन्दुओं के अन्तर्गत समझा जा सकता है—

1. हिन्द महासागर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार और संचार की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा समुद्र है। हिन्द महासागर से विश्व का अन्ध जहाजी व्यापार तथा दो-तिहाई तेल का व्यापार होता है।
2. हिन्द महासागर सामरिक महत्व के महत्वपूर्ण खनिज पदार्थों तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का भण्डार है।
3. हिन्द महासागर टटीय क्षेत्र में स्थित देशों का कुल सकल राष्ट्रीय उत्पाद 2011 में 6-5 ट्रिलियन डॉलर था। इनमें से कई देश तकनीकी आर्थिक विकास तथा मानव क्षमता की दृष्टि से समृद्ध हैं, अतः इस क्षेत्र के देशों में विकास तथा सहयोग की अपार सम्भावनाएँ मौजूद हैं।
4. हिन्द महासागर का सामरिक महत्व भी उल्लेखनीय है। यह क्षेत्र वैश्विक शक्ति व स्थिरता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसीलिए हिन्द महासागर विश्व की प्रमुख शक्तियों अमेरीका, चीन, भारत तथा आस्ट्रेलिया के मध्य सामरिक प्रतियोगिता का क्षेत्र है।

हिन्द महासागर का भारत के लिए विशेष महत्व है, क्योंकि भारत की सीमाएँ तीन ओर से हिन्द महासागर से घिरी हुई हैं। भारत की सुरक्षा, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, संचार साधनों तथा महत्वपूर्ण खनिजों व अन्य संसाधनों की दृष्टि से हिन्द महासागर अत्यन्त महत्वपूर्ण

उपकार

विहार

सहायक अभिरक्षित पदाधिकारी प्रारम्भिक परीक्षा

लेखकद्वय

सी. रात एवं अनिल निष

Code No. 2032

मूल्य : ₹ 415/-

प्रमुख आकर्षण

- ♦ मॉडल प्रश्न-पत्र हल सहित ♦ विश्व एक दृष्टि में ♦ सामान्य ज्ञान ♦ समाचारविधि ♦ सामान्य विज्ञान ♦ दम्भ प्रक्रिया शक्ति
- ♦ भारतीय साध्य अधिनियम ♦ व्यवहार प्रक्रिया शक्ति ♦ भारतीय संविदा अधिनियम ♦ सम्पत्ति उत्तरास अधिनियम ♦ विधि प्रश्न
- ♦ भारत का संविधान ♦ इंग्लैंड का संविधान ♦ हिन्दू-मुस्लिम विधि ♦ अपकृत विधि ♦ विनिर्दिष्ट अनुज्ञा अधिनियम ♦ साध्य विधि ♦ न्याय विधि ♦ नैतिक विधि

उपकार प्रकाशन, आगरा - 2

E-mail : sare@upkar.in

Website : www.upkar.in



JOURNALISM & MASS COMMUNICATION

By : Hena Naqvi

Code No. 1567

₹ 220/-



This book is very useful for any professional course based on Journalism and Mass Communication.

Revised & Enlarged Edition

Hindi Edition

Code No. 1332

₹ 199/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

E-mail : sare@upkar.in

Website : www.upkar.in

हे. अतः हिन्द महासागर के तटीय राष्ट्रों में और विस्तार को बढ़ाया जा सकेगा, बल्कि सहयोग बढ़ाने से न केवल इस क्षेत्र में शांति भारत को सुरक्षात्मक और व्यापारिक राष्ट्रीय

हिता की पूर्ति हो सकेगी, इसीलिए भारत हिमत्तक्षेत्र के माध्यम से हिन्द महासागर में क्षेत्रीय सहयोग का प्रबल समर्थक है।

यद्यपि हिमत्तक्षेत्र केवल 15 वर्ष पुराना संगठन है तथा यह अपनी शैक्षणिकता में है, लेकिन इसमें विकास तथा सहयोग की विभूत सम्भावनाएँ मौजूद हैं। फिर भी इसका मजबूत बनाने की दिशा में कतिपय कम-जोरियों का समाधान किया जाना आवश्यक है। हिमत्तक्षेत्र की समजारिष्मि निर्मासिद्धि है—

प्रथम, अभी तक हिमत्तक्षेत्र को विश्वर सम्मेलन के स्तर तक विकसित नहीं किया जा सका है। उच्चस्तरीय निर्धारों के लिए जरूरी है कि हिमत्तक्षेत्र देशों में विश्वर सम्मेलनों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। द्वितीय, हिमत्तक्षेत्र देशों के मध्य आपसी व्यापार उनके अन्य देशों के व्यापार के तुलना में बहुत कम है। अतः क्षेत्रीय देशों के मध्य आपसी व्यापार को बढ़ाया जाना आवश्यक है। इससे क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा। तृतीय, क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण के लिए सदस्य देशों में मौलिक सुविधाओं का नितांत अभाव है। अतः इस क्षेत्र में सम्पर्कता की मौलिक सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है।

भारत तथा थाइलैण्ड : सम्बन्धों का नया दौर

भारतीय प्रधानमंत्री की 30-31 मई, 2013 को सम्पन्न थाइलैण्ड यात्रा से भारत व थाइलैण्ड के सम्बन्धों में एक नए चरण की शुरुआत हुई है। शीतयुद्ध काल में जहाँ थाइलैण्ड अमरीका की सुरक्षा परिधि में शामिल था, वहीं भारत मुद्रिपरिषदा के अन्तर्गत एक स्वतंत्र विदेश नीति का पालन कर रहा था, लेकिन 1990 के दशक में शीतयुद्ध की समाप्ति तथा वैश्वीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण दोनों के सम्बन्धों में प्रगाढता का एक नया युग आरम्भ हुआ। भारत ने जहाँ 1991 में वृष्ट की ओर देशों की नीति प्रारम्भ की, वहीं थाइलैण्ड ने भी इस युग में परिधम की ओर देशों की नीति का अनुसरण किया। थाइलैण्ड आसियान का एक महत्वपूर्ण संस्थापक देश है। वर्तमान में भारत और आसियान के देशों के मध्य व्यापार निवेश, शिक्षा तथा नागरिकों के आदान-प्रदान के क्षेत्र में सम्बन्धों को तेजी से विस्तार हो रहा है। जनवरी 2014 में भारत और आसियान के मध्य मुक्त व्यापार समझौते को लागू किया गया। जिससे दोनों देशों में व्यापार और निवेश बढ़ाने के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त भारत और थाइलैण्ड दोनों

हिमत्तक्षेत्र एक पृष्ठभूमि

1997 में हिमत्तक्षेत्र की स्थापना हिन्द महासागर के उत्तर-पूर स्थित देशों का संगठन है। इन देशों के मध्य ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्पर्क का माध्यम भी हिन्द महासागर ही रहा है। यह संगठन इन देशों की समग्रिक और आर्थिक सहयोग की अकांक्षा की पूर्ति का एक साधन है। दक्षिण अफ्रीका के प्रसिद्ध नेता नेल्सन मण्डेला ने 1995 में अपनी भारत यात्रा के दौरान हिन्द महासागर के तटीय देशों की इस अकांक्षा को रेखांकित किया था, "ऐतिहासिक तथा भौगोलिक तर्कों के आलाोक में यह स्वाभाविक है कि हिन्द महासागर तटीय क्षेत्र में समग्रिक आर्थिक सहयोग तथा अन्य शांतिपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग की अकांक्षा को अपे बढ़ाया जाए।" उत्तर शीतयुद्ध काल में अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था में आए परिवर्तन भी यह स्पष्ट करते हैं कि हिन्द महासागर एक अलग मंच बने। इस पृष्ठभूमि में मार्च 1997 में हिमत्तक्षेत्र की स्थापना एक स्वाभाविक परिणाम है। अपनी पहली मंत्रिपरिषदीय बैठक में हिमत्तक्षेत्र ने अपना एक संविधान स्वीकार किया, जिसमें इसके सिद्धान्तों और उद्देश्यों का उल्लेख किया गया है। हिमत्तक्षेत्र का मुख्यालय मॉरिशस में स्थापित है, क्योंकि मॉरिशस ने इसकी स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। हिमत्तक्षेत्र का निर्देशक सिद्धान्त है, "युक्त क्षेत्रवाद: हिमत्तक्षेत्र स्वीधिक कार्यकालों तथा आन सहमति पर दिए गए निर्धारों के आधार पर कार्य करता है।

युक्त क्षेत्रवाद के सिद्धान्त

हिमत्तक्षेत्र विश्व में एकमात्र ऐसा संगठन है, जो युक्त क्षेत्रवाद के सिद्धान्त पर आधारित है, जिसमें निम्नलिखित बातें शामिल हैं—

1. हिमत्तक्षेत्र के प्रत्येक स्तर पर सभी मामलों में प्रत्येक निर्धार आन सहमति के आधार पर लिए जाएंगे।
2. ऐसे द्विपक्षीय और विवादित मामलों को संगठन की परिधि से बाहर रखा जाएगा, जो सदस्य देशों के मध्य विवाद उत्पन्न कर सकें।
3. सभी सदस्य राष्ट्र हिमत्तक्षेत्र के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न उपाय करेंगे, साथ ही ऐसी कोई भीतिधि में सहमति नहीं देंगे जो हिमत्तक्षेत्र के उद्देश्यों के विपरीत हो।
4. हिमत्तक्षेत्र की क्षेत्रीय और कार्यक्रम स्तर पर राष्ट्रीय द्वारा वैश्विक आधार पर क्रियान्वित किए जाएंगे।

हिमत्तक्षेत्र के उद्देश्य

हिमत्तक्षेत्र के खट्टर में निम्नलिखित उद्देश्यों का उल्लेख किया गया है—

1. सदस्य राष्ट्रों तथा हिन्द महासागर क्षेत्र में टिकाऊ विकास तथा संतुलित विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना तथा इस क्षेत्र में आर्थिक सहयोग के लिए सहाय मंच प्रदान करना।
2. सदस्य राष्ट्रों के मध्य आर्थिक सहयोग के क्षेत्रों को प्राथमिकता प्रदान करना, क्योंकि यही हो क्षेत्र है, जो ताका हितों की पूर्ति के लिए अधिकतम अवसर उपलब्ध करता है। इस उद्देश्य से हिमत्तक्षेत्र द्वारा आर्थिक सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए कार्यक्रमों को तैयार किया जाएगा तथा उन्हें लागू किया जाएगा।
3. आपसी सहमति के आधार पर क्षेत्रीय सहयोग के अन्य क्षेत्रों को विकसित करना।
4. हिन्द महासागर क्षेत्र में व्यापार, उपरीकरण को प्रोत्साहित करना, ताकि व्यापार में बढ़ोतरी और विवेकीकरण को बढ़ावा दिया जा सके।
5. सदस्य राष्ट्रों के मध्य उद्योग, शैक्षणिक संस्थाओं, नागरिकों के मध्य आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।
6. विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय मंचों में वैश्विक आर्थिक मामलों पर सदस्य राष्ट्रों के मध्य सहयोग को मजबूत करना।
7. हिन्द महासागर क्षेत्र में सदस्य राष्ट्रों की संस्थाओं के मध्य सहयोग को आगे बढ़ाकर मजबूत सम्बन्ध विकास को सुनिश्चित करना।

हिमत्तक्षेत्र के सदस्य

आजान में हिमत्तक्षेत्र के 20 सदस्य हैं—आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, हंग्गोनेसिया, भारत, ईरान, केन्या, मोजाम्बिक, मलेशिया, मॉरिशस, मुजायिक, ओमान, सेरालय, सिंगापुर, दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, ताइवान, थाइलैण्ड, संयुक्त अरब अमीरात तथा केमरौन। उल्लेखनीय है कि केमरौन को 2012 की मंत्रिपरिषदीय बैठक के दौरान हिमत्तक्षेत्र के 20वें सदस्य के रूप में स्वीकार किया गया।

उल्लेखनीय है कि हिमत्तक्षेत्र में छह बाल्कन देश भी शामिल हैं। ये हैं— मिस्र, जापान, चीन, इंग्लैण्ड तथा फ्रांस। अमरीका को 2012 में छववें अतिरिक्त देश के रूप में शामिल किया

ही पूर्व एशिया सम्मेलन, बिस्मटोक, मीकांग गंगा सहयोग तथा एशिया सहयोग कक्षा के सदस्य हैं तथा इन मंचों के माध्यम से दोनों के मध्य विचारों के आदान-प्रदान तथा सहयोग को आगे बढ़ाने के अवसर प्राप्त हो रहे हैं। पूर्व एशिया सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य एक पूर्वी एशिया आर्थिक समुदाय की स्थापना करना है, जिसमें दोनों ही देश महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

यद्यपि भारत और थाइलैण्ड के बीच कूटनीतिक सम्बन्धों की शुरुआत 1947 में ही हुई, लेकिन दोनों के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक सम्बन्ध अत्यन्त प्राचीन हैं। थाइलैण्ड भारत के विस्तारित पड़ोस में स्थित है तथा अण्डमान समुद्र में दोनों की समुद्री सीमा भी मिलती है। भारत में जन्मे बौद्ध धर्म का थाइलैण्ड में व्यापक प्रभाव है। इसके कारण बौद्ध नागरिक बड़ी संख्या में प्रतिवर्ष भारत स्थित बौद्ध स्मृतियों को देखने भारत आते हैं। इतना ही नहीं थाइलैण्ड की कला तथा संस्कृति में हिन्दू धर्म का व्यापक प्रभाव देखा जा सकता है। थैई भाषा में भारतीय भाषाओं जैसे जलो तथा संस्कृत का प्रभाव स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। साथ ही वर्तमान समय में करीब 1.5 लाख भारतीय समुदाय के लोग थाइलैण्ड में निवास करते हैं। इस भारतीय समुदाय को थाइलैण्ड की

नागरिकता प्राप्त है। थाइलैण्ड स्थित भारतीय समुदाय में मुख्यतः सिख, पंजाबी, मराठवाड़, गुजराती, तमिल तथा सिंधी शामिल हैं। इनमें से दो भारतीय मूल के निवासियों को क्रमशः 2006 और 2010 में प्रवासी भारतीय सम्मान भी प्राप्त हो चुका है।

उच्चरतरीय यात्राओं का आदान-प्रदान

इस पृष्ठभूमि में गत 20 वर्षों में दोनों के मध्य उच्चरतरीय यात्राओं के आदान-प्रदान में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। थाइलैण्ड के पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन सिनवात्रा ने नवम्बर 2001, फरवरी 2002 तथा जून 2005 में भारत की यात्रा की। इसी तरह अन्य प्रधानमंत्रियों ने जून 2007, नवम्बर 2008 तथा अप्रैल 2011 में भारत की यात्रा की। थाइलैण्ड की वर्तमान प्रधानमंत्री इंगलक सिनवात्रा ने जनवरी 2012 तथा दिसम्बर 2012 में भारत की यात्रा की। उन्होंने 24 से 26 जनवरी, 2012 को भारत की जो यात्रा की थी, उसमें वे भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे। इसके अतिरिक्त नवम्बर 2012 में थाइलैण्ड में सम्पन्न हुए भारत-असियान सम्मेलन के समय भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह व थाइलैण्ड प्रधानमंत्री के मध्य विभिन्न विषयों पर विचार-

विमर्श किया गया। 20-21 दिसम्बर, 2012 को थाइलैण्ड की प्रधानमंत्री भारत-असियान स्मृति शिखर सम्मेलन के उपलक्ष्य में भारत आये थीं तथा अपनी इस यात्रा के दौरान उन्होंने बोधगया स्थित महाबोधि मन्दिर की यात्रा की। गत 20 वर्षों में भारत के प्रधानमंत्रियों ने भी थाइलैण्ड की महत्वपूर्ण यात्राएं की हैं। प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने अप्रैल 1993 में थाइलैण्ड की यात्रा की थी तथा प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नवम्बर 2002 तथा अक्टूबर 2003 में थाइलैण्ड की यात्रा कर सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर उच्चतरीय विचार-विमर्श किया। इसी क्रम में भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की जुलाई 2004, अक्टूबर 2009 तथा 30-31 मई, 2013 की यात्राएं सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं।

भारतीय प्रधानमंत्री की थाइलैण्ड यात्रा 30-31 मई, 2013

भारतीय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने थाइलैण्ड प्रधानमंत्री के आमंत्रण पर 30-31 मई, 2013 को थाइलैण्ड की अपनी राजकीय यात्रा सम्पन्न की। इस यात्रा के समय उनके साथ भारत के विदेश मंत्री के साथ-साथ एक उच्चस्तरीय सरकारी प्रतिनिधि मण्डल भी शामिल था। भारतीय प्रधानमंत्री ने यात्रा

UPKAR'S HARYANA CIVIL JUDGE (JUNIOR DIVISION) PRELIMINARY EXAM.

By : Dr. Lal & Misra

Code No. 329

Price : ₹ 390/-

Contains

● Constitution of India ● Indian Penal Code ● Code of Civil

Procedure ● Code of Criminal Procedure ● Indian Evidence Act ● Indian Contract Act ● Hindu Law ● Muslim Law ● The Specific Relief Act ● The Indian Partnership Act ● The Limitation Act ● The Registration Act ● Sale of Goods Act ● The Punjab Courts Act ● National-International Events

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-282 002

E-mail : info@upkar.in

Website : www.upkar.in

डिप्लोमा

दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड सहायक शिक्षक (नर्सरी) मर्ती परीक्षा

लेखक : डॉ. ज्ञान एवं ज्ञान कोश नं. 2225 ₹ 320/-

प्रमुख आकर्षण

- सामान्य जानकारी (दिल्ली-एक दृष्टि संहिता)
- सामान्य बुद्धिमाता एवं तर्कशक्ति योग्यता
- अंकगणितीय एवं आंकिक योग्यता
- हिन्दी भाषा एवं बोधशक्ति
- English Language & Comprehension



ENGLISH EDITION

Code 1784 ₹ 260/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : info@upkar.in

Website : www.upkar.in

के दौरान दोनों देशों के प्रथम संस्कृतिक सम्बन्धों के प्रतीक के रूप में बाइलेण्ड के सम्राट को पवित्र बंधन को एक पौधा भी भेंट किया। दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय मामलों पर उच्चस्तरीय विचार-विमर्श किया गया। दोनों नेताओं ने इस बात को स्वीकार किया कि उनके सम्बन्ध दोनों देशों के लिए लाभकारी होने के साथ-साथ इस क्षेत्र में सामरिक आर्थिक विकास, शान्ति तथा विधरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। दोनों ने यह स्वीकार किया कि भारत की 'पुरब की ओर देखो' की नीति तथा बाइलेण्ड की 'पश्चिम की ओर देखो' की नीति ने इतनी सम्माननाएँ निहित हैं कि दोनों देशों के सम्बन्धों को सामरिक सम्बन्धों के स्तर तक आगे बढ़ाया जा सकता है। इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 30 मई, 2013 को एक संयुक्त वाक्या पर हस्ताक्षर किए, जिसकी मुख्य बातें इस प्रकार हैं—

(1) दोनों ने यह स्वीकार किया कि दोनों के मध्य द्विपक्षीय व्यापार वर्तमान समय में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गत 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वर्ष 2012 में द्विपक्षीय व्यापार 8-6 बिलियन डॉलर था। दोनों नेताओं ने माना कि द्विपक्षीय व्यापार में वृद्धि दोनों के आपसी लाभ तथा टिकाऊ विकास के लिए आवश्यक है।

(2) दोनों नेताओं ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि उनके मध्य निवेश में भी तेजी से वृद्धि हो रही है, जिसके कारण दोनों देशों में रोजगार की नई सम्भावनाएँ उत्पन्न हो रही हैं। वर्ष 2012 में भारतीय कम्पनियों द्वारा बाइलेण्ड में 200 मिलियन डॉलर का निवेश किया गया। इसी तरह बाइलेण्ड की कम्पनियों द्वारा इसी वर्ष 12 मिलियन डॉलर का निवेश किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि भारत अब तक बाइलेण्ड में 2 बिलियन डॉलर की लगत निवेश कर चुका है।

(3) भारत ने बाइलेण्ड के निजी क्षेत्र का विकास के मौलिक ढाँचे के विकास के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि भारत में मौलिक ढाँचे के विकास से सम्बन्धित दिल्ली-मुम्बई गलियारा, चेन्नई-बंगलुरु औद्योगिक गलियारा, कोड स्किल का विकास जैसी तमाम योजनाएँ चल रही हैं। निजी क्षेत्र में सहयोग के लिए नवस्थापित बाइलेण्ड-भारत व्यापार मंच का दोनों द्वारा स्वागत किया गया। इस मंच का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के निजी क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाना है। इसके साथ ही दोनों देश इस बात पर सहमत हुए कि वे व्यापार से सम्बन्धित बीजा सेवाओं को उदारीकृत कर सकेंगे।

(4) दोनों देशों ने बाइलेण्ड-भारत मुक्त व्यापार समझौता वार्ताओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। इन वार्ताओं का अन्तिम चक्र नवम्बर 2012 में दिल्ली में सम्पन्न हुआ था तथा अगला चक्र जुलाई 2013 में बैंकॉक में सम्पन्न होगा। जब भी यह समझौता सम्पन्न हो जाता है, दोनों देशों के व्यापार में तेजी से बढ़ोतरी होगी। उल्लेखनीय है कि आसमान के साथ 2010 में ही भारत इस प्रकार के समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है तथा बिस्मटेक के सदस्य देशों ने भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इन प्रयासों से ही भारत और बाइलेण्ड के बीच आर्थिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ेगा।

(5) दोनों देशों ने दोनों के मध्य भौतिक सम्पर्कता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके लिए एक संयुक्त काउन्सिल की स्थापना भी की गई, जिसकी पहली बैठक सितम्बर 2012 में नई दिल्ली में सम्पन्न हुई। उल्लेखनीय है कि भारत, म्यांमार तथा बाइलेण्ड को रोज सम्पर्क मार्ग से जोड़ने के लिए एक त्रिपक्षीय हाइवे योजना पर तीनों देशों के मध्य बातचीत चल रही है। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि इस योजना को 2016 तक पूरा कर लिया जाएगा। इस योजना के पूरा होते ही दोनों के मध्य व्यापार निवेश, सेवाओं तथा पर्यटन के विकास में सहयोग को आगे बढ़ाया जा सकेगा। इस यात्रा के दौरान इस योजना के सम्बन्ध में दोनों के मध्य उच्च स्तर पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। साथ ही दोनों देशों ने वायु मार्ग से सम्पर्कता को बढ़ाने पर भी बल दिया। वर्तमान में दोनों देशों के मध्य प्रति सप्ताह 150 वायु उड़ानें संचालित होती हैं।

(6) दोनों देशों ने सुरक्षा तथा प्रवेश के क्षेत्र में भी सहयोग को महत्वपूर्ण मानते हुए इस आगे बढ़ाने पर बल दिया। बाइलेण्ड ने भारत के रक्षा उत्पादनों पर रुफि दिखाई तथा प्रतिरक्षा उद्योग के क्षेत्र में सहयोग करने पर बल दिया। उल्लेखनीय है कि दोनों देशों की नौसेनाओं द्वारा समुद्री सीमा पर सैन्यचरकरी निगरानी का रही है। भारत के प्रतिरक्षा मंत्री जून 2013 में बाइलेण्ड की यात्रा करेंगे। दोनों देशों ने समुद्री डकैती को रोकने तथा इस क्षेत्र में समुद्री मार्ग की सुरक्षा बनाए रखने के लिए सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की, जिससे इस क्षेत्र में शान्ति को बढ़ावा मिलेगा।

सुरक्षा के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण उपस्थिति यह थी कि दोनों देशों ने इस यात्रा के दौरान एक द्विपक्षीय प्रत्यक्ष सन्धि पर हस्ताक्षर किए। इस सन्धि के उपरान्त दोनों देशों द्वारा अपराधियों के आदान-प्रदान में सुगमता होगी। दोनों नेताओं ने आतंकवाद को समाप्त करने, संगठित अपराधों, गरीबी दबाई के व्यापार, मुद्रा का अवेध व्यापार

आदि के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बल दिया।

(7) दोनों देशों ने विज्ञान तथा तकनीक के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ संयुक्त शोध प्रोजेक्ट लागू करने पर बल दिया। विज्ञान व तकनीक में सहयोग के प्रमुख क्षेत्र हैं— सहरी नियोजन, कृषि फसलों का आकलन तथा अन्तरिक्ष विज्ञान।

(8) दोनों नेताओं ने दोनों देशों के मध्य ऐतिहासिक और सांस्कृतिक सम्बन्धों के आलाोक में शिक्षा, संस्कृति तथा नागरिकों के आपसी आदान-प्रदान के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। बाइलेण्ड के प्रधानमंत्री ने यह स्वीकार किया कि बैंकॉक में भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की स्थापना से बाइलेण्ड में भारतीय संस्कृति के प्रति समझ का विकास होगा। दोनों नेताओं ने संसदीय दलों, शिक्षासंस्थानों, वैज्ञानिकों तथा सांस्कृतिक कलाकारों के आदान-प्रदान बढ़ाने पर बल दिया।

(9) दोनों नेताओं ने इस यात्रा के दौरान कतिपय क्षेत्रों और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श कर आपसी सहमति व्यक्त की। दोनों ने भारत-असियान सम्मेलन सम्बन्धी तथा बिस्मटेक की भूमिका के आलाोक में आर्थिक, वैज्ञानिक तथा तकनीकी सहयोग के माध्यम से क्षेत्रीय सम्बन्धों का मजबूत बनाने पर बल दिया। इसी तरह दोनों देशों ने मौकाम गंगा सहयोग के माध्यम से विकास योजनाओं तथा विशेषकर मानव क्षमता विकास के कार्यक्रमों को लागू करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने यह स्वीकार किया कि पूर्वी एशिया सम्मेलन एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए तथा एशिया प्रशास्य क्षेत्र में शान्ति व सम्पन्नता की स्थापना के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते करने की क्षमता रखता है।

(10) दोनों नेताओं ने यह स्वीकार किया कि संयुक्त राष्ट्र संघ सहित अन्य अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत तथा बाइलेण्ड का आपसी सहयोग सन्तोषजनक है। इस सम्बन्ध में दोनों देशों ने अपनी इस नीति को दोहराया कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिक लोकतांत्रिक, खुला तथा प्रभावी बनाने के लिए इसमें सुधार की आवश्यकता है, ताकि यह 21वीं शताब्दी की चुनौतियों का सामना कर सके। इस सम्बन्ध में दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्त्रीय सुधार के महत्व को रेखांकित किया। जिससे यह संस्था अधिक जवाबदेह तथा प्रभावी बन सके। बाइलेण्ड के प्रधानमंत्री ने सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता के दावे का समर्थन किया।

(11) इस यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अग्रलिखित महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए—

- प्रत्यर्पण संधि जिसके द्वारा दोनों देश एक-दूसरे के क्षेत्र में अग्रगण्य करने वाले अपराधियों का आदान-प्रदान कर सकेंगे, यह बहुप्रतीक्षित संधि भारत के लिए अत्यंत लाभकारी है, क्योंकि इससे अन्तर्गत भारत में अपराध करके ब्राइलेण्ड में शरण पाए अपराधियों को वापस भारत लाने में सहायता मिलेगी।
- भारत-ब्राइलेण्ड आदान-प्रदान कार्यक्रम के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके द्वारा दोनों देशों के मध्य आर्थिक, वैज्ञानिक, सांस्कृतिक तथा तकनीकी व सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ाया जा सकेगा।
- दोनों देशों ने सहायता अपराधियों के आदान-प्रदान हेतु 25 जनवरी, 2012 को एक संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका अनुमोदन किया गया, ऐसे राज्यात्मक कर्तव्यों को अपने देश में बची हुई सजा काटने की अनुमति प्राप्त हो सकेगी।
- अन्तरिक्ष तकनीकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए दोनों देशों द्वारा एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, इस सहमति पत्र से दोनों के मध्य अन्तरिक्ष तकनीकी के माध्यम से विभिन्न प्रकार के मानचित्रों को तैयार किया जाएगा।

- पुरातत्व एटलस तैयार करने के लिए दोनों देशों के मध्य एक अन्य सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, इस सहमति पत्र के अन्तर्गत भारत सहित आसियान के सभी देश भाग ले सकेंगे।
- मुद्रा के अवैध व्यापार तथा अन्य अपराधिक गतिविधियों में संलग्न व्यक्तियों की छानबीन के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, इस सहमति पत्र के अन्तर्गत दोनों देश हन क्षेत्रों में सूचनाओं का आदान-प्रदान करेंगे।
- एक अन्य सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए गए, जिसके द्वारा ब्राइलेण्ड के थानसात विरवधियालय में एक हिन्दी पीठ की स्थापना की जाएगी, इस पीठ पीठ ब्राइलेण्ड में हिन्दी भाषा का स्नातक स्तर का पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा।

निष्कर्ष

ब्राइलेण्ड भारत के विस्तारित पड़ोस में स्थित एक छोटा देश है, लेकिन सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और ब्राइलेण्ड के सांस्कृतिक सम्बन्ध अत्यंत प्राचीन है, क्षेत्रीय सहयोग की दृष्टि से भी

दोनों देश बिस्मटेक, असियान, पूर्व एशिया सम्मेलन तथा मीकांग गंगा सहयोग प्रक्रिया के माध्यम से क्षेत्रीय सहयोग की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। ब्राइलेण्ड आसियान का एक महत्वपूर्ण देश है। भारत की 'पुरख की ओर' की नीति के आलाोक में भारत और ब्राइलेण्ड के सम्बन्ध इस नीति की सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक है। व्यापार व निवेश के साथ-साथ दोनों देश वर्तमान में सुरक्षा, तकनीकी तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग को आगे बढ़ा रहे हैं। दोनों देशों ने वर्तमान में नीतिक सम्पर्कता को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया है। इस सन्दर्भ में प्रस्तावित भारत-म्यांमार तथा ब्राइलेण्ड हाइवे का विशेष स्थान है। इस परियोजना के पूरे होने के उपरान्त दोनों देशों के मध्य व्यापार व निवेश के साथ-साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भी ब्राइलेण्ड ने भारत के दृष्टिकोण का समर्थन किया है। अतः दोनों के मध्य सहयोग बढ़ाने की विधुल सम्भावनाएँ मौजूद हैं।

Based on UPSC Pattern

UPKAR'S **New Edition**

Compendium

GENERAL KNOWLEDGE

(With Latest Data and Facts)

Useful for Various Competitive Exams.

By : Kumar Sundram Code No. 360 ₹ 195/-

It Includes

- Books and Authors
- Indian History
- India and World Geography
- Indian Polity
- Indian Economy
- General Science
- Miscellaneous
- Sports
- National and International Awards and much more.

HINDI EDITION Code 598 ₹ 185/-

Upkar Prakashan, AGRA-2 E-mail: info@upkar.in Website: www.upkar.in

उपकार **नवीन संस्करण**

इमारखण्ड

पी.एस.सी.

प्रारम्भिक परीक्षा

सामान्य अध्ययन

अति-विशिष्ट

अध्ययन सामग्री

के साथ

लोक टी. एस. गेल

चांद 1000 ₹ 350/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-2 E-mail: info@upkar.in Website: www.upkar.in

भारत-ब्रिटेन के 'खास' रिश्ते

डा. निरीश चन्द्र पाण्डे

डेविड कैमरून भारत में—कुछ समय पहले भारत के दौर पर तीन दिवसीय (18-20 फरवरी, 2013) सरकारी यात्रा पर आए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरून ने भारतीय कलाकारों और विद्यार्थियों के लिए विशेष एंजनों की घोषणा की। उन्होंने भारतीय कलाकारों को ब्रिटेन में एक दिन में बीजा मिलने की घोषणा की। यह बीजा उन लोगों के लिए है जो ब्रिटेन में जाकर निवेश करना चाहते हैं। डेविड कैमरून ने जगुआर तथा लेड रोवर जैसे निवेशों का उल्लेख कर इसे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर दोनों देशों की सफलता की कहानी बताया। यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि ब्रिटेन भारत में सबसे बड़ा यूरोपीय निवेशक है जबकि भारत का आधा निवेश ब्रिटेन में है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारत से निवेश जाने वाले विद्यार्थियों की तादाद सीमित न करने की बात भी की, उनका यह भी कहना था कि ब्रिटेन में रहते हुए पढ़ाई पूरी करने के बाद श्रृंखला लेवल जाँच करने और उन्नत की अवधि की भी कोई समय सीमा नहीं है। यहाँ यह नोट करना उचित होगा कि बीजा के सख्त नियमों की वजह से ब्रिटेन में अध्ययन हेतु जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की संख्या में भारी कमी आयी है। एक अनुमान के अनुसार 2011-12 की तुलना में यहाँ पढ़ने वाले विद्यार्थियों की तादाद 25 प्रतिशत से कम हो गयी। मुम्बई से अपनी यात्रा की शुरुआत करते हुए और भारतीय उद्योगपतियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ब्रिटेन का सबसे बड़ा बीजा ऑपरेशनस भारत में है। मुम्बई में ब्रिटेन की कम्पनी सुनिवर्कर की भारतीय युनिट हिन्दुस्तान सुनिवर्कर के कर्मचारियों के साथ बातचीत ने कैमरून ने भारत से रिश्तों को और खास बनाने की प्रशंसा व्यक्त की। स्मरणीय है कि डेविड कैमरून सिर्फ तीन वर्ष के अपने कार्यकाल में दूसरी बार इतना बड़ा प्रतिनिधिमण्डल यानी 100 सदस्यों से अधिक को साथ लेकर भारत आए। आज तक कोई ब्रिटिश प्रधानमंत्री इतने बड़े लाय लम्बर के साथ किसी भी देश की यात्रा पर नहीं गया। इस प्रतिनिधिमण्डल ने स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति तथा नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में और सहायोग की सम्भावनाएँ तलाशने और दिया। मुम्बई में आचारणुख सरचना

सम्बन्धी पहलकदमियों पर आपसी आदान-प्रदान करते हुए ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन (टोएफएल) ने जिसकी लंदन में व्यापक मेट्रो नेटवर्क की व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है, एमएमआरडीए के साथ मेट्रो प्रमालियों के विकास, दस्ता तथा सुचनाओं के आदान-प्रदान हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। अपनी यात्रा के दौरान ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारत को ब्रिटेन की कम्पनियों हेतु बेहतर नौके पैदा करने के साथ-साथ व्यापार सम्बन्धी बाधाएँ हटाने पर भी जोर दिया ताकि ब्रिटेन के लिए भारत में कारोबार करना आसान हो सके।

बीबीआईपी हेलीकॉप्टर एडवेंचर-101 डील में कथित रिवलरों की मारता भी दोनों नेताओं की बातचीत में उन्नत, स्मर्य रहे कि अगुस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर बनाने वाली कम्पनी फिनमेकेनिका का मलिकाना हक भले ही इतालवी लोगों के हाथ में है, लेकिन ये हेलीकॉप्टर बने ब्रिटेन में ही हैं। 12 हेलीकॉप्टरों की डील में से खिन 3 की डिलीवरी भारतीय वायुसेना को हुई है, बंसाव वेस्ट इंग्लैंड में ही बने हैं। इसलिए सीदे में घुस का तानाबाना बुनने में ब्रिटिश अधिकारियों की भी भूमिका रही है। यहाँ यह नोट करना भी उचित है कि भारत में सबसे ज्यादा निवेश करने वाले तीन देश हैं—गौरीशस, सिंगापुर तथा ब्रिटेन, कहा जाता है कि मारीसस तथा सिंगापुर के आसान कानूनों का फायदा उठाकर भारत का काला पैसा यहाँ लुकाई होने जाता है फिर वापस भारत में ही निवेश होने पड़ा आता है, जबकि ब्रिटेन के सम्बन्ध में ऐसा नहीं है। इसलिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने हेलीकॉप्टर दलाली जीव में डर सम्भव पूरी मदद का आश्वासन दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि ब्रिटेन में रिवलरों की खिछाव दुनिया का सबसे बड़ा कानून है। कहा जाता है कि अगस्ता वेस्टलैंड द्वारा बनाए गए बीबीआईपी हेलीकॉप्टरों के भारतीय वायुसेना के लिए 3600 करोड़ रूपए के सीदे में करीब 10 प्रतिशत की दलाली में भारत और इटली के एजेंट शामिल हैं। यहाँ यह भी ध्यान देने योग्य है कि जब भारतीय वायुसेना को फ्रेंच कम्पनी लेऑल्ट से राफेल जेट काइएट की सप्लाई हेतु परसदीय बोली लगाने हेतु चुन गया तो ब्रिटेन, जर्मन, स्पेन और इटली को लगता,

इतका लगा कि राष्ट्रपति फ्रैंकोइस होलाँद की 14-15 फरवरी, 2013 को की गई भारत यात्रा के दौरान राफेल सीदे में अन्तिम मंजूरी न मिलने से ब्रिटेन की भारत को यूरो काइएट खरीदने के लिए मनाने की भी इच्छा है।

दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय परमाणु सहयोग समझौते को हरी झंडी देते हुए परमाणु ऊर्जा में सहयोग के मसले पर बातचीत जारी रखने पर भी बल दिया। स्मरणीय है कि ब्रिटेन ने पहले ही अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु जगत में भारत को शामिल करने पर अपना समर्थन दिया है और द्विपक्षीय परमाणु सहयोग समझौते पर सैद्धान्तिक सहमति प्रदान की थी। दोनों नेताओं ने 2010 में परमाणु मसले पर जारी संयुक्त घोषणा पत्र का जिक्र करते हुए इस क्षेत्र में सहयोग का मजबूत बनाने की बात की। परमाणु मसले के अलावा सुरक्षा, आतंकवाद और आपसी व्यापार पर भी चर्चा हुई। ब्रिटेन ने एनएसजी तथा दूसरे अन्य समान संगठनों जैसे एनएसजी, वाशेनर अरंजमेंट, आस्ट्रेलिया ग्रुप तथा एमपीसीआर रिजॉन में भारत की सदस्यता का भी समर्थन किया। साथ ही ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने मुम्बई, बंगलूर ओछाणिक गलियात्रा बनाने में ब्रिटेन द्वारा विशिष्ट मदद का याद किया, डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने सहयोगी से एक उदार बीजा व्यवस्था लागू करने का आग्रह किया ताकि लोगों की आवाजाही आसान हो। भारत ने यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते हेतु ब्रिटेन से सहयोग की माँग की। दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान में शान्ति और स्थिरता प्रदान करने की अपनी वचनबद्धता व्यक्त की। ब्रिटेन ने 2014 में अकम्पनिस्तान से गाटो सैना की वापसी के बाद भी उसे निरन्तर सहायता देने की पेशकश है। और अफगानिस्तान के सबसे बड़े दुरान आतंकवाद का भारत के साथ मिलकर मुकाबला करने की इच्छा व्यक्त की है। युक्ति दोनों देश 'आतंकवाद' का सामना कर रहे हैं इसलिए आतंकवाद के सफाए में भी दोनों के विचार एक समान हैं।

भारत-ब्रिटेन शिखर सम्मेलन 2013 : संयुक्त वक्तव्य

दोनों नेताओं की आपसी बातों के बाद 19 फरवरी, 2013 को जारी संयुक्त वक्तव्य का विषय था "भारत और ब्रिटेन : एक ठोस व्यापक तथा गहन भागीदारी (India and UK : A stronger, wider, deeper partnership)". संयुक्त वक्तव्य में पिछले 2010 के शिखर सम्मेलन से अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की गयी और इस पर संतोष व्यक्त करते हुए सम्बन्धी में

JUST RELEASED

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

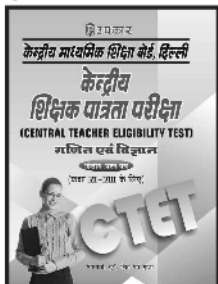
(CENTRAL TEACHER ELIGIBILITY TEST-CTET)

परीक्षा हल प्रश्न-पत्र संहिता

उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें

द्वितीय प्रश्न-पत्र

सामाजिक अध्ययन
(कक्षा VI-VIII के लिए)



द्वितीय प्रश्न-पत्र
गणित एवं विज्ञान
(कक्षा VI-VIII के लिए)

Code 2102 • ₹ 420/-



Code 2103 • ₹ 340/-

प्रथम प्रश्न-पत्र
(कक्षा I-V के लिए)

Code 2104 • ₹ 335/-



उपकार
की पुस्तकें

सर्वश्रेष्ठता का
विकल्प नहीं

English Editions
are also
Available

उपकार प्रकाशन

2/11 ए, स्वदेशी बाजार, आगरा-202 002 फोन : 4053333, 2531101, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
जोध अफिस : • 4845, जवाहर रोड, दरभंगा-2, नई दिल्ली-2, फोन : 011-2325184/466
• 1-8-1/3, आर. आर. कोमलेश (बुधवार मार्ग के पास), बंगलुरु-44, फोन : 040-66753330
• पोल्वाडकी रोड, मंगलगुडी, चेन्नई-600 003 फोन : 0612-2673340

E-mail : upkar@upkar.in
Website : www.upkar.in

और बिस्तार विस्तारक व्यापार तथा निवेश में और भावी व्यापक सम्भावनाओं के दोहन पर जोर देकर आर्थिक विकास तथा सहयोग का द्विपक्षीय किया गया, निम्नलिखित सहयोग के द्विपक्षीय व्यापार में आयी तेजी पर संयुक्त व्यवस्था किया गया यह 23 प्रतिशत के औसत से बढ़ा है, सद्यः 2013 में आर्थिक परिस्थितियों प्रतिकूल रही है फिर भी दोनों देश व्यापार तथा निवेश बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन भारत में तीसरा सबसे बड़ा निवेशक है, जबकि भारत ब्रिटेन में पाँचवाँ सबसे बड़ा निवेशक है, दोहरे करदान अपवर्धन अधिसूचना (Double Taxation Avoidance Convention DTAC) के सहोपचार प्रोटोकॉल पर अक्टूबर 2012 में हस्ताक्षर होने से दोनों देशों के निवासियों हेतु कर सम्बन्धित में सहायता मिलेगी और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ेगा, इससे निवेश, प्रौद्योगिकी तथा सेवा जैसे क्षेत्रों में बढ़ोतरी होगी, दोनों देश कर मामलों में पारदर्शिता के पक्षधर रहे हैं, ब्रिटेन-भारत सीईओ फोरम के सदस्यों से दोनों नेताओं ने मुलाकात की, उन्होंने उन्नत विनिर्माण और अनुसंधान तथा विकास, शिक्षा तथा दस्ता, स्वास्थ्य देखभाल तथा आधारभूत संरचना एवं ऊर्जा सहित कारोबारी भागीदारी के और विकास हेतु दिए गए सुझावों को ध्यान में रखा,

दोनों नेताओं ने यूरोपीय संघ-भारत बार्त के सहाय परिधान आने के प्रति अपनी ठोस वचनबद्धता व्यक्त की ताकि 2013 तक इनके बीच एक व्यापक, समुचित तथा महत्वाकांक्षी एफटीए अस्तित्व में आए और जो दोनों देशों में भावी जीव सुजन तथा विकास का वाहक बने, संयुक्त वक्तव्य में आधारभूत संरचना क्षेत्र में बंगलुरु-मुम्बई आर्थिक गलियारा के विकास के प्रति भारत का ब्रिटेन से सहयोग रेखांकित किया गया, स्वास्थ्य क्षेत्र में अपनी सहयोग की महत्ता को स्वीकारते हुए भविष्य में इस क्षेत्र में और सहयोग बढ़ाने हेतु दोनों देशों की सरकारों के बीच समझौता ज्ञान के निष्पन्न होने का स्वागत किया गया, वक्तव्य में संयुक्त अनुसंधान गतिविधियों में दोनों देशों के सह निवेश में 2009 में 1 मिलियन डॉलर से बढ़ोतरी होकर वर्तमान में इसके 100 मिलियन डॉलर से अधिक होने का उल्लेख करते हुए उन्नत विनिर्माण, जैव ऊर्जा, स्मार्ट ग्रिड, ऊर्जा भण्डारण, भावी पीढ़ी की वायरलेस प्रणालियों तथा अनुप्रयुक्त गणित जैसे उन्नत सहयोग क्षेत्रों का भी उल्लेख किया गया, इससे निश्चित तौर पर भारत-ब्रिटेन अनुसंधान तथा विकास के साथ भारत में बढ़ोतरी होगी और एक ऐसी किसम तथा उच्च प्रगति की भागीदारी

का विकास होगा जिससे नए ज्ञान सुजन में सहायता मिलेगी, दोनों नेता 2015 के बाद के ऐसे महत्वाकांक्षी तथा व्यवहार्य विश्व के विकास एजेंडे पर एक साथ कार्य करने पर सहमत हुए हैं ताकि जहाँ कहीं गरीबी है, उसका उन्मूलन किया जा सके और विकासशील देशों हेतु इस एजेंडे के कार्यान्वयन हेतु व्यापक साधनों को सुनिश्चित किया जा सके,

ऊर्जा सुरक्षा के प्रति दोनों देशों की समान विन्या का उल्लेख करते हुए इसे शांति बुनीती का आपसी सहयोग से मुकामला करने पर जोर दिया गया है, तेल तथा गैस, नदीकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा क्षमता, विद्युत ऊर्जा, कम कार्बन उत्सर्जन करने वाली प्रौद्योगिकी सहित ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों के बीच व्यापक सहयोग का स्वागत किया गया है, भारत के ऊर्जा क्षेत्र में पर्याप्त डिजिटल निवेश पर संशोधन व्यक्त करते हुए भविष्य में ऊर्जा, जैव ईंधन तथा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों में नीतिगत, वित्तीयक तथा अनुसंधान सम्बन्धी सहयोग को प्रगाढ़ बनाने की बात कही गयी है, संयुक्त ब्रह्मण में आतंकवाद के किसी भी रूप तथा नेटवर्क का खाला करने पर जोर देते हुए आतंकवादरोधी बलों के संयुक्त प्रशिक्षण पर सहयोग पर बल दिया है, साथ ही साइबर सुरक्षा में सहयोग को घनिष्ठ बनाने और अक्टूबर 2012 में सम्पन्न व्यापक द्विपक्षीय साइबर डायलॉग पर आगे बढ़ने तथा साइबर मुद्दों पर दोनों देशों के बीच सहयोग को और प्रगाढ़ बनाने की बात की गयी है, इस सम्बन्ध में संयुक्त कार्यदल की स्थापना की घोषणा की है, परमाणु हथियार मुक्त विश्व निर्माण की दिशा में कार्य करने हेतु निरस्त्रीकरण तथा अस्त्रात मुद्दों पर नियमित बार्त पर जोर दिया गया है, व्यापक जनसंसार सामग्री के आतंक-वर्धियों के हथों में पहुँचने से उद्बल खतरे को मापते हुए दोनों नेताओं ने सार्वजनिक, जैविक, रसायनोपार्जित तथा परमाणु सुरक्षा पर समझौता ज्ञान पर हस्ताक्षर करने पर अपनी सहमति व्यक्त की साथ ही बार मुख्य निर्यात नियंत्रण प्रणालियों (Major export control regimes) शिक्षा उल्लेख कर दिया जा चुका है, में भारत के प्रवेश पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने जोर दिया है, साथ ही उन्होंने अस्त्र तथा सैन्य दोनों क्षेत्रों में ब्रिटेन की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी को भारत को उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है, दोनों देशों के बीच बल सेना के नियमित संयुक्त अभ्यास का स्वागत किया गया है, सितम्बर 2011 में हस्ताक्षरित समझौते के तहत टेक्नोलॉजी लेटेंसी तथा भारत के डीआरडीओ के बीच दोनों देशों के वैज्ञानिकों द्वारा रखा तथा सुरक्षा सम्बन्धी

प्रौद्योगिकी को विकसित करने का भी उल्लेख किया, स्तरम रहे कि 2012 में इस आशय की तीन साझीदारी परियोजनाएँ प्रारम्भ की गयी थीं तथा रसायन और जैव रसा की एक नई परियोजना पर साथ काम करने पर अभी सहमति बनी है, संयुक्त सुरक्षा सुरक्षा परिषद में सुधार के साथ ही भारत की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की दावेदारी का सम्मर्थन किया गया, दोनों नेताओं ने निवेश, प्रगति तथा कार्यक्षम संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को रेखांकित करते हुए इस संस्था की मार्गदर्शक अन्तराष्ट्रीय शक्ति तथा सुरक्षा बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की वचनबद्धता प्रदर्शित की है,

संयुक्त वक्तव्य में भारत तथा ब्रिटेन का शान्ति, स्वतंत्रता, प्रजातन्त्र तथा समृद्धि में समान दृष्टिकोण रखने का उल्लेख करते हुए विदेश नीति में बढते सहयोग का स्वागत किया गया है, यद्यपि सार्वभौम तथा ईरान के परमाणु कार्यक्रम के खतरापूर्ण समाधान के साथ ही प्रशिक्षण दक्षिण/मध्य पूर्व पर मौजूदा भारत-ब्रिटेन सामरिक बार्त को प्रगाढ़ बनाने पर जोर दिया गया है, अफगानिस्तान से 2014 में नाटो सेना की वापसी के बाद उसे संक्रमण के दौर में विकास तथा सुरक्षा के रूप में पूरी सहायता प्रदान करने की वचनबद्धता दी गयी है, साथ ही दोनों नेताओं ने पूरे अन्तराष्ट्रीय समुदाय तथा अफगानिस्तान के पक्षधरियों को प्रोत्साहित किया है कि वे अफगानिस्तान में वैदेशी निवेश बाजार पहुँचें, निजी क्षेत्र विकास तथा दीर्घकाल विकास हेतु कार्य करें ताकि अफगानिस्तान को आर्थिक तौर पर आत्मनिर्भर बनाया जा सके, आतंकवाद के किसी भी रूप का मुकामला करने हेतु क्षेत्रीय तथा अन्य देशों के बीच संयुक्त तथा समन्वित प्रयास पर जोर दिया गया है, इन प्रयासों को आतंकवाद के आरामगाह बने स्थानों को समाप्त करना तथा आतंकवाद के वित्त स्रोत पर भी बोट करना शामिल है, इस सन्दर्भ में दोनों नेताओं ने अफगानिस्तान सरकार के सख्तिपूर्ण अन्तर-अफगान डायलॉग (peaceful inter Afghan dialogue) की स्थापना हेतु किए जाने वाले प्रयासों का समर्थन किया है, दोनों देश अफगानिस्तान में शान्ति, सुरक्षा तथा विकास के सम्बन्ध में विधित द्विपक्षीय डायलॉग हेतु मेकैनिज्म बढाए एक संयुक्त कार्यकारी दल की स्थापना पर भी सहमत हुए हैं, दोनों देशों ने राष्ट्रमण्डल के मुख्य स्तरम बतौर प्रजातन्त्र तथा विकास की महत्ता को संरक्षित है और राष्ट्रमण्डल के मूल्यों तथा सिद्धान्तों के प्रति अपनी वचनबद्धता दोहरायी,

दोनों के बीच आपसी सम्पर्क में तेजी लाने के प्रयास में दोनों नेताओं ने वीक्षा

आयोजन तथा लोगों की आवाजों की अन्य मुद्दों पर अपनी मौजूदा बातों को जारी रखने के लिए सहमति व्यक्त की। साथ ही सभी नागरिकों हेतु गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की महत्ता पर जोर देते हुए और दोनों देशों के विद्यार्थियों की आवाजों तथा उनके विचारों के आदान-प्रदान पर बल दिया गया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने भारतीय विद्यार्थियों के ब्रिटेन में आने का स्वागत किया है। नौरतनव है कि 2006 से प्रारम्भ हुए इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशियेटिव (UKIERI) के तहत दोनों देशों के मध्य संस्थानिक सम्पर्क में तेजी आ रही है। यह दोनों देशों के बीच वैश्विक सम्पर्क बढ़ाने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया था। इंडिया-यूके एजुकेशन फॉरम की 30 जनवरी, 2013 को लंदन में सम्पन्न बैठक से भी अच्छे परिणाम सामने आए हैं।

संयुक्त वक्तव्य में ब्रिटिश काउंसिल की भारत में अंग्रेजी भाषा के प्रचार प्रसार में बढ़ती भूमिका का भी उल्लेख किया गया है। भविष्य में 5 वर्षों में राज्य सरकारें तथा सीबीएसई, भारत सरकार तथा इसकी राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर इसमें और तेजी लाएंगी ताकि नई पद्धतियों में अंग्रेजी अध्ययन के प्रतिष्ठा हेतु दक्षता

निर्माण में सुविधा हो। दोनों नेताओं ने दक्षता विकास पर जोर दिया है ताकि अपने-अपने नागरिकों की सभी क्षेत्र में व्यावसायिक दक्षता के अवसरों की सुविधा की सुनिश्चय हो सके और इस हेतु दोनों नेताओं ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की इच्छा व्यक्त की है। सांस्कृतिक कूटनीति को भारत तथा ब्रिटेन के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों में मजबूती हेतु एक महत्वपूर्ण वैकल्पिक माना गया है और भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् यानी आईसीसीआर तथा ब्रिटिश काउंसिल जैसे संगठनों की इसमें मुख्य भूमिका है। दोनों नेताओं ने ब्रिटिश काउंसिल के 5 वर्षीय कला और संस्कृति पहल की प्रशंसा का स्वागत किया है। ब्रिटिश परिणामस्वरूप दोनों देशों के लोगों के बीच राजनयिक सम्बन्ध विकसित होने में मदद मिली है। दोनों नेताओं ने भारत के संस्कृति मंत्रालय तथा ब्रिटिश संस्थानों के बीच 2010 में हस्ताक्षरित महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन के तहत 2012 में सेवाकालीन संग्रहालय तथा व्यावसायिकों के लिए आयोजित लीडरशिप ट्रेनिंग प्रोग्राम (LTP) का स्वागत किया है। इससे क्षमता कार्यक्रमों में और तेजी तथा दोनों देशों के सांस्कृतिक संस्थानों के मध्य और बेहतर सम्पर्क का मार्ग प्रशस्त होगा।

भारत-ब्रिटेन सम्बन्धों पर एक नजर

भारत तथा ब्रिटेन इतिहास तथा संस्कृति की मजबूत ओर से आपस में जुड़े हैं। भारत के ब्रिटेन के साथ सम्बन्धों में तेजी और उनका बहुआयगी रूप हमें 2004 में सामरिक भागीदारी में देखने का मिल जबकि ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर और भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने लंदन में "भारत-ब्रिटेन : एक नई तथा सक्रिय भागीदारी की तरफ उन्मुख" (India-UK : towards a new and dynamic partnership) नामक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर कर उसे अपनाया तथा जिसमें वार्षिक शिखर बैठकें तथा विदेश मंत्रियों के बीच नियमित बैठकों का शिलसिला चला और उसी के अनुरूप समय-समय पर वे बैठकें आयोजित होती रही हैं। साथ ही इसमें असेस्य परमाणु ऊर्जा, अन्तरिक्ष, रक्षा, आतंकवाद का मुकाबला करने, आर्थिक सम्बन्ध तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी, शिक्षा तथा संस्कृति में भागी सहयोग की रूपरेखा भी खींची गयी। जैसाकि पहले उल्लेख किया जा चुका है कि ब्रिटेन संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्वाधीन सदस्यता की दावेदारी का समर्थन करता है और साथ ही वह यूरोपीय संघ जी-8 तथा जी-20 तथा वैश्विक

उपकार

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

सहायक संभाग प्रबन्धक/आगार प्रबन्धक

सहायक यातायात निरीक्षक

एवं

यातायात निरीक्षक

मर्ति परीक्षा

पत्राचार मंडल : प्रतिवर्षित दशम कोड नं. 2160 मूल्य : ₹ 440/-

प्रमुख आकर्षण

- राजस्थान सामान्य ज्ञान
- सामान्य ज्ञान
- सामान्य ज्ञान
- सामान्य मानविक अभिव्यक्ति
- लॉजिक एवं विवेचन क्षमता
- English
- हिन्दी
- अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषण क्षमता
- निर्णय निर्माण एवं समस्या समाधान
- अधिकार बोध
- राज्य तथा जिला प्रशासन, स्थानीय सरकार
- कम्प्यूटर ज्ञान

दस्तावेज एवं प्रमाण पत्र

हरकत तैयार प्रमाण/आगार प्रमाण

सहायक यातायात निरीक्षक

एवं

सहायक निरीक्षक

मर्ति परीक्षा

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : upkar@upkar.in
Website : www.upkar.in

उपकार

दिल्ली पुलिस

हेड कांस्टेबिल

(नलिपिक)

मर्ति परीक्षा

गत वर्ष का प्रश्न-पत्र-हल सहित

दिल्ली पुलिस

हेड कांस्टेबिल

(नलिपिक)

मर्ति परीक्षा

सहकषत्र : डॉ. सल एवं जेन कोड नं. 704 मूल्य : 199/-

प्रमुख आकर्षण

- दिल्ली : एक दृष्टि में
- सामान्य ज्ञान
- तर्कशक्ति
- अंकगणित
- General English

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : upkar@upkar.in
Website : www.upkar.in



परिस्थिति में भारत के लिए महत्वपूर्ण ब्याजकार की है। जलवायु परिवर्तन के मसले पर मातृभूमि के बावजूद दोनों देश इस संकट का सामना करने हेतु आपसी भागीदारी करते रहे हैं। दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच 2010 में शिखर बैठक के दौरान दिल्ली में भारत-ब्रिटेन सीटिंगु फोरम तथा भारत-यूके इनोवास्ट्रक्चर की स्थापना की गयी ताकि व्यापार तथा निवेश बढ़ाया जा सके। इससे साइबर मुद्दे पर भी सहयोग बढ़ा है। भारत तथा ब्रिटेन के बीच फॉरेन ऑफिस कन्सल्टेशन टाउर की व्यवस्था भी है। 2012 में नई दिल्ली में इसकी अंतिम दौर की बातचीत हुई थी। यह भी उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन के तीन प्रमुख राजनीतिक दल केजरीवईडि, लेबर तथा लिबरल डेमोक्रेट में फ्रेंड्स ऑफ इंडिया समूह बने हैं और वे दल समय-समय पर भारत की यात्रा कर यहाँ की अद्यतन गतिविधियों से परिचित होते रहते हैं। राष्ट्रमंडल संसदीय एंजलिशन के बेमर तले भी संसदीय आदान-प्रदान होता है। दोनों देशों के बीच 2009 में व्यापार तथा उद्योग सम्बन्धों हेतु अखिल पाटी संसदीय ग्रुप की स्थापना हुई। ब्रिटेन में अध्ययन हेतु जाने वाले विद्यार्थियों में भारत ऐसा दूसरा सबसे बड़ा देश है। इसमें और तेजी लाया है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने अपनी इस यात्रा में भारतीय विद्यार्थियों का और रिवायती दो हैं जिनका उल्लेख ऊपर किया जा चुका है।

समरणीय है कि 2005 में प्रारम्भ ब्रिटेन-भारत शैक्षणिक तथा अनुसंधान परियोजनाएँ (यूकेआईईआरआई) का जोर उच्च शिक्षा तथा अनुसंधान, स्कूल तथा व्यावसायिक और तकनीकी क्षमता पर है। यूकेआईईआरआई के पहले चरण में सफलता के बाद दूसरा चरण जून 2011 में प्रारम्भ किया गया जिसमें नैपुल, नवाचार, मागीदार, दक्षता, विकास तथा आदान-प्रदान पर बल दिया गया है। भारत-ब्रिटेन फिना फोरम की स्थापना 2008 में हुई थी और समय-समय पर इसकी बैठक आयोजित की जाती है।

भारत के ब्रिटेन के साथ सौहार्द भी बढ़ाआवानी सम्बन्ध है। इस सम्बन्ध में रक्षा रणिय स्तर पर सहयोग तथा हाथ्यौग की व्यवस्था के अतिरिक्त दोनों सेनाओं के प्रमुखों और रक्षा अधिकारियों की एक दूसरे के देश की यात्रा, परिभाषा और उनकी नियमित बातचीत, संयुक्त सैन्य अभ्यास, ब्रिटेन से रक्षा उपकरणों की खरीद, डीआरडीओ द्वारा ब्रिटेन के साथ अनुसंधान तथा विकास के क्षेत्र में सहयोग प्रमुख है। वहीं पर भारत-ब्रिटेन के बीच असेन्य परमाणु सहयोग का भी उल्लेख करना प्रासंगिक होगा जिस पर फरवरी 2010 में इस्तांबुल में एक बैठक परमाणु व्यापार सहित

इस क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने में सुविधा हुई है। अभी दोनों देशों के बीच कई संयुक्त अनुसंधान परियोजनाएँ चल रही हैं। दोनों देशों के बीच विज्ञान तथा नवाचार परिषद (Science and Innovation Council) की स्थापना से भी इस क्षेत्र में सहयोग तेजी से बढ़ता रहा है। 1996 में इस विषयक समझौते पर भी इस्तांबुल किए गए। दोनों देशों के बीच 2006-10 के दौरान अनेक संयुक्त पहल-कदमियों की गयी जिसने मूल कोशिका अनुसंधान, दूरसंचार, सौर ऊर्जा उपयोग तथा मोसम पूर्वानुमान सहित नैनी विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएँ शामिल हैं। दोनों देशों के बीच कपु रोवा की उचित कनेक्टिविटी कोने से पर्यटन को भी अच्छी गति मिली है। 2005 में दोनों देशों के बीच संयुक्त अर्थिक तथा व्यापार समिति (JETCO) की स्थापना से आसानी व्यापार तथा निवेश में आने वाली अड़चनों को दूर करने में मदद मिली है। समय-समय पर इसकी बैठक आयोजित होती रही है। ब्रिटेन के साथ निरंतर अर्थिक मंदी के बावजूद व्यापार में बढ़ोतरी जारी है। वित्तीयक विभाग के अधिकारों को देखते तो डिप्लोमैटि एम्पगल व्यापार 2011-12 में 16-19 मिलियन अमरीकी डॉलर था जिसने 2010-11 में 12.537 मिलियन अमरीकी डॉलर से आगे बढ़कर 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

यह भी उल्लेखनीय है कि भारत का ब्रिटेन को मुख्य निर्यात में तैयारयुद्ध वस्त्र तथा कपड़े, रत्न और आभूषण, इन्जीनियरिंग वस्तुएँ, पेट्रो रसायन उत्पाद, परिवहन उपकरण तथा कलपुर्ज, मसाले, धातविक विनिर्माण, मशीनरी तथा उपकरण, औषधि तथा समुद्री उत्पाद शामिल हैं, जबकि ब्रिटेन से भारत में किए जाने वाले मुख्य आयात में इलेक्ट्रॉनिक, नौन फेरस मेटलस, रसायन तथा मशीनरी के अलावा अयस्क तथा धातविक छेपे, इंजीनियरिंग वस्तुएँ, व्यवसायिक उपकरण शामिल हैं। सेवा क्षेत्र में ब्रिटेन भारतीय आईटी सेवाओं हेतु यूरोप में सबसे बड़ा बाजार है। निवेश क्षेत्र में भी ब्रिटेन चौथी पायदान से छतांग लगाकर 2011-12 में तीसरा सबसे बड़ा एकडीआई निवेशक बन गया है। ब्रिटेन के एकडीआई निवेशक बनने वाले तीनों क्षेत्र हैं—पेट्रोलेयम, पतन, सेवा, सड़क तथा राजमार्ग, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर आदि, भारत, अमरीका, चीन के बाद ब्रिटेन में तीसरा सबसे बड़ा निवेशक है। टाटा ग्रुप ब्रिटेन में सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर निवेशक है। ब्रिटेन के सेवा क्षेत्र में भारतीय समुदाय की उल्लेखनीय भूमिका है जो डॉक्टरी, इन्जीनियरिंग तथा वित्तीय क्षेत्र में प्रमुख रूप से कार्यरत हैं। रसायन तथा वस्त्र की कारोबार में भी भारतीय मूल के प्रतिनिधि शामिल हैं।

ब्रिटेन की 62-3 मिलियन की आबादी में भारतीय मूल के लोगों की संख्या करीब 2 मिलियन है।

दृष्टिकोण

निश्चित तौर पर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के लिए अभी भारत एक बड़ी अज्ञा का केन्द्र है और इसीलिए वे भारत के साथ अपने सम्बन्धों को 'खास' बनाना चाहते हैं और ऐसा करते बड़ यूरोपीय संघ की वैश्विक मंदी से अपने देश को बचा लेना चाहते हैं। इस समय ब्रिटेन की अर्थिक दशा ठीक नहीं है। 2012 की चौथी तिमाही में आर्थिक विकास दर सिर्फ 0-30 प्रतिशत रही। निवेश भी वहीं थमा है। इस कारण ब्रिटेन को निवेश तथा नकदी दोनों की जरूरत है। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में चीज जलता गर रहा है और भारत में अपनी सेवाएँ तथा सामान बेचकर और भारत को ब्रिटेन में वृद्धि निवेश का लाभ देकर वह आर्थिक मंदी से बचना चाहता है। इसीलिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमरीकी राष्ट्रपति की तरह पर भारत से व्यापार बढ़ाने के इच्छुक हैं और इसीलिए उन्होंने भारतीय कारोबारियों तथा विद्यार्थियों हेतु अपनी यात्रा के दौरान रिवायती की घोषणा की है। साथ ही चीन तथा वृष्टन क्षेत्र में भी विदेशी निवेश के दरवाजे खोलने और उसकी सीमा बढ़ाने पर भी चर्चा की। ब्रिटेन द्वारा 2015 से आगे भारत को सहायता जारी रखने पर पुनर्विचार करने का निर्णय लेना भी स्वागत योग्य कदम है। ब्रिटेन स्वास्थ्य देखभाल से लेकर शिक्षा, इंट्री लाइटिंग से लेकर स्वच्छता जैसे क्षेत्रों में भारत को सहयोग देता रहा है। इयाँपि का छोड़ दे तो भारत 2012 तक ब्रिटेन की डिप्लोमैटि सहायता पाने वाला सबसे पहला देश है।

लेकिन यहाँ यह गौर करना जरूरी है कि पिछली कम्पनियों भारत में कम से कम बाधाओं के साथ कारोबार करें, लेकिन यही बात ब्रिटेन पर भी लागू होती है। यह किसी से छिपा नहीं है कि पुरे यूरोप में चीजा ब्यवस्था को कोटार बनाया जा रहा है। विश्व के अन्य देशों के साथ भारत भी उसका सामना कर रहा है और वह कारोबारियों के लिए एक बड़ी दिक्कत है। हर्ष का विषय है कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरून का ध्यान इस ओर गया है और उन्होंने भारतीय कारोबारियों के ब्रिटेन के बाजार में अधिकाधिक प्रवेश को सुगम बनाने हेतु कुछ महत्वपूर्ण उपायों की घोषणा की है। सम्पीड कर कि उनका चामीनी स्तर पर कार्यान्वयन सीधे सुनिश्चित हो और दोनों देशों के बीच व्यापार में बढ़ोतरी हो।



आतंकवाद : कारण एवं निदान

डा. डॉ. मनोहर कुमार नायरिया, नीति मीमा

आतंकवाद सम्पूर्ण विश्व में व्याप्त भय है, आज कोई भी देश इससे सुरक्षित नहीं है, चाहे हम किसी भी स्थान, समय परिस्थिति में क्यों न हों? समय, स्थान, परिस्थितियों के अनुसार इसका स्वरूप बदल रहा है, वैसे इसका तात्पर्य कुछ व्यक्तियों या जन समुदाय द्वारा अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए हिंसा और बल प्रयोग का सहारा लेकर अपनी बात मनवाने का प्रयास करना है।

'आतंक' से तात्पर्य संज्ञासंज्ञा एवं भय की एक ऐसी मानसिक अवस्था है, जो पीढ़ा की आशंका अथवा प्रतिकूल एवं आशंकाजनक घटनाओं से उत्पन्न होती है। संकट के समय जो भय उत्पन्न होता है, वह आतंक कहलाता है, जब वह कार्य एक व्यक्ति, कुछ व्यक्तियों या संगठित समूहों द्वारा किया जाता है, तब उन्हें आतंकवादी कहा जाता है। वस्तुतः आतंकवादी दूसरी को आतंकित करने वाला

एक उद्देश्य, सिद्धांत और विचारधारा से युक्त व्यक्ति होता है, जिसके लिए हिंसा कोई पाप नहीं होती।

ऐतिहासिक दृष्टि से—आतंकवाद व्यापक अस्तित्व एवं विद्रोह की भावना तथा अनुशासनहीनता की हिसालक अभिव्यक्ति है, जिसके विभिन्न रूपों में हत्या, अपहरण, बूट, आगजनी, बाघुवालों का अपहरण एवं उनमें बम बिस्फोट, रेल की पटरियों का उड़ा देने के साथ यात्री गाड़ियों में बिस्फोट करना आदि हैं। व्यावहारिक रूप में यह राजनीतिक स्वार्थों को प्राप्त करने की शक्ति के अभाव अथवा के रूप में विद्यमान है और अपनी बात को मनवाने एवं मनमानी करने हेतु यह जीवन पद्धति का एक अंग बन गया है।

जेकिन्स का मत है कि "आतंकवाद में भय प्रचारित करना तथा हिंसक गतिविधियों को क्रियाशील रखना निहित होता है।" एन-

साइकोपीडिया ऑफ सोशल साइंसेज के अनुसार, "टेररिज्म एक ऐसा तरीका है, जिसके द्वारा एक संगठित समूह या दल अपने प्रकट उद्देश्यों की प्राप्ति मुख्य रूप से हिंसा के योग्यबद्ध तरीके से करता है।"

वस्तुतः 'Terrorism' शब्द ग्रीक शब्द Terrorisme से बना है, जोकि लैटिन के 'Terro' से बना है, जिसका अर्थ है डराना, इस प्रकार आतंकवाद में भय, निर्दोषों की हत्या, अव्यवस्था आदि निहित है, परन्तु यह कहना मुश्किल है कि मानवीय हिंसा कब धीरे-धीरे अपना स्वरूप बदलकर आतंकवाद के रूप में प्रतिस्थापित हो गई है। स्क्वैरर बर्गर ने लिखा है कि "आतंकवाद भय पैदा करने के उद्देश्य से व्यक्ति का प्रयोग करना या इस प्रकार अपने लक्ष्य की प्राप्ति करना है।"

आतंकवाद

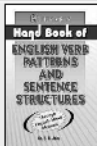
अ-आतंकवाद, अपहरण, आतंकवाद
त-तत्कालीन करना
क-कुरिस्त विचार
अ-विस्फोट करना
व-वहला फैलाना

भारत में आतंकवाद

भारत में विगत कुछ दशकों से किसी-न-किसी रूप में आतंकवाद पंख पसार रहा

Read UPKAR'S

Hand Book of
ENGLISH VERB PATTERNS
AND
SENTENCE STRUCTURES
(Through English-Hindi Medium)



By : Dr. B. B. Jain

Code No. 1589

₹ 125/-

UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2

● E-mail : surebhi.upkar@upkar.in
● Website : www.upkar.in

नवीन संशोधित पैटर्न पर आधारित



उपकार

यू.जी.सी.

नेट/जे.आर.एफ./सेट

हिन्दी

द्वितीय एवं तृतीय प्रश्न-पत्र

गत वर्षों के हल
प्रश्न-पत्र सहित

लेखकद्वय

डॉ. कुमार गणेश

एवं

डॉ. एस. के. शर्मा



उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : surebhi.upkar@upkar.in
Website : www.upkar.in

हे. भारत-पाकिस्तान बँटवारे के समय से ही इसका प्रत्यक्ष अनुभव देश को हुआ, परन्तु अस्सी के दशक तक वो पाक प्रभावित आतंकवाद पंजाब में कहर का कारण ही बन बैठा एवं नब्बे के दशक में यह जम्मू-कश्मीर इस्लामी विध्वनि प्रणाली में ख्यात हो गया. धीरे-धीरे इसे धार्मिक आधार पर आकाश का प्रयास किया गया, जिसे 'जैहादी आतंकवाद' का नाम दिया गया. इस आतंकवाद के शासन-शास्य भारत में हिंसात्मक आन्दोलन नक्सलवाद के रूप में उभरें, जो धीरे-धीरे पश्चिमी बंगाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, आन्ध्र प्रदेश तथा महाराष्ट्र में अपनी पैठ बनाने के साथ-साथ अन्य राज्यों में भी दस्तक देने लगा है. आतंकवाद का एक अन्य रूप अलगाववादी परिप्रेक्ष्य में पूर्वोत्तर राज्यों, जैसे—मणिपुर, मिजोरम, असम, नगालैण्ड, त्रिपुरा आदि में भी परिलक्षित हुआ है.

भारत में आतंकवाद का व्यवस्थित रूप से आरम्भ हम जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा प्रभावित गतिविधियों से मानते हैं. किन्तु इसके पीछे अप्रत्यक्ष रूप से उस समय की विश्व की दो दूरबीन शक्तियाँ एवं उनकी असीम महत्वाकांक्षाएँ थी, जो सम्पूर्ण विश्व को प्रभावित कर रही थी. अमरीका का एशिया में अपनी बाक जमाने एवं प्राकृतिक संसाधनों पर एकधिकार करने हेतु स्वयंमति अपनाया, आतंकवाद के विस्तार में पहला चरण था. अपनी इस स्वयंमति के तहत यू.ए.ए. ने अफगानिस्तान में हस्तक्षेप आरम्भ किया, किन्तु उसे एशिया में अपने स्वायत्ती केन्द्र की आवश्यकता थी. इसीलिए उसने पाकिस्तान को चुना और उसे आर्थिक सहायता देना आरम्भ किया. पाकिस्तान ने इस सहायता को भारत के विरुद्ध प्रयोग करना आरम्भ किया, जिसकी परिणति हम जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की भयावहता के रूप में देख सकते हैं.

कश्मीर ऐसा राज्य है, जहाँ वर्तमान में दो शी से भी अधिक आतंकवादी संगठन काम कर रहे हैं, जिनमें हिजबुल मुजाहिदीन, अल-क़ादा तालीक-अल मुजाहिदीन, जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट आदि प्रमुख हैं. जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी धर्म एवं जैहाद के नाम पर वहाँ की भाँती-भाँती जनता को मजबूर रहे हैं, जिससे कि धार्मिक आतंकवाद फैल रहा है. धर्म के नाम पर कश्मीर की स्वातंत्रता के नाम पर यहाँ आतंकवादी हिंसात्मक कार्योंवाहियों को अंजाम देते रहते हैं. जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट, जिसका पहले नाम जम्मू-कश्मीर लिबरेशन फ्रंट था, एक सैनिक संगठन था. इसका मुख्यालय ब्रिटन में था. बाद में ये शाखाएँ फ्रांस, होलैण्ड, जर्मनी, अमरीका एवं मध्य एशिया के चारों देशों में खुल गई. पाकिस्तान इसकी गतिविधियों का प्रमुख केन्द्र रहा, जिसने

भारत में सबसे ज्यादा अपनी गतिविधियों को अंजाम दिया. सीमा पर आतंक को पाकिस्तान द्वारा सहायता दिए जाने के कारण भारत व पाक में तनाव ही पैदा हो रहा है, जिसके कारण आपसी विवासे में कमी आ रही है. वर्तमान में विश्व मानचित्र पर पाक के आतंककारी संगठन प्रमुख रूप से अंकित हो गए हैं. यह भारत ही नहीं विश्व की समस्या है, क्योंकि विश्व में आतंकवाद की जड़ें कहीं-कहीं किसी-न-किसी रूप में पाक से जुड़ जाती हैं.

पंजाब में आतंकवाद प्रमुख खासिस्तान की गीग को लेकर शुरू हुआ, जिसने देश की शांति व्यवस्था को झकझोर कर रख दिया. पंजाब में खासिस्तान की गीग 1970 के आसपास उठने लगी और 1980 में अपने चरम पर आ पहुँची. पंजाब में पृथकतावादी आन्दोलन के बीच ज्ञान बख्तर सिंह के द्वारा बाँट गए थे, जो बिरतीघन के एक नक्सलवादी समर्थक नेता थे. बख्तर सिंह ब्रिटन स्थित शिरमोमि अकाली दल के खासिस्तान समर्थक गुट के नेता थे. बिगुलर-वाला के अलावा जगजीत सिंह ने इस आन्दोलन को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाया एवं अलग खासिस्तान की गीग कर इस समस्या को नया मोड़ दिया. इसी तरह पंजाब में आतंकवादी घटनाएँ बढ़ी और इस के चलते 31 अक्टूबर, 1984 को प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी की हत्या कर दी गई. 1985 के बाद यह फिर से जोर पकड़ने लगा. स्वर्ण मंदिर पर फिर से नियंत्रण करने का प्रयास किया गया. फलतः राष्ट्रीय सुरक्षा बल के जवानों द्वारा 'ऑपरेशन बंदर-2' नामक ऑपरेशन चलाया गया, इससे कुछ समय के लिए सिख आतंकवाद ठीका पड़ गया, लेकिन 1989 में आतंकवादी कार्यवाहियों में अघानक वृद्धि हो गई तथा हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली आदि में इसका प्रभाव दिखाई दिया जाने लगा. किन्तु वर्तमान समय में यहाँ शांति स्थापित है और खासिस्तान की गीग को उठाने वाले आतंकवादी अन्य देशों में जा बसे हैं.

भारत में आतंकवाद की भयावहता हमें उत्तर-पूर्व में स्थापित राज्यों में देखने को मिलती है. असम में कुल 25 आतंककारी संगठन हैं, जिनके माध्यम से असम में अलग आतंकवाद फैल रहा है. यहाँ समय-समय पर अलग राष्ट्र की गीग उठने लगी है. असम में विदेशियों को बाहर निकालने की गीग 'असू' नामक एक संगठन ने की. जब 'असू' की गीग पर कोई ध्यान नहीं दिया गया, तो इसके कार्यकर्ता हिंसा पर उतर आए. असम में यही से हिंसा उत्तरोत्तर बढ़ती ही चली गई. इसी हिंसा को अन्य संगठनों ने भी बढ़ावा दिया. 'असू' के बाद 1987 में 'बोडो' नामक चरणवीर संगठन की गीग थी

कि असम को शेष भारत से अलग करके स्वतंत्र राज्य बनाओ. इसी से असमियों में संज्ञावादी की भावना घर कर गई. 'असिख बोडो छात्रसंघ' ने हिंसा के नए मानदण्ड स्थापित किए. इसने अदिवासी, गैर-अदिवासी आहार पर ही असम को बाँटने की गीग चलाई, जिससे हिंसा और अधिक तीव्र हो गई. इसी समय 'उल्का' के नए संगठन का प्रभाव बढ़ता चला गया. असम की आतंकवादी गतिविधियों में मणिपुर आतंकवादी संगठन अकबर जुड़ गए, जिनका मत है कि हमारी संस्कृति व भाषा भी अलग है और न हमारा आर्थिक विकास हुआ है. इसलिए हम भारत से अलग रहकर खुशी जीवन की कल्पना कर रहे हैं. मणिपुर के संगठन है—सुनाइदट नेसनल लिबरेशन फ्रंट, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी, मुक्ती नेशनल फ्रंट आदि. मेघालय के आतंककारी संगठन (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ मेघालय, डिक्रीटिव नेशनल लिबरेशन काउन्सिल आदि) का मानना है कि केन्द्र हमारी समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रहा है, इसीलिए समय-समय पर यह संगठन हिंसात्मक कार्यवाही करने से भी नहीं हिचकते.

असम, मेघालय, त्रिपुरा आदि में बांग्लादेशियों की संख्या काफी मात्रा में है, जिसके कारण यहाँ अशान्ति का जन्म हो रहा है. मिजोरम की जनता में भी अलगवादा की भावना पाई जाती है. मिजोरम की तरह नगालैण्ड भी अशान्त है. 1970 के आसपास आतंकवादी की शुरुआत हुई. यहाँ 'नागा' जाति के लोग बहुतायत में हैं. नागा के विद्रोह की शुरुआत देश की आजादी के समय से हुई. अंग्रेजों ने इनके लड़ाकू जाति के रूप में सम्मन दिया. बाद में पाकिस्तान में आई.एस.आई. के माध्यम से नागाओं को हथियारों की आपूर्ति की गई, जो अभी तक जारी है. इन विद्रोहियों का वैधानिक रूप से वागमर्धियों से जुड़ाव होने के कारण चीन व भ्यामर से मदद मिलती है. इसकी कम्पन नागा नेशनल काउन्सिल (एन.एन.सी.) एवं नेशनल सोसिलिस्ट काउन्सिल ऑफ नगालैण्ड (एन.एस.सी.एन.) में अपने हाथ में ले ली. यहाँ सैनिक एवं राजनीतिक दो प्रकार से शाखाएँ काम कर रही हैं. ये लक्ष्य भारत से अपने आपकी पृथकतावादी शोध के कारण पैदा हुए, जिनमें भारत सरकार की पूर्णतः उपेक्षा की गई थी.

त्रिपुरा में 1980 के आसपास आतंकवाद की शुरुआत हुई, जब त्रिपुरा के आदिवासी कबीलों ने गैर-कबीलों लोगों को त्रिपुरा से बाहर खदेड़ना शुरू कर दिया. त्रिपुरा के आतंककारी संगठन त्रिपुरा डिकेन्स फोर्स, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा आदि हैं. 'राजनीतिक, आर्थिक व पिछड़ेपन के कारण इस क्षेत्र का अधिकांश युवा वर्ग

नसीली दवाओं का अम्यस्त हो चुका है। जिसके कारण आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा है। नसीली दवाओं का घना करने वाले व्यक्ति अपने निहित स्वार्थ के लिए आतंकवाद को बढ़ावा देते हैं। त्रिपुरा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा आदि संगठनों की भी यह है कि वह संज्ञा स्थानीय लोगों का है। माओवाद की परिपक्वता में भारत के अहिंसा, असम, बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, उत्तराखण्ड, आंध्र प्रदेश हैं, जो मात्र हिंसा की ही बांझी बांझते हैं। माओवादी अपनी सत्ता स्थापित करने में ललायित है, जिस कारण वे स्वयं को राजनीतिक क्रान्ति के रूप में स्थापित करने में सफल रहे हैं।

भारत में नक्सलवाद के रूप में फाटी-भूत हो रहे आतंकवाद को चीन समर्थन दे रहा है। वह अरुणाचल प्रदेश पर अपना अधिकार जमाना चाहता है। पाक एवं चीन भारत में आतंकवाद को बढ़ावा देने हेतु भरसक प्रयासरत हैं। विभिन्न विचारधाराओं, धर्म आदि को आधार बनाकर भारत को खण्डित करना चाहते हैं।

आतंकवाद के कारण

भारत जैसे विविधता लिए हुए देश में जहाँ विभिन्न जातियाँ, भाषाएँ एवं धर्म, सम्प्रदायों से सम्पन्नित लोग निवास करते हैं, तो यहाँ आतंकवाद के प्रसार हेतु उचित वातावरण है। यद्यपि जहाँ अनेकता में एकता भारत की छापक है, वहीं कई बार विरोध का कारण भी बन जाती है। आतंकवाद के कारण भारत की संरचना के मूल में भी है, जो ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य में विद्यमान है।

भारत में आर्थिक, सामाजिक दोनों स्तरों पर शोषण हो रहा है, जिसके कारण देश को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में देश में प्रत्येक प्रांत के अंशलों में आतंकवादी अपने-अपने संगठन बना चुके हैं। समक्ष-समय पर वे हिंसा को जन्म देते हैं। कहीं संसाधनों का अभाव, तो कहीं क्षेत्रीयतावाद, कहीं अलगवादी, तो कहीं नक्सलवाद जैसे कारण भारत में समस्या उत्पन्न करते ही जा रहे हैं। इसी अवस्था के कारण आतंकवाद का जन्म होता है। आर्थिक संसाधनों पर शक्ती का संग्रह अधिकार होना चाहिए न कि कुछ वर्षसंबादी लोगों का। यही वर्षसंबादी की भावना आतंकवाद को जन्म देती है।

आतंकवाद के कारणों में अल्पसंख्यकों में असुरक्षा की भावना का अलगवादी भी है, क्योंकि अल्पसंख्यकों में सुरक्षा एवं आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती है, जिसके कारण अल्पसंख्यकों को संरक्षण की तलाश सबसे ही यत्नी रही है। अल्पसंख्यकों को अनुभूत सुविधाओं के सम्बन्ध में उपेक्षित

किया जाता है। यही भावना उनमें निराशा एवं हीन भावना को जन्म देती है, तो कहीं न-कहीं उनमें कुण्ड का जन्म होता है, जिसके परिणामस्वरूप विद्रोह, हिंसा और अलगवादी प्रवृत्तियाँ हमारे समुच्च आती हैं। यही भावना वर्तमान में भारत में देखने को मिल रही है। उपेक्षित न के आतंकवाद का यही मूल कारण माना और कहा कि “भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में अलगवादी एवं आतंकवाद का प्रमुख कारण यही है। भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को राजनीतिक रूप से संगठित कर आतंकवाद के लिए प्रेरित किया जाता है।”

कुछ देशों की अन्तर्राष्ट्रीय मादगीरी एवं आर्थिक साम्राज्यवादी नीतियों ने भी आतंकवाद को जन्म दिया है। अमरीका द्वारा इराक, लीबिया, सीरिया, अफगानिस्तान पर कब्जा तथा अमरीकन साम्राज्यवादी भेड़-पाला आदि के कारण अमरीका हर रण्य का दुश्मन बन बैठा है। इसी कारण खादी देशों में अमरीका एवं उसके नागरिकों के प्रति वैमनस्य तथा आतंकवाद का जन्म हुआ है। जिस आतंकवाद की शुरुआत अमरीका ने निर्दिष्ट व्यक्तियों को मारने से की थी, उसकी प्रतिक्रियास्वरूप अलकायदा का जन्म और हिंसात्मक कार्यवाहियों के दमन के लिए हुआ। इसलिए आतंकवाद साम्राज्यवादी भावना एवं उपनिवेशवाद की भी देन है।

आतंकवाद की उत्पत्ति में कोई एक कारण नहीं है, जिसको हम केन्द्र में रख सकते। इसके अनेक कारण हैं, जिनमें राजनीतिक सत्ता की प्राप्ति, राष्ट्रीय की विदेश नीति, आर्थिक पिछड़ापन, सांस्कृतिक दृष्टि, धार्मिक कट्टरता या धर्मांधरता, हथियारों की विक्री प्रक्रिया व धर्म विशेष पर आधारित राज्य के निर्माण की नींव, विकास की अधूरी परिकल्पना, अहिंसा, सांस्कृतिक उपेक्षा, आतंकवाद की गलत व्याख्या किया जाना, मानवीय मूल्यों में निरासत आदि सम्मिलित हैं। आतंकवाद को बढ़ावा देने में सहायक हैं-लत, खाद्यान्न व वस्त्र आदि भीतिक संसाधनों पर पूँजीवादी ताकतों का वर्चस्व।

स्वतंत्र भारत में हिंसात्मक उपद्रव एवं उपद्रव का सामना करने हेतु सेना एवं अनेक सुरक्षा बलों का प्रयोग किया जा रहा है। इतना ही नहीं आतंकवाद के खिलाफ कठोर कानून भी बनाए गए हैं। सन् 1987 में पहली बार आतंक से लड़ने हेतु कानून का निर्माण किया गया। आतंककारी एवं विध्वंशक गतिविधियों (शोकयाम) कानून (टाटा) बनाया गया, परन्तु राजनेताओं द्वारा इसके दुरुपयोग करने की खबरें आने के बाद इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद दास के स्थान पर आतंकवाद रोकथाम कानून (पीटा) लागू किया गया, लेकिन उससे क्या हुआ कुछ भी तो नहीं, वर्न् आतंकवाद का विस्तार ही होत जा रहा है।

आतंकवाद के निदान हेतु सुझाव

- राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दोनों ही स्तरों पर सुविधा एवं शिरो की अधिक मजबूती प्रदान की जाए। राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसी सुरक्षा एजेंसी का निर्माण किया जाए, जिसकी भूमिका अमरीका की सी आई ए की भाँति हो।
- अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ऐसे शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जाए, जिसमें हिंसा की रोकथाम, मानव अधिकारों का संरक्षण आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाए। आतंकवाद विरोधी प्रशिक्षण केन्द्रों का संचालन किया जाए। ये कार्य यूनेस्को एवं यू.एन.ओ. के अत्यावधान में किए जाएँ।
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय तीनों ही स्तरों पर आतंकवाद विरोधी नीति का निर्माण किया जाए।
- आतंकवाद की रोकथाम के लिए समुद्री तटों, हवाई अड्डों, रेलवे, बस स्टेशन, सार्वजनिक स्थलों एवं लोकतंत्र के प्रतीकों को सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है।
- आतंकवादियों को अत्याधुनिक हथियार, उपकरणों एवं आर्थिक सहायता देने वाले देशों के विरुद्ध सामूहिक होकर विरोध करने एवं आतंकवादियों के कण्ड स्रोत पर नियंत्रण की महती आवश्यकता है।
- जैविकीय, रासायनिक, परमाण्विक, नैकीय विधियों, प्रतिक्रिया, सांस्कृतिक, धार्मिक, आधुनिक, साह्यर आदि के द्वारा जो आतंकवाद फैलाया जा रहा है, उसके लिए कठोर कदम उठाए जाएँ, जिसके तहत दोषियों को शीघ्र ही दण्ड दिया जाए, उन पर किसी भी रूप में दया नहीं दिखाई जाए, दण्ड का ऐसा कठोर प्रावधान हो कि अन्य आतंकवादियों को उससे भय लगे।
- आतंकवाद से निवारण हेतु सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण को शीघ्र स्थिति रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति से समाधिक, आर्थिक स्तर पर समानता का व्यवहार किया जाए।
- आतंकवाद का निदान तभी हो सकता है, जब आम नागरिक अधिक जागरूक हो, स्वयं के स्तर पर उनका मुक्तव्य करने का उसने साहस हो।
- गांधी दर्शन के मूल्यों का अधिकाधिक प्रचार-प्रसार हो। अहिंसा का दर्शन वास्तविक रूप से अपनाया जाए।
- नवीन तकनीकी का प्रयोग मानव के विकास के रूप में हो, न कि विध्वंस के रूप में, इसका ज्ञान शीघ्र रूप में प्रसारित हो।

●●●

पूर्वी एशिया तथा भारत

डॉ. शंकर प्रसाद तिवारी (विनय)

नब्बे के दशक के बाद साम्यवादी सोशलिस्ट संघ के विघटन के बाद दुनिया के प्रमुख देश तेजी से आर्थिक उदारीकरण तथा पश्चिमी पूँजीवादी विकास मॉडल को अपना रहे थे, ऐसे में पूर्वी एशियाई देशों ने भी आर्थिक सुधारों की राह पकड़नी शुरू कर दी, मगर वैश्वीकरण की संकल्पना के आधार पर अर्थ बढ़ने के लिए इन देशों ने खाद्य प्रयासों तथा परस्पर सहयोगिता की आवश्यकता महसूस की, इस सम्बन्ध में सर्वप्रथम 'पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन' तथा 'एशियन समुदाय' का विचार मलेशिया के प्रधानमंत्री 'महाथिर-बिन-मोहम्मद' ने वर्ष 1991 में दिया, बाद में इस विचार पर आसियान मंचों पर चर्चा की गई, वर्ष 2001 में इस विचार को अमनोवाचना पढ़ाने के संदर्भ में दोस रमणीय शिपों के लिए 'आसियान प्लस-3 (जापान, द. कोरिया तथा चीन) ने 'इंटर-एशियन स्टडी ग्रुप' की स्थापना की, जिनके अंशही रिपोर्ट वर्ष 2002 में प्रस्तुत की, रिपोर्ट में प्रतिवर्ष पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के आयोजन की संसुति दी गई तथा इसमें आर्थिक गतिविधियों को केन्द्र में रखने का विचार प्रस्तुत किया गया, साथ ही भारत, आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड को इस ग्रुप से बाहर रखने की बात कही गई, मगर बाद में जापान, इण्डोनेशिया, सिंगापुर, वियतनाम तथा द. कोरिया के दबाव में उत्तरी चीनो देशों को भी इस ग्रुप में शामिल किया गया, इस प्रकार वर्ष 2005 में 16 देशों का क्षेत्रीय संगठन 'पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन' (EAS) अस्तित्व में आया, रूस तथा अमरीका को नवम्बर 2011 में छठे पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन में सम्मिलित करने के परभाव इसकी सदस्य संख्या 18 हो गई है, इसका मुख्य उद्देश्य 'पराविषय धूमिल' की तर्ज पर इस क्षेत्र में

एक एकीकृत आर्थिक समुदाय का विकास करना है, इस सम्मेलन में 18 सदस्य राष्ट्र शामिल हैं, जिनमें 10 आसियान समूह के देश (इण्डोनेशिया, कम्बोडिया, थाईलैण्ड, मलेशिया, वियतनाम, म्यांमार, लाओस, सिंगापुर, ब्रुनई तथा फिलीपीन्स) तथा 8 अन्य देश (चीन, जापान, द. कोरिया, आस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैण्ड, रूस तथा अमरीका) शामिल हैं, अनुमन आसियान शिखर सम्मेलन के साथ ही इसका भी आयोजन किया जाता है, इस मंच की बढ़ती सक्रियता, सार्वजनिक तथा विस्तार को देखते हुए कहा जा सकता है कि इसका मविध बहद उपलब्ध है,

भारत के प्राचीन समय से ही पूर्वी एशिया के साथ विभिन्न क्षेत्रों में घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध रहे हैं, 1950 के दशक में प. नेहरू की विदेश नीति में भी पूर्वी एशिया को विशेष महत्व दिया गया था, इस दौरान भारत ने इण्डोनेशिया की आजादी, उत्तरी व दक्षिण कोरिया समशीता तथा हिन्द-चीन समस्या के समाधान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, वर्ष 1955 में 'बांडुंग' (इण्डोनेशिया) में एशो-एशियन देशों का सम्मेलन एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसमें तीसरी दुनिया के देशों की एकता, अखण्डता, समग्र विकास तथा समकालीन विश्व में उन्हें उचित स्थान की प्राप्ति हेतु मूलभूत मापदण्डों का निर्धारण किया गया, वास्तव में इसी सम्मेलन ने मुटनिरपेक्ष आन्दोलन के लिए जमीन तैयार की तथा आगे का मार्ग प्रशस्त किया, मगर वर्ष 1962 में चीन के हथौड़ी भारत की पराजय, प. नेहरू के अवसान तथा भारत द्वारा लगातार युद्धों में जुझने के कारण पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के साथ भारत के सम्बन्धों में अपेक्षित प्रगति देखने को नहीं मिली, लेकिन इसके लिए सिर्फ भारत

को ही जिम्मेदार नहीं माना जा सकता, क्योंकि भारत की तरह ही दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश भी इस दौरान युद्धों, विद्रोहों तथा राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहे थे और उन्हें भी भारत के साथ सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने का मौका नहीं मिल पाया,

नब्बे के दशक के बाद शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद पूर्वी एशियाई देशों में भी आन्तरिक व बाह्य स्तर पर साम्यवादी तथा पूँजीवादी टकराव कम हो गया, नतीजतन इस क्षेत्र में अपेक्षाकृत शांति व स्थिरता का माहौल बनने लगा, साथ ही दुनियाभर में पीपु पसारते आर्थिक उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण में इस क्षेत्र में भी पैठ जागृत हो रही है, अनुमान के आगमन से इस क्षेत्र में आर्थिक सम्पन्नता बढ़ने लगी और एकाएक यह क्षेत्र वैश्विक अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केन्द्र बन गया, इसलिए दुनिया के लगभग प्रमुख देशों ने इस क्षेत्र से वैमिलन स्तरी पर सम्पर्क स्थापित करने शुरू कर दिए, उदारीकरण की प्रक्रिया अपनाने के बाद भारत भी इससे अछूता नहीं रहा, आसियान तथा पूर्वी एशियाई देशों की बढ़ती आर्थिक-राजनीतिक श्रेष्ठता को देखते हुए भारत ने भी अपनी विदेश नीति में परिवर्तन करते हुए 'पूर्व की ओर देखा' नीति (Look East Policy) को महत्वपूर्ण स्थान दिया, इसी परिस्थिति में वर्ष 1992 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हावर को चीन, जापान, द. कोरिया, वियतनाम तथा सिंगापुर की यात्रा एक ऐतिहासिक कदम था, इस दौरान भारत को 'आसियान में 'प्रभागीय वार्ता भागीदार' (Sectoral Dialogue Partner) का दर्जा मिल गया, इस प्रकार भारत को आसियान के साथ सांस्कृतिक, पर्यटन तथा कुछ उत्पादों के व्यापार में परस्पर भागीदारी की अवसर दिया गया, वर्ष 1994 में इन तीन क्षेत्रों के अलावा विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी को भी इसने शामिल कर दिया गया, वर्ष 1995 में पीपुवे आसियान शिखर सम्मेलन में भारत को 'पूर्ण वार्ता भागीदार' के रूप में स्वीकार किया गया, वर्ष 1996 में भारत को 'आसियान रीजनल फोरम' (ARF) की सदस्यता दी गई तथा वर्ष 1997 में भारत 'आसियान विजन 2020' का भी हिस्सा बना, वर्ष 2002 में भारत को आसियान का सम्मेलनस्तरीय भागीदार बनाने के साथ ही प्रतिवर्ष आसियान-भारत शिखर वार्ताओं के आयोजन का भी सिलसिला शुरू हो गया,

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन तथा भारत

आसियान शिखर सम्मेलनों के अलावा अन्य कई मंचों पर नब्बे के दशक के बाद

पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन

वैठक	देश	स्थान	समय
पहला	मलेशिया	क्वालालम्पुर	14 दिसम्बर, 2005
दूसरा	फिलीपीन्स	सेबू शहर	15 जनवरी, 2007
तीसरा	सिंगापुर	सिंगापुर	21 नवम्बर, 2007
चौथा	थाईलैण्ड	बा अम हुआइन	25 अक्टूबर, 2009
पाँचवाँ	वियतनाम	हानोई	30 अक्टूबर, 2010
छठा	इण्डोनेशिया	बांता	19 नवम्बर, 2011
सातवाँ	कम्बोडिया	नारान्द	20 नवम्बर, 2012

से ही इसी तर्ज पर 'पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन' भी शुरू करने की चर्चा समय-समय पर चलती रही। अन्ततः 29-30 नवम्बर, 2004 को लाओस में सम्मेलन आसियान शिखर बैठक में इस बारे में आम सहमति बनी और 14 दिसम्बर, 2005 को 'स्वातन्त्रतापुर' (मनैशिया) में 16 देशों के प्रथम 'पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भारत, आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड जैसे गैर पूर्वी एशियाई देशों को शामिल करने को लेकर कुछ सदस्य देशों में मतभेद भी देखने को मिले। मसलन जहाँ भारत को इस मंच पर शामिल करने से चीन को आपत्ति थी, वहीं आस्ट्रेलिया व न्यूजीलैण्ड की उपस्थिति को लेकर जापान तथा द. कोरिया असमंजस की स्थिति में थे। आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड की भौगोलिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक विषमताओं को लेकर भी सदस्य देशों के बीच मतभेद उभरे, मगर दूकित आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड दोनों ही वर्ष 1974 से ही 'CER' (Closer Economic Relation) के तौर पर आसियान देशों के समर्थक में थे तथा वे आसियान की 'दक्षिण-पूर्व एशिया मित्रता व सहयोग संधि' (Treaty for ASEAN Cooperation—TAC) को अपना चुके थे, अतः इस आधार पर उनके इस मंच के सदस्य बनने का रास्ता साफ हो गया। दूसरी ओर भारत के इस क्षेत्र से पूर्व से ही सामाजिक-आर्थिक-धार्मिक तथा सांस्कृतिक सम्बंध होने के बावजूद चीन ने इस मंच पर भारत को शामिल किए जाने का मुद्दे पर विरोध किया। चीन ने इसके पीछे एक खास वजह यह भी बताई कि वर्ष 1995 में चीन के प्रस्ताव पर भारत ने आसियान देशों की कार्यवाही में भाग लेने से मना कर दिया था। मगर चीन के तथ्यात्मक तर्कों के बावजूद अन्ततः सदस्य देशों ने इस मंच पर भारत की उपस्थिति को अनिवार्य बताया। बहरहाल इसके पीछे कुछ बड़े परोक्ष कारण भी शामिल हैं, जिसमें 'एशिया में शक्ति शन्तुलन' एक बड़ा कारण है, दरअसल हाशिया बर्मा में अधिकांश आसियान तथा पूर्वी एशियाई देश सीनात क्षेत्रों में बड़ती चीन की सामरिक नतिवियों, परस्पर विरोधाभासी बयानों तथा प्रस्ताव व हिन्द महासागर में चीन के बढ़ते प्रभुत्व से घिरे हैं। अतः वे एक तरफ चीन से आर्थिक व राजनीतिक सम्बंध बढ़ाने के इच्छुक हैं, तो दूसरी तरफ चीन की सामरिक चौराहाट पर लगाव लगाने के लिए कूटनीतिक गठजोड़ भी बनाना चाहते हैं। 'पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन', जैसे मंचों पर भारत, जापान, द. कोरिया तथा आस्ट्रेलिया की उपस्थिति जहाँ आसियान व पूर्वी एशियाई देशों पर चीनी दबाव को कम करके 'शक्ति शन्तुलन' का काम करेगी, वहीं प्रस्ताव तथा हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन को अपनी अवांछित सामरिक नतिवियों को सीमित करने के लिए मनाबिज्ञानिक दबाव डालेगी। चाहे ही इससे चीन की आक्रमक विदेश नीति में सहीलापन आवेगा।

पूर्वी एशियाई देशों का दूसरा शिखर सम्मेलन 15 जनवरी, 2007 को फिलीपींस के 'सेबू' शहर में आयोजित किया गया। चीनी

नाराजगी वहीं भी उज्जगर हुई, जब उसने भारत को आसियान तथा पूर्वी एशिया के देशों में मुक्त व्यापार की सम्भावनाओं को उल्लंघन के लिए गठित शोध संस्था 'इकोनॉमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर आसियान एण्ड ईस्ट एशिया' (ERIA) तथा 'कोरिंधेंसिस इंडोनायिका फॉरनरशिप फॉर ईस्ट एशिया' (CEPEA) के गठन के प्रस्ताव में शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई। इसके बावजूद भारत को उक्त प्रस्तावों में शामिल किया गया। इस प्रकार प्रथम तथा द्वितीय सम्मेलन नए सदस्यों के आगमन, उनके लिए नीति नियमन तथा इस मंच पर आपसी विवरण कायम करने के दायरे में ही रहे।

तीसरे सम्मेलन में सदस्य देशों के बीच विभिन्न मुद्दों को लेकर बल रहा मतभेद तथा गतिरोध कुछ कम हुआ। 21 नवम्बर, 2007 को शिंगापुर में आयोजित इस सम्मेलन में आर्थिक मुद्दों के अलावा जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, वित्त तथा पर्यावरण से जुड़े विषय छारे रहे। सम्मेलन में भारत ने पूर्वी एशिया क्षेत्र में शांति, सुरक्षा स्थायित्व तथा साथ मिलकर काम करने व व्यापारिक गतिविधियों तेज करने पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा इस क्षेत्र में समन्वित मुक्त व्यापार व्यवस्था कायम करने की भी बात कही।

पूर्वी एशियाई देशों का चौथा सम्मेलन 'थान ह्वाइन' (थाइलैण्ड) में हुआ, इसमें भारत में प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय से पुनर्स्थापित करने तथा उसके लिए संसाधन जुटाने के लिए सभी सदस्य देशों ने सहमति देकर भारत को एक बड़ा लोहा दिया। सम्मेलन में भारत ने इस मंच से सभी देशों से आपसी मतभेद भुलाकर सामाजिक-आर्थिक व सांस्कृतिक स्तर पर समन्वय स्थापित करने और सामूहिक प्रयास करके आम बढ़ने पर विशेष जोर दिया, साथ ही आन्ध्र प्रबन्धन, राहत कार्य तथा शिक्षा व स्वास्थ्य की दिशा में परस्पर सहयोग बढ़ाने की अपील की, जिसकी अधिकांश सदस्य देशों ने मुक्त कंठ से प्रहंसा की।

पूर्वी एशियाई देशों का पाँचवाँ शिखर सम्मेलन 'हनाई' (वियतनाम) में हुआ। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह राजनीतिक-आर्थिक व सांस्कृतिक एकीकरण के द्वारा एकीकृत पूर्वी एशिया समुदाय के विकास पर बल दिया, साथ ही आर्थिक मंदी की चुनौती से निपटने के लिए दुनिया की प्रमुख शक्तियों से संरक्षणवादी रवैया त्यागने का आह्वान किया। इसके अलावा नालंदा विश्वविद्यालय को पुनर्स्थापित करके अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

छठा पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का आयोजन 19 नवम्बर, 2011 को 'बांजी' (इण्डोनेशिया) में किया गया। इसमें उस तथा अमरीका को सम्मिलित किया गया। सम्मेलन में भारत ने पूर्वी एशिया सम्मेलन के बीच प्रमुख क्षेत्री-ऊर्जा, वित्त, आन्ध्र प्रबन्धन, जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण आदि पर पूर्व में किए गए कार्य व सन्तुष्टी के मुकामिक काम करने की जरूरत पर बल दिया। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में परस्पर सहयोग बढ़ाने की बात भी की। 'नगरपंच' (कम्पेडिया) में आयोजित सातवें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भारत ने इस मंच के देशों से सभी क्षेत्र में परस्पर सहयोग, सहभागिता तथा समन्वय स्थापित करने के लिए निरन्तर संवाद बनाने की बात पर बल दिया और कि वित्त एवं निर्माण, प्रस्तावों तथा बाटों के क्रियान्वयन में गतिशीलता लाने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जहाँ मंच के सभी देशों से आपसी मतभेदों का शान्तिपूर्ण व सर्वमान्य समाधान निकालने की अपील की, वहीं एशिया-प्रशांत क्षेत्र के देशों के बीच सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक-सांस्कृतिक तथा वैज्ञानिक क्षेत्र में परस्पर संवाद, सहयोग तथा सहभागिता बढ़ाने की बात भी की। भारत के लिए यह बड़ी उपलब्धि कही जाएगी कि प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह एवं अन्य भारतीय प्रतिनिधियों ने प्रमुख सदस्य देशों से अलग से भी द्विपक्षीय मुद्दों पर सार्थक बातचीत की।

UPKAR'S
Power Tips
for
Life Management
By: Vaikunth Sharma
Code 1526 ₹ 35/-
Published by
Upkar Prakashan, AGRA-2

Herbal Research
HOW HEIGHT
increases upto 35"
Our height partly remains due to natural growth getting stearable upto 25"
with
Herbs-High-Therapy
Not Pseudo-herbs
DR. BAGGA
Basant K. Bagga (Cg, Koozha Puri)
Delhi-16, 311 226-2626, 2265 8825
(Near Chandi Bazar Metro Station)
www.herbalheight.com
We have no branch

उत्पादकता प्रोन्नयन में जवाबदेही की भूमिका

डॉ. प्रो. जी. सी. सुराना

वैश्वीकरण के दौर में सभी राष्ट्र अपनी उत्पादकता (Productivity) में वृद्धि करने का प्रयास कर रहे हैं। दुनियाभर के देशों के समक्ष यह चुनौती बड़ी ही ज़रूरी है कि वे किस प्रकार अपनी उत्पादकता को बढ़ाकर कम लागत पर अच्छी गुणवत्ता की वस्तुएँ एवं सेवाएँ उपभोक्ताओं के समक्ष प्रस्तुत कर सकें और विदेशों में अपना बाज़ार बड़ा सकें। भारत उभरता हुआ बाज़ार है जहाँ उत्पादकता में वृद्धि-आम उत्पादकता तथा भू-उत्पादकता-विकास प्रक्रिया का मुख्य एवं सर्वाधिक चुनौतीपूर्ण मुद्दा है।

उत्पादकता एक विस्तृत शब्द है जिसका विभिन्न अर्थों में प्रयोग किया जाता है। राष्ट्र के लिए उत्पादकता से आशय अधिक राष्ट्रीय आय और जनतक के जीवन-स्तर में वृद्धि करना है। उद्योगों के लिए इसका आशय उत्पादन लागतों में कमी करना, बाज़ार का विकास करना और अधिक लाभार्जन करना है। कार्मिकों के लिए उत्पादकता में वृद्धि करके उनके कार्यकाल में कमी, कार्यदशाओं में सुधार और बलिपूर्णा (Compensation) में वृद्धि करना है। उपभोक्ताओं को उत्पादकता सस्ती एवं अच्छी किस्म की वस्तु प्रदान करने एवं अधिक समृद्धि देने में सहायक होती है।

अन्तर्राष्ट्रीय आम संगठन (I.L.O.) के अनुसार, "व्यापकतम अर्थ में उत्पादकता को किसी समूह, समाज या राष्ट्र के सम्मानी संसाधनों और उपलब्ध वस्तुओं एवं सेवाओं के अनुपात की रचना या निर्माण के लिए प्रयोग किया जाता है।"

प्रत्यक्ष के विपरीत यह भली-भाँति जानते हैं कि किसी वस्तु एवं सेवा के उत्पादन में अनेक संसाधन जैसे भूमि, पूँजी, श्रम, साहस, समझी, संगठन आदि सहयोग प्रदान करते हैं। उत्पादन में इन संसाधनों में से किसी एक संसाधन का जो अनुपातिक भाग (संयोग) होता है, उसे उस संसाधन की उत्पादकता माना जाता है। उदाहरण के लिए इन सभी संसाधनों द्वारा किसी संगठन में प्रतिदिन 10000 इकाइयों का उत्पादन होता है, तो इस कुल उत्पादन में प्रत्येक संसाधन का जो अनुपातिक भाग या संयोग होता है, वही उस संसाधन की उत्पादकता मापी है। इन सभी संसाधनों में मानव

संसाधन (श्रम) अति महत्वपूर्ण है, अतः उत्पादकता के मापन हेतु इस संसाधन का ही सर्वाधिक उपयोग किया जाता है और इससे कार्मिक उत्पादकता (Personnel Productivity) ज्ञात की जाती है। कार्मिक उत्पादकता ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित सामान्य सूत्र का प्रयोग किया जा सकता है—

$$\text{कार्मिक उत्पादकता} = \frac{\text{उत्पादन की मात्रा}}{\text{कार्मिकों की संख्या}}$$

इसी प्रकार अन्य संसाधनों की उत्पादकता भी ज्ञात की जा सकती है।

$$\text{जैसे—भू-उत्पादकता} = \frac{\text{उत्पादन की मात्रा}}{\text{भूमि का क्षेत्रफल}}$$

संगठनों में प्रबन्धकों का सर्वाधिक ध्यान कार्मिक उत्पादकता में वृद्धि करने पर होता है, क्योंकि वे यह भली-भाँति महसूस करते हैं कि कार्मिकों की उत्पादकता में वृद्धि से ही उपलब्ध सभी संसाधनों का अधिकतम सदुपयोग करके पूर्ण निर्धारित लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त किया जा सकता है। अब प्रश्न यह उत्पन्न होता है कि कार्मिकों की उत्पादकता में किस प्रकार वृद्धि की जाए? कार्मिकों को जवाबदेह (Accountable) बनाकर अन्य शब्दों में उनकी जवाबदेही (Accountability) बढ़ाकर उनकी उत्पादकता में वृद्धि की जा सकती है।

एडविन बी. फिलिप्पो (Edwin B. Filippo) के अनुसार, "अपने कार्य के निष्पादन के लिए उत्तरदेयता (Answerability) ही जवाबदेही (Accountability) है।" लुईस ए. ऐलन (Louis A. Allen) का मानना है कि "जवाबदेयता उत्तरदायित्व (Authority and Responsibility) के परिणामस्वरूप उत्पन्न होती है; यह अधीनस्थ से प्रबन्धकों की ओर होती है, इसका प्रत्याखोजन (Delegation) नहीं किया जा सकता है; एक अधीनस्थ एक ही उत्तर प्रबन्धक के प्रति जवाबदेह होता है; प्राधिकार एवं उत्तरदायित्व की शीमा के अनिवार्य ही

जवाबदेयता का क्षेत्र निर्धारित होता है तथा जवाबदेह व्यक्ति को दण्डित भी किया जा सकता है।

किसी भी संगठन की व्यावसायिक क्षमति प्राधिकार, उत्तरदेयता तथा जवाबदेही सभी तीन सुदृढ़ स्तरों पर निर्भर करती है।

उत्तरदायित्व एवं जवाबदेयता को समान अर्थ में नहीं लिया जाना चाहिए। उत्तरदायित्व (Responsibility) किसी कार्य को पूरा करने से सम्बन्धित है, जबकि जवाबदेयता (Accountability) कार्य के परिणाम से सम्बन्धित है। उत्तरदायित्व की उत्पत्ति कार्यों से होती है, जबकि जवाबदेयता की उत्पत्ति सत्ता या अधिकारों से होती है। इसी प्रकार उत्तरदायित्व एक दायित्व है, जबकि जवाबदेयता एक बन्धन है।

सभी संगठनों में कार्मिकों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए जवाबदेही उपायम कारगर सिद्ध हो सकता है। संगठन में कार्मिकों को कार्य सौंप कर आवश्यक अधिकार प्रदान कर एवं दायित्व का निर्धारण करके प्रबन्धकों को कार्य के प्रति कार्मिकों को जवाबदेह बनाना चाहिए। यह उपायम कार्मिकों को बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। इस विचारधारा को लागू करने के लिए आवश्यक है कि—

- सही कार्य पर सही कार्मिक (Right man to the right job) की नियुक्ति की जाए
- कार्मिकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाए
- अच्छी कार्य-दशाएँ उपलब्ध की जाएँ
- कार्मिकों को निकटस्थ अधिकारी/प्रबन्धक से पर्याप्त मार्गदर्शन प्राप्त हो
- कार्मिकों की परिवर्तनाओं का शीघ्र समाधान किया जाए
- कार्यस्थल पर कार्मिकों की नियमित उपस्थिति हो, उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कार्यानीतिक उपस्थिति प्रणाली लागू की जा सकती है
- कार्मिक की उत्प्रेरकता की जानकारी तो उस समय होती है जब वह कुछ कार्य करता है। इसके लिए उसके समने कुछ-न-कुछ लक्ष्य अवश्य होना चाहिए
- कार्मिकों के लक्ष्यों का निर्धारण उनकी योग्यता एवं कार्यक्षमता को ध्यान में रखकर पर्याप्त सावधानी के साथ करना चाहिए
- कार्मिकों के लिए निर्धारित लक्ष्य ऐसे होने चाहिए जिससे उनकी मार्गदर्शन/कार्य सम्पादन से उनकी मूल्यांकन या मापन किया जा सके।

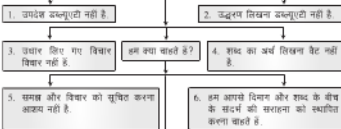
शेष पृष्ठ 98 पर

WAT (शब्द संगति परीक्षा)

डा. जे. बी. मल्ल (नवोपेक्षाधिक), श्रीमती सुनीता सिंह तौमर (सहलेखिका)

टीएटी असेशन, अर्वागर्वर्धित तथा विशाहीन परीक्षा है, यह शुद्ध रूप से आपकी कल्पना है, शब्दपूरी आधिक मार्गदर्शित है, अवधारणा परीक्षा है और आपकी कल्पना की भी परीक्षा है।

यह वाक्य निर्माण परीक्षा है, इस परीक्षा में स्कैन पर दर्शाए गए सभी 60 शब्दों से जुड़े विचारों की गुणवत्ता का मूल्यांकन करता है।



प्रणाली आपको आशय या विचार की कल्पना नहीं करती है, यह केवल प्रेरणा की कल्पना करती है।

प्रत्येक शब्द प्रेरित होता है जिस पर हम सामान्य रूप से संघार करते हैं, ये शब्द आपको विचारों के साथ प्रतिप्रतिक्रिया करने के लिए प्रेरित करते हैं जो हमारे मूल्यांकन के लिए समर्थ हो जाते हैं। यदि आपको प्रत्येक विचार का गुणात्मक विचार स्तर को नहीं रखता है, तो यह वाक्य निर्माण बन जाता है, लेकिन शब्द संगति परीक्षा नहीं होता है।

आप शब्द में किन गुणों की अपेक्षा करते हैं ?

प्रत्येक शब्द आपको इसके सम्बन्धित तत्व को प्रभावित करने के लिए प्रेरित करता है, पुनः निर्माण परीक्षा पर प्रत्येक शब्द में कुछ मूल्यवान् अवधारणा या संरचना का तत्व होता है, अपनी प्रभावशीलता तथा वैयक्तिक कल्पना का प्रयोग करें और शब्द पर अपनी कल्पनात्मक दृष्टि को लगाएँ, शब्द से परे जाने पर आप कई क्षेत्रों से शब्द का सम्बन्ध/जुड़ाव पाएँगे, इस विशेष क्षेत्र से विचारों और शब्द के विरुद्ध इसे लिखें।

हम अवधारणा और तत्व में रुचि रखते हैं और शब्द के आशय में नहीं।

अब, मामला यह है कि यदि आप प्रारंभिक नहीं हैं तो प्रत्येक स्वीकार्य स्तर तक नहीं पहुँच सकते, कोई भी गेट में गलत नहीं होता है, केवल हम आपके

विचारों की गिरी और स्तर को मापते हैं, उदाहरण के तौर पर-

(1) अच्छा सहयोग एक अच्छे संगठन का तरीका है।

(2) बोलचाल और बहादुर जुड़ाव जीवते हैं।

व्याख्या-पहला शब्द सहयोग है और स्वीकार्य वाक्य अच्छा सहयोग है जो संगठन का तरीका है, यहाँ पर आप शब्द से परे जाते हैं कि अच्छा संगठन अच्छे सहयोग को उत्पन्न कर सकता है, पुनः मैंने सहयोग शब्द को संगठन से जोड़ा है और वह भी अच्छे संगठन से, आगे, दूसरे शब्द जुड़ाव में मैंने इसे बोलचाल और बहादुर से जोड़ा है।

तथ्यों का प्रयोग-यदि आप एक तथ्य को प्रभावित करते हैं तो तथ्य वैयक्तिक-विचारदायक होना चाहिए, उदाहरण के तौर पर-मारत शब्दपूरी नहीं है अग्रणी है।

मैर-विचारदायक तथ्य : (1) दोषी टहलाना-सुरक्षा में पाक को पहले कथन में

अनुचित हस्तक्षेप के लिए दोषी ठहराया, (2) नाभिकीय-एनएन ने परमाणु इंधन को केवलता की घोषणा की।

वाक्य का पूर्ण होना विचार नहीं है, लेकिन अपने विचारों को पूर्ण वाक्य में ही प्रकट करें, यह आवश्यक नहीं है, लेकिन प्राथमिकता इसे ही है।

उदाहरण के तौर पर-शब्द 'पत्नी' है, एक शब्द अनुक्रिया, तीन शब्दों पर अनुक्रिया और यहाँ तक कि प्राथमिक रूप से लेकिन आवश्यक रूप से नहीं पूर्ण वाक्य पर व्याख्या करें।

एक शब्द अनुक्रिया : पत्नी-कस्तूरवा गांधी।

दो से तीन शब्दों की अनुक्रिया : पत्नी-आगे की उन्नति के लिए प्रेरित करती है।

प्रमुखता पूर्ण वाक्य के रूप में, आवश्यक नहीं : अच्छी पत्नी परिवार के मजदूर रिश्तों को बढ़ावा देती है।

आप पत्नी शब्द से किस प्रकार स्वीकारात्मक है-एक स्वर्णित और बलिदान देने वाली पत्नी ही उन्नति में योगदान दे सकती है।

शब्द पत्नी पर दूसरे वाक्य-

1. पत्नी परिवार की शक्ति होती है।
2. परिवार को नया जीवन देती है।
3. जीवन को परिवर्तित कर सकती है।
4. पत्नी परिवार में उन्नति लाती है।
5. खुशियों लाती है या खुशियों उत्पन्न करती है।

ताकिक मूल्यांकन और अवलोकन-एसएसबी में 60 से 80 प्रतिशत अभ्यर्थी और 60 से 80 प्रतिशत वाक्य निर्माण मूल्यांकन और अवलोकन पर प्रक्षेपित किया जा रहा है, जब मैं इस लेख को लिख रहा था तो दिल्ली से एक एसएसबी अभ्यर्थी मारत विभागी की कॉल मेरे मोबाइल में, 9415062698 तथा एसएसबी गाइडेंस नं. 09918576833 पर आई, उसकी निगरानी की कि पूरे देश में कैसे पहलू और क्या पहलू पर कोई भी शिक्षा नहीं है, बिना क्या पहलू के सफलता सम्भव नहीं है, प्रतियोगिता दार्पण में क्या पहलू को बताया गया है, मैं एक लेखक होते हुए और देश एवं लोगों के हित का ध्यान रखते हुए मैंने कैसे? क्या और क्यों? पहलूओं की व्याख्या करने के लिए ज्यादा प्रेरित हुआ हूँ।

गैट का सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग होते हुए मैं तर्क एवं मूल्यांकन की व्याख्या कर रहा हूँ-मेरे विचार, दोस्त और छोटे माई ने मुझसे सफलता की कुंजी पृथ्वी, मैंने

‘कड़ी मेहनत’ उत्तर दिया, उसने पुनः पूछा, “सर, यह आपका मूल्यांकन हो सकता है कि बहुत से लोग कड़ी मेहनत करते हैं, लेकिन सफल नहीं होते हैं।” उसने एक सिस्तेमाला का उदाहरण दिया. सर, कृपया उसे देखें, वह कितनी कड़ी मेहनत करता है, लेकिन सफल नहीं होता है. मेरा दूसरा उत्तर एक सीरीज थी—

1. समर्पित कड़ी मेहनत सफलता लाती है.
 2. बुद्धिमत्तापूर्ण रूप से याचित कर्म सफलता लाता है.
 3. सुव्यवस्थित कड़ी मेहनत सफलता लाती है.
 4. एकाग्रचित्त कड़ी मेहनत सफलता दिलाती है.
 5. सफलता सफलता दिलाती है.
 6. युक्त कर्म हमेशा सफलता लाता है.
- व्याख्या—मेरा पहला उत्तर : कड़ी मेहनत मूल्यांकन को बताता है. मेरे उत्तर का दूसरा भाग जो 6 है, तार्किक मूल्यांकन या तार्किक निष्कर्ष के उदाहरण है.

भाजन उचित रूप से वितरित किया जा रहा है.

सामूहिक जानकारी—(1) वोट देने का अधिकार प्रत्येक नागरिक को प्राप्त है. (2) संविधान स्त्री और पुरुष दोनों को समान अधिकार प्रदान करता है.

दुर्लभ जानकारी—(1) औरतें घरेलू शांति विधेयक की मांग करती हैं. (2) हेलाकोप्टर का सर्वप्रथम प्रयोग कोरिया युद्ध में किया गया था. (3) घरेलू हिंसा अधिनियम सन् 2005 में पारित हुआ था. कई विधायी या एक विचार का कई शब्दों से सम्बन्ध हो सकता है—उदाहरण के तौर पर—

- (1) उत्तम, अभ्यास या आदमी—समर्पित अभ्यास उत्तमता लाता है.
- (2) दोस्ती, देना या मार्गदर्शन—अच्छी दोस्ती अच्छा मार्गदर्शन करती है.
- (3) पूर्णता, शक्ति या संगठन—पूर्णा संगठन को मजबूत करती है.
- (4) सम्मिलता, संघालन या सफलता—ज्ञान की गम्भीरता सफलता के रास्ते पर ले जाती है.

रक्त—मैंने धातु व्यंक्ति को रक्तदान किया.

सहायता—(1) सहायक प्रकृति की प्रशंसा प्रत्येक लोग करते हैं.

(2) मैं अपने माता-पिता की खेती में मदद करता हूँ.

(3) मैंने अपने दोस्त के व्यवहार को सुझाया है.

(4) उसे सहायक प्रकृति के कारण जाना जाता है.

(5) आत्मसहायता सर्वश्रेष्ठ है.

व्याख्या—अंतिम वाक्य को स्वीकार करें, ‘प्रत्येक प्रक्षेपण अच्छा है. अंतिम वाक्य ‘आत्मसहायता सर्वश्रेष्ठ है’ सुनने में अच्छा लगता है लेकिन यह किताबी वाक्य है. वाक्य बनाने की प्रक्रिया में शब्द यही रहता है, लेकिन संकाशनात्मक की श्रेणी के साथ उत्तर अलग हो जाते हैं. यह श्रेणी आगे सामान्य, कम सामान्य और अधिक सामान्य के बीच अन्तर स्थापित करती है. लीटर और लीटर नहीं. औसत, औसत से कम और औसत से ऊपर के बीच के अंतर को बताती है.

उदाहरण के तौर पर—शब्द ‘सहायता’ है. यदि आप वाक्य बनाते हैं कि ‘जलरतनंद की सहायता करें’ या ‘व्यक्ति को जलरतनंद की सहायता करने चाहिए’ तो यह सामान्य वाक्य है जो उपदेश को प्रदर्शित करता है. इससे अच्छा वाक्य बनाने का प्रयास करें.

आप शब्द को किसी भी रूप, वर्णानु, भूत या भविष्य वहाँ तक कि विशेषण में प्रयोग कर सकते हैं. शब्द का वाक्य में प्रयोग करना जरूरी नहीं है. क्योंकि एस्पेसबी के मूल्यांकनकर्ताओं के पास प्रसूची सूची होती है. सामंजस्य के साथ छोटे वाक्य लिखना का आशय न तो छोटा और न ही लम्बा वाक्य से है. स्पष्ट रूप से और ज्यादा अर्थपूर्ण ढंग से लिखें 60 शब्दों में से यदि आप 50 या 55 वा 58 को प्रदर्शित करते हैं तो यह ठीक है. छोटे और अपूर्ण वाक्य न लिखें. उदाहरण के तौर पर—शब्द ‘पिता’ : छोटी कमाने वाला के बजाय मधुर और पूर्ण वाक्य लिखें, जैसे—“पिता बखत हैं कि किस प्रकार जीवन का सामना करना और जीतना है.” ‘मैं’ का प्रयोग—‘मैं’ पर वाक्य बनाना आसान है. इससे विचार के आगे बढ़ने या विचारोत्तेजक उपायों की कमी दिखती है. वाक्य का अच्छा, प्रभावी अर्थ निकलना चाहिए.

प्रभावी के मूल्यांकनकर्ता खुदें हुए गुणनाम विचारों को खोजते हैं.

वैकिक समय बहुत ही कम होता है. अतः यह देखना होता है कि तीव्र ‘प्रतिक्रिया’ और ‘पकड़’ कैसी है. उदाहरण

क्या है ?

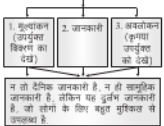
मूल्यांकन
(Evaluation)

अवलोकन और तार्किक निष्कर्ष
(Observation and Logical Conclusion)

जब आप समाज या देश की भावना का ध्यान रखते हुए किसी चीज के प्रभाव का वर्णन करते हैं, तो यह अवलोकन कहलाता है. उदाहरण के तौर पर—(1) युद्ध : शांति लाता है. (2) कड़ी मेहनत : सफलता लाती है.

जब आप किसी चीज के पक्ष-शिखर, उजाला और अंधेरा पक्ष, सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष, पहले और बाद के प्रभाव को प्रेषित करते हैं और आप एक तार्किक निष्कर्ष पर पहुँचते हैं, तो यह तार्किक मूल्यांकन, तार्किक निष्कर्ष या तार्किक अवलोकन हो जाता है. इस प्रकार के वाक्य को एस्पेसबी में उच्च ग्रेड दिया जाता है. उदाहरण के तौर पर, (1) युद्ध : युद्ध की तैयारी शांति का उपकरण है. (2) कड़ी मेहनत : समर्पित कड़ी मेहनत सफलता लाती है.

कैट में तीन भाग बहुत ही महत्वपूर्ण हैं—



दैनिक, सामूहिक और दुर्लभ जानकारी के उदाहरण

दैनिक जानकारी—(1) दूध एकत्रित चतय समय पर आती है. (2) मध्याह्न

(5) महाराष्ट्र या स्वाधिरण-गहरी नीच स्वाधिरण प्रदान करती है.

(6) विजय या आशा—जीतने की आशा रखने से जीत होती है.

(7) दक्षता या नेतृत्व—दक्षता नेतृत्व उत्पन्न करती है.

वाक्यों की व्याख्या, श्रेणीकरण, तुलना और वर्गीकरण—शब्द संगति परीक्षा में प्रेरक दिखाया जाता है और अभ्यर्थियों को सहज तरीके से प्रश्नित करना होता है. अनुक्रियाएँ या जुड़े हुए विचार उच्च रूप से सकारात्मक, प्रचालनात्मक, अवलोकनात्मक और परिणामोन्मुखी होने चाहिए. उदाहरण के तौर पर—

के तौर पर—शब्द अध्यापक को जो अध्यापक वर्गों के ज्ञान को बढ़ाता है।

व्यक्तिगत शब्द है और इसकी शक्ति तब है। तब की अभिव्यक्ति है। है। आप शब्द शब्द संगति परीक्षा (Word Association Test) से है।

व्याख्या—यदि आप शब्द 'अध्यापक' पर पूर्ण वाक्य नहीं लिख सकते हैं, तो आप लिख सकते हैं : अध्यापक ज्ञान को बढ़ाता है।

नमूनों के साथ व्याख्या—

(1) घुछना—मुझसे प्रश्न पूछें, मैं उसका उत्तर दूँगा।

मूल्यांकन—एकरी वानी Social and Cooperative (सामाजिक एवं सहयोगात्मक) और श्रेणी पी-1 है। इसका अर्थ सकारात्मक से है।

(2) छुट्टा—ज्या आपके पास ₹ 100 का छुट्टा है। इसका आशय सकारात्मक एवं पारस्परिक क्रिया से है और श्रेणी पी-1 है।

(3) आकर्षक—वह राष्ट्रपति की आकर्षक परी है। अवलोकनात्मक, गंभीर मूल्यांकन और श्रेणी सकारात्मक है।

(4) बोलूँ—बोलूँ और बहादुरी का सम्मान किया जाता है। अवलोकनात्मक, गंभीर मूल्यांकन, पी-3।

वाक्य को श्रेणी कैसे दी जाए

अब बेट की श्रेणीकरण से परिचित हो लिया जाए—

(1) N-1 (इसका आशय तटस्थ 1 से है।)

(2) P-1 (इसका आशय सकारात्मक 1 से है।)

(3) N-2 (इसका आशय तटस्थ 2 से है।)

(4) P-3 (इसका आशय सकारात्मक 3 से है।)

(5) HP-3 High Positive-3 (इसका आशय उच्च सकारात्मक 3 से है।)

वाक्यों की प्रकृति, समूह और श्रेणीकरण, उदाहरणों के साथ स्पष्टीकरण

1. बिना सोच-समझ कार्य नहीं करना चाहिए। (उपदेश और सामाजिक सहयोग शब्द, पी-1)।

2. मैं एक रुचिकर विचार-विमर्श में शामिल था सकारात्मक-अंतर्क्रिया। यह सामाजिक सामंजस्य से सम्बन्धित है और सहयोग के अनुभव को प्रकट करता है। श्रेणी पी-2।

3. अपराध कभी भी भुगतान करता है : शब्द शोध एवं विश्लेषण विंग से सम्बन्धित

है और वाक्य की बनावट अवलोकनात्मक है और श्रेणी पी-2।

4. उसका और मेरा दृष्टिकोण अलग है। लेकिन हम सर्वश्रेष्ठ मित्र हैं—सकारात्मक, अंतर्क्रिया, उच्च सामाजिक सामंजस्य और श्रेणी पी-3 है।

5. मुझे संकेत दें, मैं समस्या का समाधान कैसे। सकारात्मक, सुव्यवस्थित और गठन सामाजिक सहयोग समूह से सम्बन्धित है और श्रेणी पी-3।

6. सुंदर व्यक्ति हमेशा गर्वित है : अवलोकनात्मक, मूल्यांकन, एन-2।

7. हमारे अंदर जीत का आलविश्वास होना चाहिए। सामाजिक सहयोगात्मक समूह लेकिन श्रेणी तटस्थ-1।

8. यह गर्वी मैं गर्व है : यह तथ्यात्मक वाक्य है।

9. जीवन वादा से भरा है : यह प्रेषण शोध एवं विश्लेषण समूह से सम्बन्धित है। यह अवलोकनात्मक वाक्य है, लेकिन स्वतः सुझाव और श्रेणी तटस्थ-2 है।

10. बच्चे बहुत ज्यादा खीर मगते हैं : यह अवलोकनात्मक है और वाक्य सामाजिक सामंजस्य समूह से सम्बन्धित है और श्रेणी तटस्थ है।

श्रेणीगत और अश्रेणीगत वाक्यों की व्याख्या

आपको विशेष शब्द से जुड़ना या सम्बन्धित होना है। यह शब्द संगति परीक्षा है, वाक्य निर्माण परीक्षा नहीं है।

यह शब्द की परीक्षा नहीं है, न ही यह अर्थ है, न ही यह वाक्य निर्माण परीक्षा है। इसमें विशेष शब्द के साथ विचारों के जुड़ाव की आवश्यकता है।

विचारों का वाक्य के रूप में पूर्ण रूप से लिखा गया है, यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं तो कृपया परेशान न हों। पूर्ण अक्षरपूर्ण वाक्य लिखें। अच्छे सकारात्मक श्रेणी वाक्यों को अच्छी श्रेणी दी जाती है। उदाहरण के तौर पर—घास हरी है। यह वाक्य केवल घास की प्रकृति को प्रकट करता है जोकि हरा है और यह हरा ही है। नीला, जल नहीं या हरा के सिवाय अन्य रंग नहीं। अतः इस वाक्य में अच्छी श्रेणी या स्वीकार्य स्तर नहीं है। इसका कारण यह है कि उपर्युक्त वाक्य/विचार में कोई भी सुव्यवस्थित विचार, उन्नतिशील अंतर्वस्तु नहीं है। अतः सर्वश्रेष्ठ वाक्य निम्नलिखित हो सकता है—

(1) घास—

(क) इंदिरा नहर से राजस्थान में हरित क्रांति आ गई। पी-3।

(ख) गंगा नदी के पत्र से पृथ्वी पाक में सिंचाई होती है। एचपी-3।

(ग) हरित क्रांति ने हमें ज्यादा उन्नतिशील बनाया। पी-2।

(घ) हरियाली से प्रदूषण कम होता है। पी-3।

स्पष्टीकरण—यहाँ पर उपर्युक्त वाक्यों में घास शब्द का प्रयोग नहीं किया गया है। मुझे स्पष्ट करने दें : घास का रंग हरा है, घास की प्रकृति हरियाली को प्रदर्शित करने की है। अतः उपर्युक्त सभी वाक्य हरियाली से सम्बन्धित है।

(2) मैं—(1) मैं अपनी माँ का सम्मान करता हूँ। पी-1 लेकिन श्रेणीकृत वाक्य नहीं है।

व्याख्या—पहला प्रश्न है, यदि आप अपनी माँ का सम्मान नहीं करते हैं, तो कौन आपको सम्मान करेगा? दूसरा प्रश्न है : आप अपनी माँ का सम्मान क्यों नहीं करेंगे? तीसरा प्रश्न है, क्या आप केवल अपनी माँ का सम्मान करेंगे? दूसरा वाक्य है : मैं अपनी माँ से प्यार करता हूँ। इससे भी बड़ी व्याख्या निकाली है। अब श्रेणीगत वाक्य हो सकता है—

(क) माँ का बलिदान असाधारण है। पी-3।

(ख) मैं अपनी माँ को अपना एकल दूँगा। पी-2।

(ग) मैं अपनी माँ के लिए कुछ भी कर सकता हूँ। पी-2।

(घ) मदर टेरेसा ने लोगों का उत्थान किया। पी-3।

(ङ) मदर इडिया को उच्च सम्मान हासिल है। पी-3।

(च) हम सभी अपनी मातृभूमि के लिए समर्पित हैं। एचपी-3।

(3) देश—(क) हम लोकतांत्रिक हैं। पी-1; क्या कोई व्यक्ति यह कह सकता है कि वह लोकतांत्रिक नहीं है ?

(ख) हम अपने देश को प्यार करते हैं। पी-1; क्या कोई व्यक्ति यह कह सकता है कि वह अपने देश से प्यार नहीं करता है ?

(ग) भारत एक देश है, एन-1; तटस्थ वाक्य क्या कोई व्यक्ति यह कह सकता है कि भारत एक देश नहीं है ?

ये उपर्युक्त वाक्य सकारात्मक हैं और अच्छे भी हैं, लेकिन बेहतर श्रेणीकृत नहीं हैं, क्योंकि ये अच्छे प्रवाचनात्मक, विचारचंचक/परिधानोन्मुखी/उन्नतिशील/ मूल्यांकनकारी तथा अवलोकनात्मक नहीं हैं। अतः बेहतर वाक्य है—

देश—(1) विदेशी मुद्रा उद्वारवाद का नतीजा है। पी-2।



(2) पूर्वी पाक को मानने वाला (Recognized करने वाला) भारत पहला देश है। पी-3.

(3) हमारा लोकतंत्र विश्व का सर्वश्रेष्ठ लोकतंत्र है। एचपी-3.

(4) हमने पूरे विश्व में भाईचारा फैलाया है। एचपी-3.

(5) हमारे पड़ोसियों के लिए बड़े भाई का सिद्धान्त। एचपी-3.

समाज—(क) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। पी-1 लेकिन यह तटस्थ वाक्य है। अब, यदि मनुष्य सामाजिक प्राणी नहीं है, तो वह क्या है? और इस वाक्य से क्या प्रदर्शित होता है? क्या यह किसी चीज को बौध्दना देता है? क्या यह समाज को किसी प्रकार की स्थिति देता है?

(ख) मनुष्य समाज में रहता है? पी-1, लेकिन तटस्थ। अब, प्रश्न यह है, यदि आदमी समाज में नहीं रहेगा, तो वह कहीं रहेगा? क्या वह जानकरों के साथ रहेगा? नहीं, निश्चित रूप से नहीं।

(ग) अपराधी समाज में रहते हैं। नकारात्मक वाक्य। अब, क्याका यह है, आप कैसे जानते हैं कि अपराधी समाज में रहते हैं? क्या आपने समाज में केवल अपराधियों को ही देखा है? आपने कहीं से सुना कि अपराधी समाज में रहते हैं? समाज सुधार और अपराधियों को सजाह नहीं दी जा सकती है?

अतः सर्वश्रेष्ठ और श्रेणीकृत वाक्य है : उन्मत्तशील, सकारात्मक, उच्च सकारात्मक, पारस्परिक क्रियाशील, अवलोकनात्मक, दोस्ती और भाईचारे की भावना ये हैं—

समाज—(1) हम एक दहेज युक्त समाज विकसित करने का बन्दा करते हैं। पी-2

(2) 2015 तक हमारा देश अपराधयुक्त समाज हो जाएगा। एचपी-2

(3) हमारा समाज बहुसंस्कृति वाला समाज है। पी-2

(4) साहसिकी संस्थाएँ किसानों को उन्मत्त कर रही हैं। पी-2

(5) हमने धकमा शरणार्थियों को समाजीकृत किया है। एचपी-3

(6) हम सभी समाज के सदस्य हैं। एचपी-3

बहन : मैं अपनी बहन से बहुत प्यार करता हूँ। एसए (सामाजिक सामंजस्य) पी-1

मेरी बहन खुश है। एसआई (Social Interaction) (सामाजिक बातचीत), पी-1

मेरी बहन का स्वभाव अच्छा है। एससी (सामाजिक सहयोगात्मक), पी-1

ये सकारात्मक, शांतिप्रिय, बातचीत और अच्छे वाक्य हैं, लेकिन आप इन

वाक्यों की निम्नलिखित प्रकार से उन्मत्त कर सकते हैं—

बहन : (1) अब साठों बहनें विकसित हो रही हैं।

(2) मिलिट्री नर्सिंग सेवार् सर्वश्रेष्ठ है। पी-2

(3) स्वामी जी ने पूरे विश्व को भाई एवं बहन के रूप में सम्बोधित किया। एचपी-3

(4) प्रयासों से मेरी बहन ने मिलिट्री नर्सिंग सेवा में उच्च श्रेणी प्राप्त की पी-2

यह रिपोर्ट किया जा रहा है कि एसएससी अभ्यर्थी सामान्यतया अवलोकनात्मक और वाक्य प्रक्षेपण उपदेशों के बीच प्रगति हो जाते हैं। मैं इसे निम्नलिखित रूप में श्रेणीकृत करूँगा। शब्द 'विरासत' है—

(1) ईमानदार आदमी बनें। पी-1; लेकिन उपदेश है।

(2) मरोंसंमद आदमी बनो। पी-1, लेकिन उपदेश है।

(3) आपको सब पर विरवास करना चाहिए। पी-1, लेकिन स्वतः सुझाव।

(4) भरोशेदम दोस्त बनें। पी-1, लेकिन स्वतः सुझाव।

(5) विरवास करना एक गुण है। पी-1; लेकिन उपदेश है।

व्याख्या—उपदेश, सुझाव, प्रवचन से बचें और एक शब्द के उत्तर से भी बचें, यदि यह पूर्ण विचार नहीं प्रकट कर रहा है। उदाहरण के तौर पर, मैं यही शब्द 'विरासत' लेता हूँ—

(1) पारस्परिक शमझ से विरवास बढ़ता है। एचपी-3

(2) विरवास खुलझाली उत्पन्न करता है। पी-3

(3) मेरे पास सभी विरवाली दोस्त हैं। पी-2

(4) पारस्परिक बातचीत से विरवास आता है। एचपी-3

मुखिल शब्द जिस पर अभ्यर्थी विचार प्रकट करने के लिए मुखिल का सामना करता है। वह शब्द है 'नहीं हो सकता'।

(1) कैशर का इलाज संभव है। पी-2

(2) अनरीका विश्व को प्रभावित नहीं कर सकता है। पी-2

(3) मैं दोषा बर्दाश्त नहीं कर सकता। पी-1

(4) हम आगे अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं कर सकते। पी-2

(5) पाक काशीर में आने नहीं आ सकता। पी-2

महिला कमीशन के लिए विशेष लेख

सदस्य सेना उन महिलाओं के लिए रोमांचक कैरियर पेश करता है जो यह सिद्ध करना चाहती हैं कि कमांडर कर्म के रूप में कोई भी इस प्रकार की चीज नहीं है।

भारतीय सैनिकान कैरियर बढ़ोतरी के लिए पुरुष एवं महिलाओं को समान अवसर प्रदान करता है। यद्यपि 18 वर्ष पहले तक सशस्त्र बलों में केवल पुरुष ही भर्ती होते थे, सूरस में 1991 के छोटी युद्ध में महिलाओं की भूमिका न उच्च नीति निर्माताओं की प्रवृत्ति को बदल दिया और उन्होंने सशस्त्र बल की तीनों विंग में महिलाओं के प्रवेश को अनुमति दे दी। यद्यपि, निर्णय पर पहुँचने से पहले मनोवैज्ञानिक शोध रमा संस्थान को कुछ मुखिल मानकों का समना करना है—

(1) महिलाओं को सर्वोच्च संकट प्रबंधन एजेंसी में अनुमति देने के निर्णय का सागत है लेकिन किस श्रेणी में ?

(2) क्या वैज्ञानिक एवं सरल प्रणाली (जिसके द्वारा युवाओं को 1942-43) से कमीशन किया जाता रहा है) में घुट देना है। यदि हाँ, तो कैसे और किस स्तर तक ?

महिलाओं को 5 से 7 वर्षों की अवधि के लिए लघु सेवा कमीशन की अवस्थी स्थाना के अनवरत सशस्त्र सैनिक के तीनों अंगों में उच्च श्रेणी में शामिल किया जा रहा है। निषादन, मूल्यांकन, मेरिट एवं शारीरिक/ चिकित्सकीय योग्यता के आधार पर लघु सेवा कमीशन को आगे स्थानी कमीशन या तो मैं वे पुनं उनमें विस्तारित किया जा सकता है।

(3) क्या हमारी लड़कियाँ रंगिस्तान एवं सियाचिन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार होंगी?

(4) क्या हमारी लड़कियाँ युद्धक्षेत्र के विषम एवं अत्युच्च उतार-चढ़ावों का सामना करने के लिए तैयार होंगी? और क्या वे युद्ध क्षेत्र में अनिश्चित काल के लिए भूखी-प्यासी रह पाएँगी?

(5) और अंततः कमीशन होने के बाद क्या हमारी लड़कियाँ सांस्कृतिक और सामाजिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सेवा में रह पाएँगी?

सशस्त्र बल के तीनों विंग और पैरामिलिट्री पुरुष वर्गों के रूप में उनकी श्रेणी में औरतों को शामिल करने की आवश्यकता को जवाब देने वाले शब्द अतिम थे। दुरुवर्ती अवस्था में दीर्घ प्रविष्टि छोटी थी, अन्ते जगह को अपने प्रवास एवं निषादन से बदनाम था, दुरुवर्ती प्रवास शिबिकबलट से मरे और इस बारे में अनिश्चित थे कि किस प्रकार शामिल सिंग कैरियर में निमग्न होंगे जो स्वतंत्रता, शिमत और साहस की मँग है।

वैश्वीकरण के दौर में उपभोक्ता अधिकार व संरक्षण व्यवस्था

अर्चना शर्मा

वैश्वीकरण व उद्योगीकरण की अवधारणा के विकास के साथ लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा व्यवहारिक रूप से मंजूर हो गयी है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों के लिए लोक कल्याणकारी राज्य की संकल्पना को साकार करना अभी भी विकास का एक प्रमुख लक्ष्य है। किसानों, मजदूरों, शिल्पकारों सहित गरीब आबादी को उसके कल्याण पर ही ध्यान दिया है। बदती महंगाई, बेरोजगारी के कारण सामाजिक न्याय का सिद्धान्त अप्रभावी होता जा रहा है। आज का युग उपभोक्तावाद का युग है, लेकिन वैश्वीकरण के दौर में उपभोक्ताओं के हितों की अगदखी बढ़ती जा रही है। 15 मार्च को दुनिया भर में विश्व उपभोक्ता दिवस मनाया गया। पर वास्तविकता यह है कि विश्व में चाहे सैन्य हासन हो या लोकतंत्र, पूँजीवाद हो या सामाजवाद आमतौर पर उपभोक्ताओं का अमानविक शोषण हुआ है। ऐसा देश प्रगति, स्थितिगत प्राप्त करता है जहाँ कि सरकारें उपभोक्ताओं का मुनासब दौरे हैं व उनके हितों का संरक्षण करती हैं। विश्व में जिन देशों की आबादी ज्यादा है, वही या विकासशील देशों में उपभोक्ता वर्ग ज्यादा क्षीणित है। आजादी के 65 साल बाद भी आज हमारे देश में सरकार उपभोक्ताओं को न्याय, संरक्षण व अधिकार नहीं दिला पाई है। विश्व में उपभोक्ताओं पर शोषण नीति की दीड में भारत वास्तविकता, चीन व अपने अन्य पड़ोसी देशों से आगे है। कुल्लासन, झटपटार स्वायत्त राजनीति, अराजकता, काजगजारी, बदती महंगाई, जमाखोरी की बदती प्रत्यूति इसी के लिए जिम्मेदार है।

उपभोक्ता कौन ?

आज देश का प्रत्येक व्यक्ति उपभोक्ता है चाहे वह किसी भी वर्ग का क्यों न हो। अपनी आवश्यकता की वस्तुएं हाट, बाजार व मण्डियों से प्राप्त करता है। उपभोक्ता दो प्रकार के होते हैं। पहला जो कीमत देकर वस्तुएं या माल खरीदते हैं, दूसरा जो कीमत देकर सेवा प्राप्त करते हैं जैसे- टिकट खरीद कर रेल या बस में यात्रा करना।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ता से आशय इस व्यक्ति से माना गया है जो प्रतिकल का मुगतान करके

या उसके आशिक मुगतान या अस्थगित मुगतान की पद्धतियों के द्वारा माल क्रय करती है। दूसरा सेवाओं के मामले में उपभोक्ताओं से अभिप्राय ऐसे व्यक्तियों से है-

(1) वह व्यक्ति जो प्रतिकल या मुगतान करके या आशिक मुगतान करके या अस्थगित मुगतान के द्वारा किसी सेवा को मादे पर लेता है।

(2) इसमें प्रतिकल का या कीमत का मुगतान करके सेवाओं को मादे या किराए पर लेने के अतिरिक्त ऐसा लाभगो भी शामिल है, जो वास्तव में मादे या किराए पर लेने वाले व्यक्ति के अनुमान से ऐसी सेवाओं का उपयोग करता है।

उपभोक्ताओं के अधिकार

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 6 के अन्तर्गत उपभोक्ता के निम्नलिखित अधिकारों का उल्लेख किया गया है-

(1) सुरक्षा का अधिकार-ऐसे माल जो जीवन और संपत्ति के लिए खतरनाक हो, उसी बाजार में भंजने तथा बेचने वालों के विरुद्ध कार्यवाही करना तथा उपभोक्ताओं की रक्षा करना।

(2) सूचित किए जाने का अधिकार-अनुचित व्यापार से उपभोक्ताओं को संरक्षण प्रदान करने के लिए माल की गुणवत्ता, मात्रा, समता, शुद्धता व मूल्य के बारे में सूचित किए जाने का अधिकार।

(3) पहुँच का अधिकार-जहाँ तक सम्भव हो प्रतियुति मूल्यों पर माल की विनिमय किरणों को सुलभ कराए जाने का अधिकार, तकि माल उचित कीमत पर और अच्छी किस्म का उपभोक्ता को उपलब्ध हो।

(4) सुनवाई का अधिकार-यह आवश्यकता कि उपभोक्ताओं के हितों पर सम मनों पर सम्यक् रूप से विचार किया गया जाएगा।

(5) क्षतिपूर्ति पाने का अधिकार-अनुचित व्यापारिक व्यवहार या उपभोक्ताओं के अनुचित शोषण के विरुद्ध क्षतिपूर्ति प्राप्त करने का अधिकार।

(6) शिक्षा का अधिकार-उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों का बोध कराना व जागरूक बनाना, ताकि वे अपने अधिकार हासिल करने के लिए प्रयासरत रहें।

(7) मूल्य या प्रतिकल प्राप्त करने का अधिकार

(8) स्वस्थ वातावरण का अधिकार

(9) सूचना का अधिकार-उपभोक्ता जिन वस्तुओं व सेवाओं को खरीदता है उनके बारे में उसे सूचना पाने का अधिकार है, जब उपभोक्ता किसी वस्तु को खरीदने तक उसके पैकेट पर कुछ जानकारी पाएंगे, व वस्तु के अवयवों, मूल्यों, वैध संख्या, निर्माता की तारीख, खराब होने की तिथि और वस्तु बनाने वाले के पते के बारे में होती है जैसे दवा खरीदते समय उसके उचित प्रयोग, उसके अन्य प्रभाव, खराब से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। भारत सरकार प्रदत्त विविध सेवाओं की उपभोक्ता बचने के लिए सूचना पाने के अधिकार को बढ़ा दिया गया है। सन् 2005 में सरकार ने नागरिकों को सरकारी विभागों के कार्यकलापों की सभी सूचनाएं पाने के अधिकार को सुनिश्चित किया है। उपभोक्ता वस्तु में किसी भी प्रकार की खराबी होने पर शिकायत करने, गुआवणा पाने या वस्तु बदलने की नींव कर सकता है। इसके लहू जो विवेकत अतिम तिथि समाप्त हो जाने वाली देवासी को बेचते हैं, उनके खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। यदि कोई व्यक्ति मुदित मूल्य से अधिक मूल्य पर वस्तु बेचता है, तो उसके विरोध करने, शिकायत करने का उपभोक्ता को अधिकार है।

(10) धुनने का अधिकार-उपभोक्ता को किसी भी तरह की वस्तु या सेवा प्राप्त करते समय धुनने का अधिकार है जैसे आप दंत मंजम खरीदना चाहते हैं और दुकानदार दंत मंजम के साथ बूझ खरीदने का दबाव डालता है जिसे खरीदने की हमारी इच्छा नहीं है तब आपके धुनने के अधिकार का उल्लंघन हुआ है।

उपभोक्ता आन्दोलन

सरकार ने उपभोक्ताओं का शोषण रोकने, पीड़ित उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के उद्देश्य से समय-समय पर अनेक सराहनीय प्रयास किए हैं।

उपभोक्ता आन्दोलन का प्रारम्भ उपभोक्ताओं के असंतोष के कारण हुआ, यथोक्ति विवेकत कई अनुचित व्यावसायिक व्यवहारों में शामिल होते हैं। उस समय बाजार में उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए कोई कानूनी व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। उपभोक्ता एक विशेष ब्रांड उत्पाद या दुकान से संतुष्ट नहीं होता था। तो समायासिक वह उस ब्रांड उत्पाद को खरीदना बंद कर देता था। अर्थात् उपभोक्ता की जिम्मेदारी थी कि वह वस्तु या सेवा खरीदते वक्त सावधानी बरते, जानता कि जागरूकता होने में भारत और पूरे विश्व में कई वर्ष लाग गए।

भारत में उपभोक्ता आन्दोलन का जन्म अनेकिक और अनुचित व्यावसायिक कार्यों से उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता के साथ हुआ। अत्यधिक छद्म कमी, जमाखोरी, कालाबाजारी, छद्म पदार्थों में निमज्जित की वजह से 1960 के दशक में व्यवस्थित रूप से उपभोक्ता आन्दोलन का उदय हुआ। 1970 के दशक तक उपभोक्ता संस्थाएं, वृद्धि रत्तर पर उपभोक्ता अधिकार से सम्बन्धित आलेखों के लेखन और प्रदर्शनों का आयोजन होने लगा। सड़क परिवहन में बड़ौती भीड़भाड़ और राशन की दुकानों में होने वाले अनुचित कार्यों पर नजर रखने के लिए उपभोक्ता दल बनाया। भारत में उपभोक्ता दलों की संख्या में चरमोत्तर वृद्धि हुई।

1985 में संयुक्त राष्ट्र में उपभोक्ता सुरक्षा के लिए उपभोक्ता इंटरनेशनल नामक संरक्षक संस्था बनाई, जो 100 से भी अधिक देशों के 240 संस्थाओं से जुड़ी हुई है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986

सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करने के लिए समय-समय पर अनेक प्रयास किए। इसके लिए माधोलाल मानक अधिनियम तथा साथ अपमिश्रण अधिनियम अस्तित्व में आए गए। 1986 में सरकार ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम पारित किया। यह अधिनियम जम्मू एवं कश्मीर राज्य को छोड़कर शेष सभी राष्ट्रीय एवं केन्द्रशासित क्षेत्रों में लागू है। जम्मू एवं कश्मीर सरकार ने ऐसा ही एक कानून अलग से बनाया और लागू किया है। यह अमरीका, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड, कनाडा, आस्ट्रेलिया आदि देशों के प्रभावी उपभोक्ता संरक्षण अधिनियमों एवं व्यवस्थाओं का गहन अध्ययन के पश्चात् तैयार किया गया है। यह अधिनियम उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है।

उपभोक्ता शिकायत निवारण प्रक्रिया : कहीं और कैसे दायर करें ?

क्रय की गई वस्तु या सेवा में किसी भी प्रकार की कमी या दोष हो या ग्राहक से निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत वसूली गई या खरीदी जाने वाली वस्तु की मासुलता या गुणवत्ता सही नहीं हो या फिर बूटि के कारण उपभोक्ता की सुरक्षा या जीवन में संकट पैदा हो गया हो, तो उपभोक्ता को पुरा अधिकार है कि वह इन प्रकारों की शिकायत विवाद के आधार पर दर्ज कराए।

1. यदि माल अथवा सेवाओं का मूल्य तथा क्षतिपूर्ति के लिए मीनी गई रकम बीस लाख रुपए तक है, तो शिकायत जिला उपभोक्ता मंच में दायर कर सकते हैं।

2. यह राशि 20 लाख से ऊपर या एक करोड़ की सीमा तक के विवाद हैं, तो शिकायत राज्य आयोग के अन्तर्गत दायर की जा सकती है।
3. एक करोड़ से अधिक राशि के विवाद राष्ट्रीय आयोग, नई दिल्ली में दायर किए जा सकते हैं।

शिकायत दर्ज कराने का तरीका

- उपभोक्ता मंच में शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया सरल व सीधेगामी है।
- वस्तु या सेवा क्रय करने के बाद दो साल की अवधि के भीतर कोई भी उपभोक्ता निर्धारित फीस व सशुल सहित सादे कागज पर अपनी शिकायत लिखकर उपभोक्ता मंच को व्यक्तिगत रूप से डाक या कूरियर से भी शिकायत भेज सकता है।
- शिकायत पत्र में—
 1. शिकायत करने वाले का नाम व पता पता होना चाहिए।
 2. जिसके विरुद्ध शिकायत की गई है, उस व्यक्ति अथवा संस्था का पूरा नाम व पता होना चाहिए।
 3. खरीदी गई वस्तु या सेवा का पूर्ण विवरण।
 4. वस्तु या सेवा की कमी का विवरण।
 5. चाही गई क्षतिपूर्ति या हर्जाना राशि।
 6. शिकायत पर शिकायतकर्ता या प्राधिकृत अधिकर्ता के हस्ताक्षर होने चाहिए।
 7. फीस की राशि जुर्माने के आधार पर निर्धारित होती है।
- उपभोक्ता संरक्षण कानून के अनुसार एक लाख तक दावा (राशि) की सीमा के लिए दो सौ रुपए फीस का प्रावधान है।

आवश्यक साक्ष्य/सबूत

शिकायत-पत्र के साथ क्रय की गई वस्तु या सेवा सम्बन्धित सबूतों में—

1. खरीद की रसीद।
2. गारंटी कार्ड या अन्य कोई सबूत या दस्तावेज की प्रतिलिपि।

उपभोक्ताओं को उपलब्ध राहत

उपभोक्ता द्वारा मीनी गई राहत के स्वरूप व तथ्यों को देखते हुए कोरम आयोग द्वारा निम्नलिखित में से एक या अधिक राहत देने का अदेश दिया जा सकता है—

1. माल में बूटि दूर करना।
2. माल को बदलना।
3. अदा किया गया मूल्य वापस करना।

4. क्षतिपूर्ति उपभोक्ता द्वारा मीनी गई राहत का वस्तु या सेवा में कमी के तथ्यों को देखते हुए उपभोक्ता को हुई हानि के लिए क्षतिपूर्ति राशि या परिवाद खर्च भी दिया जा सकता है।
5. जेल या जुर्माना अथवा दोनों दण्ड एक साथ दिए जा सकते हैं।

उपभोक्ता विवाद समाधान की प्रस्ता-सैनिक व्यवस्था

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में उपभोक्ता के परिवादों या शिकायतों के निवारण हेतु विस्तरीय अर्द्ध न्यायिक व्यवस्था है। इस व्यवस्था में निम्नलिखित प्राधिकारों का संस्थाएं हैं—

क्रम	संस्थाएं	स्तर	संख्या भारत में
जिला स्तर	जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध कोम	निम्न स्तर	607
राज्य स्तर	राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग	मध्य स्तर	35
राष्ट्रीय स्तर	राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध आयोग, नई दिल्ली	उच्च स्तर	1

प्रारम्भ में लगभग 5 वर्षों तक यह व्यवस्था अधिक कारगर नहीं थी, लेकिन जब से देशभर में पीछे उपभोक्ताओं को शीघ्र, सुलभ व सस्ता न्याय प्रदान करने के लिए प्रभावी पहल की है तब से उपभोक्ताओं ने राहत की संस ली है।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध मंच

इनमें जिला मंचों का विशेष महत्व है। क्योंकि उपभोक्ता की वार्षिक शिकायतें इसी प्राधिकारी के समक्ष आती हैं। तन्मिद मामलों की बड़ौती संख्या के कारण एक जिले में एक से अधिक जिला मंच गठित किए गए हैं।

संगठन

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिरोध मंच के सभापति व सदस्यों की नियुक्ति राज्य सरकार द्वारा गठित चयन समिति की सिफारिश के आधार पर की जाती है। इनका कार्यकाल 5 वर्षों या 6.5 वर्षों की आयु से अधिक नहीं होता। इस मंच का कोई भी सदस्य पुनः नियुक्त नहीं हो सकता। शिकायत या परिवाद मायता प्राप्त उपभोक्ता संघ या जिला मंच की अनुमति से एक या एक से अधिक उपभोक्ताओं द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। शिकायत प्रस्तुत होने के 21 दिन के भीतर तलक द्वारा जिला शिकायत की प्रकृत पर निर्णय हो लिया जाता है।



राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिभोक्त आयोग

प्रत्येक राज्य का केन्द्रशासित प्रदेश में एक राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतिभोक्त आयोग गठित किया गया है। जिला मंच द्वारा दिए गए निर्णय के विरुद्ध कोई भी प्रयासर निर्णय की तिथि से 30 दिन के भीतर अवस्था राष्ट्रीय आयोग द्वारा बढ़ाई गई अवधि के भीतर अपील कर सकता है। यह आयोग माल या सेवा या क्षतिपूर्ति के ऐसे दावों की सुनवाई करता है, जो 20 लाख रुपये से अधिक और एक करोड़ रुपये तक के होते हैं।

संगठन

इस आयोग में एक सम्पापति एवं दो सदस्य होते हैं। सम्पापति राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है, जो उच्च न्यायालय का न्यायाधीश हो या रह चुका हो। उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श के बाद राज्य सरकार द्वारा नियुक्त किया जाता है। दो अन्य सदस्यों में एक महिला सदस्य होते हैं। सदस्यों का चयन चयन समिति की सिफारिश से होता है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिभोक्त आयोग

केन्द्रीय स्तर पर राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद प्रतिभोक्त आयोग उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण हेतु गठित किया गया था। यह आयोग उपभोक्ताओं की उन सभी शिकायतों की सुनवाई करता है, जिसके माल या सेवाओं का मुख्य अवस्था क्षतिपूर्ति की राशि एक करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अतिरिक्त राज्य अयोगों के निर्णय के विरुद्ध अपील की सुनवाई यह आयोग करता है। सरकार ने ऐसे 13 सदस्यों का अधिसूचित किया है, जहाँ राष्ट्रीय आयोग अपनी शक्ति बँच बैठक कर सकता है।

संगठन

राष्ट्रीय आयोग के कुल पाँच सदस्यों में एक सम्पापति और चार सदस्य होते हैं। सम्पापति की नियुक्ति भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से केन्द्र सरकार द्वारा की जाती है। वह उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश हो या रह चुका हो। सम्पापति के अतिरिक्त चार अन्य सदस्यों में एक महिला होती है। इन सदस्यों की नियुक्ति एक चयन समिति की सिफारिश पर होती है। सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक बना रहता है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू होने के बाद जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित उपभोक्ता संरक्षण निकायों ने लगभग 90% शिकायतों का निपटारा किया है, जो आप में एक रिकॉर्ड है। (देखें तालिका)

तालिका : उपभोक्ता संरक्षण कोरमों में शिकायतों का निपटारा (31 जनवरी, 2012)

क्र.	निकाय	स्थापना की तिथि के बाद से दावर शिकायतों	स्थापना की तिथि के बाद से निपटारा गई शिकायतें	संविता शिकायतें	निपटारा गई शिकायतों का प्रतिशत
1.	राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग	72863	63370	9493	86.97
2.	राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग	560961	464243	96718	82.76
3.	जिला उपभोक्ता संरक्षण कोरम	3093931	2845823	248108	91.98
	कुल योग	3727755	3373436	354319	90.50

उपभोक्ताओं में जागरूकता लाने के लिए प्रभावी प्रयास

उपभोक्ताओं को अपने अधिकार के ज्ञान के साथ-साथ अधिकार हासिल करने के लिए प्रयासर रहना चाहिए। बाजार में प्रचलित किस्म के विज्ञापन व उत्पाद देखकर उपभोक्ता आकर्षित हुए बिना नहीं रह पाता। आए दिन नकली घी, मसाले, दूध के नमूने, खाद्य पदार्थों में मिलावटों के मामले पकड़े जाते हैं। सरकार विनियम चार साल से 'गुड के लिए बुरा' अभियान चला रही है। पर वह अविश्वसनीय भी है ही दान तोड़ता नजर आ रहा है। विभागीय टीम खाद्य सुरक्षा निरीक्षक सिखावटी कार्यवाही करते हैं। आज भी की आई.पी. व्यक्तियों, मंत्री, न्यायाधीश, प्रशासक, विधायक व उच्च वर्गों को छोड़कर 80 प्रतिशत उपभोक्ता शोषण की आग में सुलग रहे हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कालाबाजारी, जमाखोरी, खाद्य पदार्थों में मिलावट, नकली दवाइयों घुस एवं रिश्वत, पुलिस ताण्डव और सरकारी तंत्र की मार से उपभोक्ता उत्त है।

उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के नवीन सुधार

उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग व जागरूक है। इस हेतु सरकार ने जन जागरूकता अभियान की चलाया है जिसके तहत 'मेघदूत' पोस्टरकार्ड पर उपभोक्ता जागरूकता संदेश लिखकर देश के डेढ़ लाख ग्रामीण एवं पर्वतीय हजार सहरों डाकघरों के माध्यम से आम लोगों को उपभोक्ता हितों के प्रति जागरूक करने की कोशिश की है, वहीं राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ताओं को सहायता देने के लिए उपभोक्ता हेल्पलाइन बनाई गई। इतना ही नहीं, उपभोक्ताओं को अपने हितों के प्रति सजग करने के लिए समाचार-पत्रों में विज्ञापन से लेकर आकाशवाणी एवं दूरदर्शन पर भी "जगो शाहक जागो" की अलख जलाई है।

गुणवत्ता का प्रमाण

विज्ञापनों एवं संदेशों के माध्यम से उपभोक्ताओं को भारतीय मानक ब्यूरो के

आई एस आई के बारे में बताया गया है, जो वस्तु की गुणवत्ता का प्रमाण है। जैसे रसने की गुणवत्ता का प्रामाणिक चिह्न होलमार्क, वस्तु की गुणवत्ता का शब्द चिह्न (लोगो) जेसकि आईएसआई चिह्न, एफपीओ चिह्न, बीआईएस होलमार्क, इकोमार्क, इण्डिया ऑर्गेनिक एगमार्क आदि। ये शब्द चिह्न व प्रामाणिक चिह्न वस्तु व सेवा की अच्छी गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं। यद्यपि सभी उत्पादकों को इन मानदण्डों का पालन करना जरूरी नहीं होता, परन्तु ऐसे उत्पाद जो उपभोक्ता की सुरक्षा व स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं उनके लिए इनका पालन करना अनिवार्य होता है, जैसे - बोलतबंद पेय पदार्थ, शिथिलबंद पदार्थ, खाद्य रंग व प्रयुक्त समशी आदि।

बीमा लोकपाल

इंश्योरेंस कम्पनियों को बीमाधारक की लिखित शिकायतों का निपटारा दो हफ्तों में करना होगा। बीमाधारकों के हितों की रक्षा के लिए 1998 में बीमा लोकपाल संस्थान बनाया गया है।

जन जागरूकता अभियान

जागृति शिविर योजना के अन्तर्गत जिला स्तर पर उपभोक्ताओं को जागरूक करने के लिए शिविर सभाओं व कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक जिले में जिला उपभोक्ता सूचना केन्द्र की स्थापना की गई है। दोषपूर्ण वस्तुओं व त्रुटिपूर्ण सेवाओं की बिजो का अनुचित व अवरोधक व्यापारिक व्यवहारों को अपनाने के विरुद्ध शिकायतें दर्ज करानी होंगी।

नवीन सत्र में खाद्य सुरक्षा विधेयक प्रस्तावित है। लागू हो जाने से सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अधिक पारदर्शी हो जाएगी। लोगों की शिकायतों का बेहतर ढंग से समाधान होगा। इससे 75 प्रतिशत ग्रामीण व 50 प्रतिशत सहरों की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

सोप पृष्ठ 114 पर

भारत-भूटान सम्बन्धों की ऐतिहासिक विरासत

डॉ. पदम सिंह गजराज एवं मेधना नेहरू

भूटान राज्य संस्कृत के भूतांत से बना है जिसका अर्थ होता है—'सबसे ऊँची चरही'। भूटान एक छोटा पर्वतीय देश है जो हिमालय पर्वत श्रृंखला में भारत की पूर्वी सीमा पर भारत और चीन के मध्य 'बकल स्टेट' है। भूटान का नाम भूटानी भाषा में डारुक युल (Druk Yul) है जिसका अर्थ 'Land of Thunder Dragon' होता है। भूटान की सीमाएं उत्तर में तिब्बत तथा पूर्व, पश्चिम तथा दक्षिण में भारत के साथ लगती हैं। भारत के साथ इसकी सीमा 645 किमी लम्बी और चीन के साथ इसकी 470 किमी लम्बी सीमा है। इससे स्पष्ट होता है कि भू-राष्ट्रीय दृष्टिकोण से यह देश भारत के लिए कितने मायने रखता है। भूटान का पुरा नाम 'किंगडम ऑफ भूटान' (Kingdom of Bhutan) है।

भारत-भूटान सम्बन्ध मैत्रीपूर्ण रहे हैं और दोनों में कोई खास समस्या नहीं है। भारत भूटान को एक स्वतंत्र देश के रूप में बनाए रखना चाहता है। भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ सम्बन्ध में कुछ मुद्दों पर विवादालयद स्थिति रही है। भूटान के साथ भारत का सम्बन्ध इसका अपवाद है। भारत भूटान के सम्बन्धों में कभी-कभी कुछ नौच विषयों को लेकर भिन्नता अवश्य देखी गई है, परन्तु गहन मतभेदों व संघर्षपूर्ण सम्बन्धों का अभाव रहा है। भारत की प्रतिरक्षा में भूटान का अत्यधिक महत्व है। भारत की उत्तरी प्रतिरक्षा व्यवस्था में भूटान की महत्वपूर्ण भूमिका है। भूमि धाटी से चीन की सीमा केवल 80 मील है। यदि चीन विस्तारवादी महात्वाकांक्ष से इस क्षेत्र में घुसपैठ करे तो वह न केवल भूटान को बल्कि उत्तरी पश्चिम बंगाल, असम और अरुणाचल प्रदेश का भारत से कट सकता है। चीन ने भूटान-तिब्बत की वर्तमान प्राकृतिक सीमाओं को कभी स्वीकार नहीं किया है।

सिनचुला संधि 1865 एवं गुनरवा संधि 1910

भारत-भूटान सम्बन्धों की ऐतिहासिक शुरुआत 1865 की ब्रिटिश भारत सरकार व भूटान के मध्य हुई संधि से माना जाता है। इस संधि को 'सिनचुला संधि' के नाम से भी जाना जाता है, जो भारत की स्वतंत्रता पूर्व हुई थी। इस प्राकर से 8

अगस्त, 1949 से पूर्व भारत तथा भूटान सम्बन्ध 1865 की सिनचुला संधि के अनुसार चलते रहे हैं। 1910 में गुनरवा संधि द्वारा भारत-भूटान के सम्बन्ध और अधिक सुदृढ़ बन गए। इस संधि के अन्तर्गत ब्रिटिश सरकार ने भूटान के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा किया तथा भूटान ने अपनी विदेशी मामलों के सम्बन्ध में ब्रिटिश सरकार के निर्देशों पर काम करने का वचन भी दिया।

विरथाई शान्ति और मित्रता संधि—1949

स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत सरकार ने 8 अगस्त, 1949 को भूटान के साथ एक संधि की, जिसके तहत दोनों देशों के मध्य 'विरथाई शान्ति और मित्रता' स्थापित करने का प्रावधान किया गया। 1949 की संधि के अन्तर्गत अनु. 2 के तहत भारत की सरकार ने यह निर्धारित किया कि वह भूटान के आन्तरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करेगी तथा भूटान की सरकार ने अपनी विदेशी मामलों में भारत की सलाह के अनुसार चलने की स्वीकृति दी। भूटान के प्रति भारत सरकार ने विरथाई शान्ति, मित्रता एवं सद्भावना के प्रतीक रूप में देवनागिरी नाम के स्थान में से 32 वर्ग मील का वह क्षेत्र भूटान को वापस देने का निर्णय लिया जो 1865 में भारतीय क्षेत्र में मिला लिया गया था। इस संधि के अनु. 6 के तहत यह भी प्रावधान किया कि भूटान अपने वैदेशिक मामलों में भारत सरकार से मार्गदर्शन प्राप्त करेगा तथा इसके अतिरिक्त भूटान केवल भारत की सन्तुष्टि पर ही हथियार मंगा सकता है। भारत भूटान को लगातार आर्थिक एवं प्रौद्योगिकी सहायता दे रहा है। वर्ष 2007 में 1949 की भारत भूटान संधि में थोड़ा संशोधन भी कर दिया गया है।

भारत-भूटान के राजनैतिक सम्बन्ध

भारत-भूटान के राजनैतिक सम्बन्ध मधुर बने हुए हैं। दोनों देशों के सम्बन्धों को अधिक सुदृढ़ता व प्रौढ़ता प्रदान करने हेतु भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने सितम्बर 1958 में भूटान की प्रथम यात्रा की थी। नेहरू ने अपनी भूटान यात्रा के दौरान वहीं पर संचार विकास, आर्थिक

विकास, सड़क निर्माण, भूटान के हवाई अड्डे का निर्माण तथा चिकित्सालय निर्माण आदि कार्यक्रमों में रुचि दिखाई। उस समय चीन का शासक्यवादी व विस्तारवादी अभियान भी जारी था जिसके कारण चीन ने एक पत्रिका China Pictorial में भूटान की सीमा को अपने क्षेत्र में दर्शा रखा था। इस कारण पं. जवाहरलाल नेहरू ने 28 अगस्त, 1959 में लोकसभा में उक्तयन दिया कि "शिक्षिक या भूटान पर किया गया कोई भी आक्रमण भारत पर आक्रमण माना जाएगा।" भारत के इस प्रकार के विचारों से भूटान का भारत के प्रति शुक्राब्ध होना स्वाभाविक ही था, क्योंकि 1959 में चीन ने तिब्बत पर कब्जा करने के कारण से भूटान को और कोई विकल्प भी नजर नहीं आ रहा था।

1960 के दशक में भूटान की आन्तरिक घटनाओं के कारण, कुछ नौच विषयों पर दोनों देशों के मध्य महदेद उभरते नजर आए। जिसमें प्रमुख मुद्दा वहाँ के तत्कालीन प्रधानमंत्री दीराजी की 5 अप्रैल, 1964 में इस्तीफा करने में भारतीय सेना की बहुव्यंजकरी नीति की अफवाह होने लगी। तत्पश्चात् 1965 में राजा वांगचुक की इच्छा का भी प्रयास हुआ, लेकिन ये सब चीन के बहुव्यंजक के कारण हुआ। 1964 में महाराजा की भारत यात्रा से सभी बातें स्पष्ट हो गईं। 1970 में राष्ट्रपति वी. वी. गिरी व भारतीय विदेश मंत्री दिनेश शिंदे द्वारा भूटान यात्रा से दोनों देशों के सम्बन्धों को और बल मिला।

1970 में जब भूटान ने संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बनने के लिए आवेदन किया तो भारत ने उसका समर्थन किया। सितम्बर 1971 में भूटान यू. एन. ओ. का सदस्य बन गया तथा 1973 में गुट-निरपेक्ष आन्दोलन (NAM) की सदस्यता भी प्राप्त कर ली। बांग्लादेश के संकट के समय भूटान ने भारत को नैतिक समर्थन प्रदान किया तथा भूटान ने भारत के सुरक्षित बाद 1971 में बांग्लादेश को मान्यता प्रदान की। 1972 में महाराजा वांगचुक की मृत्यु के बाद राजकुमार जिग्मे सिंगे वांगचुक के राजा बनने से भी दोनों देशों के सम्बन्धों में कोई अन्तर नहीं आया, बल्कि सम्बन्धों में और वृद्धि हुई। 1977 में भूटान की मौत पर भारत ने उस नई दिल्ली में अपना दूतावास खोलने की स्वीकृति प्रदान कर दी। 1978 में भूटान नरेश ने भारत की यात्रा की। भारत से भी 1968 व 1972 में भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गान्धी ने भारत के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में भूटान की यात्रा की तथा सम्बन्धों को प्रगाढ़ बनाने की मुहिम जारी रखी। उसी दौरान भारत से कई विदेश मंत्री के रूप में नरसिम्ह 1977 में अटल बिहारी वाजपेयी ने भूटान यात्रा की।

नवम्बर 1981 में तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव ने हिन्दू की सद्भावना यात्रा की। उसी दौरान भारत के तत्कालीन बाणिज्य मंत्री ने 2 मार्च, 1990 को भूटान यात्रा की। भारतीय की यात्रा करने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने 24 सितम्बर से 1 अक्टूबर, 1985 में भूटान यात्रा की और इसी क्रम में 1988 में भी वह भूटान गए। 1990 के दशक में भी भारत व भूटान के बीच पारस्परिक मधुर सम्बन्धी का दौर जारी रहा। 21-22 अगस्त, 1993 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव अपनी उदासीनकर्म की नीति जारी करते हुए भूटान की यात्रा पर गए। पी. वी. नरसिम्हा राव की इस सद्भावना यात्रा ने दोनों देशों के मध्य आर्थिक सम्बन्धों के साथ-साथ राजनैतिक सम्बन्धों को भी और सुदृढ़ किया। कई आर्थिक योजनाओं की स्वीकृति के साथ-साथ भूटान के शीतयुद्धोपर गुप्त में उदारीकरण के अन्तर्गत भारत की कम्पनियां ने भूटान में निवेश की अपील की। विषय स्तर पर 1996 में 'व्यापक परमाणु परीक्षण संधि' (CTBT) पर भारत का समर्थन करके भूटान ने भारत के साथ सम्बन्धों को सुदृढ़ किया। इस प्रकार दोनों देश इस तीसरी युद्धोपर शांति व सुदृढ़ की स्थापना हेतु एक मत है। इस दशक में ही 2 मार्च, 1990 को भारत के बाणिज्य मंत्री, जिस 1991 में भारत के योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री प्रणब मुखर्जी, 21-25 मई 1996 को भारतीय मित्रमंडल सार्विक तथा 10-12 अगस्त, 1996 को भारत के तत्कालीन विदेश मंत्री ने भूटान यात्रा कर पारस्परिक राजनैतिक सम्बन्धों को संवत् प्रदान किया।

1997 में भारत व भूटान ने बांग्लादेश व नेपाल के साथ उपखंडीय सहयोग की धारणा को स्वीकार किया तथा दक्षिण एशिया के इस आर्थिक उपखंड का तीव्रता से विकास सम्भव हो। दोनों देशों के सम्बन्धों को अधिक विकसित करने के लिए दिसम्बर 1999 में भारत-भूटान मित्रता समाज (Indo-Bhutan Friendship Society) का गठन किया गया।

मई 1999 तथा दिसम्बर 2003 में भूटान के राजा ने भारत की सरकारी यात्रा की भूटानी नरेश जिग्मे सिंगे वांगचुक ने जनवरी व नवम्बर 1990 में, जनवरी व दिसम्बर 1994 में, 6-9 जनवरी 1997 में, तथा 5-8 अक्टूबर, 1998 में भारत यात्रा की और पारस्परिक सम्बन्धों को अधिक बल दिया। सितम्बर 2006 में भारत यात्रा पर आए भूटान नरेश ने विदेश मंत्री के साथ भारत के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति

अन्ध मंत्रियों ने व्यापक वार्तालाप किया।

दोनों देशों ने पुनःसंगठित जल बिजली योजना के सम्बन्ध में समर्थ पत्र पर हस्ताक्षर किए। इस परियोजना में 870 M.W. बिजली का उत्पादन होना था तथा इसे 10वीं भारतीय पंचवर्षीय योजना में पूरा करना था। 19 सितम्बर, 2003 को भारत और भूटान ने संयुक्त घोषणा की जिसमें असम की उल्हा तथा बांग्ला उपखादियों जहाँ भूटान की धरती पर हरण लिए हुए थे कि समस्या का समाधान करने का निर्णय लिया गया। दिसम्बर 2003 में भूटान की शाही सेना ने 'उल्का', KLOC तथा NDFB के भूटान की धरती पर विद्यमान प्रशिक्षण शिविरों के विरुद्ध एक सैनिक अभियान 'Operational All Clear' नाम से प्रारम्भ किया गया तथा इस सम्बन्ध में भारत ने भी सहमता की। जुलाई 2006 में भूटान के राजा जिग्मे सिंगे वांगचुक ने भारत की यात्रा की तथा भारतीय प्रधानमंत्री के साथ सभी द्विपक्षीय तथा अन्य मुद्दों पर खूब वार्तालाप किया। इस अवसर पर भूटान ने वह घोषणा की कि वह भारतीय किसानों से जल कर (Water Tax) नहीं लेगा।

नई मैत्री संधि-2007 एवं भारत भूटान सम्बन्ध

इस नई संधि ने 57 वर्षों के बाद, 1949 को भारत के दक्षिण बंगाल के दार्जिलिंग में हस्ताक्षरित मैत्री संधि का स्थान लिया है। प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की उपस्थिति में हैदराबाद हाउस (दिल्ली) में भारत-भूटान की नई मैत्री संधि पर भारत की ओर से विदेश मंत्री प्रणब मुखर्जी व भूटान के नरेश ने 8 फरवरी व 2007 को हस्ताक्षर किए। संशोधित संधि में मुख्यतः 1949 की मैत्री संधि के अनु. 2 व 6 में संशोधन किए गए हैं। 1949 की संधि के अनु. 2 में यह प्रावधान था कि भूटान अपनी विदेश नीति के संरक्षण में भारत की सहायता से निर्देशित होना, अब नई संशोधित मैत्री संधि में हस्ताक्षर नापा बदलते हुए 'सहायता' की बजाय 'सहयोग' की बात कही गई है। इससे भूटान अपनी विदेश नीति को और अधिक स्वतंत्र बन से बना सकेगा। अनु. 6 में किए गए संशोधन से भूटान को अब भारत की अनुमति के बिना भी अन्य देशों से पैर घातक तैनात उपकरण आयात करने का अधिकार मिल गया है। नई मैत्री संधि में यह भी प्रावधान किया गया कि भूटान अपनी भूमि पर ऐसी कोई गतिविधि नहीं करेगा जो न ही किसी को करने की अनुमति देगा जो भारत के हितों के विरुद्ध हो।

भारत-भूटान के राजनीतिक सम्बन्धों की कड़ी में 8 फरवरी, 2007 को भारत के विदेश मंत्री प्रणब मुखर्जी व भूटान नरेश जिग्मे सिंगे खेसर नामग्याल वांगचुक ने "भारत-भूटान मित्रता की नई संधि-2007" (Indo-Bhutan Friendship Treaty-

2007) पर हस्ताक्षर किए। 2008 में भूटान में लोकतन्त्रीय राजनीतिक प्रक्रिया के आधार पर भारत और भूटान सम्बन्ध और अधिक व्यापक व मधुर बनें, इस अवसर पर 16-17 मई, 2008 को भारत की प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने भूटान की यात्रा की तथा इसी दौरान भूटान वांगचुक वंश के 100 वर्ष पूर्ण हुए। 15 वर्षों में पहली बार प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की यह पहली भूटान यात्रा की जिसने दोनों देशों में पारस्परिक सहयोग विकसित हुआ। इस प्रकार से 26 जनवरी, 2013 को भारत के 64वें गणतंत्र के दिवस उपलक्ष्य में भूटान के जिग्मे सिंगे खेसर नामग्याल वांगचुक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया और 21वीं सदी में भारत भूटान सम्बन्धी को नए युग की चुनौतियों के साथ नया आयाम दिया गया। 8 फरवरी, 2013 में भूटान के प्रधानमंत्री जिग्मे वाई धिनले ने भारत की यात्रा की।

भारत-भूटान आर्थिक सम्बन्ध

भारत प्रारम्भ से ही भूटान को भारी आर्थिक मदद प्रदान करता रहा है। 8 अगस्त, 1949 की संधि द्वारा भारत ने भूटान को वार्षिक रूप से ₹ 5 लाख की आर्थिक सहायता राशि देनी प्रारम्भ की। 1959 में भारत ने जलमय (परिष्कृत बंगाल) से पारो व हिमू तक सड़क निर्माण हेतु 15 करोड़ की सहायता प्रदान की। बाद में हिमू को सड़क करने से असम के साथ जोड़ दिया गया। 1960 से भारत ने पूर्व ₹ 5 लाख से अतिरिक्त लगभग ₹ 7 लाख प्रतिवर्ष देने का वायदा किया। भारत ने ₹ 5 करोड़ की लागत से बनने वाली भूटान व पश्चिमी बंगाल सीमा पर डाकू पन बिजली परियोजना को स्वीकृति प्रदान की। भारत अपनी ओर से भूटान की विकासीय आवश्यकताओं के प्रति पूरी तरह से सचेत है तथा संदेह ही इसने भूटान के आर्थिक विकास में योगदान दिया है। भारत ने इसे छोटे हिमालियाई देश के लिए दूरस्थ, वातावरण तथा औद्योगिक सुविधाओं के विकास के लिए आर्थिक, बुनियादी तथा तकनीकी सहायता प्रदान की है। भारत ने उत्तरी बंगाल में जलसंधि से भूटान की राजधानी हिमू तक 200 किलोमीटर लम्बी सुन्दर सड़क तथा पारो व हिमू से हवाई पट्टियों का निर्माण किया है। भारत ने 1975 में बुक्खा नदी जल विद्युत् गृह के निर्माण पर तथा पुरेन सेवेट योजना की पूर्ण लागत लगभग 83 करोड़ स्वयं वहन करने का निर्णय लिया।

भूटान की पंचवर्षीय योजनाओं के लिए भी भारत ने उदार रूप से सहायता की। पड़ती पंचवर्षीय योजना हेतु भारत ने 17-22 करोड़ की सहायता प्रदान की।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना हेतु भारत ने ₹ 20 करोड़ की राशि देने की घोषणा की। तृतीय पंचवर्षीय योजना हेतु भारत ने 33 करोड़ की राशि जुटाने का वचन दिया। प्रथम दो पंचवर्षीय योजनाओं हेतु भारत ने सम्पूर्ण योजना राशि प्रदान की, लेकिन तीसरी योजना से इसमें विरल बैंक तथा अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की भागीदारी भी सम्मिलित होने लगी। क्योंकि 1971 में भूटान संवृद्ध राष्‍ट्र संघ, 1973 में गुट निरपेक्ष आन्दोलन, विरल बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का सदस्य बन चुका था, परन्तु फिर भी भारत द्वारा भूटान को दी जाने वाली राशि महत्वपूर्ण थी। छठी पंचवर्षीय योजना में भारत ने ₹ 3000 मिलियन का योगदान तथा सातवीं पंचवर्षीय योजना में यह अंशदान बढ़कर 7500 मिलियन पहुँच गया। 9वीं पंचवर्षीय योजना में भारत का अंशदान ₹ 2600 करोड़ था। अब सड़योग की लचीली कड़ी को गजबूत करते हुए भारत ने भूटान को 10वीं पंचवर्षीय योजना में ऊर्जा बुनियादी ढांचा और कुशलता विकास हेतु ₹ 10,000 करोड़ का आर्थिक सहयोग की प्रशंसा की है। भूटान के साथ भारत का पूर्णतः मुक्त व्यापार होता है। भूटान की मुद्रा 'नगलुद्रम' को भारतीय रुपए में रिवर किया जाता है। भारतीय रुपए को भूटान में वैध मुद्रा के रूप में स्वीकार किया जाता है। 1972 में हस्तशरित भारत-भूटान व्यापार संधि को 10 वर्ष के बाद नया रूप दिया गया था।

1993 में दोनों देशों के मध्य 2500 मिलियन की लागत से तैयार होने वाले कृषी-पन किजली परियोजना पर स्वीकृत हुई। इसके अतिरिक्त 'दन्तक योजना' के तहत दोनों पक्षों में कुछ राष्‍ट्रीय राजमार्ग व पुलों को बनाने की स्वीकृत हुई। इसके साथ भूटान के लिए अत्यन्त ऊर्ष की बात है कि भारत ने दोनों के बीच उधार राशि की 100 मिलियन से बढ़ाकर 250 मिलियन कर दी है। जनवरी 2006 में भारतीय रेलवे ने भारत तथा भूटान के बीच में पीप समानाहित रेल समर्क की पहचान की। इसमें से दो समर्क नें भारतीय प्रान्त पश्चिमी बंगाल को भूटान से जोडना था, जबकि तीन समर्क नें भारतीय प्रान्त असम तथा भूटान का जोडना था। भूटान की 1020 मेगावाट की "ताला जलविद्युत परियोजना" का लोकार्पण नेशनल अस्मली परिसर में ही प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 17 मई, 2008 को किया यह परियोजना पूर्णतः भारत की आर्थिक सहयता से स्थापित की गई जो मई 2007 में चालु हुई थी। भारत भूटान पुनःसांघ द्वितीय व मागधु की दो विभाजित जल विद्युत परियोजनाओं का संयुक्त रूप से निर्माण का मनमोहन सिंह ने मई 2008 में

महत्वपूर्ण तिथियाँ

- 1865 में भारत-भूटान के मध्य सम्बन्धों की ऐतिहासिक शुरुआत सिन्धुला संधि से हुई।
- 1910 में भारत-भूटान के मध्य पुनरा संधि हुई।
- 8 अप्रैल, 1949 को भारत-भूटान के मध्य "विश्वार्थ" शान्ति और मित्रता" की संधि हुई।
- सितम्बर 1958 में भारत के प्रधान प्रधानमंत्री प. जवाहरलाल नेहरू ने प्रधान भूटान राजा की
- 1967 में भूटान नरेश वांगचुक ने भारत राजा की।
- 5 अप्रैल, 1964 को भूटान प्रधानमंत्री जेयन्गी की हत्या कर दी गई।
- 1968 व 1972 में भारतीय प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गान्धी ने भूटान की राजा की।
- 1972 में भूटान नरेश की मृत्यु के बाद राजकुमार जिग्मे सिन्धे वांगचुक राजा बना।
- 1978 में भूटान नरेश जी. एस. वांगचुक ने भारत राजा की।
- 1985 में भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गान्धी ने भूटान राजा की।
- नवम्बर 1977 व नवम्बर 1981 को क्रमशः भारतीय विदेश मंत्री जटल बिहारी वाजपेयी व नरसिम्हा राय ने भूटान राजा की।
- 6-9 जनवरी, 1997 व 5-8 अक्टूबर, 1988 को भूटान नरेश जिग्मे सिन्धे वांगचुक ने भारत की राजा की।
- 1954 में भूटान के तत्कालीन नरेश जिग्मे दोर जी, 1984 व 2005 में तत्कालीन नरेश जिग्मे सिन्धे वांगचुक भारत के महत्त्व दिवस पर मुख्य अतिथि रहे हैं।
- सितम्बर 1991 में भारत के रोजन आयोग के उपप्रधान श्री प्रथम मुखर्जी ने भूटान राजा की।
- 21-22 अगस्त 1988 को प्रधानमंत्री राजीव गान्धी ने भूटान की सत्त्वामन राजा की।
- सितम्बर 2003 को भूटानी राजा सेना ने अपनी जमीन का उपयोग भारत के विरुद्ध किसी आतंकवादी गतिविधियों हेतु न करने देने के लिए Operation All Clear शुरू किया।
- 2006 में भूटान नरेश जिग्मे सिन्धे वांगचुक के पद त्याग कर लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहल की।
- 16 दिसम्बर, 2006 को भूटान नरेश जिग्मे सिन्धे खेसर नामग्याल वांगचुक ने नरेश के रूप में कार्यभार संभाला।
- 2007 में भूटान के वांगचुक उम ने 100 वर्ष पूर्ण किए।
- फरवरी 2007 को भारत भूटान के मध्य नई विर स्थायी शान्ति व मैत्री संधि पर भारतीय विदेश मंत्री प्रथम मुखर्जी व भूटान नरेश खेसर ने हस्ताक्षर किए।
- भूटान संसद के 47 सदस्यीय निम्नलिखित सदन National Assembly के 24 मार्च, 2008 को तथा उच्च सदन National Council की 25 सित्तों के लिए 31 दिसम्बर, 2007 को चुनाव हुए।
- 2008 में लोकतंत्र की स्थापना भूटान में की गई।
- 16-17 मई, 2008 को प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भूटान राजा की।
- 6 नवम्बर, 2008 को 28 वर्षीय जी. एस. खेसर नामग्याल वांगचुक का तत्त्वामिषेक किया गया।
- 26 जनवरी, 2013 को भूटान के नरेश जिग्मे सिन्धे खेसर नामग्याल वांगचुक भारत के महत्त्व दिवस पर मुख्य अतिथि बने।

कहा, उन्होंने भारत भूटान का द्विपक्षीय व्यापार अगले पीच वर्षों में 2013 तक बढ़कर ₹ 100 अरब का हो जाने की आशा भी व्यक्त की।

21वीं शताब्दी में भारत-भूटान सम्बन्ध पहले की तरह ही सकारात्मक रूप में विकसित हो रहे हैं। दोनों देशों के नेता और अधिकारी एक-दूसरे के साथ निरन्तर सम्पर्क में रहे हैं तथा दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) मंच पर दोनों देशों ने आपसी सहयोग को भी बढ़ाया है और उसका प्रमाण भी दिया है। अपनी ओर से भूटान ने भी भारत के सहयोग की हमेशा प्रशंसा की है तथा भारत के साथ सोहार्दपूर्ण तथा मधुर सम्बन्ध बनाए रखने

का प्रयत्न किया है। भारत तथा भूटान अच्छे पड़ोसी हैं जैसाकि भूटान के राजा जिग्मे सिन्धे वांगचुक ने कहा है कि "भारत ने केवल हमारा पड़ोसी देश है बल्कि हमारा अन्तरंग मित्र भी है।" (India is not only our close neighbour but our genuine friend also). भारत भूटान के साथ सहयोग तथा मैत्री को और सुदृढ़ करने की आवश्यकता को पूर्णतः महसूस करता है। भूटान ने भारत के साथ गहरी मित्रता निर्माद है क्योंकि यह दोनों देशों की सुरक्षा तथा राष्‍ट्रीय हितों में मेल खाती है। इन गहरे सम्बन्धों को दोनों ओर से अधिक महत्व तथा सुदृढ़ता प्रदान की जानी चाहिए।

शेष पृष्ठ 117 पर

प्रतिगामी बंधक (Reverse Mortgage) का अर्थ, महत्व एवं उपयोगिता

Dr. संतोष श्रीवास्तव

एक परिवार का मुखिया अपनी पितृद्वी का बहुमूल्य समय परिवार के पालन-पोषण एवं अन्य जरूरी चीजों को इकट्ठा करने में लगा देता है, इस समय वह एक-एक पैसा जमा करता है और किसी तरह एक मकान बना पाता है, लेकिन तब तक वह बुढ़ावस्था तक पहुँच जाता है और जब उसके आराम के दिन आते हैं, तब कई बार उसके बेटे-बहू उसे एकाकी एवं अभावपूर्ण पितृद्वी जीने को मजबूर कर देते हैं, जबकि उस समय वह उस मकान का मालिक तो होता है, जिसमें वह रहता है, परन्तु वह मकान उसके लिए कोई विशेष महत्व नहीं रखता है।

कारण वे बुजुर्गों को सम्मानपूर्ण जीवन जीने के लिए ही सरकार ने एक प्रयास किया है, जिसमें प्रतिगामी बंधक के प्रबंधन किए गए हैं। इसके अन्तर्गत बैंक बुजुर्ग एवं बुढ़ाजनों को सहज, सुलभ उत्पाद उपलब्ध करवा कर एक सहाय प्रदान करते हैं और उनकी बुढ़ापे की लाठी बनते हैं। अपनी खुश-पसीने और मेहनत की मज्दी कमाई से बनाए गए मकान एवं अमूल्य सम्पत्ति को बैंक प्रतिगामी बंधक रखकर एक सुविधा प्रदान करते हैं।

प्रतिगामी बंधक का अर्थ एवं मुख्य प्रावधान

भारतीय रिजर्व बैंक ने मई 2007 में सक्सेसिबिलिटी नेशनल हाउसिंग बैंक द्वारा प्रतिगामी प्रतिगामी बंधक सुविधा प्रदान की है। इसके अन्तर्गत बैंक एवं अन्य हाउसिंग फाइनेंस कम्पनियाँ निम्नलिखित दिशेष्य से काम कर रही हैं—

- 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को अपनी जीविका चलाने के लिए संसाधन जुटाने/आप के लिए वह योजना काम करेगी।
- ऐसे बुजुर्ग व्यक्तियों के अपने स्थानित वास्तु मकान जिसमें वे स्वयं निवास करते हैं और उस पर पहले कोई अविभक्त न हो तथा जो सम्पत्ति अगामी 20 वर्ष तक चल सकती हो, उसके वर्तमान बाजार मूल्य के आधार पर एकतरफ़ तथा निमित्त अवधि (मासिक/ त्रैमासिक/अर्ध) आधार पर कम-से-कम ₹ 1-00 तथा अधिक-से-अधिक

₹ 1-00 करोड़ तक की राशि ऋण के रूप में प्रदान की जाएगी, जिसकी अधिकतम अवधि 20 वर्ष तक हो सकती है। यह राशि मकान की वर्तमान बाजारी कीमत का 60 प्रतिशत तक हो सकती है।

- लिए गए ऋण पर लगने वाले ब्याज का भुगतान ऋषी द्वारा नहीं किया जाता है, क्योंकि ऋण तथा ब्याज की एकता, ऋण अवधि खरबत या उससे पहले ऋषी की मृत्यु होने अथवा मकान हमरा के लिए छोड़ने की स्थिति में मकान बचकर बैंक प्राप्त कर लेता है।
- यदि मकान बेचने से प्राप्त राशि ऋण एवं ब्याज से अधिक होती है, तो ऋण समाव्यजन के उपरांत अधिक्य राशि ऋषी के वरिष्ठों को दे दी जाती है।
- इसके अलावा यदि ऋषी के वरिष्ठ यह, तो ऋण अवधि से पूर्ण ऋण मुक्त कर, मकान को बंधक मुक्त करा सकते हैं।
- इस व्यवस्था के अन्तर्गत ऋषी को मकान की समुचित देखभाल करनी होती है एवं सम्पत्ति कर, जल कर, बिजली बिल आदि का निपटित भुगतान करना होता है अन्यथा बैंक को ऋण राशि में से भुगतान करना होगा।
- प्रत्येक पाँच वर्षों के बाद मकान/सम्पत्ति का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है तथा वह इए मूल्य के अनुसार हितग्राही को अधिक राशि का भुगतान किया जा सकेगा।
- इस योजना में ऋषी अपने ही मकान में पूर्ण हक और सम्मान से रह सकते हैं।

भारत में प्रतिगामी बंधक की स्थिति

भारत में अभी इसकी स्थिति बहुत अस्थिर नहीं है। राष्ट्रीय आवास बैंक (एनएचबी) की वर्ष 2010-11 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 30-6-2011 तक 23 बैंक एवं 2 आवास वित्त निगमों द्वारा 8903 वरिष्ठ/बुजुर्ग/बुढ़ाजन नागरिकों को ₹ 1740 करोड़ का ऋण प्रदान किया गया है। इसमें आगामी वर्षों में तेजी से वृद्धि की सम्भावना है, क्योंकि दिनांक इसका प्रचार-प्रसार हो रहा है एवं बुढ़ाजन इसकी उपयोगिता समझ रहे हैं। अमरीका एवं यूरोपीय देशों में यह

योजना बहुत सफल रही है और वहाँ अधिकतम बुढ़ाजन इस योजना का लाभ उठाते हुए सम्मानजनक जीवन जी रहे हैं।

भारत में प्रतिगामी बंधक की सम्भावनाएं

वर्ष 2013 तक भारत में 10 करोड़ आबादी 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की होगी, जबकि अभी तक इस योजना से केवल 10,000 ऋषी जुड़े हैं, इस दृष्टि से भारत में प्रतिगामी बंधक की अपार सम्भावनाएं हैं।

भारत में प्रतिगामी बंधक में व्यवधान

- मृदावस्था में भारतीय बुजुर्ग अपने बच्चों पर आश्रित हो जाते हैं तथा वह स्वतंत्रिक से कोई निर्णय नहीं ले पाते हैं। उनके निर्णय बच्चों की सहमति पर आधारित होते हैं, इसलिए प्रतिगामी बंधक के लिए वह स्वतंत्र नहीं हो पाते हैं, जबकि अमरीका एवं अन्य परिधि देशों में बुजुर्ग निर्णय लेने में ज्यादा स्वतंत्र एवं सक्षम होते हैं। इस कारण पारिवारिक सम्पत्ति को प्रतिगामी बंधक रखने में उन्हें व्यवधान नहीं आता है।
- भारत में बच्चे अपने माँ-बाप के जिम्दा रहते हुए ही उनकी सम्पत्ति पर अपना अधिकार सम्मान ले पाते हैं। ऐसी स्थिति में माता-पिता सम्पत्ति को प्रतिगामी बंधक नहीं रख पाते हैं।
- बुजुर्गों को सम्पत्ति से भावनात्मक लगाव ज्यादा रहता है, इसलिए वह अभावपूर्ण जीवन जीते हुए भी अपने नाम सम्पत्ति को प्रतिगामी बंधक रखने में रुचि नहीं रखते हैं।
- प्रतिगामी बंधक से बुजुर्गों को धन तो मिल जाता है, परन्तु सेवा-सुख नहीं मिल पाती है। साथ ही वह यदि अपने बच्चों की सहमति या इच्छा के बिना सम्पत्ति को प्रतिगामी बंधक रख देते हैं, तो उन्हें बच्चों की उपेक्षा का शिकार होना पड़ता है।
- भारत के सामाजिक बंधनों एवं व्यवस्था के अन्तर्गत बुजुर्ग समाज की अनदेखी कर कोई ऐसा निर्णय नहीं ले पाते हैं, जो परिवार के अन्य सदस्यों को मजूर नहीं हो।
- बैंकि प्रतिगामी बंधक के अन्तर्गत ऋण मुक्तोत्तर अन्त में बच्चों को करनी पड़ती है, इसलिए वह अपने माता-पिता की इस पहल का विरोध करते हैं।
- सम्पत्ति को प्रतिगामी बंधक रखने के बजाय, बुजुर्ग मकान में किरायेदार रहना पसन्द करते हैं, जिससे कि उनकी देखभाल भी हो जाए एवं जीवन-यापन के लिए धन भी मिलता रहे।

प्रतिगामी बंधक को लोकप्रिय बनाने के उपाय

- इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाना चाहिए।
- इस योजना को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को इससे सरल एवं आकर्षक बनाने की तय्यारियाँ देना चाहिए, जिससे अधिकारियों को इससे लाभ मिलने की संभावनाएँ बन सकें।
- ऋषी के बच्चों पर ऋषि चुकौती का आर्थिक बोझ नहीं पड़े इसके लिए ऋषी का ऋषि राशि तक का व्यक्तिगत बीमा करने की सुविधा को एक पैकेज के रूप में इस योजना में शामिल किया जाएगा, तो यह योजना और अधिक लोकप्रिय होगी।
- ऋषि आकलन, वितरण तथा सहीला प्रभाती की छलछाँती तथा जटिल कलनी प्रावधानों एवं पारदर्शिता के अभाव में ऋषी इस योजना का लाभ लेने के दृष्टिकोण नहीं होते हैं, अतः नीति निर्धारकों को इस तरह ध्यान देना चाहिए, जिससे यह लोकप्रिय हो सके।
- पैतृक सम्पत्ति के लिए यह योजना/सुविधा उपलब्ध नहीं है। अतः इसका भी योजना में शामिल कर इसे लोकप्रिय बनाया जा सकता है।

प्रतिगामी बंधक की एक वैकल्पिक योजना

भारत में 2007 से लागू प्रतिगामी बंधक योजना को अपेक्षित सफलता न मिल पाने पर कतिपय वाणिज्यिक बैंकों (विशेष रूप से सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया) ने भारतीय रिजर्व बैंक से 'एक नवीन बंधक उत्पाद' जो आवास ऋण तथा प्रतिगामी बंधक ऋण का संयुक्त स्वरूप है, को प्रारम्भ किए जाने की अनुमति माँगी है। इस नवीन ऋणव्यवस्था की अवधि 20 वर्ष या इससे अधिक होगी, जिसमें से प्रारम्भिक 10 वर्ष सामान्य आवास ऋण के रूप में होंगे, जिसे बाद में प्रतिगामी बंधक ऋण के रूप में परिवर्तित किया जा सकेगा। आवास ऋण लेने के 10 वर्ष बाद ऋण लेने वाले के लिए निम्नलिखित विकल्प उपलब्ध होंगे—

- सेवानिवृत्ति के समय प्राप्त होने वाले सेवा निवृत्ति प्राप्तिपूर्व से सम्पूर्ण ऋण एवं उस पर देय ब्याज का भुगतान कर दें।
- बकाया ऋण राशि एवं उस पर देय ब्याज का आंशिक रूप से भुगतान कर दें तथा शेष धनराशि को प्रतिगामी बंधक ऋण के रूप में परिवर्तित कर दें।

- सम्पूर्ण बकाया ऋण राशि एवं उस पर देय ब्याज को प्रतिगामी बंधक ऋण के रूप में परिवर्तित कर दें।

वास्तव में प्रतिगामी बंधक योजना का उद्देश्य बुजुर्ग व्यक्तियों को एक समानुपूर्णा जीवन देना है, जहाँ वह अभाव की स्थिति से उबर कर, अपने मानसिक स्था-पठन सके एवं बीमारी की स्थिति में अपना समुचित इलाज आदि करा सके। यह योजना विशेष कर उन बुजुर्गों के लिए बहुत कारगर एवं उपयोगी है, जो व्यवसायी हैं एवं जिनको पैशन आदि से कोई नियमित आय नहीं होती है। इसके अलावा किसी गम्भीर बीमारी में जब धन की आवश्यकता हो एवं बच्चे पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हों, तब इस योजना के अन्तर्गत एकमुस्त राशि प्राप्त की जा सकती है।

ऐसा माना जा रहा है कि बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दृष्टि से यह योजना एक महत्वाकांक्षी एवं उपयोगी सिद्ध होगी, जैसे-जैसे इसका व्यापक प्रचार-प्रसार होगा एवं इसके लाभ बुजुर्गों तक पहुँचेंगे, प्रतिगामी बंधक भविष्य में लोकप्रिय होता जाएगा, ऐसी पूर्ण सम्भावना है।

शेष दृष्ट 86 का

- संगठन में कार्मिक समूह के रूप में टीम भावना से कार्य करते हैं। अतः कई बार टीम की आद में अच्छा कार्य न करने वाले कार्मिक वच निकलते हैं, लेकिन दृष्टि बदलकर उन्हें शिक्षित किया जा सकता है अथवा उनके कार्य निष्पादन का मूल्यांकन किया जा सकता है।
- कार्मिकों को उचित पारिश्रमिक एवं विभिन्न प्रेरणाएँ (Incentives) प्रदान की जाएँ।
- प्रबन्ध में सहभागिता से भी कार्मिकों को अपनी बही हुई जवाबदेयता का अहसास होता है।
- अच्छा कार्य करने वाले कार्मिक या टीम के कार्य की प्रशंसा करनी चाहिए।
- कार्य की शराहना के साथ-साथ कष्ट कार्य निष्पादन करने वाले कार्मिकों को पुरस्कृत किया जाना चाहिए। ऐसा करके कार्मिकों को और अधिक जवाबदेय बनने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।
- जवाबदेयता का ठीक ढंग से निर्वाह करने वाले कार्मिकों को पदोन्नति के अवसर उपलब्ध कराए जाएँ।
- जवाबदेयता पूरी नहीं करने वाले कार्मिकों को दण्डित भी किया जाना चाहिए।

- कार्मिकों के कार्यों का नियमित अनुश्रवण होता रहना चाहिए, अच्छा प्रदर्शन करने वाले कार्मिक सदैव यह चाहते हैं कि उनके कार्यों का अनुश्रवण होता रहे क्योंकि उन्हें कामचोरी करते हुए पकड़े जाने का भय नहीं होता है।
- अनुश्रवण रिपोर्ट के बारे में सम्बन्धित कार्मिक या टीम के साथ प्रबन्धकों का खुला विचार-विमर्श होना चाहिए। इससे कार्मिक अपनी दृष्टियों एवं कमियों के बारे में जानकारी कर सकेंगे।
- अनुश्रवण रिपोर्ट में दसवीं गर्द कमियों का दूर करने के लिए कार्मिक सदैव तय्यार रहने चाहिए तथा ऐसे कार्मिकों के प्रति प्रबन्धकों की शीघ्र सकारात्मक होनी चाहिए।
- इस उपायगम की सफलता के लिए यह भी आवश्यक है कि कार्मिक प्रबन्ध सम्बन्ध सौहार्दपूर्ण हों। अतः दोनों पक्षों को मधुर सम्बन्ध बनाए रखने के लिए प्रयासरत रहना चाहिए।

सार रूप में यह कहा जा सकता है कि प्रबन्धक उपर्युक्त वर्णित विन्दुओं को ध्यान में रखते हुए कार्मिकों की जवाबदेही को बढ़ाकर उनसे बेहतर उत्पादकता हासिल करने के साथ-साथ संगठन के प्रति निष्ठा, बफादारी एवं विरक्त भी भावना जगृत कर सकते हैं।

उपकार खाली प्ररुति

उत्तर प्रदेश

भाषा शिक्षक पात्रता परीक्षा

संस्कृत

(प्राथमिक/उच्च प्राथमिक स्तर के लिए उपयोगी)

लेखक : डॉ. गिरीशेश चण्डेश
एवं
डॉ. रंजन कुमार शिवादी



कोड नं. 2246

मूल्य : ₹ 80.00

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : upkar@upkar.in Website : www.upkar.in

शिक्षा में नई सदी की चुनौती : ऑनलाइन-शिक्षा

डा. जितेन्द्र लोढ़ा

शिक्षा के तीन परम्परागत रूप अभी तक हमारे सामने हैं—स्कूल, कॉलेज जैसी शिक्षा प्राप्त करना, किसी बॉर्ड या विश्व-विद्यालय से पत्राचार-पाठ्यक्रम के तहत पढ़ाई करना और स्कूल, कॉलेज जाए बिना किसी परीक्षाधीन के रूप में परीक्षा देना। इस कड़ी में अब एक और रास्ता खुला है—'ऑनलाइन-शिक्षा' यानी इन तीनों के मुद्दों को समाहित करते हुए टेक्नोलॉजी से सम्पन्न शिक्षा। इस शिक्षा का मतलब है—इंटरनेट के जरिए कम्प्यूटरी ज्ञान के तुलना आधारित से लेख शिक्षा, अर्थात् स्कूल, कॉलेज एवं विश्वविद्यालय न जाकर, विद्यार्थी इंटरनेट के माध्यम मल्टी-मीडिया से सज्जित पाठों को न केवल पढ़कर, बल्कि दिसापरक ऑनलाइन परामर्श प्राप्त कर, सतत स्वयं से ज्ञान को लेते हुए, घर बैठे ऑनलाइन परीक्षा देकर, डिग्री हासिल कराता है। कम्प्यूटर व सूचना प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा की इस अवधारणा में अब छात्रवृत्ति से सोशल-नेटवर्किंग साइट्स अर्थात् सोशल-मीडिया के दरकर देने पर, शिक्षा की विकास-यात्रा को जहाँ एक ओर अनेक नवीन आयाम व मददगारियाँ मिली हैं, तो वहीं दूसरी ओर कुछ हदमात्र परलु भी उठ खड़े हुए हैं, जिन पर चिन्तन करना, सामकित और समीचीन होगा।

विश्व में शिक्षा के इस बदलते स्वरूप के चलते अब कोई भी 'एकलव्य' बन सकता है। शिक्षा की इस बहुअल (आभासी) दुनिया में बड़ी आसानी से पाठ्यक्रम, अध्ययन सामग्री एवं गुरु के साथ-साथ डिग्री देने वाली को लक्ष्य जा सकता है। शिक्षा के इस नव नवलेखन में आज सवाल है, सवाल की हल है, सवाल है, वाद है, विवाद है, बहस है, सूचना है, ज्ञान है, विज्ञान है, सलाह है, मशीन है, खुलापन है, लचीलापन है, सापेक्षिक समय है, सापेक्षिक स्थान है, हर आयु एवं वर्ग का विद्यार्थी है, तुरन्त प्रतिक्रिया के साथ तुरन्त ही परिणाम है। इंटरनेट के व्यापक विस्तार के चलते अब शिक्षा में भी मानो सच कुछ तुरन्त हो रहा है, अर्थात् इंस्टेंट (फास्ट)। तुरन्तवाद के इस उस्ताह में इंटरनेट की दुनिया में एक विशिष्ट सैमिक-जोश भर दिया है, जिसके चलते ज्ञान व सूचना अब नुकत है, पतित है, सम्पादन की जिम्मेदारी आपकी

है, आपका एक सवाल, जवाब, सुझाव या विचार, एक कोलाहल या एक क्रांति भी बन सकता है, जाहिर है कि ज्ञान की प्राप्ति और किसी विषय में गहराई से अध्ययन के लिए अब आवश्यक नहीं कि शिक्षा के पारम्परिक एवं औपचारिक साधनों की तरफ ली जाए, आज ऑनलाइन कम्प्यूटरीज पर यदि लगन के साथ प्रयास किया जाए, तो कोई भी विद्यार्थी किसी भी विषय में गहरात हासिल कर सकता है और ऐसी प्रतिष्ठा अर्जित कर सकता है, जिसकी सम्भावनाओं का कहीं कोई छोर नहीं है।

इस दिशा के यश प्रश्न ये हैं कि सोशल-नेटवर्किंग के क्या मायने हैं? क्या ऑनलाइन शिक्षा की अवधारणा में सोशल-नेटवर्किंग अर्थात् सोशल-मीडिया का प्रयोग करना अच्छा है या बुरा ?

जब सोशल-नेटवर्किंग की बात आती है, तो हमारा ध्यान आकृत, फेसबुक, ट्विटर एवं यूट्यूब जैसी सोशल-साइट्स पर जाता है, लेकिन सोशल-नेटवर्किंग या सोशल-मीडिया का मायना इन साइट्स से कम्पन उठकर, उन सभी इंटरनेट आधारित कम्प्यूटरी से है, जहाँ उपयोगकर्ता जनिता सामग्री (यूजर जनरेटड कंटेंट) को साथ-साथ तैयार किया जा सकता है, साझा किया जा सकता है, उस पर चर्चा की जा सकती है, उस पर सवाल खड़े कर, जवाबों का आकलन कर, परिणाम दिया जा सकता है, अर्थात् एक नया नक्सद दिया जा सकता है, अतः यह कहना अधिक सुरक्षित होगा कि कम्प्यूटर व सूचना-प्रौद्योगिकी में नए-ए प्लेटफार्मों से आते रहेंगे जो शिक्षा के विकास को सामरिक गति प्रदान करते रहेंगे, क्योंकि वेबसाइट माई स्पेस व आरकूट की तरह यूट्यूब, फेसबुक एवं ट्विटर आदि के माध्यम का अनुमान लगाना भी कठिन है, जबकि शिक्षा तो एक सतत अवधारणा है, जो हर विकास व नवाचार के आधार के साथ-साथ सहभागिनी भी है।

सोशल-नेटवर्किंग की साइट्स से अपनी उपयोगिता साबित की है, यह एक अध्ययन का विषय है, छात्रक जनादेशनों में उसने एक कारगर भूमिका का निर्वहन किया है, अनेक खतरों के साथ उसके समाधिक लाभों का मूल्यांकन होना अभी संभव है, शिक्षा

के क्षेत्र में इसके प्रभाव की गहराई को मापने के लिए, हमें शिक्षा के वर्तमान उद्देश्यों व परिणामों पर दृष्टिगत करना होगा, साथ ही हमें यह विचार करना होगा कि सोशल-नेटवर्किंग साइट्स शिक्षा के वर्तमान उद्देश्यों को प्राप्त करने में किस सीमा तक सहायक है या बाधक है ?

यदि शिक्षा के उद्देश्य ज्ञानार्जन, ज्ञान के एक या विविध क्षेत्रों की गहरी समझ पैदा करना और उसमें प्रवीणता, सृजनात्मकता, नवाचार एवं सत्यक मूल्यों का संवर्द्धन करना है, तो निःसंदेह सोशल-नेटवर्किंग साइट्स से लाभ होता है, क्योंकि गहरी समझ के लिए संवाद और सहयोग दो अनिवार्य घटक हैं और इन दोनों घटकों के शिक्षा से सोशल-साइट्स उपयुक्त मंच है, बड़ा कायदा यह है कि सोशल-साइट्स शिक्षार्थियों में विवेचना, बहस, चर्चा, प्रदर्शन, प्रकटीकरण एवं अभिव्यक्ति आदि की शक्ति का मनोवैज्ञानिक दृष्टि से नवीनता एवं विविध उद्दीपक लिए हुए पिकसित कर सकती है, इसीलिए ही मुक्त विश्वविद्यालयों द्वारा टेलीविजन की शक्ति को अध्ययन के साथ जोड़ा जाता है, अतः कहा जा सकता है कि सोशल-नेटवर्किंग द्वारा शिक्षा के ज्ञानार्जन, स्व-संशोध, स्व-विकास, स्व-विकास एवं आनन्द प्राप्ति जैसे सभी लक्ष्यों की आपूर्ति की जा सकती है, पर हत यह है कि इनका उपयोग गंभीर व विवेक के साथ होना चाहिए।

विद्यार्थियों में निश्चित पाठ्यक्रम के माध्यम से ज्ञान के विभिन्न किन्तुओं को संग्रह कर, उनके अनेक पक्षों को परस्पर जोड़कर, शिक्षाओं द्वारा परांता जाता है, इसी प्रकार ऑनलाइन शिक्षा की साइट्स भी अपने पाठकों या शिक्षार्थियों को ज्ञान के विविध क्षेत्रों व उनके किन्तुओं को जोड़ने में मदद करता है, अर्थात् यह विद्यार्थियों को अध्ययन की विविधता, विनम्र व लाइव प्रदर्शन के साथ-साथ बहू-सांस्कृतिक परिदृश्य प्रदान करता है, शिक्षा मनोवैज्ञानिक हार्डवैर माइन्डर के अनुसार, "अच्छी समझ के लिए विद्यार्थियों को अपने ज्ञान को विविध रूपों में व्यक्त करने के अवसर देना, ज्यादा अच्छा होता है" प्रकृति से मल्टी-मीडिया होने के कारण यह विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति व ज्ञान-प्रदर्शन के शिक्षा से टेन्ट (सिखित सामग्री ब्रान) प्रस्तुतिकरण (सॉल्व-शेयर) रीट्रिव (यूट्यूब) जैसे अनेक सहज माध्यम उपलब्ध कराता है, इस प्रकार की पढ़ाई से विद्यार्थियों में कुछ सृजनात्मक करने का आत्मविश्वास तब बढ़ेगा ही साथ ही उनमें स्वायत्तता व स्व-प्रेरणा के चलते स्व-शक्ति से बड़ा कुछ करने की उत्कण्ठा भी पैदा होगी।

विद्यार्थियों की उपलब्धता का अन्वेषण उन्हीं के प्रदर्शन में छुपा होता है, अन्वेषण

व अप्रत्यक्ष आकलन, औपचारिक आकलन से बेहतर होता है। इसने किसी प्रकार की परीक्षा का भय नहीं होता। अतः ऑनलाइन शिक्षा का अद्वितीय मूल्यवान विद्यार्थियों के मनाबल को कुंठित नहीं करेगा। अपने आकलन के प्रति वे स्वतन्त्र रूप से प्रतिक्रिया भी दे सकते हैं। विविध स्रोतों से दिशापरक सुझाव प्राप्त कर, सतत सुधार भी कर सकते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि 'ऑनलाइन रूपी शिक्षा' के आगमन में विद्यार्थियों की उच्चस्तरीय भागीदारी सुनिश्चित है, जो उनके सर्वांगीण-विकास के लिए अनिवार्य व आवश्यक है।

ऑनलाइन आधारीत शिक्षा का विविध फायदा यह है कि शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावक अपने-अपने व मिश्रित संच बनाकर, समस्या-सागधान व सुझावों को साझा कर सकते हैं। शैक्षिक-प्रबन्धन इन मंचों के जरिए सहजतः जन-सम्पर्क व प्रतिष्ठा अर्जित कर सकता है। अनेकानेक शिक्षकों के लेख आदि-साइट्स पर लोकप्रिय व प्रसिद्ध हैं, जिन्हें लाखों विद्यार्थी ऑनलाइन अपना रहे हैं।

नेटवर्किंग की शिक्षा के क्षेत्र में उनकी उपयोगिता तो है, लेकिन इसके खतरों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। शिक्षा के क्षेत्र में इसे आँखें बन्द करके भी नहीं अपनाया जा सकता है। ज्ञान व सूचनाओं को तोड़-मरोड़कर पेश करना, असमायित व अमर्यादित अध्ययन-सामगियों की प्रचुरता का खतरा, अवसाद व अनेक प्रकार के शारीरिक व मानसिक रोगों का खतरा, नकली प्रोफाइल व पाठ्यक्रमों से छले जाने का खतरा, स्वतंत्रता व सत्यप्रदत्त के नाम पर संशर्काई व मूल्यों के पतित होने के भय जैसे अनेक खतरें हमें सावधान कर रहे हैं कि इस दिशा में संचल-संचल कर कदम चढ़ाना, बरना अर्थात् का अनर्थात् भी हो सकता है।

शिक्षा के क्षेत्र में इंटरनेट-साइट्स के प्रयोग के संभावनादिष्ट (आलोचकों) में बहुत सारे शिक्षक व अभिभावक शामिल हैं। जो यह मानते हैं कि इन साइट्स पर ध्यान बँटने वाली सामग्रियों की भीड़ जमा है, जिससे विद्यार्थियों पर अवधिष्ट व बुरा प्रभाव पड़ेगा और वे अपने मूल ज्ञस्य से भटक जाएंगे, प्रसिद्ध अमरीकी लेखक निकोलसन कार का मानना है कि 'इंटरनेट का लम्बा व सतत प्रयोग जहाँ एक ओर तथ्यों की पहचान और छान-बीन की जम-जात योग्यता को सुधाराता है, वहीं दूसरी ओर यह ध्यान केन्द्रित करने और सोचने की वैद्विक क्षमताओं को क्षीण कर देता है' एका व्यवस्था में भी कोई बह-देखा गया है कि जो शिक्षाओं में अध्ययन करवाने में पॉइंट प्रस्तुतिकरण का सहारा लेते

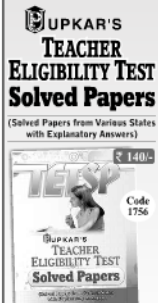
हैं, जब तक पॉवर है, तब तक तो ठीक है, जैसे ही किसी कारण से पॉवर कट हुई न कि उनके व्यवस्थान का प्रवाह क्षणिक हो जाता है, कम्पेन्स नहीं हाल विद्यार्थियों का भी है। हर अध्ययन व प्रोजेक्ट निर्माण सम्बन्धी कार्यों में गुगल या इन साइट्स को बृहत्पति मानकर, उनके द्वारा अध्ययन को इतिश्री प्रदान करने का चलन बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते पुस्तकालयों में जाने एवं विविध शैक्षिक-संदर्भों का अवलोकन करने की प्रवृत्ति आज शिक्षकों व विद्यार्थियों दोनों में क्षीय होती जा रही है। इसके अलावा इसकी सामग्रियों की गुणवत्ता की पहचान, छानबीन और उनके सही सम्पादन का कार्य क्या विद्यार्थी-वर्ग सही मायने में कर पाएगा, यह भी एक विचारणीय विषय है।

देखा जा रहा है कि नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग विद्यार्थियों में व्यसन का रूप लेता जा रहा है, वे घण्टों-घण्टों उसका प्रयोग कर रहे हैं। फलतः मानसिक बर्बान व अन्य मनोभासीरिक व्यवधियों उन्हें बैठे-बिठाए मिल रही हैं, इसके साथ-साथ औपचारिक पढ़ाई के समय का आकार भी छोटा होता जा रहा है। देखा गया है कि विद्यार्थी कक्षाओं में पढ़ाई के समय के दौरान छुप-छुपकर मोबाइल या टेबलेट पर चैटिंग, वीडियोमैम या फ़िल्म देख रहे होते हैं, जैसे ही शिक्षक की उन पर नजर जाती है, तो वे शॉर्टकट से दुरुस्त बन्द कर देते हैं। अर्थात् अब इस दिशा में निगरानी रखने का कार्य भी कठिन होता जा रहा है। इतना ही नहीं है, हाल ही के दिनों अनेक विद्यार्थियों द्वारा इन साइट्स के खर्मसार व आपत्तिजनक प्रयोग के मामले हम सबके सामने प्रत्यक्ष हुए हैं, जो सामा-जिक-दुष्टि से भिन्ना के विषय हैं।

योजना और आगे बढ़कर विश्लेषण करें, तो नजर आता है कि शैक्षिक-अनुसंधानी एवं खोजपत्रों में इन साइट्स की सामग्रियों का कट-पेट व अविश्वसनीय संदर्भों के प्रयोग का चलन भी चल निकला है, जो हमें गलत व असत्यार्थ परिणामों की ओर भी ले जा सकता है। आज शिक्षक, छात्र, नागरिक, लेखक, पत्रकार, शिक्षाशास्त्री, समाज-शास्त्री, अर्थशास्त्री एवं विधि-विज्ञा सहित अनेकानेक शिक्षा के पेशावर इन साइट्स की दुनिया में शामिल हो चुके हैं, इसी की शीघ्र के दायरे से शिक्षा में सौज-ब-सौज नए फॉर्मूले काम करते दिख जाते हैं। फलतः शैक्षिक-क्षेत्र में उच्चस्तरीय बदलाव व नवा-धारी का आलम छाया हुआ है।

शिक्षा में ऑनलाइन शिक्षा को समि-लित करने के प्रश्न पर, इसके गुण व दुर्गुणों के अवलोकन के परफा, यही कहा जा सकता है कि वर्तमान समय की आवश्यकता व शिद्यार्थियों की भाँग के मजले, इसकी प्रबल आवश्यकता है। इसकी

वपयोगिताओं को नकारा भी नहीं जा सकता। अतः इसे शिक्षा के साधन के रूप में स्वीकार कर केवल विकास एवं ज्ञान के साधन के रूप में इस्तेमाल किया जाए तो अच्छा है। इसलिए हमें शिक्षा में इसके प्रयोग के हानिप्रद पहलुओं के प्रति न केवल सचेत रहना होगा, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में इसके नए व रचनात्मक पहलुओं को पुरजोर शिक्षा प्रदान कर अनेकानेक फायदे भी लेने होंगे। नेटवर्किंग की दुनिया में कालांतर, सहयोग, मित्रता, समजस्य, वैश्विक पहुँच, अपेक्षा पर खरा उतरने और कम लागत पर शिक्षा की जो सम्भावनाएँ निहित हैं, उन्हें यदि शिक्षण और प्रशिक्षण का हिस्सा बनाया जाए, तो हर्ज भी क्या है? वैसे ही देखा जाए, तो नेटवर्किंग एक प्रकार से सम्प्रेषण का साधन है, यदि उसका कोई बुरा व शिथ्वेसालक प्रयोग करता है, तो इसमें वो साधन दोषी नहीं, बल्कि प्रयोग-कोशल में खामी व प्रयोगकर्ता दोषी है। अतः सांख्य-मीशिया के सम्पूक प्रयोग-प्रबन्धन द्वारा शिक्षा की विकास-यात्रा को असीम ऊँचाइयों प्रदान की जा सकती है, पर सतत यह है कि उस शिक्षा के क्षेत्र में एक चुनौती के रूप में मानकर, उसके अच्छे प्रयोग की सोचन प्रक्रिया को जारी रखा जाए। ●●●



UPKAR'S
TEACHER
ELIGIBILITY TEST
Solved Papers

(Solved Papers from Various States with Explanatory Answers)

Price: ₹ 140/-

Code 1756

Hindi Edition Code 2159 ₹ 190/-

UPKAR PRAKASHAN
2/11 A, Seashore Road Marg, AGHA-282 002
New Delhi-110029, India. Tel: 011-26104434
E-mail: sales@upkar.in Website: www.upkar.in

राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी, नए पैटर्न के साथ

संजय सुमन

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) द्वारा प्रति वर्ष राजस्थान प्रशासनिक एवं अधीनस्थ सेवाएं (RAS/RTS) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा आयोजित की जाती है। प्रशासन के क्षेत्र में बुनौतीपूर्ण दायित्व स्वीकार करने वाले अभ्यर्थियों के लिए यह परीक्षा काफ़ी सम्भावनाएं लिए हुए होती है। यह परीक्षा (RAS) राजस्थान प्रशासनिक सेवा, पुलिस सेवा, लेखा सेवा, वाणिज्यकर सेवा आदि में अभ्यर्थियों की भर्ती के लिए आयोजित होती है। अधीनस्थ सेवाओं (RTS) के कुछ पद हैं—नायब सहसीलदार, अवकाश के निदेशक, कनिष्ठ निबंधन अधिकारी आदि। आयोग द्वारा इस परीक्षा को तीन चरणों में विभाजित किया गया है—प्रारम्भिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार।

शैक्षिक योग्यता एवं आयु सीमा—अभ्यर्थी का किसी भी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय से ग्रेजुएट (कला, विज्ञान एवं कॉमर्स) होना जरूरी है। ग्रेजुएशन के अंतिम वर्ष के परीक्षार्थी भी आवेदन कर सकते हैं। लम्बीदवार की आयु सीमा 21 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। विभिन्न मामलों में आयु सीमा में निम्नानुसार छूट है।

प्रारम्भिक परीक्षा—राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आर.ए.एस.) की प्रारम्भिक परीक्षा में अब 200 अंकों का एक ही वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र होगा। पहले दो पेपर होते थे, यह निर्णय 2013 से आयोजित होने वाली परीक्षा से लागू हुआ है। प्रारम्भिक परीक्षा में भारत और राजस्थान का सामान्य ज्ञान, सामान्य विज्ञान और मानसिक योग्यता से सम्बन्धित प्रश्न होंगे। पहले इसमें एक सामान्य ज्ञान और एक अधीनस्थ सक्सेक्ट का पेपर होता था। इस परीक्षा के अंक सचन के लिए कुल अंकों में नहीं जोड़े जाएंगे।

प्रारम्भिक परीक्षा

प्रश्न-पत्र—सामान्य ज्ञान और सामान्य विज्ञान

अंक—200

समय—3 घण्टे

- प्रश्न-पत्र बहुविकल्पीय प्रकार के 150 प्रश्न होंगे व सभी प्रश्न समान अंक के होंगे।
- मूल्यांकन में अज्ञात अंकन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक काटे जाएंगे।

मुख्य परीक्षा

- लिखित परीक्षा के चारों प्रश्न-पत्रों वर्णनात्मक/विरलेषणात्मक होंगे, संक्षिप्त, मध्यम, दीर्घ उत्तर वाले और वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नों वाले प्रश्न-पत्र भी होंगे।
- सामान्य हिन्दी और सामान्य अंग्रेजी वाले प्रश्नों का स्तर सीनियर सेकण्डरी स्तर का होगा।

प्रश्न-पत्र	विषय	अंक	समय
प्रश्न-पत्र—I	सामान्य अध्ययन—I	200	3 घण्टे
प्रश्न-पत्र—II	सामान्य अध्ययन—II	200	3 घण्टे
प्रश्न-पत्र—III	सामान्य अध्ययन—III	200	3 घण्टे
प्रश्न-पत्र—IV	सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी—IV	200	3 घण्टे
	सामान्य हिन्दी— 100 अंक		
	अंग्रेजी— 80 अंक		
	राजस्थानी— 20 अंक		

साक्षात्कार—100 अंक

आर.ए.एस. की मुख्य परीक्षा में 200-200 अंकों के चार प्रश्न-पत्र हैं। इसमें तीन प्रश्न-पत्र सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन के और चौथा प्रश्न-पत्र हिन्दी और अंग्रेजी भाषागत ज्ञान का है। पहले आठ पेपर होते थे, इनमें दो पेपर सामान्य ज्ञान के, एक-एक पेपर हिन्दी व अंग्रेजी का तथा दो अधीनस्थ सक्सेक्ट के दो-दो पेपर होते थे। साक्षात्कार 100 अंकों का होगा। पहले 150 अंकों का होता था, उसमें पूरे अंक जुड़ते थे, अब 12-50 प्रतिशत अंक ही जुड़ेंगे।

राजस्थान लोक सेवा आयोग की वेबसाइट—www.rpsc.rajabhahan.gov.in

प्रारम्भिक परीक्षा की सफलता के लिए रणनीति

नए पैटर्न के अनुसार आर.ए.एस. प्रारम्भिक परीक्षा का सामान्य ज्ञान (भारत/राजस्थान), सामान्य विज्ञान, व मानसिक योग्यता 200 अंकों का एक प्रश्न-पत्र होगा। इस प्रश्न-पत्र में मानसिक योग्यता के प्रश्नों का भी समावेश किया गया है।

सामान्य ज्ञान को घरबंद तरीके से पढ़ें। प्रारम्भिक परीक्षा में सामान्य ज्ञान के प्रश्न लगभग 40 प्रश्न राजस्थान के सांघा-विक, आर्थिक, राजनीतिक, कला, संस्कृति, समाजशास्त्रिकी से सम्बन्धित होते हैं।

प्रश्न भारत के भूगोल, भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, दैनिक जीवन में विज्ञान, समाजशा-विकी एवं मानसिक योग्यता विषयों से सम्बन्धित होंगे। सामान्य ज्ञान के लिए 9वीं से 12वीं कक्षा तक की एनसीईआरटी (इतिहास, भूगोल, विज्ञान) विषयों का अध्ययन अपेक्षित रहता है। विज्ञान के लिए स्तरीय पत्रिका प्रतिशोधिता दर्पण अति-रिक्तांक (Vol-1,2) का अध्ययन कर सकते हैं। समाजशास्त्रिक खण्ड को राजस्थान पत्रिका, दैनिक भास्कर समाचार पत्र एवं केरियर पत्रिका प्रतिशोधिता दर्पण से अच्छी तरह तैयार किया जा सकता है। राजस्थान की जनसंख्या (2011) के आँकड़े व आर्थिक आँकड़ों पर प्रश्न अवश्य रहेंगे, इसलिए नवीनतम समाजशास्त्रिकी आँकड़ों सहित विभिन्न विभागों की जानकारी अपेक्षित है।

राजस्थान प्रादेशिक को अच्छी प्रमाणिक टेस्ट बुकों से, राजकीय गजटों, सुख सार्विकी, राजस्थान पत्रिका की सार्विकी, उपकार प्रकाशन से प्रकाशित राजस्थान सामान्य ज्ञान एवं राजस्थान सरकार के विभिन्न विभागों से प्रकाशित होने वाली वीकली एवं मासिक पत्रिका से तैयार करन चाहिए। मानसिक योग्यता हेतु प्रतिशोधिता दर्पण में प्रकाशित मॉडलों व उपकार प्रकाशन से प्रकाशित पुस्तकों का सहारा लें। फिर भी आपके मन में कोई प्रश्न व दुविधा हो तो आप careersalrah.com के माध्यम से फोन कर समाधान पा सकते हैं।

● राज्य सेवाएं

पदों की संख्या—253

आयु—1 जनवरी, 2014 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 35 वर्ष से कम।

● अधीनस्थ सेवाएं

पदों की संख्या—490

आयु—अराजस्थानित कर्मचारी दिनांक 1 जनवरी, 2014 को 25 वर्ष की आयु प्राप्त कर चुक हो, परन्तु 45 वर्ष का नहीं हुआ हो।

● आवेदन तिथि—24 जून, 2013 से 31 जुलाई, 2013 तक

● वेबसाइट—www.rpsc.rajabhahan.gov.in

राजस्थान सिविल सेवा में सफलता हेतु
पढ़ें उपकार प्रकाशन की निम्नलिखित
पुस्तकें

- राजस्थान जिला दर्शन एवं सामान्य ज्ञान
- राजस्थान एक दृष्टि में
- राजस्थान सामान्य ज्ञान डिग्निफिका
- राजस्थान इतिहास एवं संस्कृति

उपकार की पुस्तकें हेतु तौज ऑन करें—
www.upkar.in

- इतिहास—‘राजस्थान’ नाम इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड की देन है. राजस्थान का वर्तमान नामकरण 26 जनवरी, 1950 को हुआ. राजस्थान का वर्तमान स्वरूप 1 नवम्बर, 1956 के दिन अस्तित्व में आया.
- क्षेत्रफल—3,42,239 वर्ग किमी (देश में प्रथम)
- राजधानी—जयपुर
- जनसंख्या—6,85,48,437
पुरुष—3,55,50,997
महिलाएँ—3,29,97,440
- दशकीय (2001–11) जनसंख्या वृद्धि दर—21.3 प्रतिशत
- प्राचीन जनसंख्या—5,15,00,352
पुरुष—2,66,41,747
महिलाएँ—2,48,58,605
- सहरी जनसंख्या—1,70,48,085
पुरुष—89,09,250
महिलाएँ—81,38,835
- अनुसूचित जाति जनसंख्या—1,22,21,593 (17.8 प्रतिशत)
पुरुष—63,55,564
महिलाएँ—58,66,029
- अनुसूचित जनजाति जनसंख्या—13.5 प्रतिशत
- 0-6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की संख्या—15.5 प्रतिशत
लिंगानुपात (0-6)—888 बालिकाएँ प्रति हजार बालक
- साक्षरता—66.1 प्रतिशत
पुरुष—79.2 प्रतिशत
महिलाएँ—52.1 प्रतिशत
- कुल साक्षर व्यक्ति—3,82,75,282
पुरुष साक्षर—2,36,88,412
महिला साक्षर—1,45,86,870
- जनसंख्या घनत्व—200 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी

- लिंगानुपात—928 महिलाएँ प्रति हजार पुरुष
- राज्य पशु—शिकरा
- राज्य पक्षी—गोडावण
- राज्य पुष्प—रोहिडा
- राज्य वृक्ष—खैरजी
- राजकीय खेल—बस्केट बॉल
- विधान सभा सदस्यों की संख्या—200
- लोक सभा सदस्यों की संख्या—25
- राज्य सभा सदस्यों की संख्या—10
- उच्च न्यायालय—जोधपुर
- जिल्ले—33
- राजस्थान दिवस—30 मार्च
- प्रथम राज्यपाल—गुरुमुख निहाल सिंह
- प्रथम मुख्यमंत्री—सीरालाल हास्टी
- राजस्थान में सबसे लम्बी अन्तर्राष्ट्रीय सीमा बला जिला जैसलमेर है.
- राजस्थान की सीमा पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश व गुजरात राज्य से मिलती है.
- लड़कियों की शिक्षा के लिए प्रसिद्ध वनस्पती विद्यापीठ की स्थापना पं. सीरालाल हास्टी ने की थी.
- भारत ने 18 मई, 1974 को अपना प्रथम भूमिगत विस्फोट पोखरण में किया था.
- कर्क रेखा राज्य की दक्षिणी सीमा के दो जिलों जूँगपुर तथा बीरवाड़ा को छूती हुई निकलती है.
- महाराणा कुम्भा ने ‘विजय स्तम्भ’ मालवा विजय के उपलक्ष्य में बनवाया था.
- राजस्थान में केन्द्रीय ऊँट प्रजनन केन्द्र नागौर में है.
- राजस्थान के मरुस्थल को थार नाम से जाना जाता है.
- राजस्थान की सबसे पवित्र व प्राचीन प्राकृतिक झील पुष्कर झील है.
- व्यास परियोजना पंजाब, राजस्थान, व हरियाणा राज्यों की संयुक्त परियोजना है.
- केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) जोधपुर में है.
- पर्यटन स्थल ‘पटवों की हवेली’ जैसलमेर में स्थित है.
- राजस्थान में बीकानेर जिले में ‘करणी-माला का मंदिर’ जो ‘सुहो के मंदिर’ के नाम से विख्यात है, बीकानेर में है.
- ऊँट समारोह बीकानेर में मनाया जाता है.
- पंचायती राज सर्वप्रथम राजस्थान राज्य में लागू हुआ था.

- पशु-पक्षियों को जिस शैली में विशेष स्थान मिला है, वह है वृद्धी शैली.
- ‘बनी-ठनी’ चित्र, जिसे भारतीय कला की मोनलिसा कहा जाता है, किशनगढ़ शैली में है.
- अजमेर में मेंघो कॉलेज की स्थापना 1875 ई. में की गई थी.
- महाराणा कुम्भा हासक थे—मेवाड़ के.
- राजा भारनल कछवाह शासक ने अपनी पुत्री का विवाह सम्राट अकबर से किया था.
- पृथ्वीराज रासो के लेखक चन्द्रबरदाई हैं.
- कालीबंगा में शिन्धु घाटी सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं. कालीबंगा गंगा-नगर जिले में स्थित है.
- चौहान वंश का अन्तिम राजा पृथ्वीराज था.
- जयपुर को सी.बी. रमन ने ‘Island of Glory’ कहा था.
- अजमेर स्थित ‘अडौई दिन का झोपड़ा’ मस्जिद दिल्ली स्थित कुम्भल-ऊल इस्लाम मस्जिद की भाँति है. इसका निर्माण 1199 ई. में कुतुबुद्दीन ऐबक ने कराया था. 1230 ई. में इल्तुतमिश ने शाह थापो काली मुस्लिमों से इसके सौन्दर्य में वृद्धि की थी.

राजस्थान सामान्य ज्ञान

1. निम्न क्षेत्रों में विभिन्न योगदान करने वाली विभिन्न हरितकों के लिए राजस्थान सरकार द्वारा वर्ष 2012 में कोनसे नए पुरस्कार की शुरुआत की गई है ?
(A) राजस्थान रत्न
(B) राजीव गांधी पुरस्कार
(C) हरित गांधी पुरस्कार
(D) मरु रत्न
2. हरम रानी को जिस क्षेत्र में ख्याति प्राप्त है, वह है—
(A) संगीत (B) चित्रकला
(C) साहित्य (D) नृत्य
3. ‘राम मंजरी’ का रचना काल 16वीं शताब्दी है. इसके रचनाकार हैं—
(A) रणा कुम्भा
(B) पुण्डरिक विट्ठल
(C) महाकवि पद्माकर
(D) राजकवि राज भट्ट
4. ‘जयसामी’ सम्प्रदाय की उत्पत्ति कहीं हुई थी ?
(A) टोंक में (B) अजमेर में
(C) जोधपुर में (D) बीकानेर में

5. राजस्थान की 'बहुरश्मि कला' को विश्व के अनेक राष्ट्रीय में प्रदर्शित करने वाले थे—
 (A) उदयशंकर
 (B) जानकीलाल
 (C) देवीलाल सागर
 (D) पुरुषोत्तम जी
6. राजस्थान का कौनसा शहर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का अंग है ?
 (A) अलवर (B) करौली
 (C) झुंझुनू (D) पिलानी
7. राजस्थान के किस शहर में परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थित है ?
 (A) उदयपुर (B) कोटा
 (C) बँसवाड़ा (D) अलवर
8. राजस्थान का प्रसिद्ध पुष्कर मेला किस माह में लगता है ?
 (A) अक्टूबर (B) नवम्बर
 (C) फरवरी (D) मार्च
9. सुपी संत ख्वाजा मुहम्मद गिरी किसके शासनकाल में राजस्थान आए थे ?
 (A) महाराजा प्रताप सिंह
 (B) रामा साँगा
 (C) रामा कुम्भा
 (D) पृथ्वीराज चौहान
10. राजस्थान में किस जनजाति की जनसंख्या सर्वाधिक है ?
 (A) सहरिया (B) भील
 (C) मीबा (D) मनुषिया लुहार
11. भीली का प्रसिद्ध लोक नाट्य कौनसा है ?
 (A) गवरी (B) स्वांग
 (C) तमशा (D) रमल
12. लोकदेवता मल्लीनाथजी का मंदिर कहाँ पर है ?
 (A) पौचोटा गीब (जालौर)
 (B) सखौ गीब (जालौर)
 (C) नगला जखड़ा (भरतपुर)
 (D) तिलकाड़ा (बाड़मेर)
13. गोपीजी भट्ट राजस्थान की किस लोक नृत्य शैली के कलाकार हैं ?
 (A) तमशा (B) स्वांग
 (C) रमल (D) नौटंकी
14. राजस्थान में 'बडू पीटरी' का प्रमुख केन्द्र कौनसा है ?
 (A) बीकानेर (B) डूंगरपुर
 (C) जयपुर (D) जैसलमेर
15. 'जाराभात की ओडनी' राजस्थान की किन रिजों की लोकप्रिय वेशभूषा है ?
 (A) राजपूत रिजों
 (B) गुर्जर रिजों
 (C) आदिवासी रिजों
 (D) जाट रिजों
16. राजस्थान का प्राचीन बिस्नोई सम्प्रदाय किस लोक देवता का अनुयायी है ?
 (A) हरभुजी (B) मेहाजी
 (C) जामोजी (D) पाकुजी
17. राजस्थान का कौनसा शहर बेल-बूटी की छाया की पारम्परिक कला के लिए जाना जाता है ?
 (A) जयपुर (B) बागार
 (C) सांगानेर (D) बाड़मेर
18. गढ़बीडली दुर्ग है—
 (A) मेहरानगढ़
 (B) तारागढ़-अजमेर
 (C) तारागढ़-बूँदी
 (D) रणथम्भौर
19. एशिया का श्रेष्ठ जस्ता एवं सीसा अयस्क भण्डार उपलब्ध है—
 (A) उदयपुर जिले के दिलवाड़ा में
 (B) राजसमन्द जिले के राजपुर दरीबा में
 (C) भीलवाड़ा जिले के रामपुर आगुषा में
 (D) उदयपुर जिले के झगर कोटरा में
20. मेवाड़ में स्थित बाडोली का मंदिर किस मंदिर शैली से सम्बन्धित है ?
 (A) सागर (B) द्रविड
 (C) बंसर (D) पद्मपत्तन
21. बृहद राजस्थान का प्रधानमंत्री कौन था ?
 (A) गोकुलभाई भट्ट
 (B) जय नारायण व्यास
 (C) डीरालाल हास्त्री
 (D) मणिक्यलाल वर्मा
22. 'बगद प्रदेश के गांधी' के नाम से विख्यात स्वतंत्रता सेनानी थे—
 (A) हरिदेव जोशी
 (B) मोतीलाल तेजावत
 (C) माणिक्यलाल वर्मा
 (D) भोगीलाल पाण्ड्या
23. बर्मा में राजस्थान सेवा संघ की स्थापना कब की गई थी ?
 (A) 1919 में (B) 1920 में
 (C) 1921 में (D) 1922 में
24. 'बीकानेर के शहीदों की छाया' के रचयिता कौन हैं ?
 (A) सूर्यमल मिश्रण
 (B) मेहसी
 (C) दलालदास
 (D) श्यामलदास
25. राजस्थान में 'खस' का सर्वाधिक वितरण किस मेखला (Belt) से होता है ?
 (A) गंगपुर-दीसा-अलवर
 (B) सबई माधोपुर-भरतपुर-टोंक
 (C) झालावाड़ा-कोटा-बूँदी
 (D) डूंगरपुर-बँसवाड़ा-उदयपुर
26. 'बेश नास्कर' के लेखक हैं—
 (A) सूर्यमल मिश्रण
 (B) बोंकीदास
 (C) मोतीशंकर ओझा
 (D) कविराज श्यामलदास
27. 'बनी-उनी' किस चित्र शैली से सम्बन्धित शी ?
 (A) जयपुर शैली
 (B) बूँदी शैली
 (C) किशनगढ़ शैली
 (D) चामण्ड शैली
28. 'जल दुर्ग' कहाँ स्थित है ?
 (A) सिवाना में (B) आम्बेर में
 (C) अजमेर में (D) गागरोन में
29. राजस्थान की नवरा-की-पाल क्षेत्र में कौनसा खनिज पाया जाता है ?
 (A) लौहा
 (B) लौह अयस्क
 (C) सीसा व जस्ता
 (D) मैंगनीज
30. राजस्थान में किस शहर को 'सन सिटी' के नाम से जाना जाता है ?
 (A) उदयपुर (B) बीकानेर
 (C) जोधपुर (D) जैसलमेर
31. राजस्थान में 'ईसबगोल प्लाण्ट' निम्न-लिखित में से कहाँ लगा है ?
 (A) जालोर
 (B) आबू रोड
 (C) सिराही
 (D) उपर्युक्त सभी में
32. राजस्थान का कौनसा वृक्ष 'जंगल की ज्वाला' के नाम से जाना जाता है ?
 (A) नीम (B) खेजड़ी
 (C) पारस पीपल (D) पलाश
33. मेवाड़ बगड और पास के क्षेत्रों के भीलों में सामाजिक सुधार के लिए 'ललाडिया आन्दोलन' का सूत्रपात किसने किया ?
 (A) सुरमल दास
 (B) मोहिन्द गिरि

- (C) नावगी
(D) मोदीलाल राजवत
34. वह अभिलेख जो महाराणा कुम्भा के लेखन पर प्रकाश डालता है—
(A) राज प्रशस्ति
(B) कीर्तिलाल प्रशस्ति
(C) कुम्भलगढ़ शिलालेख
(D) जगन्नाथ राय शिलालेख
35. गंगा नहर राजस्थान की सबसे प्राचीन नहर है। इस नहर का निर्माण महाराजा गंगा सिंह जी ने करवाया—
(A) 1930 में (B) 1927 में
(C) 1944 में (D) 1932 में
36. राजस्थान लोक साहित्य में किस देवी/देवता का गीत सबसे लम्बा है ?
(A) मल्लीनाथजी (B) रामदेवजी
(C) आई माता (D) जीध माता
37. रणथम्भौर एवं सरिस्का गिन्नाविष्ठित में से किन जानवरों के लिए संरक्षित हैं ?
(A) भालू (B) किरण
(C) सिंह (D) बाघ
38. 'बैंक ऑफ राजस्थान' का विलय किस बैंक में हुआ है ?
(A) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
(B) स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
(C) एचडीएफसी बैंक
(D) आईसीआईसीआई बैंक
39. राजस्थान के विख्यात इतिहासकार, जो एक समाज सुधारक भी थे—
(A) मानकराम शारदा
(B) जगन्नाथलाल कजराज
(C) हरविहास शारदा
(D) सी. के. वाल्टेयर
40. राजस्थान का सबसे बड़ा तेजाजी का पट्टा मेला कहीं लगाता है ?
(A) बाढमेर में (B) नागौर में
(C) झालावाड़ में (D) हनुमानगढ़ में
41. मंगल-भार्यम् शक्ति एवं ऐश्वर्या—
(A) अनुसूचित जनजाति हेतु एक योजना है
(B) गिणी क्षेत्र में स्थापित विश्व-विद्यालय है
(C) बाढमेर-सांचौर बेसिन में खोजे गए तेल क्षेत्र हैं
(D) इनमें से कोई नहीं
42. भारत का सबसे बड़ा बाजरा उत्पादक राज्य है—
(A) राजस्थान (B) उत्तर प्रदेश
(C) पंजाब (D) हरियाणा
43. राजस्थान में तौबे का विशाल भण्डार स्थित है—
(A) खेतड़ी (झुंझुनू) क्षेत्र में
(B) दीडवाना क्षेत्र में
(C) उदयपुर क्षेत्र में
(D) बीकानेर क्षेत्र में
44. मत्स्य शंघ को वृहद राजस्थान शंघ में सम्मिलित किया गया—
(A) 1947 ई. में (B) 1948 ई. में
(C) 1949 ई. में (D) 1950 ई. में
45. डूंगरपुर प्रजागण्डल की स्थापना 1944 ई. में किसके द्वारा की गई थी ?
(A) मणिक्य लाल वर्मा
(B) भोगी लाल वाघव्या
(C) प्रताप सिंह बरहठ
(D) राम नारायण चौधरी
46. शेखावटी के प्रसिद्ध नृत्य का नाम है—
(A) घुमर (B) घेर
(C) तेरह ताली (D) गौदड़

शेष पृष्ठ 117 पर

उपकार **नवीन प्रस्तुति**

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल
हेड कांस्टेबिल
(टेलीकम्यूनिकेशन)
मर्ति परीक्षा

लेखकत्व : डॉ. नात एवं जेन
कोड नं. 2249 ₹ 205/-

प्रमुख आकर्षण

- सामान्य ज्ञान
- सामान्य बुद्धिमत्ता
- अंकगणित
- सामान्य हिन्दी
- General English

हेड कांस्टेबिल
(टेलीकम्यूनिकेशन)
मर्ति परीक्षा

Head Constable
(Telecommunication)
मर्ति परीक्षा

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

● E-mail : upkarprakashan@gmail.com
● Website : www.upkar.in

उपकार **परीक्षा**
सितम्बर 2013

राजस्थान
कृषि निदेशालय
कृषि पर्यवेक्षक
मर्ति परीक्षा

लेखकत्व
राम प्रकाश विनोई
एवं डॉ. जी. पी. राजपूत
कोड नं. 2251 ₹ 190/-

प्रमुख आकर्षण

- राजस्थान सामान्य ज्ञान
- सामान्य हिन्दी
- सामान्य विज्ञान
- कृषि विज्ञान (शस्य विज्ञान, उद्यानिकी व पशुपालन)

राजस्थान
कृषि निदेशालय
कृषि पर्यवेक्षक
मर्ति परीक्षा

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

● E-mail : upkarprakashan@gmail.com
● Website : www.upkar.in



भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

- विजयनगर साम्राज्य का प्रसिद्ध शासक कृष्णदेव राय किस राजवंश से सम्बंध था ?
— तुलुव राजवंश
- महरोशी अनिलेख से किस सम्राट के सम्बंध में जानकारी प्राप्त होती है ?
— बन्धुगुप्त क्षितिज
- गुप्त करती हुई गौरी की कांस्य मूर्ति सिन्धु सम्बंध के किस स्थान से प्राप्त हुई है ?
— मोहनजोदड़ो से
- विदेशी यात्री इब्नबतूता किसके शासनकाल में भारत आया था ?
— गुहम्मद-बिन-तुगलक के शासनकाल में
- कोणार्क का सूर्य मंदिर नरसिंह प्रथम ने बनवाया था. वे किस राजवंश से थे ?
— शाही (पूर्वी) गंगा राजवंश
- किस फारस शासक ने विक्रमसिंहा विभवविद्यालय की स्थापना की ?
— धर्मपाल
- फारस से आने वाले अब्दुल रज्जाक की हमी यात्रा के समय दक्षिण भारत में विजयनगर का शासक कौन था ?
— देवराय क्षितिज
- सिन्धु से लेकर सोनारगोब (बांग्लादेश) तक जाने वाले मार्ग सड़क-ए-आजम का निर्माण किसके द्वारा करवाया गया ?
— शेरशाह
- लॉर्ड डलहौजी ने अपहरण की नीति (Doctrine of Lapse) के अन्तर्गत सर्वप्रथम किस राज्य को अंग्रेजी साम्राज्य के अधीन रखा ?
— सत्तरा
- 'ईस्ट इण्डिया कम्पनी' की बुराई को दूर करने के लिए 'रेगुलेटिंग एक्ट' (Regulating Act) कब पास किया गया ?
— 1773 ई. में
- भारत में अंग्रेजी की सर्वश्रेष्ठता किस युद्ध से स्थापित हो गई ?
— बक्सर युद्ध से

राष्ट्रीय स्वतंत्रता आन्दोलन

- महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत किस वर्ष में लौटे ?
— 1915 में
- मैकडोनाल्ड द्वारा प्रस्तावित 'कम्प्युल एवार्ड' को गांधीजी द्वारा चुकराए जाने का प्रमुख कारण क्या था ?
— दलित वर्ग को हिन्दुओं से अलग करना
- 16 अगस्त, 1946 को किसने 'प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान किया ?
— मुस्लिम लीग ने

- महात्मा गांधी द्वारा द्वितीय सविनय अवज्ञा आन्दोलन कब प्रारम्भ किया गया ?
— 1932 में
- ए. ओ. ह्यूम ने किस वर्ष भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की थी ?
— 1885 में
- आजाद हिन्द फौज के किन नेताओं पर दिल्ली के लाल किसने ने मुकदमा चलाया गया ?
— गुरुदत्त सिंह दिल्ली, शाहनवाज खॉं तथा ग्रेम सहगल पर
- जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड के सम्दर्भ में बाग में एकत्रित लोग किसका विरोध कर रहे थे ?
— सरपंचाल मलिक एवं सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी का
- सुभाषचन्द्र बोस ने कांग्रेस के किस अधिवेशन में अध्यक्ष चुने जाने के पश्चात् हस्तीका दिया था ?
— त्रिपुरी अधिवेशन (1939) में
- 'ज्योतिबा फाल्के' आन्दोलन 17 अक्टूबर, 1940 को कहीं से प्रारम्भ हुआ ?
— पबनार से
- बिहार में 1857 के विद्रोह का अग्रणी नेता कौन था जिसने आरा में अंग्रेजी फौज से लड़ा किया था ?
— कुंवरसिंह (जगदीशपुर)

भारतीय राजन्यव्यवस्था एवं संविधान

- किन परिस्थितियों में राष्ट्रपति आयातकाल घोषित कर सकता है ?
— बाह्य आक्रमण, आन्तरिक अशांति, अर्थिक संकट की परिस्थितियों में
- नए राज्य के गठन अथवा सीमा परिवर्तन का अधिकार किसको है ?
— संसद को
- 'भारत राज्यो का संघ होगा' यह किस अनुच्छेद के अन्तर्गत घोषित है ?
— अनुच्छेद-1 के अन्तर्गत
- लोक सभा में अखिरास प्रस्ताव लाने के लिए किसने सदस्यों की सहमति आवश्यक है ?
— 50 सदस्यों की
- कम्पट्रोलर एण्ड ऑडिटर जनरल सेवानिवृत्त होते हैं
— निवृत्ति के छह वर्ष बाद या 65 वर्ष पूरे होने पर, जो पहले हो
- सरकारिया आयोग किसके अध्ययन के लिए गठित किया गया था ?
— केन्द्र-राज्य सम्बंध
- अपना कार्यकाल समाप्त होने से पूर्व यदि सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश त्यागपत्र देना चाहें, तो वह किसको सम्बोधित करते हुए त्यागपत्र देगा ?
— राष्ट्रपति
- भारतीय संविधान के अनुसार लोक सभा का चुनाव लड़ने के लिए कथित न्यूनतम शैक्षिक योग्यता क्या है ?
— ऐसी किसी योग्यता की आवश्यकता नहीं है
- विकास कार्य के प्रति प्रत्येक शासक की सांसारिक जिम्मेदारी को बनवाते हैं
— दो करोड़ रुपए वार्षिक



31. भारत में राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग, अथवा हटाए जाने पर, पद में हुई रिक्ति को भरने की समय सीमा क्या है ?

— छह माह

32. राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत लोक सभा को भंग कर सकता है ?

— अनुच्छेद 85

33. भारतीय संविधान के किस भाग को उसकी 'आत्मा' की संज्ञा प्रदान की गई है ?

— प्रस्तावना

भारत एवं विश्व का भूगोल

34. लोकटक झील, जिस पर जलविद्युत परियोजना का निर्माण किया गया है, किस राज्य में स्थित है ?

— मणिपुर

35. न्यूयॉर्क नगर किस नदी के तट पर स्थित है ?

— हडसन नदी के तट पर

36. भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन का मुख्यालय कहाँ है ?

— बंगलुरु में

37. बॉम्बे हाई किस्के लिए प्रसिद्ध है ?

— पेट्रोलियम भण्डार के लिए

38. देश में मौसम मानचित्र बनाने का प्रमुख कार्यालय किस नगर में स्थित है ?

— पुणे में

39. पोर्ट ब्लेयर किस देश की राजधानी है ?

— मॉरिशस की

40. विश्व की नीचे पानी की सबसे बड़ी झील कोणसी है ?

— लेक सुपीरियर

41. 'गिर का सुरक्षित वन' क्यों प्रसिद्ध है ?

— एशियाई शेर के लिए

42. नेवेली किस वस्तु की खानों के लिए प्रसिद्ध है ?

— सिन्गाइट कोयला

43. भारत में उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन कहाँ पाए जाते हैं ?

— पश्चिमी घाट के पश्चिमी ढाल पर

44. भारत में 12 बड़े बन्दरगाह हैं, इनमें पारादीप किस राज्य में स्थित है ?

— ओडिशा

45. भागीरथी एवं अलकनन्दा नदियों मिलकर गंगा कहलाती है

— देव प्रयाग में

भारतीय अर्थव्यवस्था

46. हरित क्रांति द्वारा खाद्यान्नों के उत्पादन में असाधारण वृद्धि हुई है, इसका सर्वाधिक प्रभाव किस फसल में हुआ है ?

— गेहूँ की फसल में

47. भारत का किस देश के साथ सबसे अधिक विदेशी व्यापार है ?

— चीन

48. मुद्रास्फीति (Inflation) से किसे लाभ होता है ?

— ऋणी (Debtor) को

49. भारत में रांध सरकार के व्यवसाय का सर्वाधिक महत्वपूर्ण मद है

— केन्द्रीय आयोजना

50. राष्ट्रीय विकास परिषद् का प्रमुख कार्य क्या है ?

— पंचवर्षीय योजनाओं का अनुमोदन

51. भारत का सबसे पुराना स्टॉक एक्सचेंज कोनसा है ?

— बम्बई स्टॉक एक्सचेंज

52. स्वतंत्र भारत में सर्वाधिक 10 बार केन्द्रीय बजट प्रस्तुत करने का श्रेष्ठ किस व्यक्ति को जाता है ?

— मोरारजी देसाई

53. अप्रैल 2013 में देश की सबसे मूल्यवान् कम्पनी बन गई

— ओ.एन.सी.सी.

54. राष्ट्रीय छात्रीय विकास संस्थान कहाँ स्थित है ?

— हैदराबाद में

55. क्लोज़ेड इकोनॉमी (Closed Economy) उस अर्थव्यवस्था को कहते हैं जिसमें

— आयात व निर्यात नहीं होते

56. कृषि उपजों के विपणन हेतु सहाकारी क्षेत्र में किस संस्था की स्थापना की गई है ?

— नैफेड (NAFED)

57. भारतीय आयोजना की द्वितीय पंचवर्षीय योजना विकास की किस नीति पर आधारित थी ?

— महालनोबिस रणनीति

58. 'वर्ल्ड इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट' किस अन्तराष्ट्रीय संस्था द्वारा जारी की जाती है ?

— अंकाटाड (UNCTAD)

59. वर्ष 2012-13 के दौरान विकास दर के मामले में मध्य प्रदेश देश में प्रमुख राज्यों में अग्रणी रहा है, इसकी विकास दर रहने का अनुमान है

— 14-28%

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

60. पारिस्थितिकी (Ecology) का सम्बन्ध है

— जीव एवं पर्यावरण के सहसम्बन्धों से

61. मानव शरीर में ऑक्सीजन को लाने और ले जाने वाल वाहक है

— हीमोग्लोबिन

62. भेड़ का प्रथम प्रतिरूप (क्लोन) 'दोली' किसने तैयार किया ?

— इरान विमन्ट ने

63. बायोसॉजी की किस शाखा में कोशिकाओं का अध्ययन किया जाता है ?

— साइटोसॉजी में

64. विद्युत चुम्बकत्व में लेन्ज का नियम किसके संरक्षण का परिणाम है ?

— ऊर्जा

65. ओटोहान किस आविष्कार के लिए प्रसिद्ध है ?

— एटम बम बनाने के लिए

66. ऑटो इंजन में पेट्रोल जहाँ वाष्प में परिवर्तित होता है, कहलाता है

— कार्बुरेटर

67. पोषे का कोनसा भाग हवसन कराता है ?

— पात्ती

68. 'विकास का सिद्धान्त' किसके द्वारा प्रतिपादित किया गया था ?

— चार्ल्स डार्विन

69. गतिक्षय और नीलगुला रासायनिक रूप में कैसे जाने जाते हैं ?

— लसिज, एस्पुमीनियम ऑक्साइड

70. जब रक्त में ऑक्सीजन की सान्द्रता में कमी आती है तो श्वास की गति

— बढ़ जाती है

71. कोनसा हॉर्मोन 'लडो' या 'उदो' हॉर्मोन कहलाता है ?

— एड्रीनेलिन

72. जॉन्स साल्क ने किसका टीका तैयार किया ?

— पोलियो का

कृषि

73. 'Opus Rualium Kao Darum' लिखित शस्यविज्ञान (Agronomy) से सम्बन्धित लेखों का संग्रह सर्वप्रथम किसने किया था ?
— पीटर डेवेलोन्जी
74. इम्पीरियल एग्रीकल्चरल रिसर्च इन्स्टीट्यूट (Imperial Agricultural Research Institute) की स्थापना किस वर्ष एवं कहीं हुई थी ?
— वर्ष 1905 में, पूना (समस्तीपुर), बिहार में
75. इम्पीरियल एग्रीकल्चरल रिसर्च इन्स्टीट्यूट पूना (समस्तीपुर) बिहार को भीषण भूकम्प (Earthquake) के बाद कब व किस नाम से दिल्ली स्थानान्तरित किया गया ?
— जुलाई 1929 में भूकम्प से इनकार पूरी तरह ध्वस्त हुई, जिसे बाद में नाम बदल कर Indian Agricultural Research Institute (IARI) नया पूना, नई दिल्ली वर्ष 1936 में स्थापित की गई.
76. विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (ICAR के अन्तर्गत) स्थित है
— अल्मोड़ा (उत्तराखण्ड) में
77. नेशनल ब्यूरो ऑफ सोयल सर्वे एण्ड लैण्ड यूज प्लानिंग (NBSS&LUP) कहीं स्थित है ?
— नागपुर (महाराष्ट्र) में
78. सबसे कम वर्षा भारत के किस क्षेत्र में होती है ?
— जैसलमेर (राजस्थान)
79. डॉ. बर्गीज कुरियन किस क्षेत्र से सम्बन्धित है ?
— (स्व.) डॉ. बर्गीज कुरियन वृक्ष उत्पादन से देश में स्वतः क्रांति (White Revolution) लाने से
80. राष्ट्रीय मसाला अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र स्थित है
— मन्नाघाट, सोलन (हि. प्र.) में
81. मातस्यपालन में प्रथम राज्य है
— पश्चिमी बंगाल
82. 'वण्डर ट्री' (Wonder Tree) नाम से किस वृक्ष को जाना जाता है ?
— नीम (Neem)

स्पोर्ट्स

83. माइकल शूमाकर किस खेल के सुविख्यात खिलाड़ी है ?
— फॉर्मूला-1 रेस
84. दिसम्बर 2012 में सचिन तेंदुलकर ने वन-डे क्रिकेट से संन्यास ले लिया, उनके नाम वन-डे क्रिकेट में कितने सतकों का रिकॉर्ड है ?
— 49 सतकों का
85. भारतीय तीरंदाजी संघ (AAI) के वर्तमान अध्यक्ष हैं
— शिवाज कुमार् मल्होत्रा
86. भारत की सीनियर बास्केटबाल टीम के नए प्रशिक्षक हैं
— स्कॉट एलेक्सि
87. विक्टोरिया अजारेका किस देश की लॉन टेनिस खिलाड़ी है ?
— मेक्सिको
88. महिलाओं के पहले टी-20 एशिया कप क्रिकेट का खिताब भारत ने फाइनल में किस देश को हराकर जीता ?
— पाकिस्तान

89. चर्चित फ्लोरबॉल पुर्तगाल का सम्बन्ध किस खेल से है ?
— क्रिकेट (भारत)
90. नवम्बर 2012 में पुरुषों की टीन टेनिस की विश्व चैम्पियनशिप का वर्ष 2012 का डेविश कप मैक गवराज्य में जीता. इस कप का उद्घाटन था
— स्पेन
91. नई दिल्ली में नवम्बर 2012 में इण्डियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने फाइनल में भारत पेद्रोसियम को हराकर कोनसा टूर्नामेंट जीता ?
— 49वाँ ओएनजीसी नेहरू सीनियर हॉकी टूर्नामेंट
92. फेड कप क्या है ?
— महिलाओं की टीन टेनिस की विश्व चैम्पियनशिप
93. अर्जुन पुरस्कार किसके हेतु प्रदान किया जाता है ?
— खेल के क्षेत्र में श्रेष्ठता के लिए
94. इन्दिरा गांधी इनडोर स्टेडियम कहीं है ?
— नई दिल्ली में

जिलिध

95. निस वर्ल्ड 2012 है
— यू वेनशिया (चीन)
96. 'शान्ति निकेतन' की स्थापना किसने की ?
— रबीन्द्रनाथ टैगोर ने
97. 'बिग बी' के नाम से कोनसे फिल्म अभिनेता प्रसिद्ध हैं ?
— अमिताभ बच्चन
98. गांधीजी के शिष्य गजान 'दिग्ध' जन ताँ तेने कहिए' के रचयिता कोन हैं ?
— नरसी मेहता
99. यदि वातावरण न हो, तो आकाश का क्या रंग होगा ?
— काला
100. यूरो क्या है ?
— यूरोप की मुद्रा
101. 'CRY' संगठन किस क्षेत्र में काम करता है ?
— उपेक्षित बच्चों का कल्याण
102. सम्पूर्ण क्रांति के प्रणेता और 'लोकनायक' के नाम से प्रसिद्ध महापुरुष थे
— जयप्रकाश नारायण
103. बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' के रचयिता कोन हैं ?
— रबीन्द्रनाथ टैगोर
104. शक-टिकट संग्रह के शीट को क्या कहते हैं ?
— फिलेटली (Philately)
105. इरडा (IRDA) किस क्षेत्र के व्यवसाय के विनियमक के रूप में कार्य करती है ?
— बीमा क्षेत्र के
106. 'भारतारल' और 'निखाने-पाकिस्तान' दोनों से सम्मानित होने वाले भारतीय हैं
— मोरारजी देसाई
107. लिटिल कॉर्पोरल (Little Corporal) के नाम से कोन प्रसिद्ध है ?
— नेपोलियन बोनापार्ट
108. 'Man of Blood and Iron' के नाम से कोन जाना जाता है ?
— ओटो वॉन बिस्मार्क
109. 'कलिंग पुरस्कार' संयुक्त राष्ट्र संघ की किस एजेन्सी द्वारा प्रदान किया जाता है ?
— यूनेस्को (UNESCO) द्वारा



सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

प्रश्न 1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 250 शब्दों में हों—

(क) आप शब्द 'नवाचार' से क्या समझते हैं? भारत में एक राष्ट्रीय नवाचार नीति का प्रवर्तन करने की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए.

(ख) देश के कुल अगवत में अनीप-चारिक क्षेत्रों के अंश को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए प्रासंगिक समादेशी उपायों और उनकी प्रभाविता का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए.

(ग) भारत में 'मरुस्थलीकरण' (Desertification) के कारणों और उसके विस्तार का परीक्षण कीजिए और उचित उपाय भी सुझाइए.

(घ) देश में एंडोसल्फान पर प्रतिबंध लगाने की बढ़ती हुई माँगों के संदर्भ में, शामिल मुद्दों का समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए. आपके विचार में, इस मामले में क्या किया जाना चाहिए?

(ङ) "भारत का स्वतंत्रता आंदोलन, एक जन-आधारित आंदोलन था, जिसमें समाज के विभिन्न वर्ग सम्मिलित थे. इसमें निरंतर वैचारिक विकास का प्रक्रम भी चला था." समालोचनापूर्वक परीक्षण कीजिए.

(च) देश में बाघ आरक्षित वनों के आंतरिक क्षेत्रों में पर्यटन का मुरा वाद-विवाद का विषय है. हाल के प्रासंगिक न्यायिक निर्णयों को ध्यान में रखते हुए, इस मुद्दे के विभिन्न पक्षों का समालोचना-पूर्वक परीक्षण कीजिए.

उत्तर—



मानव स्वास्थ्य पर विपक्ष वसाओं के क्या
निहितार्थ हैं ?

उत्तर —

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से किन्हीं
सात के उत्तर दीजिए, जहाँ प्रत्येक लगभग
150 शब्दों में हो—

(क) "योजना आयोग के लिए, 12वीं
योजना प्रलेख में स्वास्थ्य पर अध्याय को
संशोधित करने की तुरन्त आवश्यकता
है." टिप्पणी कीजिए,

(ख) हाल ही में, संघ मंत्रिमंडल ने
बालक श्रम (प्रतिषेध और विनियमन)
अधिनियम, 1986 का नाम परिवर्तन करने
और संशोधन करने के प्रस्ताव को मंजूरी
दी थी. प्रस्तावित संशोधनों के प्रमुख
अभिलक्षण क्या हैं ?

(ग) "घरेलू संसाधनों को जुटाव,
यद्यपि भारत की आर्थिक संवृद्धि के प्रक्रम
के लिए केन्द्रीय है, तथापि इसमें अनेक
बाध्याएँ उसका स्वलक्षण है." स्पष्ट
कीजिए.

(घ) भारतीय कला में 'बीसुरी-वादक
कृष्ण' विषय अत्यंत लोकप्रिय है. चर्चा
कीजिए.

(ङ) दिसम्बर, 2011 में लोक सभा में
पेश किए गए उपभोक्ता संरक्षण (संशोधन)
विधेयक, 2011 के प्रमुख अभिलक्षण क्या
हैं ?

(च) आप शब्द "बहु-औषध प्रतिरोधी
यक्ष्मा" (एम.डी.आर.-टी.बी.) से क्या
समझते हैं. उसके परिरोधन के लिए, आप
किन उपायों की पैरवी करेंगे और समुदाय
में इसका फैलाव हो जाने के क्या निहितार्थ
हैं ?

(छ) विकास की त्वरित गति एवं
ऊर्जा की माँग की स्थिति में, क्या आप
भारत के भविष्य के लिए एक व्यवहार्य
विकल्प के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा
(रिन्यूएबल एनर्जी) पर विचार करेंगे ?

(ज) अनेक खाद्य वस्तुओं में 'विपक्ष
वसाएँ' (ट्रांस फैट्स) होती हैं, आप इस
शब्द से क्या समझते हैं ? कौनसे भारतीय
पदार्थों में 'विपक्ष वसाएँ' होती हैं ?



प्रश्न 3. निम्नलिखित के उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 50 शब्दों में हो—

(क) 'पारिवारिक महिला शोक अदालत' क्या है ?

(ख) राष्ट्रीय विनिर्माण नीति (एन.एम.पी.), 2011 के मुख्य उद्देश्यों की सूची तैयार कीजिए.

(ग) भारतीय रसायन के इतिहास के अध्ययन में 'सरस्वाती' के महत्व पर टिप्पणी कीजिए.

(घ) भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 की परिधि में कौन-कौनसे अधिकार शामिल हैं ?

(ङ) सूचना का अधिकार अधिनियम में शामिल उद्देशिका के महत्व पर टिप्पणी कीजिए.

(च) मोहिनी गिरि समिति की एक कुंजी सफाई के कार्यान्वयन के लिए, सरकार ने हाल में एक राष्ट्रीय परिषद् के गठन की घोषणा की है. इस राष्ट्रीय परिषद् के संघटन एवं अधिदेश पर प्रकाश डालिए.

(छ) पुस्तकालयों पर राष्ट्रीय मिशन (एन.एम.एल.) के हाल के आरंभ पर टिप्पणी कीजिए.

(ज) भारत में वाद्य यंत्रों को पारम्परिक रूप से किन समूहों में वर्गीकृत किया जाता रहा है ?

(झ) पारसी-धर्म में अग्नि के महत्व पर टिप्पणी कीजिए.

(ञ) क्या कारण है कि लोरी वेकर को 'भारतीय वास्तुकला की अंतर्द्वेषिता का रक्षक' कहा जाता है ?



प्रश्न 4. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 20 शब्दों में टिप्पणी कीजिए—

(क) भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में पथरघाट का महत्व

(ख) बगुसबा लोक नृत्य

(ग) भारतीय राष्ट्रपति चुनावों में राज्य विधान सभा के सदस्य और संसद के सदस्य के वोट पर नियम 'मूल्य' का निर्धारण करना

(घ) 'इसरो' के लिए स्पॉट-6 रॉकेट प्रक्षेपण का महत्व

(ङ) पाल्गुमी साइनाथ के कार्य के माध्यम से उज्जगर हुए गुरे

उत्तर—

प्रश्न 5. निम्नलिखित हाल में खबरों में कौन रहे हैं ? (उत्तर केवल एक वाक्य में)

(क) पी. वी. सिंह

(ख) आदित्य कुमार बंदी

(ग) साइरस मिस्त्री

(घ) अशोक सेन

(ङ) मारियो डि मिरांडा

उत्तर—

तीनों ही स्तरों पर उपभोक्ता शिकायतों का कम्प्यूटरीकृत क्रिया गया है.

सुझाव

● उपभोक्ताओं को ध्यान में रखना चाहिए कि जो वस्तु, माल अथवा औषधि वह खरीद रहा है, वह कालातीत न हो चुकी हो.

● स्वयंसेवी संस्थाओं को भी उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण हेतु आगे आना चाहिए. उपभोक्ता विवाद निवारण एजेंसियाँ द्वारा दिए गए निर्णयों, आदेशों का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए.

● उपभोक्ताओं को वारंटी/गारंटी कार्ड लेना चाहिए जिस पर विक्रेता द्वारा आवश्यक नंबर लगाई गई हो तथा उस पर वस्तु खरीदने की तारीख व विक्रेता के हस्ताक्षर अवश्य हों. यह भी एक प्रकार का साक्ष्य है. इससे परिवादी के निस्कारण में सुविधा हो जाती है.

● जब भी उपभोक्ता बाजार से माल या वस्तु खरीदें तब यह देख लें कि वस्तु उनके उपयोग की है या नहीं. विक्रेताओं पर भरोसा नहीं करें.

● उपभोक्ता क्रय किए गए सामान की रश्रीद/कैश में भी अवश्य प्राप्त करें. तबकि ऐसी वस्तु या सेवा में कमी पाए जाने पर पीड़ित उपभोक्ता वस्तु का सेवा प्रदाताओं के खिलाफ उपभोक्ता अदालत में जा सकें. इन प्रदाताओं में दुकानदार व व्यापारिक प्रतिष्ठानों से लेकर सभी उत्पाद कम्पनियाँ तथा सेवा प्रदाताओं, जैसे डाक विभाग, दूरसंचार, बीमा कम्पनियाँ, स्वास्थ्य सेवा, परिवहन विभाग, रेल विभाग, आदि भी शामिल हैं.

● छूटे व भ्रमक विज्ञापनों से उपभोक्ता सावधान रहें.

नियम

इस प्रकार से उपभोक्ता संरक्षण कानून उपभोक्ताओं को न्यायिक व किरोबाधिकार संरक्षण प्रदान करता है. परिणाम यह है कि उपभोक्ताओं में अपने अधिकारों के प्रति लड़ने का जण्घ भी पैदा हुआ है. पीड़ित उपभोक्ता न्याय पाने के लिए उपभोक्ता अदालतों का दरवाजा खटखटाने लगे हैं. उपभोक्ताओं व व्यवसायियों के बीच विरवास्त-पूर्ण सम्बन्ध बनाने की दिशा में यह एक सक्रिय प्रयास है. परन्तु अभी इस दिशा में सरकारी प्रयासों को प्रभावी व सक्षम बनाने की आवश्यकता है. साथ ही उपभोक्ताओं को भी अपने अधिकारों के प्रति जागरूक व सजग होना पड़ेगा. तभी वैश्वीकरण के दौर में वह दोखाधड़ी, शोषण व जालसाजी से बच सकता है. ●●●

शेष पृष्ठ 93 का

कॉन्फोनेट योजना (Confonet Scheme)

मार्च 2005 में भारत सरकार की ओर से 'कम्प्यूटराइजेशन एण्ड कम्प्यूटर नेट-वर्किंग ऑफ कन्स्यूमर फोरम (Confonet Scheme)' नामक एक योजना लागू की गई जिसके अन्तर्गत जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय

सामान्य जानकारी

- निम्नलिखित में से क्या न्यूटन के रंग चक्रीका परीक्षण की कार्य प्रणाली के लिए उत्तरदायी है ?
(A) विद्युद्ध स्पेक्ट्रम के निर्माण
(B) अशुद्ध स्पेक्ट्रम के निर्माण
(C) दृष्टि के स्थायित्व
(D) पुरक रंग के सिद्धान्त
- विना MLT^{-2} किसके अनुरूप है ?
(A) बल (B) किए गए कार्य
(C) त्वरण (D) वेग
- विकिरण के प्रमात्रा सिद्धान्त के संस्थापक कौन हैं ?
(A) आइंस्टाइन (B) बोर्
(C) प्लैंक (D) एस.एन. बोस
- संचार में प्रयुक्त फाइबर ऑप्टिक केबल किस सिद्धांत पर कार्य करता है ?
(A) प्रकाश के निम्नलिखित परावर्तन
(B) प्रकाश के विकीर्ण परावर्तन
(C) प्रकाश के अपवर्तन
(D) प्रकाश के पूर्ण आन्तरिक परावर्तन
- गुरे स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में निर्मित प्रथम इलेक्ट्रॉनिक कम्प्यूटर कौनसा था ?
(A) EO VAC (B) ONIVAC
(C) ENIAC (D) EDSAC
- इंटरनेट द्वारा निम्नलिखित में से किस मानक प्रोटोकॉल का सर्वाधिक प्रयोग किया जाता है ?
(A) HTTP (B) TCP/IP
(C) SMTP (D) SLIP
- अधिकांश क्वांटमिती की बाइरी त्वचा किस कार्यावाहक से बनी होती है ?
(A) सेलुलोज (B) गैलेक्टोज
(C) काइटिन (D) स्टार्च
- रटर्नलॉर्ड के प्रकीर्णन परीक्षण में किस की मौजूदगी को सिद्ध किया ?
(A) सनी परावर्तक में परमाणु
(B) परमाणुओं में इलेक्ट्रॉन
(C) परमाणुओं में न्यूट्रॉन
(D) परमाणुओं में न्यूक्लियस
- जब किसी धातु को लपट पर गर्म किया जाता है तो इलेक्ट्रॉन ऊर्जा को अवशोषित कर लेते हैं और उच्चतर ऊर्जा स्थिति की ओर छलांग लगाते हैं, वे प्रकाश का उत्सर्जन करते हैं, जिसे हम किसने देख सकते हैं ?
(A) रमन स्पेक्ट्रम
(B) अवशोषण स्पेक्ट्रम
(C) उत्सर्जन स्पेक्ट्रम
(D) फ्लोरोसेंस
- रक्तचाप किसका अधिक साव होने से बढ़ सकता है ?
(A) मायलोकलाइन
(B) टेस्टोस्टेरोन
(C) एस्ट्रोजिन
(D) एस्ट्रॉल
- 'डीन हावस गैस' की अवधारणा किसकी थी ?
(A) जॉसेफ एडरिंगर
(B) अब्दुल कलाम
(C) एम. एस. स्वामिनयन
(D) रिचर्ड फाल्मन
- 'भोपाल गैस त्रासदी 1984' किससे सम्बन्धित है ?
(A) एलुमिनियम फॉस्फाइड
(B) मीथिल आइसोसायनाइट
(C) मीथिल आइसोसायनाइट
(D) कार्बन डाइ-ऑक्साइड
- प्रदूषित वातावरण से छेड़े गए विशिष्ट पदार्थ को प्रायः किस प्रक्रिया के दौरान फिल्टर किया जाता है ?
(A) खोसने
(B) छींकने
(C) (A) और (B) दोनों
(D) मूत्र त्याग
- शारस कहीं का राज्य पक्षी है ?
(A) राजस्थान
(B) उत्तर प्रदेश
(C) मध्य प्रदेश
(D) पश्चिम बंगाल
- 21 नवम्बर, 2012 को टॉंगेरिया ज्वालामुखी किस देश में फूटा ?
(A) आस्ट्रेलिया
(B) इण्डोनेशिया
(C) पापुआ न्यू गायना
(D) न्यूजीलैंड
- डाओपेंग येडिंग एयरपोर्ट कहाँ स्थित है ?
(A) ब्याङ्गलोर (B) फिलीपीन्स
(C) चीन (D) तिब्बत
- बीसीसीआई ने किसे 'वर्ष 2011-12 का भारतीय क्रिकेटर' सम्मानित करने के लिए नामित किया ?
(A) सुनील गावस्कर
(B) वीवीएस लक्ष्मण
(C) विराट कोहली
(D) युवराज
- 'शहीदी दिवस' कब मनाया जाता है ?
(A) 1 जनवरी (B) 15 जनवरी
(C) 30 जनवरी (D) 9 जनवरी
- विश्व केमन देवियनशिप वर्ष 2012 में किसने जीती ?
(A) रॉस कुमारी
(B) नीतबाई चानू
(C) निशान्त कुर्नडो
(D) नुतकी प्रियंका
- निम्नलिखित में से कौनसा पशु नमक का सबसे अधिक सेवन करता है ?
(A) भेड़ (B) ऊँट
(C) गधा (D) कुत्ता
- निम्नलिखित में से कौनसा एयरपोर्ट केबल घरेलू एयरपोर्ट है ?
(A) लाहौर एयरपोर्ट, गोवा
(B) बीनगर एयरपोर्ट
(C) देवी अहिल्याबाई होल्कर एयरपोर्ट
(D) इनमें से कोई नहीं
- कृषि से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में अंशदान के सम्बन्ध में सही विकल्प चुनिए—
(A) वर्ष 1950-51 में (जीडीपी 51-88%) और 2011-12 में (जीडीपी 14-01%)
(B) वर्ष 1950-51 में (जीडीपी 11-00%) और 2011-12 में (जीडीपी 25%)
(C) वर्ष 1990-91 में (जीडीपी 29-53%) और 2011-12 में (जीडीपी 66-77%)
(D) वर्ष 1980-81 में (जीडीपी 35-69%) और 2011-12 में (जीडीपी 20-69%)
- दूसरी भारतीय-अफ्रीकी कोरम समिति-2011 कहाँ आयोजित हुई थी ?
(A) इरिट्रिया (B) इथियोपिया
(C) सूडान (D) नाइजीरिया

24. औरंगजेब की मृत्यु कहाँ हुई थी ?
(A) पुणे
(B) औरंगबाद
(C) अहमद नगर
(D) मुम्बई
25. अधिकतम सामाजिक लाभ सिद्धान्त किसका बुनियादी सिद्धान्त है ?
(A) सुष्म अर्थशास्त्र
(B) वुडन अर्थशास्त्र
(C) राजकीय अर्थशास्त्र
(D) पार्यावरणीय अर्थशास्त्र
26. निम्नलिखित में से कौनसी पंचवर्षीय योजना सही नहीं है ?
(A) प्रथम 1951-56
(B) द्वितीय 1956-61
(C) तृतीय 1961-66
(D) चतुर्थ 1966-71
27. मनुष्य की ध्वनि (शोर) की समान्य एवं अधिकतम सहिष्णुता सीमा कितनी होती है ?
(A) 50 से 70 डेसिबल
(B) 60 से 80 डेसिबल
(C) 65 से 75 डेसिबल
(D) 70 से 85 डेसिबल
28. आर्थिक सिद्धान्त क्या है ?
(A) अभिगृहीत
(B) प्रस्थापना
(C) प्राकल्पना
(D) परीक्षित प्राकल्पना
29. भारतीय विशेष आर्थिक नियम संशोधन किसे वर्ष हुआ ?
(A) 2000 (B) 2002
(C) 2004 (D) 2006
30. भारतीय संविधान में नागरिकता के प्रावधान क्या लागू हुए ?
(A) 1950 (B) 1949
(C) 1951 (D) 1952
31. बलराम भाई पटेल को 'सरदार' की पदवी किसने दी ?
(A) महात्मा गांधी
(B) विनोबा भावे
(C) बरदोल्लाई की महिलाएं
(D) गुजरात के किसान
32. मार्क्स के अनुसार मूल्य का स्रोत क्या है ?
(A) पूँजी
(B) भूमि
(C) श्रम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
33. भारत में बाहरी आक्रमण अथवा सशस्त्र विद्रोह के कारण भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा किसके अन्तर्गत की गई ?
(A) अनुच्छेद-352
(B) अनुच्छेद-356
(C) अनुच्छेद-360
(D) अनुच्छेद-368
34. साप्ताहिक विकास कार्यक्रम का प्रारम्भ किस वर्ष किया गया ?
(A) 1950 (B) 1952
(C) 1951 (D) 1953
35. सन् 1923 में नागपुर में कौनसा सत्याग्रह हुआ ?
(A) नमक सत्याग्रह
(B) व्यक्तिगत सत्याग्रह
(C) किसान सत्याग्रह
(D) प्लात सत्याग्रह
36. निम्नलिखित में से कौनसा सम्प्रदाय बौद्ध धर्म का नहीं है ?
(A) मल्लयान (B) झेनयान
(C) विजयम्बर (D) थेरावाद
37. जिस समय दिल्ली ब्रिटिश भारत की राजधानी बनी उस समय कायसराय कोन था ?
(A) लॉर्ड कर्जन
(B) लॉर्ड मिंटो
(C) लॉर्ड हार्डिंग
(D) लॉर्ड वेवेल
38. सन् 1936 में भारतीय नागरिक स्वतन्त्रता शंघ की स्थापना किसने की ?
(A) सुभाष चन्द्र बोस
(B) बाल गंगाधर तिलक
(C) जवाहर लाल नेहरू
(D) राजेन्द्र प्रसाद
39. निम्नलिखित में से किस विश्वविद्यालय की स्थापना पहले की गई थी ?
(A) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय
(B) बोम्बे यूनिवर्सिटी
(C) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
(D) इलाहाबाद विश्वविद्यालय
40. 'वोल्गाहट' क्या है ?
(A) नदी (B) नोटी
(C) झरना (D) बौध
41. प्रथम भारतीय उपग्रह 'आर्यभट्ट' किस वर्ष छोड़ा गया ?
(A) 1972 (B) 1975
(C) 1977 (D) 1979
42. तट आधारित दुस्वार्थ संयंत्र कहाँ स्थित है ?
(A) तुर्कीकोरिन
(B) सलेम
(C) विशाखापट्टनम
(D) मंगलूर
43. निम्नलिखित में से कौनसे दो शहर उत्तर-पश्चिम कोरिडोर से जुड़े हुए हैं ?
(A) श्रीनगर और कन्याकुमारी
(B) मुम्बई और चेन्नई
(C) अमृतसर और कोलकाता
(D) हैदराबाद और भोपाल
44. भूमिगत जल के प्रवाह के साथ नीचे की ओर बहने वाले प्रदूषकों को क्या कहते हैं ?
(A) निमालक
(B) प्रदूषक
(C) मिश्री के कण
(D) झाब
45. फेफड़े कहाँ स्थित होते हैं ?
(A) उदरीय गुहिका
(B) हृदयावरणीय गुहिका
(C) उदरावरणीय गुहिका
(D) पुच्छासावरणीय गुहिका
46. नवजात बच्चों के लिए सबसे आदर्श भोजन निम्नलिखित में से क्या है ?
(A) पानी (B) घीनी
(C) शहद (D) दूध
47. अनुलेखन का अर्थ किसका संरलेखन है ?
(A) लिपिद (B) प्रोटीन
(C) डीएनए (D) आरएनए
48. हाइड्रोक्लोरिक अम्ल किसकी कोशिकाओं से स्रावित होता है ?
(A) मुख कोटर (B) पेट
(C) इलियम (D) कोलोन
49. पावसीकरण क्या है ?
(A) कसा को छोटी-छोटी गोशिकाओं में भक्षित करना
(B) कसा का पाचन
(C) कसा का अवशोषण
(D) कसा का संग्रहण
50. बर्गीकरण विज्ञान किससे सम्बन्धित विज्ञान है ?
(A) आकृति-विज्ञान
(B) खरीर-रचना विज्ञान
(C) दमकीकरण
(D) आर्थिक प्रयोग

शेष पृष्ठ 96 का

इसके लिए नियमित सम्पर्क, बैठकें तथा उच्च स्तर पर विचार-विमर्श जारी रखना चाहिए।

भारत को हमेशा ध्यान देना चाहिए कि वह भूटान को चीन के बढ़ते दबाव की ओर झुकने से बचाए रखे तथा इसके लिए उसे भूटान की आवश्यकताओं तथा आकांक्षाओं में सामंजस्य स्थापित करे। चीन भूटान के साथ सीमा निर्धारण के लिए बातचीत द्वारा समस्याओं को प्रयत्न कर रहा है। वह इस समस्या में ऐसे अनुबंध शामिल करने का प्रयत्न कर सकता है जो भारत के विरुद्ध हो सकते हैं तथा भारत-चीन विवाद में चीन के पक्ष में उद्धृत किए जा सकते हैं। भारत को भूटान के साथ सम्बन्धों में चीन की भूमिका को सीमित ही रखना चाहिए। चीन ऐसा प्रयत्न कर सकता है कि भूटान के साथ सम्बन्धों में उसे भारत से अधिक समकक्ष महत्व मिल जाए। भारतीय कूटनीतिज्ञों को इसके प्रति सावधान रहना चाहिए। इसका यह लक्ष्य होना चाहिए कि भारत भूटान के सहयोग के प्रत्येक क्षेत्र में उच्च स्तर के सम्बन्ध स्थापित हो और इसमें निरन्तर प्रगति हो। भूटान के आधुनिकीकरण तथा विकास में भारत भरपूर सहायता दे रहा है तथा मध्यिम में ऐसा करने के लिए वयनबद्ध भी है। भूटान भी भारत के साथ अपने सम्बन्धों को अधिक से अधिक महत्व प्रदान करता रहा है। आशा है दोनों देशों के राज नेता समय-समय पर नियमित रूप में एक-दूसरे देशों की यात्रा करके भारत भूटान सम्बन्धों को और अधिक शक्ति देने का प्रयत्न करते रहेंगे।

निष्कर्षतः राजनीतिक एवं आर्थिक रूप से भारत व भूटान के बीच द्धन मित्रतापूर्ण सम्बन्ध रहे हैं। भारत ने जहाँ भूटान के आर्थिक विकास एवं आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, वहीं भूटान ने भी सार्वजनिक व सुरक्षा की दृष्टि से भारत के साथ सहयोग की भावना का प्रदर्शन किया है। भारत ने जहाँ एक ओर भूटान को अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तिता व पहचान प्राप्त करने में मदद की है, वहीं दूसरी ओर सभी अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भूटान का साथ दिया

है। यद्यपि दोनों के सम्बन्धों का मूल आधार आज भी 1949 की मित्रता व सहयोग की संधि ही है। तथापि परिपक्व राजनैतिक सम्बन्धों तथा महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग ने इन्हें मित्रता की पराकाष्ठा पर पहुँचा दिया है। इन दोनों के मित्रतापूर्ण सम्बन्धों ने भारत सम्बन्धों को आदर्श श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया है। आज भूटान राजशाही से निकलकर लोकतांत्रिक प्रणाली मजबूत करने में लगा है जो भारत-भूटान सम्बन्धों को भावी भविष्य में नए आयाम प्रदान करने में सक्षम होगा।

शेष पृष्ठ 104 का

47. प्रसिद्ध कैला देवी मेला कहीं आयोजित होता है ?
(A) धौलपुर
(B) सर्बाई नाथपुर
(C) करौली
(D) हिण्डोल
48. प्रसिद्ध चौरासी खम्भों की छतरी कहाँ स्थित है ?
(A) जयपुर (B) कोटा
(C) झालावाड़ (D) बूंदी
49. राजस्थान का वह जिला, जो विश्व का अद्वितीय पक्षी अभयारण्य है एवं जल पक्षियों का स्वर्ग है—
(A) उदयपुर (B) जैसलमेर
(C) अजमेर (D) मरवापुर
50. जनगणना 2011 के अंतिम आँकड़ों के अनुसार राजस्थान में कुल सक्षरता का प्रतिशत है—
(A) 66-1 प्रतिशत
(B) 86-2 प्रतिशत
(C) 75-8 प्रतिशत
(D) 61-8 प्रतिशत

उत्तरमाला



सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

- निम्नलिखित में से कौन सुमेरित नहीं है ?
(A) बोलोविपा - टिन
(B) ब्राजील - लोह अयस्क
(C) मैक्सिको - चांदी
(D) पेरू - नइट्रेट
- सूची-I को सूची-II से सुमेरित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गये कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
सूची-I (कोयला क्षेत्र)
(a) बोनेट्स
(b) कुजनेट्सक
(c) लंकासायर
(d) सार
सूची-II (देश)
(1) जर्मनी
(2) यू.के.
(3) रूस
(4) यूक्रेन
कूट :
(a) 1 2 3 4
(B) 4 3 2 1
(C) 3 4 1 2
(D) 1 3 2 4
- किस देश में उसके भौगोलिक क्षेत्र का उच्चतम प्रतिशत बनायादि है ?
(A) चीन (B) भारत
(C) इण्डोनेशिया (D) जापान
- जहाँ चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर नवम्बर 2010 में एक बंध निर्माण करना प्रारम्भ किया है, वह स्थान है—
(A) बंगद्यू (B) जौनमक
(C) जुआंग (D) म्यांगसी
- सूची-I को सूची-II में सुमेरित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गये कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
सूची-I (उद्योग) (a) एल्युमिनियम
(b) लौह
(c) जस्ता
(d) लुट
सूची-II (केंद्र) (1. मालाजखंड
(2) दुर्ग
(3) जे. के. नगर
(4) भाटपाड़ा
कूट :
(a) 3 1 4 2
(B) 3 1 2 4
(C) 1 4 2 3
(D) 1 2 3 4
- रामसेतु (Adam's Bridge) शुरू झोत है—
(A) मनुष्कादि से
(B) मण्डपम् से
(C) पम्पन से
(D) रामेश्वरम् से
- निम्नलिखित में से कौनसा देश अपने कुल निर्यात से प्राप्त धन का लगभग दो-तिहाई चावल के व्यापार से प्राप्त करता है ?
(A) जापान (B) थाइलैण्ड
(C) म्यांमार (D) इण्डोनेशिया
- विश्व में कुल कहवा (Coffee) उत्पादन के प्रतिशत की दृष्टि से शीर्षस्थ देश है—
(A) कोलम्बिया (B) ब्राजील
(C) भारत (D) इथियोपिया
- निम्नलिखित संघ शामिल राष्ट्रों में स्वी साक्षरता 2011 की जनगणना के अनुसार उच्चतम है—
(A) पुदुचेरी
(B) चण्डीगढ़
(C) दमन एवं दीव
(D) लकादीप
- एक दन्त चिकित्सक द्वारा रोगी के दाँतों की जाँच के लिए प्रयुक्त दर्पण है—
(A) अवतल (Concave)
(B) उत्तल (Convex)
(C) समतल (Plane)
(D) बेलनाकार (Cylindrical)
- बिनायर (Wireless) संचार पृथ्वी की सतह को निम्नांकित द्वारा परावर्तित किता जाता है ?
(A) शीम मंडल (Troposphere)
(B) समताप मंडल (Stratosphere)
(C) आयन मंडल (Ionosphere)
(D) बहिर्मंडल (Exosphere)
- निम्नलिखित देशों को उनके नाविकीय शक्ति संयंत्रों की संख्या के अवरोही क्रम में व्यवस्थित कीजिए और सही उत्तर का चयन नीचे दिए गए कूट से कीजिए—
1. फ्रांस
- जापान
- रूस
- संयुक्त राज्य अमेरिका (यू.एस.ए.)
- कूट :
(A) 3, 4, 2, 1 (B) 3, 1, 4, 2
(C) 4, 1, 2, 3 (D) 4, 3, 2, 1
- सूची-I को सूची-II से सुमेरित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
सूची-I (नदी) (a) कोलारेदो
(b) दामोदर
(c) गीत
(d) जाम्बेजी
सूची-II (गंध) (1. अस्वान
(2. कैरीबा
(3. पंचेत हिल
(4. हुवर
कूट :
(a) 1 2 3 4
(B) 1 3 4 2
(C) 3 4 1 2
(D) 4 3 1 2
- किस स्तर (डेसीबल में) से अधिक की ध्वनि खतरनाक (Hazardous) ध्वनि प्रदूषण कहलाता है ?
(A) 30 dB (B) 40 dB
(C) 60 dB (D) 80 dB
- टेलीविजन के दूरस्थ नियंत्रण के लिए किस प्रकार के विद्युत चुम्बकीय विकिरण का उपयोग किया जाता है ?
(A) अवरक्त (Infrared)
(B) पराबैंगनी (Ultra-violet)
(C) दृश्य (Visible)
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- बायुमंडल में उपस्थित ओजोन द्वारा निम्नलिखित विकिरण अवशोषित किया जाता है—
(A) अवरक्त (Infrared)
(B) दृश्य (Visible)
(C) पराबैंगनी (Ultra-violet)
(D) सूक्ष्म तरंग (Microwave)
- पेने के पानी को शुद्ध करने के लिए निम्नलिखित गैसों में से किस प्रयोग में लाया जाता है ?
(A) सल्फर डाइऑक्साइड
(B) क्लोरीन
(C) फ्लोरीन
(D) कार्बन डाइऑक्साइड
- इसरो का 100वाँ स्पेल मिशन सितम्बर 2012 में कहां से छोड़ा गया ?
(A) श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)
(B) महेन्द्र गिरि (तमिलनाडु)

- (C) बुम्बा (सिडवनातपुरम)
(D) बंगलुरु (कर्नाटक)
19. सितम्बर 2012 के अन्त में भारत ने सफलतापूर्वक अपने सर्वाधिक भार वाले संचार उपग्रह का प्रक्षेपण किया, जिसका नाम है—
(A) OCEANSAT (IRS-P₂)
(B) LANDSAT-10
(C) GSAT-10
(D) SPOT
20. 2-4 मार्च, 2013 को उत्तर प्रदेश विज्ञान कांग्रेस आयोजित की गई—
(A) काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, बाराणसी में
(B) लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में
(C) रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली में
(D) डी डी यू गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में
21. एक निश्चित आकृति में व्यवस्थित ताराओं का समूह, कहलाता है—
(A) आकाश गंगा (Milky way)
(B) नक्षत्र (Constellation)
(C) एन्ड्रोमीडा (Andromeda)
(D) सौर मण्डल (Solar system)
22. प्रशीतन (Refrigeration) खाद्य परिष्कार में मदद करता है—
(A) जीवाणुओं को मार कर
(B) जैव-रासायनिक अभिक्रियाओं की दर कम करके
(C) एन्जाइम क्रिया नष्ट करके
(D) खाद्य पदार्थों को बर्क की परत से ढक कर
23. भौतिकी में 2012 का नोबेल पुरस्कार, संयुक्त रूप से फ्रांस के एक वैज्ञानिक और अमेरिका के एक वैज्ञानिक को किस क्षेत्र में उनके शोध के लिए प्रदान किया गया है ?
(A) स्पेक्ट्रोस्कोपी
(B) इलेक्ट्रोस्कोपी
(C) क्वाण्टम भौतिकी
(D) खगोल भौतिकी
24. एक हासिया समाचार (मार्च 2013) के अनुसार भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेंसी, नासा ने निम्नलिखित में से कौनसे वैज्ञानिक प्रयासों में सहयोग के लिए एक कार्यकारी समूह बनाने की सहमति जताई है ?
(A) माथी चन्द्र एवं मंगल मिशन
(B) मौसम विज्ञान तथा अन्तरिक्ष में खोज
(C) ग्रह एवं सूर्य से सम्बन्धित भौतिकी
(D) उपयुक्त सभी
25. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और श्रुतियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए—
सूची-I
(a) क्युरिऑसिटी रोवर
(b) मैसेन्जर
(c) ससतम-1
(d) आकाश-2
सूची-II
1. टेबलेट
2. डी.आर.डी.ओं. का मानव रहित वायुयान
3. यू.एस.ए. का मंगल ग्रह अन्वेषी अन्तरिक्ष यान
4. नासा का बुध ग्रह अन्वेषी अन्तरिक्ष यान
- कूट :**
(a) (b) (c) (d)
(A) 3 4 2 1
(B) 4 3 2 1
(C) 3 4 1 2
(D) 1 2 3 4
26. 29 मार्च, 2013 को एक रूसी अन्तरिक्ष यान ने अन्तर्राष्ट्रीय अन्तरिक्ष स्टेशन (ISS) पर मात्र 6 घण्टे में पहुँच कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया, जबकि इसके पूर्व अन्तरिक्ष यान ISS पर पहुँचने में दो से तीन दिन का समय लिया करते थे. यह अन्तरिक्ष यान कौनसा है ?
(A) स्पूतनिक-II (B) सैयूज
(C) जेन्ड (D) वेनरा
27. उत्तर प्रदेश में एक 'बम्बर सैर सफारी' (Lion Safari) स्थापित किया जा रहा है—
(A) बलरामपुर में
(B) इटावा में
(C) महाराजगंज में
(D) पीलीभीत में
28. फरवरी-मार्च 2013 में सम्पन्न भारत-आस्ट्रेलिया टेस्ट श्रृंखला में 'मैन ऑफ़ द सीरीज' किस घोषित किया गया ?
(A) वेलेस्लेर पुजारा को
(B) एम.एस. धोनी को
(C) रविन्द्र जडेजा को
(D) आर. अश्विन को
29. फरवरी 2013 में सम्पन्न आई सी सी. 'महिला विश्व कप' का विजेता ब्—
(A) आस्ट्रेलिया (B) इंग्लैण्ड
(C) न्यूजीलैण्ड (D) वेस्टइंडीज
30. 18 मार्च, 2013 को आयोजित 60वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में किस सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया ?
(A) खोली अहलुवालिया को
(B) रानी मुखर्जी को
(C) श्रुतीका को
(D) उषा जाधव को
31. भारत द्वारा ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल के किस संस्करण का मार्च 2013 में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया ?
(A) वायुयान संस्करण (Aircraft version)
(B) पोत संस्करण (Ship version)
(C) भूमि संस्करण (Land version)
(D) पनडुब्बी संस्करण (Submarine version)
32. अक्टूबर 2012 में किस सम्मेलन में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन शिंह ने 'डेडवुडवाद प्रतिज्ञा' पंच करोड़ डॉलर खर्च करने के लिए घोषित किया ?
(A) जैवविविधता पर सम्मेलन में
(B) जनसंख्या नियंत्रण पर सम्मेलन में
(C) एच. आई. वी. निराकरण पर सम्मेलन में
(D) उपयुक्त में से कोई नहीं
33. प्रोटीन की प्रचुरता वाले खाद्य पदार्थों में उपस्थित एमिनो अम्ल, टायरोसीन के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन एक सही नहीं है ?
(A) यह ऊर्जा के स्रोत को बढ़ाने में सहायता कर सकता है
(B) यह भावात्मक और पर्यावरणीय दबावों का सामना कर सकता है
(C) यह उदासी से लड़ सकता है
(D) यह बुद्धि के लिए उत्तरदायी गुणवत्ताओं को विकाश दे सकता है
34. नए पोप, फ्रांसिस प्रथम निवासी हैं—
(A) अर्जेंटीना के
(B) बोलिविया के
(C) ब्राजील के
(D) वेनेजुएला के
35. फरवरी 2013 में दक्षिण कोरिया की प्रथम महिला राष्ट्रपति निम्नलिखित में से कौन बनीं ?
(A) पार्क जॉन-सन
(B) पार्क ग्यून-हाई

- (C) कांग जी-बोन
(D) किम सुन-ज्वा
36. वर्ष 2015 में क्रिकेट विश्व कप आयोजित होगा—
(A) आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड में
(B) इंग्लैण्ड में
(C) दक्षिण अफ्रीका में
(D) वेस्टइंडीज में
37. उत्तर प्रदेश में आई.टी. सिटी की स्थापना की जा रही है—
(A) इलाहाबाद में
(B) कानपुर में
(C) लखनऊ में
(D) वाराणसी में
38. मार्च 2013 में क्रिकेट का विश्व सम्मेलन सम्पन्न हुआ—
(A) केपटाउन में
(B) हरबन में
(C) जोहान्सबर्ग में
(D) पिटोरिया में
39. 25 फरवरी, 2013 को श्रीहरिकोटा से भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन ने 'सरल' उपग्रह के अलावा अन्य देशों के छह और उपग्रहों को अन्तरिक्ष में प्रक्षेपित किया जिनकी (विदेशों) की संख्या है—
(A) 3 (B) 4
(C) 5 (D) 6
40. 20 जनवरी, 2013 को सम्पन्न, 58वें फिल्म फेयर समारोह में 'लाइफ टाइम एचीवमेंट' अवार्ड से नवाज गया—
(A) तर्जीव वस वोपड़ा को
(B) जीनात अमान को
(C) महेश भट्ट को
(D) चपर्युक्त में से कोई नहीं
41. निम्नलिखित में से किस अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी को वर्ष 2013 का यह भारतीय पुरस्कार प्रदान किया गया ?
(A) प्रवीन कुमार को
(B) मुकेशवर कुमार को
(C) सुरेश रेना को
(D) आर.पी. सिंह को
42. निम्नलिखित में से किस विदेशी उच्च पदाधिकारी ने अपने फरवरी 2013 के भारत दौरे के समय जलियाँवाला बाग का निरीक्षण किया ?
(A) कनाडा के प्रधानमंत्री
(B) आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री
(C) फ्रांस के राष्ट्रपति
(D) ब्रिटेन के प्रधानमंत्री
43. उत्तर प्रदेश सरकार ने 24 सितम्बर, 2012 को अपने कार्यालयों में उद्योगपतिगण एवं उद्योग संगठनों के सुलभ पहुँच के लिए पत्र (कार्ड) जारी करने का निर्णय लिया. इस कार्ड का नाम है—
(A) रुबत पत्र
(B) स्वर्ण पत्र
(C) प्लेटिनम पत्र
(D) उद्योग पत्र
44. निम्नलिखित में से किन राज्यों में मार्च 2013 में उच्च न्यायालय स्थापित किए गए हैं ?
1. अरुणाचल प्रदेश
2. मध्यप्रदेश
3. मिजोरम
4. त्रिपुरा
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) केवल 1 और 3 में
(B) केवल 2 और 4 में
(C) केवल 1, 2 और 3 में
(D) 1, 2, 3 और 4 में
45. निम्नलिखित में से किस देश के राष्ट्रपति विद्रोह के कारण मार्च 2013 में पलायन कर केमरून चले गए ?
(A) मध्य अफ्रीकी गणराज्य (सेन्दूल एफ्रिकन रिपब्लिक)
(B) चाड
(C) गैबन
(D) कांगो गणराज्य (रिपब्लिक ऑफ कांगो)
46. 12 मार्च, 2013 को मॉरिशस के 45वें स्वातंत्र्य दिवस समारोह में निम्नलिखित भारतीय पदाधिकारियों में से कौन विशिष्ट अतिथि था ?
(A) विदेशी मामलों के मंत्री
(B) राष्ट्रपति
(C) प्रधानमंत्री
(D) उपराष्ट्रपति
47. दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित द्वीप राष्ट्र जिसे 6 फरवरी, 2013 को आप मुकम्म से उड़ी सुनामी से भारी क्षति झेलना पड़ी, है—
(A) सोलोमन आइलैण्ड
(B) टुवालू
(C) मार्शल आइलैण्ड
(D) वानुआटु
48. पुस्तक 'तेन्दुलकर द क्रिकेटर ऑफ द सेन्सुरी' जिसका 20-3-2013 को दिल्ली में विमोचन किया गया, के लेखक हैं—
(A) कपिल देव
(B) विमल कुमार
(C) शेन वाटसन
(D) सुनील गावस्कर
49. मार्च 2013 में किस प्रतिष्ठित भारतीय पत्रकार को टाइम इन्टरनेशनल का सम्पादक नियुक्त किया गया है ?
(A) खीची घोष को
(B) फरीद ज़क़रिया को
(C) टुंकु वरदराजन को
(D) रंजित गुप्ता को
50. 2013 में, इलाहाबाद में सम्पन्न कुम्भ मेला में निम्नलिखित में से कौनसा दिन शाही स्नान (Royal Bath) के लिए निश्चित नहीं था ?
(A) वसन्त पंचमी
(B) महाशिवरात्रि
(C) मकर संक्रान्ति
(D) मोती अमावस्या
51. फरवरी 2013 में सम्पन्न 85वें एकदिवसी अन्तर्राष्ट्रीय समारोह में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड जीता—
(A) आर्मी ने
(B) लो मिज़ेरेबलस ने
(C) लक्ष्मण आफ पाई ने
(D) शिखर ने
52. निम्नलिखित में से किस 2013 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया ?
(A) आदि बी. गोदरेज
(B) डॉ. कनक रेलो
(C) डॉ. बी.के. शारस्वत
(D) प्रो. आर. नरसिम्हा
53. वास्तुकला में नोबेल पुरस्कार के समकक्ष माने जाने वाला 2013 का शिल्पकार वास्तुकला (Architecture) पुरस्कार, जिसकी घोषणा लॉस एंजेलिस में मार्च 2013 में की गई थी, किसने जीता ?
(A) रेजा मियांनो ने
(B) टाडाओ एण्डो ने
(C) टोयो हटो ने
(D) बांग लू ने
54. फरवरी 2013 में द हंग के स्थायी पंचाट न्यायालय (Permanent Court of Arbitration) द्वारा निम्नलिखित में से किस परियोजना के बारे में भारत के पक्ष में निर्णय दिया गया ?
(A) बगशिहार शक्ति परियोजना
(B) किशनगंगा जलविद्युत् परियोजना

- (C) सबलकॉट शक्ति परियोजना
(D) सखल जलविद्युत परियोजना

55. त्रिवेणी (Trilogy) जिसकी तीसरी पुस्तक 'द ओथ ऑफ वायुनाज' का विमोचन फरवरी 2013 में हुआ था, किसके द्वारा लिखी गई है ?

- (A) अनीश खिपाड़ी द्वारा
(B) आनन्द मोलकान्नन द्वारा
(C) अशोक बैकर द्वारा
(D) अरविन सांगी द्वारा

56. हाल ही में प्रदर्शित फिल्म 'काई पो छे' किस उपन्यास पर आधारित है ?

- (A) लश्कर पर
(B) द लविंग डॉल पर
(C) द स्टोरी ऑफ माई गैरज पर
(D) द 3 मिस्टेक्स ऑफ माई लाइव पर

57. निम्नलिखित में से कौन जयपुर साहित्य आयोजन (जनवरी 2013) में विवाद के केन्द्र में था ?

- (A) सलमान रुस्वी
(B) आशीष नन्दी
(C) तस्लीम नसरदीन
(D) अरविन्द अदीगा

58. हाल ही में आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निवेश पर भारतीय उद्योग मंत्री आनन्द बर्मा और होख सुबना बिल खल्लिद अल कास्सी ने किस समझौते पर हस्ताक्षर किए वह किस देश के साथ समझौते का द्योतक है ?

- (A) ईरान
(B) सऊदी अरब
(C) तुर्की
(D) संयुक्त अरब अमीरात

59. फरवरी 10, 2013 को कुम्भ के दौरान इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर हुए भीड़ हादसे की जाँच हेतु निम्नलिखित में से किसे नामित किया गया है ?

- (A) माननीय न्यायमूर्ति ओकरेश्वर भट्ट
(B) माननीय न्यायमूर्ति रवि एस. धवन
(C) माननीय न्यायमूर्ति बी.के. खन्ना
(D) माननीय न्यायमूर्ति ए.बी. श्रीवास्तव

60. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

- सूची-I (जैवमंडल सम्पदा)**
(a) नोकरेक
(b) मनस
(c) विहांग-दिबांग
(d) अगस्त्यमलाई

सूची-II (अवस्थिति)

1. केरल
2. असम
3. मेघालय
4. अरुणाचल प्रदेश

कूट :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 2 | 3 | 1 | 4 |
| (B) | 3 | 2 | 4 | 1 |
| (C) | 4 | 1 | 3 | 2 |
| (D) | 1 | 4 | 2 | 3 |

61. पूर्व सी.बी.आई. निदेशक अश्विनी कुमार हाल ही में राज्याल बने हैं—

- (A) असम के (B) बिहार के
(C) महाराष्ट्र के (D) नगालैंड के

62. किस देश के राजदूत हाल ही में इसलिए समाचार में थे, क्योंकि उन्होंने भारतीय सर्वोच्च न्यायालय में शपथ-पत्र देकर भी उसका अनुपालन चुनौति नहीं किया था ?

- (A) इटली के
(B) पुर्तगाल के
(C) श्रीलंका के
(D) संयुक्त राज्य अमेरिका के

63. निम्नलिखित में से कौनसी जैवविविधता (Biodiversity) के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण रणनीति है ?

- (A) जैवमंडल रिजर्व
(B) बायोलॉजिकल उद्यान
(C) राष्ट्रीय पार्क
(D) जंगली जन्तु अभयारण्य

64. पारिस्थितिक तंत्र (Ecosystem) के जैविक घटकों में कौन उत्पादक घटक है ?

- (A) गाय (B) मोर
(C) बाघ (D) हरे पौधे

65. कथन (A) : मरुस्थल शायद ऊर्जा उत्पादन के प्रभावकारी स्रोत हो सकते हैं.
कारण (R) : जितनी ऊर्जा मानव जाति एक वर्ष में उपभोग करती है, उससे अधिक ऊर्जा मरुस्थल छह घंटों में सूर्य से प्राप्त कर लेते हैं.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :

- (A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

- (C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

66. निम्नलिखित में से कौनसा गैस समूह 'ग्रीन हाउस प्रभाव' में योगदान देता है ?

- (A) अंगोनिया तथा ओजोन
(B) कार्बन मोनोक्साइड तथा सल्फर डाइऑक्साइड
(C) कार्बन टेट्राफ्लोराइड तथा नाइट्रस ऑक्साइड
(D) कार्बन डाइऑक्साइड तथा मीथेन

67. सर्वाधिक हवाई पारिस्थितिक तंत्र निम्नलिखित में से कौन है ?

- (A) मरुस्थल (Desert)
(B) पर्वत (Mountain)
(C) महासागर (Ocean)
(D) वन (Forest)

68. विपुल होने वाली प्रजातियाँ (Endangered species) की सूचीबद्धता होती है—

- (A) डेड स्टॉक बुक में
(B) रेड डाटा बुक में
(C) लाइव स्टॉक बुक में
(D) उपर्युक्त में से किसी में नहीं

69. 'इको मार्क' योजना 1991 में उप-मोडकों को ऐसे उत्पादों को खरीदने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु आरम्भ की गई जिनका पर्यावरणीय प्रभाव कम हानिकारक हो. निम्नलिखित उपभोक्ता उत्पादों में से कौनसा इस योजना के अन्तर्गत अधिसूचित नहीं है ?

- (A) साबुन एवं अपमार्जक (Detergents)
(B) कागज एवं प्लास्टिक
(C) सौन्दर्य प्रसाधन एवं ऐरोसॉल
(D) ओषधियाँ एवं प्रतिजैविकी (Antibiotics)

70. यूरो-II मानकों को पूरा करने के लिए अति अल्प सल्फर डीजल में सल्फर की मात्रा क्या होगी बाशिरे ?

- (A) 0.05 प्रतिशत या इससे कम
(B) 0-10 प्रतिशत
(C) 0-15 प्रतिशत
(D) 0-20 प्रतिशत

71. निम्नलिखित रोगों में कौन टाइगर मच्छरों द्वारा संचारित नहीं होता है ?

- (A) पीत ज्वर
(B) डेंगू
(C) चिकनपुनिया
(D) जापानी एनसेफलाइटिस

72. जलवायु परिवर्तन का कारण है—
(A) ग्रीन हाउस गैसों
(B) ओजोन पर्त का क्षरण
(C) प्रदूषण (Pollution)
(D) उपर्युक्त सभी
73. निम्नलिखित में से कौन पदार्थ सार्वत्रिक तापन उत्पन्न करने में योगदान नहीं करता है ?
(A) सल्फर तथा नाइट्रोजन के ऑक्साइड
(B) मेथेन
(C) कार्बन डाइऑक्साइड
(D) जलवाष्प
74. निम्नलिखित में से कौनसी 'एजेंडा 21' की सही परिभाषा है ?
(A) यह मानवधिकारों की रक्षा हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ (U.N.O.) की कार्य योजना है
(B) यह नाभिकीय निरस्त्रीकरण पर 21 अव्यापों की पुस्तक है
(C) यह 21वीं सदी में विश्व पर्यावरण संरक्षण हेतु एक कार्य योजना है
(D) यह दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संघ (SAARC) की आगामी बैठक में अध्यक्ष के चुनाव हेतु एजेंडा है
75. निम्नलिखित वायु प्रदूषकों में से कौन रक्त द्वारा को दूष्यभाषित कर मौत उत्पन्न कर सकता है ?
(A) एस्कैस्टॉन डूल
(B) कैडमियम
(C) लेंड
(D) कार्बन मोनोक्साइड
76. निम्नलिखित में से कौनसा वायु प्रदूषक का एक जैवसूचक है ?
(A) फर्न (B) लाइकेन
(C) मनी प्लांट (D) अमरबेल
77. अम्ल वर्षा, निम्नांकित द्वारा वायु प्रदूषण के कारण होती है—
(A) कार्बन डाइऑक्साइड
(B) कार्बन मोनोक्साइड
(C) मेथेन
(D) नाइट्रस ऑक्साइड एवं सल्फर डाइऑक्साइड
78. बच्चों में प्रोटीन की न्यूनता (Deficiency) के कारण जो रोग उत्पन्न होता है, वह है—
(A) मैरास्मस (B) पेलागा
(C) बेरी-बेरी (D) रिकेट्स
79. सूर्य के प्रकाश के अदृश्य भाग से प्रकाश-संश्लेषण किया जाता है, कुछ—
(A) वृक्षों द्वारा
(B) कवक द्वारा
(C) बैक्टीरिया द्वारा
(D) फफूंद द्वारा
80. निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा एक सही सुमेलित है ?
(A) बायोस्फीयर रिजर्व — एडवर्ड सुएस
(B) इको सिस्टम — ए.पी.डी. कन्वोल
(C) इकोलॉजी — ए.बी. टाम्पले
(D) जैवविविधता — शैटर
81. यूरो उत्सर्जन नियम, उत्सर्जन के मानक हैं और ये एक बाह्य से उत्सर्जन के लिए सीमा निर्धारित करने के एकज प्रदर्शित करते हैं, निम्नलिखित में से कौन इसके अन्तर्गत अध्याधित है ?
(A) कार्बन मोनोक्साइड
(B) हाइड्रोकार्बन
(C) नाइट्रोजन ऑक्साइड
(D) उपर्युक्त सभी
82. चीनी लेखक चार्ल्स का उल्लेख किस नाम से करते हैं ?
(A) फो-वो-की (B) यिन-तु
(C) सि-सू-की (D) रिकिब-येनो
83. निम्नलिखित में से कौन अलबर शान्त नहीं था ?
(A) पोचंगई (B) तिरुजान
(C) पुडम (D) तिरुमंगई
84. गौतम बुद्ध द्वारा अपने धर्म में दीक्षित किया जाने वाला अन्तिम व्यक्ति निम्नलिखित में से कौन था ?
(A) आनन्द (B) सरिपुत
(C) मांगलान (D) चुगुप्त
85. मौर्यकाल में 'सीता' से तात्पर्य है—
(A) एक देवी
(B) एक धार्मिक सम्प्रदाय
(C) राजकीय धूमि से प्राप्त आय
(D) कसर धूमि
86. फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-शमा' क्या था ?
(A) एक दानशाला
(B) एक खैराती अस्पताल
(C) एक पुस्तकालय
(D) सौधपात्रियों के लिए एक अतिथिगृह
87. उत्तर भारत में चौदी का सिक्का 'टंका' जारी करने वाला कौन मध्यकालीन शासक था ?
(A) इल्तुतमिश
(B) रजिया
(C) अलाउद्दीन खिलजी
(D) मोहम्मद तुगलक
88. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
(A) पुनः जड़िया लगाना — फर्सख-सियर
(B) मुसलीपटनम पर अधिकार — फोर्ड
(C) सती प्रथा निषेध अधिनियम — लॉर्ड सिडियम बेटिक
(D) दासता का अन्त — मेल्कम
89. नाबखी मंत्र के नाम से प्रसिद्ध मंत्र सर्वप्रथम किस ग्रन्थ में मिला है ?
(A) भगवद्गीता (B) अथर्ववेद
(C) ऋग्वेद (D) मनुस्मृति
90. शिव की 'दक्षिणामूर्ति' प्रतिमा उन्हें किस रूप में प्रदर्शित करती है ?
(A) शिवक
(B) नृत्य करते हुए
(C) विश्राम करते हुए
(D) ध्यानमग्न
91. निम्नलिखित में से कौन जहाँगीर के दरबार में फ़िरोज शासक जेम्स प्रथम का राजदूत था ?
(A) विलियम होकिन्स
(B) विलियम फिन्च
(C) पीट्रा डेला विंला
(D) एडवर्ड टोरी
92. निम्नलिखित में से किस आन्दोलन के साथ अरुण आसफ अली जुड़ी है ?
(A) अराहयोग आन्दोलन
(B) रजिन्धव अवज्ञा आन्दोलन
(C) वैयक्तिक सत्याग्रह
(D) भारत छोड़ो आन्दोलन
93. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
सूची-I
(a) लेडी कैथरीन मेयो
(b) लार्दी कॉलिन्स एण्ड कॉमिनिक् लमियरे
(c) राममनोहर लोहिया
(d) जवाहरलाल नेहरू
सूची-II
1. श्रीमद एट मित्राण्ड
2. मंदर इण्डिया

3. डिस्कवरी ऑफ इण्डिया
4. गिल्टी मैन ऑफ इंडियाज पाटीशन

कूट :

(a)	(b)	(c)	(d)
(A) 2	1	4	3
(B) 1	2	3	4
(C) 1	2	4	3
(D) 4	3	2	1

94. अकबर की इच्छानुसार किसने रामायण का फारसी में अनुवाद किया था ?

- (A) अबुल फजल
(B) अबुल कादिर बदायूनी
(C) फैजी
(D) अब्दुर रहीम खॉ-इ-खाना

95. निम्नलिखित में से किसने जहाँगीर के विरुद्ध विद्रोह किया था ?

1. आसफ खी 2. खुस्रु
3. महाबत खी 4. खुसरो
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 2 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4

96. माउंटबेटन योजना आधार थी—

- (A) ब्रिटिश शासन की निरन्तरता की
(B) सत्ता के हस्तांतरण की
(C) देश के विभाजन की
(D) साम्प्रदायिक समस्याओं के समाधान की

97. 1942 में कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन में किसके द्वारा 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया था ?

- (A) जवाहरलाल नेहरू
(B) नरेन्द्र देव
(C) राजेन्द्र प्रसाद
(D) जे. बी. कृपलानी

98. मुरलिधर लीग के लाहौर अधिवेशन (1940) की अध्यक्षता किसने की थी ?

- (A) लिवाकत अली खी
(B) चौधरी खलिकुल्लाह
(C) मोहम्मद अली जिन्ना
(D) फाजिमा जिन्ना

99. बंगाल में 'सिनकटिया प्रथा' का तात्पर्य था—

- (A) $\frac{3}{20}$ भूभाग पर नील की खेती करना
(B) $\frac{3}{19}$ भूभाग पर नील की खेती करना

- (C) $\frac{3}{18}$ भूभाग पर नील की खेती करना
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

100. निम्नलिखित में से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के किस अधिवेशन में महात्मा गांधी ने कहा था, "गांधी मर सकते हैं, परन्तु गांधीवाद हमेशा बना रहेगा" ?

- (A) कलकत्ता अधिवेशन, 1928
(B) लाहौर अधिवेशन, 1929
(C) मद्रास अधिवेशन, 1927
(D) कराची अधिवेशन, 1931

101. किसने कहा था, "तिलक भारतीय अस्तित्व के जनक हैं ?"

- (A) बी. चिरोल (B) लुई फिशर
(C) वेब मिलर (D) लॉर्ड रैडिंग

102. आजाद हिन्द फौज के अधिकारियों के लालकिले में घल रहे मुकदमे में उनके पक्ष से निम्नलिखित में से किसने बकायत की थी ?

- (A) सी.आर. दास
(B) मोतीलाल नेहरू
(C) एन.ए. जिन्ना
(D) सर टी. टी. सपू

103. 1937 में प्रायों में मंत्रिमण्डल के निर्माण के उपरान्त कांग्रेस का शासन कितने महीने चला था ?

- (A) 28 महीने (B) 29 महीने
(C) 30 महीने (D) 31 महीने

104. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किस एक के अन्तर्गत विधान परिषद् की स्थापना या समाप्ति की व्यवस्था की गई है ?

- (A) अनुच्छेद 168
(B) अनुच्छेद 169
(C) अनुच्छेद 170
(D) अनुच्छेद 171

105. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए एक राष्ट्रीय आयोग गठित करने का प्रावधान, संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत किया गया है ?

- (A) अनुच्छेद 338 और 338 A
(B) अनुच्छेद 337
(C) अनुच्छेद 334
(D) अनुच्छेद 339

106. उत्तर प्रदेश विधान परिषद् की सम्पूर्ण सदस्य संख्या है—

- (A) 105 (B) 106
(C) 107 (D) 108

107. लोक सभा में एंग्लो-इण्डियन समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिए प्रावधान संविधान में किस अनुच्छेद के अन्तर्गत किया गया है ?

- (A) अनुच्छेद 331
(B) अनुच्छेद 221
(C) अनुच्छेद 121
(D) 139

108. निम्नलिखित में कौन एक सही सुमेलित नहीं है ?

- (A) अनुच्छेद 39 A— समान न्याय एवं निःशुल्क विधिक सहायता
(B) अनुच्छेद 40— ग्राम पंचायतों का संगठन
(C) अनुच्छेद 44— समान नागरिक संहिता
(D) अनुच्छेद 48— न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण

109. डेक्कन एजुकेशनल सोसाइटी की स्थापना से कौन सम्बन्धित था ?

- (A) जलियस रानाडे
(B) फिरोजशाह मेहता
(C) बी.जी. तिलक
(D) दयानन्द सरस्वती

110. बम्बई, मद्रास और कलकत्ता में उच्च न्यायालयों की स्थापना कब हुई ?

- (A) 1861 में (B) 1851 में
(C) 1871 में (D) 1881 में

111. किस राज्य का सचिवालय भवन 'सहृदय विहंगम' के नाम से जाना जाता है ?

- (A) असम
(B) पश्चिम बंगाल
(C) महाराष्ट्र
(D) कर्नाटक

112. जलविद्युत बाग हत्याकांड के शिरोधर में निम्नलिखित में से किसने वाइसराय के कार्यालय परिसर में आग लगा दी थी ?

- (A) रवीन्द्रनाथ टैगोर
(B) मदनमोहन मालवीय
(C) सर शंकर नय्यर
(D) उपर्युक्त तीनों

113. जिस समिति ने लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण (Decentralisation) और पंचायत राज की शिफारिश की उसका समाप्ति कौन था ?

- (A) के.एन. पन्निकर
(B) एच.एन. कुंजरु

(C) महात्मा गांधी

(D) बलवंत राय मेहता

114. पंचायत समिति के सदस्य—

(A) खंड विकास अधिकारी द्वारा मनोनीत किए जाते हैं

(B) जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किए जाते हैं

(C) प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं

(D) ग्राम पंचायत के सदस्यों द्वारा अव्यवस्थ रूप से निर्वाचित किए जाते हैं

115. निम्नलिखित में से कौनसा कर भारत सरकार द्वारा नहीं लगाया जाता है ?

(A) सेवा कर (Service Tax)

(B) शिक्षा कर (Education)

(C) सीमा कर (Custom Duty)

(D) मार्ग कर (Toll Tax)

116. निम्नलिखित में से कौनसा एक संवैधानिक निकाय (Constitutional body) नहीं है ?

(A) शोध लोक सेवा आयोग

(B) राज्य लोक सेवा आयोग

(C) वित्त आयोग

(D) योजना आयोग

117. संसद के सूचना अधिकार अधिनियम को भारत के राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई—

(A) 15 मई, 2005 को

(B) 5 जून, 2005 को

(C) 15 जून, 2005 को

(D) 12 अक्टूबर, 2005 को

118. उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम 1930, अन्तर्निहित है—

(A) पौधवी अनुसूची में

(B) सातवी अनुसूची में

(C) नवी अनुसूची में

(D) ग्यारहवी अनुसूची में

119. अनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था, निर्वाचन क्रिया प्रणाली के रूप में सुनिश्चित करती है—

(A) बहुमत के शासन को

(B) सरकार में स्थिरता को

(C) सामान्य राजनीतिक सोच को

(D) अल्पसंख्यकों के प्रतिनिधित्व को

120. उदासीकरण, निजीकरण और गुणवत्तापूर्ण की गई आर्थिक नीति घोषित की गई, प्रधानमंत्री—

(A) राजीव गांधी द्वारा

(B) विष्णुनाथ प्रताप सिंह द्वारा

(C) नरसिंह राव द्वारा

(D) अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा

121. हमारे संविधान के किस भाग में तीन संपत्तियों में पंचायतें बनाने की परि-कल्पना की गई है ?

(A) भाग IX (B) भाग X

(C) भाग XI (D) भाग XII

122. निम्नलिखित में से किसने सर्वप्रथम भारत के लिए औपनिवेशिक स्वराज्य की नींव की थी ?

(A) राजगोपालाचारी और सरदार पटेल ने

(B) पं. मोतीलाल नेहरू और गोविन्द वल्लभ पंत ने

(C) सर जेम्स ब्रिज्जु और जयकर ने

(D) जवाहरलाल नेहरू और जगजीवनराम ने

123. निम्नलिखित में से कौन राज्य सरकार तथा स्थानीय शासन के बीच राजस्व बँटवारे के लिए उत्तरदायी है ?

(A) मुख्यमंत्री

(B) राज्यपाल

(C) राज्य वित्त आयोग

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

124. गांधीवादी अर्थव्यवस्था किस पर आधारित है ?

(A) प्रतिस्पर्धा (Competition) पर

(B) न्यास (Trusteeship) पर

(C) राज्य नियंत्रण (State Control) पर

(D) उपर्युक्त में से किसी पर नहीं

125. निम्नलिखित कथनों में से कौन सही नहीं है ?

(A) संविधान संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित होना चाहिए

(B) सर्वोच्च न्यायालय में संविधान सम्बन्धी मामलों की सुनवाई कम-से-कम पाँच न्यायाधीशों द्वारा की जाती है

(C) प्रेस की स्वतंत्रता, मूलाधिकार-वाक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति स्वतंत्रता में सम्मिलित है

(D) जाकिर हुसैन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति थे

126. निम्नलिखित में से कौन एक त्वरित अवस्थापना विकास कोष के अन्तर्गत सम्मिलित नहीं है ?

(A) ग्रामीण जलसुविधि

(B) ग्रामीण सड़कें

(C) ग्रामीण विद्युतीकरण

(D) ग्रामीण रक्षण

127. सुची-I को सुची-II से सुमेलित कीजिए और सुचियों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (उद्योग)

(a) ड्रुग्स

(b) पिरोजाबाद

(c) अलीगढ़

(d) मेरठ

सूची-II (उद्योग)

1. ताला

2. खेल का सामान

3. सीमेंट

4. लूईवी

कूट :

(A) 1 3 2 4

(B) 2 1 3 4

(C) 3 4 1 2

(D) 3 2 1 4

128. भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

(A) इसका केवल मूल क्षेत्राधिकार है

(B) इसका केवल अपीलीय क्षेत्राधिकार है

(C) इसका केवल परामर्श सम्बन्धी क्षेत्राधिकार है

(D) इसका मूल, अपीलीय और परामर्श सम्बन्धी क्षेत्राधिकार है

129. निम्नलिखित राज्यों में से किसने 1967 से 1971 के मध्य अधिकतम गवर्नर-जन सरकारें बनाने का रिकॉर्ड है ?

(A) उत्तर प्रदेश (B) हरियाणा

(C) बिहार (D) पंजाब

130. 'प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना' का ध्येय है—

(A) ग्रामीण आवश्यकताओं की पूर्ति, जैसे कि प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य रक्षण, पेयजल, आवास, ग्रामीण सड़कें

(B) सुख उद्यमों द्वारा निर्भरता मुक्ति

(C) ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन

(D) पंचायत राज व्यवस्था का ग्रामीण क्षेत्रों में सुदृढीकरण

131. किसी देश की आर्थिक वृद्धि की सर्वाधिक उपयुक्त माप है—

(A) सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product)

- (B) शुद्ध घरेलू उत्पाद (Net Domestic Product)
(C) शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (Net National Product)
(D) प्रति व्यक्ति उत्पाद (Per Capita Product)

132. दक्षिण एशिया में कुछ जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत वाला देश है—
(A) नेपाल (B) भारत
(C) नेपाल (D) श्रीलंका

133. जनसंख्या के पिरेमिड में कौनसा समूह अधिक आबादी के रूप में जाना जाता है ?
(A) 15-60 वर्ष आयु समूह
(B) 60 वर्ष से ऊपर आयु समूह
(C) 50 वर्ष से ऊपर आयु समूह
(D) 0-14 वर्ष आयु समूह

134. भारत में निम्नलिखित में से किस राज्य में नगरीय घनत्व (Urban density) सर्वाधिक है ?
(A) महाराष्ट्र
(B) पंजाब
(C) तमिलनाडु
(D) पश्चिम बंगाल

135. नेशनल रटोक एक्सपेन्स ऑफ इमिग्रेशन का प्रवर्तक है—
(A) भारतीय स्टेट बैंक
(B) एल आई सी और जी आई सी
(C) आई सी डी आई
(D) उम्पुक्त सभी

136. 'स्वाकार' योजना है—
(A) अद्वितीय पहचान के लिए
(B) पुरुषों हेतु स्वरोजगार
(C) कठिन परिस्थितियों में महिलाओं के लिए
(D) वरिष्ठ नागरिकों हेतु साक्षा गृह के लिए

137. केमा (विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम) को अन्तिम रूप से लागू किया गया वर्ष—
(A) 1991 में (B) 1997 में
(C) 2002 में (D) 2007 में

138. भारत से निम्नलिखित में से कौनसा एक उत्पाद सामान्यतः निर्यात नहीं किया जाता है ?
(A) गेहूँ (B) चावल
(C) चीनी (D) दालें

139. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण 61वें दौर के आँकड़ों के अनुसार, घालू प्रतिदिन

स्थिति के आधार पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी है, लगभग—

- (A) 8% (B) 5%
(C) 2% (D) 15%

140. राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना के उत्तर-दक्षिण तथा पूर्व-पश्चिम गलियारों मिलते हैं—
(A) कानपुर में (B) झाँसी में
(C) लखनऊ में (D) वाराणसी में

141. निम्नलिखित देशान्तरों में कौनसा भारत की 'प्रमाणिक मध्याह्न रेखा' (Standard Meridian) कहलाता है ?
(A) 87° 30' पूर्वी
(B) 85° 30' पूर्वी
(C) 84° 30' पूर्वी
(D) 82° 30' पूर्वी

142. निम्नलिखित में से कौन सुमेरित नहीं है ?
(A) नागालैंड— अरुणाचल प्रदेश
(B) त्रिपुरा— उत्तराखण्ड
(C) मेघालय— हिमाचल प्रदेश
(D) पालघाट— केरल

143. निम्नलिखित में से कौनसे भारत के प्राकृतिक बन्दरगाह हैं ?
1. चेन्नई
2. कोच्चि
3. तुतीकोरम
4. विशाखापटनम्
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- कूट :
(A) 1 तथा 2 (B) 1 तथा 3
(C) 2 तथा 3 (D) 2 तथा 4

144. 2011 की अनन्तिम जनगणना के अनुसार जनसंख्या को दृष्टि में रखते हुए निम्नलिखित राज्यों का अवरोही क्रम में प्रस्तुत कीजिए—

1. आंध्र प्रदेश 2. बिहार
3. महाराष्ट्र 4. उत्तर प्रदेश
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) 2, 4, 1, 3 (B) 4, 3, 2, 1
(C) 2, 3, 1, 4 (D) 4, 2, 3, 1

145. मानसिक रूप से विकलांग हेतु राष्ट्रीय संस्थान निम्नलिखित में से कहां अवस्थित है ?
(A) हैदराबाद (B) नई दिल्ली
(C) कोलकाता (D) चेन्नई

146. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सुविधों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

- (a) उकाई (b) पञ्जाब
(c) पैथ (d) दामोदर

सूची-II

1. झारखण्ड 2. गुजरात
3. महाराष्ट्र 4. मध्य प्रदेश

- कूट :
(a) (b) (c) (d)
(A) 4 2 3 1
(B) 2 1 4 3
(C) 3 2 1 4
(D) 1 3 4 2

147. निम्नलिखित नदियों में से किसका उद्गम भारत में नहीं है ?
(A) सतलुज (B) रावी
(C) घेनाब (D) व्यास

148. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और सुविधों के नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (उद्योग)

- (a) कागज
(b) सीमेन्ट
(c) लोहा और इस्पात
(d) खनिज तेलशोधनशाला

सूची-II (स्थान)

1. अम्बाला मुक्तल
2. भिलाई
3. दीपावद
4. लखौरी

- कूट :
(a) (b) (c) (d)
(A) 2 4 3 1
(B) 3 4 2 1
(C) 4 2 1 3
(D) 2 3 1 4

149. कथन (A) : काली मिट्टी कपास की खेती के लिए उपयुक्त है।

कारण (R) : उनमें जैव तत्व प्रचुर मात्रा में होता है।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

- कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, (R) गलत है
(D) (R) सही है, (A) गलत है

- (C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है

150. निम्नलिखित आर्द्र क्षेत्रों में से किन्हें
राज्य का दर्जा प्राप्त है ?

1. पिल्का झील 2. लोकटक
3. केबलादेव 4. वूलर झील
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर
चुनिए—

कूट :

- (A) केवल 1 तथा 2
(B) केवल 2 तथा 3
(C) 1, 2 तथा 3
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर व्याख्या सहित



Just Released

UPKAR'S

Gateway to...


TTA

Synopsis, Multiple Choice Questions and their Explanatory Notes

By : Ashish Dixit & Mayank Srivastava

It Includes

- General Ability Test
- Basic Engineering
- Specialization
- Electrical
 - Communication
 - Instruments and Measurements
 - Network, Fibers and Transmission Lines
 - Control Systems
 - Microprocessors
 - Computers



Code No. 10991

Price ₹ 670/-

UPKAR PRAKASHAN

• D-101 : info@upkarprakashan.com • New Delhi : www.upkarprakashan.com



सामान्य अध्ययन

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. सम्प्रेषण (Communication) के प्रक्रम में प्रथम चरण है—

(A) कूट संकेतन
(B) संदेश
(C) वितरक
(D) ग्रहण

2. निम्नलिखित सम्प्रेषण के पक्षों में से बेमेल पद ज्ञात कीजिए—

(A) पक्षी
(B) विश्व की प्राथमिकता
(C) वाद्य
(D) व्यवहार का अर्थ

3. निम्नलिखित में से कौन एक अन्त-वैयक्तिक सम्बन्धों के निर्माण में समस्या उत्पन्न कर सकता है ?

(A) शर्मीलापन (Shyness)
(B) सांवेगिक परिपक्वता (Emotional maturity)
(C) दुर्लभापकता (Assertiveness)
(D) तदनुभूति (Empathy)

4. किसी संगठन में सम्प्रेषण, जो प्रकाश एवं सारी से परे जाता है, वह है—

(A) ऊर्ध्वगामी सम्प्रेषण (Upward communication)
(B) अनुप्रस्थ सम्प्रेषण (Horizontal communication)
(C) विकर्ण सम्प्रेषण (Diagonal communication)
(D) अधोगामी सम्प्रेषण (Downward communication)

5. अंतर्व्यक्ति सम्प्रेषण के निम्नलिखित प्रतिमानों में से किसमें समानता-सम्बन्ध सम्बन्धित होता है परन्तु प्रत्येक व्यक्ति के पास भिन्न संज्ञा पर प्राधिकार भी होता है ?

(A) सन्तुलित-विभाजन प्रतिमान
(B) समानता प्रतिमान
(C) असंतुलित-विभाजन प्रतिमान
(D) एकधिकार प्रतिमान

6. निम्नलिखित सम्प्रेषण संज्ञाओं में से किसमें समूह का प्रत्येक सदस्य केवल अपने से निकटतम सदस्य से ही सम्प्रेषण कर सकता है ?

(A) चक्र संज्ञा
(B) 'बाई' संज्ञा

(C) मूखल संज्ञा
(D) वृत्त संज्ञा

7. जब व्यक्ति यह अनुभव करते हैं कि उनके व्यवहार को प्रतिबिम्बित किया जा सकता है, तो वे एक प्रकार से प्रति-क्रिया करते हैं जिसे कहा जा सकता है—

(A) मनोवैज्ञानिक सुरक्षा
(B) मनोवैज्ञानिक स्तर्कता
(C) मनोवैज्ञानिक प्रतिष्ठा
(D) मनोवैज्ञानिक दुर्दृष्टा

8. बरिष्ठ-कनिष्ठ सम्बन्ध में वैयक्तिक या गैर-वैयक्तिक सूचना का प्रकटन कहलाता है—

(A) निकटता (Closeness)
(B) सहभागिता (Sharing)
(C) खुलापन (Openness)
(D) अनौपचारिकता (Informality)

9. निम्नलिखित में से कौनसा कोसल किसी के साथ निकट मित्रता को बनाए रखने में सहायक होता है ?

(A) सीधे उधार लेना
(B) स्वेच्छिक रूप से आवश्यकता पड़ने पर सहायता करना
(C) दक्षिण अभिप्रेरण
(D) पार्टी में प्रसन्न रहना

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
कथन (A) : लौंग और उनकी समस्याएं विश्राम होती हैं।

कारण (R) : रक्तिय अवण उस व्यक्ति को, जिसे सुना जा रहा है, कुछ सम्बन्धित करता है।

नीचे दिए कूटों के अनुसार उत्तर दीजिए—

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(B) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(C) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

11. प्राप्त किए गए संदेश में कोई विचलन-शीलता, जिसका पूर्व कथन स्रोत पर नहीं किया जा सकता था, गुंथारोपित की जाती है—

(A) भ्रम (Misunderstanding) पर
(B) कोलाहल (Noise) पर
(C) अवरोध (Blockade) पर
(D) अतार्किक चिन्तन (Irrational thinking) पर

12. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूटों के आधार पर उत्तर दीजिए—

सूची-I (संवार के प्रकार)

(a) शाब्दिक
(b) लिखित
(c) संकेत
(d) दैहिक भाव-भाव

सूची-II (धर)

1. सामाजिक सांस्कृतिक कारक
2. भाषा प्रवाहिता
3. अंतर्निहित अर्थ
4. संज्ञानालक संगत

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	2	4	1	3
(C)	1	3	4	2
(D)	3	1	2	4

निर्देश—(प्रश्न 13 तथा 14) निम्न-लिखित कथनों पर विचार कीजिए और प्रश्न 13 एवं 14 के उत्तर कथनों के आधार पर दीजिए—

(i) किसी अतिथि गृह में छ कमरे A, B, C, D, E और F हैं। इनमें से A तथा C में से प्रत्येक में दो व्यक्ति रह सकते हैं, शेष कमरों में प्रत्येक में केवल एक व्यक्ति रह सकता है।

(ii) आठ अतिथियों P, Q, R, S, T, U, W और X को इन कमरों में ठहराया जाना है। Q, T तथा X महिलाएं हैं और शेष पुरुष। एक ही कमरे में दो विपरीत लिंगी नहीं ठहराए जा सकते। कोई पुरुष C या F कमरों में ठहरना नहीं चाहता है।


(iii) P अकेले रहना चाहता है किन्तु B या D कमरे में नहीं। S को एक सख्तीदार चाहिए, किन्तु U या W नहीं। X अपने कमरे में किसी अन्य को ठहराना नहीं चाहती है।

13. निम्नलिखित में से कौन E कमरे में ठहरेंगे ?

(A) U (B) W
(C) P (D) Q

14. 'X' किस कमरे में ठहरेंगी ?

(A) C (B) E
(C) B (D) F

15. निम्नांकित अकृतियों में से कौन संघ से मिन है ?
 (A)  (B) 
 (C)  (D) 
16. निम्नांकित युग्मों में से किसमें वही सम्बन्ध है जो JL और WZ के बीच में है ?
 (A) AC और RU
 (B) AB और PW
 (C) PR और LM
 (D) TU और WX
17. निम्नांकित में से कौन समीचीन क्रम है ?
 (A) सुनना, सोचना, विश्वास करना, कार्य करना
 (B) विश्वास करना, सुनना, सोचना, कार्य करना
 (C) सोचना, विश्वास करना, सुनना, कार्य करना
 (D) विश्वास करना, कार्य करना, सोचना, सुनना
18. डॉक्टर : नर्स :: वही सम्बन्ध है जो है पुलिस इन्स्पेक्टर : ? में है.
 (A) थोर (B) सिपाही
 (C) पिस्तौल (D) जेल
19. निम्नांकित युग्मों में से किसमें वही सम्बन्ध है जो है आस्ट्रेलिया : महाद्वीप में ?
 (A) इंग्लैंड : रेलगाड़ी
 (B) नदी : तट
 (C) विकलांग : जहाज
 (D) यूसी नागरिक : अन्तारिक्ष
20. निम्नांकित तीन कथनों की जाँच कीजिए—
 1. श्याम हरि का पिता नहीं है.
 2. हरि सुरेश का बेटा है.
 3. सुरेश के तीन बेटे हैं.
 संपूर्ण कथनों से कौनसा निष्कर्ष निकाला जा सकता है ?
 (A) श्याम सुरेश का बेटा है.
 (B) हरि श्याम का भाई है
 (C) सुरेश हरि का पिता है
 (D) श्याम के बच्चे नहीं हैं
21. निम्नांकित में से तर्कणा (Reasoning) का अन्तिम सोपान कौन है ?
 (A) प्राक्कल्पना (Hypothesis)
 (B) निगमन (Deduction)
 (C) सत्यापन (Verification)
 (D) तैयारी (Preparation)
22. प्रश्नवाचक चिह्न (?) के स्थान पर निम्नांकित में से कौन आएगा ?
 CD, HI, MN, ?
 (A) QS (B) OP
 (C) PQ (D) RS
23. यदि पहली अक्टूबर को सोमवार पड़ता हो, तो उस महीने की बीस तारीख के तीन दिन बाद कौनसा वार पड़ेगा ?
 (A) सोमवार (B) मंगलवार
 (C) बुधवार (D) रविवार
24. निम्नांकित अनुक्रम की पूर्णता हेतु खाली में से सही विकल्प का चयन कीजिए—
 - A - A - - B A B - B - B A B A
 (A) BBABAA
 (B) BBBAAA
 (C) ABABBA
 (D) BBAABB
25. बच्चों की एक पंक्ति में बलि बाएं से सातवाँ है तथा मोती दाएं से चौथा है. जब बलि और मोती अपने स्थान परस्पर बदलते हैं तो बलि बाएं से पंद्रहवाँ होगा. मोती का स्थान दाएं से होगा—
 (A) आठवाँ (B) चौथा
 (C) ग्यारहवाँ (D) बारहवाँ
26. हमारे बहुत से निर्णय परिस्थिति के अप्रत्याशित पक्षों (उदाहरणार्थ वह सुनिश्चित ढंग जिसमें कोई मुद्दा प्रस्तुत किया जाता है) से प्रभावित होते हैं. वह चोकर कहलाता है—
 (A) गढ़ने (Framing) के रूप में
 (B) प्रत्याशित परभावता के रूप में
 (C) वैयक्तिक पुष्टिकरण के रूप में
 (D) हाथि विस्थापन के रूप में
27. X, Y, Z कम्पनी के प्रबन्ध निर्देशक श्री बसु ने पीछे व्यक्तियाँ अशित, वरुण, चन्द्रा, डेनी और इशिता से नई परिचोजना में उनकी अनिवार्यता के सम्बन्ध में पूछा. उन्हें उत्तर मिल—
 अशित : हममें से किसी की रुचि नहीं है.
 वरुण : हममें से एक की रुचि है.
 चन्द्रा : हममें से दो की रुचि है.
 डेनी : हममें से तीन की रुचि है.
 इशिता : हममें से चार की रुचि है.
 अपने अनुभव के आधार पर श्री बसु जानते हैं कि जिनकी रुचि है केवल वही सत्य बोलते हैं और अन्य झूठ बोलते हैं. नई परिचोजना में किजनों की रुचि है ?
 (A) 4 की (B) 3 की
 (C) 2 की (D) 1 की
28. आपने अपनी कॉलानी की टूटी-पुटी सड़कों की मरम्मत के लिए राज्य सिविल कार्य विभाग से अनुरोध किया है. इन सड़कों की अभी तक मरम्मत नहीं की गई है. आपके द्वारा दायर किए गए आरटीआई, आवेदन पत्र के उत्तर में अधिकारी के रिक्तों में से दिखाया गया है कि मरम्मत की गई है और इसके लिए ठेकदार की भुगतान भी कर दिया गया है. आपने अधिशासी अधिकारी से मिलने का प्रयास किया किन्तु वह किसी न किसी बहाने आपसे मिलने से कतराता रहा. इस बीच ठेकदार ने आपसे सम्पर्क किया और आपको धमकी दी कि यदि आपने आगे कोई कार्यवाही की, तो इसके भयंकर परिणाम होंगे. उसने आश्वासन दिया कि यदि आप खामोश रहे तो आपके घर के आस-पास और उससे जुड़ी सड़क की मरम्मत कर दी जाएगी.
 आप निम्नांकित में से क्या कार्यवाही करेंगे ?
 (A) धमकी की परवाह न करते हुए अधिशासी अधिकारी और ठेकदार के विरुद्ध सिविल न्यायगत करेंगे
 (B) चुप रहेंगे और ठेकदार के इस प्रत्यक्ष को मान लेंगे कि आपके घर के आस-पास की सड़क की मरम्मत कर दी जाए
 (C) आप फल कर अपनी कॉलानी के लोगों को इकट्ठा करके सिविल अधिकारियों तथा ठेकदार के विरुद्ध एक सम्पूर्ण श्रमण प्रस्तुत करेंगे
 (D) अपना आवास एक बेहतर कॉलानी में स्थानांतरित करने की सोचेंगे जहाँ अधिक उत्तरदायी एवं बेहतर नागरिक एजेंसी की सेवाएँ उपलब्ध हों
29. चार सड़कें हैं. दक्षिण दिशा से आया है और मन्दिर जाना चाहता है. दाहिनी ओर की सड़क मुझे कौनकी हाउस से दूर से जाती है. जबकि सीधी सड़क एक कॉलेज की ओर से जाती है. मन्दिर किस दिशा में है ?
 (A) उत्तर (B) पूर्व
 (C) दक्षिण (D) पश्चिम
30. पीछे व्यक्त A, B, C, D और E या तो रविवार है या चोर. रविवार सदैव सत्य बोलते हैं. जबकि चोर सदैव झूठ बोलते हैं. A दावा करता है कि B रविवार है. B दावा करता है कि C चोर है. C दावा करता है कि D चोर है. D दावा करता है कि A रविवार है. D दावा करता है कि B और E असंग प्रकृति के हैं. चरी की संख्या है—
 (A) 1 (B) 2
 (C) 3 (D) 4

31. जब एक निष्कर्ष प्रायः अव्यक्त या व्यक्त रूप में एक सम्भाव्यता कथन के रूप में अनिवार्यता किया जाता है तो यह संदर्भित करता है—

- (A) तर्कणा संवाद (Reasoning dialogues) को
(B) निगमनात्मक तर्कणा (Deductive reasoning) को
(C) आगमनात्मक तर्कणा (Inductive reasoning) को
(D) उपर्युक्त में से किसी को नहीं

32. जब कोई व्यक्ति किसी निर्णय के वांछित लक्ष्य के बारे में काफी कम जानता हो और जब निर्णय के विकल्प अस्पष्ट हों, तो ऐसी परिस्थिति कहलाती है—

- (A) निश्चित (Certain)
(B) अनिश्चित (Uncertain)
(C) जोखिमभरी (Risky)
(D) संदिग्ध (Ambiguous)

33. निम्नलिखित में से कौन समूह निर्णय लेने की विविधता नहीं है ?

- (A) सदस्य विचारों की वर्धित विविधता प्रस्तुत करते हैं
(B) सदस्य समाधान की वर्धित स्वीकृति की ओर ले जाते हैं
(C) सदस्य कार्यकुशल होते हैं
(D) सदस्य प्रभावकारी होते हैं

34. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कथन : मनोरंजन के लिए फिल्में अनिवार्य हैं।

निष्कर्ष :

1. फिल्में मनोरंजन के एकमात्र साधन हैं।

2. लोग फिल्में में आगम्य खत हैं।

3. लोग नाटक नापसन्द करते हैं।

इन निष्कर्षों में से—

- (A) केवल 1 कथन में निहित है
(B) 1 एवं 2 कथन में निहित है
(C) केवल 2 कथन में निहित है
(D) 1, 2 एवं 3 कथन में निहित हैं

35. पाँच मित्रों में A, B की तुलना में भारी है, C, D की तुलना में हल्का है, B, D की तुलना में हल्का है, लेकिन E से भारी है। इन सबमें सर्वाधिक भारी कौन है ?

- (A) B (B) C
(C) D (D) A

36. एक रेलवे स्टेशन के पुछताछ कार्यालय से किसी यात्री को बतया गया कि 15 मिनट पहले ही दिल्ली के लिए एक ट्रेन जा चुकी थी, परन्तु प्रत्येक 45 मिनट बाद दिल्ली के लिए ट्रेन छूटती है, अगली ट्रेन 8 : 30 रात्रि छूटती, उस यात्री को कितना सुझान किनने बजे दी गई थी ?

- (A) 7 : 45 रात्रि (B) 8 : 00 रात्रि
(C) 8 : 15 रात्रि (D) 8 : 05 रात्रि

37. यदि **MPPI** **QJAN** हो, तो निम्नलिखित में से कौन **BITP** होगा?

- (A) **JCS** (B) **GR**
(C) **ERG** (D) **NSP**

38. 'P' के स्थान पर निम्नलिखित में से कौनसा शब्द खोना चाहिए ?

XVWU : TRSQ :: LJKI : ?

- (A) HFGE (B) EFGH
(C) FGHE (D) GHFE

39. 18.9.1977 का दिन रविवार था, इस दिवश को एक जोड़े का विवाह हुआ था, अगले 15 वर्षों में रविवार को कितनी वैवाहिक वर्षगांठ पड़ेगी ?

- (A) 1 (B) 2
(C) 5 (D) 9

40. सात बच्चे A, B, C, D, E, F और G एक पक्षि में खड़े हैं, G, D के दाएँ और B के बाएँ है, A, C के दाएँ है, A और D के बीच में एक बच्चा है, E और B के बीच में दो बच्चे हैं, D और F के बीच में दो बच्चे हैं, ठीक बीच में कौन है ?

- (A) A (B) C
(C) D (D) G

41. सारणी में लुप्त अक्षर खोजिए—

A	Z	B
Y	C	X
W	E	

- (A) B (B) D
(C) K (D) V

42. निर्णय लेने में निर्णायक कथनों को जाना जाता है—

- (A) स्वतः शोध (Heuristics) के रूप में
(B) अन्तर्प्रज्ञ (Intuitions) के रूप में
(C) सीमाबद्ध तार्किकता (Bounded rationality) के रूप में
(D) अभिनति (Biases) के रूप में

43. विषम युग्म को चुनिए—

- (A) Atul — Rome
(B) Sharad — Moscow
(C) Chandan — Montreal
(D) Triloki — Glasgow

44. निम्नलिखित आकृति में त्रिभुजों की संख्या ज्ञात कीजिए—



- (A) 22 (B) 23
(C) 19 (D) 20

45. निम्नलिखित सारणी में लुप्त अक्षर ज्ञात कीजिए—

3	9	8
5	E	7
2	5	4

- (A) R (B) N
(C) M (D) L

46. निम्नलिखित कथनों की जाँच कीजिए—

- या तो राम और रश्मि समान आयु के हैं या राम रश्मि से बड़ा है।
 - या तो अली और जॉन समान आयु के हैं या जॉन अली से बड़ा है।
 - रश्मि, अली से बड़ा है।
- उपर्युक्त कथनों में से निम्नलिखित में से कौनसा निष्कर्ष निकाला जा सकता है ?
- (A) रश्मि से राम बड़ा है
(B) अली से जॉन बड़ा है
(C) रश्मि और जॉन समान आयु के हैं
(D) अली से राम बड़ा है

47. यदि KAMAL को 21413 से लिखा जाए तो MAHAL को लिखा जा सकता है—

- (A) 48113 से
(B) 41813 से
(C) 41831 से
(D) 38141 से

48. एक घन के छ पृष्ठ अलग-अलग रंगों के हैं, जल पृष्ठ, काले के विपरीत है, हरा पृष्ठ लाल और काले के बीच में है, नीला पृष्ठ सफेद के आसन्न है, हरे पृष्ठ के आसन्न चार रंग हैं—

- (A) लाल, काला, भूरा और सफेद
(B) लाल, काला, भूरा और नीला
(C) लाल, काला, नीला और सफेद
(D) लाल, भूरा, नीला और सफेद

49. यदि किसी घड़ी में समय सवा बारह बजे का है और घंटे वाली सुई पूर्व की ओर इंगित करती हो तो मिनट वाली सुई के विपरीत कोन कितना होगा ?

(A) दक्षिण-पश्चिम

(B) दक्षिण

(C) पश्चिम

(D) उत्तर

50. 144 बाह्यिकल बेचने पर जॉन को 6 बाह्यिकल के विक्रय मूल्य की हाणि हुई उसकी प्रतिशत हाणि है—

(A) 4%

(B) 6%

(C) 8%

(D) 10%

51. निम्नलिखित में से परिसंय संख्या (Rational number) है—

(A) 1.010010001

(B) 2.371371

(C) $\frac{\sqrt{2}-1}{\sqrt{2}+1}$

(D) π

52. यदि 378 सिक्कों में एक रुपए, 50 पैसे तथा 25 पैसे के सिक्के हो जिनके मूल्यों का अनुपात 13 : 11 : 7 हो, तो 50 पैसे के सिक्कों की संख्या होगी—

(A) 136

(B) 133

(C) 132

(D) 128

53. सबसे छोटी घनात्मक पूर्णांक संख्या, जिससे 4, 5, 6 और 8 से भाग देने पर शेषफल 3 बचे परन्तु 9 से भाग देने पर कोई शेष न बचे, क्या है ?

(A) 729

(B) 363

(C) 123

(D) 243

54. यदि बहुपद $x^3 - 3x^2 + x + 1 = 0$ के शून्यक $a - b, a + b$ हो, तो b का मान है—

(A) $-\sqrt{2}$

(B) 1

(C) -1

(D) $\sqrt{2} - 1$

55. यदि $(a-b)x + (a+b)y = a^2 - 2ab - b^2$ और $(a+b)(x+y) = a^2 + b^2$ तो y का मान है—

(A) $a+b$

(B) $-(a+b)$

(C) $\frac{-2ab}{a+b}$

(D) $\frac{2ab}{a+b}$

56. एक गिन का हर, अंश के दो गुने से एक अधिक है. यदि गिन तथा उसके व्युत्क्रम का योग $2\frac{16}{21}$ हो, तो गिन है—

(A) $\frac{7}{3}$

(B) $\frac{3}{7}$

(C) $\frac{4}{9}$

(D) $\frac{5}{11}$

57. WEDNESDAY के लिखने का निम्नलिखित में से, कौनसा सही ढंग होगा, जबकि शब्द के प्रथम, बीच के तथा अन्तिम अक्षर और शब्द के सभी स्वर अंग्रेजी के छोटे अक्षरों से तथा शेष बड़े अक्षरों से लिखे जाए ?

(A) WeDNESDay

(B) weDNesDay

(C) WeDNesDAY

(D) weDneSDay

58. एक समबाहु त्रिभुज के अन्दर लिए गए किसी बिन्दु से इसकी भुजाओं पर डाले गए लम्बों की लम्बाइयों क्रमशः $\sqrt{3}$ सेमी, $2\sqrt{3}$ सेमी तथा $5\sqrt{3}$ सेमी हैं. त्रिभुज की परिमाप है—

(A) 64 सेमी

(B) 48 सेमी

(C) 32 सेमी

(D) 24 सेमी

59. आरेख में, AB और DC समान्तर हैं. ΔAOD का क्षेत्रफल = 4 सेमी² तथा ΔBCD का क्षेत्रफल = 7 सेमी² तो ΔCDO का क्षेत्रफल है—



(A) $\sqrt{33}$ सेमी²

(B) 5 सेमी²

(C) 4 सेमी²

(D) 3 सेमी²

60. निम्नलिखित बारंबारता वितरण में माध्यिका (Median) ज्ञात कीजिए—

घर	बारंबारता
11	5
12	7
13	11
14	9
15	8
16	7
17	3
18	5

(A) 16

(B) 15

(C) 14

(D) 13

61. निम्न बारंबारता वितरण से पौधों की मात्रा ज्ञात कीजिए—

ऊँचाई सेमी में	पौधों की संख्या
61	5
64	18
67	42
70	27
73	8

(A) 67.00 सेमी

(B) 66.50 सेमी

(C) 68.00 सेमी

(D) 67.45 सेमी

62. निम्नलिखित आँकड़ों का बहुलक (Mode) है—

वर्ग अन्तराल	बारंबारता
10-25	2
25-40	3
40-55	7
55-70	6
70-85	6
85-100	6

(A) 47-5

(B) 52-0

(C) 54-0

(D) 50-5

63. यदि 5 सेमी त्रिज्या वाले किसी वृत्त में AB और AC दो समान जीवाएँ प्रत्येक 6 सेमी की हों, तो जीवा BC की लम्बाई है—

(A) $\frac{24}{5}$ सेमी

(B) $\frac{12}{5}$ सेमी

(C) $\frac{7}{5}$ सेमी

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Directions—(Q. 64 – 66) Read the passage and answer the questions that follow. Your answers to these questions should be based on the passage only.

My informant about the Tibetan civilization is a certain Japanese monk of the name of Kawaguchi, who spent three years in Tibet at the beginning of the twentieth century. His account of the experience has been translated into English and published with the title 'Three Years in Tibet', by the Theosophical Society. It is one of the great travel books of the world, and, so far as I am aware, the most interesting book on Tibet which no European traveller could possibly have had. He attended the University of Shama, he enjoyed the acquaintance of Dalai Lama himself, he was intimate with one of the four Ministers of Finance, he was

the friend of Lama and layman of all sorts and conditions of Tibetans from the highest class to the lowest – the despicable caste smiths and butchers. He knew his Tibet intimately, for those three years, indeed, he was for all practical purposes a Tibetan. This is something which no European explorer can claim, and it is this which gives Kawaguchi's book its unique interest.

64. Who was Kawaguchi ?

- (A) A Chinese monk
(B) A Chinese traveller
(C) A Japanese monk
(D) A Japanese traveller

65. 'Three Years in Tibet' is—

- (A) A travel book
(B) An adventure book
(C) A short story
(D) A novel

66. The despised castes in Tibet were—

- (A) Smiths and butchers
(B) Sweepers and sweepers
(C) Shoemakers and sweepers
(D) Shoemakers and butchers

67. Which of the following words is correctly spelt ?

- (A) Harrass (B) Harass
(C) Harras (D) Haras

68. The word 'assessment' means—

- (A) Enquiry (B) Report
(C) Evaluation (D) Summary

69. The word 'lovely' is—

- (A) A gerund
(B) A verb
(C) An adjective
(D) An adverb

70. The active voice of the sentence "was not he rebuked by his officer ?" is

- (A) His officer rebuked him
(B) Did his officer rebuke him ?
(C) Did not his officer rebuke him ?
(D) Was not his officer rebuked him ?

71. Fill in the blanks in the given sentence with the correct phrase from those given below—

She is seriously ill, please a doctor.

- (A) call out (B) call up
(C) call of (D) call in

72. Point out the correct sentence—

- (A) I know to operate that computer
(B) I know how to operate that computer
(C) I know to do operate that computer
(D) I know how to do operate that computer

73. Choose the exact meaning of the idiomatic phrase underlined below—

The boy turned a deaf ear to the advice of his well wishers.

- (A) Listened carefully
(B) Was deadly opposed
(C) Posed indifference
(D) Refused to listen

74. Out of the given alternatives choose the one which can be the substitute for the given sentence :

A person, who is suffering from nervous break down, is—

- (A) Eccentric (B) Neurotic
(C) Lunatic (D) Mongrel

75. Change the voice of the following sentence :

The teacher advised the students to work hard.

- (A) The students were advised by the teacher to work hard
(B) The students were advised by the teacher that they should work hard
(C) The students were being advised to work hard by the teacher
(D) The students have been advised to work hard by the teacher

76. Which of the following is the correct direct form of the sentence given below ? She told that her brother was getting married—

- (A) She said, "Her brother is getting married"
(B) She told, "My brother is getting married"
(C) She said, "My brother is getting married."
(D) She said, "My brother was married."

77. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द सदा बहुवचन में प्रयोग होता है ?

- (A) शिशु (B) भक्ति
(C) पुरुष (D) प्राण

78. 'महान् व्यक्ति' में भौतिक वस्तुओं के प्रति 'वाई जाही है'—वाक्य के प्रकृत स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त शब्द छोटिए—

- (A) निश्चितता (B) विपत्ता
(C) निष्पत्ति (D) निपटता

79. 'खर' शब्द का निम्नलिखित में से एक का अर्थ नहीं है—

- (A) गधा (B) बाण
(C) तिनका (D) एक राक्षस

80. कवि का स्त्रीलिंग शब्द है—

- (A) कविकी (B) कविवरि
(C) कवयित्री (D) कविकिरी

81. 'औखी में गढ़ना' मुहावरे का अर्थ है—

- (A) गौर से देखना
(B) मन में खटकना
(C) सहन न कर पाना
(D) कस्तु को पाने की चकट लासला रखना

82. 'उन्मूलन' का विलोम है—

- (A) अवमूलन (B) निक्षेपण
(C) रोपण (D) संरोपण

83. ह्रस्व वर्तनी वाले शब्द का चयन कीजिए—

- (A) अन्धधारी (B) पुण्यनीय
(C) तपोपराज (D) कविकिरी

84. निम्नलिखित किस एक में कर्मधारय समास नहीं है ?

- (A) लड़का भूख से अधमरा हो गया था
(B) तुम्हें अपना भला बुरा स्वयं सोचना चाहिए
(C) विवाह सम्बन्ध में ऊँच-नीच देखना पड़ता है
(D) चढ़ो, दिया बची का समय हो गया

85. 'बग़्जाल' का सही विच्छेद होगा—

- (A) बाक् + जाल
(B) बाक + जाल
(C) बाग् + जाल
(D) बाग + जाल

86. निम्नलिखित शब्दों में कौन 'सरिता' का पर्याय नहीं है ?

- (A) तटिनी (B) त्रिपद्मा
(C) निम्ना (D) तरंगिणी

87. रचना की दृष्टि से क्रिया के भेद हैं—

- (A) तीन (B) दो
(C) चार (D) पाँच

88. य, र, ल, व व्यंजन को कहते हैं—

- (A) स्पर्श व्यंजन
(B) अन्तर व्यंजन
(C) उष्म व्यंजन
(D) उपयुक्त में से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 89 से 92 तक) निम्न-लिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा प्रश्न संख्या 89 से 92 के उत्तर गद्यांश में वर्णित तथ्यों के आधार पर दीजिए—

भाषा का प्रयोग दो रूपों में किया जा सकता है—एक तो सामान्य जिससे लोक में व्यवहार होता है तथा दूसरा साहित्य रचना के लिए, जिसमें प्रायः आलंकारिक भाषा का प्रयोग किया जाता है। साहित्यिक रचना के लिए प्रयुक्त भाषा लोक भाषा का कार्य करते हुए भी उससे भिन्न होती है, क्योंकि इसमें कवि की कल्पना भी काम करती है तथा उस परिभाषित रूप में प्रस्तुत करती है। विद्वानों का अनुमान है कि जबसे संसार में साहित्य का सुगम आरम्भ हुआ है तभी से आलंकारिक भाषा प्रयोग में लाई जा रही है। संसार का प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद तथा आदि महाकाव्य समग्रतः इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। इन दोनों रचनाओं में अलंकृत भाषा के उत्कृष्ट उदाहरण प्राप्त होते हैं। संसार के समस्त कविता तथा साहित्यकारों ने इसी प्रवृत्ति का अनुसरण किया है। वस्तुतः अलंकृत भाषा के अभाव में काव्य, काव्य नहीं कहलाता। इसी बात का समर्थन करते हुए कहा भी गया है कि अलंकार विहीन कविता विषया के समान होती है। आधार माना जा भी सकता है कि जिस प्रकार किसी रमणी की सुन्दरता अलंकारों के बिना पूर्ण नहीं होती, उसी प्रकार साहित्य भी आभूषणों के बिना होना नहीं पाता। आधार्य शब्दों ने अलंकारों को काव्य का शोभा विधाक धर्म माना है। आधार्य ममदा और विश्वनाथ ने भी काव्य में अलंकार की महत्ता स्वीकारते हुए क्रमशः उन्हें सौन्दर्य के उपकारक तथा शब्दार्थ के शोभाविधायी धर्म कहा है।

89. लोक व्यवहार की भाषा होती है—

- (A) अलंकार पूर्ण साहित्यिक भाषा
(B) संस्कृतनिष्ठ लोक भाषा
(C) व्याकरण सम्मत लोक भाषा
(D) बोलचाल की सामान्य लोक भाषा

90. संसार के अधिकांश कवितां ने जिस भाषा विषयक प्रवृत्ति का अनुसरण किया है, वह प्रवृत्ति है—

- (A) लक्ष्यिक एवं व्यंजन प्रधान भाषा का प्रयोग

(B) अलंकृत भाषा का प्रयोग

- (C) लोक व्यवहार की भाषा का प्रयोग
(D) कोमलकान्त पदवली का प्रयोग

91. शब्दार्थ के शोभाविधायी धर्म अलंकार के समर्थक आधार हैं—

- (A) विश्वनाथ (B) मानह
(C) दण्डी (D) बाणभट्ट

92. साहित्यिक भाषा और लोकभाषा में एक प्रमुख अन्तर है कि प्रथम—

- (A) परिभाषित होती है और दूसरी अपरिभाषित
(B) आलंकारिक होती है और दूसरी लौकिक
(C) धर्मग्रन्थों में प्रयुक्त होती है और दूसरी लोककथाओं में
(D) आदर्शों पर आधारित होती है और दूसरी कल्पना पर

निर्देश—(प्रश्न 93 से 96 तक) निम्न-लिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा प्रश्न संख्या 93 से 96 के उत्तर गद्यांश में वर्णित तथ्यों के आधार पर दीजिए—

आज तीसरी दुनिया के विकासशील देशों में देश के आधुनिकीकरण और विकास में रुचि रखने वाले व्यक्तियों के लिए भूमण्डलीकरण एक मोड़क शब्द है। अमरीका तथा उसकी विराट्ता के एकाधिकारवादी बड़े गुंजीवादी देशों ने गरीबी से संघर्ष कर रहे विकासशील देशों के त्वरित विकास के लिए इसे एक कारगर और प्रभावी उपाय के रूप में प्रचारित किया है। विकास के प्रश्न को केवल अर्थशास्त्र की दृष्टि से देखने वाले इन बड़े राष्ट्रों का मानना है कि सकल राष्ट्रीय उत्पाद और राष्ट्रीय आय की वृद्धि में इसकी भूमिका घमकाकारिक है। इस अर्थ में भूमण्डलीकरण आज विश्व में विकास का नया और आकर्षक नारा बन गया है। आर्थिक विकास के सन्दर्भ में भूमण्डलीकरण का अर्थ है किसी देश की अर्थव्यवस्था को अन्य देशों की अर्थव्यवस्था से सम्बद्ध कर उसे विश्वव्यापी बनाना। इसके लिए सभी वस्तुओं के आयात की सुली छूट, सीमा शुल्क में कमी, विदेशी गुंजी के मुक्त प्रवाह की अनुमति, सेवा क्षेत्र विशेषकर बैंकिंग, बीमा तथा जहाजरानी क्षेत्रों में विदेशी गुंजी-निवेश आदि उदार अर्थनीतियों को अपनाया आवश्यक है। आर्थिक उदारीकरण भूमण्डलीकरण की आधारभूत तत्त्व है जिसके बिना देश की अर्थव्यवस्था को विश्वव्यापी आगम नहीं दिया जा सकता। उदारीकरण का अर्थ है देश के उद्योग, व्यापार, लघुउद्योग और निर्यात की उपेक्षा कर देश में विदेशी उद्योग व व्यापार स्थापित करने एवं आयात को बढ़ावा देने की उदारता बरतना। इस प्रकार भूमण्डलीकरण निर्यात की तुलना में आयात

तथा स्वदेशी उद्योग धन्यों की अपेक्षा विदेशी उद्योग धन्यों को प्रोत्साहन देने की आधारभूत नीति को अपनाकर चलता है, जो किसी भी राष्ट्र के हित में नहीं है। विश्व के बड़े गुंजीवादी राष्ट्रों ने भूमण्डलीकरण को विकासशील देशों के लिए एक आधुनिक वरदान माना है। गोपा वह उन देशों के विकास के लिए अलादीन का चिराग हो।

93. भूमण्डलीकरण से—

- (A) निर्यात को प्रोत्साहन मिलता है
(B) विदेशी उद्योग धन्यों को प्रोत्साहन मिलता है
(C) स्वदेशी उद्योग धन्यों को प्रोत्साहन मिलता है
(D) विकासशील देशों का त्वरित विकास होता है

94. भूमण्डलीकरण में—

- (A) विकास के सभी देशों के समान विकास की भावना निहित है
(B) राष्ट्रों की सांस्कृतिक अस्मिता का संरक्षण होता है
(C) बड़े राष्ट्रों की एकाधिकारवादी मनोवृत्ति पर कुदराधात होता है
(D) बड़े देशों द्वारा छोटें देशों का शोषण करने की भावना निहित है

95. 'अलादीन का चिराग' का अर्थ है—

- (A) एकमात्र सहारा
(B) सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प
(C) अभीष्ट वस्तु
(D) उपयुक्त में से कोई नहीं

96. इस गद्यांश का सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक निम्नलिखित में से क्या होना चाहिए ?

- (A) आर्थिक उदारीकरण
(B) वैश्वीकरण
(C) भूमण्डलीकरण
(D) बाह्यीकरण

निर्देश—(प्रश्न 97 से 100 तक) निम्न-लिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा प्रश्न संख्या 97 से 100 के उत्तर गद्यांश में वर्णित तथ्यों के आधार पर दीजिए—

शीघ्रयुक्त व्यवहार मनुष्य की प्रकृति और व्यक्तित्व को उद्घाटित करता है। उत्तम, प्रशंसनीय और पवित्र आचरण ही शीघ्र है। शीघ्रयुक्त व्यवहार प्रत्येक व्यक्ति के लिए हितकर है। इससे मनुष्य की ख्याति बढ़ती है। शीघ्रता व्यक्ति सबका हृदय जीत लेता है। शीघ्रयुक्त व्यवहार से कटुता दूर भागती है। इससे संका और सन्देह की शिथिलता कभी उत्पन्न नहीं होती। इससे ऐसा सुखद वातावरण सृजित होता है जिसमें सभी प्रसन्नता का अनुभव करते हैं।



शीलवान् व्यक्ति अपने सम्पर्क में आने वाले सभी लोगों को सुप्रभावित करता है। शील इतना प्रमुखपूर्ण होता है कि किसी कार्य के विफल होने की नीबट ही नहीं आती।

अधिकारी-अधीनस्थ, शिक्षक-शिष्याधीन, छात्र-बड़ी आदि सभी के लिए शीलपुक्त व्यवहार समान रूप से आवश्यक है। शिक्षाधीन में शील का अभाव है तो वह अपने शिक्षक से वांछित शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकता। शीलवान् अधिकारी या कर्मचारी में आत्मविश्वास की वृद्धि स्वतः ही होने लगती है और साथ ही साथ उसके व्यक्तित्व में शालीनता आ जाती है। इस अमूल्य गुण की उपस्थिति में अधिकारी वर्ग और अधीनस्थ कर्मचारियों के बीच, शिक्षकगण और विद्यार्थियों के बीच तथा शासक और शासित के बीच मधुर एवं प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित होते हैं और प्रत्येक वर्ग की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। इस गुण के माध्यम से छोटे से छोटा व्यक्ति बड़ी की सहानुभूति अर्जित कर लेता है।

शील कोई दुर्लभ और दैवी गुण नहीं है। इस गुण को अर्जित किया जा सकता है। पारिवारिक संस्कार इस गुण को विकसित और विस्तारित करने में बड़ी भूमिका अदा करते हैं। मूल भूमिका तो व्यक्ति स्वयं अदा करता है। चिन्तन, मनन, सत्संगति, स्वाध्याय और सतत अभ्यास से इस गुण की सुरक्षा और इसका विकास होता है। सुसंस्कृत मनुष्य के चरित्र का यह शील अभिन्न अंग है। यह गुण मनुष्य को सच्चे अर्थों में मानव बनाता है। इस अमूल्य गुण को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाना प्रत्येक मनुष्य का परम कर्तव्य है। इससे मनुष्य की गरिमा बढ़ती है और उससे व्यक्तित्व में चार चौद लग जाते हैं।

97. शीलवान् व्यक्ति अपने सम्पर्क में आने वाले लोगों को कैसे प्रभावित करता है ?

- (A) साधन सुलभ करने के द्वारा प्रभावित करता है
- (B) लोगों की निस्वार्थ सेवा द्वारा प्रभावित करता है
- (C) सबको गर्वजोशी से स्वागत द्वारा प्रभावित करता है
- (D) सुखद वातावरण के सृजन द्वारा प्रभावित करता है

98. शील गुण के कारण अधिकारियों और कर्मचारियों में—

- (A) मधुर एवं प्रगाढ़ सम्बन्ध स्थापित होता है
- (B) कटुता एवं वैमनस्य स्थापित होता है
- (C) परस्पर सन्देश बढ़ता है
- (D) स्नेह घटने लगता है

99. शील गुण किस प्रकार अर्जित किया जा सकता है ?

- (A) मित्रों के साथ समय बिताने से
- (B) प्रतिदिन नियमित व्यायाम से
- (C) स्वयं के चिन्तन, मनन, सत्संगति एवं सतत अभ्यास से
- (D) ख्याली पुलाव पकाने से

100. शीलपुक्त व्यवहार प्रत्येक व्यक्ति के लिए हितकर है, क्योंकि इससे—

- (A) बहुत अधिक सम्पत्ति मिलती है
- (B) कटुता दूर होती है
- (C) दीर्घ आयु प्राप्त होती है
- (D) पुण्य प्राप्त होता है

उत्तर व्याख्या सहित



UPKAR'S *Just Released*

UGC NET/JRF/SET SOCIAL WORK


(PAPER-II & III)

Including Previous Year's
Solved Papers

By : Achalendra Kumar

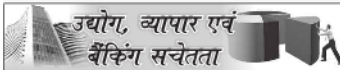
Code No. 1791

₹ 315/-



UPKAR PRAKASHAN • e-mail : care@upkar.in
• website : www.upkar.in





1. निम्नलिखित में से किस नियामक निकाय ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष 2013 में पूरे किए हैं ?

- (A) ट्राई (TRAI)
(B) सेबी (SEBI)
(C) इरडा (IRDA)
(D) एफएमसी (FMC)

2. निम्नलिखित में से कौन वर्तमान में भारत के निबंधक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) के रूप में कार्यरत हैं ?

- (A) विनोद राय
(B) एधुराम जी. राजन
(C) शशिकान्त शर्मा
(D) अशोक लाडि

3. भारत सरकार ने फाल्गु वर्ष 2013 को किस रूप में मनाने की घोषणा मई 2013 में की है ?

- (A) पर्यावरण संरक्षण वर्ष
(B) जल संरक्षण वर्ष
(C) ऊर्जा संरक्षण वर्ष
(D) कृषि जीवन संरक्षण वर्ष

4. भारतीय मूल की इटिरा न्यूजी किस कम्पनी से सम्बद्ध है ?

- (A) कोकाकोला (B) पेरिसो
(C) माइक्रोसॉफ्ट (D) इन्फोसिस

5. कागजी स्वर्ण कड़े जाने वाले एसडीआर (SDR) का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?

- (A) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(B) विश्व बैंक
(C) विश्व व्यापार संगठन
(D) अकटाड

6. बैंकिंग मानकों का उल्लंघन करने पर निजी क्षेत्र के तीन बैंकों पर कुल मिलाकर ₹ 10-5 करोड़ का जुर्माना रिजर्व बैंक ने जून 2013 में आरोपित किया। उनमें सर्वाधिक जुर्माना किस बैंक पर आरोपित किया गया ?

- (A) एचडीएफसी बैंक
(B) यस बैंक
(C) आईसीआईसीआई बैंक
(D) एक्सिस बैंक

7. 'बल्ट' इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट नाम से वार्षिक रिपोर्ट का प्रकाशन किस अन्तर्राष्ट्रीय संस्था द्वारा किया जाता है ?

- (A) विश्व बैंक
(B) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष
(C) विश्व व्यापार संगठन
(D) अकटाड

8. भारत में 'रिपोर्ट ऑन करेंसी एण्ड फाइनेंस' किसका वार्षिक प्रकाशन है ?

- (A) सेबी
(B) भारतीय रिजर्व बैंक
(C) वित्त अयोग
(D) वित्त मंत्रालय

9. अर्थव्यवस्था की स्थिति का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने वाले 'आर्थिक सर्वेक्षण' (Economic Survey) का प्रकाशन किसके द्वारा किया जाता है ?

- (A) योजना आयोग
(B) वित्त अयोग
(C) भारतीय रिजर्व बैंक
(D) वित्त मंत्रालय

10. जून 2013 में मौद्रिक एवं साख नीति (2013-14) की पहली मध्य त्रैमासिक समीक्षा में निम्नलिखित में से किस दर में कंटीली रिजर्व बैंक द्वारा की गई है ?

- (A) रेपो दर
(B) नकद आरक्षण अनुपात
(C) सांख्यिक तरलता अनुपात
(D) इनमें से कोई नहीं

11. जून 2013 के अन्त में देश में बैंक के लिए नकद आरक्षण अनुपात कितना था ?

- (A) 4 प्रतिशत (B) 8 प्रतिशत
(C) 12 प्रतिशत (D) 16 प्रतिशत

12. भारत में बैंक अपने ग्राहकों के मामले में 'केवाईसी' (KYC) मानकों को पूरा करने पर बहुत बल देते हैं। इस शब्द संक्षेप केवाईसी में सी (C) क्या निरूपित करता है ?

- (A) कॉन्फिडेंसियल
(B) क्रेडिट
(C) कस्टमर
(D) कन्फर्मेशन

13. निम्नलिखित में से किस देश में 'अंतिम ऋषदादा' के रूप में माना जाता है ?

- (A) भारतीय स्टेट बैंक
(B) भारतीय रिजर्व बैंक

(C) सेबी

(D) केन्द सरकार

14. निम्नलिखित में से कौनसी संस्था विश्व बैंक का अंग नहीं है ?

- (A) आईएमएफ
(B) आईबीआरडी
(C) मीगा (MIGA)
(D) आईडीए

15. विश्व बैंक का मुख्यालय कहीं स्थित है ?

- (A) जेनेवा
(B) रोम
(C) न्यूयॉर्क सिटी
(D) वॉशिंगटन डी सी

16. नवम्बर 2013 में विश्व आर्थिक मंच (WEF) इजिप्ता-2013 बैठक का आयोजन किस शहर में प्रस्तावित है ?

- (A) नई दिल्ली (B) मुम्बई
(C) बंगलूरु (D) कोल्वि

17. विश्व के औद्योगिक दुर्घि से सम्पन्न एक विकसित देशों के समूह जी-8 का 39वाँ शिखर सम्मेलन जून 2013 में किस देश में हुआ था ?

- (A) अमेरिका (B) रूस
(C) ब्रिटेन (D) फ्रांस

18. एफडीआई व एफआईआई के सम्बन्ध में धर्म की स्थिति दूर कर इनके अर्थों की स्पष्ट व्याख्या के लिए किसकी अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति का गठन वित्त मंत्रालय द्वारा इसी वर्ष किया गया था ?

- (A) डॉ. रणजित मोहन
(B) अरविंद माधव
(C) के. सी. चक्रवर्ती
(D) एच. आर. खान

19. देश के बुनियादी 24 जिलों के लिए 'रोशनी' परियोजना की शुरुआत केन्द्र सरकार के संशोधन से जून 2013 में की गई है। इस योजना का उद्देश्य है लक्षितों में—

- (A) साक्षरता सुधार
(B) विद्युतीकरण की स्थिति में सुधार
(C) औद्योगिकीकरण
(D) कौशल विकास

20. 'शार्क' देशों के दौरान फिनोलेसब का आयोजन मई 2013 में किस शहर में हुआ था ?

- (A) नई दिल्ली (B) मुम्बई
(C) इस्लामाबाद (D) कोलम्बो

21. कम किराए-भाड़ों के लिए प्रसिद्ध विमान सेवा कम्पनी 'एयर-एशिया' जिसने भारत में विमानन सेवाओं के लिए टाटा

- समूह के साथ गठबंधन किया है, मूलतः किस देश की कम्पनी है ?
 (A) सिंगापुर (B) चीन
 (C) मलेशिया (D) इण्डोनेशिया
22. भारतीय विमानन काजरे में प्रवेश करने की योजना बना रही एयर एशिया की भारतीय हवाई के प्रथम निदेशक पद पर किसकी नियुक्ति जून 2013 में की गई है ?
 (A) एस रामादुरे
 (B) सादुरस मिस्त्री
 (C) श्रीवर्द्धन गोएनका
 (D) एश. गोपालकुम्भार
23. भारत के निम्नलिखित में से किस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को अपनी श्रेणी में विश्व के दूसरे सर्वश्रेष्ठ हवाई अड्डे के रूप में अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन परिषद् में जून 2013 में पुरस्कृत किया है ?
 (A) इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली
 (B) नेताजी सुभाष चन्द्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, कोलकाता
 (C) राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा हैदराबाद
 (D) वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, पोर्ट ब्लेयर
24. केन्द सरकार की इंवीसीजी योजना निम्नलिखित में से किससे सम्बंधित है ?
 (A) विदेशी निवेश (B) विदेशी व्यापार
 (C) दूर संचार (D) बैंकिंग
25. निम्नलिखित में से किस 'भारतीय बैंक संध' (IBA) के अध्यक्ष को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए जून 2013 में चुना गया है ?
 (A) के. अर. कागत
 (B) जी. श्रीनिवासन
 (C) आलोक मिश्र
 (D) अर. एन. माथ्या
26. संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्थिक-सामाजिक मामलों के विभाग के जनसंख्या प्रकोष्ठ की एक लंबा रिपोर्ट के अनुसार किस वर्ष के पर्याप्त भारत विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो जाएगा ?
 (A) 2028 (B) 2038
 (C) 2048 (D) 2058
27. चीन व भारत के पर्याप्त तीसरी बड़ी जनसंख्या वाला देश वर्तमान में अमेरिका है निम्नलिखित में से कौनसा देश 2050 के पर्याप्त अनरीका को पीछे छोड़ते हुए तीसरी बड़ी जनसंख्या वाला देश होगा ?
 (A) बांग्लादेश (B) इण्डोनेशिया
 (C) नाइजीरिया (D) द. आफ्रीका
28. अन्ना अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा किस शहर में स्थित है ?
 (A) कोयंबटूर (B) कोलिव
 (C) चेन्नई (D) तिरुवनंतपुरम
29. भारतीय रिजर्व बैंक में डिप्टी गवर्नर के कुल कितने पद हैं ?
 (A) 1 (B) 2
 (C) 3 (D) 4
30. भारत के 14वें वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन हैं ?
 (A) विजय केलकर
 (B) वाई. वी. रेड्डी
 (C) सी. रंगराजन
 (D) कौशिक बसु

उत्तरमाला

...

उपकार परीक्षा तिथि-18 अगस्त, 2013

इग्नू बी.एड.

प्रवेश परीक्षा

गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित

लेखक: डॉ. लाल एच जैन कोड नं. 1119 मूल्य: ₹ 320/-

प्रमुख आकर्षण

- ★ शैक्षिक और सामान्य जानकारी
- ★ अध्यापक अधिपत्र एवं विशालपत्र
- ★ शैक्षणिक एवं विदेशीय भाषा
- योग्यता ★ हिन्दी ★ English
- ★ विज्ञान ★ गणित
- ★ सामाजिक अध्ययन

English Edition Code No. 1619 ₹ 355/-

उपकार प्रकाशन, अगारा-2 Email: www.upkar.in
 Website: www.upkar.in

उपकार Online Exam Date
20, 21 & 27,
28 July, 2013

रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया

सहायक

मर्ती परीक्षा

(गत वर्ष का प्रश्न-पत्र हल सहित)

लेखक: जैन एवं गुप्ता कोड 2192 ₹ 350/-

सामान्य जागरूकता

तर्कशक्ति परीक्षा

संख्यात्मक योग्यता

General English

कम्प्यूटर ज्ञान

English Edition Code 1760 ₹ 245/-

उपकार प्रकाशन, अगारा-2 Email: www.upkar.in
 Website: www.upkar.in



गृह विज्ञान

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

1. किस वानस्पतिक सात से ग्लूटेन (Gluten) प्राप्त होता है ?

- (A) राईस (B) चावल
(C) मक्का (D) गेहूँ

2. HDL कहीं बनता एवं संचित होता है ?

- (A) अग्न्याशय (B) यकृत
(C) गुर्दे (D) मीशपेशियाँ

3. कोनसी खाद्य पदार्थ सेवा व्यवस्था केन्द्रीय इकाई में खाद्य पदार्थों का उत्पादन करती है और अन्य छोटी इकाइयों को संसाधित (processed) खाद्य पदार्थ वितरित करती है ?

- (A) पारम्परिक
(B) एसम्बली लाइन
(C) कंशिशरी
(D) कुक एण्ड विल

4. चूर्ण का घनन निम्नलिखित में से क्या तब करता है ?

- (A) घागे की किस्म
(B) कपड़े की किस्म
(C) बटिए की लम्बाई
(D) घागे का सिधाव

5. निम्नलिखित में से कौनसा किजाइन रिशेट नहीं है ?

- (A) ड्रॉप (B) निरर
(C) रोटरी (D) सटिन

6. 'बेरेक्षिंगस' शब्द किसने प्रतिपादित किया था ?

- (A) प्रांग
(B) गिलब्रेथ
(C) डनमन डब्ल्यु. रॉस
(D) मुण्डल

7. दबी हुई संवेगलक ऊर्जा (emotional energy) के बाहर निकालने को कहते हैं—

- (A) शारीरिक नियन्त्रण
(B) संवेगलक विरेधन/मायोवन्
(C) मानसिक संतुलन
(D) संवेगलक शुरुवा

8. शब्दों, मुद्राओं तथा प्रतिसर्पों के माध्यम से लोगों के विश्वासों, मूल्यों तथा व्यवहार का सुविचारित जोड़-जोड़ किस नाम से जाना जाता है ?

- (A) प्रचार
(B) (प्रोपेगंडा) अधिप्रचार
(C) विश्वास उत्पन्न करना
(D) अवबोधन

9. समस्या के समाधान ज्ञात करने के लिए प्रतिभागियों के मस्तिष्क को प्रेरित करना क्या कहलाता है ?

- (A) बोलचाल (Colloquism)
(B) संगोष्ठी
(C) वाद - विवाद
(D) ब्रेन - स्टर्मिंग

10. कार्बो - स्कैपेर टेस्ट का प्रयोग कब होता है ?

- (A) जब तुलना के लिए सिर्फ दो समूह हों
(B) जब आँकड़े आवृत्ति में हों
(C) आँकड़ों की दृढ़ता को जाँच
(D) जब तुलना के लिए तीन या अधिक समूह हों

11. निम्नलिखित में से कौनसे खाद्य पदार्थ फेरिमेंट एसिड के खमीरीकरण (Fermentation) से बनाए जाते हैं ?

- (a) वियर (b) दही
(c) चीज (पनीर) (d) सिरका
(A) (a) और (b) (B) (b) और (c)
(C) (c) और (d) (D) (d) और (a)

12. निम्नलिखित में से कौनसे खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन नहीं होता है और शिलिके रोग से पीड़ित नशीबों को इसका उपयोग करने की छूट है ?

- (a) गेहूँ का आटा
(b) चावल का आटा
(c) चने का आटा
(d) मक्का का आटा
(A) (b), (c) और (d) सही हैं.
(B) (a), (b) और (c) सही हैं.
(C) (c), (d) और (a) सही हैं.
(D) (d), (a) और (b) सही हैं.

13. प्रबन्धन का कौनसा उपकरण कार्मिकों से सम्बन्ध नहीं रखता है ?

- (a) संगठन चार्ट
(b) उत्पादन अनुसूची
(c) जीब (या काम) का विवरण

- (d) जीब (या कार्य) का विनिर्देशन
(e) बजट
(f) संयार

छूट :

- (A) (a) और (b) (B) (b) और (e)
(C) (e) और (c) (D) (f) और (b)

14. नमूने (पैटर्न) में डार्ट को निम्नलिखित के द्वारा बदला जा सकता है—

- (i) टक
(ii) घुमना
(iii) स्टार्च लाइन
(iv) नियन्त्रित सीधन
(A) (i) और (ii) सही हैं.
(B) (ii) और (iii) सही हैं.
(C) (ii) और (iv) सही हैं.
(D) (iii) और (iv) सही हैं.

15. भारतीय वस्त्र उद्योग में आजकल प्रिंटिंग की किस विधि का सामान्यतः उपयोग किया जाता है ?

- (i) स्त्रीन प्रिंटिंग
(ii) डिजिटल
(iii) रोलर प्रिंटिंग
(iv) ब्लॉक प्रिंटिंग

छूट :

- (A) (ii), (iii) और (iv) सही हैं.
(B) (i), (ii) और (iii) सही हैं.
(C) (i), (iii) और (iv) सही हैं.
(D) (i), (ii) और (iv) सही हैं.

16. निम्नलिखित में से कौनसे तटस्थ रंग/वर्ण हैं ?

- I. काला II. लाल
III. हरा IV. सफेद
(A) I, II और III सही हैं.
(B) I और II सही हैं.
(C) I और III सही हैं.
(D) I और IV सही हैं.

17. विकास किसका परिणाम है ?

- (i) आनुवंशिकता एवं वातावरण
(ii) अधिगम एवं परिपक्वता
(iii) अधिगम एवं प्रशिक्षण
(iv) अवलोकन के द्वारा अधिगम
(A) (i), (ii) एवं (iii) सही हैं.
(B) (i) एवं (ii) सही हैं.
(C) (ii), (iii) एवं (iv) सही हैं.
(D) (i) एवं (iv) सही हैं.

18. अनौपचारिक शिक्षा (non-formal education) —

- (i) संगठित होती है.
(ii) व्यवस्थित होती है.

- (iii) अत्यधिक संस्थानिक होती है।
(iv) सैविक गतिविधि है।

कूट :

- (A) (i), (ii) एवं (iv) सही हैं।
(B) (i) एवं (ii) सही हैं।
(C) (i), (ii) एवं (iii) सही हैं।
(D) (ii), (iii) एवं (iv) सही हैं।

19. निम्नलिखित में से दृष्टिकोण सामग्री (Visual aids) है—

- (i) ब्लॉक चार्ट
(ii) पोस्टर
(iii) लोक सम्बंधन प्रणाली
(iv) वल्लेख कार्ड

- (A) (i), (iii) एवं (iv) सही हैं।
(B) (i), (ii) एवं (iv) सही हैं।
(C) (ii) एवं (iv) सही हैं।
(D) (i), (ii) एवं (iii) सही हैं।

20. गुणलक औकों की विश्लेषण के लिए सर्वाधिक उपयुक्त सांख्यिकीय परीक्षण है—

- (i) पीयरसन आर (पीयरसन स r)
(ii) साइन टेस्ट
(iii) क्रुस्कल-वालिश टेस्ट
(iv) एक - टेस्ट

- (A) (i) और (ii) दोनों सही हैं।
(B) (iii) और (iv) दोनों सही हैं।
(C) (i) और (iii) दोनों सही हैं।
(D) (ii) और (iii) दोनों सही हैं।

21. अभिकथन (A) : संचित दूध में मुरास मिलान प्रतिक्रिया के कारण होता है।

कारण (R) : यह रिड्यूसिंग शर्करा व कसा के बीच होने वाली प्रतिक्रिया से होता है।

कूट :

- (A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है।

22. अभिकथन (A) : घात्रीयवस्था में ऊर्जा की आवश्यकता गर्भावस्था की अपेक्षा अधिक होती है।

कारण (R) : क्योंकि घात्रीयवस्था में दूध के स्राव के कारण अग्रण की मात्रा अधिक होती है।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(C) (A) सही है और (R) गलत है।
(D) (A) गलत है और (R) सही है।

23. अभिकथन (A) : खाद्य सेवा के बड़े संस्थान औपचारिक प्रतियोग्यतात्मक नियमों का उपयोग करते हैं।

कारण (R) : यही क्रेता चौक काजूर में जाकर कीमत की बांझी लगाता है।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(B) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

24. अभिकथन (A) : कॉलर का बंक पॉइन्ट प्लेकिट के विस्तारित अंश पर चिह्नित किया जाता है।

कारण (R) : रोल लाइन मध्य अग्र रेखा से पीछे की ओर मुड़ती है।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों मिथ्या हैं।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(C) (A) सही है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(D) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सही है।

25. अभिकथन (A) : बोकड (जरी), इकाबिक (डल्ल-बुल्ल), जैकड और टिस्ट्री (विन चवकिता) को एक ही श्रेणी में वर्गीकृत किया जा सकता है।

कारण (R) : सभी को जैकड करघे पर बनाया जा सकता है।

कूट :

- (A) (A) और (B) दोनों मिथ्या हैं।
(B) (A) और (B) दोनों सही हैं।
(C) (A) सही है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(D) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सही है।

26. अभिकथन (A) : निर्णय लेने का समस्या समाधान की तुलना में गृहप्रबन्ध सर्व सम्बन्धी अवधारणा नहीं है।

कारण (R) : गृहप्रबन्ध प्रबन्धकीय कार्यकारिता की संपूर्णता पर विचार नहीं करता है।

कूट :

- (A) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।
(B) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R) पूरा स्पष्टीकरण नहीं है।
(D) (A) और (R) दोनों मिथ्या हैं।

27. अभिकथन (A) : अहम् (Ego) वास्तविक संसार से सम्बन्ध रखता है। यह वास्तविकता के शिद्धान्त पर आधारित है।

कारण (R) : अहम् (Ego) आवश्यकता को संतुष्ट करने के लिए वास्तविक वस्तुओं की खोज करता है। एक मुख्य व्यक्ति को मूल संतुष्टि के लिए वास्तविक गोजन ही मिलना चाहिए।

कूट :

- (A) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, (R) सही वर्णन है।
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R) सही विवरण नहीं है।
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

28. अभिकथन (A) : गोपनीयता (Confidentiality) परामर्शदाता की अनिवार्य विशेषता है।

कारण (R) : परामर्शी सम्बन्ध केवल तभी प्रभावी होगा जब परामर्शदाता गोपनीयता बनाए रखता है।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(B) (A) और (R) दोनों मिथ्या हैं।
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(D) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।

29. अभिकथन (A) : सामाजिक व्यवस्था में व्यक्तित्व एक ही समय पर नवोदय (Innovation) को गंभीर अपनाते हैं।

कारण (R) : परन्तु वे नवोदय (Innovation) को क्रमिक समय अनुक्रम में अपनाते हैं।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(B) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।
(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

30. अभिकथन (A) : असममित (Non-symmetric) वितरण/बंटन को विषम (Skewed) वितरण भी परिभाषित किया जाता है।

कारण (R) : विषम वितरण में, अतिम सिरों में से एक की लम्बाई केन्द्रीय खंड की तुलना में दूसरे से अमानुषाधिक होती है।

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R) सही वर्णन है।
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं।
(C) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।
(D) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।

31. प्रोटीन की घटती हुई मात्रा के क्रम में निम्नलिखित खाद्य पदार्थों को व्यवस्थित कीजिए—

- (i) डबलरोटी
(ii) पीज (फली)
(iii) मक्खन
(iv) उबला हुआ अण्डा

(A) (i), (ii), (iii), (iv)

(B) (ii), (iii), (iv), (i)

(C) (iii), (i), (ii), (iv)

(D) (iv), (ii), (i), (iii)

32. GAT में खाद्य पदार्थ के पाचन के लिए एन्जाइम् की आनुक्रमिक सम्बद्धता बताइए—

(a) आइसो मास्टेस
(b) पेपसिन
(c) टायलिन
(d) एमिलेस

कूट :

(A) (a) (b) (d) (c)

(B) (c) (b) (d) (a)

(C) (d) (a) (b) (c)

(D) (b) (a) (c) (d)

33. क्रय अधिकारी (Purchase Officer) किस अनुक्रम में खरीद का ऑर्डर देता है ?

(a) ऑर्डर फॉर्म बनाता है.
(b) विक्रेता की पहचान करता है.
(c) विशेष विवरण लिखता है.
(d) आवश्यकता की पहचान करता है.

(e) खरीद के तरीके का चयन करता है.

कूट :

(A) (a) (b) (c) (e) (d)

(B) (d) (c) (a) (e) (b)

(C) (b) (c) (e) (a) (d)

(D) (c) (a) (e) (b) (d)

34. परिधानों के उत्पादन का सही अनुक्रम दीजिए—

(a) लेबल लगाना
(b) संयोजन करना या जोड़ना
(c) काटना
(d) बण्डल बनाना

कूट :

(A) (d) (b) (a) (c)

(B) (a) (c) (b) (d)

(C) (c) (a) (d) (b)

(D) (b) (d) (c) (a)

35. कृत्रिम रेशों के उत्पादन का सही अनुक्रम दीजिए—

(a) परिष्करण (Finishing) रेशाघर्षों के साथ उपचार
(b) बाहर निकालने की क्रिया (Extraction)
(c) बहुलकीकरण (Polymerization)

(d) घोल में गलाना

कूट :

(A) (b) (a) (d) (c)

(B) (d) (c) (a) (b)

(C) (a) (b) (c) (d)

(D) (c) (d) (b) (a)

36. गृह प्रबंधन की प्रक्रिया में गतिविधियों का सही अनुक्रम बताइए—

(A) नियोजन, संगठन, प्रतिसूचना, क्रियान्वयन

(B) नियोजन, संगठन, क्रियान्वयन, प्रतिसूचना

(C) नियोजन, क्रियान्वयन, संगठन, प्रतिसूचना

(D) नियोजन, प्रतिसूचना, संगठन, क्रियान्वयन

37. मनो-सामाजिक विकास (Psycho-Social development) की अवस्थाओं को सही क्रम में लिखिए—

(i) उत्पादकता बनाम निष्क्रियता
(ii) पहचान बनाम भूमिका संक्रान्ति
(iii) अहम-एकीकरण/समाकलन बनाम निराशा
(iv) पहलकदमि/भेदभाव बनाम दोष अंतराध

कूट :

(A) (i), (ii), (iii) और (iv)

(B) (iv), (ii), (i) और (iii)

(C) (iii), (ii), (iv) और (i)

(D) (ii), (iv), (i) और (iii)

38. पार्टिशिपेटरी रूलर एग्जल (पी आर ए) तकनीक प्रयुक्त करने में कितने सोपनों (Steps) का अनुपालन किया जाता है ?

(i) ग्रामवासियों के साथ व्यक्तिगत सम्बन्ध बनाना.

(ii) उन ग्रामवासियों की पहचान करना जो अपने अनुभव बाँटने को तैयार हैं.

(iii) परिधियों के लिए कतावरण तैयार करना.

(iv) ग्रामवासियों को मिलना.

(v) साक्षात्कार के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करना.

(vi) पूरी दिलचस्पी तथा उत्साह दिखाना.

कूट :

(A) (i), (iv), (ii), (v), (iii), (vi)

(B) (iv), (v), (iii), (i), (vi), (ii)

(C) (iv), (i), (ii), (vi), (iii), (v)

(D) (v), (vi), (i), (iv), (iii), (ii)

39. दत्तक ग्रहण प्रक्रिया की अवस्थाओं को सही अनुक्रम में व्यवस्थित कीजिए—

(i) रुचि (Interest)

(ii) जागरूकता (Awareness)

(iii) मूल्यांकन (Evaluation)

(iv) दत्तक ग्रहण (Adoption)

(v) जीव के लिए प्रयोग (Trial)

कूट :

(A) (i), (ii), (iii), (v), (iv)

(B) (v), (i), (ii), (iv), (iii)

(C) (ii), (i), (iii), (v), (iv)

(D) (iii), (v), (ii), (i), (iv)

40. मापन के निम्नलिखित पैमानों को निम्नतम से उच्चतम के अनुक्रम में व्यवस्थित करें—

(i) इन्टरवल माप

(ii) ओर्डिनल माप

(iii) नॉमिनल माप

(iv) रेशियो माप

(A) (ii), (iii), (i), (iv)

(B) (iv), (i), (ii), (iii)

(C) (iii), (ii), (i), (iv)

(D) (iii), (ii), (iv), (i)

41. सूची-I के खाद्य पदार्थों को सूची-II के रंग द्रव्यों के साथ मिलाइए—

सूची-I (खाद्य पदार्थ)

(a) चुकन्दर (Beet root)

(b) गाजर (Carrot)

(c) प्याज (Onion)

(d) पालक (Spinach)

सूची-II (रंग द्रव्य)

1. फ्लेवोन

2. बीटासिलिन

3. क्लोरोफिल

4. कैरीटोनीयडस

कूट :

(a) (b) (c) (d)

(A) 1 2 3 4

(B) 2 4 1 3

(C) 3 2 4 1

(D) 4 3 1 2

42. ग्रन्थियों को उनके अपने-अपने हार्मोनों के साथ सुमेलित करें—

(a) α सेल पैन्क्रिया

(b) एड्रीनल कॉर्टेक्स

(c) β सेल पैन्क्रिया

(d) पीट्यूटरी

1. एड्रीनल कॉर्टिकल स्टेरोइड

2. इन्सुलिन

3. प्रोलेक्टिन

4. ग्लूकोनोन



कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	3	4

43. केटरिंग इकाई को सेवा विधि के सही प्रकार के साथ सुमेलित करें-

केटरिंग इकाई	सेवा की विधि
(a) कैफेटेरिया	1. केंद्रीयकृत
(b) अस्पताल	2. रैकम्बल
(c) रेलवे	3. ब्रुक
(d) कॉन्फेस हाल	4. प्लेटिड सर्विस

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

44. सूची-I में दी गई फ़ैशन शब्दावली को सूची-II में दिए गए उनके अर्थों के साथ सुमेलित कीजिए-

सूची-I

- कलासिक
- गैज
- ओट कूट
- प्रैट-ऑ-पॉर्टर

सूची-II

- सिर्फ अपने लिए फिट परिधान
- पहनने का लेखक
- बरसों चलते हैं
- बोड़े समय की लटक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	1	2
(C)	2	3	4	1
(D)	4	1	2	3

45. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें-

सूची-I

- कण्डा
- अनानास
- अलसी
- नारियल की जटा

सूची-II

- पादप तना
- बीज के संघ (Seed hair)
- पादप पत्ता
- फल का छिलका

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	1	4
(B)	1	2	4	3
(C)	3	4	2	1
(D)	4	1	3	2

46. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

सूची-I

- मानव संसाधन
- संसाधन
- नमी निर्वाय
- अनुपात

सूची-II

- अंतरसम्बन्धित (Interrelated)
- पुनः घटित होना (Recurring)
- स्वर्णिम आयताकार (Golden oblong)
- अगोचर (Intangible)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	4	1	3	2
(C)	1	2	3	4
(D)	2	4	1	3

47. सूची-I के मर्दों को सूची-II से मिलाइए-

सूची-I

- मिट्टी के प्रतिरूप बनाना (Clay Modelling)
- पूर्व-मुनियादी शिक्षा (Pre-basic education)
- अंतराष्ट्रीय महिला दिवस
- आई.सी.डी.एस. में पोषण के लाभान्वित

सूची-II

- एम. के. गाँधी
- 6 माह - 72 माह के बच्चे
- कल्पनासक्ति एवं सृजनशालक
- 8 मार्च
- 8 जुलाई

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	5	1
(B)	2	5	4	2
(C)	3	1	4	2
(D)	1	3	2	4

48. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें-

सूची-I

- ज्ञान में बदलाव
- अभिवृत्ति में बदलाव
- विरासत में बदलाव
- कोशाल में बदलाव

सूची-II

- आत्मनिर्भरता
- कार्य करना
- जो क्या जानते हैं
- कुछ चीजों के प्रति प्रतिक्रिया

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	3	1
(B)	3	1	2	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	1	2	3

49. सूची-I में दी गई संसार की पारम्परिक विधियों को सूची-II में दिए राज्यों के साथ सुमेलित करें-

सूची-I (पारम्परिक विधि)

- ओडिसी (ओडिसी)
- ओइल अहम
- कयकली
- यक्षगान

सूची-II (राज्य)

- केरल
- कर्नाटक
- तमिलनाडु
- ओरिसा (ओडिसा)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	4	2	1	3
(D)	3	4	2	1

50. सूची-I में प्रतीकों का सूची-II में दिए शब्दों से मिलान करें-

सूची-I

- md
- Σ
- X^2
- \bar{X}

सूची-II

- कार्ड-सर्वेयर
- माध्य
- का योग
- मीडियन (गणित)

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	4	3	1	2
(C)	1	2	4	3
(D)	4	3	2	1

संगीत

(द्वितीय प्रश्न-पत्र)

भाग I

हिन्दुस्तानी/कर्नाटक/रवीन्द्र संगीत तथा अवगुह्य वाद्य चारों के लिए

1. नारदीय शिक्षा में कितने ग्राम रागों का वर्णन किया गया है ?
(A) 5 (B) 10
(C) 7 (D) 6
2. अनुसन्धान शोध प्रविधि (Methodology) के अन्तर्गत किस मुख्य तत्व की गणना की जाती है ?
(A) पत्र-पत्रिकाएं (Magazines-Journals)
(B) संस्मरण (Memoirs)
(C) विषय चयन (Slection of Topic)
(D) विस्मय टैप
3. इनका सम्बन्ध पुष्टि मार्ग (इवेली संगीत) के कोनों से है—
(A) जाति गायन (B) अष्टपदिकी
(C) प्रबन्ध गायन (D) ध्रुव गायन
4. भातखण्डे लिपि पद्धति में सप्त का चिह्न—
(A) + (B) O
(C) x (D) S
5. ब्रह्मताल की मात्राएँ हैं—
(A) 20 (B) 24
(C) 26 (D) 28
6. उस्ताद जाकिर हुसैन किस घराने के हैं ?
(A) दिल्ली (B) पंजाब
(C) अजरादा (D) लखनऊ
7. निम्नलिखित में से रवीन्द्रनाथ टैगोर कृत गीतानाट्य कौनसा है ?
(A) चित्रांगदा
(B) चण्डालिका
(C) कालिन्धी प्रतिभा
(D) रश्मि
8. 'जन गण मन' गीत रवीन्द्र संगीत के किस पर्याय के अन्तर्गत गेय है ?
(A) ब्रह्म संगीत
(B) देशभक्ति संगीत (Patriotic Song)

- (C) पूजा गीत (Devotional Song)
(D) प्रेम गीत (Love Song)
9. 2011 में केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी सम्मान किस कलाकार को मिला ?
(A) पं. छम्पूला मिश्रा
(B) राजन राजन मिश्रा
(C) प्रो. श्रुति सलौलीकर काटकर
(D) पं. जसराज
10. स्टार नोटेशन में स्वर को एक समीपान नीचा करने पर क्या कहते हैं ?
(A) शार्प (B) नेचुरल
(C) फ्लैट (D) डबल फ्लैट
11. कौनसा वाद्य यन्त्र बद्धवा रवीन्द्र संगीत के साथ प्रयुक्त नहीं होता है ?
(A) इसराज (B) खोल
(C) बायलिन (D) बोलक
12. रवीन्द्रनाथ रचित जन्मोत्सव अनुष्ठीक गीत कौनसा है ?
(A) हे नूतन देखा दिक आर बार जन्मोत्सव प्रभांनो शुभाक्षय
(B) सकारे कोरि आह्वान
(C) आज बसन्तो जाग्रोतो द्वारे
(D) सनुखे हान्ति पादबाध
13. संगीत मकरन्द ग्रन्थ के रचनाकार हैं—
(A) हारणदेव (B) मत्तंग
(C) नारद (D) पार्वदेव
14. संगीत और साहित्य मुक्त आलंकारिक प्रयोग आंग कौनसा है ?
(A) जति (B) यति
(C) संगति (D) सौलकेषु स्वर
15. उस्ताद अब्दुल क़दीर ख़ाँ का सम्बन्ध किस घराने से था ?
(A) अमरा घराना
(B) पटियाल घराना
(C) ग्वालियर घराना
(D) किराना घराना
16. हिन्दुस्तानी राग मेरव के समकक्ष कर्नाटक में है—
(A) गमनप्रिय
(B) खरहरप्रिया
(C) शुभ पंतुवराली
(D) माया गायन गौड
17. स्वामी पाण्ड्यास के नाम से लोकप्रिय पद्मजाय वादक—
(A) रामकृष्ण दास
(B) शिवशंकर दास
(C) रामशंकर दास
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
18. ध्रुव का मान—
(A) 1 मात्रा (B) 3 मात्रा
(C) 5 मात्रा (D) 7 मात्रा
19. रिज्यों की गायन सीमा (Vocal range) कौनसी है ?
(A) अल्टो (B) बास
(C) टेनर (D) बेरीटोन
20. वै क्वालिक कला (Subjective art) है—
(A) संगीत (Music)
(B) कव्य (Poetry)
(C) वास्तुकला (Architecture)
(D) साहित्य (Literature)
21. संगीत शिक्षण में कार्यप्रति प्रक्रिया का मुख्य तत्व कौनसा है ?
(A) प्रश्नपत्र का निर्माण
(B) मूल्यांकन (Evaluation)
(C) पाठ्यक्रम का निर्माण
(D) व्यावहारिक पक्ष (Applied theory)
22. भारतीय स्वर सप्तक प्रणाली के प्राथमिक विकास का प्रथम स्तर कौनसा है ?
(A) गार्थिक काल
(B) समीचीन गायन
(C) एक स्वर गायन
(D) आरम्भिक काल
23. वर्तमान शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त 22 श्रुति क्रम को सर्वप्रथम किसने स्थिति किया ?
(A) दत्तिल (B) सोमनाथ
(C) भरत (D) रामानाथ
24. निम्नलिखित में से सही जोड़े को चिह्नित कीजिए—
(A) रवीन्द्रनाथ के चाचा — शिरा द्वारकानाथ ठाकुर
(B) रवीन्द्रनाथ के भाई — सत्येन्द्र नाथ ठाकुर
(C) रवीन्द्रनाथ के चचेरे भाई — रवीन्द्रनाथ ठाकुर
(D) रवीन्द्रनाथ के पुत्र — महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर

25. टप्पा गायिकी में प्रायः किस ताल का प्रयोग होता है ?

- (A) दीपचन्दी (B) तीनताल
(C) पंजाबी (D) बगार

नोट—यहाँ केवल हिन्दुस्तानी संगीत (गायन/वादन) तथा अवनय वाद्य का उल्लेख दिया गया है।

भाग II हिन्दुस्तानी संगीत (गायन/वादन)

26. निम्नलिखित बाट राग जोड़ी में कौनसी जोड़ी सही नहीं है ?

- (A) राग पुरिख — बाट मारवा
(B) राग पुरिख कल्याण — बाट मारवा
(C) राग पुरिख धनाशी — बाट मारवा
(D) राग सोहनी — बाट मारवा

27. निम्नलिखित में से सही समूह का चुनाव करिए, जो कि 'प्रबन्ध' के 'जगु' को इंगित करता है—

- (A) आरोही, अवरोही, आभोग, संवारी
(B) उदाग्रह, मेलाक, ध्रुव, आभोग
(C) स्वाई, अन्तरा, कदंब, सप्तक
(D) ताल, छन्द, भाषिणी, संवारी

28. निम्नलिखित में से कौनसा मेरव बाट का आश्रय राग है ?

- (A) अहीर मेरव (B) बैरागी मेरव
(C) नट मेरव (D) मेरव

29. निम्नलिखित में से कौनसे तत्व, राग को सही आकार प्रदान करने में सहायता करते हैं ?

- (i) अल्पाय — बहुल
(ii) वादी — संवादी
(iii) भटपल्ली — चटका

निम्नलिखित काष्ठ के द्वारा सही उत्तर का चुनाव करिए—

- कूट :
(A) (i), (ii) एवं (iii)
(B) (ii) एवं (iii)
(C) (i) एवं (iii)
(D) (i) एवं (ii)

30. राग विलासखात्री तांडी किस बाट के अन्तर्गत आती है ?

- (A) तांडी (B) आसवरी
(C) काशी (D) नेरवी

31. हनुमन्त मठ की राग-रागिनी वर्गीकरण की अवधारणा के अनुसार कितने राग व उनकी कितनी रागिणियाँ मानी गई हैं ?

- (A) छः राग — छत्तीस रागिनी

(B) छः राग — पच्चीस रागिनी

(C) छः राग — तीस रागिनी

(D) चौबीस राग — छत्तीस रागिनी

32. पं. व्यंकटमठि द्वारा राग वर्गीकरण हेतु बताई गई बाट की संख्या क्या है ?

- (A) 105 (B) 72
(C) 32 (D) 12

33. अष्टदशक स्वर 'मध्यम' महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह इंगित करता है—

- (A) राग के रस-भाव को
(B) राग के स्वर-संवाद को
(C) राग के समय विभाजन को
(D) रागी के वर्गीकरण को

34. कर्नाटकीय संगीत में निम्नलिखित में से किन रचनाकारों को विमूर्ति के नाम से जाना जाता है ?

- (A) व्यंकटमठि, लोचन, श्रीनिवास
(B) त्यागराज, मुत्तुस्वामी दीक्षितार, ह्यानासास्त्री
(C) त्यागराज, ह्यानासास्त्री, व्यंकट-मठि
(D) श्रीनिवास, त्यागराज, रामानाथ

35. निम्नलिखित में से किस संगीत शैली के प्रमुख नायक को 'वदगाथा' कहा जाता है ?

- (A) सादरा (B) सालासुद
(C) सामवेद (D) सीना-य-सीना

36. प्रबन्ध में 'तेनक' शब्द का अर्थ क्या है ?

- (A) मंगलध्वनि (B) गरुडध्वनि
(C) हंसध्वनि (D) निर्गलध्वनि

37. अमीर खुसरो का जन्मस्थान (Birth-place) कौनसा है ?

- (A) दिल्ली (B) लखनऊ
(C) पटियाला (D) लाहौर

38. उत्तर भारतीय और कर्नाटक संगीत में दोनों संगीत पद्धति कुशलता से बजाने वाले कलाकार कौन हैं ?

- (A) पं. गगननरुप जोशी
(B) पुनुर देवदास जोशी
(C) टी. एन. कृष्णन्
(D) एम्. एस्. गोपालकृष्णन्

39. शायकालीन गाय जाते वाला राग है—

- (A) अहीर मेरव (B) मारुविहाग
(C) भुद्ध सारङ्ग (D) कोई नहीं

40. सितार की पिकारी का तार किस स्वर में मिलाया जाता है ?

- (A) धार स (B) मध्य स
(C) मन्द स (D) कोई नहीं

41. मुस्ताक अली खाँ के सितार के परदों की संख्या—

- (A) 24 (B) 23
(C) 17 (D) 21

42. कौन नेहरू घराने का नहीं है ?

- (A) उ. झुजल खाँ
(B) उ. अली अकबर खाँ
(C) पं. रविशंकर
(D) पं. निखिल बैनर्जी

43. 'संगीत दर्पण' ग्रन्थ की रचना किस सन् में हुई ?

- (A) 1625 (B) 1626
(C) 1627 (D) 1628

44. 'संगीत-राग कल्पद्रुम' के लेखक हैं—

- (A) मुहम्मद रशा
(B) सर्वाई प्रतापसिंह
(C) कृष्णानन्द व्यास
(D) कोई नहीं

45. राग परमेश्वरी का निर्माण किसके द्वारा किया गया है ?

- (A) पं. रविशंकर
(B) पं. निखिल बैनर्जी
(C) पं. बलराम पाठक
(D) विजयी शरण रानी माधुर

46. केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी की स्थापना कब हुई ?

- (A) 1950 (B) 1952
(C) 1948 (D) 1954

47. भरत नाट्यम् को किसने सफलता के शिखर पर पहुँचाया ?

- (A) रुक्मिणीदेवी अरुणेल
(B) यामिनी कृष्णमूर्ति
(C) बाल सखशी
(D) डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यन्

48. बडौदा के महाराज द्वारा किस कलाकार को 'आफताबे मुसिकी' के खिताब से विभूषित किया गया ?

- (A) उस्ताद अब्दुल करीम खाँ
(B) उस्ताद फैयाज खाँ
(C) उस्ताद अमीर खाँ
(D) उस्ताद बड़े गुलाब अली खाँ

49. बौद्ध काल में विद्यादान का प्रमुख केन्द्र था—

- (A) वाराणसी (B) तक्षशिला
(C) राजगृह (D) अवध

50. पारश्वर्य स्टाक नोटेशन में गीठ का क्या नाम है ?

- (A) पीछ (B) अपरमोरलेट
(C) स्तर (D) क्रैसेन्थे



अथवा

भाग - V

अवनद्ध वाद्य

26. ताल प्रकरण से सम्बद्ध देवता का नाम—
(A) ब्रह्मा (B) विष्णु
(C) शिव (D) गणेश
27. सर्वप्रथम अस्तित्व में आने वाला अवनद्ध वाद्य—
(A) पटह (B) अलिप्प
(C) दुर्दर (D) भुङ्गुमि
28. नृदंग का सम्बन्ध किससे है ?
(A) मिट्टी (Earth)
(B) काष्ठ (Wood)
(C) धातु (Metal)
(D) इनमें से कोई नहीं
29. 'वा किट तकिट तका' किस वाद्य का बोल है ?
(A) पखावज (B) तबला
(C) नृदंगम् (D) घटम्
30. कायदा किस वाद्य की रचना है ?
(A) तबला (B) पखावज
(C) ढोलक (D) नककरा
31. 'परन' किस वाद्य से सम्बन्धित है ?
(A) तबला (B) पखावज
(C) ढोलक (D) नककरा
32. 'ढेड गुन' किसे कहते हैं ?
(A) 3/2 (B) 2/3
(C) 3/4 (D) 4/3
33. 'सवा गुन' की मिला—
(A) 4/5 (B) 5/4
(C) 5/3 (D) 3/5
34. तबले पर ख्याती किससे रखी जाती है ?
(A) लकड़ी का बुरादा
(B) लोहे का बुरादा
(C) पत्थर का बुरादा
(D) इनमें से कोई नहीं
35. खयाल गायकी को बहुप्रचलित ताल—
(A) खेगटा (B) धुगाली
(C) एक ताल (D) पंजाबी
36. 'डुमरी' गायन शैली के साथ प्रायः कजरे वाले ताल—
(A) तीन ताल
(B) छापताल
(C) अद्धा तिताला
(D) दीपचंदी
37. 'लंगी' का प्रयोग किस गायकी में होता है ?

- (A) खयाल (B) टप्पा
(C) डुमरी (D) सादरा
38. 'संगत-सादरा' उपाधि प्राप्त तबला वादक—
(A) अहमद जान थिरकुआ
(B) अल्ला रक्खा
(C) हबीबुद्दीन
(D) मुन्ने खाँ
39. 'बारी पट' के तबला वादक—
(A) अहमद जान थिरकुआ
(B) अल्ला रक्खा
(C) हबीबुद्दीन
(D) मुन्ने खाँ
40. तबला और पखावज में समान रूप से ख्याति प्राप्त वादक—
(A) आगोष्ठा प्रसाद
(B) पागल दास
(C) प्रेम बल्लभ
(D) प्राण बल्लभ
41. बोल जिसका प्रसार सम्भव नहीं—
(A) काबदा (B) पेरक़ारा
(C) गत (D) लंगी
42. तबले का भराना जो पखावज से सीधा सम्बन्धित है—
(A) दिल्ली घराना
(B) पंजाब घराना
(C) अजरादा घराना
(D) फर्रुखाबाद घराना
43. तबले का बाज जिसमें आठ के बोल प्रबल रूप से हैं—
(A) दिल्ली बाज
(B) पुरब बाज
(C) अजरादा बाज
(D) इनमें से कोई नहीं
44. उ. कादर बरखा का घराना—
(A) दिल्ली (B) पंजाब
(C) लखनऊ (D) बनारस
45. 9/4 किस लयकारी को प्रदर्शित करती है ?
(A) आठ
(B) कुआड़
(C) बियाड़
(D) इनमें से कोई नहीं
46. 'ना धि धि ना' के लिए कौन सर्वाधिक प्रसिद्ध हुए ?
(A) कंठे महाराज
(B) किशन महाराज
(C) मुदई महाराज
(D) आनोखेजाल

47. बायें तबले पर आज भी परम्परा के नाम पर आठ कहाँ लगाया जाता है ?
(A) दिल्ली (B) पंजाब
(C) लखनऊ (D) बनारस
48. ठंका, जिसकी पडली व आठवीं मात्रा का बोल $1\frac{1}{2}$ मात्रा का होता है—
(A) दीपचंदी
(B) जत ताल
(C) अद्धा तिताला
(D) झुमरा
49. संगीत के किस ग्रन्थ को 'सत्ताध्यायी' भी कहा जाता है ?
(A) भरत का नाट्यशास्त्र
(B) शाहजंदाद का संगीत रत्नाकर
(C) दशिलम
(D) बृहद्देशी
50. शाहजंदाद कृत संगीत रत्नाकर में कितनी तालों का उल्लेख मिलता है ?
(A) 110 (B) 120
(C) 130 (D) 140

उत्तर व्याख्या सहित

सूचना एवं ग्रंथालय विज्ञान

(तृतीय प्रश्न-पत्र)

- उपयोगकर्ता अध्ययनों को निम्नलिखित तीन श्रेणियों में किसने श्रेणीबद्ध किया ?
(i) व्यवहार अध्ययन
(ii) उपयोग अध्ययन
(iii) सूचना प्रवाह अध्ययन
(A) मेरिस बी. लाइन
(B) मैगेल
(C) ब्रोनिए
(D) वॉइट
- निम्नलिखित में से कौनसा आभासी (वर्चुअल) पुस्तकालय नहीं है ?
(A) दीवार रहित पुस्तकालय
(B) वितरित भौतिक स्थानों के साथ
(C) भौगोलिक स्थान से वितरित संग्रहों तक एकलौकिक और सम्मिश्रित सूदूर अभिगम प्रदान करता है
(D) वास्तव में बिसका अस्तित्व नहीं है
- वर्ष 1974 में जुकोल्की ने निम्नलिखित पदों में से किसका प्रयोग पहली बार किया ?
(A) डिजिटल साक्षरता
(B) मीडिया साक्षरता
(C) कम्प्यूटर साक्षरता
(D) सूचना साक्षरता
- "सूचना साक्षर होने के लिए एक व्यक्ति को यह जानने की योग्यता होनी चाहिए कि उसे सूचना की आवश्यकता क्या है एवं उसमें सूचना को खोजने, मूल्यांकित करने और आवश्यक सूचना के प्रभावी उपयोग की योग्यता होनी चाहिए।" यह किसने परिभाषित किया है ?
(A) एस एल ए
(B) ए एल ए
(C) आई एफ एल ए
(D) सी आई एल आई पी
- बाह्य वेबसाइट के परिसीम में कौनसा तत्व सम्मिलित नहीं करता है ?
(A) प्रतिक्रियात्मक प्रभाव
(B) पारिस्थितिक वेबसाइट
(C) प्रयोगपरक तरीके के बीच चयन
(D) पारिस्थितिक प्रभाव
- शब्दार्थ विनेटपरक स्केल सम्मिलित हैं—
(A) मदी का संग्रह
(B) जो विरोधी अवस्थाओं में से प्रयत्न
(C) पंच बिन्दु स्केल
(D) जौंच सूची के चयन
- सर्पिल की वैज्ञानिक विधि में, कर्धार्कार से अवरोही तक का कौनसा क्षेत्र है ?
(A) अनुभविक प्रावस्था
(B) परिकल्पनात्मक प्रावस्था
(C) नियमनात्मक प्रावस्था
(D) सत्यापनीयता प्रावस्था
- निम्नलिखित विवरों में से किसको अनुमान पदों में अभिव्यक्त नहीं किया जा सकता ?
(A) सामाजिक-आर्थिक परिस्थिति
(B) वैवाहिक स्थिति
(C) संख्यात्मक योग्यता
(D) व्यावसायिक दृष्टिकोण
- राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क को लागू किसके द्वारा किया जाएगा ?
(A) राष्ट्रीय ज्ञान आयोग
(B) सूचना एवं ग्रन्थालय नेटवर्क
(C) एन आई सी (राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र)
(D) सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
- मेटाडेटा टबलिन कोर से सम्बन्धित है—
(A) डेटाबेस में डेटा अवयव
(B) डेटाबेस में ग्रंथपरक अवयव
(C) डेटाबेस में क्षेत्र अवयव
(D) डेटाबेस में विषय अवयव
- ई-जर्नल अलेखों की पहचान किसकी सहायता से की जा सकती है ?
(A) डिजिटल जर्नल आइडेंटिफायर
(B) जर्नल सर्स आइडेंटिफायर
(C) जर्नल आर्टिकल आइडेंटिफायर
(D) डिजिटल ऑब्जेक्ट आइडेंटिफायर
- जेड 39-50 किसका मानक है ?
(A) संचार प्रक्रिया
(B) खोज एवं पुनः प्राप्ति सेवाएं
(C) वेब संसाधनों का प्रसूचीकरण
(D) पुस्तकालय प्रबंध सेवाएं
- प्रतिस्पर्धा (मॉड्युलेशन) के प्रसंग में पी. सी. एम. से अभिप्राय है—
(A) पल कोड मॉड्युलेशन
(B) फेज कोड मॉड्युलेशन
(C) पॉपुलर कोड मॉड्युलेशन
(D) पैरिस्टिगेट कोड मॉड्युलेशन
- आई एस ओ 9000 मानक प्रदर्शित करता है—
(A) प्रदत्त मानकों के समूह अथवा अपेक्षाओं के अनुसार किसी उत्पाद अथवा सेवा में अनुरूपित सम्पुष्टि
(B) उपभोक्ता की पूर्ण सन्तुष्टता
(C) पणधारियों के मुद्दों का प्रदर्शन
(D) मापक तकनीकों की विस्तृत सूची
- उत्पन्न जीवन-चक्र वक्र में कौन-कौनसे पड़ाव हैं ?
(A) प्रारम्भ, विकास, प्रौढ़ता, ह्रास
(B) प्रारम्भ, विकास, प्रौढ़ता, लाभ
(C) विकास, प्रौढ़ता, लाभ, ह्रास
(D) प्रारम्भ, विकास, प्रौढ़ता, संतृप्ति
- समग्री का भौतिक एवं रासायनिक उपचार जॉकि उनके आगामी क्षय को धीमा करता है, इससे इंगित होता है—
(A) संरक्षण (B) रक्षण
(C) निवारण (D) प्रतिस्थापन
- निम्नलिखित उदाहरण को पढ़िए और उपयोग की गई अनुक्रमण प्रणाली के नाम की प्रगति कीजिए—
उदाहरण :
'Remuneration of teachers in French Universities.'
निम्नलिखित दो पंक्तियों में अनुक्रमणिकी शीर्षकों को व्यवस्थित किया गया है—
France
Universities ● Teachers
● Remuneration
Universities ● France
Teachers ● Remuneration
(A) मूलल प्रक्रिया
(B) पोप्ली
(C) प्रसिज
(D) विचक
- पद अथवा पद समूह की सूचना पुनः प्राप्ति हेतु के स्वचालित वगीकरण में अनुसंधान को क्या कहते हैं ?
(A) मूल्यांकन सिद्धान्त
(B) वस्तु सिद्धान्त
(C) समयबन्धन सिद्धान्त
(D) गतिशीलता सिद्धान्त

19. वेसाकि एएसीआर-II (आर) द्वारा निर्धारित किया गया है, यत्र पदनीय डाटा फाइल के लिए सूचना स्रोत है—
(A) आन्तरिक उपयोगिता लेबल
(B) आख्या पृष्ठ
(C) कोलोफोन (पुष्पिका)
(D) आख्या ग्रेम
20. निक्रिस (NICRYS) किसकी सूचना पद्धति है ?
(A) नवीन उपकरण
(B) खाद्य विज्ञान
(C) किस्टल विज्ञान (क्रिस्टलोग्राफी)
(D) औषधियाँ
21. डेलनेट (DELNET) द्वारा नियमित रूप से आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को किस नाम से जाना जाता है ?
(A) कैलिबर (CALIBER)
(B) आईसीडीएल (ICDL)
(C) नैक्लिन (NACLIN)
(D) डेलनेटकॉन (DELNETCON)
22. गत दशक का डिजिटल पुस्तकालयों के विकास की रिपोर्ट का श्रेणीबद्ध किया गया है—
(A) समीक्षा रिपोर्ट
(B) प्रवृत्ति रिपोर्ट
(C) अनुसंधान रिपोर्ट
(D) स्टेट ऑफ दि आर्ट रिपोर्ट
23. श्रीलंका के राष्ट्रपति का नाम कहीं से मिल सकता है ?
(A) इंटरनेशनल हूज डू
(B) स्टेटमैन स ईयरबुक
(C) हूज हू इन दि वर्ल्ड
(D) विल्लन बायोग्राफीज
24. निम्नलिखित में से किसने 2012 से मुद्रण रूप में अपना प्रकाशन बन्द कर दिया है ?
(A) यूरोपा वर्ल्ड ईयरबुक
(B) टाइम्स ऑफ इंडिया डायरेक्टरी
(C) न्यू एन्साइक्लोपीडिया ब्रिटैनिका
(D) कीसिंगर कॉन्टिपेरेरी अरकडब्स
25. निम्नलिखित में से कौन विश्वकोश जैसी सूचना नहीं देता है ?
(A) संधी का विश्वकोश
(B) कॉम्पटन का विश्वकोश
(C) वर्ल्डबुक विश्वकोश
(D) विश्वकोश अमेरिकाना
26. 'निष्पन्न-पूर्व-निर्देशन-परक प्रकार शोध' इस उक्ति का प्रयोग किसने किया ?
(A) आर ई बॉय
(B) बी. सी. वाइनर
(C) डब्ल्यू. ए. काटल
(D) आर. बलाघ
27. राजा राममोहन राय पुस्तकालय न्यास (आर आर एल एफ) किसके द्वारा स्थापित किया गया ?
(A) भारतीय पुस्तकालय संघ
(B) संस्कृति विभाग, भारत सरकार
(C) पश्चिम बंगाल की सरकार
(D) गृह मंत्रालय, भारत सरकार
28. किस राज्य सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम में पुरतकालय कण्ड को शुष्म कर द्वारा संगृहीत करने का प्रावधान है ?
(A) तमिलनाडु (B) कर्नाटक
(C) आंध्र प्रदेश (D) महाराष्ट्र
29. एसोसिएशन ऑफ कॉलेज एण्ड रिसर्च लाइब्रेरीज (एसीआरएल) यू. एस. ए. क्या है ?
(A) अमरीकी पुस्तकालय संघ का प्रभाग है
(B) सैवमिक एवं अनुसंधान पुस्तकालयों का स्वतन्त्र संघ है
(C) विशिष्ट पुस्तकालय संघ (यू. एस. ए.) का प्रभाग है
(D) इफला का प्रभाग है
30. निम्नलिखित में से कौनसा पुस्तकालय विज्ञान के पशुर्ध सूत्र का निहितार्थ नहीं है ?
(A) वर्गीकृत व्यवस्था
(B) भण्डार कक्ष संदर्भिका
(C) निर्गम विधि
(D) ग्रामीण पुस्तकालय सेवाएं
31. निम्नलिखित में से कौनसी राष्ट्रीय ज्ञान कमीशन (भारत) की संसृति नहीं है ?
(A) संभालयों की राष्ट्रीय परिगणना को तैयार करना
(B) संभालय प्रबंधन में अधिकाधिक सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना
(C) राजा राममोहन राय पुस्तकालय न्यास राष्ट्रीय समन्वयक एजेंसी के रूप में कार्य करें
(D) प्राइवेट संग्रहों का दान एवं अनुरक्षण सुविधापरक करना
32. डिजिटल पुरतकालय के कार्य में शामिल है—
(A) सूजन एवं अधिप्राप्ति
(B) भण्डारण एवं प्रकथन
33. खोज एवं अभिगम
4. सारकरण एवं समीक्षा करना
कूट :
(A) 1, 2 और 3 सही हैं.
(B) 1, 3 और 4 सही हैं.
(C) 2, 3 और 4 सही हैं.
(D) 1, 2 और 4 सही हैं.
33. कम्प्यूटर नेटवर्क की कौनसी संरिबद्धि (टोपोलॉजी) त्वरित सर्वर अभिगम प्रदान करती है ?
1. बस नेटवर्क टोपोलॉजी
2. रिंग नेटवर्क टोपोलॉजी
3. मल्टीपल रिंग नेटवर्क टोपोलॉजी
4. स्टार नेटवर्क टोपोलॉजी
कूट :
(A) 1 और 2 सही हैं.
(B) 1 और 3 सही हैं.
(C) 2 और 3 सही हैं.
(D) 2 और 4 सही हैं.
34. निम्नलिखित में से कौनसी आई एस डी एन सेवाएं है ?
1. आर एस एस
2. टेसीटेक्स्ट
3. वॉयस मेन
4. वीडियो कॉन्फेस
कूट :
(A) 1, 3 और 4 सही हैं
(B) 1, 2 और 4 सही हैं
(C) 2, 3 और 4 सही हैं
(D) 1, 2 और 3 सही हैं.
35. डाटाबेस में शब्द भण्डार को निम्नलिखित करता है—
1. भिस्तार फाइल
2. आबाव फाइल
3. मानक फाइल
4. प्राधिकार फाइल
कूट :
(A) 1 और 2 सही हैं.
(B) 3 और 4 सही हैं
(C) 1 और 3 सही हैं
(D) 2 और 3 सही हैं
36. ग्रंथपरक रिकॉर्ड के लिए सीरीएस (CCF) संकेत करता है—
1. डाटा परिवर्तन
2. डाटा संग्रहण
3. डाटा की पहचान के लिए मानक टैग
4. रिकॉर्डों का फॉर्मेट करना

कूट :

- (A) 1 और 3 सही हैं.
(B) 1, 2 और 4 सही हैं.
(C) 2 और 3 सही हैं
(D) 3, 1 और 2 सही हैं

37. निम्नलिखित में से कौनसी संदर्भ सेवा नहीं है ?

1. उपलब्धता प्रोवाइलर की वेबरी
2. नवानुसुक्त की टीआ
3. प्रलेखन सूची का संकलन
4. पाठक परामर्श

कूट :

- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 3 और 4

38. निम्नलिखित में से किन कार्यों को ए एल ए द्वारा संदर्भ सेवा के रूप में विरलेपित किया गया है ?

1. परामर्श कार्य
2. मार्गदर्शन कार्य
3. अनुदेश कार्य
4. संक्षेपरक कार्य

कूट :

- (A) 1, 2 और 3 सही हैं
(B) 2, 3 और 4 सही हैं
(C) 1, 2 और 4 सही हैं
(D) 1, 3 और 4 सही हैं.

39. निम्नलिखित में से कौनसा मैथिन जे. वायट (1961) के अनुसार वैज्ञानिकों का उपागम है ?

1. सामयिक उपागम
2. गत्यवधि उपागम
3. सर्वांगपूर्ण उपागम
4. 'केथिंग अप' अथवा 'ब्रशिंग अप' उपागम

कूट :

- (A) 2, 3 और 4 (B) 1, 3 और 4
(C) 1, 2 और 4 (D) 1, 2 और 3

40. मैगजीन उचित है—

1. अवकाश एवं मंगोरजन के लिए
2. विद्वत्तापूर्ण सूचना के लिए
3. लोकप्रिय सूचना के लिए
4. विषय सम्बन्धी सूचना के लिए

कूट :

- (A) 1, 2 और 3 सही हैं.
(B) 2, 3 और 4 सही हैं.
(C) 1 और 3 सही हैं.
(D) 2 और 4 सही हैं.

41. कम्प्यूटर नेटवर्क में 'ट्रेजन हार्स' वाहकता रोजित करना क्या है ?

1. हेकिंग है
2. टेम्परिंग है
3. डी-क्रिप्टेशन है
4. इन्ट्रूजन है

कूट :

- (A) 1, 3 और 4 सही हैं
(B) 2, 3 और 4 सही हैं
(C) 1, 2 और 3 सही हैं
(D) 1, 2 और 4 सही हैं.

42. किसी विषय को आईटीआर के अवीन अनुरक्षित करने के लिए निम्नलिखित में से मूल शर्त क्या है ?

1. कृति मौलिक हो
2. कृति मानव निर्मित हो
3. कृति बुद्धिगम्य हो
4. कृति अनिलिखित/सुनिश्चित हो.

कूट :

- (A) 1, 2 और 3 सही हैं.
(B) 1, 3 और 4 सही हैं.
(C) 2, 3 और 4 सही हैं.
(D) 1, 2 और 4 सही हैं.

43. निम्नलिखित में से वर्तमान सूचना परिवेश की समस्याएं हैं—

1. सूचना अनुहासल
2. सूचना साक्षरता
3. सूचना ओवरलोड
4. सूचना प्रोद्योगिकी

कूट :

- (A) 1 और 3 सही हैं
(B) 1 और 4 सही हैं
(C) 2 और 4 सही हैं
(D) 1 और 2 सही हैं

44. अधिकरण (A) : गुणात्मक साधनों को विश्वस्तनीय बनाने के लिए अनुमान्य बनाना होगा.

तर्क (R) : गुणात्मक साधन अनुमान्य साधनों के आवश्यक पूरक हैं.

कूट :

- (A) (A) सही है, (R) गलत है
(B) (A) गलत है, (R) सही है
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

45. निम्नलिखित में से कौनसे प्रोद्योगिकी द्वारा समर्थित अधिगम के राष्ट्रीय प्रोग्राम एन टी टी एल (NPTEL) के साझेदार नहीं है ?

1. आई आई टी रोम्बाई
2. आई आई टी दिल्ली

3. आई आई टी बंगलुरु
4. एन आई टी रावरकेला

कूट :

- (A) 3 और 4 (B) 1 और 4
(C) 2 और 3 (D) 1 और 2

46. अधिकथन (A) : इन्टरनेट पुस्तकालयों को प्रतिरक्षित कर सकता है.

तर्क (R) : गुगल सर्च अधिकतम उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को सन्तुष्ट कर सकता है.

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

47. अधिकथन (A) : संबद्ध खोज तकनीक सूचना पोर्टल का अभिन घटक है.

तर्क (R) : 'विषय अनुक्रमणिका' में विषय सम्मिलित होता है जिसे खोज-सर्वर द्वारा ढूँढा जाता है.

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

48. अधिकथन (A) : हाइपरटेक्स्ट और हाइपरमीडिया संयोजन में पाठ्य, प्रतिविषय, व्यक्ति और अन्य सूचनाएं शामिल हैं.

तर्क (R) : हाइपरमीडिया सूचना को रेखीय ढंग से प्रस्तुत किया जाता है.

कूट :

- (A) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है.
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(C) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

49. अधिकथन (A) : पुस्तक प्रथम को बड़ी विश्वक्रीडालता से किछ जाना चाहिए.

तर्क (R) : पुस्तकालय को अध्ययन एवं महत्वपूर्ण पुस्तक खनन के उपकरणों को प्राप्त करना चाहिए.

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है.

- (D) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है.

50. **अभिकथन (A) :** टीक्यूएम (TQM) प्रोत्साहित करती है उन तरीकों को जिससे प्रशासन अपने आई टी सी कार्यों को व्यवस्थित एवं निष्पादन करे.
तर्क (R) : टीक्यूएम (TQM) को पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान सेवाओं में बाध्यक समझा जाता है.

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं.
(C) (A) गलत है और (R) सही है.
(D) (A) सही है और (R) गलत है.

51. **अभिकथन (A) :** 11, 12, 13 वर्षों की सारणी और 31, 32, 33 वर्षों की सारणी को सम्पार्थिक सारणी कहा जाता है.

तर्क (R) : वे मूल जगत 'O' से व्युत्पन्न होते हैं.

कूट :

- (A) (A) गलत है (R) सही है.
(B) (A) सही है (R) गलत है.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

52. **अभिकथन (A) :** आर डी एक वेब पर मेटाडेटा के उपयोग और अंतरण को समर्थित करता है.

तर्क (R) : प्रथमक मानक गैण सूचना के सूजन और प्रसार के माध्यम है.

कूट :

- (A) (A) सही है (R) गलत है.
(B) (A) गलत है (R) सही है.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

53. **अभिकथन (A) :** सूचना सार एक संक्षेप के विषयवस्तु के सन्निपा सारांश को पेश करते हैं.

तर्क (R) : ये निष्कर्षात्मक होने की अपेक्षा आशङ्कामुद्धी होते हैं.

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(C) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

54. **अभिकथन (A) :** ई-प्रकाशनों ने साहित्य की मात्रा में असीमित वृद्धि की है, परन्तु साहित्य की गुणवत्ता को इसने बुरी तरह प्रभावित किया है.

तर्क (R) : वर्तमान दशक में ई-पत्रिकाओं को तीव्र संचार के माध्यमों के रूप में स्वीकार किया है.

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं.
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं.

55. **अभिकथन (A) :** विश्वकोश नैगलिक सूचना को दृढ़ करने के लिए उपयुक्त नहीं है.

तर्क (R) : विश्वकोश सभी श्रेणियों के सदस्यों के लिए स्थानात्मक है.

- (A) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं.
(D) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.

56. **अभिकथन (A) :** पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान (एल आई एच) व्यवसाय को मेडिकल एवं विधि व्यवसायों के समकक्ष नहीं समझा जाता.

तर्क (R) : पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में मेडिकल कोसिल ऑफ इंडिया (एमसीआई) और बार कोसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) जैसी कोई वैधानिक संस्था नहीं है.

कूट :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं.
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.

57. **अभिकथन (A) :** डॉ. एस. आर. रंगनाथन को भारत में पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान का जनक कहा जाता है.
तर्क (R) : भारत में पुस्तकालय विज्ञान की शिक्षा को डॉ. एस. आर. रंगनाथन द्वारा प्रारम्भ किया गया.

कूट :

- (A) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

58. **अभिकथन (A) :** बौद्धिक सम्पदा अधिकारों द्वारा प्रदत्त सर्वाधिकार सामान्यतया वीसरे पक्ष को अंतरित/सादसरे किए जा सकते हैं.

तर्क (R) : सूजन अपने बौद्धिक उत्पाद से धन कमाना चाहते हैं.

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है.
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं.

59. राष्ट्रीय पुस्तकालयों का उनकी स्थापना वर्ष के आधार पर सही क्रम क्या है ?

1. ब्रिटिश लाइब्रेरी (पूर्व ब्रिटिश म्यूजियम लाइब्रेरी)
2. लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस (वाशिंगटन डी. सी.)
3. लेनिन लाइब्रेरी (मॉस्को)
4. ब्रिटिशबोथेक नेशनल (पेरिस)

कूट :

- (A) 1 2 3 4
(B) 2 3 1 4
(C) 3 2 4 1
(D) 4 3 2 1

60. स्कैनल के 'सूचना कोशल के सात स्तम्भ' मॉडल का सही क्रम कोनसा है ?

1. सूचना आवश्यकता की पहचान
2. खोजने के लिए एप्लीकेशनों की संरचना
3. तुलना तथा मूल्यांकन
4. स्थान निर्धारण और अधिगम

कूट :

- (A) 1 2 3 4
(B) 2 3 4 1
(C) 1 2 4 3
(D) 2 3 1 4

61. बढ़ती भण्डारण क्षमता के अनुसार सही क्रम की पहचान कीजिए—

- (A) सीडी रोम, डीवीडी, कार्ट्रिज, ब्लूरे डिस्क
(B) डीवीडी, कार्ट्रिज, ब्लूरे डिस्क, सीडी रोम
(C) कार्ट्रिज, सीडी रोम, डीवीडी, ब्लूरे डिस्क
(D) ब्लूरे डिस्क, डीवीडी, कार्ट्रिज, सीडी रोम

62. निम्नलिखित पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संघों को उनके स्थापनाक्रम के आधार पर सही क्रम का चयन कीजिए—

- (A) सी एल ए, ए एल ए, एस एल ए, आई ए एस एल आई सी
(B) ए एल ए, एस एल ए, सी एल ए, आई ए एस एल आई सी
(C) एस एल ए, आई ए एस एल आई सी, ए एल ए, ए सी एल ए
(D) सी एल ए, एस एल ए, आई ए एस एल आई सी, ए एल ए

63. निम्नलिखित राज्य पुस्तकालय अधिनियमों को कालक्रमानुसार क्रमबद्ध कीजिए—

1. कर्नाटक सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम
2. उत्तर प्रदेश सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम
3. गोवा सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम
4. बिहार सार्वजनिक पुस्तकालय अधिनियम

कूट :

- (A) 1 3 2 4
(B) 1 2 3 4
(C) 2 3 4 1
(D) 3 1 4 2

64. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) माध्य
(b) बहुलक
(c) मध्य
(d) मानक विचलन

सूची-II

1. सर्वाधिक घटित मूल्य
2. औसत
3. प्रसार का साधन
4. मध्य मूल्य

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 3 4 1 2
(B) 2 1 4 3
(C) 4 3 1 2
(D) 2 3 4 1

65. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) ब्रेडफोर्ड (b) लॉटका
(c) विष्फा (d) गारसीलव

सूची-II

1. उद्भवन अनुक्रमणिका
2. पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेखों का वितरण
3. लेखकों का वैज्ञानिक उत्पादन
4. पाठ्य में शब्दों के होने की आवृत्ति

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 4 1 3 2
(B) 2 3 4 1
(C) 3 4 1 2
(D) 4 3 2 1

66. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) अल्ट्राविस्टा (b) लायकस
(c) निम्बोड्रमेटेस (d) सेबीससर्प

सूची-II

1. विषय खोज इंजन
2. मेटा खोज इंजन
3. क्षेत्रीय खोज इंजन
4. सामान्य खोज इंजन

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 3 2 1 4
(B) 3 4 2 1
(C) 4 3 1 2
(D) 4 1 2 3

67. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) ऐनड्राइव
(b) आई पेड
(c) बर्ड फाई मॉडेम
(d) क्लाउड कम्प्यूटिंग

सूची-II

1. संचार युक्ति
2. वेब सर्वर युक्ति
3. संग्रहण युक्ति
4. कम्प्यूटिंग युक्ति

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 1 3 2 4
(B) 3 4 1 2
(C) 4 3 2 1
(D) 3 2 1 4

68. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) इग्नोरमिक्स
(b) ऑन्सिपेज
(c) टीआईएफएफ व्यूवर
(d) टोप व्यूवर

सूची-II

1. इमेज सॉफ्टवेयर
2. रिमोट लॉगिंग सॉफ्टवेयर
3. डीवीएमएस सॉफ्टवेयर
4. ओसीआर सॉफ्टवेयर

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 2 1 3 4
(B) 3 4 1 2
(C) 1 2 3 4
(D) 4 3 2 1

69. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) परिचालनी एवं सेवाओं में सुधारों के साधन

- (b) कार्यसूची की तैयारी
(c) निष्पादन शिक्षा-निर्देश
(d) पुस्तक पीढ़िका का प्रबलन

सूची-II

1. परिरेक्षण 2. मानक
3. समग्र प्रबंधन 4. मूल्यांकन

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 4 3 2 1
(B) 4 2 3 1
(C) 2 4 3 1
(D) 3 2 1 4

70. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) मूखला अनुक्रमणीकरण
(b) स्वस्थ अनुक्रमणीकरण
(c) विषय अनुक्रमणीकरण
(d) प्रतीज (PRECTS)

सूची-II

1. डेरक अल्टिन
2. एस. आर. रंगनाथन
3. जे. ई. एल. फराडेन
4. ई. जे. कोट्स

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 1 2 4 3
(B) 2 3 4 1
(C) 1 2 3 4
(D) 2 4 1 3

71. निम्नलिखित को सुमेसित कीजिए—

सूची-I

- (a) सम्पत्तिवक वर्ग
(b) बहुवर्ग
(c) वर्ग की श्रेणी
(d) सामान्य वर्ग

सूची-II

1. दो अथवा अधिक स्तरों से युक्त वर्ग
2. एक ही क्रम के वर्ग परन्तु उसी क्रम में किसी एक से सम्बन्धित हो।
3. विषय जगत में अन्धों के साथ जोड़ा गया एक विषय
4. प्रदत्त वर्ग और इसके जगत द्वारा निर्मित वर्ग का एक अनुक्रम

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
(A) 2 4 1 3
(B) 1 3 2 4
(C) 2 1 4 3
(D) 1 4 2 3



72. निम्नलिखित को सुमेवित कीजिए—

सूची-I

- विलियम मार्टिन
- आल्बिन टॉफ़लर
- एरिक जे. डी. सोला प्रोड्स
- एस. सी. ब्रैडफोर्ड

सूची-II

- जिटल साइंस किंग साइंस
- इनफॉर्मेशन सोसाइटी
- ऑक्युमेंटेशन
- टि थर्ड वेब

कूट :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 2 | 4 | 3 | 1 |
| (B) | 4 | 2 | 3 | 1 |
| (C) | 2 | 4 | 1 | 3 |
| (D) | 1 | 4 | 2 | 3 |

73. निम्नलिखित को सुमेवित कीजिए—

सूची-I

- संचार व्यवधान
- संचार माध्यम
- संचार मॉडल
- अन्वोन्मासित संचार

सूची-II

- रेडियो
- टेलीग्राम और वीवर
- वीडियो कॉन्फरेंसिंग
- सौर

कूट :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (B) | 4 | 1 | 2 | 3 |
| (C) | 2 | 3 | 4 | 1 |
| (D) | 3 | 2 | 1 | 4 |

74. निम्नलिखित को सुमेवित कीजिए—

सूची-I

- ओसगुड और स्क्रेम
- बेरलो
- टेलीग्राम और वीवर
- जॉर्ज गवर्नर

सूची-II

- सामान्य मॉडल
- गणितीय मॉडल
- संक्रुलर मॉडल
- एस-एम-सी-आर मॉडल

कूट :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 1 | 2 | 3 | 4 |
| (B) | 2 | 3 | 4 | 1 |

(C) 3 4 2 1

(D) 4 1 2 3

75. निम्नलिखित को सुमेवित कीजिए—

सूची-I

- राष्ट्र के सकल राष्ट्रीय उत्पाद में सूचना का योगदान
- सूचना जोकि मानव क्रियाओं को परिवर्तित करती है
- सूचना जोकि सरकार एवं जनता के बीच अन्त क्रिय स्थानित करती है
- सूचना जोकि आधुनिक समाज को निर्मित करती है

सूची-II

- सामाजिक सूचना
- तकनीकी सूचना
- आर्थिक सूचना
- राजनीतिक सूचना

कूट :

- | | (a) | (b) | (c) | (d) |
|-----|-----|-----|-----|-----|
| (A) | 3 | 1 | 4 | 2 |
| (B) | 1 | 3 | 4 | 2 |
| (C) | 4 | 2 | 1 | 3 |
| (D) | 2 | 3 | 4 | 1 |

उत्तर व्याख्या सहित

शारीरिक शिक्षा

(तृतीय प्रश्न-पत्र)

- सही विकल्प चुनिए—
आकुंच तथा विस्तार किसके द्वंद्व-गिर्द होते हैं ?
(A) मध्यपार्श्विक अक्ष
(B) समुच्च पक्ष अक्ष
(C) ऊर्ध्व अक्ष
(D) सेपिटल अक्ष
- सही विकल्प चुनिए—
अपाकुचन (प्रोट्रक्शन) और आकुचन (रिट्रक्शन) कबसे होते हैं ?
(A) निष्क्रिय के जोड़ में
(B) कड़े के जोड़ में
(C) कुलनी के जोड़ में
(D) घुटने के जोड़ में
- सही विकल्प चुनिए—
शारीरिक शिक्षा का केन्द्रीय विषय क्या है ?
(A) गति
(B) शारीरिक क्षमता (स्वस्थता)
(C) मानव
(D) गतिशील मानव
- सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनिए—
(A) सोकर एक गेम है
(B) सोकर एक गेम भी है और स्पोर्ट भी
(C) सोकर एक स्पोर्ट है
(D) सोकर एक खेल है
- सही विकल्प चुनिए—
कठिन व्यायाम के दौरान धक्कावट उत्पन्न होने का कारण है—
(A) O_2 डेफिट
(B) O_2 की क्षीयता
(C) लेक्टिक एसिड का निर्माण
(D) CO_2 स्तर का बढ़ना
- निम्नलिखित में से कौनसा जलचिकित्सा का हिस्सा नहीं है ?
(A) वैक्स बाथ
(B) जलवा चिकित्सा
(C) हार्जुल बाथ
(D) कटास्ट बाथ
- सही विकल्प चुनिए—
समूह संरचना का निर्धारण किसके द्वारा किया जाता है ?
(A) प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिता के दौरान प्रलेख
(B) प्रदर्शन जीय
(C) सोसिबेग्राम
(D) ज्ञान आधारित जीय
- सही विकल्प चुनिए—
व्यक्तित्व का मनोवैज्ञानिक सारभाग व्यक्तित्व का सर्वाधिक बुनियादी स्तर है, यह है—
(A) पर्यावरण से समाधान
(B) आन्तरिक तथा रिश्तर
(C) भूमिका से सम्बन्धित व्यवहार
(D) बाह्य तथा गत्यात्मक
- सही विकल्प चुनिए—
नेशनल फिटनेस कोर्पस कब आरम्भ किया गया था ?
(A) 1965 में (B) 1966 में
(C) 1967 में (D) 1968 में
- निम्नलिखित में से किस स्क्वम पर भारतीय खेल प्राधिकरण का केन्द्र नहीं है ?
(A) कोलकाता (B) बंगलुरु
(C) पटियाला (D) छत्तीसगढ़
- निम्नलिखित में से किसका सम्बन्ध विद्यालय स्वास्थ्य कार्यक्रम से नहीं है ?
(A) स्वास्थ्य के रिकॉर्ड्स रखना
(B) स्वास्थ्य शिक्षा
(C) रोगों का नियन्त्रण
(D) स्वास्थ्य निरीक्षण
- निम्नलिखित में से किस वर्ष ओलम्पिक गेम में लोस स्वर्ण मेडल दिए गए थे ?
(A) 1904 में (B) 1908 में
(C) 1912 में (D) 1920 में
- सूर्य का प्रकाश किसका श्रोत है ?
(A) विटामिन A (B) विटामिन B
(C) विटामिन C (D) विटामिन D
- दार्शनिक शोध को यह भी कहा जाता है—
(A) उर्ध्वमूलक शोध
(B) प्राथमिक शोध
(C) संकल्पनात्मक शोध
(D) व्यवहारपरक शोध
- सेम्पल छोटा होगा या बड़ा, यह किस पर निर्भर करता है ?
(A) भौगोलिक क्षेत्र
(B) जनसांख्यिकीय उष्णकषण
(C) जनसंख्या के अभिलक्षण और विशेषक
(D) एक समयवधि में जन्म तथा मृत्यु का समुच्चय
- जब 'जेड' मान 2-58 के बराबर या इससे अधिक हो, तो यह निश्चित निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि माध्य (मीन) के बीच स्तर पर सार्थक अन्तर है.
(A) 0-02 स्तर (B) 0-01 स्तर
(C) 0-001 स्तर (D) 0-05 स्तर
- क्रॉस-वेबर टेस्ट से क्या मापा जाता है ?
(A) न्यूनतम मौसपरीय शक्ति
(B) समुच्च मौसपरीय शक्ति
(C) अधिकतम मौसपरीय शक्ति
(D) सर्वाधिक मौसपरीय शक्ति
- घवापचयी अनुकूलन है—
(A) बड़े हुए कार्बनर के साथ घवापचय दर का समाधान
(B) घवापचय दर का निलम्बन
(C) घवापचयी आवेग
(D) घवापचयी दर का अनुकूलन
- निम्नलिखित में से कौन ओलम्पिक गेम का शीर्ष निकाय है ?
(A) ओसीए (B) आईओसी
(C) आईसीसी (D) एफआईएफ
- खेल प्रबन्धन में प्रथम चरण क्या होता है ?
(A) बजट निर्माण
(B) समन्वयन
(C) निर्वाचन
(D) निर्देशन
- टीम प्रतियोगिता योजना में ब्लू-प्रिन्ट को क्या कहते हैं ?
(A) युक्ति (B) कोशल
(C) तकनीक (D) रचनात्मक
- काइनेमेटिक पैरामीटर्स में कौनसे शामिल हैं ?
I. इनर्शिया
II. वेलासिटी
III. डिस्टेंस
IV. एक्सेलरेशन
सही संयोजन चुनिए—
(A) I, II, III (B) I, III, IV
(C) I, II, IV (D) II, III, IV

23. प्रदर्शन से सम्बद्ध फिटनेस में कौनसे शामिल हैं ?

- I. पाँच की विस्पॉन्डक शक्ति
- II. हृदयमाहिका सहनशक्ति
- III. प्रतिक्रिया करने की योग्यता
- IV. लंबा

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II (B) II, III
(C) I, III (D) II, IV

24. एक प्रश्न श्रेणी का उत्तराल कितने स्तरों में यांत्रिक लाभ उपलब्ध करता है ?

- I. गति II. शक्ति
- III. सन्तुलन IV. तालमेल

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II, III (B) II, III, IV
(C) III, IV, I (D) IV, I, II

25. जीवन के जैविक आधार में शामिल हैं—

- I. गामक फिटनेस
- II. शारीरिक व्यवधान
- III. बुद्धि
- IV. आहार

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II (B) II, III
(C) I, III (D) II, IV

26. समूह संरक्षित का विकास किन पर आधारित होता है ?

- I. टीम उत्पादन
- II. वैयक्तिक उत्पादन
- III. नेतृत्व उत्पादन
- IV. पर्यावरणीय उत्पादन

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, III, IV (B) I, II, III
(C) II, III, IV (D) IV, I, II

27. दबाव के व्यक्तिगत स्रोत हैं—

- I. घटना का महत्व
- II. आनुवंशिक दुरिस्थता
- III. स्वामित्व
- IV. अतिरिक्त

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II (B) II, III
(C) I, III (D) IV, I

28. शारीरिक शिक्षा में व्यावसायिक आधार-शास्त्र में क्या शामिल है ?

- I. नैतिक मूल्य
- II. निर्णय
- III. शारीरिक फिटनेस
- IV. निष्ठा

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II (B) II, III
(C) I, IV (D) II, IV

29. ब्रह्म सामान्य होगा यदि—

- I. $\bar{X} > M < Z$
- II. $(Q_2 - M) = (M - Q_1)$
- III. झुनी-मंड
- IV. $Q.D. = 0.6745 \sigma$

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II, IV (B) I, II, III
(C) I, III, IV (D) II, III, IV

30. मूल्यंकन द्वारा मापे जाते हैं—

- I. प्रबन्धों की कार्यकुशलता
- II. टारगेट प्राप्ति का स्तर
- III. गोल से दूरी
- IV. कर्ता का स्तर

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II (B) II, III
(C) II, III, IV (D) I, II, III, IV

31. नर का प्रगमन होता है—

- I. रेखीय
- II. वक्राबद्ध
- III. लघुगणबद्ध
- IV. वृत्तीय (स्फुल्लरली)

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, III (B) II, IV
(C) I, II (D) II, III

32. इंटरम्यूरल कार्यक्रम छात्रों में इसकी भावना का निर्माण करता है ?

- I. बड़े पैमाने पर सहभागिता
- II. स्वायत्तव्य
- III. वैर
- IV. अधिकतम सतिष्यता

सही संयोजन चुनिए—

- (A) I, II (B) II, IV
(C) III, IV (D) I, IV

33. नीचे दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित हैं—

वक्तव्य (A) : भावक बाह्य स्रोत से बल प्राप्त किए बिना दीड़ते हैं।

वक्तव्य (R) : बल, गति का निमित्त कारक है।

उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं

(C) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

34. नीचे दो वक्तव्यों दिए गए हैं, एक को अधिकतम (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—

अधिकतम (A) : शारीरिक शिक्षा मानसिक विकास पर भी ध्यान देती है।

तर्क (R) : प्रकृतिवाद प्रकृति का एकमात्र वास्तविकता मानता है।

उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं
(C) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

35. नीचे दो वक्तव्यों दिए गए हैं, एक को अधिकतम (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—

अधिकतम (A) : मुख द्वारा संवित इंजुलिन अग्रभावी रहता है।

तर्क (R) : इंजुलिन एलिमेंटरी केनाल में छोड़ दिया जाता है तथा इसके अनु का आकर आंत्र की अवशोषण करने की क्षमता से बड़ा होता है।

उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

36. नीचे दो वक्तव्यों दिए गए हैं, एक को अधिकतम (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—

अधिकतम (A) : मांसपेशी द्वारा उत्पन्न की गई गति की शक्ति इस पर निर्भर करती है कि यह संघि से कितने नजदीक संलग्न है।

तर्क (R) : संघि से दूरी पर संलग्न मांसपेशी नजदीक से संलग्न मांसपेशी के अपेक्षा अधिक शक्तिशाली गति उत्पन्न करती।

उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?

कूट :

- (A) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं

37. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : नेतृत्व की स्वेच्छाकारी शैली सामान्यतः कार्यमनुष्य और कठोर संरचना पूर्ण होती है।
तर्क (R) : नेतृत्व शैली खेल में तत्काल ही प्रभावशील निर्णय लेने के लिए उत्तरदायी होती है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
38. आगे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : शारीरिक शिक्षा, शिक्षा का अविभाज्य हिस्सा है।
तर्क (R) : शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा दोनों का उच्च सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं
39. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सम्बन्धित कोशलों में विद्यालय में प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) एवं सुरक्षा शिक्षा के माध्यम से पढ़ाया जा सकता है।
तर्क (R) : विद्यालय जाने की उम्र प्राथमिक चिकित्सा एवं सुरक्षा सीखने की सही उम्र है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
- (C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
40. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : अस्वस्थियों के अत्यधिक उपयोग के कारण बास्केटबाल के खिलाड़ियों में अस्थिमज्जा का रोग होता है।
तर्क (R) : जोड़ों के अधिक प्रयोग से जोड़ों में खड्गोबिफल मज्जा कम हो जाता है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
41. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : निराकरणधीय प्राकल्पना को, उसके सही होने पर भी, यथिष्ठ कर देना टाइट-1 बुद्धि है।
तर्क (R) : डेटा के गलत निर्वहन से टाइट-1 बुद्धि उत्पन्न होती है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं
(C) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं
42. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : स्मूर्ति, मोटर फिटनेस का अनिवार्य घटक है।
तर्क (R) : न्यूरोमस्क्युलर टालमेज स्मूर्ति को निर्धारित करता है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं
(D) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं
43. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : मांसपेशीय शक्ति, मांसपेशी की संकुचन गति का मापन है।
तर्क (R) : मांसपेशी में तन्तु प्रकार के अनुपात से मांसपेशीय शक्ति का निर्धारण होता है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं
(D) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं
44. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : पुकिताय (टेक्टिकस) गति का मिश्रण उपयोग है।
तर्क (R) : इसका सम्बन्ध प्रतियुद्धी को उसके लाइन ऑफ एक्शन को नियन्त्रित करने से रोकने के लिए अपने लाइन ऑफ एक्शन का निवन्धन करने से है।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं
(D) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं
45. नीचे दो वक्तव्य दिए गए हैं; एक को अधिकथन (A) तथा दूसरे को तर्क (R) कहा गया है—
अधिकथन (A) : प्रतिभा-संकेतक अनुवर्तक तथा पारवर्णजन्य होते हैं।
तर्क (R) : वे प्रदर्शन के पूर्वानुमान का आधार हैं।
उपर्युक्त दो वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा सही उत्तर है ?
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं
(B) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं
(C) (A) सही है और (R) गलत है
(D) (A) गलत है और (R) सही है
46. अधिकथन (A) तथा तर्क (R) को पढ़कर नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
अधिकथन (A) : प्रबंधन प्रत्येक संगठन में ग्यात्मक जीवनदायक तत्व है।

तर्क (R) : यह स्क्रिम्बलकारक बल है, जो लोगों से काम कराता है।

कूट :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है
(B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है
(C) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं
(D) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है

47. एक गेंद को किक मारने की निम्न-लिखित यांत्रिक अवस्थाओं को प्रगमन के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- I. किफिंग II. स्ट्राइक
III. बैक लिफ्ट IV. फॉलो थ्रो

कूट :

- (A) II, III, I, IV
(B) III, I, IV, II
(C) I, IV, II, III
(D) IV, II, III, I

48. गेम्स तथा स्पोर्ट्स के ऐतिहासिक विकास की प्रक्रिया में हुए निम्नलिखित आयोजनों को उनके प्रथम आयोजन के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- I. ग्लेडिएटोरियल कम्बट
II. ओलंपिक गेम्स
III. एक अर्ध एक ए वर्ल्ड बेथियनशिप
IV. आई पी एल

कूट :

- (A) I, II, III, IV
(B) II, I, III, IV
(C) III, IV, II, I
(D) IV, III, I, II

49. नॉनपेसीव ग्याबन डेनू ऊर्जा के निम्न-लिखित स्रोतों को उनके उपयोग के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- I. ट्राइसिलेण्ड
II. ग्लाइकोजेन
III. ए टी पी
IV. फॉस्फोक्रिएटहाइड

कूट :

- (A) I, III, IV, II
(B) II, I, III, IV
(C) IV, II, I, III
(D) III, IV, II, I

50. निम्नलिखित प्रक्रियाओं को, जिनके द्वारा एक समूह एक टीम बनाता है, सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- I. स्टॉर्मिंग II. नॉर्मिंग
III. फॉर्मिंग IV. परफॉर्मिंग

कूट :

- (A) I, IV, III, II

- (B) III, I, II, IV
(C) II, III, IV, I
(D) IV, II, I, III

51. शारीरिक शिक्षा के निम्नलिखित पाठ्य-क्रमों को, भारत में उन्हें प्रारम्भ किए जाने के कालक्रम के अनुसार व्यवस्थित कीजिए—

- I. पी.एच.डी. II. बी.पी.ई.
III. बी.पी.ई.डी. IV. एम.फिल

कूट :

- (A) II, III, I, IV
(B) I, II, III, IV
(C) III, IV, II, I
(D) II, IV, III, I

52. निम्नलिखित कार्यक्रमों तथा संस्थानों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए—

- I. नेशनल फिटनेस कॉर्पस
II. नेशनल प्लान ऑफ फिजिकल एजुकेशन एण्ड रिक्रिएशन
III. लवलीबॉई कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन
IV. ऑल इंडिया कोसिल ऑफ स्पोर्ट्स

कूट :

- (A) I, II, III, IV
(B) II, III, I, IV
(C) IV, II, III, I
(D) III, I, II, IV

53. शरीर संपटन को नियंत्रित करने के सही क्रम को पहचानिए—

- I. शरीर का कजन लेना
II. पानी के अन्दर बजान लेना
III. शरीर धनख
IV. बसा प्रतिशत
V. खवास की मॉन्टाय मापन

कूट :

- (A) IV, V, III, I, II
(B) II, III, I, V, IV
(C) V, III, II, I, IV
(D) I, II, III, V, IV

54. नॉक्स बारकेटबाल टेस्ट की गैदी का सही क्रम क्या होगा ?

- I. थैनी कप टेस्ट
II. बाल बारक टेस्ट
III. ड्रिबल शूट टेस्ट
IV. स्पीड ड्रिबल टेस्ट

कूट :

- (A) IV, II, III, I
(B) II, III, I, IV
(C) III, I, IV, II
(D) I, IV, II, III

55. हेप्टाथॉन इवेंटस् को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- I. 800 मीटर II. जेम्पिन थ्रो
III. लॉग जम्प IV. 200 मीटर
V. शॉट पुट VI. हाई जम्प
VII. 100 मीटर

कूट :

- (A) II, III, IV, I, V, VI, VII
(B) VII, IV, VI, III, II, V, I
(C) VII, V, VI, III, IV, II, I
(D) VII, VI, V, IV, III, II, I

56. नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर ग्रेड स्लान टनिस टूर्नामेंट्स को उनके खेल जाने के क्रम में व्यवस्थित कीजिए—

- I. विम्बलडन
II. आस्ट्रेलियन ओपन
III. यू.एस. ओपन
IV. फ्रेंच ओपन

कूट :

- (A) I, II, III, IV
(B) II, IV, I, III
(C) IV, III, II, I
(D) IV, I, II, III

57. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

- (a) वातस इंटरस
(b) बिसेप्स फेमेरिस
(c) निडल डेल्टाइड
(d) ग्लूटेयस मैक्सिमस

सूची-II

- (i) घुटना आकुंचन
(ii) निताम्ब विस्तारण
(iii) घुटना विस्तारण
(iv) कंधा अपगमन

कूट :

- (a) (i) (b) (c) (d)
(A) (iii) (i) (iv) (ii)
(B) (i) (iv) (ii) (iii)
(C) (iv) (ii) (iii) (i)
(D) (ii) (iii) (i) (iv)

58. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- (a) मूल्य मीमांसा (b) प्रतिस्पर्धा
(c) खेल (d) सहयोग

सूची-II

- सांस्कृतिक विरासत
- सामाजिक परस्पर क्रिया से जोड़ने वाला कारक
- दर्शनशास्त्र का अंग
- सामाजिक परस्पर क्रिया से जोड़ने वाला कारक

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iii) (iv) (i) (ii)
- (B) (iv) (iii) (ii) (i)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (ii) (i) (iv) (iii)

59. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- विश्वामु
- कम डेमोक्रेसी
- अपवर्धित
- कोलेस्ट्रॉल

सूची-II

- इसूजीन
- एच डी एल
- रक्तशर्करा
- ग्रामोसाइट्स

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iv) (iii) (i) (ii)
- (B) (iv) (iii) (i) (ii)
- (C) (i) (ii) (iii) (iv)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)

60. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

- मायरीड
- साइटोप्लाज्म
- बॉल तथा सॉकेट ज्वाइंट
- मेडुला (मज्जा)

सूची-II

- ग्लोड
- मस्तिष्क
- सेल
- कंधा

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
- (B) (i) (iii) (iv) (ii)
- (C) (iv) (iii) (i) (ii)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)

61. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- नीड एचिवमेंट बिपरी
- एटिडियुशन बिपरी
- कंपैटिंस मॉडिफेशन बिपरी
- एचिवमेंट गोल बिपरी

सूची-II

- उपलब्धि लक्ष्य
- वैयक्तिक एवं स्थितिपरक लक्ष्य
- सफलता तथा असफलता
- उपलब्धि व्यवहार

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (i) (ii) (iii) (iv)
- (B) (iv) (i) (ii) (iii)
- (C) (iii) (iv) (i) (ii)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)

62. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- व्यावसायिक आधारशास्त्र
- समय-सारणी बनाना
- पाठ्यपथ निर्धारण
- आयु अभिलक्षण

सूची-II

- विद्यालय के प्रकार
- व्यावसायिक आवश्यकता
- व्यक्तिगत अंतर
- कार्यकलाओं का प्रयोजन
- औपचारिक कार्यकलाप

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (i) (ii) (iv) (iii)
- (B) (ii) (i) (iii) (iv)
- (C) (iii) (iv) (i) (ii)
- (D) (iv) (iii) (ii) (i)

63. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- दूध, पनीर, बंगोट
- नौस, मुर्गी, मछली
- संभविय
- ब्रेड, अनाज, चावल

सूची-II

- कार्बोहाइड्रेट

- मिगरल
- प्रोटीन
- विटामिन

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (ii) (iv) (iii) (i)
- (B) (i) (iv) (iii) (ii)
- (C) (ii) (i) (iv) (iii)
- (D) (ii) (iii) (iv) (i)

64. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- मलेरिया
- डेंगू
- छसरा
- मधुमेह

सूची-II

- पैरसाइट्स
- पैरिफेज
- बैक्टीरिया
- वायरस

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (i) (iii) (iv) (ii)
- (B) (iii) (iv) (i) (ii)
- (C) (ii) (i) (iv) (iii)
- (D) (iv) (ii) (iii) (i)

65. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- मानक वितरण
- माध्यिका
- टी-अनुपात
- माध्य

सूची-II

- $A + \frac{\sum fdx}{N} \times i$
- $\frac{x_1 - x_2}{SE_D}$
- $L_1 + \frac{L_2 - L_1}{f} (m - c)$
- $\sqrt{\frac{\sum fdx^2}{N} - \left(\frac{\sum fdx}{N}\right)^2}$

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iv) (iii) (ii) (i)
- (B) (ii) (iii) (iv) (i)
- (C) (iii) (ii) (i) (iv)
- (D) (i) (ii) (iv) (iii)

66. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- विविक्त घर
- गुप्तपरक घर
- निरंतर घर
- नियंत्रित घर

सूची-II

- रूम टेम्परेचर, सैपल साइज
- ऑटोई, बजज
- आयु, आई क्यू स्कोर
- सिट-अस, गोल स्कोर्ड

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iv) (ii) (iii) (i)
- (B) (iv) (iii) (ii) (i)
- (C) (iii) (iv) (i) (ii)
- (D) (ii) (i) (iv) (iii)

67. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- क्रॉस-वेयर टेंट
- हार्बर्ड स्टैप टेंट
- कूपर टेंट
- स्कॉट एण्ड ग्रीच टेंट

सूची-II

- साहनक्षिति
- लघ
- न्यूनतम मांसपरीय क्षिति
- इंद्र रक्तन कार्यक्षमता

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iii) (iv) (i) (ii)
- (B) (iii) (ii) (iv) (i)
- (C) (ii) (iii) (i) (iv)
- (D) (i) (iv) (ii) (iii)

68. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I (गमक उपादान)

- लघ
- सहनशक्ति
- स्फूर्ति
- क्षिति

सूची-II (प्रशिक्षण विधि)

- फॉटोलेक
- निष्पन्न और निष्पन्न
- फ्लोरोमेट्रिक
- फोस्ट आइसोमीट्रिक इग्नोट

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iii) (iv) (i) (ii)
- (B) (i) (ii) (iii) (iv)
- (C) (iv) (i) (ii) (iii)
- (D) (i) (ii) (iii) (iv)

69. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- तैयारी काल I
- तैयारी काल II
- प्रतिबंधिता काल
- संक्रमण काल

सूची-II

- लक्ष्य की प्राप्ति
- पुनः प्राप्ति
- तकनीक का विकास
- तकनीकी एवं स्थितिपरक आधार का निरूपण

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iv) (iii) (i) (ii)
- (B) (iii) (i) (ii) (iv)
- (C) (i) (ii) (iv) (iii)
- (D) (ii) (iv) (iii) (i)

70. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही विकल्प चुनिए—

सूची-I

- एफ आई एन ए
- एफ आई टी ई
- ए ए एफ आई
- एफ आई एफ ए

सूची-II

- कुटवाल
- एचलेटिक्स
- तेराकी
- सतरंज

कूट :

- (a) (b) (c) (d)
- (A) (iii) (iv) (ii) (i)
- (B) (i) (ii) (iii) (iv)
- (C) (iv) (iii) (ii) (i)
- (D) (i) (iv) (iii) (iii)

- निर्देश—(प्रश्न 71 से 75 तक) निम्न-लिखित गद्यांश को पढ़िए तथा अपनी समझ के आधार पर इसके खद दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

सामान्य रूप से शिक्षकों तथा विद्यार्थियों से शारीरिक शिक्षकों के समक्ष अनेक समस्याएँ तथा चुनौतियाँ हैं। संगत प्रश्न यह है कि शिक्षा में शारीरिक शिक्षा का स्थान और कार्य क्या है ? क्या हम शिक्षा के पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में शारीरिक

शिक्षा को शामिल करने की तर्कसंगतता सिद्ध कर सकते हैं ? क्या हम इसे सभी छात्रों के लिए आवश्यक बनाने की संगतता को सिद्ध कर सकते हैं ? जबकि हमें इस समय में, हमें अनिवार्यतः यह प्रदर्शित करना होगा कि शैक्षिक प्रक्रिया में शारीरिक शिक्षा का एक निरपेक्ष सकारात्मक मूल्य है, तथा हमें यह भी स्पष्ट करना होगा कि शारीरिक शिक्षा पाठ्यवर्षा का अत्यवश्यक भाग क्या है ?

इसके साथ ही, शैक्षिक कार्यपाली के कारण कुप्रचलित खेल एवं शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों की ओर अधिक ध्यानकषण हो रहा है। इन कार्यक्रमों द्वारा किए गए कार्यों के पूरे नहीं होने या पूरे किए जाने योग्य नहीं होने के कारण हमकी अत्यंत कटु और व्यापक आज्ञावली की जा रही है। यह तर्क दिया जाता है कि "खेल अपना आकर्षण देखी से खो देते हैं जब उन्हें शिक्षा, परिवर्तन-निर्माण या समाज सुधार में लगाया जाता है।"

शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा में अनेक पाठ्यवर्षापरक समस्याएँ होती हैं। पाठ्यवर्षा को अधिक संगत बनाने की आवश्यकता के अतिरिक्त, यदि हम कुछ चिरकालिक मुद्दों का समाधान करना चाहते हैं, तो हमें अपने समाज के लिए कुछ शैक्षिक प्राथमिकताएँ स्थापित करनी होंगी। हमें यथार्थ तथा शिक्षा के पाठ्यवर्षा को समाप्त करना होगा। इन अनेक पाठ्यक्रम की योजना बनाना नहीं चाहते। हमें परिवर्तन तथा नवाचार के प्रति खुला दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। छात्रों को विकसनीयता के चुनने का प्रावधान होना चाहिए, जिससे वे अपनी प्रसन्नता प्रतिभा को इष्टतम उद्घाटित कर सकें। इस कारण से छात्रों को कार्यक्रम निर्धारण एवं मूल्यांकन में शामिल करना चाहिए, क्योंकि कार्यक्रमों के अभिकल्पन का उद्देश्य छात्रों को लाभान्वित करना है, शिक्षकों को नहीं।

हमारे समक्ष अधिक और बेहतर नेतृत्व विकसित करने की चुनौती भी है। सभी प्रकार के सम्प्रेषण में सशक्त कौशल से सम्पन्न शैक्षिक शारीरिक शिक्षकों की आवश्यकता है। जनसामान्य को शारीरिक शिक्षा की महत्ता या शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता समझाने में शारीरिक शिक्षक अधिक सफल नहीं रहे हैं, नए शारीरिक शिक्षकों को अति कौशल सम्पन्न तथा किसी भी कक्षा में कौशल को सिखाने के साथ उन्हें प्रदर्शित करने की क्षमता भी होनी चाहिए। इसके साथ ही उसे उदार कलाओं और विज्ञानों में सामान्य शिक्षित होना चाहिए, जहाँ वह हर शैक्षिक विषय के लोगों के साथ सार्थक संवाद करने में सक्षम हो। हमें अपनी सामयिक शिक्षण विधियाँ एवं तकनीकें और शिक्षकों के बारे में अपनी मान्यताएँ एवं शोध द्वारा अर्जित कौशल को बीच की

छाई को पाटने की दिशा में काम करना होगा। इन शोध कार्य में संलग्न शारीरिक शिक्षकों तथा व्यावसायिक शारीरिक शिक्षकों के बीच एक छाई पैदा करने में सहायक बने हैं। हमें इस दिशा में कार्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि शारीरिक शिक्षा में संचालित शोध कार्य का उपयोग कर शारीरिक शिक्षा व्यवसाय को समुन्नत बनाया जाए।

आधुनिक समाज में परिवर्तन को अपनाने के लिए तैयार रहना एक आवश्यक योग्यता या दृष्टिकोण है। परिवर्तन आवश्यकता है, जो लोग अपने अस्तित्व को कायम रखना चाहते हैं वे परिवर्तन को स्वीकारेंगे और उससे अनुकूलनशीलता सीखेंगे। शिक्षा के समक्ष परिवर्तन के लिए तैयार होना या अनुकूलनशीलता का भाव विकसित करने का कठिन कार्य है—इस लोगों को केवल 'क्या है' के लिए ही नहीं, बल्कि 'क्या होगा' के लिए भी तैयार करना है, यद्यपि जो 'घटित होगा' वह अज्ञात है। आज के शारीरिक शिक्षकों के समक्ष सबसे बड़ा प्रश्न शारीरिक शिक्षा का भविष्य है। आपके मार्गदर्शन तथा नेतृत्व में शारीरिक शिक्षा किन्तु दिशा की ओर अग्रसर होगी ?

71. छात्रों को नियोजन एवं मूल्यांकन में सम्मिलित करना चाहिए क्योंकि—

(A) कार्यक्रमों को शिक्षकों को लागूनिष्ठ करने के लिए अभिकल्पित किया जाता है

(B) कार्यक्रमों को छात्रों को लागूनिष्ठ करने के लिए अभिकल्पित किया जाता है

(C) कार्यक्रमों को संरक्षण को लागूनिष्ठ करने के लिए अभिकल्पित किया जाता है

(D) कार्यक्रमों को प्रशासन को लागूनिष्ठ करने के लिए अभिकल्पित किया जाता है

72. समसाध्यिक शारीरिक शिक्षक के समक्ष कौनसी समस्याएँ और चुनौतियाँ हैं ?

I. शिक्षा में शारीरिक शिक्षा का स्थान.

II. सभी बच्चों के लिए शारीरिक शिक्षा की आवश्यकता की तर्कसंगतता.

III. शैक्षिक पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा का स्थान.

IV. शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम का प्रभावशील कार्यान्वयन.

सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) I, II, III (B) II, III, IV

(C) III, IV, I (D) IV, I, II

73. शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों के कुप्रबंधन के कारण शारीरिक शिक्षा के शिद्ध नहीं किए जाने योग्य लाभ—

I. धार्मिक विकास

II. सामाजिक विकास

III. शिक्षा की सेवा

IV. शारीरिक सक्षमता विकास

सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) I, II, IV (B) II, III, IV

(C) III, IV, I (D) II, I, III

74. शारीरिक शिक्षा के वर्तमान नेतृत्व को कैसा होना चाहिए ?

(A) स्वस्थ

(B) कोशलमुक्त

(C) सम्बंधशीलता में कुशल होने के साथ शैक्षिक रूप में सक्षम

(D) नैतिक एवं आचारवान

75. शिक्षा तथा सामाजिक शिक्षा को परिवर्तन को अपनाने के लिए तैयार रहना अनिवार्य है, क्योंकि—

I. परिवर्तन आवश्यकता है.

II. तत्परता वर्तमान के लिए तैयार करती है.

III. तत्परता भविष्य के लिए तैयार करती है.

IV. तत्परता से आत्मविश्वास विकसित होता है.

सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) III, I, II (B) I, III, IV

(C) IV, II, I (D) III, IV, II

उत्तर व्याख्या सहित



Just Released



UPKAR'S

Exam. Date
25th Aug. 2013

Defence Research & Development Organization (DRDO)

TECHNICAL ASSISTANT

Electronics & Telecommunication

DIPLOMA LEVEL

By
Dr. Lal, Dr. Sinha
& Neetu Singh

Code No.
1797

Price : ₹ 335.00



TECHNICAL ASSISTANT

Computer Science

DIPLOMA LEVEL

By
Dr. Lal, Dr. Parashar
& Prof. Arora

Code No.
1798

Price : ₹ 270.00



UPKAR PRAKASHAN

(An ISO 9001:2000 Company)

2111 A, Swadeshi Bima Nagar, AGRA-202 002 Ph. : 4053393, 2530366, 2531101; Fax : (0562) 4053392

E-mail : info@upkar.in

Website : www.upkar.in

Branch Offices : • New Delhi Ph. : 011-23251844-66 • Hyderabad Ph. : 040-66753330 • Patna Ph. : 0612-3573340

सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में वर्तमान परिदृश्य, भूमिका और कार्यकीय गतिविधियाँ-नई ऊँचाइयों की ओर बढ़ते कदम

(Present Scenario, Role and Functional Activities in Information and Broadcasting Sector-Growing steps towards New Heights)

विश्वेदह! देश में भारत सरकार के अधीनस्थ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (Ministry of Information & Broadcasting, Government of India-GOI) रेडियो, टेली-विजन, फिल्म, विन्ड मीडिया, न्यूज-नाथ-नाथ आदि के माध्यमों से संसार और सूचना को आगे बढ़ाने में अहम् भूमिका निभा रहा है, जिसकी ज़रूरत देश में निरन्तर-नरत बढ़ती जनसंख्या, जो जनगणना 2011 के अनुसार 121 करोड़ को पार कर चुकी है, हेतु अति आवश्यक है, विशेषकर क्रीमिंग क्षेत्रों में जहाँ रेडियो/टेलीविजन/समाचार-पत्र आसानी से उपलब्ध नहीं हो पाते हैं, अर्थात्कृत शहरी क्षेत्रों के मंत्रालय (MOI & B) में 4 प्रभाग (Wings)-सूचना प्रभाग, ब्रॉडकास्टिंग विंग, फिल्म विंग एवं एकीकृत वित्त प्रभाग अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, मंत्रालय अपने 21 मीडिया गुणित/सहायक ऑफिस/सर्वकारी इकाईयों (PSUs-Public Sector Undertakings)/स्वायत्तशासी-स्वचालित संस्थानों के माध्यम से कार्य करते हैं, जैसे-'SAB' राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार (National Film Awards) समारोह, 9 सितम्बर, 2011 को विज्ञान महान, नई दिल्ली, विचार समारोह पूर्व सभापति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित हुआ, दूरसंचार क्षेत्र अपनी सेवाओं के उपयोग से व्यापार क्षेत्र और घरेलू की अर्थव्यवस्था, जी.डी.पी. (GDP-Gross Domestic Products) में बढ़त और आर्थिक समन्वय विकास में वृद्धि बढ़ाती देखी गई है, दूरसंचार सेवाओं की शुरुआत टेलीफोन और टेलीविजन के आविष्कार के तुरन्त बाद अपने देश में हुई है, देश की 'पब्लिक टेलीफोन लाइन 1985 में कोलकाता और आसमढ़ हॉबल के बीच परिव्यात के लिए चालू हुई, जो आज दुर्लभ से घटित है, कुल मिलाकर सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में भारी प्रभाग (Wings)-सूचना/ब्रॉडकास्टिंग/फिल्म/एकीकृत वित्त प्रभाग, ने अपने-अपने क्षेत्र में अच्छी प्रगति दर्शायी है जो एक अद्वितीय सफलता की मो दर्शाती है,

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (MOI & B, GOI) की वार्षिक रिपोर्ट 2011-12 के आधार पर वर्ष के दौरान सूचना, प्रसारण, फिल्म एवं वित्त क्षेत्रों में अनेक उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं जिन्हें संक्षिप्त में निम्नस्तु वर्णित किया जा सकता है-

प्रमुख उपलब्धियाँ एवं नई दिशाएँ

- सूचना और प्रसारण मंत्रालय (भारत सरकार) का संगठनात्मक ढाँचा एवं प्रशासनात्मक (Organizational Set-up)

Infrastructure and Functional Activities of the Ministry of Information & Broadcasting-MOI & B-Government of India-GOI-

- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (Ministry of Information & Broadcasting-MOI & B, Government of India-GOI) में सर्वोच्च पद-1 सचिव (Secretary) की सेवा है जिसके अधीनस्थ 1-AS (Additional Secretary), 1-AS & FA (Additional Secretary & Financial Adviser), 3 पद संयुक्त सचिव (Joint Secretary P & A / Films & CVD/Broadcasting), निदेशक, वरिष्ठ आर्थिक सहायक, (Sr. Economic Adviser)/ आर्थिक सहायक आदि अनेक पद कार्य करते हैं,
- सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (MOI & B) के प्रभाग (Wings) एवं उप-प्रभाग-
 - MOI & B (GOI) के अधीनस्थ 4 प्रभाग (Wings) कार्यरत हैं जैसे-सूचना प्रभाग (Information Wing); प्रसारण प्रभाग (Broadcasting Wing), फिल्म प्रभाग (Film Wing) एवं आर्थिक प्रभाग (Economic Wing) अर्थात् एकीकृत वित्त प्रभाग (Integrated Finance Wing).
 - MOI & B (GOI) के अन्तर्गत 21 मीडिया गुणित/जुड़े हुए ऑफिस/सहायक ऑफिस/ PSUs कार्य करते हैं,
 - MOI & B (GOI) के उप-प्रभाग में अकाशवाणी (AIR) एवं दूरदर्शन (TV) के द्वारा जनता, भारत से बाहर भारतीय को नई संसार प्रदान करना; प्रसारण एवं टेलीविजन का विकास, फिल्म का आयात एवं निर्यात, फिल्म उद्योग के विकास एवं प्रोत्साहन; अनुसंधान, सन्दर्भ और प्रशिक्षण के माध्यम से मंत्रालय की मीडिया गुणितस सम्पत्ती को, प्रसारण एवं नई सेवाओं के सन्दर्भ में अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध बनाए, आदि अनेक लक्ष्य आते हैं,
 - स्वायत्तशासी संगठन (Autonomous Organizations)-प्रसार भारती (Broadcasting Corporation of India); Film & Television Institute of India, पुणे; इण्डियन इन्स्टीट्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन; प्रेस आर्जनेस ऑफ इंडिया; फिल्मोंस विकास सोसाइटी; इण्डिया एवं संपत्तीगत वे फिल्म एण्ड टेलीविजन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता (प. बंगाल)-कुल 6 संगठन मंत्रालय में कार्यरत हैं,

- नई पहलें एवं उपलब्धियाँ (New Initiatives and Achievements)-

- भारत के पला विश्व की सबसे बड़ी प्रसारण इन्फ्रास्ट्रक्चर मोडल है जिसमें 300 सेटलाइट टेलीविजन सैल, 245 फिल्म सैल और 100 से अधिक साप्ताहिक रेडियो मैट्रिक हैं, भारतीय प्रसारण उद्योग में वृद्धि प्रयोग पथ/क्रम (Growth Trajectory) को दर्शाती है,
- मंत्रालय (MOI & B) में जुलाई 2011 में Sectoral Innovation Council का मदन National Innovation Council (NIC) के आधार पर किया गया, जो आसानी से संचालित कर, रिजिटेशन एवं अमि-लेख्यता फिल्मों के रूप में सुरक्षित रखा जा सके,
- NFHM (National Film Heritage Mission) प्रोजेक्ट की भूमिका-इस NFHM प्रोजेक्ट की '21वीं' योजना (2012 से 2017) में शुरू किए जाने का प्रस्ताव रखा गया है जिस पर लगभग ₹ 600 करोड़ खर्च किए जाएंगे, ताकि चालू फिल्मों को संरक्षित कर, रिजिटेशन एवं अमि-लेख्यता फिल्मों के रूप में सुरक्षित रखा जा सके,
- NMIC (National Museum of Indian Cinema)-मंत्रालय द्वारा मुम्बई में फिल्म इंडिया कांफ्रेंस में एक NMIC (National Museum of India Cinema) की स्थापना हेतु कदम रखा गया है, ताकि भारतीय संस्थाओं को फिल्मों के द्वारा संरक्षित किया जा सके, बुद्धि, भारत की संस्था (Culture) विश्व में अद्वितीय मानी जाती है, इस म्यूजियम हेतु ₹ 121 करोड़ (लगभग) खर्च किए जाएंगे और आशा की जा रही है कि वर्ष 2013 को 'Centenary Year' के तहत में इस म्यूजियम की स्थापना कर उत्सव मनाया जाएगा,
- National Centre of Excellence for Animation, Gaming & VFX की स्थापना सम्पन्नी कार्यक्रम-मंत्रालय (MOI & B) द्वारा National Centre of Excellence for Animation, Gaming & VFX को स्थापित करने हेतु मोरारती (पंजाब) में 12 एकड़ भूमि देखी गई है, जिस हेतु ₹ 52 करोड़ (लगभग) खर्च करने का प्रस्ताव रखा गया है, इस प्रस्ताव हेतु एवांच सरकार ने भूमि वगैर खर्च के ब्रान को है, ताकि पुरानी मानव दशता (Old Skill Man Power) को और विकसित किया जा सके,

अन्य गतिविधियाँ

- पूर्वोत्तर क्षेत्र (NER) में भारत का 'प्रथम' रेडियो स्टेशन 'Jnan Taranga' का विकास-पूर्वोत्तर क्षेत्र/लक्ष्य को 'भारत की 7 बहिन' ('7 Sisters of India') कहा जाता है जिसमें असम, मिजोरम, नागालैण्ड, मणिपुर, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश एवं मेघालय तथा कर्ना राज्य-विकसित आते हैं, हृत्प्राकाता हैमोसियु स्टेट ऑफन सूचनैमिंटी

(Krishna Kanta Handique State Open University) गुवाहाटी (गुवा.सू.प्रा.स. + हाटी = बांग्ला अर्थात् गुवाहाटी का बाजार), असम में जन जंगल (Jnan Taranga) North-East India's First Radio Station को 20 नवम्बर, 2010 में First Community Radio को स्वीकृत किया गया, जिस के द्वारा एक दिन में 20 घण्टे प्रसारण किया जाता है, जिसमें सामुदायिक विकास सम्मन्धी कार्यक्रम किए जाते हैं जैसे- स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य विज्ञान, महिला सशक्तिकरण, जैव-विविधता (Bio-Diversity), कृषि, कृषि आधारित उद्योग, बच्ची का अधिकार, आदि सम्मन्धी।

● अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग के अन्तर्गत गति-विधियाँ-

● संयुक्त राष्ट्र (United Nations) की विशिष्ट एजेन्सी-‘यूनेस्को’ (UNESCO) का भारत एक फायदगार सदस्य है। ‘यूनेस्को’ का मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विज्ञान एवं तकनीकी, सांसांनिक विज्ञान, प्रसारण (Culture) एवं वृद्ध संसार हेतु अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने का है। यूनेस्को की ‘21^{वाँ} सत्र की सामान्य कॉन्फ्रेंस (21st Session of the General Conference of UNESCO), 1981 में IPDC (International Programme for the Development of Communication) को स्थापित करने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई थी।

● रबीन्द्रनाथ टैगोर की ‘150^{वीं} जन्म जयंती (Birth Anniversary) के चयनवार के सुअवसर पर भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय समेटी एवं NIC (National Implementation Committee) का गठन 7 मई, 2011 को किया गया और NFDC के द्वारा DVD-‘किन्नर पर टैगोर कहानी’ भी जारी की गई। NFDC (National Film Development Corporation Ltd.)-1975 से GOI द्वारा सुरुआत जो एक FFC (Film Financing Corporation) के रूप में कार्यरत है, इस क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका 300 से अधिक फिल्मों को वित्तीय सहायता प्रदान कर चुकी है। देश में सर्वप्रथम राष्ट्रीय (National Anthem) 27 दिसम्बर, 1911 को कोलकाता में गाना गया ‘जन गण मन-’। जिसे रबीन्द्रनाथ टैगोर ने रचा था।

● दूरदर्शन (TV) एवं आकाशवाणी (AIR) केन्द्री की गई कृषि तकनीकी के प्रसारण में भूमिका-भूमिका, ‘कृषि-भारत’ को अर्थव्यवस्था की कुंजी है जिसका अर्थात् कृषि, पशुपालन-वधारी एवं मालिकव्यवस्था (Agriculture & Allied Sector) का देश को ‘जीवीपी’ में वर्ष 2011-12 में योगदान बढ़कर मात्र 14-16% ही रह गया है जो कमी छः दशक पूर्व (1950-51 में) 50% से अधिक का यह घटोतरी कृषि वैज्ञानिकों के लिए एक किन्ता का किन्तु ‘21^{वीं} सदी’ हेतु ही बन गया है। कृषि अनुसंधान संस्थान/कृषि विश्वविद्यालय में हो रही कृषि विकसित अनुसंधान गई तकनीकों को किसानों तक

पहुँचाने में दूरदर्शन (TV), प्रसार-वाणी/आकाशवाणी (AIR) केन्द्री की अहम भूमिका रही है। इस सन्दर्भ में डॉ. ओ. पी. राजगुप्त, पूर्व-कृषि वैज्ञानिक, जो देश के ‘दिलीप’ मात्र सर्वोच्च डिग्री ‘D.Sc.’ (Agronomy) शारक शस्त्रीय है, विज्ञानों अन्तर्गत शोधकर्ता को फलतः प्रभावी अनुसंधान (ICAR) परियोजना आर. पी. एच. कोलेज बिस्वपुरी, आगरा (उ.प्र.) में जो यहाँ वर्ष 1952 से लगातार चल रही है, परिचामी उदार प्रवेश में आकाशवाणी, मधुरा-जहाँ कृषि कार्यक्रम के 4 वर्ष सलाहकार समिति में सदस्य (वर्ष 1991-95 तक) रहे, आकाशवाणी-आगरा, प्रसार मास्त्री-नई दिल्ली, दूरदर्शन-लखनऊ आदि केन्द्री से 100 से अधिक (AIR/TV Programmes)-कृषि कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने कृषि अनुसंधानों एवं उपलब्धियों को केन्द्री द्वारा प्रसारित करके क्षेत्रीय किसानों को लाभ पहुँचाना है। कृषि ही, राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय कृषि सेमिनार/कार्यशाळा/संजीव कृषि गोष्ठीय (3 हजार से अधिक गोष्ठीय) में भाग लेकर 4 लाख से अधिक किसानों को नई कृषि तकनीकों (ITKs) का प्रसार-प्रसार एवं पत्र-पत्रिकाएँ वितरक कृषकों को लाभान्वित किया है, जो अपने में एक बड़ी सफलता है। इसके अलावा डॉ. राजगुप्त 45 कृषि की किलारों के लेखक भी हैं, जिससे कृषि छात्र भी लाभ ले रहे हैं और 30 शोधार्थियों को श्रेष्ठविज्ञान में Ph.D. तथा 53 M.Sc. (Ag) Agronomy छात्रों को बीएसस महाह भी को है।

● 17th International Children's Film Festival की विशेषताएँ-

● CFSI (Children's Film Society, India) द्वारा हेदरबाद (आ.प्र.) में 14-20 नवम्बर, 2011 को “17th International Children's Film Festival” का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 38 देशों में भाग लिया और 154 फिल्मों को दर्शाया गया। इस समारोह में अन्तर्राष्ट्रीय, भारतीय एवं सधु फिल्म प्रतिस्पर्धा हेतु 400 से अधिक बच्चे संख्या द्वारा “Child Jury” कहा को बनाया गया और पुरस्कार भी दिए गए। इस समारोह से स्कूल के बच्चे काफी प्रभावित हुए।

● 11th Mumbai International Film Festival (MIFF) का आयोजन-3-9 फरवरी, 2011 को 11^{वीं} MIFF का आयोजन मुम्बई में किया गया जिसका उद्देश्य फिल्म उद्योग को विश्वस्तर् पर बढ़ावा मिले, जबकि “12^{वीं} MIFF 3-9 फरवरी, 2012 को मुम्बई में आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में 600 से अधिक प्रतिस्पर्धियों, 35-40 किंदेशों में भाग लिया।

निकर्ष

उपर्युक्त विवरण से स्पष्ट है कि भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (Ministry of Information & Broadcasting,

Government of India-GOI) के अन्तर्गत वर्ष 2011-12 के दौरान सूचना एवं प्रसारण क्षेत्र में वर्तमान स्थिति/परिदृश्य, कार्यक्षेत्र गतिविधियों, भूमिका एवं नई पहलें सम्मन्धी अनेक गतिविधियाँ हुई, जिसमें निम्न विषयों पर विचारण जा सकता है-

- (i) Press Information Bureau द्वारा नई दिल्ली में 19-20 अक्टूबर, 2011 को Economic Editor Conference का आयोजन कर माती स्थानीय पर विचार-विमर्श भी किया गया।
- (ii) कोलकाता (प. बंगाल) में 19-20 नवम्बर, 2011 को “ग्रिडवर्किंग इन्फिडका” फोटो प्रभाग द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जन्म जयंती पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- (iii) 7 मई, 2011 को NFDC (National Film Development Corporation) द्वारा नोबेल पुरस्कार विजेता/प्राप्तकर्त्री रबीन्द्रनाथ टैगोर की, ‘150^{वीं} जन्म जयंती (Birth Anniversary) के सुअवसर पर “Tagore Stories on Film” प्रकाश प्रभाग द्वारा फिल्म रिलीज की गई। भारत के राष्ट्रगान (National Anthem)-‘जन गण मन’ 24 जनवरी, 1950 को अनेक नवया गिसे रबीन्द्रनाथ टैगोर (बङ्गुर) ने लिखा था।
- (iv) “42^{वीं} भारत का अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह” (International Film Festival of India) का आयोजन 23 नवम्बर से 3 दिसम्बर, 2011 को गोवा में किया गया, जिसमें पुरस्कार विहारा भी किए गए।

सम्बन्धी विन्तु : सूचना एवं प्रसारण (Information & Broadcasting) सम्मन्धी

- GOM (Group of Ministers)-GOI द्वारा 19 मई, 2011 को स्थापित
- “42^{वीं} अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव, 2011” आयोजन, गेज में
- DAVP (Directorate of Advertising & Visual Publicity)-Multi Media Agency GOM-वा. 1955
- ‘कोलकाता-राजिब (हिन्दी/अंग्रेजी)-‘ब्रम्ह’ प्रकाशन 1957 में, जब से लगातार प्रकाशन by MEN & B (60%)
- ‘आलखल’ पत्रिका (हिन्दी/उर्दु)-मई 2011 में 67 वर्ष प्रकाशन के पूरे हुए।
- ‘वात भारती’-बच्चों की स्वरूप सम्मन्धी जानकारी हेतु बुकलाएँ 1948 से
- ‘कृष्णेश’-नामिक प्रकाशन हेतु 1952 से लगातार प्रकाशन
- रोजगार समाचार/Employment News (हिन्दी/अंग्रेजी/उर्दु)-अप्रैल 1976 से; DAVP स्थापनापश्चात् प्रकाशन प्रमाण को (जुलाई 1978 में)
- DAVP (GOM)-वा. 1955
- Cable Television Network Policy (Regulation) Act, 1995
- 1st Radio Station in NER-गुवाहाटी (असम) में 20 Nov., 2010 को शुक्लगत

संख्यात्मक अभियोग्यता

निर्देश—(प्रश्न 1 से 5 तक) निम्न-लिखित प्रत्येक प्रश्न में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

1. $8265 + 2736 + 41320 = ?$
(A) 51327 (B) 52235
(C) 52321 (D) 52314
(E) इनमें से कोई नहीं

2. ? का $175\% + 235 = 120 \times 4$
(A) 140 (B) 350
(C) 250 (D) 240
(E) इनमें से कोई नहीं

3. ? = $\frac{(11)^2 - (4)^2 \times 2}{8}$
(A) 18 (B) 26
(C) $11\frac{1}{8}$ (D) 15
(E) इनमें से कोई नहीं

4. $\frac{2707}{\sqrt{?}} = 27.07$
(A) 10000 (B) 1000
(C) 100 (D) 10
(E) इनमें से कोई नहीं

5. ? $\times \left(\frac{8}{9} + \frac{1}{9}\right) = \frac{1}{10}$
(A) $\frac{1}{80}$ (B) $\frac{7}{10}$
(C) $\frac{2}{45}$ (D) $\frac{1}{5000}$
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 6 से 10 तक) निम्न-लिखित प्रत्येक प्रश्न में प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर आसन्न मान क्या आएगा ?

6. ? + 15-158 का $\frac{2}{3} + 16\sqrt{3} = 40$
(A) 6-3 (B) 4-2
(C) 2-5 (D) 2-2
(E) इनमें से कोई नहीं

7. ? = $(\sqrt{579} + 76-15) \times 100-258$
(A) 10000
(B) 10523
(C) 21310
(D) 5370
(E) इनमें से कोई नहीं

8. ? + 240-012 का $\frac{4}{5} = 300$

- (A) 18 (B) 8
(C) 16 (D) 6
(E) इनमें से कोई नहीं

9. ? = 106-0215 + 889-973 - 45-831

- (A) 950 (B) 800
(C) 1060 (D) 250
(E) इनमें से कोई नहीं

10. $\sqrt{15870} - 12$ का 0-3 = ?

- (A) 90 (B) 80
(C) 250 (D) 120
(E) इनमें से कोई नहीं

11. यदि किसी संख्या का 0-75, उसके 70% से 20 अधिक है, तो वह संख्या क्या है ?

- (A) 400 (B) 215
(C) 196 (D) 240
(E) इनमें से कोई नहीं

12. अंकार, महावीर तथा कमला की आयु का योग 90 वर्ष है, यदि 10 वर्ष पहले उनकी आयु में क्रमशः 1 : 2 : 3 का अनुपात था तो महावीर की वर्तमान आयु कितने वर्ष है ?

- (A) 36 वर्ष (B) 30 वर्ष
(C) 25 वर्ष (D) 40 वर्ष
(E) इनमें से कोई नहीं

13. कमला के विज्ञान में प्राप्तांक, उसे विज्ञान, गणित और ड्राइंग में मिले कुल अंकों के 25% से 20 कम है, यदि उसे ड्राइंग में 56 अंक और गणित में 96 अंक मिले, तो विज्ञान में उसे कितने अंक मिले ?

- (A) 27 (B) 18
(C) 25 (D) 24
(E) इनमें से कोई नहीं

14. 7000 ई.पू. से 5740 में खरीदी गई थी, उनके खाने का भाड़ा ₹ 805 दिया गया, ई.पू. की शमूर्ण लागत कितने ₹ प्रति हजार पड़ी ?

- (A) 936-00 (B) 6542-00
(C) 812-50 (D) 654-00
(E) इनमें से कोई नहीं

15. रामनाथ ने 50 किग्रा गेहूँ ₹ 10-50 प्रति किग्रा की दर से तथा 20 किग्रा गेहूँ ₹ 12 प्रति किग्रा की दर से खरीदी, यदि उन्हें मिलाकर मिश्रण को उसने ₹ 15 प्रति किग्रा की दर से बेच दिया तो उसे कितना लाभ हुआ ?

- (A) ₹ 245 (B) ₹ 300
(C) ₹ 258 (D) ₹ 285
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 16 से 20 तक) निम्न-लिखित प्रत्येक प्रश्न में एक संख्या मूँखला दी गई है, उसमें प्रश्नचिह्न (?) के स्थान पर क्या आएगा ?

16. 1, 2, 8, 33, 148, ?
(A) 720 (B) 746
(C) 765 (D) 357
(E) इनमें से कोई नहीं

17. 5, 6, 10, 7, 35
(A) 18 (B) 17
(C) 19 (D) 24
(E) इनमें से कोई नहीं

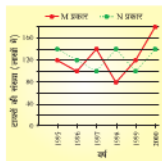
18. 15, 16, 34, 7, 424
(A) 105 (B) 107
(C) 214 (D) 330
(E) इनमें से कोई नहीं

19. 3, 4, 13, 38, ?
(A) 63 (B) 62
(C) 52 (D) 87
(E) इनमें से कोई नहीं

20. 10, 21, 44, 91, ?
(A) 180 (B) 170
(C) 160 (D) 150
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 21 से 25 तक) निम्न-लिखित प्रत्येक प्रश्न नीचे दिए गए ग्राफ पर आधारित है।

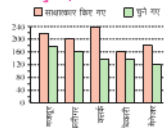
एक कम्पनी निम्न वर्षों में दो प्रकार (M और N) के टायरों का उत्पादन करती है।



21. किस वर्ष दोनों प्रकार के टायरों का सम्मिलित उत्पादन सबसे अधिक था?
(A) 1996 (B) 2000
(C) 1999 (D) 1997
(E) इनमें से कोई नहीं
22. किस वर्ष उत्पादित N प्रकार के टायरों की संख्या में पिछले वर्ष की अपेक्षा 40% वृद्धि हुई?
(A) 1998 (B) 1999
(C) 1997 (D) 2000
(E) इनमें से कोई नहीं
23. वर्ष 1998 में N प्रकार के टायरों का उत्पादन, उसी वर्ष M प्रकार के टायरों के उत्पादन का लगभग कितने % था?
(A) 90 (B) 80
(C) 175 (D) 150
(E) इनमें से कोई नहीं
24. वर्ष 1998 में उत्पादित और 1999 में उत्पादित 'N' प्रकार के टायरों की संख्या में कितना अन्तर है?
(A) 30 लाख (B) 35 लाख
(C) 32 लाख (D) 40 लाख
(E) इनमें से कोई नहीं
25. वर्ष 1997 से 1998 में M प्रकार के टायरों की संख्या में लगभग कितने % कमी हुई?
(A) 30% (B) 50%
(C) 40% (D) 60%
(E) इनमें से कोई नहीं
26. किस वर्ष सभी विषयों में उत्तीर्ण छात्रों का प्रतिशत सबसे अधिक रहा?
(A) 2000 (B) 2001
(C) 2002 (D) 2003
(E) 2004
27. वर्ष 2001 में कला में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या और 2000 में कृषि एवं इंजीनियरिंग में मिलाकर उत्तीर्ण छात्रों की संख्या में कितना अन्तर है?
(A) 27 (B) 89
(C) 142 (D) 33
(E) इनमें से कोई नहीं
28. वाणिज्य विषय में 2002 में सम्मिलित छात्रों की संख्या, उस वर्ष सभी विषयों में सम्मिलित छात्रों की संख्या का लगभग कितने प्रतिशत है?
(A) 36% (B) 35%
(C) 34% (D) 26%
(E) इनमें से कोई नहीं
29. आकाश ने किसी साहसिक से कोई धन-राशि 8% वार्षिक साधारण ब्याज की दर से उधार ली और उसे बने सिह को 12% वार्षिक साधारण ब्याज की दर से उधार दे दिया, यदि दो वर्ष बाद उसने इस लोनदेन से ₹ 320 का लाभ कमाया तो वह धनराशि कितनी थी?
(A) ₹ 4000 (B) ₹ 3000
(C) ₹ 7000 (D) ₹ 6000
(E) इनमें से कोई नहीं
30. मासिक किराए में अदा करना हो तो मासिक किरा कितने रुपए की होगी?
(A) ₹ 198 (B) ₹ 350
(C) ₹ 250 (D) ₹ 240
(E) इनमें से कोई नहीं
31. एक आयताकार मैदान की लम्बाई 50% और चौड़ाई 20% बढ़ाने पर नया क्षेत्रफल पुराने क्षेत्रफल का कितने गुना होगा?
(A) $\frac{17}{19}$ (B) $\frac{21}{25}$
(C) $7\frac{4}{5}$ (D) $8\frac{2}{5}$
(E) इनमें से कोई नहीं
32. 175 लिटर दूध में, जिसका मूल्य ₹ 16-00 प्रति लिटर है, कितना पानी मिलाया जाए कि मिश्रण का मूल्य ₹ 14-00 प्रति लिटर हो जाए?
(A) 27 (B) 25
(C) 34 (D) 24
(E) इनमें से कोई नहीं

निर्देश—(प्रश्न 36 से 40 तक) प्रत्येक निम्नलिखित ग्राफ पर आधारित है।

पौध पदों के लिए साक्षात्कार किए गए तथा चुने गए अभ्यर्थियों की संख्या



36. चुने गए मैनेजरों की संख्या चुने गए कारीगरों की संख्या से कितने प्रतिशत कम है ?
(A) 25% (B) 32%
(C) 34% (D) 24%
(E) इनमें से कोई नहीं
37. निम्नलिखित में से किस पद पर चुनाव-अनुपपन्न (चुने गए) : साक्षात्कार किए गए अधिकतम है ?
(A) मजदूर (B) कारीगर
(C) अधिकारी (D) क्लर्क
(E) मैनेजर
38. किस पद के लिए अस्वीकृत अभ्यर्थियों की संख्या न्यूनतम है ?
(A) मजदूर (B) अधिकारी
(C) कारीगर (D) क्लर्क
(E) मैनेजर

निर्देश—(प्रश्न 26 से 30 तक) प्रत्येक प्रश्न निम्नलिखित सारणी पर आधारित है।

किसी परीक्षा में सम्मिलित एवं उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की संख्या

वर्ष	कला		विज्ञान		वाणिज्य		कृषि		इंजी.		योग	
	स.	उ.	स.	उ.	स.	उ.	स.	उ.	स.	उ.	स.	उ.
1999	242	186	395	248	414	305	195	101	215	201	1461	1041
2000	280	193	384	250	405	296	231	202	273	212	1573	1153
2001	346	257	362	297	398	216	246	205	284	232	1636	1187
2002	195	101	312	242	376	251	315	234	230	205	1428	1013
2003	232	112	439	315	439	358	286	212	240	215	1895	1212
2004	375	178	396	287	347	239	339	294	296	232	1753	1230

26. वर्ष 1999 में कला विषय में उत्तीर्ण प्रतिशत किस वर्ष इंजीनियरिंग में उत्तीर्ण के प्रतिशत के ठीक बराबर था ?
(A) 2000 (B) 2004
(C) 2002 (D) 2001
(E) इनमें से कोई नहीं
27. वर्ष 2001 में किस विषय में उत्तीर्ण का % सबसे अधिक रहा ?
(A) कला (B) विज्ञान
(C) वाणिज्य (D) कृषि
(E) इंजीनियरिंग
28. यदि एक पुस्तकालय में 20% पुस्तकें हिन्दी में, शेष की 50% अंग्रेजी में और शेष 4500 पुस्तकें अन्य भाषाओं में हैं, तो अंग्रेजी भाषा में वही कुल कितनी पुस्तकें हैं ?
(A) 9000 (B) 2600
(C) 2230 (D) 2400
(E) इनमें से कोई नहीं
29. एक ब्याज मूल ऋण को 40 मासिक किश्तों में अदा करने के लिए प्रतिमाह ₹ 180 अदा करना पड़ता है, यदि वह

39. मजदूर पद के लिए साक्षात्कार किए जाने वालों की संख्या और कलक पद के चुने जाने वालों की संख्या में कितना अन्तर है?
(A) 90 (B) 80
(C) 70 (D) 60
(E) इनमें से कोई नहीं
40. कुल चुने गए अभ्यर्थियों की संख्या और कुल साक्षात्कार किए गए अभ्यर्थियों की संख्या में क्रमशः क्या अनुपात है?
(A) 50 : 37 (B) 38 : 49
(C) 37 : 50 (D) 36 : 55
(E) इनमें से कोई नहीं
- निर्देश**—(प्रश्न 41 से 45 तक) प्रत्येक प्रश्न में एक प्रश्न तथा उसके बाद I और II कथन दिए गए हैं। आपको यह तय करना है कि कथनों में दिया गया डाटा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है या नहीं। उत्तर दीजिए—
(A) यदि केवल कथन I में दिया गया डाटा, प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है।
(B) यदि केवल कथन II में दिया गया डाटा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है।
(C) यदि केवल I और II में से प्रत्येक कथन में दिया गया डाटा प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त है।
(D) यदि दोनों कथनों में मिलाकर डाटा भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए पर्याप्त नहीं है।
(E) यदि दोनों कथनों में मिलाकर डाटा, प्रश्न का उत्तर देने के लिए आवश्यक है।
41. उस रेलगाड़ी की लम्बाई क्या है जो एक सिग्नल के खम्भे को 10 सेकण्ड में पार कर जाती है?
I. रेलगाड़ी की गति 54 किमी/घण्टा है।
II. रेलगाड़ी 150 मीटर लम्बे प्लेटफार्म को 20 सेकण्ड में पार कर जाती है।
42. किसी धन पर 3 वर्ष के लिए साधारण ब्याज और धनबुद्धि ब्याज में कितना अन्तर होगा?
I. ब्याज की दर 8% सालाना है।
II. साधारण ब्याज की कुल राशि 1200 रु. है।
43. यदि 3 मेज और 1 कुर्सी का मूल्य 4800 रु. है, तो 1 कुर्सी का मूल्य क्या है?
I. चार कुर्सी और 1 मेज का मूल्य 4900 रु. है।
II. दो कुर्सी और 2 मेजों का मूल्य 4400 रु. है।
44. यदि बड़ीदा और सुल्तानपुर के बीच अन्तर 100 किमी है तो बड़ीदा और धामपुर के बीच कितना अन्तर होगा?
I. सुल्तानपुर और रहमतनगर के बीच अन्तर 100 किमी है।
II. सुल्तानपुर और धामपुर के बीच अन्तर 500 किमी है, जबकि धामपुर और बड़ीदा सुल्तानपुर के विपरीत ओर हैं।
45. कुमार, चन्दा, कमल और यशोव्रत के बीच 7500 रु. वितरित किए गए। चन्दा को कुमार से दो गुना धन मिला। कुमार को कितना धन मिला?
I. कमला और यशोधरा को मिलाकर चन्दा से 200 अधिक मिले।
II. कुमार को कमला से आधा धन मिला।
- निर्देश**—(प्रश्न 46 से 50 तक) प्रत्येक प्रश्न में एक अंक मुद्दला दी गई है, जिसमें एक संख्या असंगत है, उस असंगत संख्या को ज्ञात कीजिए।
46. 7706, 1927, 386, 64, 10, 2, 1
(A) 1927 (B) 386
(C) 64 (D) 10
(E) 2
47. 13, 16, 21, 28, 36, 48, 61
(A) 36 (B) 61
(C) 16 (D) 15
(E) 21
48. 32, 36, 41, 61, 86, 122
(A) 36 (B) 32
(C) 86 (D) 61
(E) 41
49. 2, 3, 6, 15, 52-5, 157-5
(A) 3 (B) 6
(C) 52-5 (D) 15
(E) 157-5
50. 293, 172, 91, 42, 16, 8, 7
(A) 1 (B) 8
(C) 91 (D) 42
(E) 16

उत्तर व्याख्या सहित





कि न्यायिक सक्रियतावाद (Judicial Activism) क्या है ?

● न्यायिक सक्रियतावाद (Judicial Activism) न्यायशास्त्रिका की वह सक्रिय प्रवृत्ति है जिसके द्वारा वह सामाजिक एवं प्रशासनिक मामलों का कार्यपालिका तथा व्यवस्थापिका को पीछे छोड़कर नियमित करने लगती है। न्यायिक सक्रियतावाद की अलोचना भी की जाती है तथा न्यायपालिका को यह खलाह दी जाती है कि वह अन्य संस्थाओं के अधिकारों पर अतिक्रमण न करे।

कि हाइजैकिंग क्या होती है ?

● हाइजैकिंग (Hijacking) का अर्थ विमान अपहरण है। जब कोई व्यक्ति विमान में घुस जाता है और विमान चालक का हथियारों के बल पर बलवा है। यात्रियों को मारने की धमकी देता है और विमान अपने मन चाहे स्थान पर ले जाने के लिए चालक को मजबूर करता है और ऐसा करने में वह सफल भी हो जाता है। यह विमान अपहरण या हाइजैकिंग कहलाती है। ये विमान अपहरणकर्ता आतंकवादी या जघन्य अपराधी हो सकते हैं। ये यात्रियों एवं चालक दल को बन्दी बनाकर अपनी हार्त मनवाने का प्रयास करते हैं। 1971 के मॉण्ट्रियल- अक्सिसमय के अन्तर्गत ऐसे अपराधियों के प्रत्यर्पण और उन्हें दण्ड देने की व्यवस्था की गई है।

कि सगोलीय एक (Celestial Unit) क्या है ?

● सूर्य से पृथ्वी की औसत दूरी (14-96 करोड़ किमी) को खगोलीय एकक (इकाई) माना जाता है और इसी के संदर्भ में सूर्य से अन्य ग्रहों की दूरी को व्यक्त किया जाता है। इससे अनुपपत्तिक दूरी प्रदर्शित की जाती है जिनकी गणना सूर्य से किसी ग्रह की वार्षिक दूरी से सूर्य से पृथ्वी की औसत दूरी (खगोलीय इकाई) से भाग देकर की जाती है। इससे यह ज्ञात होता है कि कोई आकाशीय पिंड पृथ्वी की तुलना में सूर्य से कितना गुना दूर है ?

कि गुल्म (Scrub) क्या है ?

● यह छोटी झाड़ियाँ तथा बाली (छोटे-छोटे) वृक्षों के रूप में उगने वाली वनस्पति है। कहीं-कहीं अपेक्षाकृत बड़े वृक्ष भी पाए

जाते हैं। इसमें अधिकांश वृक्ष 1 से 2 मीटर तक ऊँचाई वाले होते हैं। गुल्म का विकास प्रायः उन भागों में होता है, जहाँ वर्षा कम होती है और मिट्टी की गहराई भी बहुत कम होती है जिसके कारण बड़े-बड़े वृक्षों का विकास नहीं हो पाता है। इस प्रकार की वनस्पतियाँ अधिकांशतया गर्म मरुस्थलों के सीमांत प्रदेश के अर्द्ध शुष्क भागों में विकसित होती हैं। अफ्रीका के अर्द्ध शुष्क प्रदेश में पाई जाने वाली माली गुल्म (Mallee Scrub) और गुल्मा गुल्म (Mulga Scrub) इसके विशिष्ट उदाहरण हैं।

कि जल गर्तिका (Pot hole) क्या है ?

● मैदानी भाग में तीव्र गति से प्रवाहित होने वाली नदी की तली में निर्मित गर्त, जिसकी उत्पत्ति जल भँवर के साथ चलने वाले कंकड़, पत्थर एवं बजरी द्वारा अपरदन के परिणामस्वरूप होती है। पहले छोटे-छोटे गर्तों का निर्माण होता है जिनका आकार धीरे-धीरे बढ़ता जाता है। जल गर्तिका का व्यास कुछ सेमी से लेकर कई मीटर तक हो सकता है। इसकी गहराई, इसके व्यास की तुलना में अधिक होती है। जल गर्तिका का निर्माण प्रायः जल प्रपात की तली वाले भाग में होता है जहाँ जल ऊपर से नीचे गिरता है। कभी-कभी घुना पत्थर प्रदेश में निर्मित घोल रम्य तथा विलिखन किछ के लिए भी जल गर्तिका शब्द का प्रयोग किया जाता है।

कि भित्तिरसा विज्ञान के अनुसार क्या मनुष्य के मस्तिष्क और कमर की संरचना के बीच कोई सम्बन्ध है ?

● मोटापा शरीर को ही नहीं, बल्कि मस्तिष्क को भी गंभीरता से प्रभावित करता है। कभी-कभी हमें फिर गए शोध के अनुसार आपकी कमर के चारों ओर जमी चर्बी आपके मस्तिष्क को शिकोड़ रही है। शोधकर्ताओं ने पाया कि मस्तिष्क का वह क्षेत्र, जो शोध और संज्ञान के लिए महत्वपूर्ण होता है, वह मोटों लोगों में छोटा हो जाता है। ऐसे लोगों का दिमाग, अपनी उम्र के हिसाब से 16 साल अधिक बुढ़ा होता है। मस्तिष्क का यह संकुचन 'डिमेंशिया' (मनोभ्रंश) से सम्बन्धित होता है।

यह शोध उस संदेह को बल प्रदान करता है कि बढ़ता वजन मस्तिष्क की स्थिति में बदलाव का खतरा पैदा करता है। शरीर में बढ़ी हुई चर्बी हृदय-फलनियों में अवरोध उत्पन्न करती है, जो मस्तिष्क की कोशिकाओं तक पहुँचने वाले रक्त और ऑक्सीजन के संचरण को कम करती है। फलतः, मेटाबोलिज्म में होने वाली कमी से मस्तिष्क की कोशिकाएँ मृत होने लगती हैं।

कि 'बायोनिक्स मेन' क्या है ?

● बायोनिक्स मेन को विकसित करने में बायोनिक्स की भूमिका महत्वपूर्ण रही है।

आखिर, बायोनिक्स क्या है ? बायोनिक्स इलेक्ट्रॉनिक्स एवं बायोलाजी का समन्वय है। इसमें जीवों एवं कुत्रिम सरचनाओं के बीच तकनीक का हस्तान्तरण होता है। इससे बुद्ध या दुर्घटनाओं में हाथ, पैर या अन्य महत्वपूर्ण अंग गँवा चुके लोगों को हूब-हू बूँटें ही बायोनिक्स आगमन ट्रांसप्लांट किए जाते हैं। बायोनिक्स शरीर में होने वाली सभी रासायनिक जैविक और भौतिक क्रियाओं को कुत्रिम रूप से साकार करने की इंजीनियरिंग है। इन बायोनिक्स अंगों में सोनार, रेडार, अल्ट्रासाउंड तथा कम्प्यूटर साईस की नवीनतम तकनीकों का उपयोग होता है।

बायोनिक्स में एक तरह से कुत्रिम मानव होता है, लेकिन उसमें सभी आवश्यक एवं बाह्य मानवीय क्रियाएँ-प्रतिक्रियाएँ होती हैं। ऐसे बायोनिक्स मेन में, सामान्य व्यक्ति की तुलना में, असमिति बल होता है। बायोनिक्स अंग तार और इलेक्ट्रॉनिक सुक्ष्म पुर्जों से तैयार होता है, लेकिन वे पूर्णतः इंसानी अंगों की तरह काम करते हैं तथा दिमाग से संकेत ग्रहण करते हैं।

कि टाईफून (Typhoon) क्या है ?

● यह एक उष्ण कटिबंधीय चक्रवात है, जो पश्चिमोत्तर प्रशांत महासागर तथा चीन सागर में उत्पन्न होता है। इस चक्रवात में हवाएँ अत्यधिक तेजी से (बुलवॉर्ट पवन मीपी पर 12 से अधिक) बल से केन्द्र की ओर चलती हैं। इनका व्यास सामान्यतः 150 से 650 किमी तक पाया जाता है। इसके केन्द्र और परिधि के वायुदाब में अधिक अन्तर (10 से 50 मिमी बार) के कारण दाब प्रपात अधिक होती है, जिससे हवाएँ अति वेग से चलती हैं। इन चक्रवातों से वर्षा मूसलाधार होती है और सागर तटीय भाग में अधिक जनधन की हानि होती है। इस प्रकार के चक्रवात संयुक्त राज्य अमरीका के दक्षिण पूर्वी भाग में भी आते हैं जहाँ इन्हें 'हरीकेन' कहते हैं।

कि पीलियायी मेघ (Pelecan Cloud or Nive ardente) क्या है ?

● यह ज्वालामुखी उद्वार के समय उत्पन्न दीदीप्यमान बादल है, जो भाप ज्वालामुखी धूल तथा तथा गर्मी से युक्त होते हैं, जब ये बादल नीचे उतरते हैं, तो अत्यधिक विनाशकारी होते हैं, क्योंकि इससे प्रज्वलित वृक्ष कणों तथा शैल खण्डों की वर्षा होने लगती है। सन् 1902 में माउण्ट पीली (Mount Pelee) के उद्गमदन के समय मारैटिमिक द्वीप पर स्थित सेंट पियरे नगर बर्बाद हो गया था। इस प्रकार के ज्वालामुखी द्वारा निर्मित मेघ को पीलियायी मेघ कहा जाता है। फ्रांसीसी भाषा में इस प्रकार के बादल को नूई अर्बेन्टी कहते हैं।





प्रश्न-भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कोई राजनीतिक दल न होकर बुद्धिजीवियों का समूह था।

उत्तर-

प्रश्न-खुला समुद्र का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर-

प्रश्न-क्या बिना मिट्टी और बिना खाद के फल और सब्जी उगा सकते हैं ?

उत्तर-

प्रश्न-फियोर्ड (Fiord or fjord) क्या है ?

उत्तर-

प्रश्न-भारत की लोक सेवा में 'सदन का नेता' का क्या अभिप्राय है ?

उत्तर-

प्रश्न-फैथोमीटर (Fathometer) क्या है ?

उत्तर-

प्रश्न-'हुजूर दफ्तर' क्या था ?

उत्तर-

प्रश्न-क्या मनुष्य को निगलने वाली कोई चिड़िया भी या है ?

उत्तर-



सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

- निम्नलिखित में से किसके जलने पर प्वाला उष्मी (Cold Flame) होती है, जिसमें न हाथ जलता है और न कोई अन्य वस्तु ?
(A) एथीन (B) फॉस्फोरस (C) बिस्मथ (D) क्लोरोफ्लोरो कार्बन
- हिन्दी व्याकरण के अनुसार भूतकाल के कितने भेद होते हैं ?
(A) 6 (B) 5 (C) 4 (D) 3
- द्वितीयक हृन्धधनुष (Secondary Rainbow) प्रकाश की निम्नलिखित प्रक्रिया के कारण बनता है—
(A) अपवर्तन (B) परावर्तन (C) ध्रुवन (D) पूर्ण आन्तरिक परावर्तन
- साबरमती नदी किस शहर के बीच से होकर गुजरती है ?
(A) नागपुर (B) बड़ोदरा (C) अहमदाबाद (D) नासिक
- लोक सभा की बैठक सप्ताह की जा सकती है—
(A) स्वयं द्वारा (B) सभापति द्वारा (C) विधायक द्वारा (D) उपर्युक्त सभी के द्वारा
- भारतीय नागरिकों का यह मूल कर्तव्य नहीं है—
(A) संविधान का पालन करें (B) देश की रक्षा करें (C) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें (D) देश में स्कूल, कॉलेज और अस्पताल बनवाएं
- उत्तर वैदिककालीन मुद्रा को कहते थे—
(A) पाण (B) निष्क (C) शतमान (D) दीनार
- ऋग्वेद में सर्वाधिक उल्लेख किस नदी का किया गया है ?
(A) गंगा (B) सरस्वती (C) यमुना (D) कावेरी
- सरदार पटेल को 'सरदार' की उपाधि किसने दी ?
(A) महात्मा गांधी (B) मदन मोहन मालवीय (C) लोकमान्य तिलक (D) दीनबन्धु चित्तरंजन दास
- महर्षि भारद्वाज के पितामह का नाम है—
(A) महर्षि अगस्त्य (B) महर्षि बलिष्ठ (C) महर्षि कश्यप (D) महर्षि अंगिर
- यह किसका वाक्य है, "The pen is mightier than the sword ?"
(A) सेक्सपीयर (B) बुलवर लिटन (Bulwer-Lytton) (C) नेल्सन (D) चार्ल्स डिंकल
- प्रवाह (Drift) कहते हैं—
(A) मन्द गति वाली समुद्री धारा को (B) लाइट हाफ्स को (C) पृथ्वी की ऊपरी ठोस परत को (D) इनमें से कोई नहीं
- चीन की खोज किसने की ?
(A) एरिकसन (B) कोलम्बस (C) मार्कोपोलो (D) बस्को-डि-गामा
- सूरेश ज्वालामुखी निम्नलिखित देश में है—
(A) पिली (B) जापान (C) इन्डोनेशिया (D) कोलम्बिया
- सन् 1947 में स्वतन्त्र भारत के प्रथम खाद्य मंत्री थे—
(A) रफी अहमद किदवाई (B) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (C) सरदार पटेल (D) जगजीवन राम
- सत्य ऋषियों में से हैं—
(A) जम्बुगि (B) कण्व (C) वेदव्यास (D) लोमष
- निम्न में से किस नद से प्रायः राजस्थान का बँटवारा केन्द्र द्वारा राज्य को नहीं करान पड़ता है ?
(A) आबकर (B) वरपद शुल्क (C) सोना शुल्क (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- नरसिंह समिति ने किस सम्बन्ध में अपने सुझाव केन्द्र सरकार को दिए थे ?
(A) उच्च शिक्षा सुधार सम्बन्धी (B) कर-संरचना सुधार सम्बन्धी (C) बेकिंग संरचना सुधार सम्बन्धी (D) पंचवर्षीय योजनाओं के क्रियान्वयन सम्बन्धी
- विद्युत धारा एवं समय, दोनों ही में परिमाण एवं दिशा होती है, परन्तु ये लक्ष्यी वेक्टर (रैडियल) क्यों नहीं हैं ?
(A) इनके मात्रक उपयुक्त नहीं हैं (B) ये वेक्टर के जोड़ के नियमों का पालन नहीं करती हैं (C) वेक्टर की दृष्टि में ये महत्वहीन राशियाँ हैं (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- निम्नलिखित का प्रयोग विकिरण शास्त्र में नहीं होता है—
(A) लाइन एलिमेंट (B) आइरिस (C) इन्टेंसिटी (D) येलो स्पॉट
- शब्द 'Commander-in-Chief' में कौनसा सिलेबल (Syllable) है ?
(A) मॉनो सिलेबल (B) डाई सिलेबल (C) ट्राई सिलेबल (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
- "कॉमर्सियल सेटलाइट कम्युनिकेशन अर्थ स्टेशन" कहाँ स्थित है ?
(A) पालनपुर (B) कोयंब (C) विशाखापट्टनम (D) अर्बो
- न्यूक्लियोसाइड और न्यूक्लियोटाइड में मुख्य अन्तर होता है—
(A) फॉस्फेट ग्रुप की उपस्थिति (B) बेस ग्रुप की उपस्थिति

(C) न्यूक्लिक अम्ल की उपस्थिति

(D) हाइड्रोजन बन्ध

24. भारतीय संसद ने राज्य के पुनर्गठन अधिनियम को कब पारित किया ?

(A) 1956

(B) 1957

(C) 1958

(D) 1952

25. अष्टोक के किस अभिलेख पर 'मयूर' की आकृति है ?

(A) इलाहाबाद

(B) सारनाथ

(C) लुम्बिनी

(D) नन्दनगढ़

26. किसी वृत्त में एकसमान कोणीय वेग से गति करते समय कण में—

(A) संवेग का संरक्षण होता है

(B) ऊर्जा का संरक्षण होता है

(C) संवेग तथा ऊर्जा दोनों का ही संरक्षण होता है

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. शब्द में दिए गए चित्र को पहचानिए—

(A) केविन रड

(B) डेविड कैमलन

(C) सिमोन पेरैज

(D) स्टीफन हार्पर



28. शब्द में दिया गया चित्र किसका है ?

(A) पुलिस गिलार्ड

(B) लिज हर्ल

(C) सिनवात्रा

(D) इनमें से कोई नहीं



सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सम्मिलित होने के नियम

1. इसमें सभी विद्यार्थी अथवा किसी प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होने वाले इच्छाशील भाग ले सकते हैं।
2. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्यक्षियों को निर्धारित तिथि तक अपने उत्तर भेजना आवश्यक है। प्रविष्टियों सामान्य ज्ञान से ही भेजी जाएं तथा लिखाफे पर बाई ओर 'सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता' अवश्य लिखें।
3. प्रतियोगिता के उत्तर पत्रिका में दिए गए प्रश्न पर ही भर्न करने होंगे।
4. प्रश्न के क्रमांक के आगे भाग खाने बने हैं। प्रतियोगी जिस उत्तर को ठीक समझें उस कोड में केवल गुणा (x) का चिह्न लगाएं। एक प्रश्न का एक से अधिक उत्तर देने पर वह प्रश्न गिरस्त कर दिया जाएगा।
5. प्रतियोगी जितने प्रश्न हल करें उनकी संख्या स्वयं अवश्य लिखें।
6. अनुद्भुत उत्तर देने पर अंक काटे जाएंगे।
7. सर्वाधिक शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगी को प्रथम पुरस्कारस्वरूप ₹ 700 दिए जाएंगे। उससे कम शुद्ध हल भेजने वाले प्रतियोगियों को क्रमशः द्वितीय व तृतीय पुरस्कार दिया जाएगा, जो क्रमशः ₹ 500 व ₹ 300 का होगा। यदि किसी पुरस्कार को प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों की संख्या एक से अधिक होगी, तो पुरस्कार राशि उनमें समान रूप से विभक्त कर दी जाएगी।
8. पुरस्कार के विषय में समापक का निर्णय सर्वमान्य होगा। किसी भी उद्देश में वह न्यायालय का विषय नहीं होगा।

प्रतियोगिता प्रवेश प्रारूप

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक-157 का हल
भेजने की अन्तिम तिथि 10 अगस्त, 2013

नाम श्री/कु./श्रीमती _____

पूरा पता _____

राज्य पिन कोड नं. □□□□□□

आयु शैक्षणिक योग्यता

प्रतियोगिता परीक्षा जिसकी तैयारी कर रहे/रही हैं _____

मैंने प्रतियोगिता दर्पण द्वारा आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता के नियमों का अध्ययन कर लिया है और मैं उनसे सहमत हूँ।

(हस्ताक्षर)

परिणाम

कुल हल किए प्रश्नों की संख्या _____

शुद्ध हल प्रश्नों की संख्या _____

अनुद्भुत हल प्रश्नों की संख्या _____

अर्जित अंक _____

उत्तर-पत्र

प्रश्न संख्या	A	B	C	D	प्रश्न संख्या	A	B	C	D
1.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	15.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
2.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	16.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
3.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	17.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
4.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	18.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
5.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	19.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
6.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	20.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
7.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	21.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
8.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	22.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
9.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	23.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
10.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	24.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
11.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	25.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
12.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	26.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
13.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	27.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>
14.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	28.	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>	<input type="checkbox"/>



उपकार प्रकाशन की उपयोगी पुस्तकें (गत वर्षों के प्रश्न-पत्र हल सहित)



Code 684 ₹ 525.00



Code 180 ₹ 420.00



Code 678 ₹ 195.00



Code 68 ₹ 225.00



Code 1118 ₹ 360.00



Code 1222 ₹ 220.00



Code 35 ₹ 140.00



English Editions also available



2/11 ए. स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-202 002 फोन : 4053333, 2531101, 2530966; फैक्स : (0562) 4053330
 ग्राम ऑफिस : • 4845, अंसाही रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-2, फोन : 011-23251844/66
 • 1-8-1/B, जार.आर. कॉम्प्लेक्स (सुन्दरिया पार्क के पास, मनसा एन्क्लेव गेट के बगल में),
 ग्राम लिंगमपल्ली, हैदराबाद-44 फोन : 040-66753330
 • पील्होडनी चौक, कदमकुर्छी, पटना-800 003 फोन : 0612-2673340



भारत में 'सभी के लिए शिक्षा' अभियान : मिथक या वास्तविकता

Dr. अजय सिंह यदुवंशी

शिक्षा का मौलिक अधिकार

शिक्षा, व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र की प्रगति के सामान्य सम्पत्ता एवं संस्कृति के विकास के लिए भी आवश्यक है। 'सुभाषचन्द्र बोस' ने उद्घोषित है कि "ज्ञान मनुष्य का वैश्व नेत्र है, जो उसे समस्त तथ्यों के मूल को जानने में सहायता करता है तथा यही कार्य करने की विधि बताता है।"

महाभारत काव्य में भी वर्णित है कि "विद्या के समान नेत्र तथा सत्य के समान कोई दूसरा तप नहीं है।" कहा गया है कि शिक्षा विनय प्रदान करती है, विनय से पात्रता आती है, धन से धर्म तथा अन्तर्लोक्य सुख प्राप्त होता है।

प्राचीन ग्रन्थों में विद्या का महत्व निम्नांकित श्लोक से स्पष्ट समझ जा सकता है—

“न चौर हार्य न च भ्रातृ भाग्यं,
न राजहार्यं न च भार कारिः
व्यये कृते वर्चते एव निर्वयं,
विद्या धनं सर्वधनं प्रद्यत्तम्।”

प्राचीन भारतीय शिक्षा दुरुकुल पद्धति पर अन्वित थी, जिसमें शिक्षार्थी गुरु के निवास में ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए शिक्षा प्राप्त करते थे। शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं आध्यात्मिक उन्नयन था। शुद्धता एवं सादगी पर बल दिया जाता था। गीता में वर्णित है कि—

“युक्तहारविशरयश्च युक्तचेष्टश्च कर्मसु,
युक्त स्वनामकीधनश्च योगी भवति दुःखहा।”

इस पद्धति में आचार्य स्वयं शिक्षार्थी को ही शिक्षा बनाते थे, शिक्षण श्रुत्य के रूप में कुछ नहीं दिया जाता था, जो व्यक्ति धन की तालास में शिक्षा देते थे, समाज उन्हें पृष्ठा की नजर से देखता था।

कालिदास ने ऐसे व्यक्ति के लिए 'ज्ञान का व्यवसायी' शब्द प्रयुक्त की है। शत्रु-शत्रुः दुरुकुल का स्थान गालना, विक्रमशिक्षा तथा तबशिक्षा जैसे बड़े-बड़े शिक्षा केन्द्रों में लिया, लेकिन शिक्षा का मूल उद्देश्य ज्ञान की गहराई में उतरना ही रहा। यह व्यवस्था विद्यार्थी के समुच्च, 'स्वाहा जीवन उच्च' का आदर्श रखती थी।

मैकल के शिक्षा नीति ने यह समझकर ही कि अंग्रेजी भाषा और अंग्रेजी शिक्षा व्यवस्था से भारतीयों का एक ऐसा वर्ग तैयार किया जा सकता है, जो स्वतंत्रता से भारतीय, परन्तु प्रकृति विचार एवं नैतिक मानदण्डों में अंग्रेजी जैसा होगा, वे हमारी आदर्श शिक्षा का नाश कर भूरे अंग्रेज पैदा करना चाहते थे और वे इस कार्य में सफल भी हुए।

अनिवार्य एवं मुक्त शिक्षा के सम्बन्ध में न्यायालय का मत

मोहिनी जैन बनाम कर्नाटक राज्य (1992) 3 SCC 666 के मामले में शीर्ष अदालत ने अनुच्छेद 21 के तहत शिक्षा पाने के अधिकार को प्रत्येक नागरिक का मूल अधिकार बताते हुए ऐतिहासिक निर्णय दिया। अनुच्छेद 21 के तहत प्राप्त व दैहिक स्वतन्त्रता के अधिकार में शिक्षा पाने का अधिकार भी सामिल है तथा निजी कॉलेज द्वारा कंपीटेन्स शुल्क लेना नागरिकों के तत्त्व अधिकार का उल्लंघन है। प्रत्येक नागरिक को शिक्षा उपलब्ध करवाना राज्य का संवैधानिक दायित्व है।

चूरी कुम्भन बनाम आंध्र प्रदेश (1993) 4 SCC 645 के मामले में निजी कॉलेजों संचालकों ने न्यायालय से मोहिनी जैन वाद में दिए गए निर्णय पर पुनर्विचार के लिए आवेदन किया। उनका तर्क था कि कॉलेज निर्णय को लागू किया गया, तो उनकी फोल्ड बन्द करने पड़ेगे। विद्वान् न्यायमूर्तियों ने शिक्षा को मूल अधिकार माना तथा इसे 14 वर्ष के बच्चों तक सीमित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा के सम्बन्ध में यह राज्य की अतिरिक्त बाग़त पर निर्भर करेगा, एच. सी. मेहता बनाम तमिळनाडु राज्य (1996) 6 SCC 756 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य को आदेश दिया कि अनुच्छेद 45 के अनुसार बाल अधिकों को शिक्षा का पूर्ण अवसर प्रदान करे। यह भी निर्देश दिया कि सरकार का दायित्व होगा कि वह बालक को शिक्षा के लिए भेजे तथा सम्बन्धित सरकार यह देखे कि उनके काम की अवधि 4 से 6 घण्टे से अधिक न हो और प्रत्येक दिन में 2 घण्टे शिक्षा प्राप्त करे व उनकी शिक्षा का समुचित व्यय नियोजन वहन करे।

शिक्षा के अधिकार से सम्बन्धित संवैधानिक प्रावधान

अनुच्छेद 21 के 86वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 द्वारा संविधान में अनुच्छेद 21 के पर्याप्त नया अनुच्छेद 21 के जोड़ा गया, जो यह उपलब्ध करता है कि "राज्य ऐसी रीति से जैसा कि विधि बनकर निर्धारित करे 6 वर्ष की आयु से 14 वर्ष आयु के सभी बालकों के लिए नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिए उपलब्ध करेगा।

अनुच्छेद 41 : कुछ अवस्थाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार—राज्य अपनी सामर्थ्य और विकास की सीमाओं के भीतर प्रत्येक व्यक्ति के लिए काम पाने, शिक्षा पाने तथा बेकारी, बुढ़ापा, बीमारी और अक्षयता की दशाओं में सार्वजनिक सहायता पाने के अधिकार को प्राप्त करने का कार्याध्यक्ष उपबन्ध करेगा।

अनुच्छेद 45 : उपलब्ध करता है कि "राज्य 6 वर्ष की आयु के सभी बालकों के पूर्ण बाल्यकाल की देखरेख और शिक्षा के लिए अवसर प्रदान करने के लिए उपलब्ध करेगा।

अनुच्छेद 46 : समाज के दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ सम्बन्धी हितों की अभिवृद्धि—राज्य जनता के दुर्बल वर्गों के विशेषतया अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा तथा अर्थसम्बन्धी हितों की विशेष सावधानी से अभिवृद्धि करेगा तथा सामाजिक अन्धकार तथा सब प्रकार के शोषण से उनकी सुरक्षा करेगा।

1 अप्रैल, 2010 से प्रभावी हुए 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा कानून शिक्षा के लिए नया सबेरा लेकर आयेगा, अनिवार्य शिक्षा दिए जाने को मौलिक अधिकार बनना जाना समुच्च शिक्षा क्षेत्र के नए सबेरे की तरह है। इसे आने में 63 वर्ष लग गए हैं। साथ ही यह सवाल भी है कि इतने वर्षों बाद भी क्या वह अधिकार समुच्च पूर्णरूप से प्रभावी होगा। भारतीय लोकतन्त्र की इस महान् उपलब्धि पर जय-जयकार होने चाहिए और वह हो भी रही है, लेकिन आशंकाओं को देखते हुए हमें जोश के साथ उस होश को बरकरार रखना चाहिए, जिसके बिना यह उपलब्धि समान अन्य उपलब्धियों की तरह एक अधुना सपना बनकर रह सकती है। भारत सरकार का दावा है कि देश में छह से चौदह (6 से 14) साल की आयु वर्ग के बच्चों की संख्या 22 करोड़ (बाईस करोड़) के लगभग है और उसमें करीब एक करोड़ ऐसे हैं, जो अपनी सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक स्थितियों के कारण स्कूल नहीं जा पाते हैं। इस बारे में साक्ष्य और शिक्षा के शकाली आंकड़े चाहें जो बोलें, लेकिन सच्चाई तो

यह है कि अधिकांश राज्यों की ग्रामीण आबादी का ज्यादातर भाग निरक्षर है।

आज साक्षरता के लिए भारत सरकार लक्ष्य, करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, भारत सरकार द्वारा शिक्षा के लिए बनाए जा रहे साक्षरता आन्दोलन अभियान के अन्तर्गत ग्रामीण अंचल के गाँव, तहसील व जिलों में निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बाद साक्षर किए गए लोग पुनः कुछ समय के बाद निरक्षर लोगों के समान ही हो जाते हैं, क्योंकि उनके पास प्राथमिकता से जीवनयापन का विकल्प नहीं है और वे सरकारी सर्वप्रथम जीविका के संसाधनों के लिए जुट जाते हैं और स्कूल, विद्यालय या मदरसों में पढ़ाई छोड़कर परिवार के साथ धन कमाने के लिए काम पर लग जाते हैं।

“बराबरी और विकास लाने की जिस भावना के तहत शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया गया है, उसे पाने के लिए गुणवत्ता के फर्क को भी मिटाना होगा।”

इस कानून से उम्मीद जताई जा रही है कि एक करोड़ बच्चों को सार्वजनिक लाभ होगा और भारत के गाँव पर लगा निरक्षरता का कलंक भी मिटेगा, लेकिन वे सरकारी अंकुश विरुद्ध बैंक और गैर-सरकारी संगठनों के अधिकारों से समन्वित नहीं रहते हैं। इसके अनुसार बीच में स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या इससे कई गुणा है और बच्चों को पुनः स्कूल से जोड़ने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं।

इसने सरकारी स्कूलों की दशा सुधारने के प्रति कोई प्रतिबद्धता नहीं है, लेकिन निजी स्कूलों के भरोसे शिक्षा क्रांति सम्भव भी नहीं है। पूरी आबादी को शिक्षित करने का लक्ष्य निजी स्कूलों के दम पर हासिल नहीं हो सकता तथा भारत की शिक्षा समस्या का समाधान नहीं हो सकता, क्योंकि जिन सरतः निजी स्कूलों में गरीब और निम्न मध्य वर्ग के बच्चे जाते हैं, वहाँ भी काफी अत्याचारी, बाजारू एवं पटिया शिक्षा मिलती है।

1 अप्रैल, 2010 से लागू हो रहा शिक्षा अधिकार, कानून क्या सरकारी स्कूलों की दुर्दशा दूर करने के उपाय करता है ? सतर्क तीर पर ऐसा दिखाई देने पर भी अक्षयिपथ में ऐसा नहीं है, जैसा कि इस कानून में शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात इतना कम रखा गया है कि देश के 70 प्रतिशत प्राथमिक स्कूलों में मात्र दो, तीन या चार शिक्षक देने की अनिवार्यता होगी और एक शिक्षक से दो या तीन कक्षाओं को एक साथ पढ़ाना बगलकर करने जैसा होगा।

हीं यह जरूर हो जाएगा कि सरकारी अंकुश शिक्षा के प्रति छाती नहीं रहेंगे तथा को शिक्षा नहीं, बल्कि सरकारी प्रमाण-

पत्र जरूर मिल जाएंगे व सरकारी सफलता के नुस्खान भी किए जाएंगे।

शिक्षा के अधिकार के नाम पर यह कानून इस बात की गारण्टी देता है कि यदि प्रत्येक बच्चा पढ़ना चाहे, तो मुफ्त शिक्षा के लिए उसके पढ़ोस में एक सरकारी स्कूल होगा, लेकिन इस बात की गारण्टी नहीं है कि वहाँ पर शिक्षक है या नहीं ? पेयजल, शौचालय, मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशालाएं आदि की तो उम्मीद ही नहीं है, पंच या दस वर्ष इन स्कूलों में जाने के बाद भी बच्चों को पढ़ने-लिखने, गणित, विज्ञान की मूलतम योग्यता हासिल नहीं हो पाती, इसीलिए इन सरकारी स्कूलों से पलायन हो रहा है, जिनकी हैसियत स्वीय निजी स्कूलों की मोत देने की नहीं होती, उन्हीं के बच्चे मजबूरन इन स्कूलों में जाते हैं, क्योंकि देश में गरीबी बहुत है, इसीलिए तीन-चौथाई आबादी की किस्मत में यही सरकारी स्कूल है, छह से चौदह की उम्र के बच्चों को एक से आठ तक की कक्षा के लिए अर्पित किया गया है ? अब खाल यह है कि आठ के बाद क्या होगा ? क्या आठवीं की पढ़ाई कर आठ कोई बच्चा रोजगार पा सकता है ? इससे आगे की शिक्षा की बड़ी-बड़ी बातें हो जाएं, लेकिन इकीकत यह है कि गरीब और साधारण बच्चों के लिए आगे की शिक्षा निरन्तर लेना नामुमकिन है, नले ही शिक्षा अधिकार कानून को बड़े जोर-शोर से लागू किया तो जा रहा है, पर इसकी सफलता की गारण्टी नहीं है तथा शिक्षा अधिकार कानून को लागू करने के लिए भी एक कानून की आवश्यकता पड़ेगी, ऐसा प्रतीत हो रहा है इस कानून के लागू होने के बाद शिक्षक-छात्र अनुपात की कमी दूर करने के लिए राज्य सरकारों को बड़ी संख्या में शिक्षकों की नियुक्ति करनी पड़ेगी, जिसके लिए राज्य सरकारों के पास धन नहीं है।

अन्त में बराबरी और विकास लाने की जिस भावना के तहत शिक्षा को मौलिक अधिकार बनाया गया है, उसे पाने के लिए गुणवत्ता के फर्क को भी मिटाना होगा, नहीं तो अधिकार केवल कागजी अधिकार बनकर ही रह जाएगा।

श्रेष्ठ पृष्ठ 162 का

(v) अर्थ प्रभाग (Economic Wing) के द्वारा 'e-Office' प्रोजेक्ट 'Paperless Office' के उद्देश्य से शुरू किया गया।

दस्तावेज़ प्रश्न

1. "Song and Drama Division"—All India Radio (AIR) की एक इकाई के रूप में वर्ष 1954 में स्थापना की गई, जिसका अस्तित्व एक स्वतंत्र इकाई के

रूप में संवार विकास के उद्देश्य से, किस वर्ष आया ?

- (A) 1956 (B) 1958
(C) 1960 (D) 1961

2. सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय—MOI & B (भारत सरकार) के अधीनस्थ फोटो डिवाइजन (Photo Division) एक स्वतंत्र विभाग के रूप में 16 अक्टूबर वर्ष को स्थापित किया गया।

- (A) 1957
(B) 1959
(C) 1960
(D) इनमें से कोई नहीं

3. MOI & B (Ministry of Information & Broadcasting, GOI) के अधीनस्थ IIMC (Indian Institute of Mass Communication)—A Centre of Excellence एक स्वायत्तताशी संयोजन/संस्थान को कब स्थापित किया गया ?

- (A) 17 अक्टूबर, 1965
(B) 17 अक्टूबर, 1967
(C) 17 अक्टूबर, 1970
(D) इनमें से कोई नहीं

4. सामुदायिक रेडियो मार्टोली (Community Radio Martoli) द्वारा, नैल्डूरनाडु पोर्ट्रे-वैमानड (केरल)—एक स्थल कक्षा के रूप में, को 1 जून, वर्ष में लॉन्च किया गया।

- (A) 2009 (B) 2010
(C) 2011 (D) 2012

5. पूर्वांचल क्षेत्र (NER—भारत को 7 बहिन i.e., 7 Sisters of India) में Krishna Kanta Handique State Open University—KKHSOU; गुवाहाटी (असम) में उत्तर-पूर्व भारत में 'Jnan Taranga'—First Radio Station 20 नवम्बर वर्ष को लॉन्च किया गया।

- (A) 2010
(B) 2011
(C) 2012
(D) इनमें से कोई नहीं

उत्तरमाला

●●●

UPKAR'S Just Released
UGC NET/JRF/SET
PSYCHOLOGY
Paper-II
Including Previous Years' Solved Papers
By : Dr. Kalika Jha Code 1765 ₹ 360/-
RINDI EDITION Code 2195 ₹ 360/-
UPKAR PRAKASHAN, AGRA-2



प्रतियोगिता दर्पण

हिन्दी मासिक



निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-409 का परिणाम

विषय : भारत में 'सभी के लिए शिक्षा'

अधिष्ठान : शिक्षक का वास्तविकता

प्रथम अजय सिंह खुशुबली

40, गौरी बिहार, सरौजी नगर,

लखनऊ (उ. प्र.)

फोन-226 0008

द्वितीय दीपाजली संकर

बिरसा नगर, ग्वालिगर (म. प्र.)

फोन-474 (004)

तृतीय विनोद कुमार

सतनाली का बास, सुरेहली कला,

महेन्द्रगढ़, हरियाणा

अन्य प्रशंसनीय प्रकाश

1. ओराधना श्रीधाराश

हरीनेशन कॉलोनी, अजयगढ़,

पन्ना (मध्य प्रदेश)

2. शरणा सिद्धीदी

श्रीपुर, कोटा (राजस्थान)

3. शकुल चौहान

7/73, बिरजीब बिहार,

गतिमाकाद (उ. प्र.)

4. रत्नेश्वर सिंह

12/9, EWS कॉलोनी

गोविन्दपुर, लैलकरगढ़,

इलाहाबाद (उ. प्र.)

5. सनेन्द्र कुमार

20, मसूर बिहार कॉलोनी,

ज्वालपुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

6. पूजा

महादेव जंगल, चौरी-खोरा,

गोरखपुर (उ. प्र.)

7. वैशाली गुप्ता

चबौली शिमराज, हाथुड़ रोड,

हरसाँव, गाजियाबाद (उ. प्र.)

8. निरिन राय

जवाहर नवीन विद्यालय

बिरौली, समस्तीपुर (बिहार)

9. राहुल लक्ष्मण पावरी

खेट नं. 8A, हरकालाद नगर,

सहाय रोड, लखनऊ

गुरुद्वार (महाराष्ट्र)

10. अंशुल तानी

CH-122, पल्लवपुरम फेस-1

मोदीपुरम, मेरठ (उ. प्र.)



प्रथम



द्वितीय



तृतीय

→ उपर्युक्त प्रकाशित निबन्ध प्रतियोगिता में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की 200 रुपए मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें सौकरस्य प्रदान की जाएगी। कृपया अपनी पसंद की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें, यदि 200 रुपए से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से 200 रुपए सुरक्षारस्यस्य कम कर दिए जाएंगे।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक-456 का सर्वशुद्ध हल एवं पुरस्कार विजेता

प्रतियोगिता के निम्नलिखित प्रश्न प्रकाशक पर प्रकाशक के परीक्षा के उत्तरान्त निम्नलिखित प्रतियोगिता पुरस्कार प्राप्त करने में सक्षम हुए हैं: 'प्रतियोगिता दर्पण' उनकी लक्ष्यता पर शुभकामनाएं प्रेषित कर उनके उत्तरावध प्रश्न की कामना करती है तथा उनकी खोजपूर्ण प्रवृत्ति के प्रति आभार व्यक्त करती है।

पुरस्कृत विजेता

प्रथम पुरस्कार

संजय कुमार शर्मा

बन-गढ़ी उम्मेद, पो-जयपुरी

मि. विन्नेलकाद (उ. प्र.) फोन-283 003

द्वितीय पुरस्कार

अमल कुमार शिखा

बलौली दुर्गिया (बिहार)

फोन-854 326

तृतीय पुरस्कार

राहुल गौरा

आ. बुद्धा नगर, महादेव घाट रोड

बिर्हौली रोड से छोटे काई गन्दर चौक

गन्तपुर (उत्तरप्रदेश)

फोन-892 003

सर्वशुद्ध हल

अनिल प्रसूति



उपकार

मध्य प्रदेश

सहायक ग्रेड-3/

पंजीयन एवं निम्न श्रेणी लिपिक

संयुक्त चयन परीक्षा



लेखकद्वय : डॉ. तात एवं जैन
कोड नं. 2176 मूल्य : ₹ 195/-

प्रमुख आकर्षण

- 1. मध्य प्रदेश
- 2. सामान्य ज्ञान
- 3. सामान्य हिन्दी
- 4. प्रारम्भिक गणित
- 5. कम्प्यूटर ज्ञान

उपकार
मध्य प्रदेश
सहायक ग्रेड-3/
पंजीयन एवं निम्न श्रेणी लिपिक
संयुक्त चयन परीक्षा

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail: upkar@upkar.in

Website: www.upkar.in



प्रतियोगिता का सही परिचय करती-

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वार्षिकी

अगस्त 2012 से

जुलाई 2013 अंक तक

सम्पूर्ण वर्ष की राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय
एवं आर्थिक घटनाओं का संक्षिप्त
समीक्षात्मक विवरण



नवीनतम सामान्य ज्ञान एवं
खेलकूद स्तिम्बर अंक में देखें





“प्रतिवर्षीय दर्पण के अगस्त अंक में इसके प्रकाशन में एक वर्ष पूर्व तक के देश व विश्व के अन्य देशों में घटित प्रमुख घटनाओं का समीक्षात्मक लेखा-जोखा समग्र रूप में प्रस्तुत करने का अमूल्य प्रयास प्रकाश चौकटा की परम्परा रही है। हमारे इस प्रयास का उद्देश्य प्रकाश प्रतिवर्षीय परीक्षाओं हेतु पाठकों को सहायक रूप से तैयार करना ही नहीं है, अपितु हमारे इस विनम्र प्रयास के नेतृत्व में पाठकों को ज्ञान की ऊर्जा से एक नई दिशा देने का उद्देश्य निहित है। पाठकों से हमारे इस प्रयास को सहायक है। पाठकों के स्नेह से उत्प्रेरित होकर तथा बदलते परीक्षा प्रतिमानों के अनुरूप इस वर्ष से हम इस परम्परा को नए कलेवर और गुणात्मक सुधारों के साथ प्रस्तुत कर रहे हैं। आशा है हमारा यह प्रयास पाठकों के लिए कुपुणयोगी सिद्ध होगा।”

—डॉ. सुनीलराज पाण्डेय

विशिष्ट एवं बहुचर्चित राष्ट्रीय मुद्दे/घटनाएं- समीक्षात्मक विवेचन

आईपीएन के छठे संस्करण हेतु क्रिकेटर्स की नीतामी

क्रिकेट अब खेल के पैदान की बजाय कॉर्पोरेट जगत की वाणिज्यिक खेलविधियों का खेल हो गया है इसी क्रम में आईपीएन (IPL—Indian Premier League) के छठे संस्करण (5 मार्च, 2013 से 26 मई, 2013 में भारत के विभिन्न अंकों में आयोजित) हेतु क्रिकेटर्स की नीतामी 3 फरवरी, 2013 को पैनटर्न में सम्पन्न हुई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की इक्विपम प्रीमियर लीग (IPL—Indian Premier League) की टीमों के रिक्त स्थानों की क्रियावादी के लिए करोड़ों रुपये की बोलीबंदी तय हुई।

पैनटर्न में 3 फरवरी, 2013 को सम्पन्न इस नीतामी में भारत सहित विभिन्न देशों के कुल 108 क्रिकेटर इस नीतामी में खरीद के लिए उपलब्ध थे। इनमें 37 विदेशियों को विभिन्न क्रियावादीयों द्वारा अनुबंधित किया गया। इस नीतामी में सर्वाधिक 10 लाख डॉलर (₹ 5-3 करोड़) की बोली आस्ट्रेलिया के उदीयमान ऑलराउंडर जेसन बेन्सनेन को मिले, जिन्हें मुम्बई इण्डियन्स ने खरीदा। दूसरे स्थान पर ₹ 3-85 करोड़ अलेश सेनित को इस नीतामी में प्राप्त हुए, जिन्हें पुणे वांडरर्स ने इस मौक़े पर लिया। भारतीय विदेशियों में ऑलराउंडर अचिनेक नायर व तेज गेंदबाज अरुण वी. सिंह में क्रिकेट रुचि क्रियावादीयों ने प्रदर्शित की। इनमें अचिनेक नायर के लिए पुणे वांडरर्स ने तथा आर.पी. सिंह के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर ने क्रयता: ₹ 3-50 करोड़ व ₹ 2-10 करोड़ की सर्वोच्च बोलीयों की। इस नीतामी में सर्वाधिक 13 विदेशी आस्ट्रेलिया के अनुबंधित हुए। भारत व श्रीलंका के 6-6, वेस्टइंडीज के 5, दक्षिण अफ्रीका के 4 व पैनटर्न के 3 विदेशी अनुबंधित हुए।

विशेष दर्पण/अगस्त/2013/177

पीछर इस आर्थिकी की 21 नवम्बर, 2012 को फाँसी दे दी गई। दल वाणिज्यिक राष्ट्रपति प्रमुख मुजर्जी द्वारा खारिज किए जाने की बात को सर्वजनिक नहीं किया गया था तथा इसके बाद से ही कमाव को फाँसी पर खटकने की तैयारियों गृह मंत्रालय व न्यायशास्त्र सचकार ने शुरू कर दी थीं, आस्ट्रेलिया लुस नाम से संघर्षित इस सफल प्रक्रिया को जति गोपनीय रखा गया था।

संतद भवन पर आतंकी हमले के मुख्य पड़ोसियों की फाँसी

आतंकवादियों की कड़ा संदेश देने हुए दिसम्बर 2001 में संसद भवन पर हमले के मुख्य पड़ोसियों जैत-सु-मोहम्मद के आतंकी अफजल गुरु को 9 फरवरी, 2013 को लिफ्ट जेल में फाँसी दे दी गई। 13 दिसम्बर, 2001 को देश के सर्वोच्च लोकतांत्रिक प्रतिष्ठान संसद भवन के परिसर में पुसकर आतंकवादी हमलावरों ने संसद

जनगणना 2011 : प्रमुख आँकड़े एक दृष्टि में (चतुर्थतम आँकड़े; 30 अप्रैल, 2013 को जारी)

- कुल जनसंख्या—1,21,07,26,932 (121-07 करोड़)
- कुल जनसंख्या में :
ग्रामीण जनसंख्या—83-3 करोड़ (कुल जनसंख्या का 68-8 प्रतिशत)
शहरी जनसंख्या—37-7 करोड़ (कुल जनसंख्या का 31-2 प्रतिशत)
पौन 121-07
- राष्ट्रीय वृद्धि दर (2001-2011)—17-70 प्रतिशत
विश्व वृद्धि—18-20 करोड़ (17-70 प्रतिशत)
मुख्य जनसंख्या में वृद्धि—9-097 करोड़
विश्व जनसंख्या में वृद्धि—9-099 करोड़
- 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या—16-45 करोड़ (कुल जनसंख्या का 13-58 प्रतिशत)
- साक्षरता दर :
सकल—73-00 प्रतिशत
पुरुष साक्षरता—80-9 प्रतिशत
महिला साक्षरता—64-6 प्रतिशत
सर्वाधिक साक्षरता वाला राज्य—केरल (94-0 प्रतिशत)
न्यूनतम साक्षरता वाला राज्य—बिहार (61-8 प्रतिशत)
- जनसंख्या घनत्व—382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर
सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व—दिल्ली में 11320—प्रति वर्ग किलोमीटर
सबसे कम जनसंख्या घनत्व—अरुणाचल प्रदेश में 17 प्रति हजार
- प्रति हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या—943 (2001 में 898)
सर्वाधिक लिंगानुपात वाला राज्य—केरल (प्रति हजार पुरुषों पर 1084 महिलाएं)
न्यूनतम लिंगानुपात वाला राज्य—हरियाणा (प्रति हजार पुरुषों पर 879 महिलाएं)
- सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य—उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार
- सबसे कम जनसंख्या वाला राज्य—मिजोरम

26/11 के मुम्बई हमले के आरोपी कमाव को फाँसी

मुम्बई में 26 नवम्बर, 2008 को हुए आतंकी हमले के मामले में जीवित पकड़े गए एकमात्र पाकिस्तानी आतंकी मोहम्मद अजमल अमिर कमाव की दया वाणिज्यिक राष्ट्रपति प्रमुख मुजर्जी द्वारा खारिज किए जाने के एक माह के

खदे कर देने वाले हमले में अंधाधुंध गोशियों कावाई थीं, पैनटर्न कोई बड़ा नुकसान पहुँचाने से पूर्व मुम्बई कर्तों के आतंकवादियों की मार निगम का। इस हमले के लिए कुख्यात आतंकवादी सय्यद—‘वेज-सु-मोहम्मद’ व ‘अकबर-सु-मोहम्मद’ को शिर्षाकार माना गया था। इस हमले में 10 लोग शहीद हुए थे, हजारों कर्मों वाले कर्मों गोशियों आतंकी भी सुरक्षाकर्मीयों की जखमी कार्यवाही में मारे गए



दे. संसद भवन पर हमले के मामले में सोलो (कमिटी) के अकजल गुरु को 15 दिसम्बर, 2001 को गिरफ्तार किया गया था. अकजल गुरु ने जैत-ए-सोम्यद के उन पीछ आनकालियों को समर भवन पर हमले की योजना बनाये और उन्हें दिल्ली में पनाह देने में मदद उपलब्ध कराई थी.

चुनाव, चुनाव आयोग एवं सत्ता परिवर्तन

14वें राष्ट्रपति चुनाव

25 जुलाई, 2012 को 76 वर्षीय प्रथम मुख्यमंत्री ने देश के नए राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस.एच. कपाडिया ने उन्हें देश के इस सर्वोच्च पद की शपथ प्रसाद की। 14वें राष्ट्रपति होने के बाद अपने पहले कार्यभार में उन्होंने देशवासियों को शान्ति और विकास को गढ़ पर आगे ले जाने की शीख दी. 76 वर्षीय प्रथम मुख्यमंत्री भारत के 14वें राष्ट्रपति इस पद पर रहे व्यक्तियों की गणना की दृष्टि 13वें राष्ट्रपति हैं. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की बार राष्ट्रपति रहे हैं. इस पद पर रहते हुए सर्वोच्च न्यायालय के अनुसार वह देश के प्रथम नागरिक व तीनों संघों के सर्वोच्च उच्चपदवी की वह रहे.

राष्ट्रपति चुनावों के लिए 19 जुलाई, 2012 को मतदान हुआ था. प्रथम मुख्यमंत्री को समर व विधायकों के कुल 3095 वोट मिले जिसका कुल मूल्य 7,13,763 रहा. जबकि पी.ए. संगमा को केवल 3,15,987 मत ही प्राप्त हुए. इस प्रकार संगमा को 3,97,776 वोटों के भारी अन्तर से पराजित कर प्रथम मुख्यमंत्री बनना तब पहिले में सफल हुए. चुनाव आयोग के अनुसार कुल 46,59 मत पड़े जिसमें 81 अमान्य करार दिए गए. मतदान में पड़े कुल मतों का मूल्य 10,47,971 था. अमान्य करार दिए गए मतों का कुल मूल्य 18,221 था. इस प्रकार वैध मतों (अमान्य को छोड़ने के बाद) का मूल्य 10,29,750 रहा. इस चुनाव में 776 संसदों में से 748 संसदों ने वोट डाले. प्रथम मुख्यमंत्री को 527 और संगमा को 206 संसदों ने मत दिया.

उपराष्ट्रपति चुनाव-2012

अगस्त 2012 में उपराष्ट्रपति पद के लिए मुकाबले में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (UPA) के उम्मीदवार मोहम्मद (सी.) हमिद अंशुली भारत के दोबारा उपराष्ट्रपति चुने गए हैं. राष्ट्रपति शीघ्र ही प्रतिभा पाटिल ने राष्ट्रपति भवन के अजेक हाल में आयोजित समारोह में इस पद और गोपनीयता की शपथ उन्हें दिखाई. वह भारत के 14वें उपराष्ट्रपति (इस पद पर रहे व्यक्तियों की संख्या की दृष्टि में 12वें) हैं. इस पद पर रहते हुए वह राज्य सभा के सभापति भी रहेंगे.

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए मतदान केवल दिल्ली में ही कराया गया था. मतदान के पश्चात् मतगणना भी 7 अगस्त, 2012 को सम्पन्न हुई. चुनाव में श्री अंशुली को जहाँ 490 वोट मिले, वहींएन के उम्मीदवार जसवंत सिंह

238 मत ही प्राप्त कर सके. पिछले (जुई 2007) उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में यूपीए उम्मीदवार के शीघ्र पर हमिद अंशुली को 455 वोट मिले थे. जुई 2012 के उपराष्ट्रपति चुनाव में 8 मत गड़ हुए तथा 51 संसदों ने अपने मतार्थिहार को प्रचलन नहीं किया.

गुजरात

गुजरात में दो सप्ताहों में 13 दिसम्बर, 2012 व 17 दिसम्बर, 2012 को विधान सभा चुनाव सम्पन्न हुए. 20 दिसम्बर, 2012 को हुए मतगणना में मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीत की हार्दिक बर्नाई. वह लगातार तीसरी बार गुजरात की सत्ता पर कब्जित हुए. राज्य में भाजपा की यह लगातार चौथी जीत रही. 182 सदस्यीय गुजरात विधान सभा के वर्ष 2012 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 115 सीटों पर विजय मिली, जबकि कांग्रेस को एनपीडी की दो सीटों सहित 63 सीटें प्राप्त हुई. 4 सीटें अन्य के खाले में गई. 26 दिसम्बर, 2012 को नरेन्द्र मोदी ने चौथी बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण की.

गुजरात विधान सभा चुनाव - 2012 (जुईय स्थिति)	
कुल सीटें	182
समर्थन हुए	182
भाजपा जनता पार्टी	115
कांग्रेस	63
निर्दलीय व अन्य	64

हिमाचल प्रदेश

4 नवम्बर, 2012 को हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव सम्पन्न हुए. 20 दिसम्बर, 2012 को हुई मतगणना में 68 सदस्यीय विधान सभा में कुल 36 सीटें कांग्रेस को प्राप्त हुई. 26 सीटों पर भाजपा को सफलता प्राप्त हुई. 25 दिसम्बर, 2012 को कांग्रेस के गैरिन्द नेहा शीघ्र सिंह ने छठवीं बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पद को शपथ ग्रहण की. कीरन्ध सिंह अग्रवाल 1983 में पहली बार हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे. वह 1990 तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे. हनुके बाद 1993 से 1998 तक और पुनः 2003 से 2007 तक वह हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे.

हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव - 2012 (जुईय स्थिति)	
कुल सीटें	68
समर्थन हुए	68
कांग्रेस	36
भाजपा जनता पार्टी	26
निर्दलीय व अन्य	6

त्रिपुरा

त्रिपुरा में विधान सभा की सभी सीटों के लिए मतदान 14 फरवरी, 2013 को सम्पन्न हुए. त्रिपुरा की 60 सदस्यीय विधान सभा में 50 सीटों

गैरिन्द साक्षर की अनुबाई वाले काम मोर्चे ने अपना सर्वोच्च कामयाबी गना. गठबंधन की 50 सीटों में से 49 सीटें अकेले साक्षर ने ही जीतीं. इन चुनाव परिणामों के बाद 5 मार्च, 2013 को साक्षर के मालिक सरकार को सर्वसम्मति से विश्वास दल का नेता चुना गया. 6 मार्च, 2013 को अवरजता स्थित राजभवन में त्रिपुरा के राज्यपाल टी. वार्ड. पंडित ने मुख्यमंत्री सहित 11 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिखाई. लगातार चौथी बार सरकार के नेतृत्व वाले काम मोर्चे की सरकार त्रिपुरा में बनी है तथा साक्षर सरकार चौथी बार मुख्यमंत्री बनी बनाए गए हैं.

त्रिपुरा विधान सभा चुनाव - 2013 (जुईय स्थिति)	
कुल सीटें	60
समर्थन हुए	60
भाजपाई कम्युनिस्ट पार्टी (भाजपा)	49
कांग्रेस	10
भाजपाई कम्युनिस्ट पार्टी (भाजपा)	01

नगालैण्ड

फरवरी, 2013 में नगालैण्ड में सम्पन्न विधान सभा चुनावों में राज्य की 60 सदस्यीय विधान सभा में 38 सीटों पर विजय प्राप्त करके सत्तागड़ नया पीपुल्स फ्रंट (NPF) ने सत्ता पर कब्जा करकरार गना. चुनाव में एनपी.ए. की सहयोगी नवी भाजपा व जनता दल (ए) ने भी एक-एक सीट पर विजय दल चुनावों में प्राप्त की. जबकि त्रिपुराई कांग्रेस को केवल 3 सीटें प्राप्त हो सकीं. नगालैण्ड के विकल्पान मुख्यमंत्री नेम्फु रियो ने छठवीं बार विधान सभा के लिए निर्वाचित हुए. उन्हें ही एनपी.ए. विश्वास दल का नेता सर्वश्रेष्ठ स्थिति से चुना गया तथा 5 मार्च, 2013 को नए मुख्यमंत्री के रूप में उन्हें शपथ दिखाई गई. नेम्फु रियो लगातार तीसरे कार्यकाल हेतु नगालैण्ड के मुख्यमंत्री बने हैं.

नगालैण्ड विधान सभा चुनाव - 2013 (जुईय स्थिति)	
कुल सीटें	60
समर्थन हुए	60
नया पीपुल्स फ्रंट (NPF)	38
भाजपाई जनता पार्टी	01
जनता दल (ए)	01
कांग्रेस	08
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	04
निर्दलीय	08

मेघालय

फरवरी 2013 में विधान सभाई चुनाव काका तीसरा राज्य मेघालय था. 60 सदस्यीय मेघालय विधान सभा के लिए मतगणना 28 फरवरी, 2013 को हुई. पिछली बार की भाँति इस बार भी किसी दल को अकेले ही सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत प्राप्त नहीं हुआ तथा 29 सीटों के



साथ कांग्रेस को विधान सभा में सबसे बड़ी पार्टी बनी रही. 02 सितें राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी व कांग्रेस को सहयोगी युनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी को 07 सीटों पर सरकार इस चुनाव में प्राप्त हुई है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 2 तथा 13 निर्देय विधायकों में से 8 के बिना शर्त सभ्यन मिलने से निर्वाचन मुख्यमंत्री मुकुल संगमा को नई सरकार के गठन के लिए 39 विधायकों का सभ्यन प्राप्त हो गया था. मुकुल संगमा को गठबंधन के नेता चुने जाने के पश्चात् उन्हें 5 मार्च, 2013 को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई. संगमा लगातार दूसरे कार्यकाल में ही बेकायद के मुख्यमंत्री बने.

बेधान विधान सभा चुनाव - 2013 (दोष विधि)	
कुल सीटें	60
मायरा हा	60
कांग्रेस	29
राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	02
युनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी	07
निर्देय	13
अन्य	09

कर्नाटक

कर्नाटक विधान सभा चुनाव-2013 में कांग्रेस पार्टी को पूर्ण बहुता मिता. कांग्रेस को 224 भारतीय कर्नाटक विधान सभा में 121 सीटें मिली. सभासभा काज्य को 40 सीटें मिली. 13 मई, 2013 को के. सिद्धायोग ने कर्नाटक के 22वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाया थी. कर्नाटक के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री के सिद्धायोग ने प्रतिबद्धता में 28 मईको को 18 मई, 2013 को शपथ कर इसका विस्तार किया.

कर्नाटक विधान सभा चुनाव - 2013 (दोष विधि)	
कुल सीटें	224
मायरा हा	223
कांग्रेस	121
भारतीय जनता पार्टी	40
काज्य का-सु	40
कर्नाटक जनता पार्टी	06
निर्देय व अन्य	16

चर्चित राजनीतिक गतिविधियाँ

'आम आदमी पार्टी' का गठन

अपनाकार के विरुद्ध आवाज उठाने के मायमें में जना हजारी की टीम में शामिल रहे आरविंद केजरीवाल ने अपने उद्देश्यों की प्रतिनि के लिए अन्य कार्य में अपना संकेत राजनीति की राय पकड़ ली है. अन्य उद्देश्यों की प्रतिनि के

लिए 'आम आदमी पार्टी' (AAP) नाम से अपनी अलग पार्टी की स्थापना आरविंद केजरीवाल ने नवंबर 2012 में अपनी अलग पार्टी की घोषणा केजरीवाल ने मार्च 2 अक्टूबर, 2012 को सभी जयन्ती के अवसर पर की थी. इसकी औपचारिक घोषणा 26 नवंबर, 2012 को नई दिल्ली में की.

राहुत गांधी-कांग्रेस के उपाध्यक्ष

19 जनवरी, 2012 को जलपुर में कांग्रेस पार्टी की कार्यकारिणी की बैठक में राहुत गांधी को सर्वप्रथम ही पार्टी का उपाध्यक्ष चुना गया. इससे पूर्व वह पार्टी के सहायक थे. उपाध्यक्ष बनाए जाने के पश्चात् पार्टी प्रोटोकॉल में अध्यक्ष सीमांती सीमांती गांधी के पश्चात् उनका अब औपचारिक रूप से दूसरा स्थान हो गया है.

उदय ठाकरे-शिवसेना के अध्यक्ष

23 जनवरी, 2013 को मुंबई में शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में उदय ठाकरे को पार्टी का अध्यक्ष निर्दिष्ट चुना गया. 17 नवंबर, 2012 को महाराष्ट्र की राजनीति के 'पुनः पुनः' तथा शिव सेना के प्रमुख काका संजय ठाकरे का मुंबई में निधन हो गया था. वर्ष 1966 में बाबा ठाकरे ने 'शिवसेना' का गठन किया था. वर्ष 1995 में भाजपा-शिवसेना के गठबंधन ने महाराष्ट्र में अपनी सरकार बनाई थी.

सानू प्रसाद शारद-आठवीं बार सजद के अध्यक्ष

विहार के पूर्व मुख्यमंत्री व पूर्व शेर बंडी सातू प्रसाद शारद एक बार पुनः अपनी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के अध्यक्ष जनवरी 2013 में चुने गए. 20 जनवरी, 2013 को पटना में पार्टी के नवने अधिवेशन में उन्हें निर्दिष्ट इस पद हेतु निर्वाचित किया गया. वह लगातार आठवीं बार इस पार्टी के अध्यक्ष चुने गए.

राजनाथ सिंह-तीसरी बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह एक बार पुनः भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जनवरी 2013 में चुने गए. 22 जनवरी, 2013 को नई दिल्ली में पार्टी की बैठक में उनका यह चुनाव निर्दिष्ट हुआ. इस पद पर निरतिन सरकार का स्थान उन्हीं को दिया है, जो 2009 से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे. लक्ष्मण लाल दाश्री से पहले जनसंघ व बाद में भाजपा से सम्बद्ध रहे राजनाथ सिंह, लालकृष्ण आडवाणी से त्यागपत्र के पश्चात् 24 दिसम्बर, 2005 को पार्टी बार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए थे. 26 नवंबर, 2006 को वह दूसरी बार इस पार्टी के अध्यक्ष चुने गए थे तथा 2009 में उनसे ही वह कार्यभार निरतिन गठकरी ने ग्रहण किया था.

जनकान्त पार्टी का भाजपा में विलय

उत्तर प्रदेश के पूर्व भाजपाई मुख्यमंत्री कल्याण सिंह, जो पार्टी आता कमल के साथ मगधों के पहले जनवरी 2009 में भाजपा छोड़कर पहले सभा से जुड़ गए थे तथा बाद में सभा का सम्मन छोड़कर अपनी अलग जनकान्त पार्टी का गठन जनवरी 2010 में किया था, को पुनः भाजपा में वापसी जनवरी 2013 में हुई. 21

जनवरी, 2013 को लखनऊ में एक समारोह में अपनी जनकान्त पार्टी के भाजपा में विलय की घोषणा कल्याण सिंह के पुत्र व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव सिंह उन्हें रात में मिला ने की.

पी. ए. संगमा द्वारा नए राजनीतिक दल का गठन

लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष पी.ए. संगमा ने राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल लोकसभा पार्टी (NLP) का गठन करने तथा इसके साथ ही इस दल के राष्ट्रीय जनताधिक गठबंधन (NDA) में शामिल होने की घोषणा 5 जनवरी, 2013 को नई दिल्ली में की. उनकी पार्टी का चुनाव चिह्न पुलाक है.

टेलीफोन में कि श्री संगमा ने वर्ष 2012 में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (रकापा) में अलग संकेत प्रथम चुनावी के विरुद्ध राष्ट्रवादी पद हेतु चुनाव लड़ा था. इस चुनाव में एनडीए ने उन्हें सभ्यन प्रदान किया था.

द्रमुक द्वारा यूपीए सरकार से सभ्यन वापस

श्रीलंका में तमिलों के कठिन मानवधिकार इनन के मामले में दबाव बनाने के लिए द्रमुक ने मार्च 2013 में केन्द्र की यूपीए सरकार से सभ्यन वापस ले लिया है. इसके साथ ही उसके सभी लोक मंत्रियों ने मंत्रिमण्डल से त्यागपत्र दे दिए. लोक सभा में 18 सदस्यों वाली द्रमुक के सरकार से बाहर होने पर निचले स्तर में सरकार की स्थिति कमजोर अवस्था हुई. तमिल कमरा व सभा के कठोर सभ्यन के चलते सरकार के पास आवश्यक बहुमत बना हुआ है.

जद (यू) व भाजपा गठबंधन समाप्त

16 जून, 2013 को जद (यू) ने भारतीय जनता पार्टी से अपना 17 वर्ष पुराना गठबंधन तोड़ दिया. जनता दल (यूनाइटेड) के अध्यक्ष शरद दादर व विहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना में इसकी औपचारिक घोषणा की. इसी के साथ नीतीश कुमार ने राज्य में काज्य के 11 मंत्रियों को भी बर्खास्त कर दिया. इस घोषणा के बाद बिहार में नीतीश सरकार अल्पकाल में आ गई और विजयस का प्राप्त करने के लिए 19 जून, 2013 को विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया गया.

नीतियाँ/कार्यक्रम/योजना/परियोजना

किन्नर पंशन योजना

1 अक्टूबर, 2012 को त्रिनाथपुर सरकार ने किन्नर समुदाय से जुड़े की कोजिज के तहत किन्नर पंशन योजना की घोषणा की. इसके तहत उन्हें प्रतिमास ₹ 1 हजार भता दिया जाएगा. मुख्यमंत्री जयजितनाथ द्वारा प्रस्तुत किन्नर पंशन योजना के अनुसार 40 वर्ष से अधिक आयु के गरिब किन्नरों को प्रतिमास ₹ 1 हजार पंशन दी जायेगी. इसके लिए ₹ 1-17 करोड़ आवंटित किए गए हैं.

यमुना एक्सप्रेस वे

9 अगस्त, 2012 को नोएडा से आगरा के बीच यमुना एक्सप्रेस वे को आम जनता के लिए खोल दिया गया। लगभग 165 किमी लम्बी यह एक्सप्रेस वे परिवहन उन्नत प्रदेश की पूर्व बसपा सरकार के कार्यकाल के दौरान बनी थी। इस एक्सप्रेस वे को निजी कम्पनी जेपी ग्रुप ने बनाया है। इस वर्षीय एक्सप्रेस वे के निर्माण में कम्पनी ने ₹ 14,000 करोड़ खर्च किए हैं। इसका पूर्व नाम राज एक्सप्रेस वे था।

मुख्यमंत्री तीर्थ-दर्शन योजना

मध्य प्रदेश के बुनौली को प्रवेश के बाहर स्थित तीर्थ स्थानों को यात्रा करने के लिए यह जल्दो योजना मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रस्तावित जा रही है। इस योजना के तहत प्रदेश के बाहर स्थित पवित्र तीर्थ स्थानों के लिए विशेष ट्रेगाटियों का शसन द्वारा अर्द्धअस्सीली की सहायता से प्रसारित।

आधार इनेबल सर्विस डिजिटली सिस्टम

20 अक्टूबर, 2012 को राजस्थान के जयपुर के निकट हुड में पूर्ण अर्थव्यवस्था योजना को आधार इनेबल सर्विस डिजिटली सिस्टम को शुरूआत की। 'आधार कार्ड' आरम्भ होने की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर इसे प्रारम्भ किया गया।

ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन परियोजना

ईरान के नज्मिनीय कार्यक्रम के कारण उस पर तेल एवं गैस कारोबार के लिए अपनी की प्रतिस्पर्धा में बाधक है। ईरान से पाकिस्तान के लिए गैस के परिवहन हेतु प्रस्तावित पाइपलाइन परियोजना पर कार्य 11 वर्ष, 2013 में प्रारम्भ हो गया है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति अजिज अली जयराई या ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजद ने संयुक्त रूप से ईरान के चबाहर (Chabahar) जहाँ में इसकी शुरुआत की।

विधेयक/अधिनियम/अध्यादेश

कार्यस्थल पर महिलाओं के बीच उत्पीड़न पर अंकुश हेतु विधेयक

निजी एवं सार्वजनिक कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाने के उद्देश्य से संसद में तय गला संशोधित महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण विधेयक-2010 (Protection of Women Against Sexual Harassment at Workplace Bill) लोक सभा ने 3 सितम्बर, 2012 को पारित किया।

आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश, 2013

महिलाओं के खिलाफ जायन्त यौन अपराध करने वालों को अब फाँसी तक की सजा हो गयी है। 1 फरवरी, 2013 को केंद्र सरकार ने

एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए इस सम्बन्ध में एक अध्यादेश (Ordinance) —आपराधिक कानून (संशोधन) अध्यादेश (Criminal Law (Amendment) Bill) 2013 को संसदीय प्रणाली की मन्त्रीय सचिवालय में 1 फरवरी, 2013 को केंद्रीय सचिवालय की बैठक में जयन्त विधेयक के बीच अपराधों के लिए फाँसी या पुरी उच्च जेल की सजा के प्रावधान को स्वीकृत प्रदान की। 3 फरवरी, 2013 को राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने इस अध्यादेश को अपनी स्वीकृति प्रदान की।

प्रतिवेदन/दिशा-निर्देश/समिति/आयोग/परिषद-अद्यतन गतिविधियाँ

महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों की समीक्षा हेतु गठित वर्मा समिति की विचारों

महिलाओं की सुरक्षा से जुड़े कानूनों की समीक्षा के लिए सर्वोच्च न्यायालय के संवैधानिक न्याय न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे.एल. वर्मा की अध्यक्षता में गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट 23 जनवरी, 2013 को गृह मंत्रालय को सौंपी। दिल्ली में 23 वर्षीय छात्रा के साथ चलायी बला में साप्ताहिक दुष्कर्मा की 16 दिसम्बर, 2012 की दुष्कर बला के पश्चात् इस समिति का गठन 23 दिसम्बर, 2012 को किया गया था तथा इसे अपनी पहली बैठक में 30 दिन के भीतर ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने की बला पड़ी थी। समिति ने निर्धारित समय सीमा से एक दिन पूर्व ही अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। तीन सदस्यीय इस समिति में न्यायमूर्ति जे.एल. वर्मा के अतिरिक्त हिमाचल प्रदेश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सीता रैड और पूर्व सीनियर जज नरेश मुखर्जी मुख्य न्याय सचिव सचिव अजित थे।

वर्मा समिति ने 640 पृष्ठों में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इस रिपोर्ट में दुष्कर्मा के दोषियों के लिए न्यूनतम तथा बाल अपराध के मामले में महिला को उस 18 से बढकर 16 वर्ष करने की माँग की समिति ने स्वीकृत किया है, वहीं कलकत्ताधीन के लिए अधिक बड़े श्रेणीकृत प्रावधान के लिए आपराधिक कानून में संशोधन के सुझाव दसमें दिए हैं। बलाकार के मामले में 20 वर्ष तक के तथा साप्ताहिक दुष्कर्मा के मामले में आजीवन कारावास की सजा की संशुद्धि वर्मा समिति ने अपनी रिपोर्ट में की है। आजीवन कारावास को समिति ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया है। आजीवन कारावास से समिति का तात्पर्य जीवन भर जेल में रहने की सजा से है।

‘मेहरा आयोग’ की रिपोर्ट प्रस्तुत

दिल्ली में 16 दिसम्बर, 2012 को फाँसी बस में एक छात्र के साथ साप्ताहिक दुष्कर्मा की घटना के विषय में पकड़ों का अध्ययन कर महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सुझाव देने के लिए न्यायमूर्ति उषा मेहरा की अध्यक्षता में जो जॉय आयोग सरकार द्वारा दिसम्बर 2012 में ही गठित किया गया था, उसने अपनी रिपोर्ट 22

फरवरी, 2013 को सरकार को सौंपी। आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए सरकार ने तीन माह का समय दिया था, किन्तु इस समय-सीमा से एक माह पूर्व ही आयोग ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी है। इसी मामले में कानूनों में बदलाव सुझाने के लिए अजित वर्मा समिति ने की अपनी रिपोर्ट केवल 29 दिन में ही सरकार को सौंप दी थी तथा जिसके आधार पर वर्तमान कानूनों के बल्लेब के परिशिष्ट में एक अध्यादेश को सरकार ने मार्च 2013 में पारित करा दिया गया है।

चर्चित सम्मेलन/वैठक/महोत्सव/आयोजन

‘ऑक्सफोर्ड ऑफ द ईर्थ’ के 125 वर्ष

‘ऑक्सफोर्ड ऑफ द ईर्थ’ के नाम से विख्यात रेड इन्फोर्माटिविटीयों ने अपनी स्थापना के 125 वर्ष सितम्बर, 2012 में पूर्ण किए हैं। देश के इस चौथे प्राचीनतम विश्वविद्यालय की स्थापना 23 सितम्बर, 1887 को हुई थी।

26वीं महानेताका सम्मेलन

8 अक्टूबर, 2012 को नई दिल्ली में राज्यों के महासंस्थाओं का सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने निम्नलिखित एवं महासंस्थाओं (CAG) की 'निर्दिष्ट सेवा प्रवेश से अधिक कुशल परिशिष्ट' अपनाते की प्रशंसा की प्रशंसा की।

स्वामी विवेकानन्द का 150वाँ जन्मदिन

वर्ष 2013 स्वामी विवेकानन्द का 150वाँ जन्मदिन वर्ष है। स्वामी विवेकानन्द, गिनका नाम नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था, का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कोलकाता में हुआ था। स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जन्मदिन के उपलक्ष्य में वर्षभर के कार्यक्रमों का जुलूस देशभर में 12 जनवरी, 2013 को राष्ट्रीय पूजा दिवस के अवसर पर हुआ। 12 जनवरी, 2013 को वर्षभर के कार्यक्रमों की शुरुआत राष्ट्रीय प्रमुख स्थानों में एक स्मारक स्थापित जागी करके किया।

भारत का 43वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव

20-30 नवम्बर, 2012 के दौरान गोवा में पणजी में भारत का 43वाँ अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (IFFI—International Film Festival of India) सम्पन्न हुआ। यह लगभग सैदी वर्ष था जब इस वर्षीय वर्षीय महोत्सव का आयोजन गोवा में किया गया।

पोलैण्ड के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता क्रिस्टोफ़ ज़मोस्की को उद्घाटन समारोह में ही सर्वश्रेष्ठ एक्शन फिल्म के लिए सर्वश्रेष्ठ फिल्म की पुरस्कार प्रदान किया। अंतराष्ट्रीय विजेता जॉन ली (Ang Lee) की लाइफ ऑफ़ डी (Life of Pi) इस महोत्सव की उद्घाटन फिल्म थी। इस वर्ष भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारतीय सिनेमा के 100 वर्षों को एक विशेष रचना के माध्यम से इस महोत्सव में प्रस्तुत किया गया। 10 दिन चले

फाल्गुन के दस 43वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में विभिन्न देशों की कुछ विवादास्पद तस्वीरें 200 फिल्मों का प्रदर्शन विभिन्न श्रेणियों में किया गया। इस महोत्सव में प्रतिस्पर्धी वर्ग में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का **सर्वश्रेष्ठ मधुर** (Golden Peacock) पंजाबी फिल्म **बन्ने बाई** का दावा के लिए **मुक्तिदास सिंह** को प्रदान किया गया। **सर्वश्रेष्ठ मधुर** के साथ ₹ 40 लाख की गति पुरस्कार के तहत प्रदर्शन की गई। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का खता मधुर पुरस्कार **कु-ड्डान जेओन** (Kyu-dwan Jeon) को उत्तरी फिल्म **'ब वेर'** (The Weight) के लिए प्रदान किया गया। इसके तहत खता मधुर के साथ ₹ 15 लाख की मदद गति उन्हें प्रदान की गई। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अभिनेता **मार्सिन डोमोसिंस्की** (Marcin Domagala) को पोलिश-रशियन-जर्मन फिल्म **'रोस'** (Rose) में भूमिका के लिए तथा सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार **अंजलि पांडे** को गिनी-नियम फिल्म **'सिरे वू विशाद वू'** में भूमिका के लिए दिया गया। इस पुरस्कारों के तहत खता मधुर के साथ ₹ 10-10 लाख प्रदान किए गए। किसी फिल्म में सर्वाधिक कलात्मक वैज्ञानिक योगदान के लिए **ज्युरी का विशेष पुरस्कार** **सेन** की लुसी मल्लू (Lucy Mallu) को उनकी फिल्म **Una Noche** के लिए प्रदान किया गया।

100वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस

3-7 जनवरी, 2013 के दौरान 100वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस का आयोजन कोकणा (पश्चिम बंगाल) में हुआ। प्रधानमंत्री श्री. मनमोहन सिंह का अध्यक्षता में सम्मेलन इस बहिरक सम्मेलन का उद्घाटन सार्वजनिक प्रवेश मुकामी में किया। कोकणा विश्वविद्यालय की मेजबानी में आयोजित इस अधिवेशन के उद्घाटन समारोह में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री यमला बर्माजी की उपस्थिति थी। भारतीय विज्ञान कांग्रेस के इतिहास में यह सबसे अधिक या कम सार्वजनिक प्रवेश-मंडी दोनों ही उद्घाटन समारोह में एक साथ उपस्थित थे। वर्ष 2013 के भारतीय विज्ञान कांग्रेस का थीम था—**संज्ञक और अज्ञान** के मधुर और अज्ञान।

11वीं प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन

7-9 जनवरी, 2013 के दौरान कोलिका (केरल) में विदेशों में बसे भारतीय मूल के निवासियों को भारत से वापस लाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत का 11वीं प्रवासी भारतीय दिवस (NRI) सम्मेलन सम्पन्न हुआ। फिल्म व्याकरण यहाँ में ऐसे सम्मेलन का आयोजन प्रथम बार में किया जा रहा है। यह पहली बार का जब एक सम्मेलन नई दिल्ली से बाहर किसी अन्य शहर में आयोजित किया गया था। 11वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में 60 देशों से आए लगभग 2000 भारतीयों ने भाग लिया। उनमें शीर्ष उद्योगपतियों के अतिरिक्त वैज्ञानिक व अर्थशास्त्री भी शामिल थे। भारतीय गणराज्य सार्वभौमिक युवा (Rajeshwar Punyay) इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि थे। यह उन 13 देशों में भी आयोजित थे, जिनमें 9 जनवरी, 2013 को सम्मेलन के समापन समारोह **'प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन'** से सार्वजनिक प्रवेश

अब तक हुए प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन : एक दृष्टि में		
आयोजन	अतिथि एवं स्थल	मुख्य अतिथि
पहला	9-11 जनवरी, 2003: नई दिल्ली	नवीन रामचन्द्रन (भारत के प्रधानमंत्री)
दूसरा	9-11 जनवरी, 2006: नई दिल्ली	महेश बल्लभ (युवा के सार्वजनिक)
तीसरा	7-9 जनवरी, 2005: मुंबई	-
चौथा	7-9 जनवरी, 2006: हैदराबाद	अमर एम. कल्याण (नेपाल के सार्वजनिक)
पाँचवाँ	7-9 जनवरी, 2007: नई दिल्ली	एन जयकुमार (मिनापुर के उद्योगपति)
छठा	8-9 जनवरी, 2008: नई दिल्ली	डी. नवीन चन्द्र लल्लुबाय (भारत के प्रधानमंत्री)
सातवाँ	7-9 जनवरी, 2009: चेन्नई	ममदीन सर्वश्रेष्ठ (मुनिम के उद्योगपति)
आठवाँ	7-9 जनवरी, 2010: नई दिल्ली	लॉर्ड साहिल खीर (फ़िरोज के अन्तर्गत के एम के अन्तर्गत व लॉर्ड इंटरनेशनल सार्वजनिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी)
नौवाँ	7-9 जनवरी, 2011: नई दिल्ली	अनन्त मन्नायर— न्यूजीलैंड के नवनेत जनल
दसवाँ	7-9 जनवरी, 2012: जयपुर	कमल प्रसाद विमल— फ़िनलैंड व टोबेरी के प्रधानमंत्री
ग्यारहवाँ	7-9 जनवरी, 2013: कोलिका	नरसिम्ह पुराय—भारत के सार्वजनिक

मुकामी में सम्पादित किया। इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की थीम था— **प्रवासी विकास साथ** में प्रवासी का सहयोग। भारतीय उद्योग महासंघ (CII) व केरल सरकार के सहयोग से केन्द्र सरकार के अग्रणी भारतीयों के वापसी के मंत्रालय (Ministry of Overseas Indian Affairs) के तत्वावधान में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया था।

इन्सादावाद कुम्भ मेला—2013

14 जनवरी, 2013 से 10 मार्च, 2013 के दौरान इन्सादावाद में गंगा, यमुना व अरुण नदियों के संगम पर कुम्भ मेला का आयोजन हुआ। इन्सादावाद कुम्भ मेला कई दुर्घटनाओं की भी शीर्ष था। इन्सादावाद कुम्भ मेले में 10 फरवरी, 2013 को मनी अमरकाव के जलौ स्नान के दिन दो बार भगवद् मन्त्रों में कथ-से-कथ 41 अज्ञातों की मृत्यु हो गई। कुम्भ मेले का आयोजन हरिजन में गंगा के तट पर, प्रसाद (इन्सादावाद) में संगम (गंगा, यमुना व अरुण नदियों) पर, बालिक में मोदीबाई के तट पर प्रवेश में सिद्धा नदी के तट पर होता है। इसके केन्द्र पर यह आयोजन 12 वर्ष के अन्तराल के अन्तर्गत होता है।

अज्ञाती फिल्म समारोह

सामाजिक विवेक के 100 वर्ष पूर्ण होने के उत्सव में केन्द्रीय मन्त्रालय एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा **अज्ञाती फिल्म समारोह (Centenary Film Festival)** का आयोजन नई दिल्ली में 25-30 जनवरी, 2013 के दौरान किया गया। इसका शुभारम्भ केन्द्रीय मन्त्रालय एवं प्रसारण मंत्री सत्यजीत ने भारतीय विवेक 100 (अज्ञाती फिल्म दिवस 100 वर्ष) का उद्घाटन किया। समारोह के आयोजन में एक फिल्म **'श्री डी क्लिक'** का प्रदर्शन 25 जनवरी, 2013 को किया गया, जबकि 30 जनवरी, 2013 को समारोह के अन्त में दस साल के अन्तर के जीवन व और के बारे में **अज्ञाती** एक नवीन पर लाल विचारों का। इस दिन के इस कार्यक्रम के दौरान कुछ वक्तावर्ष काव्यकी फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

उत्तर प्रदेश विधानमण्डल के 125 वर्ष

उत्तर प्रदेश विधान मण्डल की स्थापना के 125 वर्ष जनवरी 2013 से पूर्व हुए। इस उपलक्ष्य में तीन दिवसीय उत्तराखण्ड खता जयंती समारोह 6-8 जनवरी, 2013 के दौरान खताखण्ड विधान विधान मन्त्र में आयोजित किया गया। इस आयोजन में विधानमण्डल के दोनों सदनों—विधान सभा व विधान परिषद, के वर्तमान एवं पूर्व सदस्यों ने भाग लिया।

45वीं भारतीय श्रम सम्मेलन

17-18 नवंबर, 2013 के दौरान नई दिल्ली में 45वीं भारतीय श्रम सम्मेलन का आयोजन हुआ। इस सम्मेलन में बमिर्षाओं को सामाजिक सुरक्षा और पेंशन को गारंटी देने का संकेत पारित किया गया। सम्मेलन में राज्य सरकारों के वचन मंत्रियों, केन्द्रीय मन्त्रालय मंत्रियों के नेता, विधानमण्डल के प्रतिनिधि तथा केन्द्र और राज्य सरकारों के कार्यवाहियों ने विधान मंत्रियों में काम कर रहे बमिर्षाओं के लिए सेवा जारी, वेतन और सामाजिक सुरक्षा जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया।

समझौते/समन्वय/विदेश नीति के नए आयाम

भारत-फ्रांस

8 अक्टूबर, 2012 को भारत और फ्रांस ने शान सारा करने तथा मधुर जल के विकास क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता किया। यह समझौता अधिकारियों, पेंशनियों, व्यापारिक नेताओं, स्थानीय स्थानीय निवासियों को निम्न-मूल्य एवं शान सारा करने में सहज रास्ता प्रदान करेगा। इस समझौते का परिणाम में भारत के शान विकास मंत्री कमलनाथ व फ्रांस के विदेश व्यापार मंत्री निकोलो डिक ने हस्ताक्षर किए।

भारत-जापान

10 अक्टूबर, 2012 को भारत और जापान ने प्राथमिक गैस के मूल्य निर्धारण प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए एक संयुक्त अनुसंधान

परियोजना गठित की। इसके अन्तर्गत सभी प्राकृतिक गैस की खोज संयुक्त रूप से करने पर बल दिया गया है। जपान विज्ञान का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस आपातक देज है। वर्तमान में प्राकृतिक गैस खनन के मुख्य सार्वभौमिक संकेतक अमेरिका व कनाडा द्वारा निर्धारित किए जाते हैं।

भारत-ईरान

भारत-ईरान संयुक्त आयोजन की 17वीं बैठक ईरान की राजधानी तेहरान में 5 मई, 2013 को सम्पन्न हुई। इस बैठक में भारत व ईरान ने दोनों देशों के बीच सम्पर्क बढ़ाने के साथ-साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों को मजबूत बनाने का निर्णय किया।

भारत-नीदरलैंड

भारत के शहरी विकास और संसदीय कार्य मंत्री कप्तान पाल व नीदरलैंड की आगमपूरा सार्वजनिक एवं परिवहन मंत्री बेनेनी जलन्डन वैन हेगेन ने 14 मई, 2013 को रंग, नीदरलैंड में शहरी अवकाश, ग्राम प्रबंधन एवं सार्वजनिक प्रबंधन के क्षेत्र में तकनीकी सहयोग के समझौते दायन पर हस्ताक्षर किए। इसके अन्तर्गत एक संयुक्त कार्ययोजना गठन करने का निर्णय लिया गया, जिसका कार्य बर्षिक कार्यक्रम तैयार करना है।

चर्चित न्यायिक निर्णय व न्यायपालिका से जुड़े चर्चित मुद्दे

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के विरुद्ध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा आरोपित प्रचलित रद्द

8 नवम्बर, 2012 को आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने खिलाड़ी से राजनीतिज्ञ बने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के विरुद्ध भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा 12 वर्ष पूर्व आरोपित प्रचलित को रद्द किया। नैष फिनिंग्स के आरोपों के परिणाम में बीसीआई सिमेट के आधार पर तीन सदस्यीय समिति की संसुति पर अजहरुद्दीन पर आरोपित प्रचलित बीसीसीआई ने दिसम्बर 2000 में आरोपित किया था। इस मामले में बीसीसीआई के निर्णय को बरकरार रखते हुए इकराबद रिक्त स्वामीय अजहरुद्दीन ने मोहम्मद अजहरुद्दीन की याचिका वर्ष 2003 में खारिज कर दी थी। स्थायी अजहरुद्दीन के इस फैसले के विरुद्ध मोहम्मद अजहरुद्दीन ने आन्ध्र हाईकोर्ट उच्च न्यायालय में अपील की थी। पूरे मामले की सुनवाई के पश्चात् उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ ने बीसीसीआई की कार्यवाही को एकराश करार देते हुए स्थायी अजहरुद्दीन को फैसला 8 नवम्बर, 2012 को रद्द कर दिया।

राष्ट्रपण्डत पोटाते ने कतमांडू व भनोट सहित 10 के विरुद्ध आरोप निर्धारित

वर्ष 2010 के राष्ट्रपण्डत पोटाते के मामले जेलों की आपाजक समिति (CWCOC)

के अध्यक्ष सुरेश कलमाही व महापण्डत तल्लि भनोट सहित कुल 10 अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप का निर्धारण दिल्ली की एक अदालत में 4 फरवरी, 2013 को किया गया। पोखराधी, अपराधिक साक्षि, जलमाही, फकी दस्तावेज तैयार करने तथा दायित्व, स्वीकृति व रिजल्ट (TSR) सिस्टम तैयार करने के लिए किस कम्पनी को फिर-बावनी रूप से ठेका देने आदि के आरोप भारतीय परत संहिता के विधिनन प्राधान्यों के गठन विशेष न्यायाधीश विन्डर को ने निर्धारित किए हैं। इन आरोपों का प्रतिवाद करने हुए कलमाही ने कहा है कि उन्होंने अपने सभी दायित्वों का निर्वह निपटारासुर ही किया है।

गुजरात में लोकतान्त्रिक पर न्यायपूर्ण मेरुता की निपुक्ति के मामले में नरेश मोदी सरकार की सचिका खारिज

गुजरात में लोकतान्त्रिक की निपुक्ति के बहुपक्षीय मामले में नरेश मोदी सरकार की एक बड़ा झटका जनवरी 2013 में उस समय कल जब राज्यपाल कमला बेनीवाल द्वारा इस पर न्यायपूर्ण (सेपनिपुन) आर. ए. मेरुता की अगस्त 2011 में की गई निपुक्ति को सचीय न्यायालय ने बैक कर दिया तथा इस निपुक्ति को चुनौती देने वाली मोदी सरकार की याचिका को जर्दी न्यायालय ने खारिज कर दिया। मोदी सरकार ने न्यायपूर्ण (सेपनिपुन) आर. ए. मेरुता की लोकतान्त्रिक पर न्यायपूर्ण को पहले उच्च न्यायालय में इस आधार पर चुनौती दी थी कि इसे हाईकोर्ट सरकार के साथ विचार-विमर्श करके नहीं किया गया था।

मणिपुर, मेघालय व त्रिपुर के लिए मुक्क-पुक्क उच्च न्यायालयों की स्थापना

दुर्लभ के तीन राज्यों- मणिपुर, मेघालय व त्रिपुर के लिए मुक्क-मुक्क उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई है। यह तीन उच्च न्यायालय मार्च 2013 में अस्तित्व में आ गए। इससे देश में उच्च न्यायालयों की संख्या 21 से बढ़ाकर 24 हो गई है। अभी तक पूर्वोत्तर के सभी तीन राज्यों की अपारम्परिकताओं की पूर्ति जम्म व मुमरादे स्थित उच्च न्यायालयों द्वारा ही की जाती थी। मुम्बई उच्च न्यायालय की पीठ ईफात, जिलाग व अमरगता के अतिरिक्त कोरिया, जलजोरी व हुयलर में स्थित हैं। ईफात, जिलाग व अमरगता में उच्च न्यायालयों की स्थापना से मणिपुर, मेघालय व त्रिपुर के निवासियों को अलग उच्च न्यायालय उपलब्ध हो गया है। इनमें इकाओं में मुक्क उच्च न्यायालय व जिलाग में मेघालय उच्च न्यायालय का उद्घाटन मुख्य न्यायाधीश न्यायपूर्ण अलमल खलीर ने विधि मंत्री अश्विनी कुमार की उपस्थिति में 25 मार्च, 2013 को किया, जबकि अमरगता में त्रिपुर उच्च न्यायालय का उद्घाटन दत्तोंने 26 मार्च, 2013 को किया। न्यायपूर्ण अध्यक्ष मोहन लो ने मणिपुर उच्च न्यायालय में न्यायपूर्ण टी. बीना कुमार ने मेघालय उच्च न्यायालय में तथा न्यायपूर्ण दीपक गुप्ता ने त्रिपुर उच्च न्यायालय में पहले मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

विदेशी अतिथियों का आगमन

मिनापुर के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

भारत के साथ द्विपक्षीय राजनीतिक व आर्थिक-वर्षिजल सम्बन्धों में मजबूती लाने के उद्देश्य से अपने देश के उच्चतमपुत्र विधनमन्त्र के साथ मिनापुर के प्रधानमंत्री ली सीन लुंग (Lee Hsien Loong) ने 11-12 जुलाई, 2012 के दौरान भारत की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान भारत में मिनापुर के निवासों को प्रोत्साहित करने हुए इस देश को 'निवेश-मित्र' (Investment Friendly) की सीन लुंग ने करार दिया। भारत में निवासों के कार्य में आने वाली कठिनायियों का उल्लेख मेरुता प्रधानमंत्री ने इस यात्रा में किया। पारम्परिक सहयोग के तीन सम्बन्धीय पर हस्ताक्षर इस यात्रा के पश्चात् किए गए, इनमें कोरिजल एग्जुटिवन, रक्षा व सुरक्षा के क्षेत्र के सम्बन्धी जलिन हैं। दोनों देशों के बीच कार्यशील न्यायिक आर्थिक सहयोग समझौते (CECA-Comprehensive Economic Cooperation Agreement) की दूसरी समीक्षा के कार्य को शीघ्रता से निपटने को सहजिल द्विपक्षीय यात्रा में हुई। इससे पत्रजाल व सेवाओं के व्यापार व पारम्परिक निवेशों के और अधिक बढ़ावा मिले जल संकेत। जलान्य है कि मिनापुर न केवल 'असिपास' (ASEAN) में भारत का अग्रणी व्यापारिक भागीदार होने के साथ-साथ भारत में एक्सीजार्ड का प्रमुख ग्रीन की है।

ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

1-4 सितम्बर, 2012 के दौरान भारत के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिमलित्व में ताजिकिस्तान के राष्ट्रपति इमोमली खल्ले भारत की खर दिन की यात्रा पर आए थे। राष्ट्रपति के रूप में यह उनकी चौथी भारत यात्रा थी। 3 सितम्बर, 2012 को भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ द्विपक्षीय स्तरीय व अन्तरराष्ट्रीय स्तर के विधिनन मुद्रा पर उनकी यात्रा हुई। मन्त्रा, येनकुज, स्वास्व, संस्कृति, अणु, कला उद्योग व ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए विधिनन सम्मेलनों पर हस्ताक्षर इस अवसर पर किए गए।

श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

सितम्बर 2012 में श्रीलंका के राष्ट्रपति महिन्दा राक्षसे भारत की दो दिन की यात्रा पर आए थे। यह प्रवेश सरकार के सिमलित्व पर माफी (पत्र प्रवेश) में एक बीहद समरालेख में पल लेने व कई एक अन्तरराष्ट्रीय कोरिज निवर्षिजल को अपारिगलित रखने के लिए आए थे। राजकीय पालन व होने के बावजूद 20 सितम्बर, 2012 को नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ पारम्परिक मन्त्रालय के मुद्रा पर उन्होंने यात्रा की।

बुर्ण्डि के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

17-19 सितम्बर, 2012 के दौरान भारत के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों के सिमलित्व में बुर्ण्डि अफ्रीकी देश बुर्ण्डि के राष्ट्रपति थिरेरे मुन्सिना भारत की तीन दिन की यात्रा पर आए थे। 17



सितम्बर, 2012 को हैदराबाद हाउस में भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ द्विपक्षीय मुद्राई पर उनकी वार्ता हुई। बुल्गेरिया में कुपि क्षेत्र के साथ-साथ आपतकालीन संरचना के विकास के लिए भारत की इस सम्पूर्ण सहयोग का आवासन भारतीय प्रधानमंत्री ने मेकमन राष्ट्रपति को इस वार्ता के दौरान देखा, भारत की सरकार ने वहाँ निर्माणवादीन बस जम्बुविकी परिवहन के लिए 40 मिलियन डॉलर को एक अन्य 'मानव अधिकार' के अतिरिक्त बुल्गेरिया में कुपि के वीकीकरण व साथ प्रमोशनल परिवहन के लिए 40 मिलियन डॉलर को एक अन्य मानव अधिकार के वीकीकरण भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने इस अवसर पर की।

आस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री को भारत यात्रा

अक्टूबर 2012 में आस्ट्रेलिया की प्रधानमंत्री क्लिया गिबार्ड भारत की यात्रा पर आई थीं। इस यात्रा के दौरान 17 अक्टूबर, 2012 को प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ हुई वार्ता के पश्चात् पूर्णतया आतुरी सम्बन्धों पर दोनों देशों में समझौता बना। इसी दिन भारत तथा आस्ट्रेलिया के बीच विज्ञान-प्रौद्योगिकी, अन्तरिक्ष तथा वैश्विक सहयोग संहिता पर सम्बन्धी हस्ताक्षर किए गए।

गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) समारोह के मुख्य अतिथि : एक दृष्टि में	
वर्ष	मुख्य अतिथि (देश/व्यक्ति)
2001	अलान् जॉर्ज डुर्लिन (ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्रपति)
2002	कमल लाल (संयुक्त राज्य के उपराष्ट्रपति)
2003	मेजर इमोडोस्ट वाताबी (इरान के राष्ट्रपति)
2004	न्यूटन डीमोस्टोस नुनस वा फिन्स (ब्राजील के राष्ट्रपति)
2005	सिमो सिमो वॉन्गव (बुटान नरेश)
2006	अनुला विन अनुल जॉर्ज जॉन सदा (संयुक्त राज्य के जज)
2007	वालिरीया वुलिन (रूस के राष्ट्रपति)
2008	फ्रेडरिक मसकोबी (आयरलैंड के राष्ट्रपति)
2009	गुन नुलान नरवायन (नार्वे के राष्ट्रपति)
2010	बी प्रिन्स वॉन (र. कोरिया के राष्ट्रपति)
2011	मुमिनो सुपोपेनो (इंडोनेशिया के राष्ट्रपति)
2012	विमलकु द्विवाच (श्रीलंका के प्रधानमंत्री)
2013	रिम्मे शेमेर वामपदा वंगपुन (बुटान के नरेश)

फ्रांस के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रैंकोइस होलैंड (François Hollande) ने फरवरी 2013 में भारत की यात्रा की। वर्ष 2012 में ही फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात् फ्रांसिमी राष्ट्रपति की किसी एजिडेंट देश की यह पहली ही यात्रा। फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रैंकोइस होलैंड की 14-15

फरवरी, 2013 की इस भारत यात्रा के दौरान जिन्हा, रेनवे व अन्तरिक्ष विज्ञान आदि के क्षेत्रों में पारस्परिक सहयोग परी/समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। रेनवे के क्षेत्र में सम्पूर्ण समझौते के तहत रेनवे स्टेशनों व टैक्स के प्रोत्साहन, हार्ड स्पीड कार्टिओस के निर्माण व रेनवे के आधुनिकीकरण के लिए सहयोग प्रदान करने की सम्पूर्ण योजना में दी है। अन्तरिक्ष विज्ञान क्षेत्र में 'सुरक्षा' व प्रयोग की अन्तरिक्ष एजेंसी सीएनएस के बीच हस्ताक्षरित समझौते के तहत उपग्रह के प्रयोग व विज्ञान प्रौद्योगिकी के प्रोत्साहन हेतु दोनों देश आपस में सहयोग करेंगे। पारस्परिक सम्पूर्ण समझौते के लिए किए गए एक अन्य समझौते के तहत विज्ञानियों, औद्योगिकियों, विश्वविद्यालयों, विज्ञानियों, वास्तुविदों व कलाकारों के आदान-प्रदान को सहजित दोनों देशों में हुई है। बंगलुरु में दो पहले सम्पूर्ण के लिए साक्ष्य सुनिश्चित सहजित वय में दोनों देशों के बीच हस्ताक्षरित अन्य समझौते/समझौते-पर्याप्त में शामिल हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

18-20 फरवरी, 2013 के दौरान भारत के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों को बढ़ावा देने के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरन (David Cameron) ने भारत की आधिकारिक यात्रा की। प्रधानमंत्री के रूप में भारत की उनकी यह दूसरी राजकीय यात्रा थी। भारत के साथ वाणिज्यिक सम्बन्धों को प्रारम्भिकता देने हेतु कैमरन ने अपनी इस यात्रा की शुरुआत देश की वाणिज्यिक राजधानी मुम्बई में की। ब्रिटेन दो देशों में पहली बार किसी ब्रिटिश प्रधानमंत्री की मुम्बई की यह यात्रा थी। 19 फरवरी, 2013 को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में कैमरन ने भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से वार्ता की। वार्ता में दोनों देशों के द्विपक्षीय आर्थिक-वाणिज्यिक सम्बन्धों के मामले में विगत वर्षों में हुई प्रगति विशेषतः प्रधानमंत्री कैमरन की अक्टूबर 2010 की भारत यात्रा के पश्चात् हुई प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ हवाई और सड़क करने पर विचार-विमर्श हुए। जिन्हा, फिलान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की व्यापक सम्भावनाओं की देखने हुए वाणिज्यिक की शुभम् अभावता के लिए बीजा नीति में उद्योगों की अपेक्षा भारतीय प्रधानमंत्री ने की।

मिश्र के राष्ट्रपति की भारत यात्रा

19-21 मार्च, 2013 के दौरान मिश्र के राष्ट्रपति मोहम्मद मोरसी (Mohamed Morsi) ने भारत की यात्रा की। इस यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुँचने से पूर्व वह एक दिन हैदराबाद (पकिस्तान) में रहे थे। मोरसी मुबारक के लगभग तीन दशकों के शासन के अन्त के पश्चात् मिश्र में ही लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित पहले राष्ट्रपति मोहम्मद मोरसी की इस यात्रा के दौरान उनके साथ आए जस्टिसमण्डल में उनके चरित्र केविशेष वीरियों के अतिरिक्त मिश्र के अग्रणी उम्मीदों का दस भी शामिल था।

मिश्र के राष्ट्रपति मोहम्मद मोरसी का औपचारिक स्वागत 19 मार्च, 2013 को राष्ट्रपति भवन में हुआ। इसके पश्चात् भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के साथ विभिन्न मुद्राई पर वार्ता हुई। इनमें द्विपक्षीय मुद्राई के अतिरिक्त

पश्चिम एशिया, उत्तर अफ्रीका व खाड़ी क्षेत्र में अर्थ व व्यापिक के मुद्राई शामिल थे। मिश्र में विगतहुनी हुई स्थिति व कार्य जारी जिन्हा में निर्देशों की सीमा के प्रति विचार भारत ने व्यक्त की तथा इन सभी मुद्राई को पारस्परिक वार्ताओं के अन्तिम अतिरिक्त तरीके से इन करने पर बस भारतीय प्रधानमंत्री ने दिया। द्विपक्षीय मुद्राई में शुभम् प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, वायु एवं समुद्र उपकरण, विभिन्न उद्योग, नवोन्मुखी ऊर्जा व सेवा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए सम्पत्ति दोनों देशों में व्यक्त की। दोनों देशों के बीच आर्थिक द्विपक्षीय व्यापार के 5-5 अरब डॉलर के सीमांत स्तर से 'कुछ ही वर्षों में' वृद्धि होने की आज मेकमन राष्ट्रपति ने व्यक्त की। इनके अतिरिक्त सामाजिक, आर्थिक विकास कार्यक्रमों, कीमत विकास, उच्च शिक्षा, सुरक्षा, कृषि एवं स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्रों में उपायक सम्पत्ति बढ़ाने के लिए सहजित दोनों नेताओं की वार्ता में हुई। द्विपक्षीय सहयोग के साथ विभिन्न सम्पत्ति/सहजित-पर्याप्त पर हस्ताक्षर इस वार्ता के पश्चात् किए गए। साइबर सिक्योरिटी, नैतिक सम्पूर्ण अधिकारों की सुरक्षा तथा पुरातत्विक वस्तुओं के अवैध व्यापार पर रोक सम्बन्धी सम्पत्ति इनमें शामिल हैं। मिश्र की जल-अवतर विनिर्माण में आई.टी. क्षेत्र के एक क्षेत्र की एजेंसीस की स्थापना तथा भारत के पीएसएलवी के जरिए मिश्र के नौ नौ सैटेलाइट को अन्तरिक्ष में स्थान के लिए सम्पत्ति वय में वय हस्ताक्षर सम्पत्ति में शामिल हैं।

चीन के प्रधानमंत्री की भारत यात्रा

19-22 नवम्बर, 2013 के दौरान चीन के प्रधानमंत्री ली केजियंग भारत यात्रा पर आए थे। उनकी भारत यात्रा पर निम्नलिखित में विशेष-प्रदर्शन की लिए मार्च 2013 में ही ली केजियंग चीन के प्रधानमंत्री बने हैं तथा उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा भारत से शुरू की। इस यात्रा के दौरान भारत व चीन के मध्य 8 विभिन्न सम्झौतों पर हस्ताक्षर हुए।

विज्ञान/प्रौद्योगिकी/अन्तरिक्ष/चिकित्सा-नई उपलब्धियाँ

आईएनएस सहायि

21 जुलाई, 2012 को स्वदेश निर्मित स्टेलर (राष्ट्र की नगर में नवी अने काका) पुस्तक आईएनएस सहायि को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। आईएनएस सहायि का निर्माण कार्य 17 मार्च, 2003 को प्रारम्भ हुआ था तथा 27 मई, 2005 को इसका उद्घाटन हुआ था। लगभग 10 हजार किलो की भारण व निर्मित आईएनएस सहायि की लम्बाई 142.5 मीटर तथा वजन 4900 टन है। यह नौदलीय स्त्री, यूरोपीय और इजरायली निवासियों से मिले है। इस पर सतह से हवा में नगर करने वाली 24 निवासित नौका हैं। शत्रुओं के घेरे की लक्ष्यन कर उन्हें स्थिर कर देने की क्षमता करने आईएनएस सहायि शत्रुओं पर नगर करने के लिए आधुनिक सोनार व सतार तंत्र से सुसज्जित है।



एक बार पुनः सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष यात्रा

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर सर्वाधिक समय (195 दिन) तक प्रवास करने वाली पहिली बनने का रिकॉर्ड बनाने वाली भारतीय मूल की अमरीकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स एक बार पुनः जुलाई 2012 में अंतरिक्ष यात्रा पर गईं। 16 जुलाई, 2012 को सुनीता विलियम्स अपने दो साथियों के साथ चार घाट की यात्रा के लिए अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुँचीं। 16 सितम्बर, 2012 को सुनीता विलियम्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की कमांडर बन गईं।

जोसेट-10

29 सितम्बर, 2012 को हमने ने एक शक्तिशाली संचार उपग्रह जोसेट-10 (GSAT-10) का सफल परीक्षण किया गया। 3400 किलो वजन के इस उपग्रह का प्रक्षेपण यूरोप की यूएनियन स्पेस कम्पनी द्वारा अपने एरियन-5 (Ariane-5) रॉकेट के ज़रिए ए. अमरीकी डेल्टा क्लेब गुवाहा के बीच स्थित अलनरिथ केन्द्र से किया गया। यह हमने का 101वाँ मिशन था।

के-15 मिसाइल का सफल परीक्षण

प्रक्षेपण विकास में भारत ने बड़ी उपलब्धि जनवरी 2013 में उस समय प्राप्त की जब समुद्र के भीतर से प्रक्षर करने वाली एक के-15 (K-15) मिसाइल का सफल परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा किया गया। 27 जनवरी, 2013 को आन्ध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में बनाए गए सी-10 में सफल समुद्र से 50 मीटर की गहराई से 10 मीटर लम्बी इस सब मैन-बोर्ड बैलिस्टिक मिसाइल (SLBM-S submarine-Launched Ballistic Missile) का प्रक्षेपण किया गया, जो पूर्ण गुरुत्वा के साथ अपने लक्ष्य पर पहुँची इस परीक्षण की सफलता के पश्चात् भारत ऐसा चौथा देश हो गया है जिसके पास समुद्र के भीतर से बैलिस्टिक मिसाइल प्रसार क्षमता है। ऐसे चार अन्य राष्ट्र अमेरिका, फ्रांस, रूस व चीन हैं। के-15 परमाणु आधारित बैलिस्टिक मिसाइल है, जो परमाणु अनुप्लव के ज़रूने में सक्षम है। इसकी शायद लम्बाय 700 किमी है।

अंतर्राष्ट्रीय में भारत का तीसरा अनुसंधान केन्द्र 'भारती'

'दक्षिण गोलार्ध' के 'पीन' के परमाणु अंतर्राष्ट्रीय में भारत के तीसरे स्वामी अनुसंधान केन्द्र 'भारती' की स्थापना की गई है। बैलिस्टिक प्रक्षेपण एवं समुद्री शोध केन्द्र के अध्यक्ष ए. गोविन्द स्वामी केन्द्र पर 25 वैज्ञानिक व 10 छात्रों की एक शक्ति है। भारत में स्थापित किया गया 'दक्षिण गोलार्ध' केन्द्र अब गुरुत्वा की सुझा है। भारत की स्थापना अंतर्राष्ट्रीय में सार्वभौमिक पराधी की गई है, जो विश्वभर क्षेत्र, जहाँ नहीं स्थित है, से लक्षण 2000 किमी दूर है। भारत का संयोजक 25 वर्ष अनुसंधान किया गया है।

भारत में पोलियो रहित दो वर्ष

पोलियोमाइलिटिस (Polio myelitis) अर्थात् पोलियो उत्पन्न की रोग में भारत ने एक बड़ी उपलब्धि जून 2013 में उस समय प्राप्त की जब दूसरा पोलियोमुक्त वर्ष 13 जनवरी, 2013 को पूरा हो गया। पोलियो वायरस (Polio Virus) संक्रामक से होने वाले इस रोग की तीन वैश्वीय पीढ़ी-1 (PV1), पीढ़ी-2 (PV2) व पीढ़ी-3 (PV3) होती हैं। इनमें से पीढ़ी-2 का उत्पन्न विश्वभर में ही सुझा है, भारत में पीढ़ी-2 का अन्तिम मामला अक्टूबर 1999 में बिहार में पाया गया था। पीढ़ी-1 (PV1) व पीढ़ी-3 (PV3) केपी का पोलियो ही अब देश में विश्वभर था। इनमें से पीढ़ी-3 वैश्वी के पोलियो का देश में अन्तिम मामला 22 अक्टूबर, 2010 को झारखण्ड में पाकुर (Pakur) में तथा पीढ़ी-1 केपी के पोलियो का अन्तिम मामला 13 जनवरी, 2011 को पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में पोंछा जमीन में दर्ज किया गया था। यह पूरे वर्ष 2011 में दौरान देश में पोलियो का एकाग्र मामला था। 13 जनवरी, 2011 के बाद किसी भी वैश्वी के पोलियो का कोई भी मामला अब तक देश में नहीं पाया गया है। इस प्रकार 13 जनवरी, 2013 को देश में पोलियोमुक्त दूसरा वर्ष पूरा हुआ।

'सरल' के साथ सात उपग्रह कक्षा में स्थापित

25 फरवरी, 2013 को समुद्री विमान से गुटे अंतर्राष्ट्रीय के लिए भारत-रक्षा के समुद्र उपग्रह 'सरल' का हमने (ISRO) के अन्तिम चार पीएसएलवी-20 में सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया। इस घाट के साथ 6 वर्ष विदेशी गुप्त और सूझ उपग्रहों को भी अन्तिम की कक्षा में भेजा गया। श्रीरङ्गकोटा (आन्ध्र प्रदेश) स्थित सुनीता परम अन्तिम केन्द्र से गुरुत्वा प्रक्षेपण प्रणाली की उपस्थिति में ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (PSLV-C20) को रचना किया गया। प्रक्षेपण के 22 मिनट बाद उपग्रहों को कक्षाओं में स्थापित कर दिया गया। 21 बार सफल प्रक्षेपण का रिकॉर्ड बनाने वाले पीएसएलवी का यह 23वाँ अभियान था। इसी पूर्व 12 सितम्बर, 2012 को भी 'सरल' को पीएसएलवी के द्वारा प्रक्षेपण करने की योजना बनाई गई थी, परन्तु लक्ष्मी की कक्षाओं और अन्तिम परीक्षण के लिए उस दौरान अभियान टाल दिया गया था।

सर्वसैनिक कृत्रिम मिसाइल 'निर्भय' का पहला परीक्षण विफल

12 मार्च, 2013 को देश के पहली सर्वसैनिक कृत्रिम मिसाइल 'निर्भय' का पहला परीक्षण विफल रहा। ओडिशा के गट के निकट चांदीपुर परीक्षण रेंज से सतह-से-सतह पर चार करने वाली इस मिसाइल का परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वैज्ञानिकों ने किया। इस परीक्षण के तहत इसे बंगाल की खाड़ी में 1000 किमी की दूरी पर अपने लक्ष्य की वृत्त था, परन्तु मार्ग में विफलता को जाने के कारण इसे बीच में ही नष्ट किया गया। इस मिसाइल का अन्तिम परीक्षण जीर्ण की स्थापना है। इस सर्वसैनिक कृत्रिम मिसाइल घाट से के साथ-साथ खुशेना से लैसा के लिए भी उपयोगी होती।

अग्नि-II का सफल परीक्षण

7 अगस्त, 2013 को भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) द्वारा विकसित मध्यम दूरी के बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-II का एक परीक्षण ओडिशा के गट के निकट चांदीपुर की छांदी मिसाइल क्षेत्र में किया। नाविकीय विस्फोटकों के साथ 2000 किमी की दूरी तक सतह-से-सतह पर चार करने में सक्षम इस मिसाइल को कई सफल परीक्षणों के पश्चात् भारतीय सेना में पहले ही शामिल किया जा चुका है।

अतिरमरणीय राष्ट्रीय क्षति

दास सिंह

12 जुलाई, 2012 को सुन्वाई में प्रसिद्ध फलकन, फिल्म अभिनेता व पूर्व सांसद दास सिंह का निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। पिछले 50-60 वर्षों से भारतीय जनतापक्ष में एक लोकप्रिय व्यक्ति की छवि दास सिंह में देखी है। दास सिंह का जन्म 19 नवम्बर, 1928 को पंजाब के अमृतसर के घाघमरुका गाँव में हुआ था। इनका पूरा नाम दास सिंह म्हावा था। दास सिंह वारसाधिक जीवन में ऐसे व्यक्ति थे, जिनमें सम्पूर्ण विश्व में प्रभाव करके 500 से अधिक कुटुम्बों लड़ी। 1947 में सिंगपुर में कुली में विश्व विज्ञान करने की शुरुआत हुई। 200 किलो वजन के आंदेविशाल फलकन किलका को जब उन्होंने तिर पर उपग्रह घुमाया और पदचरि ही तब से उनका नाम कल-कल की जवान पर आ गया। दास सिंह ने रामानन्द सागर के डेलीविजन धारावाहिक 'रामानन्द' में हनुमान की भूमिका निभाने अत्यधिक लोकप्रियता प्राप्त की। रामानन्द में हनुमते हनुमान की भूमिका की जीवन कर दिया। वर्ष 2003 से 2009 तक वे राज्य रक्षा के सदस्य भी रहे थे।

राजेश खन्ना

18 जुलाई, 2012 को सुन्वाई में हिन्दी फिल्म जगन् के पहले सुपरस्टार राजेश खन्ना का निधन हो गया। वह 70 वर्ष के थे। वह 'बका' के नाम से प्रसिद्ध थे तथा उनका मूल नाम जतिन खन्ना था। राजेश खन्ना को लोकप्रियता मिली थी लोकप्रियता कम ही अभिनेताओं को प्राप्त हुई है। संवाद आसानी का उनका अंदाज अनुदा था। 'अरी की चुपचा, आई डेट रिपर्स रे' जैसे संवाद को लोग आज भी याद करने हैं। राजेश खन्ना ने कुल 163 फिल्मों में काम किया जिसमें से 106 फिल्मों में वह अकेले हीरो थे। राजेश खन्ना के नाम लगभग 15 हिन्दी फिल्मों देने का रिकॉर्ड है।

केतन लक्ष्मी सहगल

23 जुलाई, 2012 को कानपुर में जंग-ए-आज़ादी की लड़ाई, केरली सुभाषचन्द्र बोस की लड़ाई और आज़ाद हिन्द फौज की केप्टन डॉ. लक्ष्मी सहगल का निधन हो गया। वह 98 वर्ष की थीं। देश, स्वातंत्र्य, वैभवादा और गरीबों के लिए अपनी जीवन समर्पण कर देने वाली डॉ. लक्ष्मी सहगल के निधन के साथ ही एक युग का अन्त

हो गया, वह 1943 में अल्बानी आज़ाद हिंद सरकार को फैब्रिकेट में पहली महिला सदस्य बनीं। आज़ाद हिन्द फौज की गनी ज़ोरी मैजिस्ट्रेट में डॉ. लक्ष्मी महाराज अल्पविक्रम सचिव रहीं.

विनासराव देशमुख

14 अप्रैल, 2012 को वेल्स में केन्द्रीय विधान संघ प्रोत्साहिकी मंत्री विनासराव देशमुख का निधन हो गया. 67 वर्षीय देशमुख को 6 अप्रैल, 2012 को गम्भीर कर्करोग में पड़ती किया गया था. उन्हें मुंबई एवं त्रिवार प्रत्यारोपण होना था. उनके निधन पर दिल्ली व सभी राज्यों की राजधानियों में शोकध्वज धुके रहे. महाराष्ट्र सरकार ने तीन दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया.

डॉ. वर्षा कुरियन

9 सितम्बर, 2012 को देश में ग्लेन क्लिफ के जनक डॉ. वर्षा कुरियन का निधन हो गया. वह 90 वर्ष के थे. राष्ट्रीय हेपेटाई विभाग डॉ. देशमुख का निधन हो गया. 90 वर्ष के थे. राष्ट्रीय हेपेटाई विभाग डॉ. वर्षा कुरियन को अंगुष्ठाई में ही 1970 में देश में 'ओपेरेटिव चर्च' की शुरूआत की गई थी, जिसने भारत को विश्व का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक देश बना दिया. उन्हें अंगुष्ठाई हेपेटाई को घर-घर में तोषाधिप बनाने का श्रेय जाता है.

के. एस. मुदर्सन

15 सितम्बर, 2012 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरसंचालक के. एस. मुदर्सन का निधन हो गया. वह 82 वर्ष के थे. वह 2000 से 2009 के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सारसंचालक रहे थे.

वश घोषणा

21 अक्टूबर, 2012 को भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता अनेक पुरस्कारों में सम्मिलित प्रख्यात निर्माता-निर्देशक वरुण घोषणा का निधन हो गया. वह 80 वर्ष के थे. मेमोरियल फिल्मों के किंग के रूप में विख्यात वरुण घोषणा डेरा का निवासी रहे.

जतपात्र भट्टी

24-25 अक्टूबर, 2012 को मध्य रात्रि को जाने-माने हास्य कलाकार जतपात्र भट्टी का एक शुक्रेत दुर्घटना में निधन हो गया. वह 57 वर्ष के थे. 'बिडला' से जतपात्र आगे समय उनकी कार रात्रि तुरन्त हो करे एक बूझ से टकरा गई. दुर्घटना के लोकप्रिय फाल्गुनिक 'उल्लास-बुद्ध' 'संसार' 'सी', 'कुल देवन', 'हाथ विन्द्या की बाज गिनती', 'किन्तु' आदि के माध्यम से प्रख्यात प्रान्त वाले जतपात्र भट्टी अपनी फिल्म 'पॉवर बट' के प्रमोशन के निर्वासित में दूर पाया पर थे.

के. सी. पन्त

15 नवम्बर, 2012 को गई दिल्ली में पूर्व केन्द्रीय मंत्री के. सी. पन्त (कृष्ण चन्द पन्त) का निधन हो गया. वह 81 वर्ष के थे. उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री व देश के पूर्व मुख्यमंत्री भारत रत्न ए. कल्याण पन्त के पुत्र के. सी. पन्त ने केन्द्र

में बीपीपी इंदिरा गांधी व राजीव गांधी के नेतृत्व वाली सरकारों में रक्षा, विज्ञान, गृह, शिक्षा, ऊर्जा मंत्री आदि महत्वपूर्ण पद संभाले थे.

जाला साहेब ठाकरे

17 नवम्बर, 2012 को महाराष्ट्र की राजनीति के 'पुरा पुराण' तथा छिन्न से प्रमुख जाला साहेब ठाकरे का 86 वर्ष की आयु में मुम्बई के बांद्रा स्थित उनके आवास 'महावीर' में निधन हो गया. महाराष्ट्र के मातृ-मातृ देश की राजनीति में भी अत्यन्त महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले जाला ठाकरे ने स्वयं कभी कोई मुन्ना नहीं बना था, तथापि महाराष्ट्र की राजनीति को कोई भी दिशा प्रदान करने की क्षमता उनके पास थी. वर्ष 1966 में उन्होंने 'शिखरी' का गठन किया था. 30 अक्टूबर, 1966 को शिखरी का पहला सभा में 5 लाख से अधिक लोग जुटे थे. वर्ष 1995 में भाजपा-शिखरी के गठबंधन से महाराष्ट्र में अपनी सरकार बनाई. पहली वर्ष 2005 में उनके बेटे उदय ठाकरे को अतिरिक्त महाराष्ट्र दिए जाने से नाराज उनके भतीजे राज ठाकरे ने शिखरी छोड़ दी और वर्ष 2006 में अपनी नई पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना बना ली.

हनु कृष्ण गुजराल

30 नवम्बर, 2012 को देश के पूर्व प्रधानमंत्री हनु कृष्ण गुजराल का अन्धे बीमारी के परवर्ध गुर्माओं के मंदोग अस्वस्थता में निधन हो गया. वह 93 वर्ष के थे. 1997-1998 के दौरान वह देश के प्रधानमंत्री रहे थे. नई दिल्ली में जन्मित वन (देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की साक्षात् स्मृत) व विज्ञान-प्रगति के बीच स्थिति स्थल पर राजकीय सम्बन्ध के श्रेष्ठ उदाहरण अग्रिम संस्कार 1 दिसम्बर, 2012 को किया गया. उनके निधन पर 7 दिन के राजकीय शोक की घोषणा सरकार ने की थी.

पंडित रविशंकर

12 दिसम्बर, 2012 को अमेरिका में फैब्रिकोर्निया के सेन टियागो में भारत रत्न से सम्मिलित प्रख्यात सिता वादक पंडित रविशंकर का निधन हो गया. वह 92 वर्ष के थे तथा पिछले कुछ समय से बीमार रह रहे थे. पंडित रविशंकर का जन्म 7 अगस्त, 1920 को बाराकली में हुआ था. इनका पुराना नाम रविशंकर शंकर चौधरी था. पंडित रविशंकर ने अपने कैरियर की शुरुआत एक नरक के रूप में की थी. 1955 में सन्तान्त्रित हो कर पहली फिल्म 'पादर संचाली' में दिए उनके संगीत ने फिल्म की मानवीय कथावस्तु को कालजयी बना दिया. पंडित रविशंकर को 1986 में राज्य सभा के लिए मनोनीत किया गया था. वह नेहरू पुरस्कार से भी सम्मानित थे तथा देश की सर्वोच्च भारत रत्न अवधारण उन्हें 1999 में प्रदान किया गया था.

जसु शिन्धी

14 जनवरी, 2013 को अमरावती में 'भारत की कांस्य मूर्ति' के नाम से प्रसिद्ध जसु शिन्धी की मूर्ति का निधन हो गया. 64 वर्ष की आयु में निधन हो गया. चौधे पर शास्त्र गनी लक्ष्मीधर की एक मूर्ति के लिए वर्ष 2005 में जसु शिन्धी को नाम विन्यास वरुण ऑफ़ रिकॉर्ड में शामिल किया गया.

जसु शिन्धी बनाई गई महात्मा गांधी और नरसिंह नरुषा किशुनजी की कांस्य की मूर्तियाँ अमेरिका में फोर्बिस विजयविमान, नैकसुनैने, गिहागो और उत्तर बेरोगिन के आर्सेनल में लगी हुई है.

मल्लारम कपूर

2 अगस्त, 2013 को बरिष्ठ सजाजवादी फिल्म व लेखक मल्लारम कपूर का निधन हो गया. वह 87 वर्ष के थे. सजाजवादी फिल्म के साथ ही कलावी, कविता, निबन्ध व बाल साहित्य की अनेक पुस्तकों के लेख लेखक थे. अनेक पुरस्कारों में सम्मिलित मल्लारम कपूर को निधन में लगभग एक सप्ताह पूर्व 23 मार्च, 2013 को उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने सर्वोच्च वरुण शिखरी सम्मान से सम्मिलित किया था.

आर. पी. गोयनका

14 अगस्त, 2013 को गोयनका में प्रसिद्ध उद्योगपति राम प्रसाद गोयनका का निधन हो गया. वह 83 वर्ष के थे. उनके द्वारा स्थापित आरपीडी इंटरनैशनल के कारोबारों में टायर, रिजिन काबॉन ब्लैक, एलियन केबल, अरुणदा जूट मिल व मशी इंडिया शामिल है.

शकुंतला देवी

21 अगस्त, 2013 को बंगलुरु में प्रसिद्ध गणितज्ञ शकुंतला देवी का निधन हो गया. वह 80 वर्ष की थीं. अपनी अद्भुत गणनात्मक क्षमता के चलते वह **मानव कम्प्यूटर** के रूप में विख्यात थीं व गिनीज बुक में उनका नाम दर्ज किया गया था.

जे. एस. वर्मा

22 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जे. एस. वर्मा का निधन हो गया. वह 25 मार्च, 1997 से 17 जनवरी, 1998 के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश रहे थे.

अमशदा वेगम

24 अगस्त, 2013 को मुम्बई में बीजे खर्चों की जानी-मानी नायिका अमशदा वेगम का निधन हो गया. वह 94 वर्ष की थीं. 14 अगस्त, 2013 को अमृतसर में जन्मी अमशदा वेगम ने खजुरी (1941), लकड़ी (1943), अनघोल मछी (1946), दुलारी (1949), दीक्षा (1951), आन (1952), अशा (1954), मरु दीक्षा (1957), गुण-ए-आजम (1960) जैसी हिट फिल्मों में रोल पाए थे.

असुर अती इंगोविनर

14 नवंबर, 2013 को मुम्बई में प्रख्यात मुस्लिम विद्वान, लेखक और दाउदी बोहरा समुदाय के मुख्याधीश नेता असुर अती इंगोविनर का 73 वर्ष की आयु में निधन हो गया. 1970 के दशक में बी.एम.सी. से लोकप्रिय सेवानिवृत्ति केने के बाद वह दाउद बोहरा समुदाय के मुख्याधीश अन्वीनन से जुड़ गए.

विवाचन धुपन

नक्सली धुपन से घायल हुए 85 वर्षीय पूर्व केन्द्रीय मंत्री व केंद्रीय के वरिष्ठ नेता विवाचन धुपन का 11 दूरा, 2013 को निधन हो गया. सत्य जुद्ध अधिपति के विशेष में नक्सली ने



25 मई, 2013 को छत्तीसगढ़ के बस्तर ज़ाके में हमका किया था, जिसमें विद्यार्थ्य अक्षय पायल हो गए थे, कॉलेज के कॉन्स्टेबल नेताओं में से एक और बर्द एसी में रह चुके विद्यार्थ्य अक्षय बर्द डाक तक देना की राजनीति में ताकतवर चुनिंका में रहे.

सिद्धि राष्ट्रीय घटनाएं

‘गदर व रेशमी स्माल आन्दोलन’ के शताब्दी वर्ष के उत्पत्त्य में स्मारक डाक टिकट

वर्ष 2013 देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के दो प्रमुख आन्दोलनों- ‘गदर’ व ‘रेशमी स्माल आन्दोलन’ (Silk Letter Movement) का शताब्दी वर्ष है, बीसवीं सदी के प्रारम्भ में ही सम्पन्न ये दोनों आन्दोलन ब्रिटिश सरकार द्वारा बना दिए गए थे तथा अपने उद्देश्य की प्राप्ति करने में वे नाकाम रहे थे, तत्कालीन स्वाधीनता संग्राम में इनके महत्व को देखते हुए उन पर 5-5 मूल्य के दो स्मारक डाक टिकट भारतीय डाक विभाग ने जनवरी 2013 में जारी किए. ‘रेशमी स्माल आन्दोलन’ (शहनेक-ए-रेशमी सम्बन्ध) के दो महत्वपूर्ण नेता अब्दुल्लाह सिद्दी व मीरजाह महमूद हसन थे. ये दिसम्बर के दशक उन्मुख से सम्बन्धित थे. इस आन्दोलन का उद्देश्य ब्रिटिश हुकुमत को समाप्ति में अथवा निराश और मुक्ति सरकार का समर्थन प्राप्त करना था. अगस्त 1916 में रेशम के स्माल पर सिद्धि कुंठ पर अंग्रेजों के हाथ लग गए, जिसके चलते इस आन्दोलन का नाम रेशमी स्माल पड़ा. ये पर अब्दुल्लाह सिद्दी ने काबुल से मकका में रह रहे मीरजाह महमूद हसन को भेजे थे. वहाँ से योजना का खुलासा हो गया. जिसके बाद में अंग्रेजों ने इस आन्दोलन को दबा दिया था.

बिहार की राजधानी में विश्व की सबसे ऊँची गांधी प्रतिमा का अनावरण

15 फरवरी, 2013 को बिहार की राजधानी पटना में महात्मा गांधी की 74 फीट ऊँची प्रतिमा का अनावरण किया गया. इस प्रतिमा को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में स्थापित किया गया है. इसका अनावरण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने किया. यह प्रतिमा मूलतः 60 फीट की है तथा इसका आधार 34 फीट है. इस प्रकार इसकी कुल ऊँचाई 74 फीट है. यह गांधीजी की पिच में अब तक स्थापित प्रतिमाओं में से सबसे ऊँची प्रतिमा है. इस प्रतिमा में बाहु को दो बख्शों के साथ खड़ा दर्शाया गया है. महात्मा गांधी की इस कांस्य प्रतिमा के निर्माण में 10 करोड़ खर्च आया है. इस प्रतिमा के मूर्तिकार दिल्ली के राममूर्ति हैं.

सीबीआई का स्वर्ण जयन्ती वर्ष

देश की अग्रणी बुकिंग ऑफ एजेंसी सीबीई (CBI-Central Bureau of Investigation) के स्वर्ण जयन्ती कार्यक्रमों का शुभारम्भ राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 6 अगस्त, 2013 को नई दिल्ली में उद्घाटन में किया. एजेंसी के स्वर्ण जयन्ती

सोपी का अनावरण भी राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने इस अवसर पर किया तथा एजेंसी के सम्पत्तिक निदेशक सी. पी. कोहली की स्मृति में (14वीं सी.पी. कोहली मेमोरियल व्याख्यान भी उन्होंने विज्ञान भवन में आयोजित इस समारोह में दिया. केन्द्रीय जीव ब्यूरो (CBI) की स्थापना 1 अगस्त, 1963 को हुई थी. एक मंत्रालय की एक अधिनियम (Notification) के द्वारा तात्कालीन स्टेलर पुलिस संगठन को सीबीआई में स्थानांतरित किया गया था.

आगरा के प्रधान डाकघर के 100 वर्ष पूर्ण होने पर स्मारक डाक टिकट

आगरा के प्रधान डाकघर के 100 वर्ष पूर्ण होने पर एक स्मारक डाक टिकट डाक विभाग द्वारा 13 अगस्त, 2013 को जारी किया गया. लखनऊ जीपीओ के पञ्चान्न एक डाकघर उत्तर प्रदेश का ऐसा दूसरा डाकघर है जिस पर डाक टिकट जारी किया गया है. आगरा के इमारतों में लखनऊ आगरा किला व फतेहपुर सीकरी पर डाक टिकट पहले जारी किया जा चुका है तथा प्रधान डाकघर का भवन आगरा की ऐसी चौबी हमारा है. जिस पर डाक विभाग द्वारा डाक टिकट जारी किया गया है.

भारतीय रेल के 160 वर्ष पूर्ण

16 अगस्त, 2013 को भारतीय रेल की सेवा के 160 वर्ष पूरे हुए. रेलवे के दस्तावेजों के अनुसार भारत में पहली रेलगाड़ी 16 अगस्त, 1853 को मुम्बई व ठाणे के बीच 34 किमी रेलमार्ग पर चलाई गई थी. ऐड इंडियन पैनमसुलर रेलवे की 14 डिब्बों वाली इस रेलगाड़ी को चॉकलेट नाम के बप ट्रेनर के द्वारा चलाया गया था. इन 160 वर्षों में लगभग 65 हजार किमी रेलमार्ग, 7 हजार से अधिक स्टेशनों, प्रगतिर चल्ने वाली 11 हजार से अधिक रेलगाड़ियाँ व लगभग 16 लाख रेलकर्मियों के साथ भारतीय रेल आज देश की जीवन रेखा बन गई है.

सेप्टेम्बर 146 का



विश्व के तनावदास्त क्षेत्र/
बहुचर्चित प्रकरण/चर्चित मुद्दे

विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की फोर्ब्स सूची-2012

अमरीका की सर्वाधिक वित्तीयिक पत्रिका फोर्ब्स (Forbes) ने विश्व के सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की वर्ष 2012 की सूची सितम्बर 2012 में जारी की। मुंबईया व्यक्तियों की वर्ष 2012 की सूची में जीत स्थान बजाकर दूसरी बार अमरीकी राष्ट्रपति बराक ओबामा का है। सूची में दूसरा स्थान जर्मनी की चांसलर अंगेला मेर्केल का है, जबकि तीसरे के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तीसरा स्थान इस सूची में दिया गया है। सूची में चौथे स्थान पर फ़िक्क नेट्स की पीपॉपे स्थापन कर सोम केकेडिअर-XXI है। फोर्ब्स की वर्ष 2012 की सूची में भारत की सीनिया गांधी पहले में सर्वाधिक प्रभावशाली हलदी है। बीमारी सोनिया गांधी के अतिरिक्त पहले के प्रभावशाली हैं, मन्मोहन सिंह भी जाहिर है, दूसरे में सीबी 12वीं स्थान डाँडस अग्रस्थ बीमारी सोनिया गांधी का है, प्रभावशाली में जयललिथ सिंह 19वीं स्थान पर है, इस सूची में मनीष अग्र्य पारनेनी में निष्कर्ष समूह के लक्ष्मी अग्रणी 37वां स्थान पर व इलिया जेम्स विपिन 47वां स्थान पर है।

दिल्लीवास में शान्ति सम्झौता

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश किर्गिजस्तान में विगत 40 वर्षों में एक तरह से गृह युद्ध की समाप्ति की दिशा में एक बड़ा उपलब्धि अनुभव 2012 में यह समय प्राप्त हुई, जब समाजशास्त्र के समर्थक अन्तःसंघर्ष युद्धियों में सरकार के साथ एक प्राथमिक समझौता सम्पन्न हो गया। 15 अक्टूबर 2012 की सरकारान्तरित दस समझौते में प्रधानमन्त्री शालिमोन्नी के विरुद्ध गेह में विश्वास किया गया है। समझौते में दक्षिण किर्गिजस्तान में रह रहे अन्तःसंघर्ष युद्धियन अपने लिए बेहतर अधिकारों की चीज की लेकर विचार लक्ष्यमान बर दलकों से सम्पर्क करने हैं। इस समझौते में दलकों लोगों की जमाने जा सकें हैं।

हेनीकॉप्टरों की खरीद के सौदे में सिद्धतखोरी का चर्चित प्रकरण

अतिविजिप्त लोगों के लिए इसकी कीमती वैश्वीकरण करने की सहायता अलग-अलग वैश्वीकरण (यू.के.) से नीचे दिए जाने वाले 12 एडवांस-101 हस्तकर्मों की छवि का उपयोग कर 3600 करोड़ का सीमा भारत ने 2010 में सम्पन्न किया था, उक्त खर्च में ₹ 350 करोड़ से अधिक की विजय दिए जाने के अलावा इसकी एडवांस की सहायता से, किनपैकिता एडवांस

फिफा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गुस्मिरी सोली को इस मामले में 12 फरवरी, 2013 को सैन में गिरफ्तार भी किया गया. जल्द किए गए 12 हेनोकॉप्टरों में से तीन हेनोकॉप्टर भारत को जलवायु 2013 में प्राप्त हो चुके हैं तथा शेष 9 हेनोकॉप्टरों को अगुर्नि सिनगपुर 2013 तक बेची है. भारत सरकार ने विवाद को देखते हुए शेष 9 हेनोकॉप्टरों की प्रगति को फिलहाल स्थगित कर दिया है.

‘सत्य-एटोमिक पार्दिकल’ की खोज

दशकों के अवधि परिचय एवं अनुसरण प्रत्यक्ष के पत्राचार विभागियों के अन्तर्गत 'सम-एनोपिक पाठिकाओं' को खोज निकालने में सफलता प्राप्त कर की है, जिससे कार्यवाही में रहा है तथा शिक्षण कार्यक्रम व सभी उच्च-उपग्रह अस्तित्व में आए हैं एवं सभी वस्तुओं को स्या, अक्षरों व भार प्राप्त हुआ है। नया खोज गया है 'सम-एनोपिक पाठिकाओं' वही पूर्ण परिचित 'डिग्न बोसोन' (Higgs Boson)। निम्न 'नोड पाठिकाओं' का ज्ञाता रहा था, के अनुसरण ही है। इस खोज को भीषणों क्षेत्र में नवतन्त्रता खोजों में स्थान दिया जा रहा है। भौतिक विज्ञान के क्षेत्र को मानवता खोजों में से एक माना जा रही इस खोज की घोषणा वैश्व की युवनिचयन सेंट्रल को यूनिचयनन सिद्ध (CERN) के वैज्ञानिकों ने 4 जुलाई, 2012 को की। 'परम' के महाविदेशक लेखक (Rolf Heiser) ने इस खोज को 'परिचित विज्ञान' में एक मौलिक का चरण बताया है, जिसमें अग्रगण्य शक्ति संचयन वस्तु के अस्तित्व के स्थान परचय में मदद मिलेगी तथा ब्रह्माण्ड के रहस्यों से पर्दा उठ सकेगा।

पोष डेनेट्रिफ़-16 द्वारा पद त्याग व नए पोष का चयन

28 फरवरी, 2013 को होमन कैमिनिह
समुदाय के मुख्य अर्धसूत्र पोप बेनेडिक्ट-16,
जिन्काका मूल नाम जोसेफ रेट डिग्नर है, ने अपने
पद से इस्तीफा दे दिया. पोप जॉन पॉल के
के पञ्चान् अग्रिम 2005 में वह 26वें पोप चुने
गए थे. 13 मार्च, 2013 को अर्जेन्टीना के जॉर्ज
मरियो बर्गोग्लियो को बैरिन्क मिटी का नया
पोप चुना जाय. हर्ने पोप फ्रांसिस् के नाम से
जाना जाएगा. 2005 के बाद यह दूसरा अवसर
है, जब कार्डिनल को नए पोप के चयन में सारा
थो डिग्नर लगे

उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु परीक्षण

अन्तर्राष्ट्रीय विरोध एवं दबाव को दृष्टिगत करते हुए उत्तर कोरिया द्वारा लम्बी दूरी के स्वदेश निर्मित 'उन्हा-3' रॉकेट द्वारा अन्तरिक्ष में एक छोटे उपग्रह को स्थानापन्न के बाद पञ्चाङ्ग उत्तर कोरिया में अपना तीसरा परमाणु परीक्षण 12 फरवरी, 2013 को किया। संयुक्त राष्ट्र संघ

मुम्बई पुलिसदे के प्रतिनिधित्व के साथ-साथ अमेरिका, अल्बानिया व इंडोनेशिया के भी भेजा जायेगा कि अलकाइदा के साथ हुए उत्तर कोरिया द्वारा किए गए इस परमाणु परीक्षण की विश्वव्यापी विस्था की गई है, यहाँ तक कि उत्तर कोरिया के निकट सहयोगी देश चीन ने भी इस परीक्षा के लिए उत्तर कोरिया को प्रोत्साहित किया है, उत्तर कोरिया द्वारा अलकाइदा के साथ किए गए परमाणु परीक्षा चीन की सीमा के निकट स्थानीय भी किया गया, उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी 'केओएनएस' ने इस परीक्षा की सफलता बताया, इसमें 6-7 किगो टन विस्फोटक का प्रयोग किया गया तथा विस्फोट धुमि के अन्दर 1 किगो गहराई में किया गया, विस्फोट से 4-9 मीटर सेकेंड की आवाज़ महसूस की गई, इस तीव्र परमाणु परीक्षा से पूर्व उत्तर कोरिया ने दो परमाणु परीक्षा कक्षा: 2006 व 2009 में किए थे।

अन्तर्राष्ट्रीय चुनावी
गतिविधियाँ/सत्ता परिवर्तन

येनेजएला

बेनेज्जला में 14 वर्षों से सराफ़ा राष्ट्रपति ह्यूगो चारेज़ (Hugo Chavez) 7 अक्टूबर, 2012 को राष्ट्रपति पद हेतु समान चुनाव में चुनाव: भारी मतों से निर्वाचित हुए. कुछ पक्षों मतों में से 55-25 प्रतिशत मत वृद्धि के शक्तिशाली पार्टी ऑफ़ बेनेज्जला के आगे के इस चुनाव में प्राप्त हुए.

मेलिसावली

मेक्सिको में विगत एक दशक से भी अधिक समय तक अलग-थलग की स्यासत-मार्गी संस्थाएँ, अन्तर्गत (Enrique Peña Nieto) देश के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए, इस पर हेतु । जुलाई, 2012 को सम्यन्त चुनाव में 38 प्रतिशत से अधिक मन् नीती ने मन् किय, जबकि उल्लेख निकलल वामपन्ी उम्मीदवार आंस प्रणो डी मॉन्टे नवनिर्वाचित राष्ट्रपति येना नीती ने । इसावर्ष 2012 को अपना क कार्यभार उल्लय किय, इस पर पर उल्लका कार्यकाल 6 वर्ष होला, इस पर पर कविये काल्देरॉन् (Felipe Calderon) जी । इसावर्ष, 2006 में मेक्सिको के राष्ट्रपति ह, का स्यान् उल्लय किये ।

अमरीका

अजय कुमार के बरक हुसैन ओबामा (Barack Hussein Obama) पार्षद के बरमान दूसरे बरबान्त (20 जनवरी, 2013-20 जनवरी, 2017 तक) के लिए अजय कुमार के राष्ट्रपति बने हें। 'दुसरेबान्त कलियज' के 538 कलियं न से 332 कलियं 6 नवंबर, 2012 को समान बरमान में डेमोक्रेटिक पार्टी के बरक हुसैन ओबामा न प्राण कर भे, जबकि रिपब्लिकन के लिए एकरें 270 कलियं की आवश्यकता के लिए एकरें रिपब्लिकन पार्टी के मिट रोमनी 'दुसरेबान्त कलियज' के 206 कलियं की हस बरमान न प्राण कर भे। 'दुसरेबान्त कलियज' में अजय कुमार के बरमान अपने हस दमने

कार्यकांड के लिए ओकामा ने 20 जनवरी, 2013 तक पुनः 21 जनवरी, 2013 को अगले प्रदर्श को तथा इसके साथ ही उनका दूसरा कार्यकांड प्रारम्भ हो गया, अमेरिकी संघियता के 20वें संशोधन के अन्तर्गत नवनिर्वाचित राष्ट्रपति का कार्यकांड 20 जनवरी को दोपहर में शुरू होता है.

दक्षिण कोरिया

25 फरवरी, 2013 को दक्षिण कोरिया की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति पाकें गिल्जुन-हाई (Park Geun-hye) ने अपना पहला कार्यकांड प्रारम्भ किया. 61 वर्षीय पाकें दिसम्बर 2012 में सम्मान चुनाव में राष्ट्रपति निर्वाचित हुई थीं. यह दक्षिण कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति हैं. दिसम्बर 2012 में हुए चुनावों में सत्तासमूह सायनुरी पार्टी (न्यू कीडर पार्टी) को उम्मीदवार पाकें विश्व हारा ने कुल पदे मतों में 51-6 प्रतिशत मत प्राप्त कर हेमोब्लिजिक् चुनावदेष्टे पार्टी के अपने निकटवर्ती प्रतियोगी नून जे इन (Moon Jae-in) को इस चुनाव में पराजित किया था.

चीन

1. चीन के राष्ट्रपति-14 मार्च, 2013 को श्री जिन्पिंग (Xi Jinping) को औपचारिक रूप से चीन का राष्ट्रपति और चीन प्रमुख चुन लिया गया. इसके साथ ही देश में सबसे अधिक जनसंख्या वाले देश में 10 वर्ष के लिए सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई. जिन्पिंग ने हू लिन्गजाओ का स्थान लिया. ग्रेट हाल और द पीपुल्स में चीन की संसद ने सत्तासमूह कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चीन (CPC) का अग्रज पद संभालने के 4 साल बाद 59 वर्षीय श्री जिन्पिंग को विधिकर राष्ट्रपति निर्वाचित किया.

2. चीन के प्रधानमंत्री-15 मार्च, 2013 को चीन में सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया के तहत सत्तासमूह कम्युनिस्ट पार्टी के दूसरे स्थान के नेता ली केचियांग को देश का नया प्रधानमंत्री चुना गया. नवनिर्वाचित राष्ट्रपति श्री जिन्पिंग ने 57 वर्षीय ली केचियांग को प्रधानमंत्री के तौर पर नामित किया. ली के चुनाव को नेज़ल पीपुल्स कांसिस ने अनुमोदन किया. नेशनल पीपुल्स कांसिस (NPC) देश की संसद है. इस चुनाव में चार बार पूर्व कम्युनिस्ट पार्टी का अग्रज संभालने वाले श्री जिन्पिंग को नेशनल पीपुल्स कांसिस ने 14 मार्च, 2013 को औपचारिक तौर पर राष्ट्रपति नियुक्त किया था. इसके एक दिन बाद 15 मार्च, 2013 को ली केचियांग को नया प्रधानमंत्री चुना गया.

नेपाल

नेपाल के प्रधान मन्त्र्याधीन छिन्न राज रेग्मी को नेज़ल की अन्तरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में 14 मार्च, 2013 को उत्तर दिशाई गई. छिन्न राज रेग्मी ने पूर्व प्रधानमंत्री बाबुराज बस्नेतई का स्थान लिया है. राष्ट्रपति रामबरेन रायने ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में छिन्न राज रेग्मी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई.

बेनेज़ुएला

14 अप्रैल, 2013 को दक्षिण अमेरिकी देश एला में राष्ट्रपति चुनाव सम्पन्न हुए. इन

चुनावों में कार्यवाहक राष्ट्रपति निकोलस मद्रुदे (Nicolas Maduro) श्री मासूरी कांसिस ने नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. इस पद पर हूरो ओवेज़, जिनका निधन 6 मार्च, 2013 को हुआ था, पर स्थान उत्तरों विधिकर निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में लिया है. हूरो ओवेज़ के निधन के पश्चात् कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यकांड निकोलस मद्रुदे ने संभाला हुआ था. नए निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में वह हूरो ओवेज़ का हूरा पद पर उभर कार्यकांड पूरा करेंगे. इस तरह कार्यकांड के लिए राष्ट्रपति पद हेतु 14 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में कुल पदे मतों का 50-66 प्रतिशत मत ही मासूरी को प्राप्त हुए. जबकि विपक्षी उम्मीदवार हेनरीक हेप्रादाल्स (Henrique Capriles) को 49-1 प्रतिशत मत मिले.

इटली

20 अप्रैल, 2013 को इटली के राष्ट्रपति जिर्जीनियो पोपियाज़ोने सात वर्ष के लगातार दूसरे कार्यकांड के लिए इस पद पर पुनर्विर्वाचित हुए. इटली की संसद में इसके लिए 20 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में उन्हें दूसरे कार्यकांड हेतु चुना गया. लगातार दूसरे कार्यकांड की शर्त निर्वाचित होने वाले यह इटली के पहले राष्ट्रपति हैं.

पराग्वे

21 अप्रैल, 2013 को सेरिन अमेरिकी देश पराग्वे में राष्ट्रपति चुनाव सम्पन्न हुए. इन चुनावों में विपक्षी कोलोरेडो पार्टी के उम्मीदवार कोरेगुटि डी लोरेज़ो कोरेसि पराग्वे के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. 56 वर्षीय ताम्बाऊ उलोगपति कोरेसि ने इस पद के लिए 21 अप्रैल, 2013 को सम्पन्न चुनाव में अपने निकटवर्ती प्रतियोगी सत्तासमूह विजयन पार्टी के एड्रिज़ एलेवेरी को धरती बहुमत से पराजित किया. इस चुनाव में निर्वाचित राष्ट्रपति कोरेसि को 46 प्रतिशत मत प्राप्त हुए. जबकि निकटवर्ती प्रतियोगी एड्रिज़ एलेवेरी को 37 प्रतिशत मत मिले. नवनिर्वाचित राष्ट्रपति कोरेगुटि कोरेसि का इस पद पर कार्यकांड 5 वर्ष का होगा.

बांग्लादेश

22 अप्रैल, 2013 को बांग्लादेश के विपक्ष राजनेता गिराव संसद के अग्रज अब्दुल हाशिम देश के नए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. सत्तासमूह आसामी सौग के उम्मीदवार अब्दुल हाशिम का इस पद पर वह चुनाव निर्वाचित हुआ. मुख्य विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सहित किसी भी अन्य दल ने उनके विरुद्ध कोई उम्मीदवार प्रस्ताव नहीं किया था. इस पद पर जितनूर रहमान, जिनका 20 मार्च, 2013 को सिंगापुर के एक अवसराल में निधन हो गया था, का स्थान अब्दुल हाशिम ने लिया. पूर्व राष्ट्रपति जितनूर रहमान के अवसराल होने पर हाशिम के लिए सिंगापुर जाने के बाद संवैधानिक व्यक्तता के अनुसार 14 मार्च, 2013 से वह कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में संभाले हुए हैं.

नीदरलैण्ड्स

एक ऐतिहासिक चलना के तहत नीदरलैण्ड्स की महारानी बेट्रिक्स (Queen Beatrix) ने 30 अप्रैल, 2013 को 'कबीस है' के अवसर पर राजाद्वारा अपने ज्येष्ठ पुत्र विलेम अलेक्जेंडर (Willem-Alexander) को सीप दी. इसके साथ

ही विलेम एलेक्जेंडर नीदरलैण्ड्स के सम्राट हो गए. विलेज 123 वर्षों में यह पदवा अवसर है, जब नीदरलैण्ड्स को राजाद्वारा पर कोई पुरुष आसीन हुआ. बेट्रिक्स बेट्रिक्स 1980 से नीदरलैण्ड्स की महारानी थी.

मनेशिया

5 मई, 2013 को मनेशिया में सम्पन्न संसदीय चुनाव में सत्तासमूह कैबिनेट नेशनल गरीयु गठबन्धन सभा पर अन्य कक्षा बकास रखने में सफल रहा. 222 सदस्यीय संसद में 133 सीटों जीतकर सरकार के गठन हेतु आवश्यक बहुमत इस गठबन्धन ने प्राप्त कर लिया. इन चुनावों के पश्चात् 16 मई, 2013 को निर्वाचन प्रशासनको नजीब रज़ाक (Najib Razak) ही लगातार दूसरे कार्यकांड के लिए प्रधानमंत्री बर्तन बनाए गए.

पाकिस्तान

पाकिस्तान में 14वीं नेशनल असेम्बली के लिए 11 मई, 2013 को सम्पन्न चुनाव के परिणामों के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ की सत्ता में वापसी सुनिश्चित की. पाकिस्तानी संसद के निम्नले सदन-नेशनल असेम्बली की सीधे चुनाव से धरती जाने वाली 272 सीटों में से 269 सीटों के लिए ही मतदान 11 मई, 2013 को कराया गया था. नवाज़िज़ असेम्बली में 5 जून, 2013 को नवाज़ शरीफ की प्रधानमंत्री चुना गया.

ईरान

14 जून, 2013 को ईरान में सम्पन्न राष्ट्रपति चुनाव में सुखरावादी नेता और पूर्व परमाणु कार्यकांड हस्तक्षेपकारी नए राष्ट्रपति चुने गए. इस चुनाव में ईरानी जनता ने मारी मतों से उन्हें अखमनीयवाद का उत्तराधिकारी चुना. उन्हें 50-7 प्रतिशत से अधिक मत मिले.

कुवैत

16 जून, 2013 को कुवैत की सर्वोच्च न्यायालय ने संसद भंग करने के साथ ही चुनाव की घोषणा की. विपक्ष ने चुनावी प्रक्रिया में कुवैत के अमीर शेख मुबारक अल अहमद अल सबा द्वारा किए गए कारवाण को चुनौती दी थी, जिसे अहमद ने खारिज कर दिया.

वहुचर्चित संगठन/सम्मेलन/वैठक

गुटनियेल देशों का 16वीं शिखर सम्मेलन

30-31 अगस्त, 2012 के दौरान नेज़रान (ईरान) में गुटनियेल अन्वोधन (NAM-Non-Aligned Movement) पर 16वीं शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ. इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री श्री. मनमोहन सिंह नेतृत्व के लिए रवाना हुए थे.

नीची बिस्व हिन्दी सम्मेलन

21-24 सितम्बर, 2012 के दौरान दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में नीची बिस्व हिन्दी सम्मेलन सम्पन्न हुआ. यह पहला अवसर था जब



दुसरा आयोजन दक्षिण अफ्रीका में किया गया। इस-विदेश के लगभग 700 हिन्दी विद्वानों ने 'भाषा की अस्थिरता और हिन्दी का वैश्विक सम्पद' थीम वाले इस सम्मेलन में भाग लिया। ऐसा पिछला अंश विभव हिन्दी सम्मेलन जुलाई 2007 में न्यूयॉर्क (अमेरिका) में किया गया था।

मुरादा पणिवट्ट के स्वाधी / अम्बाजी सदस्य

15 सप्टेम्बर मुरादा पणिवट्ट के पाँच अम्बाजी सदस्य—भासा, कोलम्बिया, जर्नी, पुरातन व दक्षिण अफ्रीका की हिन्दी-विश्व सम्प्रदाय 31 दिसम्बर, 2012 को सम्मेलन को खूँ तब 1 अक्टूबर, 2013 से इसका स्थान अमेरिका, अमेरिका, रूस, दक्षिण अफ्रीका व लक्सेम्बर्ग में ले लिया है। इनकी सम्प्रदाय 31 दिसम्बर, 2014 तक खूँ लेने। इन 5 मुरादा पणिवट्ट का चुनाव मुरादा पणिवट्ट के 67वें वय में 18 अक्टूबर, 2012 को किया गया। इनके साथ ही मुरादा पणिवट्ट की सम्प्रदाय अब इस प्रकार को खूँ है—

- स्वाधी सदस्य (5)—अमेरिका, रूस, रूस व चीन।
- अम्बाजी सदस्य (18)—

1. 1 अक्टूबर, 2013 से 31 दिसम्बर, 2013 तक अमेरिका—पुर्तगाल, अमेरिका, कोलम्बिया, कोलम्बिया व लक्सेम्बर्ग।
2. 1 अक्टूबर, 2013 से 31 दिसम्बर, 2014 तक अमेरिका—अमेरिका, अमेरिका, रूस, दक्षिण अफ्रीका व लक्सेम्बर्ग।

'त्रिस्तन' का पाँचवाँ शिखर सम्मेलन

26-27 मार्च, 2013 के दौरान दक्षिण अफ्रीका के दरबन (Durban) में भारतीय, रूस, भारत, चीन व दक्षिण अफ्रीका के समूह 'त्रिस्तन' (BRICS—Brazil, Russia, India, China and South Africa) का पाँचवाँ शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह देश के उच्चस्तरीय विद्यमानदल के साथ 25 मार्च, 2013 को ही नई दिल्ली से स्वयं की गए थे। इसका शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले देशों में भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अतिरिक्त, ब्राजील की राष्ट्रपति दिल्मा रोस (Dilma Rousseff), रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin), चीन के राष्ट्रपति जी जिंपिंग (Xi Jinping) व मेक्सिको राष्ट्रपति फेरेर जूमा (Jacobo Zuma) शामिल थे। चीन के नए राष्ट्रपति जी जिंपिंग की अगुआई में कार्यभार संभालने के बाद किसी शिखर सम्मेलन में यह पहली ही भारतीय थी। शिखर के इस पाँचवें

शिखर सम्मेलन में पाँच देशों के 2 हजार प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिसका शिखर सम्मेलन का चीन—'त्रिस्तन एक अफ्रीका : चाईनाईस वॉर्ल्ड इक्विटी, इंडीपेंडेंस व एक्विटी' थी।

असियान के साथ भारत की 10वीं शिखर बैठक

19 नवम्बर, 2012 को कम्बोडिया की राजधानी नोम्पेन (Phnompenh) में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संघटन 'असियान' के साथ भारत की 10वीं शिखर बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में भाग लेने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह स्वयं की नोम्पेन पहुँचे थे। कम्बोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन की अध्यक्षता में पीस पीसे (Nempeh) में असियान नेताओं के साथ भारत की 10वीं शिखर बैठक में अपने सम्प्रदाय में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ भारत के ऐतिहासिक सम्बन्धों व प्राचीन सांस्कृतिक सम्बन्धों का स्वागत करने हुए कहा कि असियान के साथ अपने सम्बन्धों को भारत रचनात्मक रूप से सर्वाधिक प्राथमिकता देता है।

सातवाँ पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन

20 नवम्बर, 2012 को कम्बोडिया की राजधानी नोम्पेन (Phnompenh) में सातवाँ पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन (EAS) सम्पन्न हुआ। कम्बोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन की मेजबानी में सम्पन्न इस सम्मेलन में 'असियान' के सभी 10 सदस्यों के अतिरिक्त 8 अन्य राष्ट्रों ने भाग लिया। इस शिखर सम्मेलन में आनकावट, समुद्री सुरक्षा की समस्या व क्षेत्रीय सहज की अन्य समस्याओं पर चर्चा के बीच कोम्बोडियाई इकोनॉमिक पार्टनरशिप इन ईस्ट एशिया (CEPEA) के तहत की शीघ्र प्रारंभ करने पर चर्चा की गई। इस क्षेत्र में दक्षिण सम्बन्ध एवं भारतीयों में वृद्धि के लिए 'सम्पर्क' की अति महत्वपूर्ण मानते हुए इस मामले में ईएसए के सहयोग की आवश्यकता विभिन्न नेताओं ने बताई। सम्मेलन में सम्मोहित करने हुए विभिन्न देशों में सहयोग के लिए साक्षात् सिद्धांतों व सहयोग पूर्ण तन्तों की स्थापना की आवश्यकता भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने बताई। परम्परागत चर्चाओं के पश्चात् विकास प्रगत पर पूर्वी एशियाई शिखर सम्मेलन संघस्थापन नोम्पेन क्षेत्रका-व्यव में स्वीकार किया गया।

असियान-भारत संवाद भारतीयों के 20 वर्ष : असियान-भारत स्मृति सम्मेलन

दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के समूह असियान (ASEAN—Association of South East

Asian Nations) के साथ भारत की संवाद भारतीयों के 20 वर्ष तथा इस समूह के साथ भारत के शिखर चर्चा स्तरीय सम्बन्धों के 10 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में दो दिवसीय आतिथ्या-भारत स्मृति सम्मेलन 20-21 दिसम्बर, 2012 के दौरान सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में पूर्व 18-20 दिसम्बर, 2012 के दौरान भारत-असियान व्यापार मंत्रालय का आयोजन भी 'फिफेसी' (FICCI) द्वारा किया गया।

असियान के सभी 10 सदस्य देशों के नेता इस सम्मेलन में भागीदारी के लिए 20 दिसम्बर, 2012 को नई दिल्ली में उपस्थित थे। ब्रुनेई के मुलाना हाजी इब्राल मोहम्मद मुहम्मद कसबजाल (Haji Hassanali Mohd. Kassaruddin Waddanah), इण्डोनेशिया के प्रधानमंत्री डॉ. सुतोपो बांग्वायु मुयोनी (Dr. Susilo Bambang Yudhoyono), थाईलैंड के राष्ट्रपति वीर सै (Thein Sein), वियतनाम के प्रधानमंत्री नुयें तान हुन (Nguyen Tan Dung), फिलीपीन्स के प्रधानमंत्री मोहम्मद अकीन तुन अब्दुल रासक (Mohd. Najib bin Tun Abdul Razak), फिलीपीन्स के उपराष्ट्रपति जेरोमो बिनय (Jejomar Binay), सिंगापुर के प्रधानमंत्री ली हू सेन (Lee Hsien Loong), लाओस के प्रधानमंत्री वीरिय विसावो (Thongtham Thongsang), कम्बोडिया के प्रधानमंत्री हुन सेन (Hun Sen) व थाईलैंड की प्रधानमंत्री यिंगलक्ष सिनवात्रा (Yingluck Shinawatra) अपने अतिथि वं. यह पहला अवसर था, जब असियान के सभी दस देशों के नेता नई दिल्ली में उपस्थित थे। इस शिखर सम्मेलन का थीम ASEAN—India Partnership for Peace and Shared Prosperity था। सम्मेलन में एक विजन स्टेटेमेंट (Vision Statement) स्वीकार किया गया। इसमें राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक, सुरक्षा एवं विकाससमर्थक सहयोग के लिए दो नए निर्धारित किया गया है।

अफ्रीकी संघ का स्वर्ण जयन्ती शिखर सम्मेलन

25-27 मई, 2013 के दौरान इथोपिया की राजधानी अडिस अबबा (Addis Ababa) में 54 देशों के अफ्रीकी संघ (AU) का स्वर्ण जयन्ती शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ। 54 सदस्य देशों के अतिरिक्त 10 अन्य सम्बन्धी राष्ट्र संघटन की स्वागत के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में इस आयोजित स्वर्ण जयन्ती शिखर सम्मेलन में अत्यधिक किए गए थे। इनमें भारत की सम्मिलित था।

यात्रा परिदृश्य

भारतीय प्रधानमंत्री की जर्नी यात्रा

10-12 अप्रैल, 2013 के दौरान जर्नी के साथ दक्षिणी सम्बन्धों की नए आयाम प्रदान करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने देश के उच्चस्तरीय विद्यमानदल के साथ यूरोपीय देश जर्नी की यात्रा की। प्रधानमंत्री



के रूप में जर्मनी की उनकी यह तीसरी यात्रा थी, जिसका कुछ उद्देश्य जर्मनी के साथ दूसरी अन्तर-संकरीता करार सम्पन्न करना था.

भारतीय उपराष्ट्रपति की ताजिकिस्तान यात्रा

अग्रेत 2013 में भारत के उपराष्ट्रपति मोहम्मद सादिक अहमदी ने मध्य एशियाई देश ताजिकिस्तान की सम्भावना यात्रा की. चार दिन की उनकी यह यात्रा द्विपक्षीय सम्बन्धों के कितनेसे में की गई थी. उपराष्ट्रपति के रूप में ताजिकिस्तान की उनकी यह पहली यात्रा गी थी. साथ ही किसी भी भारतीय उपराष्ट्रपति की ताजिकिस्तान की यह पहली ही यात्रा थी.

भारतीय प्रधानमंत्री की जापान व बाइरैण्ड यात्रा

मई 2013 में भारत की 'पूर्व की ओर देशों-तुलक ईस्ट पॉलिसी' को नमस्कार प्रदान करने के लिए भारत के प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने देश के उत्तमस्तरीय ज्यम्भमण्डल के साथ पूर्व के दो देशों-जापान व बाइरैण्ड की पाँच दिनों की यात्रा की.

जापान-दो देशों की इस यात्रा के प्रथम सत्र में 27-30 मई, 2013 के दौरान वह जापान में रहे. उनकी जापान की यह यात्रा दोनों देशों के प्रधानमन्त्रियों की वार्षिक बैठक के विशेष सम्बन्ध में सम्पन्न की गई थी. वार्षिकीय उद्घाटन में जापानी समूहोंय हस्तिले करना प्रधानमंत्री की जापान यात्रा के मुख्य मुद्दों में था, किन्तु इस रिश्ता में कोई उल्लेखनीय प्रगति द्विपक्षीय वार्ता में नहीं हो सकी.

बाइरैण्ड-दो देशों की इस यात्रा के द्वितीय सत्र में 30 मई, 2013 को वह बँकॉक (थाइलैण्ड) पहुँचे. पारम्परिक प्रत्यक्षीय सन्धि के अतिरिक्त 6 विभिन्न सम्मेलन-सत्रों पर हस्ताक्षर इस यात्रा के दौरान हुए. बाई प्रधानमन्त्री के साथ वार्ता में प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने जापान विश्वविकास के लिए बाइरैण्ड की ओर से एक काष्ठ दौलत को मदद दिए जाने पर आकाश व्यक्त किया.

समझौते/संधियों/सन्धय

अमरीका-अफगानिस्तान

अफगानिस्तान के साथ सार्वजनिक सम्बन्धों को मजबूती प्रदान करने हुए अमरीका ने इसे 'महत्वपूर्ण गैर-नाटो सम्पत्ती' (Major Non-NATO Ally) का दर्जा प्रदान करने की घोषणा जुलाई 2012 में की. इससे वर्ष 2014 में अमेरिका के गैरपुत्र यात्रे वाले वार्ता की अफगानिस्तान से वापसी के बाद दोनों देशों के सार्वजनिक सम्बन्धों और सहयोग को बल मिलेगा. अफगानिस्तान को यह दर्जा प्रदान करने की घोषणा अमरीकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिन्टन ने 7 जुलाई, 2012 को काबुल में अफगान राष्ट्रपति हाकिम करज़ई से वार्ता के बाद की. अफगानिस्तान यह दर्जा हासिल ताता 15वीं देश है.

कांगो-रवाण्डा

16 जुलाई, 2012 को जेकाराजिन्क नगराज कांगो तथा रवाण्डा ने एक सेवीय औचित्य सम्मेलन पर हस्ताक्षर किए. इस सम्मेलन के अनुसार कांगो के पूर्वी हिस्से में विद्रोही गुटों के सहाय सम्बंध को समाप्त करने की सम्मति व्यक्त की गई है. इस सम्मेलन पर कांगो के राष्ट्रपति जोसेफ काबिला तथा रवाण्डा के राष्ट्रपति पॉल कैकेये ने हस्ताक्षर किए.

पाकिस्तान-अमरीका

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में नैशनल फोर्स (NATO) वार्ता के लिए महत्वपूर्ण साहो-सानान की आपूर्ति के लिए अपने देश में मार्ग जुलाई 2012 में पुनः उपलब्ध करा दिए हैं. नवम्बर 2011 में नाटो के एक हमले में 24 पाकिस्तानी सैनिकों के बलि जाने के पश्चात् पाकिस्तान ने आपूर्ति मार्ग बन्द कर दिए थे. इससे अमेरिका के साथ उनके सम्बन्धों में खटास आ गई थी. इसके लिए दोनों देशों के बीच एक समझौता-पत्र पर हस्ताक्षर 31 जुलाई, 2012 को लखनौपेसी में किए हैं.

हथियारों की अन्तर्राष्ट्रीय विक्री को विनियमित करने वाली सन्धि

हथियारों की अन्तर्राष्ट्रीय विक्री को विनियमित करने की दिशा में संयुक्त राष्ट्र संघ ने पहल की है. इस दिशा में एक महत्वपूर्ण सन्धि का मसौदा 2 अप्रैल, 2013 को पारित किया. आर्म्स ट्रेड ट्रेटी नाम से परिचित इस मसौदे के पक्ष में 154 व विपक्ष में 3 ही मत पड़े. विपक्ष में ईरान, सीरिया व उत्तर कोरिया ने मत दिया. भारत, पाकिस्तान, चीन, रूस, ब्राँझिका सहित कुल 23 देशों ने मतदान का बहिष्कार किया. सन्धि का अंगीकरण करने वाले देश देशों, युद्धक विमानों, निराश्रित साधनों आदि कन्वेन्शन हथियारों की विक्री करने समान मानवाधिकारों के संरक्षण जैसे मुद्दों की ध्यान में रखेंगे.

विभिन्न देशों की विशिष्ट एवं बहुचर्चित गतिविधियाँ

श्रीलंका

1. कोलम्बो रिजल जेल में कैदियों व सुरक्षा बलों के बीच सन्धि-9 नवम्बर, 2012 को श्रीलंका के कोलम्बो रिजल कैदिकक्षा जेल (Welikada Prison) में सुरक्षा बलों व कैदियों के बीच हुए भीषण सम्बंध में कम-से-कम 27 कैदियों की मृत्यु हो गई. कैदियों के पक्ष से प्रतिबन्धित वस्तुओं की खोज के लिए एक अर्द्ध सैन्य बन्धन/सैन्य टास्क फोर्स द्वारा की गई कार्यवाही में कैदी भड़क गए थे, जिससे भड़की हिंसा ने व्यापक रूप से निघा था. बड़ी संख्या में कैदी इस हिंसा में घायल भी हुए. काव में सेना ने स्थिति पर नियन्त्रण पाने में सफलता प्राप्त की.

2. मुख्य न्यायाधीश के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव-नवम्बर 2012 में वीरभरत सरोषण न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश जगिनी

भस्कराचार्य, जो इस द्वितीय राष्ट्र में मुख्य न्यायाधीश का पद धारण करती थी एवम्बन महिला हैं, के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव (Impeachment Motion) संसद में तय्यार गया. संसद के 75 से भी अधिक सदस्यों, जिसमें से अधिकांश सत्ता पक्ष के हैं, के हस्ताक्षरोंका यह प्रस्ताव सहीकर बनात राज्यको 1 नवम्बर, 2012 को सीमा गया. जिसमें पार्लियामेन्टरी सिनेट कमेटी (TSCC) को सन्दर्भित किया. महाभियोग प्रस्ताव में तय्यार हुए विधेयक व प्रस्तावकीय मामलों में कठोरता के आरोपों पर पुष्टाका के लिए संसदीय सचिवि ने न्यायमूर्ति फलानायेक को 23 नवम्बर, 2012 को बुलाया था. सरोषण न्यायालय के अनुरोध के बावजूद इस मामले में संसद ने कोई खतरा उन्हें प्रदान नहीं की.

3. श्रीलंका के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् में इराक-संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् (UNHRC—United Nations Human Right Commission) में 21 मार्च, 2013 को श्रीलंका में मानवाधिकारों के उल्लंघन के सम्बंध में अमेरिका समर्थित प्रस्ताव को पारित किया. भारत सहित 25 देशों ने इस प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि 47 सदस्यों परिषद् में 13 देशों ने इसका विरोध किया. प्रस्ताव के विपक्ष में मतदान करने वाले देशों में पाकिस्तान भी शामिल था. आठ देश मतदान से अनुत्तरिण रहे. संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद् के एक सदस्य गैबन के महाधिका के मुद्दे पर विवाद भी रहा. इस कारण गैबन मतदान में भाग नहीं ले सका.

चीन

नौसेक में फलत विमानवाहक युद्धपोत-चीन अब उच्च चर्चिता देशों में शामिल हो गया है. शिनझी नौसेना में विमानवाहक युद्धपोत शामिल है. पूर्व सोवियत संघ में निर्मित इस पोत, शिन्झा नौबिहमर बन्द में किया गया है. चीनी नौसेना में 25 सितम्बर, 2012 को शामिल किया गया. चीन ने यह युद्धपोत वूहैक भी खरीदा था. 1945 में जापान के कच्चे में चीन द्वारा मुक्त कराए गए एक प्रान्त के नाम पर इस युद्धपोत का नामकरण लिज्जोनिंग (Liaoning) किया गया है.

पाकिस्तान

दोहा नगरिक के सम्बन्ध में सरोषण न्यायालय द्वारा सुनवाई ताहित कई ताहित अन्वेषण सेरिण-दोहरी नगरिकता रखकर सचिवान के प्रावधानों का उल्लंघन करने के सम्बन्ध में पाकिस्तान के गृहमन्त्री रहमान मलिक तथा 11 अन्य सांसदों व विधायकों को पकड़लिये सरोषण न्यायालय ने अन्वेषण करना दिया है. मई 2012 तक ब्रिटेन की नगरिकता भी रहने वाले रहमान मलिक के सम्बन्ध में अन्वेषणता का सरोषण न्यायालय पर 20 सितम्बर, 2012 का एक फैसला उनकी 2008 में तथा जून 2012 में उल्लेख किया (नोटिड) की सदस्यता से सम्बन्धित है. ब्रिटेन नगरिकता छोड़ने के अपने दावे के सम्बन्ध में प्रमाण उपलब्ध नहीं कराए जाने के आधार पर मलिक की सदस्यता को सरोषण न्यायालय ने जून 2012 में तो निरुपेक्षित कर दिया था. जिसके पश्चात् संसद से व्यवस्थापक उन्हें देश पठा था. बाद

में जुलाई 2012 में उपन्यास लक्ष्मण वह पुनः सौन्दर्य के लिए निर्वाचित हुए थे।

आस्ट्रेलिया

संसद द्वारा सम्बैंगिक विवाह को मान्यता सम्बन्धी विधेयक सत्र-सितम्बर 2012 में सम्बैंगिक विवाहों को मान्यता प्रदान करने के लिए आस्ट्रेलियन संसद में लाया गए एक विधेयक को 'हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स' (असिम्बल सभा) ने रद्द कर दिया, दो दिन की लम्बी लड़ाई के बाद 19 सितम्बर, 2012 को विधेयक पर मतदान कराया गया था। प्रधानमंत्री जुलिया गिगार्ड ने अपनी पार्टी के सांसदों को पार्टी लाइन से हटकर स्वयंसेवक से इस पर मतदान करने की छुट्टी दी थी। प्रधानमंत्री जुलिया गिगार्ड तथा विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता टोनी एबोट उन सांसदों में शामिल रहे, जिन्होंने विधेयक के विरोध में मतदान किया। संसद में यह विधेयक 42-98 के मतान्तर से खारिज हुआ।

सऊदी अरब

सत्ताहारी विचार 'अश्र' में महिलाओं को स्थान-सिद्धांतों को मान्यता प्रदान करने के पश्चात् सामाजिक मुद्दों की दिशा में एक बड़ा बदल दर्ज हो रहा है। अरब के राजा अबदुल्ला ने महिलाओं को देश की सर्वोच्च सत्ताहारी विचार 'अश्र' काउंसिल में 30 स्थान प्रदान किया है, यह पहला अवसर है, जब इस मुद्दे पर प्रधान देश में महिलाओं को शुरु में शामिल किया गया है। 150 सरकारी अश्र सचिव सऊदी अरब में सर्वोच्च सत्ताहारी विचार है।

अमेरिका

यहक ओबामा की लोकप्रियता में गिरावट-अमेरिका में हुए राज सौलक्षण में राष्ट्रपति बराक ओबामा की लोकप्रियता में 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। सितम्बर 2012 के बाद यह पहला अवसर है, जब मार्च 2013 में उनकी रेटिंग 50 प्रतिशत से नीचे पहुंच गई है। सीएनए/ओआरमी इंटरनेशनल सर्वेक्षण के अनुसार 47 प्रतिशत लोगों ने ओबामा के कामकाज की सराहना की और 50 प्रतिशत लोगों ने उनकी आपत्तिका की। राजा सर्वेक्षण में ओबामा की रेटिंग 47 प्रतिशत के असफल दर्ज की गई है।

विश्वामे

नवा सचिव सामू-22 मई, 2013 को अफ्रीकी देश जिम्बाब्वे में राष्ट्रपति रोबर्ट मुगाबे ने नए संविधान पर हस्ताक्षर किए, जिसके साथ ही वही यह लागू हो गया। नए संविधान ने 1980 के संविधान के लानु नए चुनाव में वर्ष 2013 के अन्त तक कराए जाएंगे। नए संविधान में राष्ट्रपति की शक्तियों में कटौती की गई है।

यॉन्गान्देश

1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान मानवक के सिरा अस्थियों के लिए एक और बेल की खोज की गई-9 मई, 2013 को कांगदेश के 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना का साथ देने वाले जवान-सुदामा के एक अन्य हिस्सा नेता मोहम्मद कुमाकमान को नरसंहार व ता के किन्दा अंतरण के लिए मील की

सजा कांगदेश के एक विशेष न्यायालय ने सुनाई। वह ऐसे वही अनेकों हैं, जिन्हें 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान पाकिस्तानी सेना का पक्ष लेने के लिए दौरी करार दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय क्षतियाँ

सैली राइड

23 जुलाई, 2012 को अमेरिका की पहली महिला अन्तरिक्ष यात्री सैली राइड का निधन हो गया। वह 61 वर्ष की थीं। 26 मई, 1951 को अमेरिका के कैलिफोर्निया में जन्मी राइड स्टेल्थरॉड किमब्रिजलक्ष में भौतिकी और अंतरिक्ष में स्नातक किया। 1977 में किमब्रिजलक्ष की पत्रिका में उपेक्षणपत्र को देखकर उन्होंने अमेरिकी अन्तरिक्ष एजेंसी 'नासा' के लिए आवेदन किया था। 1978 में नासा ने उन्हें अन्तरिक्ष यात्री के तौर पर नियुक्त किया। वह पहला अंतरिक्ष यात्री, जो नासा ने महिलाओं के लिए अन्तरिक्ष के दरवाजे खोले थे। राइड ने पहली बार 1983 में अमेरिका के सातवें स्पेस मिशन के लानु सैलेंटर यात्र से अन्तरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी।

नोरोदम विमानक

15 अक्टूबर, 2012 को कम्बोडिया के पूर्व नेता नोरोदम सिहानुक का बीजिंग में निधन हो गया। वह 89 वर्ष के थे।

अमेरिका व निवृत्तताई देवों में 'संघ' तुषन का कर

अक्टूबर 2012 के अंतिम सत्रण में अमेरिका व निवृत्तताई देवों, ईरान, यमन, म्यांमार और देश सैदी तुषन के कर का हिकार कर, तुषन के करण सत्रण में उर्वरि विर-14-14 इन उर्वरि लार्ड म्यूरॉक के केनरी हवाई अड्डे पर, लगभग एक बत्क कर इन्वी त्रिजल का तुषन अमेरिका के लार्डरी हवाई में आया, जिसने इन देश के घरी अन्तराी सत्रे तुर्वी त्रिजल क्षेत्र में घरी त्रिजली सत्रे। अक्टूबर के 20 में से 24 राज्य इस अक्षर में प्रगति हुए, परन्तु आस्था का सत्राधिक सत्रिजल म्यूरॉक व न्यू जर्सी को नुगतल पक्ष। कर विस्तार 253 लार्ड की कर्ण अक्टूबर में इस अक्षर में गई। अक्षर में वर्ष 2011 की फ्रुवेलिज प्रगति तुषन को क्षर में सत्रे तुर्वे अपने तीन प्रगति सत्रे की अक्टूबर ने बत्क कर रिज का।

हागो शावेज (Hugo Chavez)

5 मार्च, 2013 को बाराकामा के सैन्य अस्पताल में वेनेजुएला के राष्ट्रपति हागो शावेज का 58 वर्ष की आयु में निधन हो गया। 14 वर्ष तक सत्ता में रहने के बाद अक्टूबर 2012 में वह पुनः निर्वाचित हुए थे, परन्तु स्वास्थ्य समस्याओं के चलते 10 जनवरी, 2013 को अत्यंत गहरे लक्ष्मी बने थे, हागो शावेज विलिन अमेरिका के सत्रे किन्दासल नेताओं में से एक थे। सत्रे में वह अखिर वर्ष 1992 में सैन्य लक्ष्मापत्त की सिरा विलिन के बाद वेन के सत्रे में सत्रे सत्रे सुत्रियों में आए थे। पुनः 6 वर्ष बाद ही वेनेजुएला

की राजनीति में सत्रे उद्यम-सुद्यत के बाद वह जनकोश की लक्ष्मी पर सत्रे होकर राष्ट्रपति की कुर्सी तक पहुंच गए।

जॉर्ज लोव

मास्टर्ड एक्सेल्ट पर सत्रेसत्रापूर्वक लार्ड करने सत्रे सत्रे सत्रे के अन्तिम अंतिम सत्रेस जॉर्ज लोव का 20 मार्च, 2013 को सत्रे हंगेवेल में 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जॉर्ज लोव और उनके मित्र एलनर विलेसि म्यूरॉक के निवासी थे। इन्होंने वर्ष 1953 में ब्रिटेन के नेतृत्व में विश्व की सत्रे की लोवरी वही वही सत्रे का प्रयास किया था, जॉर्ज लोव उस क्षेत्र से सत्रे के हिस्सा में, जिसने पहाड़ से 1000 फुट (300 मीटर) नीचे 28 मई, 1953 को अन्तिम सत्रेस हस्ता था, अन्ते रिज 29 मई, 1953 को सत्रे की और नेपास के नेतृत्व नार्गे 29,035 फुट (8,850 मीटर) की लोवरी पर पहुंच गए थे।

जितनर रहमान

कांगदेश के राष्ट्रपति जितनर रहमान का 20 मार्च, 2013 को सिंगपुर के मास्टर्ड एक्सेलस अन्तिम में निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। कांगदेश के कार्यवाहक राष्ट्रपति और ज्ञानी संसद के सत्राधिक अन्तिम सत्रेस ने रहमान के सम्मान में तीन दिन के सत्रेस लोक की श्रद्धा की। अन्तिम सत्रेस 14 मार्च, 2013 को कार्यवाहक राष्ट्रपति ने। जितनर रहमान वर्ष 2009 में कांगदेश के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे।

रुथ प्रोपर लक्ष्माणा

जर्मीन मूल की ब्रिटिश उद्योगकार रुथ प्रोपर लक्ष्माणा, जो एक भारतीय के साथ विवाह कर वर्षों बाद में रही थी, का 86 वर्ष की आयु में अंतिम 2013 में निधन हो गया। उनके उद्योगकार 'रुथ एण्ड डब्लू' के 1975 में उन्हें बुकर पुरस्कार में तथा ओरोजी फिल्म 'ए ब्वाय एंड यू' (1986) व 'सौवर्ण्य एण्ड' (1992) में पद्मश्री के लिए ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया था, रुथ प्रोपर लक्ष्माणा एकमात्र जर्मीन हैं, जिन्हें साहित्य के क्षेत्र में बुकर पुरस्कार व शिमा के क्षेत्र के ऑस्कर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जिरोपोन किमुत

12 जुलाई, 2012 को विश्व के सबसे ज्यादा उद्योगकार जिरोपोन किमुत का 116 वर्ष की आयु में निधन हो गया। सत्रे 1897 में जने जिरोपोन किमुत का नाम सत्रे सत्रे 17 सितम्बर, 2012 को निवृत्त बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में तुलना के सत्रे उद्योगकार विलिन के सत्रे में दर्ज किया गया था।

विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय घटनाएँ/सामयिक टिप्पणियाँ

द शार्ड

5 जुलाई, 2012 को लंदन में यूरोप की सबसे ऊँची इमारत 'द शार्ड' का उद्घाटन किया गया। इससे पूर्व यूरोप की सबसे ऊँची इमारत



मॉस्को स्थित 'कैपिटल सिटी टॉवर' की, 'द जर्दी' 95 मीटर की इमारत है जब इसकी ऊंचाई 310 मीटर है। इसका डिजाइन इटली के 'नैजो पियानो' ने तैयार किया है।

हक्कानी नेटवर्क

हक्कानी नेटवर्क अफगानिस्तान तथा पाकिस्तान में सक्रिय संगठन है। 27 जुलाई, 2012 को अमेरिकी सोनेट ने निर्देशित एक प्रशस्ति को स्वीकृति प्रदान की, जिसमें 'हक्कानी नेटवर्क' को आतंकी संगठनों की सूची में रखे जाने की घोषणा की गई थी।

योरो ड्रम

यह एक आतंकवादी संगठन है, जिसका सम्बन्ध अल-कायदा से बताया जा रहा है। 12 अक्टूबर, 2012 को अफ्रीकी देश नजीबेरिया के बोरोने प्रान्त में सेना ने एक कार्रवाई में इस आतंकी संगठन के 20 सदस्यों को मार गिराया गया।

ऐलिजावेथ टॉवर

ब्रिटेन के वेस्टमिंस्टर स्थित ऐलिजावेथ किंग बैन क्राउन टॉवर का नाम अब ऐलिजावेथ टॉवर कर दिया गया है। महारानी ऐलिजावेथ के शासन के 60 वर्ष पूरे होने पर उनके सम्मान में इसका नाम परिवर्तित किया गया है। ब्रडस ऑफ कामंस के अध्यास जॉन बरकाऊ ने सितम्बर 2012 में इस कमीशन के नए नाम की पेटिटका का एक समालोचन में अनावरण किया। ब्रडस ऑफ कामंस

ने इस टॉवर का नाम महारानी के नाम पर रखने का निर्णय जून 2012 में किया था।

अर्थ ऑवर

जलवायु परिवर्तन आने वाले संकट का संकेत है। जलवायु परिवर्तन के सितमिले में उद्घाटन करने वाले कदमों के प्रति जागरूकता लाने के लिए प्रति वर्ष 'अर्थ ऑवर' मनावर जाता है। इस काम में भारत सहित विश्व के अधिकांश देशों में 'अर्थ ऑवर' 23 मार्च, 2013 को मनाया गया। वर्ष 2013 के इस कार्यक्रम में भारत के 150 अंतर-वर्ल्डवाइड फेडरेशन के सदस्य पर मनाए जाने वाले 'अर्थ ऑवर' में शामिल रहे। इसके तहत जावातीय व सरकारी ठिकानों पर सुबि 8-30 से 9-30 बजे तक सभी अनावश्यक काम बन्द कर दिए हैं। 'अर्थ ऑवर' की शुरुआत 2007 में अस्ट्रेलिया में हुई थी।

माइक्रोसॉफ्ट 2013

सॉफ्टवेयर की शीर्ष कम्पनी माइक्रोसॉफ्ट ने एमएस ऑफिस का नया संस्करण 'माइक्रोसॉफ्ट 2013' जारी किया है। यह संस्करण पर्सनल कम्प्यूटर, टेबलेट के साथ टचस्क्रीन वाले डिवाइस में भी प्रयोग हो सकता है। इसे की-बोर्ड, माउस के अतिरिक्त टचस्क्रीन पर भी ऑपरेट किया जा सकता है। यह हाथ से लिखे अक्षरों को स्कैन टेक्स्ट में बदल देगा। यह लीन मीटिंग्स-ऑफिस-365 होम प्रीमियम, ऑफिस-365 बिजनेस

प्रीमियम व ऑफिस-365 प्रो प्लान, में उपलब्ध होगा।

सौंप का वर्ष

चीन में 12 वर्षों के ज्योतिष चक्र के अन्तार पर लगभग 12 वर्षों का नामकरण अलग-अलग योजनाओं के नाम पर होगा है। इसी संक्रांति में वर्ष 2013 को 'सौंप का वर्ष' के रूप में भीष डाल मनाया जा रहा है। 10 फरवरी, 2013 से 'सौंप के वर्ष' का शुभारम्भ नहीं हुआ, इस संक्रांति में 2014 'शेरों का वर्ष' चीन में होगा।



क्याई संदेश

की नेकी बिजनेसमैन का कथन सुनोप्राप्तों द्वारा अपेक्षित तरीके के साथसे से रहा मना-

सब में सुनना अधिकारी के पद पर हो गया है। श्री बिजनेसमैन 'प्रसिद्धिदाता दर्पण' की गुप्तता की शेर देते हुए इसे एक विशिष्ट पत्रिका बनते हैं। प्रसिद्धिदाता दर्पण परिकार



नेकी बिजनेसमैन

की बिजनेसमैन जी को उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर कौटुंबिक बधाईया प्रेषित करता है।

—सम्पादक

वैटरी ऑफ साइकलॉजिकल टेस्ट की पूर्ण परीक्षण पुस्तक

उपकार नवीन प्रस्तुति

एस. एस. बी.

मनोवैज्ञानिक परीक्षण पुस्तक

एस. एस. बी.

(पुरुष एवं महिला कमीशन के लिए)

लेखक **जे.पी. मल्ल**

सुनीता सिंह तोमर

Code No. 2248

मूल्य : ₹ 150/-

English Edition Code No. 3800 Price : ₹ 140/-

यह पुस्तक एन.सी.सी. एवं एस.एस.बी. की सारी एण्ट्रीज के लिए आवश्यक है.

उपकार प्रकाशन, आगरा - 2

E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in

उपकार

एल.आई.सी.

सेल्स एक्जीक्यूटिव्स

चयन परीक्षा

लेखक : डॉ. तत एल जेन कोड नं. 1478 मूल्य : ₹ 2100/-

प्रमुख आकर्षण

एल.आई.सी.

सेल्स एक्जीक्यूटिव्स

चयन परीक्षा

सामान्य ज्ञान

तर्कशक्ति परीक्षा

अंकगणितीय योग्यता

सेल्स एण्ट्रीयूब

ENGLISH EDITION Code No. 1666 ₹ 195/-

उपकार प्रकाशन, आगरा-2

E-mail : care@upkar.in Website : www.upkar.in





SSC EXAM

राष्ट्रीय आय

- 2012-13 में राष्ट्रीय आय सम्बन्धी संक्षेपित और संशोधित आँकड़े : विस्तार दर का अनुमान 5 प्रतिशत पर व्यक्त

केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा जारी राजा संशोधित आँकड़ों में 2012-13 में देश का सकल घरेलू उत्पाद (2004-05 के बियर मूल्यों पर) 55,05,437 करोड़ रुपए आकलित किया गया है, 2011-12 में यह 52,43,582 करोड़ रुपए रहने का सीमासी का 31 जनवरी, 2013 का प्रस्तावित संशोधित अनुमान था। जीडीपी आँकड़ों में संशोधन के प्रभावों पर 2012-13 में आर्थिक वृद्धि 5.0 प्रतिशत हो अनुमानित की गई थी। 2012-13 में सकल राष्ट्रीय उत्पाद, राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय आदि के आँकड़ों में भी संशोधन सीमासी द्वारा मई 2013 में किया गया है, किन्तु 31 मई, 2013 के दो आँकड़े 7 फरवरी, 2013 के आँकड़ों के काफी निकट ही हैं। जीडीपी, जीएनपी व प्रति व्यक्ति आय के राजा संशोधित आँकड़े बॉक्स में दर्शाए गए हैं।

बानू कीर्तियों पर राष्ट्रीय आय के अन्तिम अनुमान (2012-13)

(धनवति करोड़ रुपए)

	वर्ष	2010-11 द्वितीय संशोधित अनुमान	2011-12 प्रथम संशोधित अनुमान	2012-13 अन्तिम अनुमान
अ	कुल योग्य तार पर			
1.1	राष्ट्रीय उत्पाद			
1.1	साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	7,185,160	8,276,665	93,61,113
			(15-2)	(13-1)
1.2	साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय आय (NNI)	6,422,359	7,399,94	83,67,706
			(15-2)	(13-1)
2	घरेलू उत्पाद			
2.1	साधन लागत पर सकल उत्पाद (GDP)	7,266,967	8,353,495	94,61,013
			(15-0)	(13-3)
2.2	बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	7,795,314	8,974,947	1,00,20,620
			(15-1)	(11-7)
2.3	साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP)	6,504,166	7,476,764	84,67,606
			(15-0)	(13-3)
3	प्रति व्यक्ति आय स्तर			
	जनसंख्या (मिलियन)	1,186	1,202	1,217
	साधन लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय	54,151	61,564	68,757
			(13-7)	(11-7)
	साधन लागत पर प्रति व्यक्ति जीडीपी	61,273	69,497	77,740

नोट—कोष्ठक में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दी गयी है।

राष्ट्रीय आय तथा सकल घरेलू उत्पाद पर व्ययों के अन्तिम अनुमान (2012-13)

(2004-05 की कीमतों पर)

(धनवति करोड़ रुपए)

	वर्ष	2010-11 द्वितीय संशोधित अनुमान	2011-12 प्रथम संशोधित अनुमान	2012-13 अन्तिम अनुमान
अ	कुल योग्य तार पर			
1.1	राष्ट्रीय उत्पाद			
1.1	साधन लागत पर सकल राष्ट्रीय आय (GNI)	4,882,249	5,196,848	5,449,104
			(6-4)	(4-9)
1.2	साधन लागत पर निवल राष्ट्रीय आय (NNI)	4,310,195	4,572,075	4,766,754
			(6-1)	(4-3)
2	घरेलू उत्पाद			
2.1	साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	4,937,006	5,243,582	5,505,437
			(6-2)	(5-0)
2.2	बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद (GDP)	5,296,108	5,631,379	5,813,664
			(6-3)	(3-2)
2.3	साधन लागत पर निवल घरेलू उत्पाद (NDP)	4,364,952	4,618,809	4,823,087
			(5-8)	(4-4)
3	प्रति व्यक्ति आय स्तर जनसंख्या (मिलियन)	1,186	1,202	1,217
	साधन लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय	36,342	38,037	39,168
			(4-7)	(3-0)
	साधन लागत पर प्रति व्यक्ति जीडीपी	41,627	43,624	45,238

कोष्ठक में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि दी गयी है।

- 2013-14 में भारत में आर्थिक वृद्धि के मामलों में विश्व बैंक, आर्कएफएफ व एडीसी के पूर्वानुमान

बानू वित्तीय वर्ष 2013-14 में भारत में सम्भावित आर्थिक वृद्धि दर के सम्बन्ध में

अपने नए पूर्वानुमान विश्व बैंक, आर्कएफएफ मुद्रा कोष (IMF), एमियाई विकास बैंक (ADB) व ओईसीडी आदि अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं ने हाल ही में व्यवसाय/संशोधित किए हैं। विश्व बैंक ने 6 माह पूर्व, सितम्बर 2012 में 2013-14 में भारत में आर्थिक वृद्धि 7.0 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया था, जो अब अप्रैल 2013 में 6.1 प्रतिशत व्यक्त किया गया है। अगले वित्तीय वर्ष 2013-14 में यह वृद्धि 6.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक की भारत सम्बन्धी रिपोर्ट इंडिया डेवलपमेंट अवॉर्ड में अप्रैल 2013 में जकारा की गई है। उपर अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) के राजा आकलन के अनुसार कैपेक्टर वर्ष 2013 में भारत में आर्थिक वृद्धि 5.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। आर्कएफएफ की अप्रैल 2013 में जारी रिपोर्ट में 2014 में भारत में आर्थिक वृद्धि 6.2 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। एमियाई विकास बैंक (ADB) का 2013-14 में भारत में वृद्धि दर का पूर्वानुमान लगभग 6 प्रतिशत वृद्धि का है, जबकि 2014-15 के लिए यह पूर्वानुमान 6.5 प्रतिशत का व्यक्त किया गया है। पैरिस क्लिय ऑर्गेनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक कोऑपरेशन एण्ड डेवलपमेन्ट (OECD) का

2013-14 में भारत में आर्थिक वृद्धि 5-9 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान 5-9 प्रतिशत का नवम्बर 2012 में था, जो अब घटकर 5-3 प्रतिशत मई 2013 में किया गया है।

हालांकि यह है कि भारत के केन्द्रीय सांख्यिकीय ब्यूरो (CSO) ने 2012-13 में भारत में आर्थिक वृद्धि 5-0 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया हुआ है तथा 2013-14 में यह वृद्धि 6-1 से 6-7 प्रतिशत के बीच रहने की सम्भावना विश्व मंडालय की फरवरी 2013 की आर्थिक समीक्षा (Economic Survey) में व्यक्त की गई है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की अप्रैल 2013 की विष्णु शर्मा व इकोनॉमी रिपोर्ट में 2013-14 में देश में आर्थिक वृद्धि 6-4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है।

● 2012-13 की पहली तिमाही में 5-5 प्रतिशत की वृद्धि के पश्चात् दूसरी तिमाही में वृद्धि दर 5-3 प्रतिशत हो रही : सीएसओ आकलन

चाहू वित्तीय वर्ष 2012-13 में देश में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में वृद्धि पिछले 10 वर्षों में न्यूनतम रहने की सम्भावना है। इस आशय का संकेत इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में प्राप्त की गई वृद्धि की नीची दर से निकलता है, 2012-13 के पहले तीन महीनों (अप्रैल-जून 2012) में आर्थिक वृद्धि 5-5 प्रतिशत रही थी, जो दूसरी तिमाही (जुलाई-सितम्बर 2012) में 5-3 प्रतिशत हो प्राप्त की जा सकी है। जुलाई-सितम्बर 2012 में सकल घरेलू उत्पाद में 5-3 प्रतिशत की यह वृद्धि पिछले तीन वर्षों में किसी भी तिमाही में जीडीपी वृद्धि का निम्नतम स्तर है। इससे इस वित्तीय वर्ष की

पहली छमाही (अप्रैल-जून 2012) में जीडीपी वृद्धि 5-4 प्रतिशत हो दर्ज की गई है, वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में 6-5 प्रतिशत की वृद्धि भी संदिग्ध प्राप्त की जा सकी, तो भी इस पूरे वित्तीय वर्ष में 6-0 प्रतिशत की वृद्धि ही प्राप्त की जा सकती, जो पिछले 10 वर्षों में न्यूनतम होगी।

2012-13 की दूसरी तिमाही में जीडीपी वृद्धि के अंकित सीएसओ द्वारा 30 नवम्बर, 2012 को जारी किए गए थे। इन अनिश्चित अंकड़ों के अनुसार जुलाई-सितम्बर 2012 में कृषि, उद्योग व सेवा क्षेत्र में वृद्धि क्रमशः 1-20 प्रतिशत, 1-16 प्रतिशत व 7-10 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो पूर्व वर्ष की स्थान अवधि में क्रमशः 2-90 प्रतिशत, 0-78 प्रतिशत व 7-36 प्रतिशत थी।

आर्थिक क्रियाओं के अनुसार साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद के अन्तिम अनुमान (2004-05 की कीमतों पर) (2012-13)

(प्रस्तावित र कटौत)

उद्योग	2010-11 द्वितीय संशोधित अनुमान	2011-12 प्रथम संशोधित अनुमान	2012-13 अन्तिम अनुमान	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि (वार्षिक विकास दर)	
				2011-12	2012-13
1. कृषि, पशुधनी एवं मत्स्य पालन	713,477	7,39,495	7,53,610	3.6	1.9
2. खनन एवं उत्खनन	108,938	1,08,249	1,07,619	-0.6	-0.6
3. विनिर्माण	801,476	8,23,023	8,31,648	2.7	1.0
4. विद्युत, गैस एवं जलानुपूर्ति	92,773	98,814	1,02,918	6.5	4.2
5. निर्माण	390,692	4,12,412	4,30,277	5.6	4.3
6. व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार	1,345,660	14,40,312	15,23,034	7.0	6.4
7. वित्तीय, बीमा, स्वास्थ्य सम्पदा एवं व्यावसायिक सेवाएं	849,632	9,48,808	10,30,684	11.7	8.6
8. सामुदायिक, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं	634,358	6,72,469	7,16,645	6.0	6.6
9. साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद	4,937,006	52,43,582	55,05,437	6.2	5.0

आर्थिक क्रियाओं के अनुसार चाहु कीमतों पर साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद के अन्तिम अनुमान (2012-13)

(प्रस्तावित र कटौत)

उद्योग	2010-11 द्वितीय संशोधित अनुमान	2011-12 प्रथम संशोधित अनुमान	2012-13 अन्तिम अनुमान	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि (वार्षिक विकास दर)	
				2011-12	2012-13
1. कृषि, पशुधनी एवं मत्स्य पालन	13,06,942	14,65,753	16,44,834	12.2	12.2
2. खनन एवं उत्खनन	1,96,092	2,01,076	2,18,910	2.5	8.9
3. विनिर्माण	10,80,750	12,02,086	12,79,966	11.2	6.5
4. विद्युत, गैस एवं जलानुपूर्ति	1,31,008	1,44,817	1,70,238	10.5	17.6
5. निर्माण	5,95,454	6,85,204	7,67,388	15.1	12.0
6. व्यापार, होटल, परिवहन एवं संचार	17,74,708	21,02,558	24,09,965	18.5	14.6
7. वित्तीय, बीमा, स्वास्थ्य सम्पदा एवं व्यावसायिक सेवाएं	11,65,901	13,84,481	16,17,397	18.7	16.8
8. सामुदायिक, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं	10,16,112	11,67,520	13,52,314	14.9	15.8
9. साधन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद	72,66,967	83,53,495	94,61,013	15.0	13.3

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की रिपोर्ट ऑफ द इकोनॉमी में अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा

अर्थव्यवस्था की स्थिति के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की ताजा रिपोर्ट 18 अप्रैल, 2013 को जारी की गई. अर्थव्यवस्था के विभिन्न पक्षों का वैशेष-जोड़ा प्रस्तुत करने वाली इस रिपोर्ट में 2013-14 में भारतीय अर्थव्यवस्था में जुड़ि 6.4 प्रतिशत करने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है. इससे पूर्व 2012-13 में जुड़ि 5 प्रतिशत करने की सम्भावना सोझाओ ने व्यक्त की हुई है. रिपोर्ट ऑफ द इकोनॉमी 2012-13 तीर्थक जारी इस रिपोर्ट में बताया गया है कि सन्धिर्षत वर्ष (2013-14) में कुपि सेन में जुड़ि 3-5 प्रतिशत करने की सम्भावना है, जबकि विनिर्मापी व सेवाओं में जुड़ि क्रमशः 4-0 प्रतिशत व 7-7 प्रतिशत करने का पूर्वानुमान इसमें व्यक्त किया गया है.

वित्तीय वर्ष 2012-13 के अंत में मुद्रास्फीति की योग्य मूल्य सूचकांक आधारित दर 5-96 प्रतिशत (अन्तीम) रही है. प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् की इस रिपोर्ट में वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान योग्य मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 6 प्रतिशत के अनुमान करने की सम्भावना व्यक्त की गई है. साथ ही प्रादमरी कूट इन्फ्लेशन तपन 8 प्रतिशत, प्रभुत इन्फ्लेशन तपन 11 प्रतिशत तथा विनिर्मापी उत्पादों के मामले में वह 4 प्रतिशत के अनुमान करने की सम्भावना रिपोर्ट में व्यक्त की गई है.

बानु खाते के घाटे (Current Account Deficit—CAD) के सम्बन्ध में रिपोर्ट ऑफ द इकोनॉमी (2013-14) में कहा गया है कि 2013-14 में वह 100 अरब डॉलर (बीसीपी का तपन 4-7 प्रतिशत) करने की सम्भावना है. वस्तुतः व्यापार (Merchandise Trade) में वर्ष 213 अरब डॉलर (बीसीपी का 9-9 प्रतिशत) का घाटा करने का पूर्वानुमान रिपोर्ट में व्यक्त किया गया है, वहीं अनुपय वर्गों में निरत प्राप्ति (Net Earning from invisibles) 113 अरब डॉलर (बीसीपी की 5-3 प्रतिशत) सम्पादित है. बानु खाते के घाटे को उन्नी उच्च स्तर पर मानते हुए तीन सीसी-कोषण, स्वर्ण व तेल पर इससे निपटने की बात रिपोर्ट में कही गई है. इसमें बताया गया है कि 2013-14 में तेल आयात कि 125 अरब डॉलर करने का अनुमान है, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक होगा.

समाकलनीय घाटे (Fiscal Deficit) के सम्बन्ध में रिपोर्ट ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट में बताया गया है कि 2012-13 में संशोधित अनुमान में यह ₹ 5,20,924 करोड़ रहा है, जबकि 2013-14 में यह ₹ 5,42,499 करोड़ करने का अनुमान है.

विदेशी मुंजी के अन्तर्ग्रह के मामले में रिपोर्ट में कहा गया है कि 2013-14 में देश में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) का निरत अन्तर्ग्रह 24 अरब डॉलर का अपेक्षित है, जबकि विदेशी संस्थागत निवेश (FII) 18 अरब डॉलर करने की सम्भावना इसमें कही गई है. रिपोर्ट में कहा गया है कि विदेशी मुंजी का निरत अन्तर्ग्रह सन्धिर्षत वर्ष में बानु खाते के घाटे की श्रम्यई करने में सहायक होगा.

अर्थव्यवस्था में वेहरा विकास सुनिश्चित करने के लिए, जो मुद्रास्फीति में लिए गए हैं, उन्हें परिपोषकों की नीति मंजुरी, बानु खाते के घाटे में कमी लाया तथा इस घाटे के सुविधानक स्थितिन हेतु मुंजी खाते के घाटे का सुधित प्रपणन, मुंजी के अन्तर्ग्रह को प्रोत्साहित करना, मुद्रास्फीति व निर्वन्धन उपाय तपन तथा उन्नी की भी उन्धयता में तुषार करना आदि शामिल हैं.

विभिन्न देशों की कम मानव विकास (Low Human Development) वाले देश मानव विकास सूचकांक का मान 0-535 तक, मध्य विकास (Medium Human Development) वाले देश सूचकांक का मान 0-536 से 0-710 तक, उच्च मानव विकास (High Human Development) वाले देश (0-711-0-796) तथा बहुत-बहुत उच्च मानव विकास (Very High Human Development) वाले देश (0-797-1-00) के रूप में रिपोर्ट में वर्गीकृत किया गया है. रिपोर्ट में 47 देश बहुत उच्च मानव विकास वाले देशों के रूप में, 47 देश उच्च मानव विकास वाले देश के रूप में, 47 देश मध्य मानव विकास वाले देश के रूप में तथा शेष 46 देश निम्न मानव विकास वाले देश के रूप में वर्गीकृत हैं. बहुत उच्च मानव विकास वाले देशों में जहाँ नौवें आर्थिक, अमेरिका, जर्मनी व जापान आदि देश शामिल हैं. इनमें सर्वोच्च सूचकांक नौवें का

मानव विकास सूचकांक की दृष्टि से पहले 10 राष्ट्र

क्र.	राष्ट्र	मानव विकास सूचकांक
1.	नॉर्वे	0-955
2.	अस्ट्रेलिया	0-938
3.	अमेरिका	0-937
4.	नोर्वेगेलैंड	0-921
5.	जर्मनी	0-920
6.	न्यूजीलैंड	0-919
7.	आयरलैंड	0-916
8.	स्वीडन	0-916
9.	चिदरागेलैंड	0-913
10.	जापान	0-912
12.	दक्षिण कोरिया	0-909
26.	यू. के.	0-875
41.	संयुक्त राज्य अमेरिका	0-818
45.	अर्जेंटीना	0-811
55.	रूस	0-788
57.	सऊदी अरब	0-782
64.	मलेशिया	0-769
85.	ब्राजील	0-730
92.	बीजिंग	0-715
101.	चीन	0-699
103.	थाईलैंड	0-690
112.	मिस्र	0-662
121.	दक्षिण अफ्रीका	0-629
136.	भारत	0-554
140.	भूटान	0-538
146.	बांग्लादेश	0-515
146.	पाकिस्तान	0-515
157.	नेपाल	0-463
175.	अफगानिस्तान	0-374

भारतीय अर्थव्यवस्था के चुनिन्दा संकेतांक

- **कुलबीपी की मानव विकास रिपोर्ट (2013) में मानव विकास की दृष्टि में भारत का 136वीं स्थान**

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) की वर्ष 2013 की मानव विकास रिपोर्ट (Human Development Report-2013) 14 मार्च, 2013 को जारी की गई. व सक्षर आंक व साक्षर : दुस्स प्रीमेल इन ए राइसल क्राई (The Rise of the South : Human Progress in a Diverse World) तीर्थक जारी इस रिपोर्ट में विभिन्न देशों में मानव विकास का आकलन मानव विकास सूचकांक (HDI) के साथ-साथ मल्टी डायमेंशनल

पीकरी इलेक्स (MIG) व जेड इन्फ्लेक्टिव इंडेक्स (GII) के आधार पर किया गया है. विश्व के कुल 187 देशों के लिए मानव विकास सूचकांक (Human Development Index—HDI) इसमें आकलित किए गए हैं, जिनमें भारत का 136वीं स्थान है. इससे पूर्व, वर्ष 2011 की मानव विकास रिपोर्ट में मानव विकास सूचकांक के मामले में 187 देशों में 134वीं स्थान भारत को दिया गया था. मानव विकास सूचकांक स्वस्थ, शिक्षा व आय के स्तर के आधार पर तैयार किया जाने वाला कुलबीपी का सूचकांक है जिसका उन्धयमान मान 1-0 तक हो सकता है. भारत के लिए यह सूचकांक 0-554 आकलित है. वर्ष 2013 की मानव विकास रिपोर्ट में प्रदर्शित सूचकांक वर्ष 2012 के लिए हैं, 0-1 के बीच मानव विकास सूचकांक के मान के आधार पर

0-955 है. इस दृष्टि में उसे सर्वोच्च मानव विकास वाला देश स्वीकार किया गया है. इससे पूर्व 2011 की मानव विकास रिपोर्ट में भी शीर्ष स्थान नॉर्वे का ही था. उच्च मानव विकास वाले देशों में स्वीडन, स्वीडन और बर्मांडा आदि के अतिरिक्त श्रीलंका को भी स्थान दिया गया है. मानव विकास की दृष्टि से 136वें स्थान पर भारत मध्यम मानव विकास वाले देशों में शामिल है. चीन व भूटान भी इसी वर्ग में हैं, जबकि बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल व अफगानिस्तान निम्न मानव विकास वाले देशों में हैं. वर्ष 2013 की मानव विकास रिपोर्ट में चीन का स्थान 101वाँ है, जबकि बांग्लादेश, पाकिस्तान 120वाँ स्थान से 146वाँ, नेपाल 157वें व अफगानिस्तान 175वें स्थान पर है. रिपोर्ट में सबसे नीचा मानव विकास सूचकांक 0.304 मालदीव व बांग्लादेश है. इससे 187 देशों की सूची में सबसे नीचा 186वाँ संयुक्त स्थान इन दोनों देशों का है.

ज्ञातव्य है कि संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा विश्व के विभिन्न देशों के लिए मानव विकास सूचकांक का आकलन निम्नलिखित सूचकों के आधार पर किया जाता है—

1. जन्य के समय जीवन प्रत्याशा द्वारा मापित जीवन रहने की सम्भावना
2. माध्य चित्तवृत्ती शिक्षा वर्ष तथा अपेक्षित विद्यालयी शिक्षा द्वारा मापित ज्ञान
3. प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (ज्या अतिरिक्त समता आधारित) द्वारा मापित जीवन स्तर.

वर्ष 2010 की मानव विकास रिपोर्ट में पूर्व विश्व सूचकांक के आकलन हेतु (i) वास्तविक सक्षमता दर तथा (ii) प्रारम्भिक माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा स्तर पर सक्षम नामांकन दर का प्रयोग किया जाता है.

● **न्योबन हंगर इंडेक्स में भारत का नीचा स्थान**

देश में सामाजिक क्षेत्र में सरकार के लगातार कटुते व्यय के बावजूद न्योबन हंगर इंडेक्स (GHI) की दृष्टि से भारत की स्थिति विनाशजनक बनी हुई है तथा इस मामले में अपने पड़ोसी देशों चीन, पाकिस्तान, श्रीलंका व नेपाल के साथ-साथ बांग्ला, नापीरिया, बोत्सवाना, मौरिशस, मॉरिशस, मॉरिशस, तुर्कमेनिस्तान, माली व जिम्बाब्वे आदि अफ्रीकी देशों से भी बुरा छोड़े है. वाणिज्यिक रिफ्लेक्ट इन्टरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (IFPRI) के वर्ष 2012 के वैश्विक भूख सूचकांक (Global Hunger Index) अक्टूबर 2012 में जारी किए गए. इस सूचकांक के आधार पर भारत में भूख की स्थिति अत्यधिक स्थिति में है. 0-100 तक के मूल्य वाले इस सूचकांक का मूल्य किसी देश के लिए जितना अधिक होता है, उतना

ही बुरी भूख की स्थिति अधिक विनाशजनक होती है. वर्ष 2012 में भारत के लिए यह सूचकांक 22.9 अंकित किया गया है, जो 1950, 1996 व 2001 में क्रमशः 30.3, 22.6 व 24.2 अंकित किया गया था. वर्ष 2012 में IFPRI का यह सूचकांक 120 देशों के लिए आकलित किया गया है. इनमें 57 देशों में न्योबन हंगर इंडेक्स का मान 10 वा 10 से अधिक है. इसका अर्थ यह है 63 देशों में, जहाँ सूचकांक का मान 10 से कम है. भूख की स्थिति गम्भीर नहीं है. गम्भीर भूख की स्थिति व खतरा की चेतावनी वाली स्थिति में जो 57 राष्ट्र इस वर्ष माने गए हैं, उनमें भारत से ऊपर 42 देश हैं. इसका तात्पर्य है 120 देशों, जिनके लिए ग्लोबल हंगर इंडेक्स-2012 आकलित किए गए हैं, में 105 देशों में स्थिति भारत से बेहतर है तथा भारत का इनमें नीचे से 15वाँ स्थान है. इन 120 देशों में भूख की सर्वाधिक विनाशजनक स्थिति बुर्कीना फासो है, जिसके लिए ग्लोबल हंगर इंडेक्स 57-1 अंकित किया गया है.

● **भारत में शिशु मृत्यु दर में गिरावट : सोया में परिवर्धन में शिशु मृत्यु दर सबसे कम, गन्ध प्रदेस में यह सर्वाधिक**

सामाजिक एवं विकासशील सूचकांकों के विश्लेषण के चलते देश में शिशु मृत्यु दर (Infant Mortality Rate-IMR) में गंभीरतापूर्वक गिरावट मिली वर्षों में दर्ज की गई है. इस सम्बन्ध में राजा अर्जुन के भारत के महापरीक्षक (Registrar General of India) की अक्टूबर 2012 की एक रिपोर्ट में उपलब्ध है. नमूना रजिस्ट्रेशन प्रणाली (Sample Registration System) पर आधारित रिपोर्ट में बताया गया है कि 2011 के दौरान देश में शिशु मृत्यु दर 3 अंक परकर 44 प्रति 1000 जीवित जन्म (44 per Thousand live births) रह गई थी. राष्ट्रीय स्तरों में यह वर्ष 51 प्रति हजार से परकर 48 प्रति हजार जीवित जन्म रह गई थी, यही राष्ट्रीय स्तरों में यह 31 प्रति हजार से परकर 29 प्रति हजार जीवित जन्म रह गई थी.

महापरीक्षक की इस रिपोर्ट के अनुसार 2011 में देश में सबसे कम शिशु मृत्यु दर गोवा व महाराष्ट्र में (11 प्रति हजार) रही, जबकि केरल में यह 12 प्रति हजार दर्ज की गई. 2011 में सर्वाधिक शिशु मृत्यु दर बिहार राज्य मध्य प्रदेश रहा, जहाँ यह दर 59 प्रति हजार पाई गई. उसके पश्चात् उस प्रदेश व ओडिशा में यह दर 57 प्रति हजार दर्ज की गई. रिपोर्ट के अनुसार तीन अन्य राज्यों में शिशु मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत (44 प्रति हजार) से अधिक दर्ज की गईं उनमें तमिल, उत्तराखण्ड, राजस्थान व मेघालय शामिल हैं.

कृषि

● **2012-13 में देश में कृषिगत उत्पादन के सम्बन्ध में कृषि मंत्रालय के तीसरे अग्रिम अनुमान**

2012-13 में देश में कृषिगत उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान (Third Advanced Estimates) कृषि मंत्रालय द्वारा 3 मई, 2013 को जारी किए गए. इस आकलन में सम्पूर्ण वर्ष में देश में खाद्यान्नों का कुल उत्पादन 255-36 मिलियन टन अनुमानित किया गया है. इससे पूर्व सम्पूर्ण वर्ष में देश में कृषिगत उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान सितम्बर 2012 में तथा दूसरे अग्रिम अनुमान फरवरी 2013 में कृषि मंत्रालय ने जारी किए थे. 8 फरवरी, 2013 के दूसरे अग्रिम आकलन में 2012-13 में देश में खाद्यान्नों का उत्पादन 250-14 मिलियन टन अनुमानित किया गया था. इससे पूर्व 2011-12 में देश में खाद्यान्नों का उत्पादन 259-32 मिलियन टन के रिकॉर्ड स्तर पर रहा था. 2012-13 में श्रावण कृषि मा 255-36 मिलियन टन उत्पादन 2011-12 के बाद अब तक का सर्वोच्च स्तरात्मक उत्पादन है.

3 मई, 2013 के तीसरे अग्रिम आकलन में 2012-13 में सामान का कुल उत्पादन 104-22 मिलियन टन व केरु का 93-62 मिलियन टन अनुमानित किया गया है. इससे पूर्व दूसरे अग्रिम आकलन में काजल का उत्पादन 101-80 मिलियन टन व केरु का 92-30 मिलियन टन अनुमानित था. मोटे अनाजों का कुल उत्पादन फरवरी 2013 के दूसरे अग्रिम आकलन में 38-47 मिलियन टन (ज्वार 5-26 मिलियन टन, बाजरा 8-15 मिलियन टन व मक्का 21-06 मिलियन टन) अनुमानित था, जो अब तीसरे अग्रिम आकलन में 39-52 मिलियन टन (ज्वार 5-30 मिलियन टन, बाजरा 8-71 मिलियन टन व मक्का 21-82 मिलियन टन) अनुमानित किया गया है. धानों का कुल उत्पादन जो दूसरे अग्रिम आकलन में 17-58 मिलियन टन रहने का अनुमान लगाया गया था, ताजा आकलन में 18-00 मिलियन टन अनुमानित है. इससे पूर्व यह का उत्पादन 3-04 मिलियन टन, बना था 8-49 मिलियन टन, उदर का 1-87 मिलियन टन व मूँग का उत्पादन 1-18 मिलियन टन अनुमानित किया गया है. पूर्व वर्ष 2011-12 में देश में धानों का कुल उत्पादन 17-09 मिलियन टन रहा था. 2011-12 व 2012-13 में कृषिगत उत्पादन के यह अंकित एक दृष्टि में नाजिकता में प्रदर्शित हैं.



भारत में कृषि का उत्पादन

(मिलियन टन)

उपज	2011-12 (करोड़ किलो)	2012-13	
		8 फरवरी, 2013 के दूसरे अंतिम अनुमान	3 मई, 2013 के तीसरे अंतिम अनुमान
कुल घासान	259.32	250.14	255.36
1. खाद्य	105.31	101.80	104.22
2. गेहूँ	94.88	92.30	93.62
3. मीठे अनाज	42.04	38.47	39.52
(a) ज्वार	6.01	5.26	5.30
(b) बाजरा	10.28	8.15	8.71
(c) मक्का	21.76	21.06	21.82
4. दालें	17.09	17.58	18.00
(a) दूर	2.65	2.75	3.04
(b) चना	7.70	8.57	8.49
(c) उड़द	1.77	1.74	1.87
(d) मूँग	1.63	1.27	1.18
तिर्यक	29.80	29.47	30.7
(a) मूँगफली	6.96	5.78	5.4
(b) सोयाबीन	12.21	12.96	14.1
(c) त्र्यसूत/सरसों	6.60	7.36	7.4
गन्ना	361.04	334.54	336.1
कपास (मिलियन गॉट्स)*	35.20	33.80	33.80
जूट एवं मैथा (मिलियन गॉट्स)**	11.40	11.13	10.6

* 170 किलो की प्रत्येक गॉट

** 180 किलो की प्रत्येक गॉट

कृषि मंत्रालय के ताज़ा आकलन (तीसरे अंतिम आकलन) में 2012-13 में देश में तिलहन का कुल उत्पादन 30.7 मिलियन टन, गन्ने का 336.1 मिलियन टन, बाजरा का 33.8 मिलियन गॉट्स (170 किलो की प्रत्येक गॉट) तथा जूट एवं मैथा का 10.6 मिलियन गॉट्स (180 किलो की प्रत्येक गॉट) अनुमानित है।

● रबी उपजों के नए सर्वोच्च मुन्नी की घोषणा

फसल वर्ष 2012-13 की रबी उपजों के लिए नए न्यूनतम समर्थन मूल्य (Minimum Support Prices-MSPs) की घोषणा केन्द्र सरकार ने 1 नवम्बर, 2012 को की है। जिसमें निम्न ताबिका में दर्ज की गयी है—

26 दिसम्बर, 2012 को सरकार ने गेहूँ के न्यूनतम समर्थन मूल्य में से ₹ 6.5 की वृद्धि करके इसे ₹ 1350 प्रति क्विन्टल किए जाने की घोषणा की।

33-34

मुद्रा एवं बैंकिंग

- **शेबीर ग्रामीण बैंको की अधिकृत पूंजी ₹ 5 करोड़ से बढ़ाकर ₹ 500 करोड़ करने की योजना : विधेयक संसद में लाया गया**

ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत साक्ष व्यवसाय सुदृढ़ करने के लिए शेबीर ग्रामीण बैंको (RBIBs) के वित्तीय आधार के विस्तार को सरकार की योजना है। इसके लिए इन बैंकों की अधिकृत पूंजी में वृद्धि की जाएगी।

रबी उपजों के नए सर्वोच्च मूल्य

(रुपय प्रति क्विन्टल)

उपज	फसल वर्ष/ विपणन वर्ष 2011-12/2012-13	फसल वर्ष/ विपणन वर्ष 2012-13/2013-14	वृद्धि
गेहूँ	1285	1350	65
जौ	980	1100	120
चना	2800	3200	400
त्र्यसूत/सरसों	2500	3000	500
मूँगफली	2500	2800	300
मूँग	2800	3200	400

नोट : 2012-13 में कोई नई वृद्धि नहीं की गई। रबी उपजों का विपणन 2013-14 में होगा। खरीद उपजों के मामले में फसल वर्ष एवं विपणन वर्ष समान रहता है।

तिर्यक किए शेबीर ग्रामीण बैंक (शेबीर) विधेयक, 2013 लोक सभा में अंतिम 2013 में प्रस्तुत किया गया है। विधेयक में शेबीर ग्रामीण बैंको की अधिकृत पूंजी (Authorized Capital) में 100 गुना वृद्धि कर इसे ₹ 500 करोड़ करने का प्रस्ताव किया गया है। वर्तमान में इन बैंकों की अधिकृत पूंजी ₹ 5 करोड़ व निर्गमित पूंजी (Issued Capital) ₹ 1 करोड़ है। शेबीर विधेयक में किए गए एक अन्य महत्वपूर्ण प्रावधान के तहत शेबीर ग्रामीण बैंक केन्द्र, राज्य सरकार व प्रत्येक बैंक के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों से भी पूंजी जुटा सकेगी तथा स्टॉक एक्सचेंज में सूचीकृत भी हो सकेगा।

उन्मुखनीय है कि देश में कार्बनल शेबीर ग्रामीण बैंको की कुल संख्या 82 है तथा इनकी पूंजी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी केन्द्र सरकार की, 15 प्रतिशत राज्य सरकार की तथा 35 प्रतिशत हिस्सेदारी उनके प्रत्येक बैंक (Sponsor Bank) की है। शेबीर विधेयक में किए गए एक प्रावधान में यह भी किया गया है कि 'अन्य क्षेत्रों' से पूंजी जुटाने के वाक्यवृद्ध इन बैंको की कुल पूंजी में केन्द्र सरकार व प्रत्येक बैंक की संयुक्त हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से कम नहीं हो सकेगी। इन बैंको के लेखांकन वर्ष में समानता लाने के लिए वर्ष समाप्त की तिथि 31 दिसम्बर के स्थान पर 31 मार्च करने का प्रावधान भी शेबीर विधेयक में किया गया है।

मुद्रास्फीति की दर से अधिक प्रतिफल प्रदान करने वाले नए इन्फ्लेशन-इन्सेन्सिबल

बैंकों में सावधि जमाओं तथा सरकारी व गैर-सरकारी वित्तीय संस्थाओं के बंधों में निवेश आधार पर इस आधार पर होना चाहिए होता है कि उनमें प्रदत्त व्याज दर की तुलना में मुद्रास्फीति की दर अधिक होने पर वास्तविक प्रतिफल नकारात्मक हो जाता है। इसके अतिरिक्त निवेशित राशि का भी मुद्रास्फीति के कारण हो जाता है। इसी के फलस्वरूप निवेश एवं संभालन निवेशक ऐसे बंधों में निवेश से निवृत्ति करते हैं, जिससे बचतों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इस स्थिति से निपटने के लिए अब ऐसे बंध जारी करने का सरकार का इरादा है, जिसमें निवेशित राशि का मुद्रास्फीति की वजह से कोई मुद्रास्फीति नहीं होगा तथा मुद्रास्फीति के समायोजन के बाद नुक़ान पर कुछ व्याज निवेशकों को प्राप्त हो सकेगी। ऐसे बंधों की पहली श्रृंखला जून 2013 में जारी करने का सरकार का इरादा है तथा निजी निवेशकों के साथ-साथ संभालन निवेशक भी इनमें निवेश कर सकेंगे। ऐसे इन्फ्लेशन इन्सेन्सिबल बंधों (IRBs) में निवेश के लिए आधार पर किसी छूट का प्रावधान वर्तमान में नहीं है, किन्तु अपने फल कर आय छूट के प्रोत्साहन इनमें दिए जा सकते हैं।

- बैंकों व बीमा कम्पनियों की मनी लाउन्ड्रिंग में संलग्नता के कोटा पोस्ट के आरोप

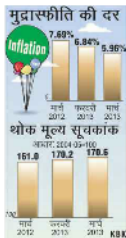
ऑनलाइन समाचार पोर्टल कोबर पोस्ट ने अप्रैल-मई 2013 में जारी अपनी तीन अलग-अलग रिपोर्टों में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के 30 विभिन्न बैंकों व बीमा कम्पनियों पर मनी लाउन्ड्रिंग में संलग्नता के आरोप लगाए हैं। कई माह तक चले सिंग ऑपरेशन के आधार पर पोर्टल ने अपनी रिपोर्टों में यह आरोप लगाया है कि यह बैंक व बीमा कम्पनियाँ देश भर में कानूनों का खुलेआम उल्लंघन कर रहे हैं तथा लोगों के पैसा भी धन की वेष रूप देने में मदद कर रहे हैं। पोर्टल द्वारा यह सिंग ऑपरेशन 'अंधोपधन श्रेष्ठ स्पष्ट-2' नाम से सम्पन्न किया गया, जिसके आधार पर 6 मई की अपनी रिपोर्ट में इसने कहा है कि इससे यह साबित हुआ है कि मनी लाउन्ड्रिंग केवल निजी बैंकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पूरे बैंकिंग प्रणाली व बीमा क्षेत्र इसमें शामिल है। इससे पूर्व अप्रैल 2013 में एक रिपोर्ट में निजी क्षेत्र के जीपी बैंक—एटोएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक व एक्सिस बैंक पर मनी लाउन्ड्रिंग के आरोप कोबर पोस्ट ने लगाए थे।

कोबर पोस्ट के इस खुलासे से बैंकिंग व बीमा क्षेत्र में छलकती गयी है, जिन बीमा कम्पनियों का नाम कोबर पोस्ट की उपर्युक्त रिपोर्ट में किया गया है, उनमें भारतीय जीवन बीमा निगम (LIC) के अतिरिक्त नितामस ताइक, राया एआईए व किराडा समवाहक शामिल हैं। इनके विरुद्ध तबे आरोपों की जाँच बीमा निगमक एवं फिक्सा प्रधिकरण (IRDA) द्वारा की जा रही है, जबकि बैंकों के मामलों की जाँच के लिए भारतीय बैंक सेवा (IBA) की विल मंत्रालय के विलीय सेवा निगम द्वारा कहा गया है। तापरकारी के कुलेक मामलों में बैंकों व बीमा कम्पनियों के कुछ अधिकारियों को निराश्रित भी किया गया है। बैंकिंग सुझों के अनुसार यह मामला मुक्त-क्रेडिट (KYC—Know Your Customer) मानकों का अनुपालन व करने से सम्बंधित है। उपर्युक्त खुलासे के पश्चात् बैंकों ने क्रेडिटों के बण्डों में काटों चलनी शुरू कर दी है। उपर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर डॉ. डी. सुखायव ने इस मामले में लिखी कमेटी हट्ट कहा है कि कोबर पोस्ट की रिपोर्टों में मनी लाउन्ड्रिंग का कोई लेख प्रभाव नहीं है। इसके साथ ही यह भी उन्होंने कहा है कि इस प्रकार की प्रतिनिधियों पर लगाय लाने की विमोचारी संकल्प व कर विधानों की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने आशंक को परफायेगी निम्नो का फलन व करने वाले एक्सिस बैंक पर ₹ 5.0 करोड़, एच.डी.एफ.सी. बैंक पर ₹ 4.5 करोड़ तथा

आईसीआईसीआई बैंक पर ₹ 1.0 करोड़ का जुर्माना लगाया है।

- मार्च 2013 के अंत में मुद्रास्फीति की वोक मूल्य सुचकांक आधारित अंतराल दर 5-96 प्रतिशत

2012-13 के दौरान मीडिक नीति को कटोर बनाए रखने के पश्चात् अन्तः वित्तीय वर्ष के अंत तक सामने आए हैं तथा मुद्रास्फीति की दर में अज्ञात से भी अधिक कमी रिजर्व बैंक की इस नीति के चलते दर्ज की गई है। अन्ततः उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार मार्च 2013 में शोक मूल्य सुचकांक आधारित मुद्रास्फीति की अन्तः दर 5-96



प्रतिशत रही है जो इसका फलन तीन वर्षों में न्यूनतम स्तर है। मार्च 2013 में ही अपनी मीडिक एवं साख नीति (2012-13) की अन्तिम समीक्षा में यह दर 6-80 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान रिजर्व बैंक ने व्यक्त किया था। इससे पूर्व जनवरी 2013 में वोक मूल्य सुचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर 6-84 प्रतिशत थी, जबकि एक वर्ष पूर्व मार्च 2012 में यह 7-69 प्रतिशत रही थी। उपरोक्ता मूल्य सुचकांक (CPI) आधारित मुद्रास्फीति की दर मार्च 2013 में 10-39 प्रतिशत थी, सीएसओ द्वारा जारी आँकड़ों के अनुसार मार्च 2013 में उपरोक्ता मूल्य सुचकांक आधारित मुद्रास्फीति की दर राष्ट्रीय क्षेत्रों के लिए 10-33 प्रतिशत व शहरी क्षेत्रों के लिए 10-38 प्रतिशत आंकड़ों की गई है।

- 2013-14 के लिए नई मीडिक एवं साख नीति पॉलिसी : लेवो दर में पुनः कटौती

चाजु वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए नई मीडिक एवं साख नीति की घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 3 मई, 2013 को की। मुद्रास्फीति की दर पर संतोषजनक

विशेषण के बावजूद मुद्रा एवं साख के विस्तार के मामले में सतर्कतापूर्ण रवैया आईसीआई ने अपनाया है तथा नीतिगत लेवो दर में 0-25 प्रतिशत बिन्दु की कटौती एक बार पुनः की है, जो उल्हास प्रभाव से लागू की गई है (इससे पूर्व 29 जनवरी व 19 मार्च, 2013 को लेवो दर में 0-25-0-25 प्रतिशत बिन्दु की कटौतियाँ 2012-13 की मीडिक एवं साख नीति की समीक्षाओं के समय आईसीआई ने की थीं)। साख कटौती के पश्चात्सम्पूर्ण लेवो दर 7-50 प्रतिशत से घटकर 7-25 प्रतिशत हो गई है तथा इसके साथ ही शून्यदर दर्ज (रिजर्व लेवो दर, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी व बैंक दर) में भी 0-25-0-25 प्रतिशत की कटौतियाँ स्थापित की गई हैं। इस प्रकार रिजर्व लेवो रेट 6-50 प्रतिशत से घटकर 6-25 प्रतिशत, मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी रेट 8-50 प्रतिशत से घटकर 8-25 प्रतिशत तथा बैंक रेट भी 8-50 प्रतिशत से घटकर 8-25 प्रतिशत अब रह गया है। अन्य बैंकिंग दरों नकद आरक्षण अनुपात (4-0 प्रतिशत) व सार्वजनिक तन्मा अनुपात (23-0 प्रतिशत) में कोई परिवर्तन आईसीआई ने भी नीति में फिलहाल नहीं किया है। लेवो दर में 0-25 प्रतिशत बिन्दु की ताजा कटौती से व्याज दरों में किसी प्रभावशील कटौती की सम्भावना से बैंकों ने आज तौर पर इन्कार व्यक्त किया है, तथापि इसमें नयी की प्रवृत्ति बनी रहेगी, निवेष्ट को बढ़ावा देने के लिए उद्योग व्यापार जनतृ की अर्थात् व्याज दरों में कमी लाने की है। इसके लिए नकद आरक्षण अनुपात में भी कटौती की अपेक्षा उद्योग व्यापार जनतृ के साथ-साथ बैंकों ने भी की थी, किन्तु मुद्रास्फीति के मामले में सतर्कता बरतते हुए अभी इसके लिए ज्यादा दृष्ट आईसीआई ने नहीं दी है। लेवो दर में मानुषी कटौती को उचित ठहराने हुए आईसीआई के गवर्नर डॉ. सुखायव ने कहा है कि केवल मीडिक नीति सम्बन्धी पहल से आर्थिक वृद्धि तेज नहीं हो सकती, इसके लिए पूर्ण सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था दूर करने, परिश्रमियों के रतने की दिक्कतों दूर करने, कामकाज में सुधार लाने व सार्वजनिक निवेश में वृद्धि की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मार्च 2013 में मुद्रास्फीति की दर तीन वर्ष के न्यूनतम स्तर पर आ गई है, तथापि छात्र स्फीति का दबाव बने रहने तथा पेट्रोलियम कीमतों को संभालनी तौर पर सीधे बनाए रखने के परिश्रम में इसके कटने के जोखिम बरकरार हैं। आर्थिक वृद्धि व मुद्रास्फीति के बीच के समीकरण के आकलन में दिख रहे जोखिम के चलते मीडिक नीति को फिलहाल और उदार बनाने की सम्भावना से उन्होंने इन्कार किया है।





प्रमुख बैंकिंग दरें एक दृष्टि में (3 मई, 2013 की स्थिति)

रेपो दर	7.25 प्रतिशत
रिवर्स रेपो दर	6.25 प्रतिशत
बैंक दर	8.25 प्रतिशत
वार्षिक लॉन्ग टर्मिनिटी दर	8.25 प्रतिशत
कनव आरक्षण अनुपात (CRR)	4.0 प्रतिशत
सांख्यिक तत्व अनुपात (SLR)	23.0 प्रतिशत

2012-13 के अंत में मार्च 2013 में मुद्रास्फीति दर 5 प्रतिशत के स्तर पर आ गई थी, जोकि निम्न तीन वर्षों में हास्य न्यूनतम स्तर था। वस्तु विनीय वर्ष 2013-14 के दौरान यह दर 5-7 प्रतिशत के आसपास बनी रहने की सम्भावना रिजर्व बैंक ने व्यक्त की है और साथ ही कहा है कि इसे 5 प्रतिशत से नीचे लाने के प्रयास वह जारी रखेगा। चालू खाने के बाटे (Current Account Deficit-CAD) का मौजूदा स्तर अत्यन्त खतरनाक स्थाने हुए इसे देश की अर्थव्यवस्था के समक्ष परभाव में विद्यमान सबसे बड़ी चुनौती आसवीआई में बढ़ाया है। मुद्रास्फीति बढ़ने के खतरे विधानमंडल होने तथा चालू खाने के बाटे की मौजूदा स्थिति के आधार पर रिजर्व बैंक ने इस वर्ष व्याज दर में बड़ी कटौती की सम्भावना को धारित किया है।

मौद्रिक एवं साख नीति 2013-14 के दस्तावेज में इस वित्तीय वर्ष (2013-14) में सम्मिश्रित आर्थिक वृद्धि दर का जो पूर्वानुमान आरबीआई ने व्यक्त किया है, वह सरकार के पूर्वानुमान से बड़ी कम है। फरवरी 2013 में शिम मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत आर्थिक समीक्षा में 2013-14 में आर्थिक वृद्धि 6-1 से 6-7 प्रतिशत के बीच रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया था, बाद में डॉ. सी. रेवकान्त की अध्यक्षता वाली प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की अंतिम 2013 में जारी 'रिप्यू ऑफ द इकोनॉमी रिपोर्ट' में 2013-14 में आर्थिक वृद्धि 6-4 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है, इन पूर्वानुमानों के विपरीत रिजर्व बैंक ने 2013-14 की

मौद्रिक एवं साख नीति दस्तावेज में इस वित्तीय वर्ष में आर्थिक वृद्धि 5-7 प्रतिशत हो रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। मौद्रिक नीति के इस नीतिगत दस्तावेज में बैंकों के लिए कुलक्रेत अन्य नीतिगत दिशानिर्देशों की घोषणा भी आरबीआई ने की है। चालू खाने के बाटे पर अंकुश के लिए स्वर्ण के आयात को हनीयांकित करने तथा यह आयात केवल स्वर्ण आरुपण निर्यातकों को जबरनो की पुरा करने तक ही सीमित रखने, 50 प्राय से अधिक वजन वाले सोने के सिक्कों पर अंश न देने आदि के प्रस्ताव इनमें शामिल हैं। इनके अतिरिक्त बैंकों से अपनी आस्था के खताबन्कों और दूसरी आस्था के खताबन्कों के साथ कार्ज में भेदभाव बंद करने की भी आसवीआई ने कहा है। 2013-14 की मौद्रिक एवं साख नीति की पहली मध्य वैधानिक समीक्षा 17 जून, 2013 की होगी।

मौद्रिक एवं साख नीति (2013-14) महत्वपूर्ण बिन्दु

- प्रमुख नीतिगत दर (रेपो दर) 7.50 प्रतिशत से घटाकर 7.25 प्रतिशत की गई, इससे निर्यात रेपो दर भी 6.50 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत तथा बैंक दर 8.50 प्रतिशत से घटाकर 8.25 प्रतिशत हुई।
- बैंक के कुल निशेकों में 14% की वृद्धि होगी।
- नए आरक्षण अनुपात (CRR) 4 प्रतिशत पर बरकरार।
- रिजर्व बैंक ने कहा कि आर्थिक वृद्धि और मुद्रास्फीति के समीकरण का आकलन नीतिगत दरों में और कटौती की सम्भावना को सीमित करता है।
- चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 5-7 प्रतिशत रहने का अनुमान।
- मुद्रास्फीति चालू वित्तीय वर्ष 2013-14 में 5-5 प्रतिशत के दायरे में रहने की सम्भावना।
- चालू खाने का बाटा अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती।

- रिजर्व बैंक ने प्राथमिक क्षेत्र के अन्तर्गत सूख, लघु एवं छोटे उद्यमों के लिए ऋण सीमा दोबारा कर ₹ 5 करोड़ करने का प्रस्ताव किया।
- बैंकों को खताबन्कों के साथ कार्ज में भेदभाव बंद करने को कहा।
- सोने का आयात केवल स्वर्ण आरुपण निर्यातकों की कसबक्रेत जबरनो को पुरा करने तक ही सीमित।
- वर्ष 2013-14 में साख प्रवाह में 15% की वृद्धि होगी।
- प्राथमिकता क्षेत्र में सूख, लघु और मध्यम उद्यमों के प्रति उधार देने वाले की दुष्टि से उधार की सीमा को बढ़ाकर 5 करोड़ रख दिया गया।
- वृष्टि क्षेत्र में प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में प्रति उधार देने वाले की सीमा को एक करोड़ रखने से 5 करोड़ रख दिया गया।
- परदारणसमों में जमा बचतों की जमानत पर ऋण की सीमा को 2.50 करोड़ रखने से बढ़ाकर 5.00 करोड़ रख दिया गया।
- मेट्रोपॉलिटन ज़ोन में नीट बैंक योजना बैंक शिर्कों में खरोगी।
- बैंक शिर्कों में आस्था के प्राहकों के प्रति तथा दूसरा बैंक के प्राहकों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं करे।
- बैंक सार्वजनिक एवं पारदर्शी बीजक नीति को अपनाएगी तथा प्राहकों के बीच कोई भेदभाव नहीं करेगी।
- बैंक केवल 50 प्राय स्वर्ण सिक्कों तक ही स्वर्ण ऋण प्रदान करेगी।

देश में खतरने वित्तीय परिवेश में हाथ क्षेत्र के विनियमन के लिए सम्मिश्रित कानूनों एवं व्यवस्थाओं में सुधार के लिए सुझाव देने के लिए सरकार द्वारा गठित फाइनेंशियल सेक्टर रेजिस्ट्रीय रिफॉर्म कमीशन (FSRRC) ने अपनी फाइनल रिपोर्ट केमिडो प्रिल मंत्री की। विधानमंडल की 22 मार्च, 2013 को शीप थी, जितने बाद में 28 मार्च को सार्वजनिक किया गया। समीक्षा व्याख्यान के पूर्व व्यावसायिक व्यापकनी सी. एन. श्रीकृष्णा की अध्यक्षता में इत 10 सदस्यीय आयोग का गठन तत्काल ने मार्च 2011 में किया था, जितने जल्दी रिपोर्ट के सम्बन्ध में एप्रिल बेर अक्टूबर 2012 में जारी किया था, एप्रिल बेर पर सम्मिश्रित पक्षों की प्रतिक्रियाओं व रिपोर्टों के अध्ययन के फलस्वरूप अन्धेरी फाइनेंशियल रिपोर्ट आयोग ने मार्च 2013 में तत्काल को शीप है। 2 खतों में प्रस्तुत अपनी हाथ रिपोर्ट में रिजर्व बैंक का दावित मौद्रिक एवं बैंकिंग मामलों के विनियमन तक सीमित रखने हुए गैर बैंकिंग कम्पनियों व रिजिस्ट्री निवेश आदि का दावित इससे असंग रहने को कहा है। मौद्रिक नीति

के मामले में वित्तियन निर्णय सुझाने के लिए वित्त मन्त्रालय के अधीन एक वैश्विक नीति समिति के गठन का आयोग का मुद्दा है. इस समिति में 5 सदस्य नियुक्त किए जायेंगे व 2 सदस्य सरकार द्वारा नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञ हों. विदेशी मुद्राओं को बाह्य प्रवाह के नियन्त्रण को आसानी से प्रोत्साहित हुए इनके अन्तर्भाव सम्बन्धी मामलों का विनियमन सरकार पर छोड़ने को हमने कहा है. 10 सदस्यीय आयोग के चार विधियन सदस्यों ने इस संसुति के प्रति अपनी असहमति भी व्यक्त कर दी है.

देश में शेयर बाजार का विनियमन करने वाले 'सेबी' (SEBI—Securities and Exchange Board of India), कॉमेडिटी मार्केट का विनियमन करने वाले फोर्चर्ड मार्केट कमिशन (FMC), बीमा क्षेत्र का विनियमन करने वाले 'इरडा' (IRDA—Insurance Regulatory and Development Authority) तथा बैंकन कृषि का विनियमन करने वाले वित्तन कृषि रेग्युलेशन एण्ड डेवलपमेंट ऑथॉरिटी (PFDRDA) का काम सम्पन्न एक क़िस्सा कहते हुए इन क़ारों निष्कर्षों को मिश्रितकर एक क़ूबेकटकर फ़ार्मेशन एजेंसी (UFA) के गठन का सुझाव दिया है कि वित्तियन क्षेत्र के विनियमकों के विरुद्ध निवेदनों की सुनवाई के लिए पुनः एक फ़ार्मेशनियन सेक्टर एक्सीट डिव्युलन (FSAT) व बी अन्य नई एजेंसियों—डैट मैनेजमेंट ऑफिस (Dare Management Office—DMO) व रिसॉल्यूशन कॉर्पोरेशन (Resolution Corporation) के गठन का प्रस्ताव आयोग की रिपोर्ट में डैट मैनेजमेंट ऑफिस क़ारों सरकार के लिए क़्रम प्रकल्पन का दायित्व संभालेगा, क़ारों रिसॉल्यूशन कॉर्पोरेशन क़ारोंन में क़ारोंन रिसॉल्यूट इन्वॉल्वमेंट एण्ड केंद्र क़ारों कॉर्पोरेशन का स्थान लेगा. एक अन्य संसुति के तहत वित्तियन विकास परिषद् (Financial Sector Development Council—FSDC) की वैश्विक रीजियन प्रदान करने की आयोग ने कहा है. वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली वित्तियन क्षेत्र विकास परिषद् में विधियन विनियमक एजेंसियों के प्रमुख ही शामिल रहते हैं. इस प्रकार देश के वित्तियन क्षेत्र के विनियमन के लिए कुछ निष्कर्षों के लिए प्रस्तावित करने की है. इनमें निम्नलिखित हैं: (RBI), क़ारोंक़ाइट फ़ार्मेशनियन एजेंसी (UFA), फ़ार्मेशनियन सेक्टर एक्सीट डिव्युलन (FSAT), फ़ार्मेशनियन सेक्टर डेवलपमेंट क़ारोंन (FSDCI), रिसॉल्यूशन कॉर्पोरेशन, फ़ार्मेशनियन रिसॉल्यूट एजेंसी व डैट मैनेजमेंट ऑफिस शामिल हैं. नई प्रस्तावित फ़ार्मेशनियन रिसॉल्यूट एजेंसी क़ारों वित्तियन संस्थाओं के विरुद्ध शिकायतों की सुनवाई करेगी.

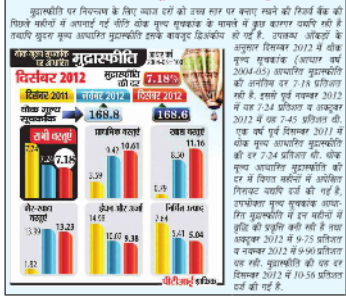
विदेशी मुद्रा के अन्तर्भाव के मामले में अनेक एजेंसियों की क़ुनिकाओं वाली क़ौमुदा व्यवस्था में सुधार करने की संसुति आयोग ने की है. आयोग ने कहा है कि वर्तमान में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) के लिए क़ौनो का निर्धारण विदेशी मुद्रा इन्वॉल्वमेंट क़ारोंन एण्ड प्रमोशन (DPII) द्वारा क़ारों किया जाता है, क़ारों FDI के प्रस्तावों की मंजूरी करेन इन्वॉल्वमेंट प्रमोशन क़ारों (FIPB) द्वारा करता की जाती है. इससे पूर्व आरबीआई, सीबीआई व प्रवर्तन निदेशालय की मंजूरी भी लेनी होती है. इस प्रक्रिया को सुलभ बनाने की आयोग ने कहा है. एक अन्य संसुति के तहत भारतीय स्टेट बैंक (SBI) व जीवन बीमा निगम (LIC) आदि संस्थाओं, जो विशेष अधिनियमों के तहत संघालित एवं संरक्षित हैं, की क़म्पनी अधिनियम के तहत लाया जा सुका है. आयोग का मानना है कि अगले 25–30 क़ारों में भारत का सबसे तेज़ ग़रवण क़ौमुदा स्तर से अलग मुना अधिक होने की सम्भावना है. ऐसे में समय के अनुकूल विधियों एवं विनियमों की आवश्यकता के समर्थन में अपनी सिफ़ारिशें आयोग ने प्रस्तुत की हैं.

- **सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए पोषण हेतु ₹ 12517 करोड़ सीईन**
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के पुर्ण आधार को मजबूत बनाने के लिए ₹ 12517 करोड़ की

क़ारतीय सहयता की केन्द्रीय क़ौमिशनन ने 10 जनवरी, 2013 को मंजूरी प्रदान की है. यह मॉडल सार्वजनिक क्षेत्र के 9-10 बैंकों को 2012-13 के दौरान उपलब्ध क़ारोंन जाएगी. सार्वजनिक बैंकों के पुर्ण आधार में सुधार के लिए 2010-11 में ₹ 20,117 करोड़ व 2011-12 में ₹ 12,000 करोड़ सरकार द्वारा उपलब्ध क़ारोंन गए थे. इस पुर्णकृत सहयता को बैंकों को केवल-III मानक प्राप्त करने में मदद मिलेगी. केवल-III मानकों के अनुकूलन के लिए समय सीमा 1 जनवरी, 2013 की क़िस्ते सीधे बैंक के लिए निर्धारित हैक बना दिया है. यह मानक जून 1 जून, 2013 से 31 मार्च, 2018 तक क़ारोंन करेन में प्राप्त किए जायेंगे.

- **बैंक क़ौमिशन में तीव्रता हेतु सीटीएल-2010 मानक बैंक**
स्वायत्त व दुरी क़ारोंन के बैंकों के पुनर्ना (Clearance) की प्रक्रिया को सुगम बनाने, इस प्रक्रिया में तेजी लाने तथा बैंकों में जुड़े प्रशिक्षण पर शिकंसा कम करने के लिए क़ौमिशन का एक तथा बैंक डेवलपमेंट सिस्टम (CTS) देश में ग़ुल क़ौना विसर्ग के तहत बैंकों की क़िस्तीकृत क़ौमिशन की आवश्यकता पूरी तरह सफल हो जाएगी अर्थात् क़ौमिशन के लिए बैंक को दूसरे बैंक में क़ौमिशन क़ौना तथा क़ौमिशन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन हो जाएगी. नई व्यवस्था के तहत बैंक की सीधे क़ौमिशन की अदा करने वाले बैंक के पास दैनिकीय तरीके से भेजी जाएगी.

2012 के अन्त में बैंक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति की दर तीन वर्ष के न्यूनतम स्तर पर जबकि उपभोक्ता मूल्य आधारित दर दिव्यकीय हुई



जीव के पराजित भुगतान हेतु सम्पत्ति बैंक की सहमति मिलने ही बैंक कमीशन को जाएगा. इससे बैंक कीमतों पर लगने वाले सुनब व धन की कमी होगी तथा ग्राहकों को बैंक की राशि की अत्यन्त ही जल्दी हो सकेगी. इस व्यवस्था को सफल बनाने के लिए कटर बैंक पुनः विशेष CTS-2010 बैंक बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को जारी किए गए हैं. सीटीएस-2010 बैंक के बालक सभी बैंकों के लिए एकसूत्र हैं. भारतीय रिजर्व बैंक ने पहले 1 जनवरी, 2013 में ही बैंक सीटीएस-2010 मानक बैंक स्वीकार करने को निर्देश सभी बैंकों को जारी किए थे, किन्तु दूरदर्शक के जेरो में मिल बैक आग्राहकों में स्वीकृति की तैयारियों पूरी न होने के कारण बैंक समय समय को अब 1 जुलाई, 2013 तक के लिए कट दिया गया है.

- **बीमा क्षेत्र में 49 प्रतिशत एक्सीडेंट की अनुपमिता का संकेत का फैलाता : बीमा क्षेत्र को विदेशी निवेश हेतु चुनना**

मन्दी ब्रांड रिटेल सेक्टर व नागरिक उद्योग क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (Foreign Direct Investment-FDI) की अनुपमिता को लेकर विश्व का विशेष अभी ध्यान नहीं था कि इस देश में दूसरी प्रभाव वाला एक और कदम सरकार ने अक्टूबर 2012 में उठाया है. इसके तहत अब पैनल क्षेत्र को भी विदेशी निवेश के लिए सरकार ने खोल दिया है. पैनल क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) को सीमा सीमा क्षेत्र के समान ही रहेगी. बैंक क्षेत्र में सामान में 26 प्रतिशत की सीमा तक ही एक्सीडेंट की अनुपमिता है. इस सीमा को बढ़ाकर 49 प्रतिशत करने का फैसला केंद्रीय मंत्रिमण्डल की 4 अक्टूबर, 2012 की बैठक में किया गया है. इसके लिए बीमा विधेय (संशोधन) विधेयक (Insurance Laws (Amendment) Bill) 2008 में संशोधन की केंद्रीय मंत्रिमण्डल की इस बैठक में संसदीय प्रदान की गई. यह संशोधन विधेयक राज्य सभा में लाया है.

- **बैंकिंग विधि संशोधन विधेयक-2011 संसद के दोनों सदन में पारित : नए बैंकों की स्थापना हेतु मार्ग प्रशस्त**

बैंकिंग क्षेत्र में करने के सुधारों को दिशा में मार्ग प्रशस्त करने के लिए बैंकिंग विधि संशोधन विधेयक-2011 (Banking Laws Amendment Bill 2011) को संसद के दोनों सदन में दिसम्बर 2012 में पारित किया गया है. लोक सभा ने 18 दिसम्बर, 2012 को तथा राज्य सभा ने 20 दिसम्बर, 2012 को इसे पारित किया है. बैंकिंग रेग्युलेशन एक्ट 1949, बैंकिंग कम्पनीज (एक्टिवाशन एण्ड ट्रांसफर ऑफ अंश-रेटिकम) एक्ट 1970 तथा बैंकिंग कम्पनीज

(एक्टिवाइजेशन एण्ड ट्रांसफर ऑफ अंश-रेटिकम) एक्ट 1980 में संशोधनों के प्रभावण वाले इस विधेयक के अधिनियमित होने से भारतीय रिजर्व बैंक की निवारक शक्तियों में वृद्धि होगी. नए बैंकों की स्थापना के लिए लाहुरेंस जारी करने की मार्ग भी इससे प्रशस्त होगा. बैंकों के जम्मा-कालों व गैरधारकों के हितों की सुरक्षा के लिए इसके प्रबन्धक मण्डलों के निर्वाहों को 'ओवरसूत्र' करने के अधिकार रिजर्व बैंक को हस्तांतरित किए गए हैं. राष्ट्रीय-कृत बैंकों के गैरधारकों के मताधिकार की सीमा 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तथा निजी बैंकों के मामले में इसे 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 26 प्रतिशत करने में किया गया है. भारतीय बैंकों में विदेशियों के मताधिकार की 10 प्रतिशत की मौजूदा उच्चतम सीमा को भी इस विधेयक के प्रभावणों के तहत समान कर दिया गया है. विभिन्न पक्षों की आपत्तियों के चकते फोर्टर्ड कोर्टफेक्ट मॉडल से सम्बन्धित प्रभावण को लोक सभा में ही विधेयक में से हटा दिया गया था.

18/12/2012

रोजगार कार्यक्रम

स्वयं जवन्ती शहरी रोजगार योजना के तहत पर अब 'राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन' शुरू करने की सरकार की योजना

शहरी निर्धनता निवारण के लिए अक्षत एवं शहरी निर्धनता निवारण संकाय (Ministry of Housing and Urban Poverty Alleviation) की राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन (National Urban Livelihoods Mission—NULM) शुरू करने की योजना है. इसकी शुरुआत खतु वित्तीय वर्ष 2013-14 में ही सम्पादित है. स्वयं जवन्ती शहरी रोजगार योजना (SJRSY) के तहत पर लागू होने वाले इस कार्यक्रम के तहत शहरी निर्धनों के लिए कौशल प्रशिक्षण (Skill Training), नवीन रोजगार (New Employment) व स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा. स्कोर्ड टु अवन स्ट्रीट वेंचर तथा वीयर फॉर अवन स्ट्रीट वेंचर नाम की दो उपयोजनाएँ इस नए प्रस्तावित मिशन में शामिल होंगी.

18/12/2012

राजस्व

- **18 जिलों में गोर्दों के सख्तीय प्रत्यक्ष लाभ जनपद के तहत नार्द नार्द**

1 जून, 2013 से देश के 18 मुनीदा जिलों में गोर्दों के सख्तीय प्रत्यक्ष लाभ जनपद (Direct Benefit Transfer) के तहत नार्द नार्द है. (मुक्त: 20 जिलों में यह व्यवस्था

शुरू करने की घोषणा पेंडोविषय संभाव्य द्वारा की गई थी, किन्तु दो जिलों में उप-मुनीदा के कारण यह व्यवस्था एक माह बाद लागू की जाएगी.) यह सख्तीय (वर्तमान में ₹ 435 प्रति मिलियन) अब उपयोक्तारों के आधार सम्बद्ध बैंक खाते में हस्तांतरित की जाएगी. इसके लिए उपयोक्तारों को अपने आधार सम्बद्ध बैंक खाते का नम्बर अपने स्वीकृत बैंक निवारक को उपलब्ध करना होगा. इस औपचारिकता को पूरा करने के लिए तीन माह की छुट उपयोक्तारों को दी गई है. छुट की अवधि तक औपचारिकता पूरी न करने वाले उपयोक्तारों को स्वीकृत बैंक मिलेच्छत्र बाजार भाव पर ही उपलब्ध हो सकेछत्र.

जिन 18 जिलों में यह योजना 1 जून, 2013 से लागू की गई है, उनमें अन्ध प्रदेश के अमृतपुर, गिद्धर, पूर्वी सोरासरी, हैदराबाद व स्कोर्दो जिले, राम और टीन वर टीन, सोरा का उत्तरी गोरा, विमान प्रदेश के विमानपुर, हमीरपुर व जना. कर्नाटक का तुमकूर, केरल के पचनमविट्टा व बापनाद, महाराष्ट्र का कर्ना, पुदुचेरी का पल्लिकेरी, पंजाब का लुकीएस नगर (सर्ला जहर) तथा मध्य प्रदेश के खंडवा (पूर्वी मिनाइ) व हर्द जिले शामिल हैं. जिन दो जिलों में उपयुक्त के कारण प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण व्यवस्था एक माह बाद लागू होगी, उनमें कर्नाटक का मैदूर तथा विमान प्रदेश का नवी सिद्धा शामिल है.

- **जीएसटी पर राज्यों की राजनीति**

अल्पसंख्यक प्रणाली में सुधार की दिशा में मार्ग उस समय प्रशस्त हो गया जब बहुपक्षीय वस्तु एवं सेवा कर (Goods and Service Tax—GST) लागू करने के लिए केन्द्र व राज्य सरकारों में सहमति फरवरी 2013 में बन गई. केंद्रीय वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम के साथ राज्यों के वित्त मंत्रियों की अधिकांश प्राण समिति (Empowered Committee of State Finance Ministers) की नई दिल्ली में 14 फरवरी, 2013 की सम्पन्न बैठक में इस मामले में दोनों पक्षों के बीच एक राय बन गई. जीएसटी के कार्यान्वयन के लिए कठिण सांख्यिक संशोधन के लिए राज्यों ने अपने सहमति इस बैठक में दे दी है.

बैठक के पश्चात् विचार के उप-मुसुमणी तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों की अधिकांश प्राण समिति के अध्यक्ष सुजीत मोदी ने कहा कि समिति जीएसटी पर एक मॉडल कादून तैयार करेगी तथा सभी राज्यों के विधानमंडल इसे मंजूरी देवे. उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार राज्यों की केंद्रीय वित्ति कर 2 प्रतिशत बढ़ाने के बतले में मुआवजे की राशि का भुगतान करने की भी तैयार हो गई है.



‘गार’ का कार्यान्वयन अब 1 अप्रैल, 2016 से

विदेशी निवेश के तहत मैं कर-वसूल कर चुकता के लिए सामान्य कर परिचरानेवादी नियमों (General Anti-Avoidance Rules-GAAR) पर गठित विशेषज्ञ समिति की प्रमुख सिफारिशों को कुछ अपवादों के साथ स्वीकार करने हुए सरकार ने इनका विवेकपूर्ण दो वर्ष के लिए लागू दिया है, उससे फैसले के अनुसार "एन" के प्रथम भाग 1 अधिन, 2016 में लागू होने, इन नियमों को लागू कर उद्देश्य विदेशी निवेशकों को ऐसे गलत कार्रवाये से रोकना है, जिसका मूल्य थोड़ा केवल कर लाभ प्राप्त करना हो। इन नियमों को लागू करने की घोषणा 2012-13 के बजट घोषण में लक्ष्मणन वित्त मंत्री प्रथम मुवाकित ने की थी, किन्तु विदेशी निवेशकों की प्रतिक्रिया देखते हुए यह कार्यवाही 1 अधिन, 2016 में करने की घोषणा सरकार ने बाद में की। विदेशी निवेश पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को देखते हुए इसके लिए रोलेट नियमों हेतु पार्लियमन्त लोक की अपेक्षाओं के विशेषज्ञ समिति के गठन प्रथमर्षन में जुलाई 2012 में किया था जिसकी 1 सितम्बर, 2012 को प्रमुख सचिवन रिपोर्ट में इन नियमों का कार्यवाही होने के लिए स्वीकृत करने की संसदीय बोर्ड की थी, लोक समिति की रिपोर्ट पर सरकार के लक्ष्य फैसले की घोषणा वित्त मंत्री श्री. विष्णुवन्त ने 14 जनवरी, 2013 को की। समिति की सिफारिशों को कुल्लेक परिचराने के साथ स्वीकार करने हुए "एन" नियम 1 अधिन, 2016 में लागू करने के सरकार के फैसले की घोषणा वित्त मंत्री विष्णुवन्त ने की है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा किन्तु लागू किया एक करणवादी एक अपवाद पर कर कर न लगे। "एन" पर सरकार के लक्ष्य फैसले में विदेशी निवेशकों को लक्ष्य मिली है।

- केन्द्रीय योजनाओं को सविही संघों ही लाभार्थियों के बैंक खातों में नकद जमा करने की प्रवृत्ति साथ हस्तान्तरण योजना : पहले नरम का शुभारम्भ

केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी को सीधे ही लाभार्थियों के खाते में जमा करने की प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण (Direct Benefit Transfer-DBT) योजना के पहले वर्ष की तुलना में। जवानी, 2013 से हुई है, इस योजना को देशभर के 51 चुनिंदा जिलों में लागू करने की घोषणा सरकार ने पहले की थी, यद्यपि आयोग के निर्णय के चलते गुजरात व विमानचक्र प्रदेय, जहाँ नवम्बर-दिसम्बर 2012 में चुनाव हुए, के, 8 जिलों को योजना से पहले की हटा दिया गया था जिससे। जवानी, 2013 से 51 को बचाय 43 जिलों में ही इसे लागू किया जाना था, किन्तु विधानसभा 20 जिलों में ही था। 1 जनवरी से अब की जा सकी है।

इस योजना के तहत 34 विभिन्न योजनाओं के तहत दो करोड़ बीस लक्षिणी लाभार्थियों के लिये भी शीघ्र जमा करने की योजना सरकार ने पहले ही की, किन्तु अब 26 केन्द्रीय योजनाओं की लक्षिणी लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे ही धारणे की सरकार की योजना है। फिलहाल 1 जनवरी, 2013 से लक्षित योजनाओं को प्रत्यक्ष जमा हस्तांतरण योजना के चारों में लाया जाये। इसमें दलित, अशिक्षित और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति, डिग्री स्कॉलरशिप, मातृत्व स्वास्थ्य योजना, दलित परिवारों की कम्पासों की बीमा भुगतान तथा सड़क नकदी अलग-अलग योजनाओं द्वारा जमिन है। बाद में धरे-धरे अन्य लक्षित योजनाओं की जो सीधी के चारों में लाया जाएगा, छात्रवृत्ति, वस्त्रक व ईंधन पर की जाने वाली लक्षिणी फिलहाल हमें आश्वस्त की जाये है।

प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण योजना में पहले चरण में शामिल सात योजनाएं

1. अनुसूचित जाति के लिए वैदिक बाद छात्रवृत्ति योजना
2. अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए वैदिक बाद छात्रवृत्ति योजना
3. अनुसूचित जनजातियों के लिए वैदिक बाद छात्रवृत्ति योजना
4. अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए वैदिक पूर्व छात्रवृत्ति योजना
5. ईस्ट गॉर्डी मान्यता सहयोग योजना
6. धनसम्पत्ति योजना
7. भोजपुर तलाज करने वाले अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को प्रशिक्षण देती योजना

पहले चरण में शामिल 20 जिलों के नाम

1 जून, 2013 से विमनविहित 20 जनवरी से एलपीजी रसोई गैस की सुविधा सभी उपभोक्ताओं के खाली से इन्फ्रास्ट्रक्चर की जाने लगी है। तुमकुल, मैथिल, धारका, धुबुहेरी, जलेश्वर, एलपीगैस नगर, नवागढ़, पूर्वी निमाड़ (श्रद्धा), उत्तर-पूर्व दिल्ली, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, सोनानगर, हरदा, अजमेर, उदयपुर, अलवर, कैथरगढ़, अजंठपुर, सिव्ही, पूर्वी गोवापुरी, ईश्वर और हमन से

Abstract

विदेशी व्यापार

- 2012-13 में विदेशी व्यापार में शिथिलता : जापानों में मात्र 0-44 प्रतिशत की वृद्धि, जबकि निर्यातों में 1-76 प्रतिशत की वृद्धि। वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी के चलते भारत के विदेशी व्यापार में भी शिथिलता का चित्रणित हो रहा है, दुर्भाग्य के चलते बीते वित्तीय वर्ष 2012-13 में देश के वस्तु

निर्वाहों में डॉक्टर मृत्यु में 1-76 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है जिससे सन्दर्भित वर्ष में यह निर्वाह 300-571 अरब डॉलर की हो रहे हैं, पूर्व वर्ष 2011-12 में भारत यस्तुपन निर्वाह 305-964 अरब डॉलर के रहे थे, पिछली व्यापार के यह अनीति अधिकतम वाणिज्य नीति आनंद वर्ष में 18 अरब, 2013 की जारी किए, इन अधिकतम के अनुसार 2012-13 में डॉक्टर मृत्यु में भारत के आयातों में वृद्धि थी 0-44 प्रतिशत की रही है तथा इस वर्ष कुल आयात 491-487 अरब डॉलर के रहे हैं जो पूर्व वर्ष 2011-12 में 489-319 अरब डॉलर के रहे थे, हमसे 2012-13 के दौरान देश का व्यापार घाटा (निर्वाह की तुलना में आयातों का अधिपत) 190-916 अरब डॉलर के रिपोर्ट कर पर रहा है, 2011-12 में व्यापार घाटा 183-355 अरब डॉलर घाटा किया गया था।

वाणिज्य मंत्रालय के इन अनंतिम आँकड़ों के अनुसार ₹ मूल्य में 2012-13 में भारत के निर्यात ₹ 16,35,26,321 करोड़ का आयात ₹ 26,73,113 करोड़ के रहे हैं. इन आँकड़ों के अनुसार दोस्त मूल्य में निर्यातों में 74.76 प्रतिशत की वृद्धि आई है, वहीं ₹ मूल्य में निर्यातों में 11-55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है. ₹ मूल्य में 2012-13 में व्यापार घाटा ₹ 10,37,852 करोड़ रहा है. विदेशी व्यापार के यह अनंतिम आँकड़े दी गई तालिका में दर्शाए गए हैं—

भारत के विदेशी व्यापार के आँकड़ों—एक दृष्टि में

(हॉलर काल में)

	2011-12	2012-13
	(अरब डॉलर)	
निर्धन	305.964	300.571 (-1.76)
अयात	489.319	491.487 (0.44)
घटपार शेष	183.355	190.916
	(रू. लक्ष में)	
निर्धन	14,65,959	16,35,261 (11.55)
अयात	23,45,463	26,73,113 (13.97)
घटपार शेष	8,79,504	10,37,852

बोट-कोयला में लिग् नेट्स अधिक घुलने की तुलना में प्रतिभा बढ़ि जाती है.

राजा अकिहिको के अनुसार 2012-13 के दौरान 491-487 अरब डॉलर के कुल आयातों में तेल आयात 169-253 अरब डॉलर के व गैर-तेल आयात (Non-Oil Import) 322-234 अरब डॉलर के थे। पूर्व वर्ष की तुलना अवधि की तुलना में

2012-13 में नैल आयातों में 9-22 प्रतिशत की वृद्धि जहाँ कुर्छु वहाँ नैल आयातों में 3-62 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है. 2011-12 में 489-319 अरब डॉलर के कुल आयात में नैल आयात 154-967 अरब डॉलर के व गैर नैल आयात 334-352 अरब डॉलर के थे.

● **2012-13 के लिए अनुसूचक विदेश व्यापार नीति : निम्न सम्बन्ध के लिए अनेक उपाय**

1 अप्रैल, 2009 से 31 मार्च, 2014 (2009-14) के दौरान की अवधि के लिए विदेश व्यापार नीति सरकार द्वारा 27 अगस्त, 2009 को घोषित की गई थी. पीछे वर्षों के लिए घोषित इस नीति के तहत ही 2010-11 के लिए वार्षिक अनुसूचक नीति 23 अगस्त, 2010 को, 2011-12 के लिए 13 अक्टूबर, 2011 को तथा 2012-13 के लिए यह 6 जून, 2012 को घोषित की गई थी. 2013-14 के लिए वार्षिक अनुसूचक विदेश व्यापार नीति की घोषणा वार्षिक नवी अवधि अर्थात् 18 अक्टूबर, 2013 को की. यह अनुसूचक नीति ऐसे समय में घोषित की गई है जब देश का वैदेशी व्यापार भारी शिकंशा का शिकार है तथा पूर्व वर्ष 2011-12 में वसुंधरा निर्वाली में 1-76 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई है. साथ ही वैदेशी व्यापार द्वारा की 190-9 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर दर्ज किया गया है. इनके साथ-साथ देश विश्व में भारत का सबसे बड़ा तथा तेज़ का दूसरा बड़ा निर्यातक बन गया है. ऐसे में निर्वाली को बढ़ावा देने के जो विश्व प्रवास अनुसूचक नीति में किए गए हैं, उनके निम्नलिखित मुख्य हैं-

1. विशेष अर्थिक क्षेत्रों (Special Economic Zones-SEZs) में निवेशकों की सवि बढाने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं. आई. टी. सेक्टर के निर्यातों में उत्साह-पूर्ण परिभाषाओं को देखते हुए इस क्षेत्र के SEZs के लिए अतिरिक्त रिफायनों दी गई हैं.
2. निर्यातों को बढ़ावा देने के लिए निर्यात समर्थन पूँजीगत सामान (Export Promotion Capital Goods-EPCG) योजना के दो चरण-कृत क्षेत्रों के लिए शून्य प्रमुख ईपीसीजी तथा अन्य सभी क्षेत्रों के लिए 3 प्रतिशत प्रमुख वाली ईपीसीजी योजना कायम है. निर्यातकों के समर्थन में निर्यात बाधक में बदली की की गई है.
3. 2 प्रतिशत की व्याज रिवाज (Interest Sub-vention Scheme) अभी तक हस्तगत, इयकम्प, कार्बोन, रेडीमेड, कपड़ों, प्रसंस्कृत कृषि उत्पादों, खेल के सामानों व खिलाओं आदि के निर्यातों के लिए की उपलब्ध थी. इस योजना का दायर बढ़ाते हुए ईपीसीजी क्षेत्र के 134 सब सेक्टरों को भी इसके तहत लाया गया है. व्याज में 2 प्रतिशत की यह रिवाज 31 मार्च, 2014 तक उपलब्ध रहेगी.

4. फोकस मार्केट स्कीम (FMS). फोकस प्रोडक्ट स्कीम (FPS) व विशेष कृषि जलान (VKGUY) के तहत जारी 'दुधरी क्रेडिट सिस्टम' के उपयोग के दायरे का विस्तार किया गया है.

5. फोकस मार्केट स्कीम के तहत जाँचें को तथा स्पेशल फोकस मार्केट स्कीम के तहत केनेडियन को जॉयंट किया गया है. इससे इन योजनाओं में शामिल देशों की संख्या बढ़कर क्रमशः 125 व 50 हो गई है.

6. फोकस प्रोडक्ट स्कीम का भी विस्तार करते हुए ईपीसीजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स व टेक्स्टाइल्स सेक्टरों के लक्षण 126 अन्य उपस्तर इसमें शामिल किए गए हैं. इसी प्रकार साफ्ट लिवर चीस प्रोडक्ट स्कीम के तहत 47 उत्पाद बढ़ाए गए हैं.

7. गुजरात के मोरबी (Morbi) को सिरेनिक यशस्व के लिए तथा हरियाणा के गुडगाँव को बस्सों के निर्यात के लिए 'शान्क ऑफ एक्स्पॉर्ट एक्सीलेंस' को सूची में जोड़ा गया है.

8. जनवरी 2013 से मार्च 2013 के दौरान अमेरिका, यूरोपीय संघ व एशिया के लिए परिवर्धित निर्यातों के प्रोत्साहन (Incremental Export Incentivisation Scheme) की घोषणा सरकार ने 26 दिसम्बर, 2012 को की थी. जो जनवरी-मार्च 2013 के लिए थी. इस योजना को 2013-14 के दौरान जारी रखने तथा ब्रिटेन अमेरिका व अफ्रीका के 53 देशों को इसमें शामिल करने की घोषणा अनुसूचक नीति के तहत की गई है.

9. ईपीसीजी योजना के निर्यात बाधकता सम्बन्धी देनदारी के मामलों को बंद करने की सुविधा दी गई है.

10. सेवा प्रदाताओं को सर्वश्रेष्ठ डीप्टा स्कीम (SEPS) के तहत उपलब्ध कराई जाने वाली कुदुर्छु की सिस्टम के लिए गुणता विधि को निर्यातकों के अनुकूल बनाया गया है.

11. विशेष कृषि जलान (VKGUY) के उपायों को बढ़ाया गया है जिसके चलते इस योजना का लाभ सीमित हो रहा था.

12. स्ट्रेट्स होल्डर इन्वेंटिव स्कीम (SHIS) का विस्तार 2012-13 के लिए किया गया था. 2013-14 में यह योजना उपलब्ध नहीं रहेगी.

13. काले का आयात पूर्वीय बंदरगाहों पर ही किया जा सकता है. यह आयात अब इन्वेंटिव

कंटेनर डिपो (ICD) फ्रीज़ाबाद व एम्बोर पोर्ट (समिन्हाडु) पर भी किया जा सकेगा.

14. वैदेशी व्यापार सम्बन्धी अधिकारों की सुशक्ता में सुधार तथा उन्हें जारी करने में लागे लागे समय में बदौती के लिए कदम उठाए गए हैं. वैदेशी व्यापार के अतिरिक्त अधिकृत अब सम्बन्धित ग्राहक बनने के 15 दिन के भीतर ही जारी किए जाने की व्यवस्था की गई है. इसके साथ ही प्रक्रियाओं का सरलीकरण किया गया है तथा दरमावेजी गतिविधियों को आसान बनाया गया है.

● **विशेष अर्थिक क्षेत्रों (SEZ) के मामलों में विकास**

वर्ष 2013-14 के लिए घोषित अनुसूचक व्यापार नीति में विशेष अर्थिक क्षेत्रों के मामलों में निम्नलिखित नियमों प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है.

विशेष प्रकार के SEZ के लिए न्यूनतम भू-क्षेत्रफल आवश्यकता को आधा कर दिया गया है.

बहु उत्पाद SEZs के लिए न्यूनतम भू-क्षेत्रफल 1000 हेक्टेयर के स्थान पर 500 हेक्टेयर तथा सेक्टर विशेष SEZ के लिए 50 हेक्टेयर कर दिया गया है.

सूचना प्रौद्योगिकी/सूचना प्रौद्योगिकीजनित सेवाओं के SEZ के न्यूनतम भूमि होने की जगह को हटा दिया गया है. न्यूनतम निर्मित भूमि की कमीटी को भी खीसा किया गया है.

SEZ को किसी तथा स्वायत्त हस्तान्तरण की भी अनुमति दी गयी है.

● **विदेशी से प्रविष्टियों के मामलों में भारत का पहला स्थान : विश्व बैंक रिपोर्ट**

विदेशी में काम कर रहे अपने नागरिकों द्वारा सम्पत्ति धन प्राप्त करने के मामलों में भारत का विकासशील देशों में पहला स्थान है. जूनियर वर्ष 2012 के दौरान 69 अरब डॉलर की प्रविष्टी भारत को इस क्रम में हुई है, जबकि 60 अरब डॉलर की प्रविष्टियों के साथ चीन का इस मामले में दूसरा स्थान रहा है. यह जानकारी विश्व बैंक की एक राजा रिपोर्ट में दी गई है. अक्टूबर 2013 में जारी इस रिपोर्ट के अनुसार तीन सम्पन्न खाड़ी सहयोगी परिषद (GCC) देशों में अकुलत बचिवों की बड़ी. संस्था के अतिरिक्त अमेरिका व अन्य उच्च आय वाले देशों में भी बड़ी संख्या में भारत के कुशल प्रवासी बचिव रहते हैं. इनके द्वारा बड़ी मात्रा में सम्पत्ति धन देश की अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार 2012 के दौरान सम्पत्ति धन प्रविष्टियों में भारत व चीन के पड़ोस जहाँ के तीन स्थान क्रमशः फिलीपींस (24 अरब

डॉलर), मैक्सिको (23 अरब डॉलर) तथा नार्थजीरिया व मिश्र (21-21 अरब डॉलर) के रहे हैं, लिपेटर में बताया गया है कि 2012 के दौरान विकासशील देशों में कुल प्रतियोगी 401 अरब डॉलर रही हैं, जो पूर्व वर्ष की तुलना में 5-3 प्रतिशत अधिक है, अगले तीन वर्षों में हट रमिटेन्स (Remittances) में 8-8 प्रतिशत की सहायता वृद्धि की सम्भावना रिपोर्ट में व्यक्त की गई है जिससे 2015 तक यह 515 अरब डॉलर के स्तर तक पहुँच सकेगी।

- **आज्य ऊर्जा मामले में स्वाधीनता सामग्री पर अमरीकी सख्ती का भारत तथा विश्व : समकाल डब्ल्यूजीओ में से ताला क्या**

भारत में सोलर सैल व सोलर थर्मोप्लूट पर जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन के तहत दी जा रही सहायता को विश्व व्यापार संगठन (WTO) के नियमों का उल्लंघन मानते हुए उसको विशुद्ध डब्ल्यूजीओ का रक्तकाज अवरोधक ने फरवरी, 2013 में यह कहते हुए खटखटाया था कि इससे अमरीकी कम्पनियों प्रभावित हो रही थी, अब ऐसे ही एक अन्य मामले में भारत ने अमरीका के विशुद्ध अपना विशेष डब्ल्यूजीओ में अप्रैल 2013 में दर्ज कराया है, भारत का कहना है कि अमरीका आज्य ऊर्जा क्षेत्र में स्वाधीनता सामग्री पर सख्ती की पैतृक कर रहा है, जिसके चलते इस क्षेत्र में भारतीय कम्पनियों का प्रवेश मुश्किल हो गया है, स्वदेशी सामग्री के इस्तेमाल के लिए अमरीकी सख्ती की पैतृक कर डब्ल्यूजीओ के ट्रिप्स (TRMS) सख्ती के उल्लंघन मानते हुए इस पर अपना विशेष भारत ने दर्ज कराया है,

- **लकन पोन्नु उपाय में निर्यात का अंश**
कमिशन यंत्री आनंद गर्मा द्वारा लोक सभा में 22 अक्टूबर, 2013 को दी गई एक सूचना के अनुसार देश के समस्त पोन्नु उपाय (GDP) में निर्यात का अंश 2009-10 में 13.9 प्रतिशत था, जो बढ़कर 2010-11 में 16.0 प्रतिशत व 2011-12 में 17-7 प्रतिशत हो गया था,
- **विजय व कानुन निर्यात में भारत का अंश**
लोक सभा में एक जानकारी देने हुए काजिपुत्र मंत्री आनंद गर्मा ने 22 अक्टूबर, 2013 को बताया कि विश्व के कुल कानुन निर्यात में भारत का अंश 2010 में 1-48 प्रतिशत था, जो बढ़कर 2011 में 1-66 प्रतिशत होने के पश्चात् 2012 में 1-60 प्रतिशत रह गया था,
- **भारत व जापान के बीच यात्रा करेगी स्वेप सम्मोदा**
भारत व जापान के आपसी, आर्थिक, काजिपुत्र एवं विदेशी सम्बन्धों को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से दोनों देशों के

केन्द्रीय बैंकों ने पारस्परिक मुद्राओं की अदला-बदली के एक नए समझौते (Currency Swap Pact) पर 4 दिसम्बर, 2012 को हस्ताक्षर किए हैं, पारस्परिक मुद्राओं की अदला-बदली के लिए दोनों देशों के बीच 'करेंसी स्वेप फैक्ट' लागू रहते भी कार्यान्वित रहा है तथापि दिसम्बर 2012 के तामा समझौते द्वारा इसे और अधिक व्यापक किया गया है, भारतीय रिजर्व बैंक के चान्सेलर डी. मुकुण्डराव व बैंक ऑफ जापान के गवर्नर यसाकी शिगाकाका द्वारा हस्ताक्षरित इस समझौते के तहत अगले तीन वर्षों में दोनों देश अपनी-अपनी मुद्राओं (येन व रुपया) की 15 अरब डॉलर की सीमा तक अदला-बदली कर सकेंगे, इससे पूर्व 2008 से 2011 के दौरान प्रभावित रहे, ऐसे शिवाजीय समझौते के तहत करेंसी अदला-बदली की सीमा 3 अरब डॉलर हो थी,

15/03/2013

पूँजी बाजार

यूरोएक्स-भारत का छठ कम्पेडिटी एक्सचेंज

विश्वों के वापदा कारोबार के लिए मुम्बई में नवस्थापित यूरोपर्सन कम्पेडिटी एक्सचेंज (UCX) ने 19 अक्टूबर, 2013 से कार्य प्रारम्भ कर दिया है, आईटीबीआई बैंक, इफको, 'नार्कट' व आईसी के साथ संयुक्त उद्यम के रूप में कमेक्स टेक्नोलॉजीस (Commerz Technologies) द्वारा प्रवर्तित इस एक्सचेंज में कृषि व गैर-कृषि अनुबंध में कारोबार सुविधा उपलब्ध कराई गई है, मुम्बई स्थित यह एक्सचेंज देश का छठा कम्पेडिटी एक्सचेंज है, इन सभी छठ कम्पेडिटी एक्सचेंजों के साथ निम्नलिखित हैं-

- एसीएक्स-मल्टी कम्पेडिटी एक्सचेंज
- MCX-Multi Commodity Exchange
- एनसीडीएक्स-नेशनल कम्पेडिटी एण्ड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज
- NCDEX-National Commodity and Derivatives Exchange
- एनएसडी-नेशनल मल्टी कम्पेडिटी एक्सचेंज
- NMCE-National Multi Commodity Exchange
- आईसीएक्स-इंडियन कम्पेडिटी एक्सचेंज
- ICEN-Indian Commodity Exchange
- एसीई-एस डेरिवेटिव्स एण्ड कम्पेडिटी एक्सचेंज लि.
- ACE-Ace Derivatives and Commodity Exchange Ltd.
- यूसीएक्स-यूरोपर्सन कम्पेडिटी एक्सचेंज
- UCX-Universal Commodity Exchange

एसीएक्स-एसएक्स : देश में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा ऑनलाइन स्टॉक एक्सचेंज

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) व राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज के पश्चात् अब एसीएक्स-एस एक्स देश में राष्ट्रीय स्तर पर तीसरा ऑनलाइन स्टॉक एक्सचेंज है, एसीएक्स-एसएक्स (एसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज) में शेयरों का कारोबार फरवरी 2013 में शुरू हो गया है, 9 फरवरी, 2013 को मुम्बई में इसका उद्घाटन रित मंत्री पी. विजयवासु ने किया, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) व राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के पश्चात् यह ऑनलाइन कारोबार करता देश का तीसरा राष्ट्रीय स्तर का स्टॉक एक्सचेंज है, इस एक्सचेंज में सली कम्पेडिटी एक्सचेंज (MCX) की डिपेंडी 51 प्रतिशत है, इस एक्सचेंज के कार्यन्वित होने से शेयर कारोबार में प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी तथा निवेशकों के लिए विकल्प बढ़ेंगे,

उल्लेखनीय है कि देश में नर्सियाय में कुल 21 स्टॉक एक्सचेंज हैं जिनमें से 17 में पिछले पाँच वर्षों में कोई ट्रेडिंग नहीं हुई है,

राष्ट्रीय गांधी इंडिक्सी सेविंग योजना

जोटे निवेशकों को प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय गांधी इंडिक्सी सेविंग योजना का शुभारम्भ रित मंत्री विजयवासु ने 9 फरवरी, 2013 को मुम्बई में किया, इस योजना की घोषणा मार्च 2012 में 2012-13 का बजट प्रस्तुत करने हुए उल्लेखनीय रित मंत्री प्रधान मुकुण्ड ने की थी, योजना के तहत 10 लाख रुपए तक वार्षिक आय वाले निवेशक आयकर में छूट का लाभ अनुभूति कर पायें गायें किन्तु 2013-14 के बजट प्रस्तावों के तहत इस सीमा की 12 लाख रुपए किया गया है, अधिकतम 50 हजार रुपए तक कर लाभ इस योजना के तहत किया जा सकता है, निवेश की गई रकम पर कर लाभ केवल आयों मात्र पर मिलेगा, जो 50 हजार रुपए से ज्यादा नहीं हो सकती है, योजना का लाभ इंडिक्सी में पवनी बार रिजेंट करने वाले प्रावकों की ही विशेष,

- **एच कैप की वृद्धि से टीसीएस सबसे मजबूत कम्पनी बनी**

कुन बाजार मूल्य (M. Cap) की दृष्टि से टाटा समूह की सोफ्टवेयर कम्पनी टीसीएस ने 23 अक्टूबर, 2013 को ओपनलीसी की पीछे छोड़ते हुए तीर्थ स्थान बन लिया था, शेयर मूल्यों में उतार-चढ़ाव के चलते टीसीएस का बाजार मूल्य 23 अक्टूबर को ₹ 2,79,804 करोड़ हो गया था, जबकि उस दिन की स्थिति में ओपनलीसी, जो पहले स्थान पर थी, का कुल बाजार मूल्य ₹ 2,79,46.5 करोड़ था, उल्लेखनीय है कि किसी भी कम्पनी के शेयर मूल्यों के उतार-

संज्ञा के साथ उसके एच. केप में भी परिवर्तन आता है. इस माने संबंधित एच केप वाली कम्पनियों के स्थान और दिन ऊपर नीचे होते रहते हैं.

उद्योग क्षेत्र

● अम्बानी कम्पनी में कारोबारी सम्पन्न

अम्बानी परिवार के दोनों भाद्यों मुंडेडा अम्बानी व अनिल अम्बानी की कम्पनियों ने टेलीकॉम कारोबार में पारंपरिक सहयोग के लिए एक समझौता अगस्त 2013 में सम्पन्न किया है. 1200 करोड़ रुपये के इस समझौते के तहत मुंडेडा अम्बानी के नेतृत्व वाली रितायंस इन्फ्रस्ट्रक्चर की टेलीकॉम कम्पनी रितायंस जियो इंडोकोम वि. 4वीं मंजुरी की अनुमति के लिए अनिल अम्बानी की रितायंस कम्प्यूटिकेज (आर. कॉम) के ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का इस्तेमाल करेगी. दोनों कम्पनियों के बीच इस अजय का समझौता 2 अगस्त, 2013 को सम्पन्न हुआ है. रितायंस जियो इंडोकोम (पूर्व नाम इंडोटेक प्रॉपर्टी ग्रुप) को देशभर में 4वीं सेवाएं प्रदान करने के लिए सितंबर 2010 में प्रारण हुआ था, किन्तु इसके द्वारा यह सेवाएं अभी तक शुरू नहीं की जा सकी हैं. इस सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आर. कॉम के देशभर में फैले तथा विभिन्न शहरों से जुड़े 1,20,000 किमी के ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का इस्तेमाल रितायंस जियो इंडोकोम द्वारा किया जाएगा. इस ऑप्टिकल फाइबर ग्रिड का इस्तेमाल अंतर. कॉम द्वारा भी किया जा सकेगा.

● ईरान-पाकिस्तान गैस पाइपलाइन परियोजना पर कार्य प्रारम्भ : दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने किया शुभकामना

ईरान के राष्ट्रपति करुबखान के कतमा उस पर गैस एवं गैस कारोबार के लिए अमेरिकी प्रतिस्पर्धियों के बावजूद ईरान से पाकिस्तान के लिए गैस के परिवहन हेतु प्रस्तावित पाइपलाइन परियोजना पर काम 11 मार्च, 2013 को शुरू हो गया है. पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी व ईरान के राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद ने संयुक्त रूप से ईरान के चबाहार (Chabahar) शहर में इसकी शुरुआत की. इस पाइपलाइन के ईरान जाने वाले में निर्माण कार्य अजय पूरा हो चुका है, जबकि पाकिस्तान में 781 किमी लंबी पाइपलाइन अभी बिछाई जा रही है. विभिन्न कारोबारियों के साथ-साथ प्रतिस्पर्धियों के भय के चलते पाकिस्तान में यह कार्य अभी तक लम्बित रहा है. 1-5 अरब डॉलर की यह अनुमानित परियोजना सितम्बर 2014 में पूरी होने की सम्भावना है. इस पाइपलाइन के जरिए ईरान अपने सबसे विशाल गैस भण्डार 'मायदा पार्स' से पाकिस्तान में

शिख में नवाबजाद तक के लिए 21-5 मिलियन घन मीटर गैस की आपूर्ति प्रतिदिन कर सकेगा. इसे 'गैस पाइपलाइन' कहते हुए पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा है कि इसका निर्माण दोनों पड़ोसी देशों में जाति, धर्म आदि बिना हेतु महत्वपूर्ण होगा.

प्रतिस्पर्धियों का सामना कर रहे ईरान के साथ पाकिस्तान की इस पाइपलाइन परियोजना का अवरोधन ने भारी विरोध किया है. परियोजना पर काम शुरू होने में दो सालों पूर्व ही अमेरिकी विदेश विभाग ने पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि इस परियोजना को लेकर कई प्रतिस्पर्धियां उत्पन्न हो सकती हैं. इस मामले में अमेरिकी विरोध को दबकान करने हुए पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने 2 मार्च, 2013 को अपने निवास पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्पष्ट कहा था कि इस परियोजना को रोकने की ताकत किसी के पास नहीं है. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक सम्पूर्ण और स्वतंत्र राष्ट्र है, जो पाइपलाइन परियोजना को आगे बढ़ाने में अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर काम कर रहा है. अमेरिका के विरोध के बारे में पूछे जाने पर जरदारी ने कहा कि पाकिस्तान स्वतंत्र रूप से फैसला कर सकता है और अपने ऊर्जा स्रोत को दूर करने के लिए किसी भी देश के साथ समझौता कर सकता है. उन्होंने आज्ञा व्यक्त की कि आगे चलकर औद्योगिक भी इस परियोजना को प्रेरणा करेंगे.

● विश्व कम्पनी ब्रेडवॉथ को केसर की रवा का ब्रेट्ट प्रदान करने के लक्ष्य में सर्वोच्च लक्ष्यवाक्य का इशारा

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सिविलरिजेंट को दवा कम्पनी नोवार्टिस की भारतीय इकाई को केसर की रवा ग्राहक के ब्रेट्ट प्रदान करने से इनकार किए जाने से यह दवा भारतीय बाजार में बंद कर दिया गया. उल्लेख्य को सही. इससे लूकॉविया (नोट केसर) के रोगियों को बड़ी राहत मिल सकती. एक साल के लड़ाई के लिए नोवार्टिस को ग्राहक दवा का मूल्य नहीं कम कर 1-10 लाख रुपये बताया जाता है. वहीं इसकी जेनेरिक दवा की एक महीने की शुल्क 8-10 हजार रुपये हो बैठती है.

नोवार्टिस की भारतीय इकाई ने ग्राहक केसर को अलग इन्वेंट्रीशन काले हुए इसके लिए ब्रेट्ट की योग की भी जिसे विभिन्न अचारों पर सर्वोच्च न्यायालय ने 1 अगस्त, 2013 के अपने फैसले में खारिज किया है.

'गैस' व 'गैस' को भारत का दर्जा मिलने से देश में महान कम्पनियों की संख्या अब सात सार्वजनिक क्षेत्र की दो अन्य कम्पनियों भारत इंडी इलेक्ट्रिकल्स लि. (BHEL) व

गैस (इंडिया) लि. को 'नवतार' का दर्जा सरकार ने फरवरी 2013 में प्रदान किया है. इससे पूर्व ये कम्पनियों सार्वजनिक क्षेत्र की नवतार कम्पनियों थीं. नवतार का दर्जा प्राप्त होने से इन्हें अब असेलकृत अधिक विशेष एवं पश्चिमाल स्वायत्तता प्राप्त होगी तथा 5000 करोड़ रुपये तक के निवेश के फैसले से स्वयं अपने ही स्तर पर कर सकेंगी. नवतार कम्पनियों के लिए यह सीमा 1000 करोड़ रुपये की है. 'गैस' व 'गैस' को महान का दर्जा प्राप्त हो जाने से देश में महान कम्पनियों की कुल संख्या अब सात हो गई है. पाँच अन्य महान कम्पनियों-ओएनसीसी, भारतीय गैस निगम (IOC), राष्ट्रीय गैस विद्युत निगम (NTPC), कोल इंडिया लि. (CIL) व स्टील ऑथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAIL) है. दोनों अन्य कम्पनियों 'गैस' व 'गैस' को 'नवतार' का दर्जा फिलहाल साराई की प्रदान किया गया है. इन कम्पनियों के निदेशक मंडलों में सर्वोच्च निदेशकों की संख्या फिलहाल बाँधित संख्या से कम है. महान कम्पनियों को प्रदान अधिकारों का हलफाल करने के लिए इन दोनों कम्पनियों को अपने निदेशक मंडलों में सर्वोच्च निदेशकों की संख्या में बाँधित वृद्धि करनी होगी. 'गैस' व 'गैस' को प्रदान 7 जून हुई है, वहीं नवतार कम्पनियों की संख्या 16 से बढ़कर 14 कर गई है. 68 अन्य कम्पनियों को निदेशक कम्पनी का दर्जा फरवरी 2013 के अंत में प्राप्त था.

भारत की 7 महान कम्पनियों

(फरवरी 2013 के अंत की स्थिति)

1. भारतीय इस्पात प्राधिकरण (SAIL)
2. गैस एवं प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)
3. भारतीय गैस निगम (IOC)
4. राष्ट्रीय गैस विद्युत निगम (NTPC)
5. कोल इंडिया लि. (CIL)
6. भारत इंडी इलेक्ट्रिकल्स लि. (BHEL)
7. गैस (इंडिया) लि.

14 नवतार कम्पनियों

(फरवरी 2013 के अंत तक की स्थिति)

1. भारत डेटेलियम कॉर्पोरेशन लि. (BHEL)
2. राष्ट्रीय विद्युतकर्म निगम लि. (REC)
3. हिन्दुस्तान डेटेलियम कॉर्पोरेशन लि. (HPCL)
4. नेशनल एल्यूमीनियम कम्पनी (NALCO)
5. महानगर डेटेलियम लि. (MTNL)
6. पाँच फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC)
7. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. (BEL)
8. भारतीय नौबल निगम (SCI)
9. हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (HAL)
10. ऑइल इंडिया लि. (OIL)

- 84 पोवर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लि. (PGCIL)
- 85 राष्ट्रीय द्रव्य निगम लि. (RINL)
- 86 राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC)
- 87 निक्वेटी लिमिटेड लि. (NLL)

● डीजल के मुख्य निर्यात की तेज विपणन कम्पनियों को अधिक छूट

पेट्रोविद्यमान सखिरी पर अंशुज तपावे के उद्देश्य से सरकार ने पेट्रोल के पश्चात् अब डीजल का मुख्य निर्यात भी अब तेज विपणन कम्पनियों के हाथों में सार्ज सीप दिया है, तेज विपणन कम्पनियों को डीजल मुख्य में वृद्धि की जो छुट सरकार ने प्रदान की है, उसके तहत थोक डीलरों के लिए डीजल का बाजार आर्थात् मुख्य निर्यात की पूरी छुट कम्पनियों को जहाँ मिल गई है, वहाँ खुदरा मुख्य के मामले में तेज कम्पनियों की मात्र अधिकतम 50 प्रति प्रति लिटर की वृद्धि ही डीजल के मुख्य में कर सकेगी, खुदरा विक्री के मामले में तेज विपणन कम्पनियों को किसी छुट सीमित होने के बावजूद थर्म-थर्म डीजल के खुदरा मुख्य बाजार आधारित हो सकेने तथा इन पर देय सखिरी का कोई काम हो सकेगा.

डीजल मुख्य निर्यात की छुट मिलने के बाद थोक डीलरों के लिए डीजल के मुख्य में लगभग 10 प्रति लिटर की भारी वृद्धि हो सकेगी, 'कैट' व अन्य कर-उपकर विभाजक मुख्य में प्रभावी वृद्धि इससे अधिक होगी, इससे तेज व रोडवेज अदि थोक डीलरों पर भारी वित्तिय भार पड़ेगा, इस स्थिति से निवृत्तने के लिए कुकेक सार्वी में रोडवेज ने अपनी बलों के लिए डीजल थोक की बजाय रिटेल में खरीदने की घोषणा की है, जबकि तेज के पास इससे बचाव का कोई रास्ता नहीं है, तेज की डीजल की साखना जबरन लगभग 250 करोड़ लिटर की है, जिसमें उस पर चढ़ने वाला अतिरिक्त भार लगभग 2700 करोड़ का होगा, तेज ने अपनी वित्तिय स्थिति सुधारे के लिए बाड़ी किरायों में भारी वृद्धि जनवरी 2013 में की है, जिससे 12000 करोड़ की अतिरिक्त रायस्म प्रॉलि का अनुमान तेजों का है, इसका लगभग एक-तीर्थाई भाग उसे अब डीजल के अतिरिक्त मुख्य के रूप में खर्च करना होगा.

● संतर्द की मंजूरी के पश्चात् खुदरा क्षेत्र में एकीकृत की जाने दु

माल्टी ब्रांड खुदरा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (FDI) के मामले में विपक्ष द्वारा अवलोकन जा रहा होगा इतने में सरकार की सफलता दिसम्बर 2012 में उस समय किसी जब एकीकृत के संशोधन में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज द्वारा संसद में चर्चा के लिए लाया गया प्रस्ताव दोनों ही सदनों में

खाफिज हो गया, इससे इस क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के लिए मार्ग प्रजस्त हो गया है, इस मामले में विपक्ष का हो कला एक बार पुनः बाद में उस समय हुआ जब अमेरिकी सीनेट में प्रकटित एक रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ कि इस मामले में खंशि के लिए 125 करोड़ डॉलर वॉलन्तर द्वारा खर्च किए गए, इस मामले में किसी मेवाजिब न्यायोधीन से जीव करने का आवश्यकन सरकार ने संसद में दिया है.

● नई रणनीति दवा मुख्य नीति को रोजिमानन की मंजूरी

केन्द्र सरकार ने नई दवा मुख्य नीति की मंजूरी 22 नवम्बर, 2012 को प्रदान की है, इस नीति को अंजिम रूप देने के लिए 25 नवम्बर, 2012 की समय सीमा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक सार्व प्रवर्धित की गई थी, यह समय सीमा समाप्त होने से पूर्व ही इस नीति का अनुसूचीन सरकार ने कर दिया है, नई नीति के चलते अब 348 आवश्यक दवाएं मुख्य नियंत्रण के दायरे में आ जाएंगी जिसमें इनकी कीमतों में कमी होने की सम्भावना है, इससे पूर्व राष्ट्रीय दवा मुख्य प्राधिकरण (NMPA) के जर्ज 74 सार्व दवाओं और उनके फार्मूलेस का मुख्य की सरकार निर्वाचित करती थी.

2013 की नई दिल्ली-बावडा राजधानी एक्सेलन को वार्ड-कार्ड से तैयार किया, इससे चर्चियों की 4 MBPs की डाउनलोडिंग सीधे प्रत्यक्ष हो सकेगी, राजधानी व अन्तर्देशी एक्सेलन जैसी कुछ अन्य सुपरग्रामट रेगुलेशियों में भी यह सुविधा ही तैयार करने में उपलब्ध करने की घोषणा तेज मंत्री ने की है, तेजों द्वारा चित्तहाल यह सुविधा नि-शुल्क उपलब्ध कराई गई है, किन्तु बाद में इसके लिए कुछ शुल्क भी तेजों द्वारा निर्धारित किया जा सकता है, रेगुलेशियों में वार्ड-कार्ड सुविधा टेक्नीसी.कीय के सहयोग से शुरू की गई है.

● जैट एयरवेज की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी एलियट एयरवेज को लेवने की सम्भावना

भारत की जैट एयरवेज ने आनु खाली की एलियट एयरवेज के साथ भागीदारी के एक समझौते की घोषणा अक्टूबर 2013 में की है, इसके तहत जैट की 24 प्रतिशत हिस्सेदारी एलियट द्वारा 2018 करोड़ में खरीदी जाएगी, इसके लिए जैट एयरवेज के 2-73 करोड़ शेयर 754-74 प्रति शेयर की दर से प्रावधिकता के आधार पर एलियट को जारी किए जाएंगे, यह खरीद जैट के शेयरों के लक्ष्यशीन बाजार मुख्य से लगभग 30 प्रतिशत अधिक है, इस विक्री के बाद भी

चीनी उद्योग को नियन्त्रणमुक्त करने के सम्बन्ध में रंगरजन समिति की सिफारिशें

कुछे समय से सरकार के कटोर नियन्त्रणाधीन चल रहे चीनी उद्योग के अब नियन्त्रणमुक्त होने की सम्भावना है, इस उद्योग को नियन्त्रणमुक्त करने से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों पर विचार के लिए प्रकल्पनरी की आर्थिक सलाहकार परिषद (PMFAC) के अध्यक्ष डॉ. सी. रंगरजन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन सरकार ने जनवरी 2012 में किया था, समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को 12 अक्टूबर, 2012 को सौंपी है.

समिति के सुझाव एक दृष्टि में

- चीनी की लेवी व्यवस्था समाप्त की जाए.
- राजन की दुकानों के लिए वित्तिय हेतु चीनी राज्य सरकारें खुले बाजार से ही क्रय करें तथा इसके लिए सखिरी सीधे राज्य सरकारों को केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराई जाए.
- गन्ना क्षेत्र के अंतराल की व्यवस्था समाप्त की जाए.
- किसी दो चीनी मिलों के बीच न्यूनतम दूरी का अतिरिक्त समाप्त किया जाए.
- चीनी के कई-प्रोडक्ट्स का मुख्य बाजार आधारित हो.
- सीमेंट की तरह चीनी के मामले में भी छुट की वॉरिंटों में रैंकिंग की अनिवार्यता को समाप्त किया जाए.

30/09/2013

परिवहन एवं संसार

● नई दिल्ली-बावडा राजधानी एक्सेलन वार्ड-कार्ड सुविधा वाली भारत की खाली रेगुलेशी

तेज यात्रियों की बेहतर सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रेगुलेशियों में इंटरनेट सुविधा की सुगमता अब तेजों ने की है, इसकी सुगमता चित्तहाल नई दिल्ली-बावडा राजधानी एक्सेलन के नई नई है, पायलट प्रोजेक्ट के तहत-लाभशीन तेज मंत्री पवन बंसल ने 2 अक्टूबर,

जैट एयरवेज की 51 प्रतिशत हिस्सेदारी व कम्पनी पर नियंत्रण नरेश गोपाल का बना रहेगा.

● पाकी खर्चों में अंतराल अब 60 दिन पूर्व

रेगुलेशियों में अंतराल अब पाकि की निधि से अधिकतम दो माह पूर्व करवा जा सकेगा, यह समय सीमा पहले पाह माह थी, जिसे 1 नई, 2013 से वास्तविक 2 माह किया गया है, इस मामले में तेजों का अब यह मानना है कि अधिकतम तेज पाकी अपनी पाकी की योजना दो माह के भीतर की बला पाते हैं, किन्तु बुकिंग 120 दिन पहले शुरू



जाने के कारण टिकटों की बालाबाजरी करने वाले इसे बुक कर लेने में और बाढ़ में इन टिकटों की अधिक कृप पर बेवारी है.

देश में पहला महिला डाकघर नई दिल्ली में स्थापित : पहला महिला बैंक नवम्बर तक चलने की सम्भावना

देश में पहला महिला डाकघर नई दिल्ली में तात्काली धन में मार्च 2013 में स्थापित किया गया है. 8 मार्च, 2013 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इसका उद्घाटन संघार व सुचना प्रौद्योगिकी मंत्री कपिल शिबल ने किया. इसका परिचालन पूरी तरह से महिला कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा. इस ठर का देश में यह पहला ऐसा डाकघर है. जाने वाले दिनों में ऐसे और महिला डाकघरों की स्थापना की घोषणा संघार मंत्री कपिल शिबल ने इस अवसर पर की है.

महिला डाकघरों की स्थापना के साथ-साथ पूर्ण तरह से महिलाओं द्वारा संचालित बैंक की स्थापना की भी संसार की योजना है. हाली विधायी वर्ष 2013-14 के लिए बजट प्रस्तुत करने समय अपने बजट भाषण में देश में 'महिला बैंक' की स्थापना का प्रस्ताव दित मंत्री श्री. विजयलक्ष्मी ने किया था. वह बजट नवम्बर 2013 तक शुरू होने की सम्भावना काय में पराकारी के साथ बायोमी में विश्वमंती विमलक्ष्मी ने जका की है. इस बैंक की प्रारम्भिक पूंजी के लिए ₹ 1000 करोड़ का प्रावधान 2013-14 के बजट में किया गया है. बैंक के लिए डाकघरों का नर्सन अक्टूबर 2013 तक श्राप हो जाने की सम्भावना दित मंत्री ने जका की है. प्रारम्भ में बैंक की छ: शाखाएँ विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित की जाएगी.

- निचल विमों की रूढ़ करने व नए सिम जारी करने में कराई के चलने देश में टेलीफोनी बरी

दिसम्बर 2012 के अल में देश में टेलीफोन परिपुन के जीकडे केनीय संसार संजल्य डाग 11 फरवरी, 2013 को जारी किए गए. इन जीकडों के अनुसार देश में टेलीफोन कनेक्शनों की संख्या में विलय वर्षों में तीव्रगति से हो रही वृद्धि विलहास धम है. नए 'सिम' प्रदान करने में बारी जा रही कार्वाय तथा विलिख 'सिमों' को रूढ़ करने की वृद्धि कम्पनियों की कार्यवाहियों के चलते दिसम्बर 2012 में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या बरी है. यह कमी अहरी व प्राणीय टेलों दी सेजों में दर्ज की गई है. उपलब्ध जीकडों के अनुसार दिसम्बर 2012 में देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या 89-551 करोड़ रह गई थी. जो एक माह पूर्व नवम्बर 2012 के अल में 92-147 करोड़ थी. सन्दर्भित अवधि में अहरी सेजों में उपभोक्ताओं की

टेलीफोन सम्बन्धी आँकड़े एक दृष्टि में (31 दिसम्बर, 2012)

	सम्बन्धित	सम्बन्धित	सेवा
टेलीफोन कनेक्शनों की कुल संख्या (करोड़ में)	86-472	3-079	89-551
अहरी उपभोक्ता	53-312	2-384	55-696
प्राणीय उपभोक्ता	33-160	0-695	33-854
टेलीफोनी	70-82	2-52	73-34
अहरी सेवा में	143-48	6-42	149-90
प्राणीय सेवा में	39-04	0-82	39-85
कुल टेलीफोन उपभोक्ताओं में अहरी उपभोक्ताओं का प्रतिशत	61-65	77-43	62-20
प्राणीय उपभोक्ताओं का प्रतिशत	38-35	22-57	37-80

संख्या 57-778 करोड़ से घटकर जहाँ 55-696 करोड़ रह गई थी, प्राणीय सेवा में यह 34-369 करोड़ से घटकर 33-854 करोड़ रह गई थी. टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में इस कमी के चलते देश में टेलीफोनी दिसम्बर 2012 के अल में 73-34 रह गई थी, जो एक माह पूर्व नवम्बर 2012 के अल में 75-55 थी.

इन जीकडों के अनुसार दिसम्बर 2012 के अल में देश में टेलीफोनी अहरी सेवा में 149-90 व प्राणीय सेवा में 39-85 थी. टेलीफोन उपभोक्ताओं में अहरी व प्राणीय सेवा के उपभोक्ताओं का प्रतिशत दिसम्बर 2012 के अल में क्रमशः 62-20 प्रतिशत व 37-80 प्रतिशत संभवतः की इस रिपोर्ट में बताया गया है. रिपोर्ट के अनुसार दिसम्बर 2012 के अल में टेलीफोनी का राष्ट्रीय औसत जहाँ 73-34 था, वहीं सार्वजनिक टेलीफोनी (220-00) दिल्ली में थी. इस मामले में दूसरा, तीसरा व चौथा स्थान क्रमशः तमिनाडु (टेलीफोनी 109-6) हिमाचल प्रदेश (102-76), पंजाब (101-92) व केरल (100-78) का था. दिसम्बर 2012 के अल में सबसे कम टेलीफोनी असम में 46-50 थी. बिहार (46-53), मध्य प्रदेश (52-23) व उत्तर प्रदेश (56-23) के स्थान इसके बाद थे.

संभाव्य के इन आँकड़ों के अनुसार दिसम्बर 2012 के अल में देश में ब्रॉड बैंड कनेक्शनों की कुल संख्या 1-498 करोड़ थी, जो एक माह पूर्व नवम्बर 2012 के अल में 1-488 करोड़ थी. ब्रॉडबैंड कनेक्शनों की संख्या में 12-62 प्रतिशत की वृद्धि वर्ष 2012 में दर्ज की गई. दिसम्बर 2012 के अल में देश में इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर्स (ISPs) की कुल संख्या 160 थी. मॉडर्न लेजर के आधार पर इनमें पाँच अग्रणी सेवा प्रदाता क्रमशः बीएसएनएल (उपभोक्ताओं की संख्या 99 लाख), भारती एयरटेल (13-9 लाख), एयरटीएनएल (10-6 लाख), डैटानैट (3-7 लाख) व यू.ओ.ई. (2-9 लाख) थे.

- पाँच अन्य हवाई अड्डों को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों का दर्जा

नागरिक उड्डयन मंत्रालय के प्रस्ताव पर पाँच चरित्व हवाई अड्डों को अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का दर्जा केन्द्र सरकार ने अक्टूबर 2012 में प्रदान किया है. इन हवाई अड्डों में उत्तर प्रदेश के लखनऊ व बाराबंकी के अतिरिक्त शीख भारत के निवासियों, कोकमर व मंगलूर हवाई अड्डे शामिल हैं. इन अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों का दर्जा प्रदान करने का फैसला केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 4 अक्टूबर, 2012 की बैठक में किया गया. इससे देश में अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों की कुल संख्या अब 23 हो गई है. इनकी सूची निम्नलिखित है—

वीर सावरकर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पोर्ट ब्लेयर
राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	हैदराबाद
लोकप्रिय गोपीनाथ बोरोडोई अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	पुवाहाटी
इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नई दिल्ली
राजेश्वरी हवाई अड्डा	गोवा
सावरकर कन्या हवाई अड्डा	अजमेराबाद
अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	वीरवार
वीरवार हवाई अड्डा	बंगलूर
बंगलूर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मंगलूर
मंगलूर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	कोकोकोट
कोकोकोट अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	त्रिवेन्द्रम
त्रिवेन्द्रम अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	दिल्ली
दिल्ली अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	मुम्बई
मुम्बई अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	नागपुर
नागपुर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	अमृतसर
अमृतसर अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा	

जयपुर अलार्गस्टीय हवाई अड्डा जयपुर
अन्ना अलार्गस्टीय हवाई अड्डा चेन्नई
कोयम्बटूर अलार्गस्टीय हवाई अड्डा कोयम्बटूर
तिरुचिरपल्ली अलार्गस्टीय हवाई तिरुचिरपल्ली
अड्डा
चौधरी चरण सिंह अलार्गस्टीय लखनऊ
हवाई अड्डा
सात बहादुर आम्बी अलार्गस्टीय जयगपुरी
हवाई अड्डा
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कोलकाता
अलार्गस्टीय हवाई अड्डा

● 2 जी स्पेक्ट्रम आवंटन नीतियों से राज्य प्रगति लक्ष्य से काफी कम

दूरसंचार कम्पनियों को 2जी स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए नीतियों की प्रक्रिया सरकार द्वारा नवम्बर 2012 में अपनाई गई, किन्तु इसमें वांछित गति सरकार को प्राप्त नहीं हो सकी. इस बोली के लिए सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षित मूल्य (Reserve Price) को काफी ऊंचा मानने हुए दूरसंचार कम्पनियों ने इस ऑफर के प्रति उत्साह प्रदर्शित नहीं किया. 1-25 - 1-25 मेगाहर्ट्ज के कुल 176 बॉक्स के आवंटन हेतु बोलीवाली सरकार द्वारा आमंत्रित की गई थी. इसमें से केवल 101 बॉक्स के लिए ही बोलीवाली सरकार को इस अधिक के तहत प्राप्त हुई. दिल्ली, मुंबई,

नवम्बर 2012 में 2जी स्पेक्ट्रम नीतियों के तहत विभिन्न कम्पनियों को मिले सॉलिसिड व इनके लिए कम्पनियों द्वारा चुकाई गये वारंटी गारंटी

कम्पनी व इसे मिले सॉलिसिड की संख्या	क्षेत्र	बोली की तारीख (₹ करोड़ में)
टेलेनॉर (5)	अण्डम प्रदेश, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश (ईस्ट), उत्तर प्रदेश (वेस्ट)	4018-0
भारती एयरटेल (1)	अण्डम	8-7
कोलकोतेन (14)	अण्डम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पृथ्वी, ओडिशा, पंजाब, उत्तर प्रदेश (ईस्ट), उत्तर प्रदेश (वेस्ट), प. बंगाल	1128-0
अइरडिया (7)	अण्डम, जम्मू-कश्मीर, कोलकाता, पृथ्वी, ओडिशा, उडुपीनाडु, प. बंगाल	2031-0
वीडिओकॉन (6)	बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश (ईस्ट), उत्तर प्रदेश (वेस्ट)	2221-0
कुल		9406-7

कर्नाटक व राजस्थान सॉलिसिड के लिए एक भी बोली इस बार प्रस्तुत नहीं की गई. अखिल भारतीय तारोंस के लिए बीच मेगाहर्ट्ज के स्पेक्ट्रम के लिए ₹ 14000 करोड़ का आरक्षित मूल्य सरकार द्वारा तय किया गया था. उच्च आरक्षित मूल्य के चलते किसी भी कम्पनी ने इस तारोंस के लिए बोली नहीं प्रस्तुत की. दो दिन बाद इस नीतियों के तहत स्पेक्ट्रम आवंटन में

कुल ₹ 9406-7 करोड़ सरकार को प्राप्त होगे, जबकि तब ₹ 28000 करोड़ की राज्य प्रगति का था. इससे पूर्व 2010 में 3जी स्पेक्ट्रम आवंटन के लिए की गई नीतियों में ₹ 67,719 करोड़ का राज्य सरकार को प्राप्त हुआ था.

नवम्बर 2012 की तारीख नीतियों में बोलाघोष ने सॉलिसिड 14 सॉलिसिड में स्पेक्ट्रम सॉलिसिड किए हैं, जबकि आरक्षित की 7 सॉलिसिड में अनिश्चित स्पेक्ट्रम मिले हैं. वीडिओकॉन व टेलेनॉर को 6-6 सॉलिसिड (Circles) में स्पेक्ट्रम इस नीतियों में सॉलिसिड हुए हैं. इन दोनों कम्पनियों को मिले सॉलिसिड वह हैं, जो इन कम्पनियों को 2008 में मिले थे तथा जो सर्वोच्च न्यायालय के फैरवी 2012 के एक फैसले के चलते रद्द कर दिए गए थे.

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक नीति-2012 को केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की मंजूरी

केन्द्र सरकार की नई इलेक्ट्रॉनिक नीति-2012 (National Policy on Electronics 2012) को अंतिम रूप दे दिया गया है. इस नीति का मसौदा (Draft) सरकार ने पहले ही जारी कर दिया था. जिस पर विभिन्न वर्गों की प्रतिनिधियों जलने के परराष्ट्र नीति को अंतिम रूप दिया गया तथा केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 26 अक्टूबर, 2012 की बैठक में इसे मंजूरी प्रदान की गई है. इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग (ESDM) को सहायक रूप 2020 तक देश में इलेक्ट्रॉनिक सर्विसेज मैनुफैक्चरिंग सेक्टर का टर्नओवर 400 अरब डॉलर का करने का लक्ष्य राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक नीति 2012 में निर्धारित किया गया है. इसके लिए 100 अरब डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी तथा विभिन्न स्तरों पर सेक्टर के 28 सिलिपन (3-8 करोड़) अवसर सृजित हो सकेंगे.

नई राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक नीति 2012 के प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित हैं-

- वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी 'इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एंड मैनुफैक्चरिंग (ESDM)' तंत्र को स्थापित करना.
- नौ वैटिगियल की परेनु आपूर्ति को 20-25 प्रतिशत के सीजुदा स्तर से बढ़ाकर 2020 तक 60 प्रतिशत करना.
- ईएसडीएम सेक्टर का साक्षता निर्धार 5-5 अरब डॉलर के सीजुदा स्तर से बढ़ा कर 2020 तक 80 अरब डॉलर करना.
- ईएसडीएम सेक्टर हेतु दस 'मैन पॉष' तैयार करना. इसके लिए पराम्ताक शिक्षा का विस्तार तथा 2020 तक प्रतिवर्ष डॉक्टरेट की 250 उपरिर्त प्रदान करना.
- उच्च मानकों के विकास हेतु मुद्रुड संस्करण तंत्र का विकास करना.
- ईएसडीएम सेक्टर तथा सामरिक व अन्य आचारिक संस्वता सेतों के बीच दीर्घकालिक सहकारिता स्थापित करना.
- ईएसडीएम सेक्टर में वैश्विक सम्पत्ति (Intellectual Property) के मुजान में गंभीर लोकर करना.
- प्रग्रीष सेतों की जसतों सहित देश की परेनु जसतों के साथ-साथ अलार्गस्टीय कजनों की जसतों के लिए उचित मुजनों पर उपरिष के लिए समुचित प्रीवोगीकी का विकास करना.
- ई-वैसट मैनेजमेंट के लिए सर्वविध तकनीकों को अलाने के कार्य में तेजी लाना.

विशेष

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन

● दोसरे वरिडल लवों की सीमा 2015 तक बढ़ई

8 देशों के समूह 'दोसरे' (SAARC) ने अपने विकास लक्ष्यों (SAARC Development Goals-SDGs) को प्राप्त करने के लिए समय सीमा 2012 निर्धारित की हुई थी. यह लक्ष्य प्राप्त न हो पाने के कारण इन्हें कि विकास लक्ष्यों को पुनर्निर्धारित करना 2015 किया गया है. समय सीमा में वृद्धि का फैसला 5 अक्टूबर, 2013 को काठमांडू में दोसरे की वरिडलरीय बैठक में किया गया यह सार्क डेवलपमेंट गोल्स संयुक्त राष्ट्र संघ के 8 निर्देशिका डेवलपमेंट गोल्स' की तर्ज पर निर्धारित 22 लक्ष्य हैं, जो लक्ष्यमिडूट, हेल्थ, एनुकेशन व एन्वायरमेंट चार वर्गों में निर्धारित हैं.

- **बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तिम ट्रास्ट प्लान को स्वीकृति**

योजना आयोग की संसुति पर राष्ट्रीय विकास परिषद् (NDC) ने देश की 12वीं पंचवर्षीय योजना में सकल घरेलू उत्पाद में वार्षिक वृद्धि का लक्ष्य 8.2 प्रतिशत से घटाकर 8.0 प्रतिशत कर दिया है। इस संशोधन के साथ 12वीं योजना के इस्तेमाल के राष्ट्रीय विकास परिषद् की प्रभावशाली डॉ. मनमोहन सिंह की अध्यक्षता में 27 दिसम्बर, 2012 को वर्ग दिल्ली में सम्मान बैठक में स्वीकार किया गया।

कारणों योजना (2012-17) के लिए 8 प्रतिशत विकास दर के तथ्य के अनुसार अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के संघटित तथ्य निम्नलिखित प्रकार हैं.

(अ) 1. कृषि, बालिका एवं मत्स्यपालन	4-0%
(ब) उद्योग (2 से 5)	7-6%
2. खनन एवं उत्खनन	5-7%
3. विनिर्माण	7-1%
4. विदुल, गैस एवं जलाशक्ति	7-3%
5. निर्माण	9-1%
(घ) सेवाएं (6 से 9)	9-0%
6. व्यापार, होटल एवं रेस्तरां	7-4%
7. परिवहन, भण्डारण एवं संचार	11-8%
8. वित्तीय, बीमा, स्वास्थ्य सम्पदा एवं व्यावसायिक सेवाएं	9-9%
9. सामुदायिक, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं	7-2%

बाहरी योजना के दौरान (2004-05 के मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में)

(i) सकल घरेलू गन्त दर	33-6%
(ii) निवेश दर	38-8%

वायव्य योजना में सार्वजनिक क्षेत्र का कुल परिचय करोड़ ₹ 7669837

वायव्य योजना में % प्रति 108-59%

बाहरी संसाधन का दृष्टिकोण (Vision)

त्यनित, समुपेयणीय एवं अधिक समुपेयणी संवर्द्ध

बाहरी योजना के मुसभल 25 सुख

आर्थिक संवृद्धि

1. खासगीकृत करत वरेनू उत्पाद संवृद्धि दर-8 प्रतिशत
2. कृषि विकास दर-4-60 प्रतिशत
3. विनिर्माणी विकास दर-10-60 प्रतिशत
4. प्रत्येक राज्य में खासगी योजना के दौरान औद्योगिक विकास दर प्राथमिकता के साथ व्यावहारिक योजना में प्राप्त विकास दर से अधिक हो.

निर्धनत्वा एव सौख्यम्

5. बारहवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त तक उच्चतर शिक्षा अनुदान में हरेक पूर्व के अनुमानों की तुलना में 10 प्रतिशत की कमी लाना
6. बारहवीं योजना में गैर-कृषि क्षेत्र में 5 करोड़ नवीन रोजगार अवसर सृजित करना तथा इनके ही लोगों को कीमती प्रशिक्षण-प्रदान करना।

Event

7. बाहरीय योजना के अन्तर्गत विद्यालयों के मध्य पर्यावरण को संरक्षित कर बढ़ाकर कार्य कराया।
8. अर्थव्यवस्था के लिए कोशल आयन्यक्तियों के अनुसंधान प्रत्येक आयु वर्गों में प्रारंभ के लिए 20 लाख अतिरिक्त सौदों के मुकाम के साथ तथा तथा एक महीने को बढ़ाया।
9. बाहरीय योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में सीमांत एवं सामाजिक अन्तर्गत समापन करना (समाप्त) एवं बाह्यताओं के बीच अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातों, मूलभूत एवं शेष जनजातों के बीच।

स्वास्थ्य

10. बायस्को योजना के अन्त तर्क ३१७७ मनुष्य दर को घटाकर २.५ तथा वार्षिक मनुष्य दर को ५ प्रति १००० मेरिबन जन्म तक घटाना एवं कार्य विज्ञानपाठ (३-६ वर्ष) को बायस्को ९५० करना.
11. बायस्को योजना के अन्त तर्क कुछ प्रजनन दर को घटाकर २.१ करना.
12. बायस्को योजना के अन्त तर्क ०-५ वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आय-पीपण को राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-३ के स्तर में आधे स्तर पर लाना.

अध्येक्षना, साम्मीय अध्येक्षना सहित

13. बाहरी योजना के अन्त तक आधेगन्ना में विजेको को बढ़ाकर सफल प्रयोग उत्पन्न के 9 प्रतिशत के लक्ष्य पर लाना.
14. बाहरी योजना के अन्त तक सफल सिंचिण क्षेत्र की 90 मिलियन हेक्टेयर पर बाढ़र 103 मिलियन हेक्टेयर करना.
15. बाहरी योजना के अन्त तक सभी गाँवों तक बिजली पहुँचाना तथा AT2C स्तरियों को बढ़ाकर 20 प्रतिशत के लक्ष्य पर लाना.
16. बाहरी योजना के अन्त तक सभी गाँवों को सभी सीमाओं के लिए जलजुल सहको में जोड़ना.
17. बाहरी योजना के अन्त तक राष्ट्रीय एवं जलनीय रामायणी को मनुष्यन 2 तैल मानक के अनुसार उपलब्ध करना.
18. बाहरी योजना के अन्त तक पूर्वी एवं पश्चिमी समीप मल बाढ़र गिनियों को दान करना.

19. बारहवीं योजना के अन्त तक ग्रामीय टेसी सुपन्नता को बढ़ाकर 70 प्रतिशत तक बढ़ाना।
 20. एक सुनिश्चित करना कि बारहवीं योजना के अन्त तक 50 प्रतिशत ग्रामीय जनसंख्या को 40 लिटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन तक स्वच्छ पेयजल को प्राप्त हो जाय। तथा 50 प्रतिशत ग्राम पंचायतों निर्मल ग्राम का दर्जा प्राप्त कर लें।
- वर्षावस्था एवं समन्वयणीयता**
21. बारहवीं योजना के अन्त तक हरित आभरण (Green Cover) (उपहार विल से अधिक) प्रतिवर्ष 10 लाख हेक्टेयर के हिसाब से वृद्धि करना।
 22. बारहवीं योजना में 300000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा सफल होना।
 23. सन् 2020 तक सकल घरेलू उत्पाद की दरजान पर सन्वयन में 2005 के स्तर से 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि होना।

सेवा विस्तारण

24. कारहवी योजना के अन्तर्गत 900 प्रतिष्ठित भारतीय परिवारों तक वैश्वीय सेवाओं की पहुँच सुनिश्चित करना.
25. कारहवी योजना के अन्तर्गत जापान प्लेटफार्म से सम्बद्ध बैंक खातों में अतिरिक्त सुविधाएँ एवं कल्याण सम्बद्ध लाभों भुगतानों को प्रत्यक्ष नकदी हस्तान्तरण प्रणाली द्वारा हस्तान्तरित करना.

વિવિધ

- **शरादा रूप के बिट कण्ड छोड़ते में बिल मंत्री विजयवन्म की पत्नी पर भी जमाना छोड़ें गईं**
आजकल योजनाओं के जल्दिए पत्नी-पत्नी मिलेजतकों को लगने के ₹ 30 हजार कर्जोड़ के बिट कण्ड छोड़ते में पैसे प. बनाव के शरादा रूप के मनीक सुदीपो सेन ने केन्द्रिय बिल मंत्री वि. विजयवन्म की अधिकतम पत्नी मन्जिनी को भी इस धोखे के पकड़व में कैदने का प्रयास किया है. सीओआई को बिलो एक पत्र में उन्होंने नर्सिनी विजयवन्म को भी पैसामे का प्रयास किया है. शरादा समुद्र पर खने आरोपों का इससे कुछ साक्ष्य मिलेजतकों को हुईं डानि की इतने हीरुपण्डा प्रोड हल्केविजान ऑडिअस (CHRO) से बराने के आदेश सरकारी ने दिए हैं.
- **बैंक ऑफ इंडीया की केवल महिलाकर्मियों वाली उत्तर प्रदेश में पहली शाखा**
सार्वजनिक सेवा के बैंक ऑफ इंडीया ने उत्तर प्रदेश में काबजुत में एक पैरी शाखा का शुभारम्भ मार्च 2013 में किया है. निम्नमे कार्य करने वाली बर्नी महिलाएँ हैं.
उत्तर प्रदेश में इस विस्म की यह पहली शाखा है.

प्रतियोगिता दर्पण

के अतिरिक्तांक

टॉपर्स की नजर में

नवीन संस्करण



New Revised & Enlarged Editions

Series-1	Indian Economy (2013)	790	325.00
Series-2	Geography (India & World)	793	245.00
Series-3	Indian History	798	138.00
Series-4	Indian Polity & Governance	797	190.00
Series-6	General Science Vol. 1	814	130.00
Series-6	General Science Vol. 2	818	90.00
Series-7	Current Events Round-up	819	140.00
Series-12	Indian National Movement & Constitutional Development	812	105.00
Series-15	Indian History-Ancient India	804	140.00
Series-16	Indian History-Medieval India	806	140.00
Series-17	Indian History-Modern India	802	130.00
Series-19	New Reasoning Test	826	230.00
Series-22	Political Science	821	225.00
Series-23	Public Administration	824	195.00
Series-24	Commerce	805	230.00
प. सीरीज-1	भारतीय अर्थशास्त्र (2013)	791	299.00
प. सीरीज-2	भूगोल (भारत एवं विश्व)	792	180.00
प. सीरीज-3	भारतीय इतिहास	795	130.00
प. सीरीज-4	भारतीय राजशासन एवं शासन	794	165.00
प. सीरीज-5	भारतीय कला एवं संस्कृति	796	125.00
प. सीरीज-6	सामान्य विज्ञान Vol. 1	829	110.00
प. सीरीज-6	सामान्य विज्ञान Vol. 2	830	105.00
प. सीरीज-7	सामान्य विज्ञान घटनाक्रम	809	80.00
प. सीरीज-9	वस्तुनिष्ठ सामान्य हिन्दी	822	95.00
प. सीरीज-10	नैतिक एवं तर्कशास्त्र परीक्षा	825	120.00
प. सीरीज-11	समाजशास्त्र	810	130.00
प. सीरीज-12	भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन एवं संवैधानिक विकास	823	120.00
प. सीरीज-13	खेलकूद	828	170.00
प. सीरीज-14	कृषि विज्ञान	836	155.00
प. सीरीज-15	प्राचीन इतिहास	837	140.00
प. सीरीज-16	मध्यकालीन इतिहास	838	145.00
प. सीरीज-17	आधुनिक इतिहास	839	165.00
प. सीरीज-18	दर्शनशास्त्र	842	110.00
प. सीरीज-19	न्यू रिजनिंग टेस्ट	843	150.00
प. सीरीज-20	हिन्दी भाषा	860	110.00
प. सीरीज-21	संख्यात्मक अभियोग्यता	861	250.00
प. सीरीज-22	राजनीति विज्ञान	866	199.00
प. सीरीज-23	लोक प्रशासन	813	220.00
प. सीरीज-24	वाणिज्य	816	235.00

प्रतियोगिता दर्पण

2/11 ए. स्वदेशी मीठा नगर, जामनगर - 282 002

फोन : 4053333, 2531099, 2531101, फैक्स : 06621 4063330

E-mail : care@pdgroup.in

ऑनलाइन : www.pdgroup.in | 2012/2013-14 | 2013/2014-15 | 2014/2015-16 | 2015/2016-17

purchase online log on to www.pdgroup.in

एकाग्रता

याददाश्त

सतर्कता

देर रात तक
जगने के लिये
स्फूर्ति

**बनना ही टॉपर या रहना ही टॉप पर...
रहो चुस्त और तंदुरुस्त, लो रिवाइटल...रोज़ाना!**

परीक्षा में टॉपर बनने के लिए जरूरी है कड़ी मेहनत और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता। लगातार कई घंटों तक पढ़ना, देर रात तक जागना, कोथिंग, प्रोजेक्ट्स और बहुत कुछ। ऐसे में अक्सर खान-पान पर ध्यान दे पाना संभव नहीं हो पाता। इसलिए खाने के साथ लीजिये रिवाइटल। इसके 11 विटामिन, 9 मिनरल और जिनसेंग का संतुलित मिश्रण रखे आपको चुस्त-तंदुरुस्त और दे मानसिक सतर्कता और एकाग्रता। तो इंतज़ार कैसा? लो रिवाइटल रोज़ाना और बनो टॉपर ज़िन्दगी की हर परीक्षा में!



REVITAL®



समस्या हल हो जाए,
कल के लिए सब ठीक हो जाए



जियो जी भर के

Pharmaceuticals Pvt. Ltd. (Revital)

रिवाइटल एकसपोर्ट से सलाह कल्पे के लिए कॉल करें-

टोल फ्री नं.: 1800-102-55351, STD: 0124-618 5825

ऑनलाइन टॉपिकर से जमिस्तर, चुस्त ५ कल्पे से, सांग ५ कल्पे तक) 0885 करें REVITAL POW 50000 पर

myrevital@ranbaxy.com, www.myrevital.com, www.facebook.com/Revital

